उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : ब्यूटी एण्ड वैलनेस

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम–2025–26

कक्षा–12

विषय – ब्यूटी एण्ड वैलनेस

इस विषय की परीक्षा निम्नानुसार है–

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–					
प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	प्रायोगिक परीक्षा	पूर्णांक
एकपत्र	3:15	30	20	50	100

भाग–1

1. Employability skills **10**

Communication skills

Self management skills

Basic ICT skills

Entrepreneurial skills

Green skills

भाग–2

20

इकाई–1

1. मेकअप सर्विसेज

इकाई–2

2. बुनियादी डेपिलेशन सर्विसेज

इकाई–3

3. सैलून रिसेप्शन ड्यूटीज

इकाई–4

4. कार्यस्थल पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करना

भाग–1

Employability Skills

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनें–

1. इंस्टेंट मैसेजिंग का उदाहरण है ?

(a) Word Pad (b) Excel

(c) WhatsApp (d) Google

2. निम्न में से कौनसा एक सर्च इंजन का नाम है ?

(a) Microsoft (b) IBM

(c) WhatsApp (d) Google

3. वेबपेज के समूह को क्या कहते है ?

(a) वेबग्रुप (b) वेबमीनू

(c) वेबसाइट (d) वेबलॉग

4. निम्न में से कौनसी एक आउटपुट डिवाइस है ?

(a) मॉनिटर (b) माउस

(c) की–बोर्ड (d) यू.पी.एस

5. सॉफ्टवेयर के ग्रुप को क्या कहा जाता है ?

(a) सिस्टम सॉफ्टवेयर (b) पैकेज सॉफ्टवेयर

(c) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (d) यूटिलिटी सॉफ्टवेयर

6. सॉफ्टवेयर कितने प्रकार के होते है ?

(a) दो (b) चार

(c) तीन (d) कोई नहीं

7. सॉफ्टवेयर की श्रेणी में नहीं आता है ?

(a) सॉफ्टवेयर (b) सिस्टम सॉफ्टवेयर

(c) हार्डवेयर (d) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर

8. वायरस एक प्रकार का है ?

(a) प्रोग्राम (b) जीवाणु

(c) उपकरण (d) कोई नहीं

9. पेट्रोल पम्प पर तेल मापने के लिए प्रयुक्त कम्प्यूटर है ?

(a) डिजिटल (b) एनालॉग

(c) मेनफ्रेम (d) सुपर

10. प्राथमिक संग्रहण माध्यम है ?

(a) हार्ड डिस्क (b) मैमोरी

(c) सी.डी. (d) चुम्बकीय टेप

11. कम्प्यूटर का जनक किसे कहा जाता है ?

(a) चार्ल्स बाबेज (b) रदरफोर्ड

(c) आइंसटाइन (d) न्यूटन

12. फाइलें इसमें व्यवस्थित होती है ?

(a) फाइल (b) फोल्डर

(c) मीनू (d) डेटा

13. Which is not a proper method of communication?

(a) Verbal (b) Non-Verbal

(c) Visual (d) Dramatic

14. What does a better body language do ?

(a) Improves health (b) Improves Communication

(c) Improves mind (d) Nothing

15. Which of the following is not good for health ?

(a) Yoga (b) Meditation

(c) Exercise (d) Overeating

16. What is full form of ICT ?

(a) Indian care technology

(b) International care technology

(c) Information communication technology

(d) Indian Customer time

2. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरें–

1. ऑनलाइन मीटिंग करने के लिए .... का उपयोग किया जाता है। (कैलेंडर / वॉच)

2. LAN का पूरा नाम .... है। (लोकल एरिया नेटवर्क / लेटेस्ट एरिया नेटवर्क)

3. WWW का पूरा नाम .... है । (वर्ल्ड वाइड वेब / वर्ल्ड वेब वेब)

4. नेटवर्क के नेटवर्क को .... कहते है। (इन्टरनेट / कम्प्यूटर)

5. Full form of C.V. is ______________ (Curriculum Vitae / Curriculum Vertex)

6. RDBMS की Full form ------------------------- है । (Relational Databse Management System / Rotational Database Management System)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए–

1. WAN का पूरा नाम क्या है ?
2. Internet क्या है ?
3. ALU का पूरा नाम क्या है ?
4. ROM का पूरा नाम क्या है ?
5. दो Output युक्तियों का नाम बताइये ?
6. Computer का शाब्दिक अर्थ क्या होता है ?
7. 1 Byte में कितने Bits होते हैं ?
8. Software कितने प्रकार के होते है ?
8. फोल्डर क्या होता है ?
10. ऑपरेटिंग सिस्टम को परिभाषित कीजिए।
11. भारत में तीन इन्टरनेट सेवा प्रदाताओं के नाम बताइये।
12. बैकअप क्या होता है ?
13. कैश मेमोरी के बारे में समझाइए।
14. मेमोरी यूनिट को समझाइए।
15. मेमोरी किससे बनी होती है ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो पंक्ति में दीजिए।

1. Word file को Open और Exit करने की प्रक्रिया लिखिए।
2. Software Package क्या होते है ?

5. एक पृष्ठ में उत्तर दीजिए–

1. CPU का ब्लॉक डाइग्राम बनाए एवं विभिन्न भागों को समझाइए।

6. सही वाक्य के सामने (√) एवं गलत वाक्य के सामने (x) का निशान लगाए–

1. मेमोरी सेमीकंडक्टर से बनी होती है।
2. www का पूरा नाम वर्ल्ड वेब वेब है।
3. फाइलों के समूह को फोल्डर कहते हैं।

भाग–2

इकाई–1 मेकअप सर्विसेज

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सामान्य त्वचा का पीच होता है–

(अ) 7.5 से 8.5 (ब) 5.5 से 5.8

(स) 6.5 से 5.5 (द) 3.5 से 4.5

2. शुष्क त्वचा का परिणाम है–

(अ) अधिक लुब्रीकेशन (ब) लुब्रीकेशन में कमी

(स) अ और ब दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

3. किस प्रकार की त्वचा मोटी और खुरदरी होती है–

(अ) सामान्य त्वचा (ब) शुष्क त्वचा

(स) तेलीय त्वचा (द) एलर्जी वाली त्वचा

4. .... त्वचा को रिफ्रेश और ठंडा करने के लिए लगाया जाता है–

(अ) टोनर (ब) क्लींजर

(स) मॉइश्यराइजर (द) इनमें से कोई नहीं

5. फाउंडेशन का उपयोग किया जाता है–

(अ) डेड सेल्स को रिमूव करें (ब) त्वचा को मॉइश्चराइज करे

(स) शेडिंग इफेक्ट देने में (द) चिकना औन समान कॉम्प्लेशन प्राप्त करें

6. क्रीम फाउंडेशन उपयुक्त है–

(अ) तेलीय त्वचा (ब) परिपक्व त्वचा

(स) मिश्रित त्वचा (द) सामान्य या शुष्क त्वचा

7. पाउडर ब्लश के लिए उपयुक्त है–

(अ) तेलीय व्यवस्था (ब) सामान्य त्वचा

(स) एलर्जी वाली त्वचा (द) उपरोक्त सभी

2. सही या गलत बताइए–

1. प्राथमिक रंग नारंगी, हरा और पीला है। (सही / गलत)
2. पीले और नीले रंग के संयोजन से हरा रंग बनता है। (सही / गलत)

3. शेड एक रंग का मिश्रण है जो अल्केपन को कम रहता है। (सही / गलत)

4. वे रंग जो एक दूसरे के बगल में होते है पूरक रंग कहलाते है। (सही / गलत)

5. लाल नारंगी या पीले रंग के उपर वाले रंगों को 'वार्म कलर' कहा जाता है। (सही / गलत)

6. वाइप्स फाउंडेशन, कंसीलर और आई शेडों को हटा सकते है। (सही / गलत)

7. टोनर स्चछ त्वचा प्रदान करते है और त्वचा को ताजा करते है। (सही / गलत)

8. माइसेलर वॉटर उसी समय मेकअप को हटाता है। त्वचा को साफ और हाइड्रेट करता है। (सही / गलत)

9. कोल्ड क्रीम रवनी। (सही / गलत)

3. **निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द / पंक्ति में दीजिये।**

1. प्राथमिक रंगों के नाम दें।
2. द्वितीय रंग कैसे प्राप्त होते है?
3. ह्यू और शेड को परिभाषित करें।
4. टिंटे, शेड और टोन में अंतर बताओ।
5. बिंदी की कुछ सामान्य शैलियों के नाम लिखिए।
6. कौनसी बिंदी स्टाइल फेटिश और फ्रीकी लुक देती है?
7. किस प्रकार की बिंदी से बिंदी की स्टाइल मजेदार लगती है?
8. दैनिक उपयोग के लिए कौनसी मेंकअप हटाने की तकनीक सबसे उपयुक्त है?
9. त्वचा को साफ करने और त्वचा की रंगत को तरोताजा करने के लिए किस एजेंट का उपयोग किया जाता है?
10. टोनर का उपयोग कैसे किया जाता है?

इकाई–2

बुनियादी डेपिलेशन सर्विसेज

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. इलेक्ट्रिकल फेशियल ट्रीटमेंट को कहा जाता है–

   (अ) गैल्वनिक ट्रीटमेंट (ब) कॉस्मेटिक इलेक्ट्रोथेरिपी

   (स) उच्च आवृति उच्चार (द) फैराडिक ट्रीटमेंट

2. डीप क्लींजिंग के लिए कौन सा उपकरण उपयुक्त है–

   (अ) इलेक्ट्रिक ब्रश (ब) फाउंडेशन ब्रश

   (स) कॉटन पैड (द) इनमें से कोई नहीं

3. गैल्वेनिक इलेक्ट्रो–फेशियल त्वचा उपचार में किस प्रकार के इलेक्ट्रिक करंट का उपयोग किया जाता है–

   (अ) वैकल्पिक करंट (एसी) (ब) डायरेक्ट करंट (डीसी)

   (स) एसी और डीसी का संयोजन (द) इनमें से कोई नहीं

4. गैल्वेनिक उपचार से पहले त्वचा पर अम्लीय घोल क्यों लगाया जाता है?

   (अ) त्वचा के रोग छिद्रों को बंद करने के लिए

   (ब) त्वचा के रोम छिद्रों को खोलने के

   (स) रक्त संचार को कम करने के लिए (द) उपरोक्त सभी

5. लसीका जल निकासी चेहरे की मशीन में मदद करता है–

   (अ) परिसंचरण में सुधार (ब) सूजन कम करे

   (स) सामान्य रक्त संकुचन को कम करें (द) उपरोक्त सभी

6. मोटी त्वचा की कृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने के लिए किस उपचार का उपयोग किया जाता है–

   (अ) अल्ट्रासोनिक एक्सफोलिएशन (ब) फेशियल स्टीमिंग

   (स) गैल्वेनिक उपचार (द) इनमें से कोई भी नहीं

2. सही और गलत पर निशान लगाए–

1. कॉस्मेटिक इलेक्ट्रोपैथी को इलेक्ट्रिकल फेशियल स्क्रिन ट्रीटमेंट भी कहा जाता है। (सही / गलत)
2. डीप क्लीजिंग के लिएइलेक्ट्रिक ब्रश का उपयोग किया जा सकता है। (सही / गलत)

3. गैल्वेनिक इलेक्ट्रोफेशियल ट्रीटमेंट के दौरान छिद्रों को बंद करने के लिए अम्लीय घोल का उपयोग किया जाता है। (सही / गलत)
4. लिम्फेंटिक तंत्र प्रतिरक्षा तंत्र से जुड़ी रहती है। (सही / गलत)
5. उपचार की शुरूआत में मॉइस्चराइजर लगाया जाता है। (सही / गलत)
6. पतली त्वचा के लिए अल्ट्रासोनिक एक्सफोलिएशन की सिफारिश की जाती है। (सही / गलत)

3. **रिक्त स्थानों भरें–**
   1. .... का उपयोग बेहतर और डी पर क्लीजिंग के लिए किया जाता है। (फेशियल क्लींजर / तेल)
   2. त्वचा को हाइड्रेड करने के लिए .... लगाया जाता है। (टोनर / मॉइस्चराइजर)
   3. गैल्वेनिक फेशियल ट्रीटमेंट के दौरान अम्लीय घोल को .... के लिए लगाया जाता है। (छिद्रों को खोलने / छिद्रों को बंद)

4. **निम्न प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दें–**
   1. गहरी सफाई (डीप क्लींजिंग) के लिए प्रयुक्त होने वाले उपकरणों के नाम लिखिए।
   2. कौनसा उपचार करने से कोशिकाओं से अपशिष्ट विषाक्त पदार्थों और अतिरिक्त तरल पदार्थ निकल जाता है?
   3. एक सही इलेक्ट्रिकल ब्रश कैसे चुनें?
   4. फेशियल स्टीमिंग क्यों की जाती है?
   5. अल्ट्रासोनिक एक्सफोलिएशन उपचार क्या होता है?
   6. लिम्फेटिक ड्रेनेज फेशियल मशीन का कार्य बताइये।

इकाई–3

सैलून रिसेप्शन ड्यूटीज

निम्न में से सही विकल्प छांटिये।

1. रिसेप्शन एरिया में शामिल है–

   (अ) फ्रंट डेस्क (ब) रिटेल एरिया

   (स) भण्डारण वाला क्षेत्र (द) उपरोक्त सभी

2. स्वागत क्षेत्र में सेवा का विवरण कौन प्रदान करता है–

   (अ) ब्यूटी थेरेपिस्ट (ब) रिसेप्शनिस्ट

   (स) सैलून प्रबंधक (द) सैलून मालिक

3. क्लाइंट के लिए अपॉइंटमेंट कौन बुक करता है–

   (अ) सैलून प्रबंधक (ब) सैलून मालिक

   (स) रिसेप्शनिस्ट (द) ब्यूटी थेरेपिस्ट

4. वह हिस्सा जिससे ग्राहक को सैलून की पहली झलक मिलती है–

   (अ) भंडारण क्षेत्र (ब) लाउंज क्षेत्र/प्रतीक्षा क्षेत्र

   (स) फ्रंट डेस्क (द) रिटेल एरिया

2. सही या गलत पर निशान लगाऐं–

1. सैलून के सभी कार्यों में सैलून रिसेप्शनिस्ट की बहुत महत्वपूर्ण भूमि होती है। (सही/गलत)

2. सैलून रिसेप्शनिस्ट को गलत बुकिंग सेवा में देरी या किसी अन्य गलती के मामले में ग्राहक से माफी नहीं मांगनी चाहिए। (सही/गलत)

3. सैलून का रिकॉर्ड साफ–सुथरा और व्यवस्थित होना चाहिए। (सही/गलत)

4. सैलून में दिन के अंत में सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पंखे और लाइट बंद नहीं करना चाहिए। (सही/गलत)

3. रिक्त स्थानों को भरे–

1. सैलून रिसेप्शीनिस्ट को महमानों पर .... प्रभाव डालने के लिए व्यक्तिगत तैयारी करनी पड़ती है। (सकारात्मक/नकारात्मक)
2. अधिकांश सैलून अपॉइंटमेंट को रिकार्ड करने के लिए .... का उपयोग करते है। (सोफ्ट कॉपी/हार्ड कॉपी)
3. रिसेप्शन एरिया और आस–पास के क्षेत्र को .... रखना चाहिए। (साफ सुथरा व व्यवस्थित/गंदा)
4. **निम्न प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिये।**
   1. सैलून रिसेप्शनिस्ट के कार्य बताइए।
   2. आप अपॉइंटमेंट कैसे शेडयूल करेंगे?
   3. अपॉइंटमेंट बुक करते समय ग्राहक से कौन सी सभी जानकारी एकत्र करने की आवश्यकता है?
   4. रिसेप्शन एरिया में प्रदान की जाने वाली कुछ सुविधाओं के नाम बताइए।
   5. रिटेल एरिया का महत्व बताइए।
   6. सैलून के रिकॉर्ड कैसे व्यवस्थित करें।
   7. भुगतान के विभिन्न तरीके क्या है?
   8. लॉयल्टी कार्ड क्या होता है?

इकाई–4

कार्यस्थल पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. तंबाकू सेवन से कौन से रोग की संभावना होती है–

   (अ) कैंसर (ब) अस्थि रोग

   (स) ह्रदय रोग (द) कोई रोग नहीं होता

2. हाथों को उपचार से पहले और बाद में कीटाणुनाशक का उपयोग करने के लिए काम में लिया जाता है–

   (अ) तेल (ब) सैनिटाइजर

   (स) इत्र (द) टिशू पेपर

3. बालों को बिखेरने से रोकने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए–

   (अ) काजल (ब) स्प्रे / क्लिप

   (स) टोनर (द) कोई नहीं

4. नाखून काटने के लिए काम लेते हैं–

   (अ) कैंची (ब) बाम

   (स) नेल कटर (द) तेल

2. सही या गलत पर निशान लगाऐं–

1. लिपिस्टिक लगाने से पहले होंटों को पहले आउटलाइन कर लें। (सही / गलत)
2. दाँतों की देखभाल के लिए च्युइंग गम और तंबाकू से बचना चाहिए। (सही / गलत)
3. अच्छे स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक भोजन आवश्यक नहीं है। (सही / गलत)
4. नहाने के बाद अपने पैरों को स्पंज, ब्यूमिस के पत्थर या फुट स्क्रबर से साफ करें। (सही / गलत)

3. रिक्त स्थानों को भरे–

1. उपचार प्रदान करते समय .... दस्ताने पहनने चाहिए। (रोगाणु युक्त / रोगाणुहीन)

2. दाँतों को दिन में .... बार ब्रश करें। (दो बार/एक बार)
3. नहाने क बाद पैरों को .... से साफ करें। (क्रुटस्क्रबर/कंघी)
4. बालों में दिन में तीन से चार बार .... कंघी/मुलायम ब्रश से कंघी करें। (पत्तले दाँत वाले/चौडे दॉत वाली)

4. **निम्न प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिये।**
   1. सैलून रिसेप्शन एरिया को कैसे व्यवस्थित किया जाना चाहिए।
   2. आप एक ग्राहक के लिए देखभाल करने वाला वातावरण कैसे प्रदान करेंगे?
   3. टेलीफोन संचार की कुछ कठिनाईयां क्या है?
   4. हम अपनी त्वचा का रखरखाव कैसे कर सकते है?
   5. हम अपनी त्वचा का रखरखाव कैसे कर सकते है?
   6. लिपस्टिक पर लिप बाम क्यों लगाया जाता है?
   7. साबुन और पानी से हाथ धोने के 7 चरण बताएं।
   8. सआप एक अच्छा स्वास्थ्य कैसे बनाए रखेंगे।
   9. मेकअप कैसे किया जाता है?

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं CWSN प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : चित्रकला

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा–2025–26

कक्षा–12वी

विषय – चित्रकला

इस विषय में दो प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक की परीक्षा होगी। परीक्षार्थी को दोनों पत्रों में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–				
प्रश्न पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	4:15	24	06	30
प्रायोगिक	4:00	25+25+20 =70	0	70

कुल अंक 24

1.	पांडुलिपि चित्रकला परम्परा	2
2.	राजस्थानी चित्रकला शैली	4
3.	मुगलकालीन लघु चित्रकला	3
4.	दक्कनी चित्रकला शैली	3
5.	पहाड़ी चित्रकला शैली	2.5
6.	बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद	3
7.	आधुनिक भारतीय कला	4
8.	भारत की जीवित कला परम्पराएं	2.5

अध्याय 1 पाण्डुलिपि चित्रकला परम्परा 2

पश्चिमी भारतीय चित्रकला शैली, पाल चित्रकला शैली

अध्याय 2 राजस्थानी चित्रकला शैली 4

चित्रकला के विषय – एक समीक्षा। मालवा चित्रकला शैली, मेवाड़ चित्रकला शैली, बूंदी चित्रकला शैली, कोटा चित्रकला शैली, बीकानेर चित्रकला शैली, किशनगढ़ चित्रकला शैली, जोधपुर चित्रकला शैली, जयपुर चित्रकला शैली।

मुख्य चित्र– भागवत पुराण। मारू रागिनी। राजा अनिरूद्ध सिंह हाड़ा, चौगान खिलाड़ी, झूले पर कृष्ण एवं उदास राधा, बनी ठणी। चित्रकूट में राव व उनके परिवार का मिलन।

अध्याय 3 मुगलकालीन चित्रकला शैली 3

मुगल चित्रकला पर विभिन्न प्रभाव, प्रारम्भिक मुगल चित्रकला, उत्तर मुगल कला,

मुगल चित्रकला की प्रक्रिया। मुगल चित्रकला के रंग और तकनीक।
मुख्य चित्र – नूह की नाव, गोवर्धन पर्वत को उठाते हुए कृष्ण, पक्षी विश्राम पर बाज, जेबरा, दारा शिकोहों की बारात।

अध्याय 4 दक्कनी चित्रकला शैली 3

अहमदनगर चित्रकला शैली, बीजापुर चित्रकला शैली, गोलकुण्डा चित्रकला शैली।
मुख्य चित्र – संयोजित घोड़ा, सुल्तान इब्राहिम आदिल शाह–II , राग हिंडोला की रागिनी प्रथमासिका, सुल्तान अब्दुल्ला कुतुब शाह, हजरत निजामुद्दीन औलिया और अमीर खुसरो, पोलो खेलती हुई चांद बीबी।

अध्याय 5 पहाड़ी चित्रकला शैली 2.5

बसोहली शैली, गुलेर शैली कांगड़ा शैली,
मुख्य चित्र– प्रतीक्षारत कृष्ण और संशयशील राधा, बलवंत सिंह नैनसुख के साथ एक चित्र देखते हुए, नंद यशोदा और कृष्ण।

अध्याय 6 बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद 3

कंपनी चित्रकला, राजा कवि वर्मा, बंगाल स्कूल–अबनिंद्रनाथ टैगोर और ई.बी. हैवेल, शांतिनिकेतन–प्रारम्भिक आधुनिकवाद, अखिल–एशियावाद और आधुनिकवाद, आधुनिकवाद की विभिन्न अवधारणाएँ : पश्चिमी और भारतीय,
मुख्य चित्र– मिट्टी की जुताई, रास–लीला, राधिका, रात्रि में शहर, समुद्र का मानमर्दन करते राम, बच्चे के साथ महिला, यात्रा का अंत।

अध्याय 7 आधुनिक भारतीय कला 4

भारतीय कला में आधुनिकता का परिचय भारत में आधुनिक विचारधारा और राजनीतिक कला, प्रगतिशील कलाकार समूह मुम्बई और बहुमुखी भारतीय कला, अमूर्त–एक नई अवधारणा, आधुनिक भारतीय कला का विश्लेषण, नवीन कला आकृतियां और 1980 के बाद की आधुनिक कला।
मुख्य चित्र और मूर्तियों – मध्यकालीन संतों का जीवन, मदर टेरेसा, हल्दी पीसती, पूर्वपल्ली से परियों की कहानियाँ भँवर, बच्चे, देवी, दीवारों की, दक्षिण भारतीय ग्रामीण पुरूष–महिला, श्रम की विजय, संथाल परिवार, अनसुना रोता है, गणेश वनश्री।

अध्याय 8 भारत की जीवित परम्पराएं 2.5

चित्रकारी परम्परा : मिथिला चित्रकला, वर्ली चित्रकला, गोंड चित्रकला, पिथौरो चित्रकला, पाटा चित्रकला (पट चित्रकला), राजस्थान की फड़ लोककला, मूर्तिकला परम्परा–ढोकरा ढलाई (कॉस्टिंग) टेराकोटा (मृणमूर्ति)।

पाठ्यक्रम– 2025–26

कक्षा–12

विषयः चित्रकला प्रायोगिक

1. अंकन योजना

भाग–I : प्रकृति और वस्तु अध्ययन	**25**
1. चित्रण, रचना	10
2. माध्यम और रंगों का उपयोग	5
3. समग्र प्रभाव	10

भाग–II चित्र संयोजन	**25**
1. विषय पर जोर देने सहित संरचनागत व्यवस्था	10
2. माध्यम (रंग) और उपयुक्त रंग योजना का उपयोग	5
3. मौलिकता, रचनात्मकता और समग्र प्रभाव	10

भाग–III सत्रीय मूल्यांकन	**20**
1. पूरे वर्ष में रेखांकन का रिकॉर्ड	10
2. किसी भी माध्यम में पांच चयनित प्रकृति और वस्तु अध्ययन अभ्यास	5
3. उम्मीदवार द्वारा तैयार की गई तीन चयनित चित्र रचनाएं (चित्र संयोजन)	3
4. किसी भी भारतीय लोक कला पर आधारित दो चयनित कृतियाँ (पेंटिंग)	2

2. प्रश्नों का प्रारूप

भाग–1 प्रकृति और वस्तु अध्ययन

अपने सामने एक ड्राइंग बोर्ड पर व्यवस्थित वस्तुओं के समूह के स्थिर जीवन को एक निश्चित बिन्दु (आपको दिया गया) से (15 x 11 इंच) आकार के ड्राइंग पेपर पर रंगों में चित्रित करें और पेंट करें। आपकी ड्राइंग कागज के आकार के अनुपात में होनी चाहिए। वस्तुओं को उचित प्रकाश और छाया और परिप्रेक्ष्य आदि के साथ यथार्थवादी तरीके से चित्रित किया जाना चाहिए। इस अध्ययन में ड्राइंग बोर्ड को शामिल नहीं किया जाना है। नोटः वस्तुओं का एक समूह जो बाहरी और आंतरिक परीक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशों के अनुसार तय किया जाना है। प्रकृति अध्ययन और वस्तु अध्ययन के लिए वस्तुओं को छात्रों के सामने व्यवस्थित किया जाना है।

भाग–2 चित्र संयोजन :

निम्नलिखित पांच विषयों में से किसी एक पर अपनी पसंद के किसी भी माध्यम (पानी/पेस्टल, टेम्परा, एक्रेलिक) में (15 x 11 इंच) आकार के ड्राइंग–पेपर पर क्षैतिज या लंबवत रूप से एक चित्र संयोजन बनाए। आपकी रचना मौलिक और प्रभावी होनी चाहिए। एक अच्छी तरह से तैयार की गई ड्राइंग, माध्यम के प्रभावी उपयोग, विषय पर उचित जोर देने और चित्रतल के पूर्ण उपयोग को महत्व दिया जाएगा।

नोट : चित्र रचना के लिए किन्हीं पांच विषयों को बाहरी और आंतरिक परीक्षों द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशों के अनुसार तय किया जाना है और भाग–2 के लिए परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले यहां उल्लेख किया जाना है।

3. **(ए)प्रकृति वस्तु अध्ययन के लिए वस्तुओं के चयन के निर्देश :**

1. परीक्षकों (आंतरिक और बाहरी) को दो या तीन उपयुक्त वस्तुओं का चयन/निर्णय इस तरह से करना है ताकि प्राकृतिक और ज्यामितीय रूपों को वस्तुओं के समूह में शामिल किया जा सके।
   (1) प्राकृतिक रूप– बड़े आकार के पत्ते और फूल, फल और सब्जियां आदि।
   (2) लकड़ी/प्लास्टिक/कागज/धातु/मिट्टी आदि जैसे धन, शंकु, प्रिज्म, बेलन और गोले से बने ज्यामितीय रूप।
2. वस्तुओं को आमतौर पर बड़े (उपयुक्त) आकार का चुना जाना चाहिए।
3. परीक्षा केन्द्र के मौसम और स्थान के अनुसार प्रकृति से संबंधित वस्तु को वस्तुओं के समूह में शामिल किया जाना चाहिए। प्राकृतिक वस्तुओं को परीक्षा के दिन ही खरीदा/व्यवस्थित किया जाना चाहिए ताक इसकी ताजगी बनी रह सके। 4. वस्तुओं के रंग और तान को ध्यान में रखते हुए पृष्ठभूमि और अग्रभूमि के लिए अलग–अलग रंगों में दो कपड़े या कागज (एक गहरे तान (रंग) में और दूसरी हल्के तान (रंग) में भी शामिल की जानी हैं।

(बी) चित्र–संयोजन के लिए विषय तय करने के निर्देश :

1. परीक्षकों (आंतरिक और बाहरी) को पेंटिंग के लिए उपयुक्त पांच विषयों का चयन/निर्णय करना है।
2. विषयों को इस तरह से व्यवस्थित किया जाना चाहिए कि उम्मीदवारों को विषयों के स्पष्ट विचार मिल सकें और वे अपनी कल्पना का स्वतंत्र रूप से प्रयोग कर सकें, क्योंकि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आप क्या करते हैं, लेकिन आप इसे कैसे करते हैं।
3. परीक्षक (आंतरिक और बाहरी) संयुक्त रूप से विषयों का चयन/निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन ये बारहवीं कक्षा के मानक और स्कूल/छात्रों के वातावरण के अनुसार होने चाहिए।

चित्र रचना के लिए विषयों के कुछ चिन्हित क्षेत्र नीचे दिए गए हैं, जिनमें कुछ और क्षेत्रों को भी जोड़ा जा सकता है :

1. पारिवारिक मित्रों के मामले और दैनिक जीवन।

2. पारिवारिक पेशेवरों के मामले।

3. खेल और खेल गतिविधियां।

4. प्रकृति

5. काल्पनिक

6. राष्ट्रीय, धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक कार्यक्रम और समारोह।

4. चित्र संयोजन में 3 क्रियाशील मानववृति अंकन अनिवार्य है।

4. परीक्षकों को सामान्य निर्देश :

1. खण्ड अ व खण्ड ब की प्रायोगिक परीक्षा एक दिन में छः घंटे में संपन्न करवाई जाए। व्यावहारिकता की दृष्टि से दोनों के मध्य 30 मिनिट का अन्तराल दिया जाए।
2. वस्तु समूह को 2.5 x 2.5 के मॉडल स्टैण्ड पर रखा जाए। मॉडल स्टैण्ड नहीं होने की स्थिति में स्टूल/ड्राइंग बोर्ड पर रखा जाए। पृष्ठ भूमि में उपर्युक्त रंग का कपड़ा अथवा कागज लगाया जावें। वस्तु दृष्टि से ऊपर न हो। मॉडल स्टैण्ड अथवा स्टूल की ऊंचाई 50 सेंटीमीटर से अधिक न हो।
3. प्रायोगिक कार्य हेतु ड्राइंग शीट के साथ सादा कागज परीक्षार्थी को दिया जाएगा।
4. छात्रों को कला मेलों, चित्र प्रदर्शनियों (राज्य स्तरीय) का अवलोकन करवाया जाए एवं सत्र में एक बार मण्डल स्तर पर छात्र–छात्राओं के चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित करवाई जाए।

विषय : चित्रकला

अंक योजना

खण्ड अ प्रकृति तथा वस्तु चित्रण (स्टिल लाइफ)

(1) अंकन एवं संयोजन पक्ष		10
(2) माध्यम/रंगों का प्रयोग		10
(3) समग्र प्रभाव		05
	कुल 25 अंक	**25**

खण्ड ब चित्र संयोजन (कम्पोजिशन

(1) संयोजन व्यवस्था विषय पर बल सहित		10
(2) माध्यम (रंगों) का प्रयोग		10
(3) मौलिकता और समग्र प्रभाव		05
	कुल 25 अंक	**25**

विषय सूची

अध्याय–1 : पांडुलिपि (पौथि) चित्रण परम्परा

अध्याय–2 : राजस्थानी चित्र शैली

अध्याय–3 : मुगल चित्रकल शैली

अध्याय–4 : दक्षिणी शैली

अध्याय–5 : पहाड़ी चित्र शैली

अध्याय–6 : बंगाल शैली (भारतीय पुनरूत्थान कालीन कला)

अध्याय–7 : आधुनिक भारतीय कला

अध्याय–8 : भारत की जीवित कला परम्परा

चित्रकला

अध्याय–1

पांडुलिपि(पौथि)चित्रण परम्परा

उदभव एवं विकास

पोथी चित्रण–भारत की विशाल एवं समृद्ध भित्ति चित्रण परम्परा के बाद दसवीं, पन्द्रहवीं शती ई. के बीच दक्षिण भारत में लघु चित्रण परम्परा का विकास हुआ। लघु चित्रण परम्परा के आरम्भ काल को वस्तुतः पोथी चित्रण के नाम से जाना जाता है। .

सचित्र पोथियों (पुस्तकें) का कार्य नेपाल, बंगाल तथा बिहार नामक तीन मुख्य केन्द्रों पर होता था। बंगाल, बिहार में लिखी गयी दसवीं शताब्दी एवं परवर्ती काल की महायान बौद्धधर्म से संबंधित अनेक पोथियों का चित्रण हुआ। ये सचित्र पोथियां अच्छे ताडपत्र पर लिखित सचित्र है। ये आयाताकार, चौकोर आकार की पुस्तक होती है। चित्र के दोनों स्थान पर देवनागरी लिपि से सुन्दर लेख लिखे जाते हैं।

पाल शैली में चित्रित इन पोथियों में प्रज्ञापारमिता साधानामाला पंचशिखा, महायान बौद्ध पौथियां हैं। 11वीं में 15वीं शदी के बीच श्वेताम्बर जैन धर्म से संबंधित सचित्र पोथियां लिखी व चित्रित हुई। इस काल की पोथी चित्रण परम्परा की एक विशेष शैली थी जो अपभ्रंश शैली (पश्चिम भारतीय शैली)के नाम से जानी जाती है। इन पोथियों चित्रों के ग्रन्थों के विषय जैन ग्रन्थों के साथ रतिरहस्य, दुर्गासप्तशती, बसंत विलास, गीत गोविन्द, चौर पंचशिला आदि के चित्रों का निर्माण हुआ है। इन शैली में बने चित्र तीन रूपों में उपलब्ध हैं :–

1. ताड पत्रों पर बने पोथी चित्र
2. कपड़े पर बने पोथी चित्र
3. कागज पर बने पोथी चित्र इत्यादि

इस अध्याय में पांडुलिपि परम्परा का अध्ययन करेंगे। विष्णु धर्मान्तरण पुराण में चित्रकला का विधिवत अध्ययन है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारतीय कला का अध्याय चित्रसूत्र किसमें है।

   (अ) विष्णुधर्मोत्तर पुराण (ब)उत्तर ध्यान सूत्र

   (स) कल्पसूत्र (द)प्रज्ञापारमिता ( )

2. उत्तर ध्यान सूत्र से किसका संबंध है।

   (अ) श्रीकृष्ण (ब)श्रीराम

   (स) महावीर (द)बुद्ध ( )

3. भारतीय चित्रकला किस पर आधारित है।

(अ) यथार्थवाद (ब)प्रकृतिवाद

(स) आदर्शवाद (द)अतियर्थावाद ( )

4. किस शास्त्र में सभी कलाओं का वर्णनहै।

(अ) नाट्यशास्त्र (ब)वेदशास्त्र

(स) पुराण (द)कामसूत्र ( )

5. पाल शैली की पोथी है।

(अ) कल्पसूत्र (ब)चौरपंचाशिखा

(स) प्रज्ञापारमिता (द)उत्तर ध्यान सूत्र ( )

6. संग्रहिणी सूत्र किससे संबंधित है–

(अ) धर्म से (ब) परिवार से

(स) युद्ध से (द) ब्रह्मण्ड से ( )

7. भारत में पश्चिमी भाग से प्रापत ताडपत्र के पत्ते की सर्वप्रथम पांडुलिपि किस शताब्दी की है।

(अ) 11वीं शताब्दी (ब) 12वीं शताब्दी

(स) 14वीं शताब्दी (द) 10 वीं शताब्दी ( )

8. पाल युग की कला का अन्त हुआ–

(अ) 11वीं सदी में (ब) 10वीं शताब्दी

(स) 12वीं सदी में (द) 13वीं शताब्दी ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न

1. मठ को पुस्तकालयों का .... कहा जाता है। (दुकान/भण्डार)
2. पांडुलिपि को .... के रूप में जानी जाती है। (जैन पेंटिग्स/बौद्ध पेटिंग्स)
3. कल्पसूत्र में तीर्थकरो .... व .... का चित्रण है। (महावीर/बुद्ध)
4. पौथी चित्रण में आकृतियां उपेक्षाकृत .... होती है। (छोटी/बड़ी)
5. कल्पसूत्र का संबंध .... से है।
6. महावीर का जन्म चित्र .... ग्रन्थ में है। (कल्पसूत्र/प्रज्ञापारमिता)
7. पांडुलिपि के आवरण .... बनाया जाता था। (कागज से/लकड़ी से)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. हस्तलिखित चित्रण क्या है।
2. पोथी चित्र किस माध्यममें बने है।
3. दो स्थानों के नाम बताइये। जहां पांडुलिपियों चित्रण परम्परा प्रचलित थी।
4. चित्रसूत्र क्या है। बताइये।

5. उत्तर ध्यानसूत्र में किसी शिक्षाएं लिखी हुई है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. लघुचित्र क्या है?
2. भित्ति चित्रण की क्यों आवश्यकता पड़ी है।
3. शास्त्र–दान की अवधारणा है।
4. पांडुलिपिका चित्रण क्यों किया गया?

निबन्धात्मक प्रश्न

1. विष्णु धर्मोत्तरण पुराण में चित्रकला का विधिवत अध्ययन है। स्पष्ट कीजिए।
2. पोथी चित्रण परम्परा क्या है। स्पष्ट कीजिए।
3. कल्पसूत्र में चित्रण विषय का वर्णन करे।
4 पांडुलिपि चित्रकला की परम्परा कहाँ विद्यमान थी ?

अध्याय–2

राजस्थानी चित्र शैली

उदभव एवं विकास

राजस्थान प्रदेश में चित्रकला की समृद्धशाली परम्परा रही है। यहां की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और इसके नामकरण एवं उदभव स्थान को लेकर विद्वानों में मतभेद रहा है लेकिन ऐतिहासिक तथ्यावार प्रमाणों के आधार पर राजस्थानी शैली उद्भव व विकास 17वीं सदी से 19वीं सदी के मध्य निश्चय किया गया है।

इस प्रदेश की प्रारम्भिक चित्रण परम्परा के साक्ष्य, जैन शैली (अपभ्रंश) गुजरात, पश्चिम मध्य भारत की परम्परा में नया कलेवर लेकर इस प्रदेश में जो कला विकसित हुई, उसे राजस्थानी चित्रकला शैली के नाम से जानी जाती है।

लघु चित्रण परम्परां को सर्वप्रथम कलाभिज्ञा डॉ. आनन्द कुमार स्वामी ने अपनी पुस्तक राजपूत पेटिंग्स के नाम से रेखांकित किया। 17वीं से 19वीं सदी के मध्य चरमोत्कर्ष को प्राप्त विकसित हुई। राजस्थानी शैली विभिन्न क्षेत्रीय, उप शैलियों का सम्मिश्रित रूप है। राजस्थानी शैली का अध्ययन की दृष्टि से उसकी क्षेत्रीय विशेषताओं एवं भौगोलिक परिप्रेक्ष्य के आधार पर मुख्य रूप से चार भागों में विभाजित किया गया है–

1. मेवाड शैली– उदयपुर, देवगढ़, चावण्ड़, नाथद्वारा आदि
2. मारवाड शैली– जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़, अजमेर, नागौर
3. हाडौती शैली– कोटा, बूंदी, झालावाड़
4. ढूंढाड शैली– जयपुर, अलवर, उनियारा, शेखावाटी

इस अध्याय में हम राजस्थानी शैली के चित्रों और उनके विषयों के बारे में जानेंगे। राज्य परिवार, राजाओं और संरक्षण ने अपने आराध्य के चित्र बनवाये। साहित्य और संगीत काव्य पर चित्रण हुआ जैसे षड ऋतु, रागमाला, बरहमाला चित्रण के साथ नायिका भेद नामक नायिका का चित्रण है। वैष्णव सम्प्रदाय के कारण कृष्ण लीलाओं के चित्रण हुआ है। इसके अतिरिक्त उत्सव व्यक्ति चित्र, शिकार तथा महलों के दृश्यों का अंकन भी हुआ है। इसमें राजस्थान का गौरवमय इतिहास जान सकेंगे।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न : 1 प्रसिद्ध ढोला मारू चित्र किस शैली का है।

(अ) जोधपुर शैली (ब) किशनगढ शैली

(स) मेवाड़ शैली (द) हाडौती शैली ( )

प्रश्न : 2 बणी–ठणी चित्र का संबंध किस शैली से है।

(अ) जयपुर शैली (ब) बीकानेर शैली

(स) जोधपुर शैली (द) किशनगढ शैली ( )

प्रश्न : 3 शिकार के अधिक चित्र किस शैली में बने हैं।

(अ) बीकानेर शैली (ब) कोटा–बूंदी शैली

(स) जोधपुर शैली (द) जयपुर शैली ( )

प्रश्न : 4 वसली क्या है ?

(अ) चित्रण में प्रयुक्त कागज (ब) जापानी कला

(स) सूती वस्त्र (द) सिल्क वस्त्र ( )

प्रश्न : 5 उस्ता कला का संबंध है।

(अ) किशनगढ (ब) जोधपुर

(स) बीकानेर (द) जयपुर ( )

प्रश्न : 6 भित्ति चित्रण किस शैली में अधिक बने है।

(अ) जयपुर शैली (ब) बीकानेर शैली

(स) जोधपुर शैली (द) मारवाड शैली ( )

प्रश्न : 7 कौनसी चित्रकला शैली की सबसे प्रमुख विशेषता नारी का सौंदर्य है–

(अ) किशनगढ़ शली (ब) जोधपुर शैली

(स) जयपुर शैली (द) इनमें से कोई नहीं ( )

प्रश्न : 8 कौन से ग्रन्थ में भगवान श्री कृष्ण के जन्म से लेकर उनकी लीला तक के विभिन्न दृश्यों को बताया गया है–

(अ) रागमाला (ब) भागवत पुराण

(स) रसिक प्रिया (द) बारहमासा ( )

प्रश्न : 9 मेवाड शैली से सम्बन्धित चित्र का नाम क्या है–

(अ) योगिनी चित्र (ब) चौर पंचशिका चित्र

(स) जहांगीर का सपना (द) समग्र घोड़ा ( )

प्रश्न : 10 पश्चिम भारतीय चित्रकला शैली का प्रमुख केन्द्र था–

(अ) महाराष्ट्र (ब) राजस्थान

(स) पंजाब (द) गुजरात ( )

<u>रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 बणी–ठणी को भारत की .... कहते हैं। (मोनालिसा / मैडोना)

प्रश्न : 2 बिहारी सतसई के रचियता .... थे। (बिहारी / केशवदास)

प्रश्न : 3 बणी–ठणी चित्र के चित्रकार .... है। (बसावन / निहालचंद)

प्रश्न : 4 भक्ति और श्रृंगार चित्रण .... की विशेषता है। (रागमाला / बारह मासा)

प्रश्न : 5 मेवाडी शैली का चित्र रामायण का युद्ध कांड के चित्रकार .... है। (साहिबदीन / सैयद अली)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 राजस्थानी रियासत में लघु चित्रण की शुरूआत कब हुई थी।

प्रश्न : 2 वसली कागज क्या काम आता है।

प्रश्न : 3 लघु चित्रण कार्य किस प्रकार का होता है।

प्रश्न : 4 नायिका भेद में कितने प्रकार की नायिका है।

प्रश्न : 5 सूरत खाना किसे कहते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 बिहारी सतसई के रचनाकार थे।

प्रश्न : 2 रस मंजरी के विषय क्या है?

प्रश्न : 3 लघुचित्रण में विषय वस्तु का आधार क्या है?

प्रश्न : 4 रसिक प्रिया के विषय क्या है?

प्रश्न : 5 पिछवाई किसे कहते हैं।

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 षड़ऋतु का वर्णन करें।

प्रश्न : 2 रागमाला क्या है? बताइये।

प्रश्न : 3 कोटा लघुचित्रण शैली का कलात्मक वर्णन करें।

प्रश्न : 4 बारहमासा क्या है बताइये।

प्रश्न ' 5 किशनगढ़ शैली के 'बनी ठनी' चित्र का वर्णन करें।

प्रश्न ' 6 'ढोला मारू' चित्र का वर्णन कीजिए।

अध्याय–3

मुगल चित्रकला शैली

उदभव एवं विकास

सन् 1526 में बाबर ने पानीपत के युद्ध में दिल्ली के सुल्तान इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में सर्वप्रथम मुगल साम्राज्य की नींव रखी। वह दिल्ली का शासक बना। वैसे बाबर का पैतृक संबंध तैमूर (पितृपक्ष) की पांचवीं पीढी में तथा मंगोल योद्धा चंगेज खां (मातृपक्ष) की चौदहवीं पीढी में जन्मा। इसलिए इन्हें मुगल कहा गया।

मुगल शहशांह प्रारम्भ से ही कला प्रेमी रहे हैं। बाबर, हुमायुं, अकबर, जहांगीर और शाहजहां तक इस शैली में निरन्तरता एवं क्रमिक विकास दिखाई देता है। मुगल शैली में पूर्णतः ईरानी कला थी। मुगल शैली प्रारम्भ में पूर्णतः ईरानी कला थी। इस समय ईरानी कलम (शैली) का प्रसिद्ध चित्रकार बिहजात को बाबर अपने साथ भारत लाया था। इस प्रकार ईरानी फारसी हिरात शैली मुगल वंश के साथ भारत गयी। अकबर के समय यह शैली राजस्थानी, अपभ्रंश व दक्षिणी शैलियों के संबंध से नवीनता प्राप्त कर, मौलिकता प्राप्त करने लगी। कहा जाता है कि ईरानी व राजस्थानी शैली मुगल शैली की जन्मदाता है। मुगल चित्र शैली जहांगीर के समय यह पूर्णतया भारतीय हो गई थी। परन्तु शाहजहां क समय इस पर यूरोपीय प्रभाव अधिक हो गया था। शाहजहां के बाद औरगंजेब सत्तारूढ़ हुआ। वह कट्टर शासक था। वे कलाओं के इस्लाम धर्म के विरूद्ध मानता था। उसने चित्रकला के धर्म निषिद्ध घोषित कर दिया। फलस्वरूप कलाकारों को मुगल सल्तनत छोडकर नवीन आश्रय की ओर जाना पड़ा।

इस प्रकार चित्रकला के जिस वृक्ष का बीजारोपण अकबर ने किया और सम्राट जहांगीर ने जिसको सींचा उसे औरगंजेब ने समूल नष्ट कर दिया। इस अध्याय में मुगल चित्रकला विकास चित्रण, विषय और विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न : 1 मुगल कला में व्यक्ति चित्र किसे कहते हैं।

(अ) शबीह (ब) बयाज

(स) आखेट (द) प्रकृति ( )

प्रश्न : 2 उस्ताद मंसूर किस के चित्र बनाने के लिए प्रसिद्ध थे।

(अ) प्रकृति चित्र (ब)पशु–पक्षियों के चित्र

(स) व्यक्ति चित्र (द)दरबारी चित्र ( )

प्रश्न : 3 सलीम का जन्म किस काल का चित्र है।

(अ) जहाँगीर (ब) बाबर

(स) अकबर (द) शाहजहां ( )

प्रश्न : 4 किस हिन्दू चित्रकला ने 'सलीम का जन्म' चित्र बनाया था।

(अ) दसवन्त ने (ब) मुकुन्द ने

(स) केशू ने (द) जगन्नाथ ने ( )

प्रश्न : 5 किस बादशाह के समय मुगल शैली पूर्णतया भारतीय हो गयी थी।

(अ) शाहजहां (ब) जहांगीर

(स) अकबर (द) हुमायुं ( )

प्रश्न : 6 हम्जानामा में कुल कितने चित्र संकलित किए गये–

(अ) 14 लघुचित्र (ब) 140 लघुचित्र

(स) 1400 लघुचित्र (द) 400 लघुचित्र ( )

प्रश्न : 7 'महाभारत' का पर्सियन अनुवाद किस नाम से किया गया–

(अ) हम्जानामा (ब) रज्मनामा

(स) अकबर नामा (द) तूतिनामा ( )

प्रश्न : 8 तूतिनामा का सम्बन्ध है–

(अ) तोते की कहानी (ब) लड़की और तोता

(स) जहांगीर का सपना (द) चित्रों की कार्यशाला ( )

<u>रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 मुगल काल में पुस्तक आवरण को .... कहा जाता था। (शबीह / ब्याज)

प्रश्न : 2 मुगल शैली में चेहरे .... बने हैं। (एक चश्म / दो चश्म)

प्रश्न : 3 अबुल फजल की पुस्तक का नाम .... है। (शाहनामा / आइने अकबरी)

प्रश्न : 4 ताजमहल .... ने बनवाया था। (शाहजहां / जहांगीर)

प्रश्न : 5 दाराशिकोह की बारात के चित्रकार .... ने बनाया था। (अब्दुल फजल / हाजी मदनी)

प्रश्न : 6 जहांगीर का स्वप्न कृति .... ने चित्रित की थी। (अबुल हसन / उस्ताज मंसूर)

<u>अति लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 मुगल कला के पतन का क्या कारण था?

प्रश्न : 2 मुगल कला को दरबारी कला क्यों कहा जाता है?

प्रश्न : 3 जहांगीर के शासन काल का चित्रकार मनोहर किस तरह के चित्र बनाने में निपुण था?

प्रश्न : 4 एक चश्म चेहरा किसे कहते हैं।

प्रश्न : 5 अमीर हम्जा क्या है?

प्रश्न : 6 जहांगीर के समय के तीन महत्वपूर्ण चित्र कौनसे थे??

प्रश्न : 7 'मेडोना एण्ड चाइल्ड' चित्र के चित्रकार कौन थे?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 मुगलकालीन भारतीय चित्र कथाओं के नाम लिखें।

प्रश्न : 2 मुगल कालीन अभारतीय चित्रों के नाम लिखें।

प्रश्न : 3 मुगलकालीन ऐतिहासिक ग्रन्थ केनाम लिखें।

प्रश्न : 4 पूर्व का राफेल किस चित्रकार को कहते हैं?

प्रश्न : 5 मुगलकालीन हिन्दू चित्रकारों के नाम बताइये।

प्रश्न : 6 मुगल कला का स्वर्णकाल किसे कहा जाता है?

प्रश्न : 7 मुगल कालीन इतिहासकार कौन था?

प्रश्न : 8 किन दो ईरानी चित्रकारों ने मुगल कला का सूत्रपात किया?

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 मुगल कला के विकास क्रम पर निबंध लिखिए।

प्रश्न : 2 मुगल कालीन दाराशिकोह की बारात चित्र का विवरण लिखें।

प्रश्न : 3 अकबर कालीन मुगल चित्रकारों का परिचय लिखें।

प्रश्न : 4 अकबर कालीन गोवर्धनधारी कृष्ण की कलाकृति का कलात्मक वर्णन करें।

प्रश्न : 5 जहाँगीर का 'स्वप्न चित्र' का वर्णन करें।

अध्याय–4

दक्षिणी शैली

उदभव एवं विकास

14वीं शताब्दी में दक्षिण भारत दो महत्वपूर्ण राज्यों का उदय भारतीय कला इतिहास में कला की दृष्टि से उल्लेखनीय है। 1336 ईस्वी में स्थापित विजय नगर साम्राज्य और 1347 ईस्वी में स्थापित बहमनी सल्लनत इन दोनों रियासतों में संघर्ष चलता रहा। परन्तु विविध कलाओं के विकास के लिए दोनों ही राज्य सकारात्मक रहे। शासकों ने कलाओं को यथाशक्ति संरक्षण व प्रोत्साहन दिया।

विजय नगर साम्राज्य की स्थापना हरिहर व बुक्का नामक दो भाइयों द्वारा की गई। यह दक्षिण का एक वैभवशाली साम्राज्य बना, राजा कृष्ण देव इस राज्य के श्रेष्ठ राजाओं में से एक है। विजय नगर की चित्रकला में अजन्ता की उच्चता दिखाई देती है।

विजय नगर साम्राज्य के समान्तर ही बहमनी साम्राज्य की स्थापना हुई। इस सल्लनत का नाम उलाउद्दीन बहमन शाह से बहमनी सल्लनत पडा। अहमद वली बहमनी ने 1432 ईस्वी में बीदर के दुर्ग के राजमहल के बेल बुंटे की सजावट करवाई थी।

1490 से 1512 में मध्य बहमनी साम्राज्य के पतन के बाद दक्षिण में पांच सल्तनतों अहमदनगर, बीजापुर, गोलकुण्डा, बीरार व बीदर का उदय हुआ। इन पांचों ने एकता कर विजय नगर के शक्तिशाली साम्राज्य को हटाकर नगर नष्ट–भ्रष्ट कर दिया। चित्रकला के ऐतिहासिक दृष्टिकोण से केवल बजीपुर, गोलकुण्डा व अश्मर नगर महत्व रखते हैं। आइये इनके चित्र व विशेषताओं का अध्ययन इस अध्याय में करेंगे।

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 बहमनी सल्तनत कितने भागों में बांटी गई।

(अ) तीन भाग (ब) पांच भाग

(स) दो भाग (द) छह भाग ( )

प्रश्न : 2 मैना और स्त्री किस शैली का चित्र है।

(अ) पहाड़ी शैली (ब) राजस्थानी शैली

(स) मुगल शैली (द) दक्खिनी शैली ( )

प्रश्न : 3 चांद बीबी पोलो खेलते चित्र किस शैली का है।

(अ) दक्खिनी शैली (ब) ईरानी शैली

(स) मुगल शैली (द) तुर्की शैली ( )

प्रश्न : 4 डबरिन के चेस्टर बीट्टी संग्रहालय में सुरक्षित है।

(अ) मैना और स्त्री चित्र (ब) हाथियों की लड़ाई चित्र

(स) चांद बीबी पोलो खेलते (द) आदिल्शाह की शबीह ( )

प्रश्न : 5 दक्खिणी शैली पर प्रभाव है।

(अ) मुगल शैली (ब) पहाडी शैली

(स) ईरान व अबेरियन शैली (द) राजस्थानी शैली ( )

प्रश्न : 6 लौरचन्दा के चित्र किस शैली के है–

(अ) जैन शैली (ब) पाल शैली

(स) स्वदेशी शैली (द) सल्तनत शैली ( )

<u>रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 चांद सुल्ताना का संबंध .... से था। (बीजापुर / अहमद नगर)

प्रश्न : 2 राजा कृष्ण देव विजय नगर श्रेष्ठ .... थे। (विजयनगर के / बीजापुर के)

प्रश्न : 3 सुल्तान उलाउद्दीन बहमन शाह से .... सल्तनत का नाम रखा गया। (विजय नगर / बहमनी सुल्तान)

प्रश्न : 4 अहमद नगर में .... नामक ग्रन्थ का चित्रण हुआ। (तारीख–ए–हुसैनी शाही / नजूम–अल–उलूम)

प्रश्न : 5 चेस्टर बीट्टी लाइब्रेरी (डबरिन आयरलैण्ड / इग्लैंड़)

<u>अति लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 पटना की बॉकीपुर लाईब्रेरी में संग्रहित पांडुलिपि किसको समर्पित है?

प्रश्न : 2 विजय नगर रियासत के पांच राज्यों में बंटा उनके नाम लिखें।

प्रश्न : 3 ''तारीख–ए–हुसैनशाही'' नामक ग्रन्थ कहा चित्रित हुआ?

प्रश्न : 4 बीजापुर के किसी दो चित्रों के शीर्षक बताइये।

प्रश्न : 5 योगिनी चित्र से आप क्या समझे है?

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 दक्खिनी कला पर किसी शैलियों का प्रभाव था।

प्रश्न : 2 राग हिडौला चित्र का वर्णन करें।

प्रश्न : 3 ''तारीख–ए–हुसैनशाही'' में किसका चित्रण हुआ है।

प्रश्न : 4 अहमद नगर चित्रकला शैली में स्त्रियों के केश किस रूप में चित्रित किया गया है?

प्रश्न : 5 सुल्तान अबदुल्ला कुतुबशाह चित्र में सुल्तान को किस प्रकार चित्रित किया गया है?

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 चांद बीबी पोलो खेलते चित्र किस शैली का है। उसकी विशेषताओं का वर्णन लिखें।

प्रश्न : 2 दक्खिनी कला की विषय वस्तु व विशेषताएं लिखें।

प्रश्न : 3 संयोजित घोड़ा (समग्र घोड़ा) चित्र का वर्णन करे।

प्रश्न : 4 दक्कनी के दरबारी चित्रों में शाही प्रतीक कौन–कौनसे है ?

प्रश्न : 5 दक्कनी में चित्रकला के केन्द्र कौनसे थे ?

अध्याय–5

पहाड़ी चित्र शैली

सारांश

उदभव एवं विकास

भारतीय चित्रकला परम्परा में पहाडी चित्रकला अपनी रसमय, सुरम्य, भावात्मक प्रस्तुति के लिए विशेष महत्वपूर्ण है। इन आकृतियों में आत्मिक सौंदर्य देवीय अनुराग के साथ चित्रित हुआ है। प्राकृतिक सौंदर्य ने इस कला को श्रेष्ठतम स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कला शैली की आत्मिक अभिव्यक्ति एवं अंलकरण ने भारतीय कला जगत में वैचारिक व सौंदर्य बोध को नवीन दिशा प्रदान की है।

बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में हिमालय एवं पंजाब क्षेत्र के एक उन्नत एवं परम्परागत चित्रण परम्परा विद्यमान थी। प्रसिद्ध कला समीक्षक डॉ. आनन्द कुमार स्वामी ने इस चित्र शैली का वर्गीकरण करते हुए जिनमें बसोहली, कुल्लू, गुलेर एवं नुरपुर से प्राप्त चित्रों को अंगीकृत किया।

कांगडा की चित्र परम्परा से आकृष्ट होकर कई पहाडी क्षेत्रों में चित्रण होने लगा। 18वीं शताब्दी के अंतिम चरण में राजा संसारचन्द्र के संरक्षण में कागंडा राज्य भारतीय चित्रकला का महान केन्द्र बन गया था।

पहाडी चित्र शैली में बसोहली शैली चम्बा शैली, गुलेर शैली, कांगडा शैली, कुल्लू शैली, मण्डी शैली, जन्मू शैली, गढ़वाल शैली, कश्मीर शैली, विशेष प्रतनिधि उप शैलियां रही है। इस अध्याय में पहाडी शैली के चित्र विषय विधि और प्राकृतिक चित्रण रागमाला, बारहमासा, ऋतु श्रृंगार जैसे विषयों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न : 1 कांगडा शैली के चित्रों में किस लिपि का प्रयोग है।

(अ) टाकरी लिपि (ब) अपभ्रंश लिपि

(स) हिन्दी लिपि (द) संस्कृत लिपि ( )

प्रश्न : 2 नैनसुख चित्रकार किस शैली से संबंध रखता है।

(अ) राजस्थानी शैली (ब) गुलेर शैली

(स) कांगडा शैली (द) मुगल शैली ( )

प्रश्न : 3 राधा की प्रतीक्षा में बसोहली शैली चित्र किस कलाकार का है।

(अ) खुशाला (ब) किशनलाल

(स) मानकू (द) रामलाल ( )

प्रश्न : 4 किस शैली में भवन व महलों का चित्रण अधिक हुआ है।

(अ) कांगडा शैली (ब) गुलेर शैली

(स) बसोहली शैली (द) राजस्थानी शैली ( )

प्रश्न : 5 रस मंजरी किसकी कृति है।

(अ) बिहारी लाल (ब) भानुदत्त

(स) जयदेव (द) रायकृष्ण ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न

प्रश्न : 1 कांगड़ा शैली में व्यक्ति चित्र के लिए चित्रकार .... प्रसिद्ध है। (नैनसुख / मानकू)

प्रश्न : 2 कांगडा शैली का जन्म .... में हुआ है। (18वीं सदी के अंत / 19वीं सदी के अंत)

प्रश्न : 3 पहाडी चित्रों के विषय में .... का प्रमुख स्थान है। (वैष्णव धर्म / शिव धर्म)

प्रश्न : 4 बसोहली राज्य का संस्थापक राजा .... था। (राजा भोगपाल / विजय पाल)

प्रश्न : 5 बसोहली में मेदनीपाल ने .... एवं .... का निर्माण कराया था। (रंगमहल व शीशमहल / किले और महल)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 कांगड़ा चित्र शैली के संस्थापक कौन है?

प्रश्न : 2 पहाड़ी शैली में भवन चित्रण में कौन कौन से रंगो का प्रयोग हुआ है।

प्रश्न : 3 कांगडा शैली कैसी है।

प्रश्न : 4 पहाडी लघुचित्रों में प्रमुख शैली कौनसी है, लिखिए।

प्रश्न : 5 कवि जयदेव ने किस काव्य ग्रन्थ की रचना की थी।

प्रश्न : 6 कांगड़ा शैली में सबसे परिपक्व चित्र कहॉ चित्रित किए गये?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 पहाड़ी चित्रों में क्षितिज रेखा का अंकन कहां किया गया है।

प्रश्न : 2 बसोहली राज्य का संस्थापक कौन था। वहां की प्रकृति छटा कैसी थी।

प्रश्न : 3 आनन्द कुमार स्वामी ने पहाडी चित्रकला को किन दो वर्गों में विभक्त किया है।

प्रश्न : 4 कांगडा शैली के चित्रों का मुख्य विषय क्या है?

प्रश्न : 5 गुलेर शैली में किस प्रकार के रंगों का समावेश था?

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 रागमाला चित्रण में किस विषय का चित्रण कार्य हुआ है।

प्रश्न : 2 पहाड़ी चित्रों में कृष्ण व राधा का चित्रण किस धर्म के अन्तर्गत आता है। चित्रों का वर्णन करें।

प्रश्न : 3 मेहदीपाल ने बसोहली में किसका निर्माण करवाया था।

प्रश्न : 4 कांगडा शैली की अंकन पद्धति तथा वर्ण विन्यास को समझाइये।

प्रश्न : 5 कांगडा शैली में बारहमासा चित्रण का वर्णन करें।

अध्याय–6
बंगाल शैली
(भारतीय पुनरूत्थान कालीन कला)
सारांश

उदभव एवं विकास

इस अध्याय में ईस्ट इण्डिया कम्पनी के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। ईस्ट इण्डिया कम्पनी मूलतः व्यापार के उद्देश्य से भारत में आयी थी किन्तु धीरे–धीरे सत्ता में हस्तक्षेप करना प्रारम्भ कर पूरे देश पर शासन स्थापित कर लिया इसके पास अपने प्रशासनिक अधिकारी, चित्रकार, सैनिक और नौकर आदि सभी थे। सभी कम्पनी के कर्मचारी कहे जाते थे। इस समय में भारतीय चित्रकारों द्वारा बने भारतीय विषयक चित्रों को कम्पनी शैली कहते हैं। ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली को लागू किया। शिक्षा संस्थाओं में यूरोपीय कला पद्धति में शिक्षा दी जाने लगी।

19वीं सदी के मध्यकाल में अंग्रेजों ने भारतीय कलाकारों को यूरोपीय कला तकनीक प्रशिक्षित करने के लिए मद्रास, कलकत्ता, लाहौर, मुम्बई तथा लखनऊ में कला विद्यालय भी खोले। जिसमें भारतीय अपनी कला निधि को उपेक्षित करने लगे।

हम असंमजस के दौर में कुछ कलाकारों तथा कला समीक्षकों ने अपने तरीके से नवीन कला आन्दोलन को एक दिशा देने तथा पारम्परिक मूल्यों के प्रति विश्वास जगाने का प्रयास किया। इन्हीं प्रयासों से पुनरूत्थान कला शैली पनपी। बंगाल इसका केन्द्र रहा। यहीं के कलाकारों विचारकों ने उसे आगे बढाया। इसलिए यहां बंगाल शैली के नाम से जानी गई।

इस अध्याय में राजा रवि वर्मा अवनीन्द्रनाथ ठाकुर जैसे कलाकारों का अध्ययन करेंगे।

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 राधिका कलाकृति किस कलाकार ने बनाई है।

(अ) नन्दलाल बसु (ब) अमित हाल्दार

(स) अब्दुल रहमान चुगताई (द) नरेन्द्र दास ( )

प्रश्न : 2 भारत माता चित्र के कलाकार का नाम लिखे।

(अ) अवनीन्द्रनाथ टैगोर (ब) रविन्द्रनाथ टैगोर

(स) यामिनी राय (द) नन्दलाल बसु ( )

प्रश्न : 3 भारत में वाश पद्धति किसने आरम्भ की।

(अ) यामिनी राय (ब) अवनीन्द्र नाथ टैगौर

(स) नन्दलाल वसु (द) रवीन्द्रनाथ टैगोर ( )

प्रश्न : 4 'सिटी इन द नाइट' कलाकृति किस कलाकार की है–

(अ) यामिनी राय (ब) राजा रवि वर्मा

(स) गगनेद्र नाथ टैगोर (द) नंदलाल बसु ( )

प्रश्न : 5 यात्रा का अन्त किस कलाकार कलाकृति है।

(अ) नरेन्द्र देव (ब) नन्दलाल बसु

(स) यामिनी राय (द) अवनीन्द्रनाथ टैगोर ( )

<u>रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 राजा रवि वर्मा का चित्र .... है। (रावण और जटायु / कृष्ण और कंस)

प्रश्न : 2 अवनीन्द्र नाथ टैगोर का चित्र .... है। (बुद्ध और सुजाता / बुद्ध और राहुल)

प्रश्न : 3 ई.बी. हैवल की पुस्तक .... है। (इंडियन स्कल्पचर एण्ड पेंटिंग / इंडियन आर्ट)

प्रश्न : 4 राजा रवि वर्मा के चित्रों का माध्यम .... था। (तेलरंग / जल रंग)

प्रश्न : 5 कम्पनी शैली चित्रों का विषय वस्तु .... थी। (भारतीय / विदेशी)

प्रश्न : 6 'वुमन विद् चाइल्ड के कलाकार .... है। (यामिनी राय / हुसैन)

<u>अति लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 बंगाल शैली के प्रणेता के नाम लिखिए।

प्रश्न : 2 ई.वी. हैवेल कौन थे।

प्रश्न : 3 वाश पद्धति क्या है।

प्रश्न : 4 बंगाल शैली के कलाकारों के नाम लिखो।

प्रश्न : 5 बंगाल शैली ने किस माध्यमों को पुनः प्रतिष्ठित किया।

प्रश्न : 6 समुद्र का गर्व मर्दन किस कलाकार की कृति है?

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 बंगाल के चित्रकार ने किस माध्यमों में कार्य किया।

प्रश्न : 2 भारत माता के चित्रकार का नाम व किस माध्यम में चित्र बनाया है।

प्रश्न : 3 कम्पनी शैली किसे कहते हैं।

प्रश्न : 4 यामिनी राय के चित्रों का माध्यम बताइये।

प्रश्न : 5 कम्पनी शैली में किस–किस का प्रभाव है।

<u>निबन्धात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 यामिनी राय के चित्रों के विषय बताइये।

प्रश्न : 2 बंगाल शैली की विशेषताएं बताइये।

प्रश्न : 3 अवनीन्द्रनाथ ठाकुर की एक पेटिंग्स पर अपने विचार लिखे।

प्रश्न : 4 राजा रवि वर्मा का भारतीय कला में क्यायोगदान रहा बताइये।

प्रश्न : 5 कम्पनी शैली का विकास देश के किन भागों में अधिक हुआ।

अध्याय–7

आधुनिक भारतीय कला

उदभव एवं विकास

आधुनिक चित्रकला का विकास स्थूल से सूक्ष्म ऐन्द्रिय कला से आत्मिक, कृत्रिमता से सहजता सामाजिक से वैयक्ति और बंधन से मुक्त की ओर है। अर्थात् परम्पराओं से निकल कर आधुनिक विचारों की अग्रसर होती कला औद्योगिक क्रांति एवं संचार के साधनों के उत्तरोत्तर विकास की उपज है। जिसमें सम्पूर्ण जन जीवन साहित्य, संस्कृति एवं कला आदि के विभिन्न स्त्रोतों (क्षेत्रों) में एक साथ आमूल–चूल परिर्वतन देख सकते हैं।

आधुनिक कला की अन्तर्राष्ट्रीय परिभाषा के अनुरूप प्रभावशीलता प्रदान करते हुए कहा को देह की सीमाओं से परे सार्वभौमिक रूप में स्वीकार कर विश्व में फैलाया है। भारतीय कलाकारों की कलाकृतियों विभक्तियों विचारों को इस अध्याय में जानेंगे। भारतीय कलाकारों में अमृता शेल, गिल, राजा रवि वर्मा, अवनीन्द्रनाथ ठाकुर से लेकर हुसैन, आरा, रजा तक के कलाकारों की चर्चा होगी।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न : 1 तीन महिलाएं प्रसिद्ध चित्र किसका है।

(अ) अमृता शेर गिल　　(ब) हुसैन

(स) के.के. हैब्बार　　(द) रजा　　( )

प्रश्न : 2 मदर टेरेसा कलाकृति किसकी है।

(अ) एच. आरा　　(ब) एम. रजा

(स) एम.एफ हुसैन　　(द) हैब्बरी　　( )

प्रश्न : 3 श्रम की विजय के मूर्तिकार है।

(अ) डी.पी. राय चौधरी　　(ब) राम किंकर बैज

(स) धनराज भगत　　(द) हिम्मत शाह　　( )

प्रश्न : 4 मोहम्मद रजा के चित्र शैली थी।

(अ) यथार्थवादी　　(ब) अमूर्त ज्यामितीय

(स) अतियथार्थ वादी　　(द) आदर्श वादी　　( )

प्रश्न : 5 संथाल जनजाति के मूर्तिशिल्प बनाये हैं।

(अ) रामकिंकर बैज　　(ब) राय चौधरी

(स) धनराज भगत　　(द) हिम्मत शाह　　( )

रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न

प्रश्न : 1 आधुनिक भारतीय मूर्ति कला का जनक ....को कहते हैं। (देवी राय चौधरी / शंको चौधरी)

प्रश्न : 2 भारतीय चित्रकला का .... 1854 में हुआ था। (पुनरूत्थान / पारम्परिक पतन)

प्रश्न : 3 गगनेन्द्रनाथ टैगोर के चित्र .... रहे हैं। (ज्यामितीय / लयात्मक)

प्रश्न : 4 चोला मण्डल समूह की स्थापना .... की थी। (के.सी.एस. पानिकर / राजा रवि वर्मा)

प्रश्न : 5 मुर्गो की लड़ाई कलाकृति .... है। (के.के. हैब्बर / हुसैन)

प्रश्न : 6 अमृता शेर गिल ने .... को आत्मसात किया था। (लघु चित्रो / आधुनिक चित्रों)

प्रश्न : 7 जी.आर. संतोष ने नर और मादा के ब्रह्माण्डीय मिलन में .... में पुरूष और प्रकृति की याद दिलाती है। (तंत्रिका दर्शनशास्त्र / जीवन दर्शनशास्त्र)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 शांति निकेतन की परिकल्पना किसकी थी।

प्रश्न : 2 प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप के कलाकारों के नाम बताइये।

प्रश्न : 3 कलकत्ता कलाकार समूह की स्थापना कब हुई है।

प्रश्न : 4 देवीप्रसाद राय चौधरी के दो मूर्तिशिल्पों के नाम बताइये।

प्रश्न : 5 मिल कौल कलाकृति किसकी है। नाम बताइये।

प्रश्न : 6 नवीन प्रौद्योगिकी अपनाने वाले किन्हीं दो कलाकारों के नाम लिखिए।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 अंग्रेजों ने कितने कला महाविद्यालयों की स्थापना की, उनके नाम बताइये।

प्रश्न : 2 भारत में पहला राष्ट्रवादी कला स्कूल कहां स्थापित हुआ।

प्रश्न : 3 पहले खोले गये कला महाविद्यालयों की कैसी शिक्षण प्रणाली थी।

प्रश्न : 4 प्रमुख समकालीन भारतीय चित्रकारों के नाम लिखें।

प्रश्न : 5 मूर्तिकार शंखो चौधरी का जन्म कब और कहां हुआ था।

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 राम किंकर बैज की मूर्ति शिल्प पर लेख लिखे।

प्रश्न : 2 अमृता शेर गिल के चित्रों के बारे में बताइये।

प्रश्न : 3 एम.एफ. हुसैन के चित्रों की व्याख्या करें।

प्रश्न : 4 नन्दलाल वसु की कला पर कलात्मक लेख लिखें।

प्रश्न : 5 कम्पनी शैली का विकास देश के किन भागों में अधिक हुआ।

अध्याय–8

भारत की जीवित कला परम्परा

सारांश

उदभव एवं विकास

भारत की जीवित कला परम्परा यानी लोककला जन साधारण की भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति है। लोक कभा उन कलाकारों के कौशल का चमत्कार है जिन्होंने कभी किसी कला को वैज्ञानिक रीति से अध्ययन नहीं किया, फिर भी जो उनकी सौंदर्यानुभूति तथा मांगलिक भावनाओं के प्रतीक रूप में अभिव्यक्ति होती है। लोक कला के साथ उसको उपयोगिता महत्वपूर्ण है।

व्रत, त्यौहार, उत्सव और अधिकाशः घर की दीवारों आंगन तथा त्यौहारों को अनेक प्रकार की आकृतियों से सुशोभित किया जाता है। घर के प्रत्येक मांगलिक, शुभकार्यों पर लोक चित्रों द्वारा भावनाओं को व्यक्ति करते थे।

इस अध्याय में कला के साथ उसकी उपयोगिता का अध्ययन करेंगे। कल संबंधी जानकारियां, लोक कलाएं हमारे देवी देवताओं के चित्रकलाएं जैसे फड स्वर्णकार आदि पंरिगल, मधुवती, वरली या मांडना हत्यारी का अध्ययन है। कढाई–बुनाई,बढ़ईगिरी, लौहारी,स्वर्णकार, कुम्हार आदि जैसे कार्यों से कला और उपयोगिता का अध्ययन है जो आज वर्तमान में उनकी प्रासंगिता को दर्शाता है।

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

प्रश्न : 1 मिट्‌टी के बर्तन बनाने वालों को कहते हैं।

(अ) कुम्हार (ब) लुहार
(स) स्वर्णकार (द) कारीगर ( )

प्रश्न : 2 बस्तर के धातु शिल्पियों को कहते हैं।

(अ) गढवा (ब) लुहार
(स) कुम्भकार (द) स्वर्णकार ( )

प्रश्न : 3 टेरा कोटा क्या है।

(अ) मिट्‌टी की मूर्ति (ब) पकी मिट्‌टी की मूर्ति
(स) सीमेंट की मूर्ति (द) पत्थर की मूर्ति ( )

प्रश्न : 4 फड वाचन पर वाद्य यंत्र बजाते हैं।

(अ) सारंगी (ब) रावण हत्था
(स) सितार (द) हरमोनियम ( )

प्रश्न : 5 पिठोरो चित्र किस समुदाय द्वारा बनाये जाते है। वह है–

(अ) गोंड समुदाय (ब) राठवा भील समुदाय
(स) पठुआ समुदाय (द) गुज्जर समुदाय ( )

प्रश्न : 6 लोक देवताओं के जीवन पर आधारित विशाल चित्र को कहा जाता है।

(अ) भित्ति चित्र (ब) कांवड

(स) फड़चित्र (द) पिछवाई ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति वाले प्रश्न

प्रश्न : 1 स्थानीय बाजार को .... कहते हैं। (हाट बाजार / शहरी बाजार)

प्रश्न : 2 बंगाल के परम्परागत कलाकारों को .... कहते हैं। (पटुवा / ठठेरा)

प्रश्न : 3 मध्यप्रदेश की प्रसिद्ध लोक चित्रशैली .... है। (आदिवासी शैली / आधुनिक शैली)

प्रश्न : 4 राजस्थान में परम्परागत फड पेटिंग्स .... बनाते हैं। (जोशी परिवार / सोनी परिवार)

प्रश्न : 5 पकी हुई मिट्‌टी की मूर्तियां राजस्थान में .... बनती हैं। (मोलेला / फुलेरा)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 वर्ली पेंटिंग्स का संबंध किस राज्य से है।

प्रश्न : 2 मिथिला मधुबनी के विषय का क्या क्या है।

प्रश्न : 3 लोक कला की धारणा क्या है।

प्रश्न : 4 मोलेला कला कहां की है।

प्रश्न : 5 राजस्थान की प्रमुख लोक शैली है।

प्रश्न : 6 पिठोरो चित्रो में किसका प्रतिनिधित्व होता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 फड चित्र शैलीके विषय वस्तु क्या है।

प्रश्न : 2 राजस्थानी भोपा–भोपी क्या गायन करते हैं।

प्रश्न : 3 मधुबनी पेंटिंग्स का संबंध है।

प्रश्न : 4 मधुबनी पेंटिंग्स के विषय वस्तु लिखे।

प्रश्न : 5 लोक कला की मुख्य विशेषता है।

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न : 1 फड़ चित्रण शैली पर कलात्मक लेख लिखे।

प्रश्न : 2 वर्ली पेंटिंग्स के बारे में बताइये।

प्रश्न : 3 प्रसिद्ध मधुबनी चित्र शैली का वर्णन करें।

प्रश्न : 4 राजस्थान की लोक कला पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

प्रश्न : 5 लुप्त मोम प्रक्रिया (लास्ट वैक्स प्रोसेस) का वर्णन कीजिए।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं CWSN प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : अंग्रेजी (अनिवार्य)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

Syllabus 2025-26
English (Compulsory)
Subject Code -2

The examination scheme for the subject is as follow:-

Paper	Time (Hrs.)	Marks for the paper	Sessional	Total marks
One	4.15	80	20	100

Area of learning	Marks
Reading	15
Writing	15
Grammar	08
Text book : Flamingo	28
Supp. Book: Vistas	14
	80

1. **Reading – Passages for comprehension:** **15**

   Two unseen passages of total words.

   (i) Passage-1 150 words 7½

   (ii) Passage-2 150 words 7½

2. **Writing :-** **15**

   (i) Application (One out of two) 5

   (ii) Writing advertisement (Metrimonial) (one out of two) 5

   (iii) Writing notice (related to school) (one out of two) 5

3. **Grammar -** **8**

   (i) Numbers 2

   (ii) Subject verb agreement. 2

   (iii) Punctuation 2

   (iv) Preposition 2

4. **Text book :Flamingo** **28**

   Prose 14

   (i) Objective type question 1x3=3

(ii)	True/false	1x2=2
(iii)	Word meanings	½x4=2
(iv)	Fill in the blanks in sentences	1x5=5
(v)	Short answer type questions	2x1= 2
Flamingo – poetry :		14
(i)	Objective type questions	1x3=3
(ii)	true/false	1x2=2
(iii)	Word meanings	½x4=2
(iv)	Fill in the blanks in sentences	1x5=5
(v)	Short answer type questions	2x1= 2
Supp. Book Vistas		14
(i)	Objective type questions	1x4=4
(ii)	true/false	1x3=3
(iii)	Fill in the blanks in sentences	1x5=5
(iv)	Short answer type questions	2x1= 2

Section A Reading

Passages

Passages 1

We should understand our parental responsibilities to the world environment. Remember that the living space of this world and we must have enough space for our future generations to live happily. To achieve that aim,we must practice family planning and limit the birth rate by having only one or two children per couple. Between each birth there should be a gap of three or four years so that each child is not deprived of the right to sufficient parental love and care. Family planning realy means family welfare, as it helps to keep women healthy enough to contribute to a happy home environment. A happy healthy mother is a key to the welfare of the whole family.

(i) What should we understand?

(ii) For whom we must have enough space ?

(iii) What should we do to achieve that aim?

(iv) How much gap there should be between the each birth?

(v) What does family planning means?

(vi) Who is the key to the welfare of the whole family?

(vii) Find the word from the passage which means-

(a) Husband with wife

(b) Cheerfully

Passage-2

India is one of the seven biodiverse countries of the world and has a rich cultural heritage. It has a vast potential of eco-tourism that needs to be trapped for economic benefits as well as for healthy conservation and preservation of nature. In the international year of eco-tourism some important decisions were taken by the government and private sectors to promote eco-tourism.

Itisbecoming evident that increased tourism to sensitive natural areas in the absence of appropriate planning and management can become a threat to the integrity of both eco-systems and local cultures. An increasing number of visitors to ecologically sensitive areas can lead to significant environmental degradation. Likewise local communities and indigenous cultures can be harmed in numerous ways by an influx of foreign visitors and wealth.

(i) Which country is one of the seven biodiverse countries?

(ii) For what should India tap eco-tourism?

(iii) Why were some important decisions taken?

(iv) When can increased tourism become a threat?

(v) How can local communities and indigenous cultures be harmed ?

(vi) What India has a vast potential of?

(vii) Find the words from the passage which means-

(a) The act of keeping something in good condition.

(b) Many

Passage-3

Today Marwar is a treeless waste of sand and rocks. The only growing things are thorny shrubs, a few tufts of short rough grass and an occasional stunted ber or babul tree. But incredibly you can, even in this desert, come across the odd village with groves of well grown Khejdi trees. This cousin of the babul is the Kalpavriksha, the tree that fulfills all wishes. Afull grown camel can enjoy a midday siesta in its shade, its foliagenourishesgoats, sheep, cattle and camel, its pods can be made into a delicious curry, and its thorns guard the farmers fields against marauding animals.

(i) Which area is a treeless waste of sand and rocks?

(ii) What can we come across in this desert?

(iii) What type of vegetation is found in Marwar now days?

(iv) What is the name of the cousin of the babul?

(v) What is the meaning of "Kalpavriksha"?

(vi) Who can enjoy a midday siesta in its shade?

(vii) Find the words from the passage which means-

(a) Hard to believe

(b) An animal that can survive in desert

Passage-4

It seems to be essential to the mental health and happiness of every individual that he should have something to which he can assert exclusive possession something, as we say, that he can call his own.Delight in owning things usually shows itself as the second year of life, when the words "my" and "mine" are among the first that the child learns to utter.

Parents and teachers can make use of this characteristic of human nature in many ways. In the home a child can be led to acquire orderly habits by being encouraged to arrange his own

possessions tidily; and this valuable training can be continued at school. Where he can be helped to keep carefully arranged sample of his own handiwork, such as drawing, painting, specimens of his handwriting well done arithmetic exercises and the like.

(i) What is essential to the mental health and happiness of every individual?

(ii) When does the delight in owning things show itself?

(iii) How can a child be led to acquire orderly habits?

(iv) Who can make use human nature in many ways?

(v) What does the school help the child to keep carefully?

(vi) Find the words from the passage which means-

(a) Happy (b) House

(vii) Write one word of following word- Mother and Father

Passage-5

Man is the wisest of all animals by virtue of only one thing- his extraordinary power of thinking and emoting. Stripped of this power he will be no better species than other multitude animals. Except knowledge, all other animals have the same basic – necessities as man has – food, shelter and clothing. The third of course, is naturally provided to animals in the form of long hair and fur to enable them to face adverse weather conditions. Man's basic necessities are four in number food, shelter, clothing and education. As the modern world is completely propelled by knowledge acquired by all means education to all has become the focus of attention all over the world. Those countries which cannot provide inequitably, to all their citizens are considered backward, however affluent and resourceful they may be materially. Illiteracy is identified as the root cause of most numberofsocial evils.

(i) What does protect the animals from the adverse weather conditions?

(ii) Mention the basic necessities of man.

(iii) How is man different from other animals?

(iv) What is the root cause of all social evils?

(v) Which countries are considered backward?

(vi) Who is the wisest of all animals?

(vii) Find out from the passage the word which mean-

(a) Great in number (b) Strength

Passage-6

Good health is the key to a happy and successful life. In the modern world, people are often so busy that they forget to take care of their health. Eating junk food, avoiding exercise and spending long hours in front of screens can lead to serious health problems. A healthy lifestyle includes a balanced diet, regular physical activity, enough sleep and stress management. Mental health is as important as physical health. People must learn to balance work and rest. In recent years, awareness about fitness and wellbeing has increased, but unhealthy habits are still common, especially among youth. It is the responsibility of both individuals and society to promote healthy choices and habits. After all, a nation can grow if its people are strong and healthy.

1. What is the key to a happy and successful life? (1)
2. What are some unhealthy habits? (1)
3. What does a healthy lifestyle include? (1)
4. Why is mental health important? (1)
5. What should people learn to balance? (1)
6. Find the words from the passage which mean: (1)
   (a) Knowledge
   (b) Encourage
7. Write the opposite word of following words:- (1½)
   (a) Regular (b) Healthy (c) Happy

Section – B

Composition

(I) Application (Writing)

1. Imagine that you are Devanshu reading in Govt. School Jaipur. Write an application to the Principal of your school requesting him to exempt you from school fees.
2. Imagine that you are Ramesh living in Jaipur. Write an application to the principal requesting him to issue you books from the library.
3. Imagine that you are the monitor of your class. Write an application to the Principal of your school complaining about the poor condition of your classroom.
4. Your are Raj Kumar. Your father has been transferred to Jaisalmer. Write an application to your school principal requesting him to issue your transfer certificate (T.C.)
5. Imagine you are Mukesh Gupta, a student of class XII-A. Your younger brother is in class XII-C. Write an application to the principal for changing section.

(II) Advertisement

1. Give a Matrimonial advertisement for a groom giving imaginary details.
2. Give Matrimonial advertisement for a bride giving imaginary details.
3. You need a one-room set on rent near your school. Draft an advertisement to be published in your local daily newspaper.

(III) Notice (Related to School)

1. Your school is going to organize a summer vacation tour. It will cover historical places. Prepare a Notice for the students giving them necessary information abut the tour.
2. Write a Notice for the students of your school to deposit their examination fees within a week.
3. As a Principal draft a Notice for the school notice-board inviting the names of the students as players and informing them about the match.
4. As a Principal you are going to organize a science fair in your school. Write a notice inviting the names of the students who want to participate in chards models and quiz competitions.

Section – B

Grammar

(i) Application (Writing)

1. Imagine that you are Devanshu reading in Govt. School Jaipur. Write an application to the Principal of your school requesting him to exempt you from school fees.
2. Imagine that you are Ramesh living in Jaipur. Write an application to the Principal requesting him to issue you books from the library.
3. Imagine that you are the monitor of your class. Write an application to the Principal of your school complaining about the poor condition of your classroom.
4. You are Raj Kumar. Your Father has been transferred to Jaisalmer. Write an application to the Principal, of your school requesting him to issue your Transfer Certificate. (T.C.)
5. Imaging you are Mukesh Gupta, a student of class XII-A. Your younger brother is in XII C. Write an application to the Principal for changing section.

(ii) Advertisement

(i) Give a Matrimonial advertisement for a groom giving imaginary details.

(ii) Give a Matrimonial advertisement for a bride giving imaginary details.

(iii) Suppose you need one-room set on rent near your school. Draft an advertisement to be published in your local daily news paper.

(iii) Notice (Related to School)

1. As a Principal, draft a Notice for the students of your school to deposit their examination fees latest 31st October 2025.
2. As a Principal draft a Notice for the school notice board inviting the names of the students as players and informing them about the match.
3. As a Principal of your school, you are going to organize a science fair. Write a notice inviting the names of students who want to participate in charts, models and quiz competition.

Section – C
Grammar

(i) Numbers:-

Rule 1:-In general "S" is used at the end of singular noun to make it plural.

Singular	Plural
1. Pencil	Pencils
2. Cow	Cows
3. Dog	Dogs
4. Mobile	Mobiles
5. Tree	Trees

Rule 2:-If there exists S, Ch, Sh, X and Z in the end, "es" gets to be used.

6. Bus	Buses
7. Dish	Dishes
8. Branch	Branches
9. Bench	Benches
10. Fox	Foxes
11. Fez	Fezes

Rule 3:-(i) When there is a "y" in the end and a consonant before that "y" 'i' substitute it and and "es" thereafter.

12. Story	Stories
13. Hobby	Hobbies
14. Army	Armies
15. Baby	Babies
16. City	Cities

(ii) If there is a vowel ahead of that "y" no need to change it. Only "s" to add.

17. Donkey	Donkeys
18. Toy	Toys
19. Day	Days
20. Joy	Joys

Rule 4:-When there is a "f" or "fe" in the end then "V" replaces 'f' or fe and "es" is used to finish it.

21. Theif	Thieves
22. Wife	Wives
23. Knife	Knives

24. Leaf Leaves

Rule 3:-Some require changing the middle vowel of the word to make it plural.

25.	Man	Men
26.	Woman	Women
27.	Foot	Feet
28.	Mouse	Mice
29.	Tooth	Teeth
30.	Foot	Feet

(ii) subject verb agreement

use of helping verbs is/are/was/were

Sigular helping verbs – is/was

Plural Helping verbs- are/were

Rule 1 – जबदो यादोसेअधिकअलग–अलगनामकेबीचमेंandहोताहैतोPlural verb काप्रयोगकरतेहैं।

Ex. 1. Ram and Mohan .... playing (is/are)

2. Geeta, Vimla and Sita .... dancing. (was/were)

3. Babita and my sister .... friends. (is/are)

Rule2. all, many, both आदि शब्दस्वयंबहुवचनकाबोध करातेहै, इसलिए Plural verb काउपयोगहोताहैः–

Ex. 1.All the students of this school ....playing (was/were)

2. Many boys .... sitting in the room. (is/are)

3. Both he and she .... intelligent. (is/are)

Rule3. Many a .... के बादहमेशाSingular verb आयेगा–

Ex. 1. Many a man ....arrested. (was/were)

2. Many a pen ....good. (is/are)

Rule4.Each, every, either, neither केसाथहमेशाSingular verb आयेगा–

Ex. 1.Each boy ....sleeping(is/are)

2. Every student ....honest. (was/were)

3. Eigher of his two sons ....in service (is/are)

4. Neither of the boys .... dishonest. (was/were)

Rule 5. Much के साथहमेशाSingular verb आयेगा–

Ex. 1. Much milk .... sold today (was/were)

2. Much noise .... being made. (is/are)

(iii) "Punctuation"

1. Rule 1**-** Full Stop (.) is used at the end of sentence.
   She loves to read.
2. Rule 2- First letter of sentence, any name of person or place is always capital.
   <u>M</u>y name is <u>R</u>adhika and I live in Jaipur.
3. Rule 3- Comma (,) is used to separate items in a list.
   I bought apples, bananas and grapes.
4. Rule 4- Question Mark (?) used at the end of interrogative sentences.
   Where are you going?
5. Rule 5- Exclamation Mark (!) is used to express strong feelings.
   What a beautiful Painting!

<u>Exercise</u>

Rewrite the following sentence by adding correct punctuation marks:-

1. ravi is eating cake.
2. what are you doing
3. my name is riya
4. amit Praveen reena and ravinder went to the fair.
5. he writes a letter
6. i bought bread eggs milks and butter.
7. hurray we have won the match
8. what a beautiful sunset this is
9. why are you going
10. i live in delhi

(iv) Prepositions

जो शब्द किसी noun अथवा Pronoun के पहले प्रयुक्त होता है तथा noun या Pronounसे उसका सम्बंध व्यक्त करता है, उसे Preposition कहते है जैसे–

She is in the school.

उपर्युक्त वाक्य में <u>in</u> Preposition है तथा यह she का संबंध school से बतलाता है कि वह स्कूल में है।

<u>Some prepositions with meaning and examples.</u>

Preposition	Meaning	Examples
1.In (के अंदर/में)		The books are <u>in</u> the bag

2. On(के ऊपर (संपर्क में)	The pen is on the table
3. Over के ऊपर (बिना संपर्क के)	The Sun shines over the earth.
4. At – पर (विशिष्ट स्थान या समय)	She is at the door.
5. To – की ओर/को	He went to school
6. From – से/की ओर से	I received a gift from her.
7. Under – के नीचे	The cat is under the Chair.
8. Of – का/की/के	The color of the sky is blue.
9. Between – दो के बीच	There is a tree between the two houses.
10. Among – कई लोगों/चीजों के बीच	She is popular among students.
11. Before – के पहले	Finish your meal before10 pm.
12. After – के बाद	We will go after dinner.

Exercise

Fill in the blanks with correct preposition.

1. She is sitting ______________ the chair. (in/on)
2. The train arrived ______________ 6:30 Pm. (on/at)
3. The book is ______________ the bag. (in/at)
4. They are going ______________ Delhi tomorrow. (of/to)
5. She divided the chocolates ______________ the two children. (between/among)
6. The ball rolled ______________ the bed. (under/over)
7. They distributed the books ______________ the children (among/between)
8. He came _____________ Jaipur yesterday (Of/From)
9. She gave the book ____________ her sister (to/of)
10. This bowl is made ___________ glass. (From/of)
11. Finish your breakfast ____________ you go out (before/after)
12. We reached the airport just ___________ time. (on/in)
13. The baby cried loudly ____________ the vaccination. (before/after)
14. This gift is ____________ my friend in Mumbai. (From/to)
15. The temple is located ________________ the hill. (on/over)

INDEX

Section-D

Text book

Flamingo (Prose)

Lesson-1: The last lesson

Lesson-2: Lost Spring

Lesson-3: Deep Water

Lesson-4: The Rattrap

Lesson-5: Indigo

Lesson-6: Poets and Pancakes

Lesson-7: The Interview

Lesson-8: Going Places

Text Book I Flamingo

Poetry (Poem)

Lesson-1: My Mother at Sixty Six

Lesson-2: Keeping Quiet

Lesson-3: A Thing of Beauty

Lesson-4 : A Roadside Stand

Lesson-5: Aunt Jennifer's Tiger

Text Book-II VISTAS

Lesson 1: The Third Level

Lesson-2: The Tiger King

Lesson-3: Journey to the end of the world

Lesson-4: The Enemy

Lesson-5: On the face of it

Lesson-6: Memories of Childhood

Section-D

Text book

Flamingo (Prose)

Lesson-1The last lesson

Summary –

This lesson is set in days of Franco-Prussion war, in which France was defeated and Franch districts Alsace and Lorraine have been passed in Prussian hands. That morning, Franz was scared as he was late for the school and as their teacher M. Hamel was going to ask about the topic Participles but he did not know anything about it. When hereached school he was surprised to see quietness in school like Sunday morning, that was unusual that day. M. Hamel did not say him anything and on the contrary politely asked him to get to his seat. He noticed that M. Hamel had worn his best dress and the senior village men were sitting on the last benches. M. Hamel told them that it was their last lesson in French as the Prussians in Berlin had ordered to teach German in schools of Alsace and Lorraine. Franz was shocked to know this. Now he suddenly starts considering his books to be his best friends. Now he knew M. Hamel was wearing his best dress in honor of this last lesson and the village men had come to respect and thank M. Hamel for his service of forty years in that school and also they wanted to show respect to their country. They were sorry for not have studied well in their childhood. M. Hamel says that all the peole of Alsace were to be blamed as they did not send their Children to school. The teacher took a lesson in Grammar and then in writing. After, that they took a lesson of history.Just then the sound of the trumpets played by Prussian soldiers. Mr. Hamel wrote "Vive La France" meaning long live France on blackboard. Then he bent towards the wall and without speaking anything signalled the class to leave as the class was over.

1. Word Meanings-

Defeat	- हराना
Morning	-सुबह
Late	-देर
Surprise	- आश्चर्य
Politely	-विनम्रतापूर्व

2. Tick the correct alternative-

1. What was Hamel going to ask Franz about?

   (a) Adjectives (b) Noun

   (c) Verbs (d) Participles ( )

2. What order had come from Berlin ?

   (a) to close the school

   (b) to teach German in schools of Alsace and Lorraine

   (c)to teach French

   (d) None of these ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statements –

(i) Franz was surprised because of village elders. ( )

(ii) M. Hamel blames the parents because they preferred children to work in farms. ( )

4. Fill in the blanks with correct option:

(i) M. Hamel served the school for ___________ years. (40/30)

(ii) Franz noticed quietness in the school like ___________morning that was unusual that day. (Sunday/ Monday)

(iii) M. Hamel told them that it was their __________ lesson in French. (First/Last)

5. Answer the following questions –

(i) Why had the villagers come to school that day?

(ii) Why did Franz surprise when he reached school?

Lesson -2

Lost Spring

Summary –

In this story the author unveils the utter destitution of the ragpickers of the Seemapuri and the bangle makers of Firozabad. Saheb is the son of a migrant family from Dhaka. Their homes and fields were destroyed by storm. He is a ragpicker who lives in Seemapuri in Delhi and goes about barefoot in the heaps of garbage to earn his livelihood. Thousands of such children live with their families in Seemapuri. The ragpickers of Seemapuri live in mud houses. These families are living in utter poverty. In order to earn better, Saheb starts working at a tea stall where he is paid Rs. 800 per month but It seems works for someone else and is no longer master of his own. This loss of identity weighs heavily on his tender shoulders.

Then the author tells about Mukesh, another young boy. Mukesh'sfamily like other families of Firozabad are victims of poverty. His father is blind and as a family tradition he has always worked in the glass bangles factory. The children work very close to the furnace that they are exposed to various health hazards even losing their eye-right.

In the story the author brings out the depravity of child labour. Childhood is considered as spring of human life full of joy, pleasure and play. But millions of children like Saheb and Mukesh have lost their spring (Childhood).

1. **Word meanings –**

Story	–	कहानी
Bangles	-	चूड़ियाँ
Garbage	-	कचरा
Stall	-	दुकान
earn	-	कमाना

2. **Tick the correct alternative –**

(i) Saheb's family settled at _______________.

(a) Rampuri (b) Sitapuri

(c) Seemapuri (d) Shyampuri ( )

(ii) Mukesh belongs to a family of______________

(a) Bangle maker (b) Shoe maker

(c) Cloth maker (d) Furniture ( )

3. **Write 'T' for true and 'F' for false statement-**

(i) Their homes and fields were destroyed by storm. [ ]

(ii) The rag pickers of Seemapuri live in mud houses. [ ]

4. **Fill in the blanks with correct option–**

(i) Seemapuri is situated in ________________ (Delhi / Mumbai)

(ii) Saheb's monthly income at the tea stall was ___________ (1000 rupees /800 rupees)

(iii) Mukesh worked in a ___________ factory (Glass bangles/biscuits)

5. **Answer the following questions-**

(i) Why is Saheb not happy working at the tea stall?

(ii) Who is Mukesh?what is the family tradition in Firozabad?

Lesson-3

Deep Water

Summary –

This lesson is written by William Douglas. In this lesson he talks about his fear of water and how he finally overcomes it. His first such experience was on the sea beach. He was with his father when a powerful wave swept over him. He was buried in water. His breath was gone. He was frightened. Father laughed, but there was terror in his heart at the over powering force of the waves. He decided to learn swimming. For this he chose the Y.M.C.A. pool. It was safe. Its depth at shallow end was only two feet, but the deep end was nine feet.

One day a strong young boy picked up Douglas and tossed him into the deep side of the pool. Douglas sank to the bottom. Fear seized him and he was nearly drowned. His efforts to save himself went in vain. He tried to breathe but swallowed water. Though his death was very close he experienced completed freedom from the fear of death. Someone finally saved him. This horrific experience shook Douglas badly. The sight of water rattled him so much.

Finally he made up his mind to over come his fear. He found an instructor who trained him as a swimmer. He swam two miles across the lake Wentworth in New Hampshire. He was able to overcome his fear completely.

This experience of fear and death and conquering fear made him realise the true value of life and this helped him to enjoy every moment of the life.

1. **Word meaning-**

    Wave – लहर

    Deep - गहरा

    Swim – तैरना

    Water – पानी

    Breathe - सांसलेना

    Frightened - डरा हुआ

2. **Tick the correct alternative-**

    (i) What is the story 'Deep Water'speaking about?

    (a) Fear of water and the way to overcome it

    (b) Fear of people

    (c) Fear of dogs

    (d) Fear of insects ( )

(ii) Who threw Douglas into the swimming pool?

(a) A young boy (b) Instructor

(c) Mother (d) A man ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statements-

(i) The author was frightened when he realized that he was drowning. [ ]

(ii) Douglas finally conquered his fear of water. [ ]

4. Fill in the blanks with correct option –

(i) Douglas found an instructor who trained him as a _______________ (Swimmer/dancer).

(ii) Douglas swam ___________ across the lake Wentworth. (Two miles/ Five miles)

5. Answer the following questions-

(i) How does water create a feeling of hatred and terror in WilliomDouglas ?

(ii) How did Douglas finally overcome his fear of water?

Lesson-4

The Rattrap

Summary –

In this story the author tells how greed for material things entraps human beings. The central character of the story is a beggar and a petty thief who goes about selling rattraps of wire to make a small living. He realises that the world itself is a big rattrap. Riches, joys, shelter and food are all lucrative baits to trap mankind.

In the story the beggar was offered various baits. The old man offered him bait of food and of stay at night at his hut. The old man and the peddler played a game "mjolis" after supper. The bait of the three ten kronor is enough to tempt him and he stole that money. Next at the Ramsjo iron works, the bait offered to him of shelter for the night by the ironmaster of mistaken identity though he initially refuses it. Edla, the iron master's eldest daughter offers yet another bait of full hearted generosity, comfortable living and a magically peaceful Christmas.

Edlawas down cast when she learned that the peddler was a thief. The peddler underwent a change of heart after experiencing her kindness. He returned the stolen money and writes a letter to her, thanking her for helping him to escape from the rattrap. The story ends with the victory of human goodness.

1. **Word meanings-**

Greed	-	लालच
Rattrap	-	चूहेदानी
Trap	-	जाल
Hut	-	झोपड़ी
Refuse	-	मनाकरना
Supper	-	रात का खाना

2. **Tick the correct alternative-**

(i) The Peddler sells___

(a) Rattraps of wire (b) Sweets of sugar

(c) Fruits (d) Toys ( )

(ii) The world itself is a _______

(a) Big Rattrap (b) Big Well

(c) Big Village (d) Big market ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) Miss Edla is the eldest daughter of the iron master. (   )

(ii) The peddler is a poor man. (   )

(iii) The peddler did not return the stolen money. (   )

4. Fill in the blankswith correct option-

(i) The Peddler's rattraps were made of__________ (wood/wire)

(ii) The old man and the peddler played a game after supper. The game was________ (Ludo/Mjolis)

5. Answer the following questions-

(i) How did the rattrap seller make a living?

(ii)When did the rattrap seller undergo a change of heart?

(iii) Who is the central character of the story "The Rattrap"?

Lesson-5

Indigo

Summary-

The author narrates Gandhiji's struggle for the poor peasants of Champaran. The peasants were sharecroppers with the British planters. According to an old agreement, the peasants had to produe indigo on 15 percent of the land and give it as rent to the landlords. Around 1917, it was told that Germany had developed synthetic indigo. So the British planters now no longer desired the indigo crop. To release the peasants from the old 15% agreement they demanded compensation from them. Most of the illiterate peasants agreed to it. But a few others refused. Lawyers were engaged do go to the court. At that time, of RajkumarShukla a sharecropper, from champaran met Gandhiji in Lucknow and told him about their problem. On his request Gandhiji went first to Muzzafarpur to get detailed information about sharecroppers and then reached Champaran. He fought for the poor peasants a long battle for almost one year and managed to get justice for them.

The peasants now got courage and became aware of their rights.Gandhiji worked on social level also. He made arrangements for education, health and hygiene of the families of poor peasants by teaching the lesson of self-reliance. Mrs. Gandhi Kasturbai taught the Ashram rules on personal cleanliness and community sanitation. It was one of the way to forword the struggle for Indian independence.

1. Word meanings-

Percent - प्रतिशत

Peasant – किसान

Poor - गरीब

Hygiene - स्वच्छता

Community - समुदाय

Sharecropper - साँझेदारी में खेती करने वाला

2. Tick the correct alternative-

(i) RajkumarShukla first met Gandhiji at _______

(a) Cawnpore (b) Lucknow

(c) Calcultta (d) Ahmedabad ( )

(ii) Gandhi ji decided to go first to_______

(a) Champaran (b)Patna

(c) Muzzafarpur (d) Mothihari ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) RajkumarShukla was a landlord. [ ]

(ii) Gandhiji decided to go to Muzzafarpur to get detailed information about sharecroppers. [ ]

(iii) Gandhiji did not work on social level. [ ]

4. Fill in the blanks with correct option-

(i) Gandhiji fought for the poor peasants for almost ________ year. (one/two)

(ii) Gandhi's wife's name was __________ (Kasturba/Kesariba)

5. Answer the following questions.

(i) How did Gandhiji work on social level ?

(ii) What did the peasants have to do according to an old agreement?

Lesson-6

Poets and Pancakes

Summary-

In this lesson the author talks about his days at Gemini studio, located in Chennai. It was set up in 1940. Its founder was S.S. Vasan. He explains us about a make-up material. The brand name of this material was Pancake. This make-up material was bought and used up in the studio. He gives a description of the make-up room as a hair-salon. In make-up department, there was a forty year old office boy. His dream of becoming a star actor or director or lyrics writer remained unfulfilled, making him frustrated. For this he blamed Subbu, a man of many abilities and kind hearted person. The office boy felt jealous of him and cursed him. The writer tells of an English poet Stephen Spender's mysterious visit to the studio. The author's duty at the studio was to cut newspaper clippings on several issues and stores them in files. After his retirement, the author came across a book. "The God That Failed". It had six essays. One of these essays was written by Stephen. The mystry of Stephen's visit to Gemini studio was cleared.

1. Word meanings-

Explain	– समझाना
Hair	– बाल
Material	– सामान
Dream	– सपना
Newspaper	– अखबार
Mystry	– रहस्य

2. Tick the correct alternative-

(i) How many essays did the book "The God That Failed" have?

(a) 5 (b) 6

(c) 7 (d) 8 ( )

(ii) What was the brand name of the make-up material that Gemini studio bought?

(a) Pancake (b) Mancake

(c) Fancake (d) Latin cake ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statements-

(i) Subbu was a kind-hearted person.. [ ]

(ii) The make-up room has been compared to a hair-cutting salon. [ ]

(iii) Gemini studio is located in Chennai. [ ]

4. Fill in the blanks with correct option-

(i) The English man was _____________. (D.H. Lawrence/Stephen spender)

(ii) The boy in the make-up room was jealous of ____________ (the visitor/Subbu)

5. Answer the following question-

(i) What did the author's duty in the Gemini studio?

(ii) Who was the office boy ?

Lesson-7

The Interview

Summary –

The narration "The Interview" is a very interesting lesson speaking about the invention of the interview about 130 year ago. It is surprising to notice that as an interviewer each one is comfortable, where as an interviewee, they feel it much disturbing and diminishing. Some of the world famous writers had varied opinion. according to V.S. Naipaul "Some people are wounded by interviews".

The second part of this lesson is an extract from an interview of Umberto Eco. The interviewer is MukundPadmanabhan from "The Hindu". The interviewer highlights how umberto Eco considers himself a university professor of Bologna in Itlay who writes on Sunday- occasionally. He started writing novels at the age of 50. He started writing novels by accident which satisfied his taste for narration.

His novel "The name of the Rose" was a huge success. An American publisher gave an advance for 3000 copies of this book but in the end it sold two or three million in the U.S. According to him the success of the book is a mystry because a lot of books have been written about the same content but only this novel got that success.

1. Word meanings-

Interview –	साक्षात्कार
Invention -	आविष्कार
Feel -	महसूसकरना
Famous-	प्रसिद्ध
Satisfy -	संतुष्टकरना
Novel -	उपन्यास

2. Tick the correct alternative-

(i) What did satisfy Umberto Eco's taste for narration.

(a) Interviews (b) Children's work

(c) Stories (d) Novels ( )

(ii) At what age did Umberto Eco start writing novels?

(a) at the age of 50 (b) at the age of 57

(c) at the age of 55 (d) at the age of 52 ( )

3. **Write 'T' for true and 'F' for false statements-**

(i) According to V.S. Naipaul people are wounded by interviews. [ ]

(ii) The interviewer is Mukund Padmanabhan from "The Hindu". [ ]

4. **Fill in the blanks with correct option-**

(i) Umberto Eco is a professor at the university of Bologna in ____________(Italy/ America)

(ii) An American publisher gave an advance for __________ copies to Umberto Eco. (4000/3000)

5. **Answer the following questions.**

(i) What is the difference between an interviewer and interviewee?

(ii) What does the interviewer Mukund highlight about Umberto Eco?

(iii) When did Umberto Eco start writing novels?

Lesson -8

Going Places

Summary –

The story revolves around the life of Sophie, a teenager, who is filled with fantasis and desires. She dreams of owning a boutique one day or being an actress or fashion designer but her friend Jansie, her friend and schoolmate believes that both of them were earmarked to work for the biscuit factory. Jansie who is more realistic, tries to make Sophie see reality, but in vain. Sophie lives in a small house with her parents and brothers elder brother Geoff and little Derek.

The centre of this story is that Sophie fantasises about Danny Casey, an Irish football players. On saturday Sophie and her family made their weekly visit to watch the football match. She makes up a story about how she met him in the streets.Sophie herself began to believe that it's true. She waits for the Irish player at but he never comes.

The whole story is about unrealistic dreams and how we love to indulge in them knowing all that they have little possibility of coming true. The story seems to hint at dreaming within limits.

1. **Word meanings-**

Desire -	इच्छा
Believe -	विश्वासकरना
Whole -	पूरा
Limit-	सीमा
Fantasies-	कल्पनाएँ

2. **Tick the correct alternatives-**

(i) Who are Sophie and Jansie ?

(a) Colleagues (b) Neighbors

(c) Friends and Schoolmates (d) Actors ( )

(ii) Around whom does the story "Going Places" revolve ?

(a) aFat boy

(b) An old couple

(c) A teenage girl Sophie, her family and friends

(d) None ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statements-

(i) Sophie is a worker at Biscuit factory in reality. [ ]

(ii) Jansie told Sophie not to dream big. [ ]

(iii) Sophie lives in a big house. [ ]

4. Fill in the blanks with correct option-–

(i) Sophie's elder brother is _______________ (Geoff/ Dany Casey)

(ii) On __________ Sophie and her family go to watch the football match. (Saturday/Sunday)

5. Answer the following question-

(i) What were the dreams of Sophie?

(ii) What did Sophie fantasise about Danny Casey?

(iii) Which country did Danny Casey play for?

Text Book I Flamingo

Poetry (Poem)

Lesson -1

My Mother at Sixty Six

Summary- **Kamala Das**

In this poem the poetess describes her feeling of love and attachment towards her ageing mother. Once after visiting her mother, she was on her way back to the airport to return to Cochin last Friday. She looked at her mother who was seated beside her in the car. The poet realised that her mother was old. She felt pain and sympathy for her. She became sad as she knew that she would lose her mother soon.

To come out of this gloom, the poet shifted her glance and looked out of the car's window. There she saw young trees by roadside which seemed to be running. Little children were running out of their houses. They symbolized energy, life and happiness. As they reached the airport, she looked at her mother one more time. Her mother appeared weak and pale just like the winter's moon seems to have lost all its strength. She reminded of her childhood when the used to fear of losing her mother. As a child she could not bear to be separated from her mother even for a few seconds. But now the loss would be permanent as her mother was about to die and she would lose her forever.

The poet did not express her feelings. She smiled and said "See you soon, Amma" because she wanted that her mother should live and they could meet again.

1. Word meanings-

Check –	जाँचकरना
Last –	पिछला
Pain–	दुःख
Young –	जवान
Airport –	हवाईअड्डा
Weak –	कमजोर

2. Tick the correct alternative -

(i) Whose house was the poet leaving?

(a) Her husband's (b) In-laws

(c) Parent's house (d) Her own house ( )

(ii) What is the familiar ache ?

(a) Her childhood fear of losing her mother.

(b) Her mother's weak health.

(c) Her duties

(d) Her Helplessness ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) The running trees signify fast moving change in human life from childhood to old age. [ ]

(ii) The poet was going to Cochin. [ ]

4. Fill in the blanks with correct option.

(i) The poet noticed ___________ outside the car. (other vehicles / sprinting trees and running children)

(ii) The poet was going to Cochin last _____________. (Friday/Saturday)

(iii) Her mother appeared _____________ and pale. (Strong/weak)

5. Answer the following questions-

(i) What was the poet's childhood fear?

(ii) What did the poet do to come out of her goloom?

Lesson -2
Keeping Quiet

Summary-

"Keeping quiet" is a peaceful poem. The poet asks everyone to count upto twelve in their mind. The number twelve represents the hours of the day or the months of a year. He requests everyone not to speak because languages create barriers between people. The poet says that in this period of inactivity. It would be an exotic moment. The fishermen would not harm the whales, the salt gatherers will not hurt their hands. Those who are busy destroying the nature will stop it. The men who are preparing for wars and victory will join their enemy and stand in unity. He wants that there should be no war.

People are threatened by death and the fear forces them to work endlessly so that they can achieve everything quickly. In this mad rush there is a sadness of not understanding ourselves. He wants us to pause and to be happy about our achievements and celebrate them. He wants us to overcome the fear of death, to relax for a while and to realize the purpose of our lives. It will give a new meaning to our life.

1. Word meanings –

Nature –	प्रकृति
Quiet	शांति
Count	गिनना
Speak –	बोलना
Gather -	इकट्ठाकरना
Language -	भाषा

2. Tick the correct alternatives-

(i) The poet advices the people not to speak......................

(a) French (b) English

(c) Hindi (d) in any language ( )

(ii) What kind of moment would it be when everyone is silent?

(a) Terrible (b) Fearsome

(c) Exotic (d) None of these ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) A huge silence might interrupt the sadness of man's life. [ ]

(ii) The poet asks everyone to count upto eleven in their mind. [ ]

(iii) "Keeping Quiet" is a peaceful poem. [ ]

4. Fill in the blanks with correct option –

(i) The fisher men would not harm ____________ (whales/insects)

(ii) __________ would look at his hurt hands. (man catching fish /man gathering salt)

(iii) People are threatened by ___________ (Life/Death)

5. Answer the following question-

(i) What does the poet want us to do?

(ii) Why does the poet request everyone not to speak in any language?

Leson-3

A Thing of Beauty

Summary- **John Keats**

This poem presents the reader with the views of Keats and it's importance to humans. Beauty, in whatever form it may be found, is an eternal joy to humans. According to the poet the beauty of lovely things always increases. It gives the humans a sleep full of sweet dreams and good health. In spite of all difficulties that human faces beauty has the ability to produce happiness and temporarily shift the difficulties. The poem concludes with a list of things that constitute "beauty" for Keats, which include both physical objects are examples of natural beauty such as daffodils the sun, the moon, trees old and young, streams, flowers and also beauty that can be found in art such as "the lovely tales we have heard or read". All of these forms of beauty act as "an endless fountain of immortal drink" allowing humans to forget bleak reality and experience joy.

1. Word meanings-

Importance – महत्त्व

Sun - सूर्य

Moon – चन्द्रमा

Eternal – अनन्त

Tale – कहानी

2. Tick the correct alternative -

(i) According to the poetthe beauty of lovely things always-

(a) Increases (b) Decreases

(c) Gets divided (d) Always is short lived ( )

(ii) About which does flower the poet talk in the poem:-

(a) Rose (b) Sunflower

(c) Daffodil (d) Marigold ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statements-

(i) Daffodils, the Sun, the moon, trees, streams and flowers are the physical objectsofbeauty mentioned in the poem. ( )

(ii) Beauty gives the humans a sleep full of sweet dreams. ( )

4. Fill in the blanks with correct option-

(i) Beauty, in whatever form is an eternal ....to humans. (Joy/ sadness)

(ii) The beauty has the ability to shift the --------------- temporarily. (Happiness/difficulties)

5. Answer the following questions –

(i) List the things of beauty mentioned in the poem.

(ii) What makes human beings love life in spite of all difficulties?

(iii) Who is the poet of the poem, "A Thing of Beauty"?

Lesson -4

A Roadside Stand

Summary- **Robert Frost**

This poem is about a farmer who puts a little new shed in front of his house on the edge of a road. He desires to sell his products crook-necked golden squash and wild berries for some money. He believes that money can give him a better lifestyle as he saw in the movies. But the people in cars go fast without even giving a cursory look at his stall. And if few of them happen to look at it, they see how letters N and S have been turned wrong. They believe that such badly painted signs spoil the beauty of the countryside. A few cars did stop to take a U-turn. It comes into farmer's yard and spoil the grass. Another car stopps to know the way, one of them stopped as it needs petrol though it is quite evident that the farmer does not sell petrol.

The poor village people have little earning. It is known that some greedy good-doers plan to remove their poverty. They aimed to buy their property on roadside to build theaters and stores. They wish to teach them to sleep during day time. Thus they desire to force the benefits on the poor people and befool them.

The poet feels miserable at the pitiable sufferings of the poor village people and desired that someone relives them of their pain by killing them.

1. Word meanings –

Edge –	किनारा
Road –	सड़क
Desire-	इच्छा
Grass–	घास
Village –	गाँव

2. Tick the correct alternative-

(i) What does the stall owner expect ?

(a) People would stop and buy things.

(b) Big Prize

(c) A lot of money

(d) A lot of praise ( )

(ii) What do the people in cars think about the shed ?

(a) It is beautiful (b) It should be there

(c) It isan ugly spot (d) Its goods are nice ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) The farmer puts a little new shed on the edge of a road. [ ]

(ii) Golden squash and wild berries were offered for sale there. [ ]

4. Fill in the blanks with correct option-

(i) A few cars did stop to take a_______________ turn. (U/V)

(ii) The benefits are enforced on the poor village people to _________ them. (befool/benefit)

(iii) The Poor village people have___________ earning. (much/little)

5. Answer the following questions.

(i) Why did the cars stop at the roadside stand?

(ii) How do some greedy good – doers plan to remove village people's poverty?

Lesson-5

Aunt Jennifer's Tiger

Summary- **Adrienne Rich**

This poem addresses the constraints of married life that a woman experiences. The protagonist of the poem, Aunt Jennifer represents women all over the world. She represents the kind of women who were caught under the opressive hand of a patriarchal society.

In the first stanza, the poet introduces us to Aunt Jennifer's dreams and the tigers across a screen. The tigers are in their habitat and they are known for their strength and attitude. They are not afraid of men because they are strong, brave and fearless. In the second stanza, we are introduced to the reality of Aunt Jennifer's world. She is knitting. Her fingers are fluttering through her wools. She find it very hard to pull the ivory needle. as she is very much the opposite of tigers. Even though a wedding doesn't weigh much, sits heavily upon Aunt Jennifer's hand signifies the amount of dominance her husband has exercised over her. The third stanza is a narrative of the future. Even after her death would not free her from the ordeals she went through. But her art work (tigers) will stay forever prancing,proud and unafraid.

1. Word meanings-

Tiger	– बाघ
Society	–समाज
Fingers	–उंगुलियाँ
Strength	– शक्ति
Weight	– वजन
Dream	– सपना

2. Tick the correct alternatives-

(i) Why was Jennifer's finger fluttering ?

(a) Because Jennifer was scared of her husband

(b) Because Jennifer didn't know how to do embroidery

(c) Because Jennifer was weak

(d) Both (a) and (b) ( )

(ii) What are the tigers known for?

(a) for their weakness (b) for their strength

(c) for their cowardness (d) None ( )

3. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) Aunt Jennifer's tigers are described fearful. [ ]

(ii) The tigersare not afraid of men because they are strong and brave. [ ]

4. Fill in the blanks with correct option-

(i) Aunt Jennifer's fingers fluttering through her ___________ (wool/ clothes)

(ii) The _________ will go on prancing, proud and unafraid. (lions / tigers)

5. Answer the following questions-

(i) Why is it so hard for Aunt Jennifer to pull the ivory needle?

(ii) What will happen after the aunt's death?

II Book VISTAS

Lesson 1

The Third Level

This lesson is about a man's wish to escape from the harsh realities of present life. Charley, a 31 years old guy is the narrator of this story.Though he does not admit it, wants to go into the past.As he is unhappy because he finds the world in which he lives full of hurry, tension and war. This made his wife Louisa kind of mad. His friend, Sam tells his stamp collecting also as an escape into the past.

There were only two levels at Grand Central station. Charley found a third one. This level was entirely different. He desired to escape to Galesburg, the town of his dreams. The money he gave to pay the fare, was different from that in use those days. The booking clerk thought that he was cheating. Charley, thus ran into the present. He never found the third level again.

1. Tick the correct alternative-

(i) What was the name of the station where according to the author existed the third level?

(a) New York Central (b) New Heaven

(c) Grand Central Station (d) Hartford Station ( )

(ii) Who is narrator of the story "The Third Level"?

(a) Charley (b) Sam Weiner

(c) Louisa (d) Grandfather ( )

2. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) There were only two levels at the station. [ ]

(ii) The narrator was seeing this third level as a result of tension. [ ]

3. Fill in the blanks with correct Option.

(i) Charley's wife'sname was _________ (Alice / Louisa)

(ii) Charley was __________ years old. (31/41)

4. Answer the following questions :-

(i) Why did Charley want to go into the past?

(ii) What was Charley's experience in level third?

Lesson-2
The Tiger King

Summary –

This story is about the Maharaja Jilani Jung JungBahadur in Pratibandipuram. When the king was born,the chief astrologer told the prince that his death would come from a tiger. He decided to kill tigers by hunting. When he told the astrologer about his first tiger hunting, he told the prince that he must be careful with the hundredth tiger. He killed seventy tigers in ten years but the population of tigers became extinct in Pratibandapuram. So the Maharaja married into a royal family in a state where tiger population was high. Thus he killed 99 tigers. There was no tiger left.

One day a tiger was brought for the Maharaja. He shot the tiger but missed it. The tiger faintedfrom the shock of the bullet. Maharaja's men (hunters) knew it. But they feared to tell it to the Maharaja so they killed the tiger. Maharaja did not know about it. A few days later Maharaja decided to celebrate his three year old son's birthday. He gifted him a wooden tiger. Its surface was rough, tiny slivers of wood stood up like quills all over it. As a result, a wooden sliver pierced into Maharaja's hand. He pulled it out. Butthe infection spread into his whole hand and the Maharaja died.

Thus the astrologer's prediction proved to be correct. The hundredth tiger though a wooden one became the cause of his death.

1. Tick the correct alternative-

(i) The Maharaja was determined to kill the-

(a) Hundredth lion (b) Hundredth tiger
(c) Hundredth elephant (d) Hundredth leopard ( )

(ii) The hundredth tiger was actually killed by the-

(a) Maharaja (b) Hunter
(c) Dewan (d) Villagers ( )

2. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) The tiger king was the king of Pratibandapuran. [ ]

(ii) The king hunted ninety nine tigers. [ ]

3. Fill in the blanks with correct option.

(i) The astrologer predicted that the king will be killed by ___________tiger. (Hundredth / Fiftieth)

(ii) The king killed seventy tigers in ________ years. (ten/nine)

(iii) The hundredth tiger though a __________ one became the cause of King's death. (Iron/Wooden)

4. Answer the following questions-

(i) Who was the Tiger King? Why did he get that name?

(ii) What steps did the King take to complete his mission of killing tigers?

Lesson-3

Journey to the end of the world

Summary –

This lesson is about the author's visit to Antarctica. A visit to Antarctica gave the author a deeper understanding of the earth's history, ecology and environment. Before human evolution, Antarctica was the part of a huge tropical landmass called Gondwana land which flourished 500 million years ago. 90% of the earth's total ice volumes are stored in Antarctica. Humans, who have existed a mere 12000 years have caused tremendous damage and havoc with nature. Population explosion, strain on available resources, carbon emissions, fossil fuels and global warming have all resulted in climatic and ecological imbalance that have affected Antarctica too.

The 'Students on Ice' programme takes high school students,the future policy makers, to Antarctica to create awareness in them and helps students to realize that the threat of global warming is very real.

1. Tick the correct alternative-

(i) How many years ago did Gondwana land exist?

(a) 650 Million (b)500 Million

(c) 300 Million (d) 400 Million ( )

(ii) What does the lesson revolve around ?

(a) It revolves around the world

(b) Tourism

(c) Children and their tour

(d) The World's most preserved place Antarctica ( )

2. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) Human civilizations have been around for a paltry 12,000 years. [ ]

(ii)The students of higher classes are the future policy makers. [ ]

(iii) "The students on Ice" programme takes primary school students to Antarctica. [ ]

3. Fill in the blanks with correct option-

(i) This lesson is about the author's visit to _________. (Antarctica/Europe)

(ii) Antarctica is a place where ____ of the Earth's total Ice volumes are stored. (80% / 90%)

4. Answer the following questions –

(i) How have humans caused tremendous damage and havoc with nature?

(ii) What is the "Students on Ice"programme?

Lesson-4

The Enemy

Summary –

Dr. SadaoHoki's house was built on a spot of the Japanese coast. Dr. Sodao's father's Chief concern was his education. So for this reason he was sent to America at the age of 22 to learn all that could learned of surgery and medicine. Now Dr. Sadao lived there with wife Hana and their two children.

One day Dr. Sadao and his wife, Hana stood outside their house. A man suddenly appears out of the ocean. They ran towards him. At first Sadao thought the man was a fisherman. To their shock, he was an American prisoner of war, who was badly wounded and had become unconscious. Sadao is torn between his duty as a doctor and his loyality towards Japan.

But soon they rose above narrow prejudices and brought the man into their house. They looked after the man. They realized the risk inherent in harbouring an enemy. After a white, as the American got better.Sadao made arrangements for him to go to an island nearby from where he could try to get off enemy boundaries. Thus he got rid of the man.

1. **Tick the correct alternative-**

   (i) The name of the main character in "The Enemy" is –

   (a) Dr. Huen Tsang (b) Dr. SadaoHoki
   (c) Dr. Chung Wa (d) Dr. Hao Chi ( )

   (ii) At first, Sadao thought, the man was a ....

   (a) Fisherman (b) Criminal
   (c) Politician (d) Singer ( )

2. **Write 'T' for true and 'F' for false statements-**

   (i) Sadao went to America to learn surgery and medicine. [ ]

   (ii) Sadao went to America when he was 42 years old. [ ]

   (iii) Sadao did not look after the American Prisoner. [ ]

3. **Fill in the blanks with correct option-**

   (i) Sadao's wife's name was_________ (Mary / Hana)

   (ii) Sadao and his wife had ____________ children. (Two / Three)

4. **Answer the following questions-**

   (i) Why did Dr. Sadao go to America?

   (ii) What did Sadao do to get rid of the man?

Lesson-6

On the face of it

Summary-

This lesson deals with the issue of disabled people and tells about the behaviour of people with these disabled persons. People discard the disabled persons and refuse to accept them as a part of society. It makes them feel alienated from human society and they wants to leave in seclusion.

The lesson has two disabled persons, Derry, a young boy of fourteen who beers a burnt face by acid. And the other is Mr. Lamb, an old man with a tin leg. Derry is quite withdrawn and defiant. He, by chance meets Mr. Lamb in his garden. Mr. Lamb is happy in spite of his disability. He helps the boy to come out of his seclusion and of his feeling of disappointment. He infuses in him the courage and determination to live on successfully in this world without bothering about what others say about him.

1. Tick the correct alternative-

(i) Derry by chance met Mr Lamb in his ....

(a) Garden (b) House

(c) Car (d) None of these ( )

(ii) Before meeting Mr. Lamb Derry was-

(a) Fear stricken (b)Aggressive

(c) Withdrawn and defiant (d)Rude ( )

2. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) Mr. Lamb was happy in spite of his disability. [ ]

(ii) Mr. Lamb was a man with tin leg. [ ]

3. Fill in the blanks with correct option –

(i) Derry was ___________ years old. (13/14)

(ii) Derry got his face burnt_____________. (by acid/ in fire)

(iii) Mr Lamb was ___________ in spite of his disability. (Sad/Happy)

4. Answer the following questions.

(i) Who are the two disabled persons in the story?

(ii) How did Mr. Lamb help Derry to come out his disappointment ?

Lesson -6

Memories of Childhood

(i) The cutting of My Long Hair – Zitkala – Sa

Summary –

This is a story of Zitkala who was in a boarding school. It was a school opened for native Indians where they were trained to leave behind their own culture and become part of the American culture. She did not like the school. She also wondered about how other Indian girl agreed to wear tight clothes. She did not like that there she had to follow the dining table manner. Judewin told her that the pale faced woman had decided to cut her hair. Her mother told her that only a coward's hair should be cut off. So she did not want her hair to be cut off. She hid herself under a bed but finally she was caught, tied up and her hair is cut down. She felt so depressed with this.

(ii) We too are human beings-Bama

We Too Are Human Being ....Bama

Summary-

The story is written by Bama who is the main character in this story. She is a little cheerful girl who loves to bserve things taking place in her street. Though it takes only ten minutes to reach home from her school but she takes about thirty minutes. She observes many things on her way from school to home. On reaching home her brother Annan told her a real truth about her being low caste and that the upper caste people do not like their presence or touch the low caste as it would make them impure. He suggests her to study hard as only this can earn her respect. She works hard and becomes topper of her class. This not only earns her respect but many friends too.

1. Tick the correct alternative-

(i) What was Bama victim of?

(a) Violence (b)Child abuse

(c) Caste system (d) Gender Prejudice ( )

(ii) Who told Zitkala-Sa that her long hair would be cut?

(a) Judewin (b) Paleface woman

(c) Other girls of school (d) None ( )

2. Write 'T' for true and 'F' for false statement-

(i) Annan told Bama that education is the only way to break the chains of caste system. [ ]

(ii) Zitkala hid herself to stop people from cutting her hair. [ ]

3. Fill in the blanks with correct option-

(i) It takes only _________ minutes to reach home from school. (twenty/ten)

(ii) Zitkala's school opened for native __________. (Indians / Chinese)

4. Answer the following questions.

(i) Why did Zitkala not like her school?

(ii) What were the responses of Zitkala and Bama to their respective situations?

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : भूगोल

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम 2025–26
विषय : भूगोल
कक्षा–12

इस विषय में दो प्रश्न पत्र सैद्वान्तिक एवं प्रयोगिक की परीक्षा होगी ।				
प्रश्न पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	संत्राक /अभिलेख	पूर्णाक
सैद्वान्तिक	4:15	56	14	70
प्रायोगिक	4:00	15	15	30

भाग– 1 मानव भूगोल के सिद्वान्त

इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1	1. मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र	5	5
2	2 विश्व जंनसंख्या, वितरण,घनत्व और वृद्वि	3	
	3 मानव विकास	2	5
3	4 प्राथमिक क्रियाऍ	4	
	5 द्वितीयक क्रियाऍ	4	
	6 तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप	4	18
	7 परिवहन एवं संचार	4	
	8 अंर्तराष्ट्रीय व्यापार	2	
योग			28

भाग–2
भारत लोग और अर्थव्यवस्था

इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1	1.जंनसंख्याः वितरण,घनत्व वृद्वि और संघटन	4	4
2	2 मानव बस्तियॉ	3	3
3	3 भू संसाधन, एवं कृषि	2	

	4 जल– संसाधन 5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 6 भारत के संदर्भ मे नियोजन और सतत पोषणीय विकास	2 2 2	8
4	7 परिवहन तथा संचार 8 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	4 3	7
5	9 भोगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	2	2
6	मानचित्र कार्य (भारत / राजस्थान)	4	4
योग			28

भाग –1 मानव भूगोल के सिद्वान्त

इकाई –1

अध्याय –1 मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 05

मानव भूगोल की प्रकृति, मानव भूगोल की परिभाषाएँ मानव का प्राकृतिकरण और प्रकृति का मानवीकरण

इकाई–2

अध्याय–2 विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्वि 03

विश्व में जनसंख्या वितरण के प्रारूप,जनसंख्या का धनत्व,जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक, जनसंख्या परिवर्तन के घटक– जन्म, मृत्यु और प्रवास, जनांकिकीय संक्रमण, जनसंख्या नियंत्रण के उपाय ।

अध्याय–3 मानव विकास 02

वृद्वि और विकास, मानव विकास के चार स्तंभ, मानव विकास के उपागगम:– आय उपागम, कल्याण उपागम, न्यूनतम आवश्यकता उपागम,क्षमता उपागम मानव विकास का मापन: मानव विकास सूचकांक (HDI) अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ।

इकाई–3

अध्याय–4 प्राथमिक क्रियाएँ 04

आखेट एवं भोजन संग्रह, पशुचारण: चलवासी पशुचारण, वाणिज्य पशुधन पालन कृषि: आदिकालिन निर्वाह कृषि, गहन निर्वाह कृषि, रोपण कृषि, विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि, मिश्रित कृषि, डेरी कृषि, भूमध्यसागरीय कृषि, बाजार के लिए सब्जी खेती एवं उद्यान कुषि सहकारी कृषि, सामूहिक कृषि, खनन कार्य को प्रभावित

करने वाले कारक, खनन की विधियाँ।

अध्याय–5 द्वितीसक क्रियाएँ 04

विनिर्माण, आधुनिक बडे पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ, कौशल का विशिष्टीकरण, यंत्रिकरण, संगठनात्मक ढाँचा एवं स्तरीकरण, प्रौद्योगिकीय नवाचार, अनियमित भौगोलिक वितरण,बाजार तक अभिगम्यता, कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता, श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता, शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता, परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक अभिगम्यता, सरकारी नीति, समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता/उद्योगों के मधय संबंध, विनिर्माध उद्योग, स्वामित्व के आधार पर उद्योग, स्वच्छंद उद्योग ।

अध्याय–6 तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 04

तृतीयक क्रियाकलापों के प्रकार, व्यापार और वाणिज्य, फुटकर व्यापार, थोक व्यापार, परिवहन, संचार दूरसंचार, सेवाएँ, तृतीयक क्रियाकलापों में समुद्रपार रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ–चिकित्सा पर्यटन, चतुर्थ क्रियाकलाप, पंचमकलाप–बाह्यस्त्रोतन, अेकिय विभाजक ।

अध्याय–7 परिवहन एवं संचार 04

थल परिवहन–सडंकें, सीमावर्ती सडके, ट्रांस–कॉन्टिनेंटल

रेलवे–ट्रांस–साइबेरियन रेलवे, ट्रांस–कैनेडियन, रेलवें संघ और प्रशांत रेलवें, ऑस्ट्रेलियाई ट्रांस–कॉन्टिनेंटल रेलवें ओरिएंट मार्ग, उत्तमाशासमुद्री मार्ग दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग, उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग, दक्षिण प्रशांत समुद्री मार्ग, तटीय शिपिंग, वोल्गा जलमार्ग, डेन्यूब जलमार्ग, महान झीलें सेंटलॉरेंस जलमार्ग मिसिसिपी जलमार्ग। हवाई परिवहन– अंतर–महाद्वीपीय हवाई मार्ग । पाइपलाइन, संचार–उपग्रह संवार, साइबर स्पेस–इंटरनेट। विनिर्माण, आधुनिक बडे पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ, कौशल

अध्याय–8 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 02

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अस्तित्व में क्यों, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार, व्यापार का परिमाण, व्यापार संगठन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधि तमामले, पत्तन, के प्रकार–यातायात के प्रकार के अनुसार, अवस्थिति के आधार पर, विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर ।

भाग–2 भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

इकाई–1

अध्याय– 1 जनसंख्या: वितरण, घनत्व, वृद्वि और संघटन 04

जनसंख्या का वितरण, जनसंख्या का घनत्व, जनसंख्या वृद्वि में क्षेत्रीय भिन्नताएँ, जनसंख्या संघटन –

ग्रामीण–नगरीय सेघटन, भाषाई वर्गीकरण, धार्मिक संघटन श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन ।

इकाई–2

अध्याय– 2 मानव बस्तियाँ 03

ग्रामीण बस्तियाँ, ग्रामीण व नगरीय बस्तियों में आधारभूत अंतर ग्रामीण बस्तियों

के प्रकार गुच्छित, संकुलित अथवा अपकेन्द्रित, अर्ध– गुच्छित अथवा विखंडित, पल्लीकृत और परिक्षिप्त अथवा एकाकी, नगरीय बस्तियाँ: प्राचीन नगर, मध्यकालीन नगर और आधुनिक नगर, भारत में नगरीकरण नगरों का प्रकायत्मिक वर्गीकरण, स्मार्ट सिटी मिशन ।

इकाई–3

अध्याय– 3 भू संसाधन, एवं कृषि 03

भू–उपयोग वर्गीकरण, भारत में भू–उपयोग परिवर्तन, साझा संपत्ति संसाधन, भारत में कृषि भू–उपयोग, भारत में फसल ऋतुएँ, कृषि के प्रकार, खाद्यान्न फसलें,: चावल, गेहूँ, मक्का,ज्वार, बाजरा, दालें, चना रेशेदार फसलेंरू कपास व जूट फसलें: गन्ना, चाय तथा कॉफी, तिलहन, भारत में कृषि विकास, कृषि उत्पादन में वृद्दि तथा प्रौद्योगिक का विकास, भारतीय कृषि की समस्याएं।

अध्याय– 4 जल– संसाधन 02

भारत के जल संसाधन, जल की माँग और उपयोग, जल के गुणों का हास, जल संरक्षण और प्रबंधन, जल प्रदूषन, का निवारण, जल पुन: चक्रण और पुन: उपयोग, जल संभर प्रबंधन, वर्षा जल संग्रहण, जल–संभर विकास : वस्तुस्थिति अध्ययन, भारतीय राष्ट्रीय जल नीति, 2002, जल क्रांति अभियान (2015–16)

अध्याय– 5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 02

खनिज संसाधनों के प्रकार, भारत में खनिजों का वितरण: जौह खनिज : लौह– अयस्क, तांबा बॉक्साइट, मैगनीज अलौह खनिज अधात्विक, ऊर्जा संसाधन ऊर्जा के परंपरागत स्त्रोत, अपरंपरागत ऊर्जा स्त्रोत, खनिज संसाधनों का संरक्षण ।

अध्याय– 6 भारत के संदर्भ मे नियोजन और सतत पोषणीय विकास 02

नियोजन के उपगमन, लक्ष्य क्षेत्र नियोजन, पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम, केस अध्ययन– भरमौर क्षेत्रा में समन्वित जनजातीय विकास कार्यक्रम, केस अध्ययन–इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्रा,सतत पोषणीय विकास,सतत पोषणीय विकास को बढावा देने वाले उपाय ।

इकाई –4

अध्याय– 7 परिवहन तथा संचार 04

परिवहन के प्रमुख साधन– स्थल परिवह: सडक परिवहन रेल परिवहन, जल परिवहन, अंतरू स्थलीय जलमार्ग, महासागरीय मार्ग, वायु परिवहन, वायु परिवहन, तेल एवं गैस पाइप लाइन, संचार जालरू वैयक्तिक संचार तंत्र एवं जनसचांर तंत्र ।

अध्याय– 8 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 03

भारत के निर्यात– संघटन के बदलते प्ररूप, भारत के आयात संघटन के बदलते प्रारूप , व्यापार की दिशा, समुद्री पत्तन और उनके पृष्ठ प्रदेश, हवाई अड्डे ।

इकाई –5

अध्याय– 9 भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुददे एवं समस्याएँ 02

पर्यावरण प्रदूषण : 1 जल प्रदूषण 2 वायु प्रदूषण 3 भू– प्रदूषण । नगरीय अपशिष्ट्र निप्टान केस अध्ययन– दौराला मे पारिस्थितिकी के पुनर्भरण और

मानव स्वास्थ्य के सुरक्षण का एक अनुकरणीय अदाहरण, केस अध्ययन धारावी– एशिया की विशालतम स्लम बस्ती ।

इकाई –6

दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में ऊपर दी गई इकाइयों पर आधारित मानचित्र कार्य । 04

निर्धारित पुस्तकें –

1. मानव भूगोल के मूल सिद्वांत – एन सी आर टी से प्रतिलिप्याध्किार अन्तर्गत प्रकाशित

2. भारत– लोग और अर्थव्यवस्था– एन सी आर टी से प्रतिलिप्याध्किार अन्तर्गत प्रकाशित

3. भूगोल में प्रयोगात्मक कार्य भाग –II एन सी आर टी से प्रतिलिप्याध्किार अन्तर्गत प्रकाशित ।

पाठ्यक्रम (Syllabus) 2025–26
कक्षा –12
विषयः– भूगोल प्रायोगिक कार्य

पूर्णांकः–30

प्रश्न पत्र के लिए अंक–16 निर्धारित है, अध्याय 1,2,3,4 में से कुल 4 प्रश्न और प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

अध्याय–1 आंकडे : स्त्रोत एवं संकलन

अध्याय–2 आंकडों का प्रक्रमण

अध्याय–3 आंकडों का आलेखी निरूपण

अध्याय–4 स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी

प्रायोगिक अभिलेख एवं मौखिक– 14 अंक (अभिलेख–10 अंक + प्रोजेक्ट 4 अंक)

1. भूगोल में प्रयोगात्मक कार्य भाग – II एन सी आर टी से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

भूगोल (14)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान,अजमेर

अनुक्रमणिका

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम भाग –अ
अध्याय–1	मानव भूगोल –प्रकृति एवं विषय क्षेत्र ।
अध्याय–2	विश्व जनंसख्या, वितरण,घनत्व और वृद्वि।
अध्याय–3	मानव विकास ।
अध्याय–4	प्राथमिक क्रियाएँ ।
अध्याय–5	द्वितीयक क्रियाएँ।
अध्याय–6	तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप
अध्याय–7	परिवहन एवं सचार
अध्याय–8	अंन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
	भाग–ब
अध्याय–1	जनसख्या वितरण घनत्व वृद्वि और संघटन ।
अध्याय–2	मानव बस्तियाँ।
अध्याय–3	भू– संसाधन, एवं कृषि ।
अध्याय–4	जल–संसाधन ।
अध्याय–5	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
अध्याय–6	भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत पोषणीय विकास
अध्याय–7	परिवहन तथा संचार ।
अध्याय–8	अंतराष्ट्रीय व्यापार ।
अध्याय–9	भौगोलिक परिपेक्ष्प मे चयनित कुछ मुददे एवं समस्याएँ ।
अध्याय–10	भारत तथा राजस्थान मानचित्र कार्य ।

भाग–1
मानव भूगोल के मुल सिद्धान्त
इकाई–1

अध्याय–1 : मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

पाठ सारांश

- भूगोल को दो मुख्य भागों में बाँटा गया है :
  1. भौतिक भूगोल 2. मानव भूगोल
- भौतिक भूगोल पृथ्वी के भौतिक घटकों से संबंधित है जबकि मानव भूगोल भौतिक एवं मानवीय जगत के बीच के संबंधों व मानवीय परिघटनाओं का अध्ययन करता है ।
- मानव भूगोल क्या है?
  फ्रांसीसी विद्वान पॉल विडाल–डी–लाल–ब्लाश ने बताया कि मानव भूगोल में पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भॉतिक नियमों के ज्ञान तथा पृथ्वी पर निवास करने वाले जीवों के पारस्परिक संबंधो का संश्लेषित ज्ञान समाविष्ट होता है।
- मानव भूगोल की प्रकृति :
  मानव ने भौतिक पर्यावरण द्वारा प्रदत्त संसाधनों का उपयोग करते हुए अनेक सांस्कृतिक भृदृश्यों का निर्माण किया है ।
- मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उप–क्षेत्र

सामाजिक भूगोल, नगरीय भूगोल, राजनीतिक भूगोल, जनसंख्या भूगोल, आवास भूगोल तथा आर्थिक भूगोल आदि मानव भूगोल की प्रमुख शाखाएँ अथवा क्षेत्र है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्नलिखित में से कौन–सा एक भौगोलिक सूचना का स्त्रोत नहीं है?
	अ) यात्रियों के विवरण ब) प्राचीन मानचित्र स) चन्द्रमा से चट्टानी पदार्थो के नमूने द) प्राचीन महाकाव्य ( )
2	निम्नलिखित में से कौन–सा एक मानव भूगोल का उपगमन नहीं है?
	अ) क्षेत्रिय विभिन्नता ब) मात्रात्मक क्रांति स) स्थानिक संगठन द) अन्वेषण और वर्णन ( )

3	निम्नलिखित में कौन–सा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है?
	अ) मानव बुद्धिमता ब) प्रोद्योगिकी स) लोगों के अनुभव द) मानवीय भाईचारा ( )
4	रूको और जाओ निश्चयवाद के प्रतिपादक कौन थे।
	अ) ब्लांश ब) सेंपल स) ग्रिफिथ टेलर द) स्पेट ( )
प्रश्न–2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो –
1	भौतिक भूगोल .... पर्यावरण का अध्ययन करता है।
2	प्रकृति और मानव .... तत्व है।
3	मानव भूगोल विस्तृत होते को परिलक्षित करती हैं।
4	भूगोल समकलनात्मक आनुभविक एंव .... है।
प्रश्न–3	अतिलघुत्रात्मक प्रश्न
1	भूगोल की दो प्रमुख शाखाएँ कौन–कौन सी है ।
2	नव निश्चयवाद की धारणा किसने प्रस्तुत की ?
3	जनसंख्या भूगोल का सम्बन्ध आप किस सामाजिक विज्ञान से जोडना चाहेगे ?
4	अनुकूलन का क्या अर्थ है ?
5	1970 के दशक में मानव भूगोल में किन–किन विचार धाराओं का उदय हुआ ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में लिखे ।
1	मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए ।
2	मानव भूगोल के कुछ उपक्षेत्रों के नाम बताइए।
3	भौतिक भूगोल और मानव भूगोल में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दे।
1	मानव भूगोल के विषय क्षेत्र पर टिप्पणी कीजिए।

इकाई–2

अध्याय–2: विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्धि

पाठ सारांश

- किसी देश में जनसंख्या ही उस देश की वास्तविक सम्पत्ति होती है।
    - विश्व में जनसंख्या वितरण के प्रारूप
    - एक अनुमान के अनुसार विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या इसके 10 प्रतिशत स्थल भाग पर निवास करती है।
    - विश्व के दस सर्वाधिक आबाद देशों में विश्व की लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।
- जनसंख्या का घनत्व
    - लोगों की संख्या एवं भूमि के आकार के मध्य मिलने वाले अनुपात को जनसंख्या घनत्व कहा जाता है।
- जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक
    - जल की उपलब्धता, भू–आकृति, जलवायु तथा मृदाएँ है।
- जनसंख्या वृद्धि
    - किसी क्षेत्र में निश्चित समयावधि के दौरान बसें हुए लोगों की संख्या में होने वाला परिवर्तन जनसंख्या वृद्धि कहलाता है।
- जनसंख्या नियंत्रण के उपायः

    परिवार नियोजन सुविधाओं की उपलब्धता ।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्नलिखित में से किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है?
	अ) अफ्रिका ब) एशिया स) दक्षिण अमेरिका द) उत्तर अमेरिका ( )
2	निम्नलिखित में से कौन–सा एक प्रतिकर्ष कारक नहीं है?
	अ) जलाभाव ब) बेरोजगार स) चिकित्सा /शैक्षणिक सुविधा द) महामारियाँ ( )
3	निम्न में से कौन–सा एक तथ्य सही नहीं है?
	अ) विगत 500 वर्षो में मानव जनसंख्या 10 गुणा से अधिक बढ़ी है। ब) 5 अरब से 6 अरब तक बढने में जनसंख्या को 100 वर्ष लगे। स) जनांकिकीय संक्रमण की प्रथम अवस्था में जनसंख्या वृद्धि उच्च होती है।( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) किसी देश के निवासी ही उसके वास्तविक .... होते है। (2) भारत की आर्थिक जनसंख्या वृद्धि दर .... प्रतिशत है ।

प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न (1) किसी देश का वास्तविक धन क्या है ? (2) विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश कौन–सा है ? (3) भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर क्या है ? (4) जनसंख्या घनत्व किसें कहते है ? (5) विश्व के दस सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों के नाम लिखिए ।
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले तीन भौगोलिक कारकों का उल्लेख करें।
2	जनसंख्या परिवर्तन के तीन घटक कौन–कौन से है?
प्रश्न–5	अन्तर स्पष्ट करें –
(1)	जन्मदर और मृत्यु दर (2) जनसंख्या मे धनात्मक वृद्धि और प्राकृतिक वृद्धि है ।
प्रश्न–6	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	विश्व में जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।।

अध्याय–3ः मानव विकास

पाठ सारांश

- वृद्धि और विकास
  - यद्यपि वृद्धि और विकास दोनो का संबंध समय के अनुसार परिवर्तन से है, तथापि ये दोनों एक–दूसरे से भिन्न है।
- मानव विकास के चार स्तम्भ
  - मानव विकास के चार स्तम्भो में समता, सत्त् पोषणीयता उत्पादकता तथा सशक्तिकरण नामक चार संकल्पनाओं को शामिल किया जाता है।
- मानव विकास के उपागम
  - 1. आय उपागम 2. कल्याण उपागम 3. आधारभूत आवश्यकता उपागम
    4. क्षमता उपागम
- मानव विकास का मापन
  - स्वास्थ्य के सूचक को निश्चित करने के लिए जन्म के समय जीवन प्रत्याशा को चूना गया है।

शिक्षा का अभिप्राय प्रौढ शिक्षा, साक्षरता दर एवं सकल नामांकन अनुपात से है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।

1	निम्नलिखित में से कौन–सा विकास सर्वोत्तम वर्णन करता है?
	अ) आकार में वृद्धि ब) गुण में धनात्मक परिवर्तन स) आकार में स्थिरता द) गुण में साधारण परिवर्तन ( )
2	मानव विकास की अवधारणा निम्नलिखित में से किस विद्वान की देन है?
	अ) प्रो. अमर्त्य सेन ब) डॉ. महबूब–उल–हक स) एलन सी. सेम्पुल द) रैटजेल ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) विकास का अर्थ .... परिवर्तन है । (2) .... जीवन केवल दिर्घ नही होता है । (3) उच्च मानक विकास समूह में .... देश सम्मिलित है।

प्रश्न 3	अतिलधुत्त्रात्मक प्रश्न (1) UNDP का पूरा नाम लिखिए । (2) मानव विकास का केन्द्र बिन्दू क्या है ? (3) विकास का अर्थ बताइए। (4) डॉ, महबूब–उल–हक ने मानव विकास सूचकांक को किस वर्ष में निर्मित किया ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	मानव विकास के तीन मूलभूत क्षेत्र कौन से हैं?
2	मानव विकास के चार प्रमुख घटकों के नाम बताएँ।
3	मानव गरीबी सूचकांक की क्या विशेषताएँ है ?
5	मानव विकास के चार स्तम्भ कौन–कौन से है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	मानव विकास शब्द से आपका क्या अभिप्राय है?

इकाई–3

अध्याय–4: प्राथमिक क्रियाएँ

पाठ सारांश

- आर्थिक क्रियाएँ
  - मानव के वे समस्त क्रियाकलाप जिनसे आय की प्राप्ति होती है, आर्थिक क्रियाएँ कहलाती है।
- प्राथमिक क्रियाएँ
  - मानव की प्राथमिक क्रियाएँ सीधे पर्यावरण से जुड़ी क्रियाएँ है जिनमें से आखेट, भोजन संग्रह, पशु चारण, मछली पकड़ना, वनों से लकड़ी काटना, खनन, कृषि, वस्तु संग्रहण एवं शहद एकत्रीकरण आदि।
- कृषि
  - अपपर्टीय सतह पर की जाने वाली फसलोत्पादन, पुष्पोत्पादन, पशुपालन एवं फलोत्पादन की प्रक्रिया कृषि कहलाती है, जो एक मानवीय कला है।
- खनन
  - व्यापारिक दृष्टि से पृथ्वी के बहुमूल्य खनिजों की प्राप्ति से जुड़ी आर्थिक क्रिया को खनन कहा जाता है। इसे दो भागों में विभाजित किया गया है।
    1. धरातलीय या विवृत खनन 2. भूमिगत या कृपकी खनन

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्न में से कौन–सी रोपण फसल नहीं है?
	अ) काफी ब) गन्ना स) गेहूँ द) रबड़ ( )
2	फूलों की कृषि कहलाती है?
	अ) ट्रक फार्मिंग ब) कारखाना कृषि स) मिश्रित कृषि द) पुष्पोत्पादन ( )
3	निम्न में से कौन–सी एकल कृषि नहीं है?
	अ) डेरी कृषि ब) मिश्रित कृषि स) रोपण कृषि द) वाणिज्य अनाज कृषि ( )

4	निम्न में से कौन–सी कृषि के प्रकार का विकास यूरोपिय औपनिवेशिक समूहों द्वारा किया गया ?
	अ) कोलखोज ब) अंगूरोत्पादन स) मिश्रित कृषि द) रोपण कृषि ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) चुलवासी पषुचारण एक प्राचीन .... व्यवसाय रहा है। (2) आदिमकालिन समाज जंगली .... पर निर्भर था । (3) संस्था कृषकों को सभी रूप में सहायता करती है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्त्रात्मक प्रश्न (1) फेजेंडा क्या है । (2) किन्ही दो प्राथमिक क्रियाओं के नाम लिखिए । (3) कौन–सी गतिविधि पष्चिमी संस्कृति से प्रभावित है ? (4) जेपोटा वृक्ष के दूध से क्या बनाता है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	स्थानांतरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं है? स्पष्ट करें ।
2	बाजारीय सब्जी कृषि नगरीय क्षेत्रों के समीप ही क्यों की जाती है?
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	चलवासी पषुचारण और वाणिज्य पषुधन पालन में अन्तर स्पष्ट करें ।
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) चुलवासी पषुचारण एक प्राचीन .... व्यवसाय रहा है। (2) आदिमकालिन समाज जंगली .... पर निर्भर था ।
प्रश्न 3	अतिलधुत्त्रात्मक प्रश्न (1) फेजेंडा क्या है । (2) किन्ही दो प्राथमिक क्रियाओं के नाम लिखिए । (3) कौन–सी गतिविधि पष्चिमी संस्कृति से प्रभावित है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	स्थानांतरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं है? स्पष्ट करें ।
2	बाजारीय सब्जी कृषि नगरीय क्षेत्रों के समीप ही क्यों की जाती है?
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	चलवासी पषुचारण और वाणिज्य पषुधन पालन में अन्तर स्पष्ट करें ।

अध्याय–5: द्वितीयक क्रियाएँ
पाठ सारांश

- द्वितीयक क्रियाएँ वे क्रियाकलाप है जिनसे प्राथमिक उत्पादों को अधिक उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है।
- विनिर्माण
  - किसी भी वस्तु का उत्पादन विनिर्माण कहलाता है।
- विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण
  - 1. आकार पर आधारित उद्योग 2. कच्चेमाल पर आधारित उद्योग 3. उत्पाद आधारित उद्योग 4. स्वामित्व के आधार पर उद्योग
- लौह–इस्पात उद्योग
  - लौह–इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग भी कहा जाता है।
- सूती वस्त्र उद्योग

  सूती वस्त्र उद्योग का आवश्यक कच्चा माल उत्तम किस्म की कपास है। जो प्रमुख रूप से भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान तथा मिस्र में उत्पादित किया जाता है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्न में से कौन–सी एक अर्थ व्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है?
	अ) पूँजीवाद ब) मिश्रित स) समाजवाद द) कोई भी नहीं ( )
2	निम्न में से कौन–सा एक जोड़ा सही मेल खाता है?
	अ) स्वचालित वाहन उद्योग – लॉस एंजिल्स ब) पोत निर्माण उद्योग – लूसाका स) वायुयान निर्माण उद्योग – फलोरंस द) लौह इस्पात उद्योग – पिट्सबर्ग ( )
3	प्रकृति में पाएँ जाने वाले कच्चे माल का रूप बदलकर उसे मूल्यवान बनाती है –
	अ) प्राथमिक क्रियाँए ब) द्वितीयक क्रियाएँ स) तृतीयक क्रियाएँ द) चतुर्थक क्रियाएँ ( )

प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु .... है। (2) .... उद्योग सभी उद्योगों का आधार है। (3) उद्योग अपनी .... धटाकर लाभ को बढाते है। (4) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योंग ....के अधीन होते है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्तरात्मक प्रश्न (1) विनिर्माण से क्या आशय है ? (2) किन्हीं दो निर्माण उद्योंगों के उदाहरण लिखिए । (3) आकार के आधार पर उद्योंगो को कितने भागों मे बाँटा जा सकता है।
प्रश्न–4	टिप्पणी करें ।
	अ) विनिर्माण ब) स्वच्छंद उद्योग स) कुटीर उद्योंग
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	प्राथमिक एवं द्वितीयक गतिविधियों में क्या अंतर है?

अध्याय–6: तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप

पाठ सारांश

- तृतीयक क्रियाकलाप
  - तृतीयक क्रियाकलाप सेवा सेक्टर सं संबंधित होते हैं जिनमतें अधिंकाश कार्यो का निष्पादन, व्यावसायिक दृष्टि से प्रशिक्षित विशेषज्ञों, कुशल श्रमिकों तथा परामर्शदाताओं द्वारा होता है।
- तृतीयक क्रियाकलापों के प्रकार
  - 1. व्यापार और वाणिज्य 2. परिवहन 3. संचार 4. सेवाएँ
- चतुर्थक क्रियाकलाप
  - चतुर्थक क्रियाकलाप के अन्तर्गत वे समस्त कार्य सम्मिलित हे जो ज्ञानोन्मुखी होते है।
    चतुर्थक क्रियाकलाप अनुसंधान एवं विकास पर केन्द्रित होते है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्नलिखित में से कौन–सा एक तृतीयक क्रियाकलाप है?
	अ) खेती ब) बुनाई स) व्यापार द) आखेट ( )
2	निम्नलिखित में से कौन–सा क्रियाकलाप चतुर्थ सेक्टर से संबंधित है?
	अ) संगणाक विनिर्माण ब) विश्व विद्यालयी अध्यापन स) कागज और कच्ची लुगदी निर्माण द) पुस्तकों का मुद्रण ( )
3	वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा उभरता हुआ तृतीयक क्रियाकलाप है–
	अ) थोक व्यापार ब) फुटकर व्यापार स) संचार तन्त्र द) पर्यटक ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) तृतीयक क्रियाकलाप .... सेक्टर से सम्बन्धित है। (2) .... ने वैष्विक संचार तॅत्र में वास्तव में क्रांति ला दीं । (3) परिवहन की मॉग .... के आकार से प्रभावित होतीं है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न । (1) व्यापार के प्रकार बताइए । (2) तृतीयक क्रियाकलापों के उदाहरण दीजिए । (3) तृतीयक क्रियाकलापों के दो प्रमुख तत्व बताइए ।
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	चतुर्थ सेवाओं का वर्णन करें ।

2	अंकीय विभाजक क्या है?
3	विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से उभरते हुए देशों के नाम बताएँ ।
प्रश्न–5	निबन्धात्मक प्रश्न
1	परिवहन और संचार सेवाओं की सार्थकता को विस्तारपूर्वक स्पष्ट करें ।
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) तृतीयक क्रियाकलाप .... सेक्टर से सम्बन्धित है। (2) .... ने वैष्विक संचार तॅत्र में वास्तव में क्रांति ला दी । (3) परिवहन की मॉग .... के आकार से प्रभावित होती है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न । (1) व्यापार के प्रकार बताइए । (2) तृतीयक क्रियाकलापों के उदाहरण दीजिए । (3) तृतीयक क्रियाकलापों के दो प्रमुख तत्व बताइए ।
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	चतुर्थ सेवाओं का वर्णन करें ।
2	अंकीय विभाजक क्या है?
3	विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से उभरते हुए देषों के नाम बताएँ ।
4	व्यापार क्या है ? व्यापार के प्रकार लिखिए।
5	द्वितीयक एंव तृतीयक क्रियाकलापों मे मुख्य अन्तर स्पष्ट करे।

प्रश्न–5	निबन्धात्मक प्रश्न
1	परिवहन और संचार सेवाओं की सार्थकता को विस्तारपूर्वक स्पष्ट करें।

अध्याय–7ः परिवहन एवं संचार

पाठ सारांश

- परिवहन
  - व्यक्तियों तथा वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक वहन करने की सेवा या सुविधा को परिवहन के नाम से जाना जाता है।
- परिवहन की विधाएँ
  - स्थल परिवहन
    - सड़के

      सड़क परिवहन छोटी दूरी के परिवहन हेतु सर्वोत्तम स्थलीय परिवहन प्रारूप है।
  - यातायात प्रवाह

    यातायात प्रवाह काम के समय एवं बाद में क्रमशः यातायात के शीर्ष एवं गर्त को दर्शाता है।
  - वायु परिवहन

    वायु परिवहन, परिवहन का तीव्रतम एवं सबसे महँगा साधन है।
- पाइप लाइन
  - पाइपलाइनों का उपयोग तरल व गैसीय पदार्थो के लिए किया जाता है।
- संचार

  मानवीय भावों, विचारों, सूचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने की प्रक्रिया संचार कहलाती है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	किस देश में रेलमार्गो के जाल का सघनतम घनत्व पाया जाता है?
	अ) ब्राजील ब) कनाड़ा स) संयुक्त राज्य अमेरिका द) रूस ( )
2	”बिग–इंच“ पाइप लाइन के द्वारा परिवहन किया जाता है?
	अ) दूध ब) जल स) पेट्रोलियम गैस द) पेट्रोलियम ( )
3	चैनल टनल जोड़ता है–
	अ) लंदन – बर्लिन ब) बर्लिन – पेरिस स) पेरिस–लंदन द) बार्सीलोना–बर्लिन ( )

4	निम्न में से किस महाद्वीप में विश्व का सघनतम रेल तंत्र पाया जाता है–
	अ) एशिया ब) अफ्रिका स) सूरोप द) उत्तरी अमेरिका ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) सडकें व रेलमार्ग .... परिवहन का भाग है। (2) विशाल उत्पादन और .... की प्रणाली अंत्यत .... है। (3) महामार्ग .... स्थानों को जोड़ने वाली पक्की सड़के होती है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न (1) परिवहन के प्रमुख साधन कौन–कौन से है ? (2) पाइप लाइनों द्वारा किन पदार्थो का परिवहन किया जाता है ? (3) राष्ट्रीय महामार्ग किसे कहते है ? (4) विश्व का सबसे अधिक लम्बा रेलमार्ग कौन–सा है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	पारमहाद्वीप रेलमार्ग क्या होता है
2	जल परिवहन के क्या लाभ हैं?
3	सड़क परिवहन सुविधाजनक क्यों होता है ?
प्रश्न–5	निबंधात्मक प्रश्न
1	विश्व के वे कौन–से प्रमुख प्रदेश है जहाँ वायुमार्ग का सघन तंत्र पाया जाता है?

अध्याय–8 : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

पाठ सारांश

- व्यापार का तात्पर्य वस्तुओं तथा सेवाओं के स्वैच्छिक आदान–प्रदान से है। यह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है।
- अन्तर्राष्टीय व्यापार का इतिहास
  - प्राचीन समय में लम्बी दूरियों तक वस्तुओं का परिवहन चूनौतिपूर्ण होता था, इसी कारण व्यापार स्थानीय बाजारों तक ही सीमित होता था ।
  - रेशम मार्ग लंबी दूरी के व्यापार का एक प्रारम्भिक उदाहरण है।
- अन्तर्राष्टीय व्यापार अस्तित्व में क्यों है?
  - अन्तर्राष्टीय व्यापार उत्पादन में विशिष्टीकरण का परिणाम है। जो विश्व की अर्थ व्यवस्था को लाभान्वित करता है।
- अन्तर्राष्टीय व्यापार के प्रकार
  - 1. द्विपाश्विक व्यापार 2. बहुपार्शिवक व्यापार
- विश्व व्यापार संगठन

सन् 1995 में स्थापित विश्व व्यापार संगठन एक ऐसा अन्तर्राष्टीय संगठन है जो विभिन्न राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमो ंका अनुपालन करता है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	संसार के अधिकांश महान पत्तन इस प्रकार वर्गीकृत किए गए है–
	अ) नौसेना पत्तन ब) विस्तृत पत्तन स) तैल पत्तन द) औद्योगिक पत्तन ( )
2	दक्षिण अमरीकी राष्ट्रों में से कौन–सा एक ओपेक का सदस्य हैं?
	अ) ब्राजील ब) वेनेजुएला स) चिली द) पेरू ( )
3	निम्न व्यापार समूहो में सें भारत किसका एक सह–सदस्य है ?
	अ) साफ्टा ब) आसियान स) ओइसीडी द) ओपेक ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) आदिम समाज में व्यापार का आंरभिक स्वरूप .... व्यवस्था थी । (2) अन्तराष्ट्रीय व्यापार उत्पादन मे .... का परिणाम है। (3) कोपेन हेगन .... क्षेत्र के लिए .... पत्तन है

प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न (1) वर्तमान समय में व्यापार किसका आधार है ? (2) अन्तराष्ट्रीय व्यापार किसका परिणाम है ? (3) गैट (GATT) क पूरा नाम बताइए।
प्रश्न–3	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	विश्व व्यापार संगठन के आधारभूत कार्य कौन–से है?
2	ऋणात्मक भुगतान संतुलन का होना किसी देष के लिए क्यों हानिकारक होता है?
3	व्यापारिक समूहों के निर्माण द्वारा राष्ट्रों को क्या लाभ प्राप्त होते हैं ?
4	वे कौन–से कारण हैं जिनसे व्यापारी देशो के लिए डंपिग गहरी चिन्ता का विषय बनती जा रही है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में देष कैसे लाभ प्राप्त करते हैं?

भाग–2

विषय : भूगोल
(भारत लोग और अर्थव्यवस्था)
इकाई–1
अध्याय–1 : जनसंख्याःवितरण, घनत्व वृद्धि और संघटन

पाठ सारांश

- जनसंख्या वितरण
- भारत में जनसंख्या के वितरण में अत्यधिक विषमताएँ देखने को मिलती है। तटीय मैदानी भाग तथा नदियों के मैदानों में अधिक जनसंख्या मिलती है जबकि हिमालय के पर्वतीय प्रदशों तथा पश्चिमी राजस्थान में अति अल्प जनसंख्या मिलती है।
- जनसंख्या घनत्व
  - सन् 1951 में औसत जनसंख्या घनत्व 117 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी था।
- जनसंख्या में वृद्धि
  - दो समय बिन्दुओं के मध्य किसी क्षेत्र विशेष में निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि के नाम से जाना जाता है।
- जनसंख्या संघटन

  जनसंख्या की प्रजातिगत, सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक विशेषताओं के समिश्रित स्वरूप को जनसंख्या संघटन कहते है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या निम्नलिखित में से कौन–सी है?
	अ) 102.8 करोड़ ब) 328.7 करोड़ स) 318.2 करोड़ द) 121 करोड़ ( )
2	निम्नलिखित राज्यों में किस एक में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक हैं?
	अ) पश्चिम बंगाल ब) उत्तर प्रदेश स) केरल द) पंजाब ( )
3	निम्नलिखित में से कौन–सा एक समूह भारत में विशालतम भाषाई समूह है?
	अ) चीनी–तिब्बती ब) आस्ट्रिक स) भारतीय आर्य द) द्रविण ( )

4	निम्नलिखित में से कौन–सा राज्य सबसे विशाल आकार वाला है ?
	अ) राजस्थान ब) महाराष्ट्र स) मध्य प्रदेश द) आन्द्र प्रदेश ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) ....किसी देश के अत्यंत महत्वपूर्ण घटक होते है। (2) राष्ट्रीय युवा नीति ....में आरंभ की गई है। (3) भारत सरकार ने 2015 मे ....विकास व .... के लिए नीति बनाई है । (4) जनसंख्या घनत्व को प्रति इकाई क्षेत्र में .... की संख्या द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्तात्मक प्रश्न (1) सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या कितनी थी ? (2) भारत मे प्रथम सम्पूर्ण जनगणना कब हुई थी ? (3) भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य कौन–सा है ? (4) भारत में युवा निति कब आरंभ की ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दे।
1	भारत के अत्यंत उष्ण एवं शुष्क तथा अत्यंत शीत व आर्द्र प्रदेशों में जनसंख्या का घनत्व निम्न है इस कथन के दृष्टिकोण से जनसंख्या के वितरण में जलवायु की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
2	भारत के कुछ राज्यों में अन्य राज्यों की अपेक्षा श्रम सहभागिता ऊँची क्यों है?
3	भारत के किन राज्यों में विशाल ग्रामीण जनसंख्या के लिए उत्तरदायी एक कारण को लिखिए।
4	भारत मे 1911–1921 की अवधि में जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि दर के लिए कोई दो कारण बताइए।
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।
1	भारत में जनसंख्यश के घनत्व के स्थानिक वितरण की विवेचना कीजिए।
प्रश्न–6	पर्यावरणीय निश्चयवाद विचारधारा क्या हैं?

इकाई–2

अध्याय–2: मानव बस्तियाँ

पाठ सारांश

- मानव बस्ती
    - सामान्यतया मानव बस्ती विभिन्न आकार एवं प्रकार के घरों का समूह होता है, जिसमें मानव निवास करते है।
- ग्रामीण बस्तियों के प्रकार
    - 1. गुच्छित बस्तियाँ 2. अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ

      3.पल्ली बस्तियॉ 4. परिक्षिप्त बस्तियाँ
- नगरीय बस्तियाँ

  1. प्राचीन नगर2. मध्यकालीन नगर 3. आधुनिक नगर
- जनसंख्या आकार के आधार पर नगरों का वर्गीकरण
    - भारत में जनसंख्या के आधार पर नगरों को 8 वर्गो मे विभक्त किया गया है:–

    1. प्रशासन नगर 2. औद्योगिक नगर 3. परिवहन नगर 4. खनन नगर

    5. वाणिज्यिक नगर 6. धार्मिक और सांस्कृतिक नगर7. पर्यटन नगर

    8. गैरीसन नगर

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्नलिखित में से कौन–सा नगर नदी तट पर अवस्थित नहीं है?
	अ) आगरा ब) पटना़ स) भोपाल द) कोलकत्ता ( )
2	निम्न में से किस पर्यावरण में परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों की अपेक्षा नहीं की जा सकती ?
	अ) गंगा का जलोढ मैदान ब) हिमालय की निचली घाटियाँ स) राजस्थान के शुष्क और अर्द्ध शुष्क प्रदेश द) उत्तर–पूर्व के वन और पहाड़िया ( )
3	निम्नलिखित में से नगरों का कौन–सा वर्ग अपने पदानुक्रम के अनुसार क्रमबद्ध है?
	अ) बृहत मुबई, बेंगलुरू, कोलकाता, चैन्नई ब) कोलकाता, बृहत मुंबई, चैन्नई, दिल्ली स) दिल्ली, बृहत मुबंई, चैन्नई, कोलकाता द) बृहत मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई ( )

4	भारत की जनगणना के अनुसार भरतीय नगरो के कितने वर्ग है ?
	अ) 3 ब) 4 स) 5 द) 6 ( )
3	निम्नलिखित में से नगरों का कौन–सा वर्ग अपने पदानुक्रम के अनुसार क्रमबद्व है?
	अ) बृहत मुबई, बेंगलुरू, कोलकाता, चैन्नई ब) कोलकाता, बृहत मुंबई, चैन्नई, दिल्ली स) दिल्ली, बृहत मुबंई, चैन्नई, कोलकाता द) बृहत मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) बस्तियॉ .... व .... मे भिन्न होती है । (2) नगर आर्थिक वृद्वि के .... रूप में कार्य करते है। (3)............................सबसे बडा नगरीय संकुल है ।
प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न (1) ग्प्रमीण बस्तियॉ कितने प्रकार की होती है ? (2) भारत के सबसे बडे नगरीय संकुल का नाम है ? (3) धार्मिक एंव सांस्कृतिक नगरों के कोई चार उदाहरण दीजिए। (4) ग्रामिण बस्तियों के लोग किस प्रकार के कार्य करते हैं ? (5) भारत के प्रमुख औधोगिक नगरो के नाम लिखिए।
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	गैरिसन नगर क्या होते हैं? उनका क्या प्रकार्य होता हैं?
2	मरूस्थली प्रदेशों में गाँवों के अवस्थिति के कौन–से मुख्य कारक होते हैं?
3	महानगर क्या होते हैं? ये नगरीय संकुलों से किस प्रकार भिन्न होते हैं?
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	क्या एक प्रकार्य वाले नगर की कल्पना की जा सकती है? नगर बहुप्रकार्यात्मक क्यों हो जाते हैं?

इकाई–3

अध्याय–3: भूसंसाधन तथा कृषि

पाठ सारांश

- भूमि उपयोगी वर्गीकरण
    - भारत में भूम उपयोग संबंधी अभिलेख भू–राजस्व विभाग रखता है।
- भारत में भू–उपयोग परिवर्तन
    - किसी भी क्षेत्र में आर्थिक क्रियाओं के परिवर्तित होने से भू–उपयोग में भी परिवर्तन होता है।
- भारत में कृषि भू–उपयोग
    - मिट्टी की गुणवत्ता कृषि का सबसे बड़ा नियंत्रक कारक है।
- भारत में कृषि विकास
    - कृषि भारत की अर्थ व्यवस्था का बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है।
- भारत कृषि की समस्याएँ
    - अनियमित मानससून पर निर्भरता
    - कृषि फसलों की निम्न उत्पादकता
    - वित्तिय संसाधनों की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता
    - भूमि सुधारों की कमी
    - खेतों का छोटा तथा विखण्डित जोत

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्न में से कौन–सा भू–उपयोग संवर्ग नहीं है?
	अ) परती भूमि ब) निवल बोया क्षेत्र स) सीमांत भूमि द) कृषि योग्य व्यर्थ भूमि ( )
2	निम्न में से कौन–सा सिंचित क्षेत्रों में भू–निम्नीकरण का मुख्य प्रकार हैं?
	अ) अवनालिका अपरदन ब) मृदा लवणता स) वायु अपरदन द) भूमि पर सिल्ट का जमाव ( )
3	शुष्क कृषि में निम्न में से कौन–सी फसल बोई नहीं जाती ?
	अ) रागी ब) मूंगफली स) ज्वार द) गन्ना ( )
4	निम्न में कौन से देशों में गेहूं व चावल की अधिक उत्पादकता की किस्में विकसित की गई थी?
	अ) जापान तथा आस्ट्रेलिया ब) मैक्सिकों तथा फिलीपींस स) संयुक्त राज्य अमेरिका तथा जापान द) मैक्सिको तथा सिंगापुर ( )

प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) चना .... क्षेत्रों की फसल है। (2) अर्थव्यवस्था का आकार .... के साथ बढता है। (3) .... विभाग भू– उपयोग संबंधी अभिलेख रखता है। (4) भारत की अधिकांश जनसंख्या का भोजन .... है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न (1) परती भूमि किसे कहते है। (2) भू– उपयोग सम्बन्धी अभिलेख कौन–सा विभाग रखता है ? (3) जूट का उपयोग बताइए। (4) भारत में विश्व के कितने प्रतिशत अनाज का उतपादन होता है ? (5) प्रोटीन का प्रमुख स्त्रोत क्या है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	बंजर भूमि तथा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में अंतर बताइये ।
2	भारत जैसे देश में गहन कृषि नीति अपनाने की आवश्यकता क्यों है?
3	निवल बोया गया क्षेत्र तथा सकल बोया गया क्षेत्र में अंतर बताएँ।
4	शुष्क कृषि तथा आर्द्र कृषि में क्या अंतर है?
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कृषि विकास की महत्वपूर्ण नीतियों का वर्णन करें।

अध्याय–4: जल संसाधन

पाठ सारांश

- भारत के जल संसाधन
  - देश में कुल उपयोगी जल संसाधनों की मात्रा 1122 घन कि.मी. है।
- धरातलीय जल संसाधन
  - नदियाँ, झील, तैया और तालाब
- जल के गुणों का ह्रास
  - जल में बाहरी पदार्थो का मिश्रण से जल प्रदूषित होता है।
- जल प्रदूषण का निवारण
  - भारत में जल प्रदूषण के निवारण के लिए जल अधिनियम 1974, जल उपकर अधिनियम 1977 तथा पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986 बनाये गये।
- वर्षा जल संग्रहण

  वर्षा जल संग्रहण एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा वर्षा के जल को विभिन्न उपयोग हेतु रोका व संग्रह किया जाता है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्ललिखित में से जल किस प्रकार का संसाधन है?
	अ) अजैव संसाधन ब) जैव संसाधन स) अनवीकरणीय संसाधन द) अचक्रीय संसाधन ( )
2	देश में प्रयुक्त कुल जल का सबसे अधिक समानुपात निम्नलिखित सेक्टरों में से किस सेक्टर में है?
	अ) सिंचाई ब) घरेलु उपयोग स) उद्योग द) इनमें से कोई नहीं ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) पृथ्वी का लगभग .... प्रतिशत धरातल पानी से आच्छादित है (2) जल एक पुनः .... संसाधन है । (3) सिचाई की व्यवस्था .... को संभव बनाती है।
प्रश्न 3	अतिलधुत््रात्मक प्रश्न (1) जल संसाधन क्या है ? (2) सी. पी. सी. बी. का पूरा नाम लिखिए । (3) भारतीय राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा कब की गई ? (4) भारत में लैगून व पश्च जल कहाॅ पाये जाते है ? (5) भारत में बढ़ते जल प्रदुषण का मुख्य कारण क्या है ?

प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	जल संसाधनों की कमी के लिए उत्तरदायी कारखानों की विवेचना कीजिए ।
2	देश में कुल उपयोग किए गए जल में कृषि क्षेत्र का हिस्सा कम होने की संभावना क्यों हैं?
3	लोगों पर संदूषित जल/गंदे पानी के उपभोग के क्या संभव प्रभाव हो सकते हैं?
4	अलवणीय जल का संरक्षण क्यों आवश्यक हैं ? अथवा जल संरक्षण क्यों आवश्यक हैं ?
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	जल–संभर प्रबंधन क्या है? क्या आप सोचते हैं कि यह सतत पोषणीय विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है?

अध्याय–5: खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
पाठ सारांश

- खनिज
  - खनिज एक निश्चित रासायनिक व भौतिक गुण धर्मो के साथ कार्बनिक या अकार्बनिक उत्पत्ति का एक प्राकृतिक पदार्थ होता है।
- भारत में खनिजों का वितरण
  - भारत में खनिजों का वितरण
- भारत में विभिन्न प्रकार के खनिज पाए जाते है।
- ऊर्जा संसाधन
  - कोयल पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस भारत के परम्परागत एवं समाप्त होने वाले ऊर्जा संसाधन है जबकि नाभिकिय ऊर्जा सौर ऊर्जा, ज्वारीय व तरंग ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा भारत के गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत है।
- खनिज संसाधनों का संरक्षण
  - सत्त पोषणीय विकास के लिए खनिज संसाधनों का संरक्षण अत्यन्त आवश्यक है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्नलिखित में से किस राज्य में प्रमुख तेल क्षेत्र स्थित है?
	अ) असम ब) राजस्थान स) बिहार द) तमिलनाडू ( )
2	निम्नलिखित में से किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा स्टेशन स्थापित किया गया था?
	अ) कलपक्कम ब) राणा प्रताप सागर स) नरोरा द) तारापुर ( )
3	निम्नलिखित में से कौन–सा खनिज "भूरा हीरा" के नाम से जाना जाता है?
	अ) लौह ब) मैंगनीज स) लिगनाइट द) अभ्रक ( )
4	निम्नलिखित में से कौन–सा ऊर्जा का अनवीकरणीय स्त्रोत है?
	अ) जल ब) ताप स) सौर द) पवन ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) ऊर्जा उत्पादन के लिए .... ईंधन अनिवार्य है। (2) धातु के स्त्रोत .... खनिज हैं। (3) .... खनिज कार्बनिक उत्पति के होते है। (4) महासागरीय धाराएँ .... का अपरिमित भंडार गृह है।

प्रश्न 3	अतिलघुत्रात्मक प्रश्न (1) खनिज से क्या अभिप्राय है ? (2) मुम्बई हाई किसके लिए विख्यात है ? (3) तरल सोना किसे कहते है ? (4) सीमेट उद्योग के लिए आवश्यक किन्हीं दो कच्चे मालों के नाम लिखिए। है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	भारत में अभ्रक के वितरण का विवरण दें ।
2	अलौह धातुओं के नाम बताएँ।
3	ऊर्जा के अपारपंरिक स्त्रोत कौन–से हैं?
4	भारत के प्रमुख नाभिकिय ऊर्जा केन्द्रों के नाम लिखें।
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	भारत में जल विद्युत पर एक निबंध लिखें।

अध्याय–6: भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत् पोषणीय विकास

पाठ सारांश

- नियोजन एक सोच–विचार कर सम्पन्न की जाने वाली प्रक्रिया है। सामान्यतः नियोजन खण्डीय एवं प्रादेशिक स्तर पर किया जाता है।
- पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम
    - देश के अधिकांश पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए देश में पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम पाँचवीं पंचवर्षीय योजना में लागू किया गया ।
- सतत् पोषणीय विकास
    - सतत् पोषणीय विकास की संकल्पना सन् 1987 में लोकप्रिय हुई।
- सतत् पोषणीय विकास को बढावा देने वाले उपाय

  यह एक मान्य तथ्य है कि इन्दिरा गॉधी नहर कमान क्षेत्र में सतत् पोषणीय विकास के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रमुख रूप से परिस्थितिकीय सत्त पोषणीय पर बल देना होगा ।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	प्रदेशीय नियोजन का संबंध है–
	अ) आर्थिक व्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों का विकास ब) परिवहन जलतंत्र में क्षेत्रीय अंतर स) क्षेत्र विशेष के विकास का उपागम द) ग्रामीण क्षेत्रों का विकास ( )
2	इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत् पोषणीय विकास के लिए इनमें से कौन–सा सबसे महत्वपूर्ण कारक है?
	अ) कृषि विकास ब) परिवहन विकास स) पारितंत्र विकास द) भूमि उपनिवेशन ( )
3	निम्न में से किस वैधानिक संस्था के द्वारा भारत में नियोजन का कार्य किया जाता है –
	अ) राज्य सभा ब) लोक सभा स) नीति आयोग द) वित्त मत्रालय ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) नियोजन के दो .... होते है। (2) विकास की संकल्पना .... है। (3) भरमौर जनजातीय क्षेत्र में .... कठोर है । (4) नीति आयोग का अध्यक्ष .... होता है ।

प्रश्न 3	अतिलघुत्रात्मक प्रश्न (1) नियोजन से क्या आषय है ? (2) नियोजन के उपागम कौन–कौन से है ? (3) नीति आयोग का अध्यक्ष कौन होता है ? (4) इंदिरा गाँधी नहर का पूर्व नाम क्या था ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	सतत् पोषणीय विकास की संकल्पना को परिभाषित करें ।
2	इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र का सिंचाई पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ा?
3	अरावली क्षेत्र के विकास हेतु सुझाव दीजिए।
4	पिछड़े क्षेत्रों पर राष्ट्रीय समिति ने पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए कौन–कौन से सुझाव दिये ?
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	सूखा संभावी क्षेत्र कार्यक्रम पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। यह कार्यक्रम देश में शुष्क भूमि कृषि विकास में कैसे सहायक है?

इकाई– 4

अध्याय–7 : परिवहन तथा संचार

पाठ सारांश

- वस्तुओं को उत्पादन स्थल से बाजार तक पहुॅचाने का कार्य परिवहन के साधनों के माध्यम से होता है, जबकि संचार के विभिन्न साधनों द्वारा विचार दर्शन तथा संदेशों का आदान–प्रदान एक स्थान से दूसरे स्थान तक किया जाता है।
- सड़क परिवहन
  1. राष्ट्रीय महामार्ग 2.राज्य महामार्ग 3.जिला सड़के 4.ग्रामीण सड़के
- रेल परिवहन
- जल परिवहन
- वायु परिवहन
- संचार जाल
  - वैयक्तिक संचार तंत्र
  - जन संचार तंत्र

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	भारतीय रेल प्रणाली को कितने मंडलों में विभाजित किया गया है?
	अ) 9 ब) 16 स) 12 द) 14 ( )
2	निम्नलिखित में से किस वर्ष में पहला रेडियो कार्यक्रम प्रसारित हुआ था?
	अ) 1911 ब) 1927 स) 1936 द) 1923 ( )
3	निम्न मे से किस शासक ने शाही राजमार्ग का निर्माण करवाया ?
	अ) शेरशाह सूरी ब) अकबर स) जहॉगीर द) राणासांगा ( )
4	भारत की प्रथम रेलवे लाइन निम्न मे से किन नगरों के मध्य निर्मित की गई थी ?
	अ) मुम्बई–गोवा ब) मुम्बई–पुणे स) मुम्बई–ठाणे द) मुम्बई–अहमदाबाद ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) भारत का सड़क जाल विश्व का .... सबसे बडा जाल है। (2) मेट्रोरेल ने ....और .... में नगरीय परिवहन व्यवस्था में क्रांति ला दी है। (3) देश में भारतीय रेल सरकार का .... उद्यम है ।
प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न (1) परिवहन क्या है ? (2) संचाार के साधनो के नाम लिखो । (3) भारत को कितने रेल मंडलो मे विभाजित किया गया है ? (4) भारत की उस वायु सेवा का नाम लिखिए जो समस्त महाद्वीपों को जोड़ती है ?

प्रश्न4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	परिवहन किन क्रियाकलापों को अभिव्यक्त करता है? परिवहन के तीन प्रमुख प्रकारों के नाम बताएँ?
2	”संचार” से आपका क्या तात्पर्य है?
3	पाइपलाइन परिवहन से लाभ एवं हानि की विवेचना करें।
प्रश्न 5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	भारत में परिवहन के प्रमुख साधन कौन–कौन से हैं? इनके विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना करें।

अध्याय–8 : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

पाठ सारांश

- भारत के निर्यात–संघटन के बदलते प्रारूप
  - सन् 2016–17 में भारत के कुल निर्यात मूल्य में सर्वाधिक योगदान (73.6 प्रतिशत) विनिर्मित वस्तुओं का रहा है।
- भारत के आयात–संघटन के बदलते प्रारूप
  - संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारित साझेदार, राष्ट्र तथा निर्यात के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है।
- समुद्रीपत्तन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में

  1. कांडला पत्तन 2. जवाहरलाल नहेरू पत्तन 3. कौच्चि पत्तन
  कोलकाता पत्तन 5. हल्दिया पत्तन 6. चैन्नई पत्तन

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	दो देशों के मध्य व्यापार कहलाता है–
	अ) अन्तर्देशीय व्यापार ब) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार स) बाहय व्यापार द) स्थानीय व्यापार ( )
2	निम्नलिखित में से कौन–सा एक स्थलबद्व पोताश्रय है?
	अ) विशाखापट्नम ब) एन्नोर स) मुम्बई द) हल्दिया ( )
3	भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार वहन होता है–
	अ) स्थल और समुद्र द्वारा ब) स्थल और वायु द्वारा स) समुद्र और वायु द्वारा द) समुद्र द्वारा ( )
प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) अन्तर्राष्ट्रीय .... सभी देशों के लिए परस्पर लाभदायक है। (2) कोलकाता पत्तन .... नदी पर अवस्थित है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्तरात्मक प्रश्न (1) विश्व व्यापार की कुल मात्रा में भारत की भागीदारी कितने प्रतिषत है ? (2) भारत के किन्हीं चार अन्तराष्ट्रीय हवाई अड्डो के नाम लिखिए । (3) भारत का सबसे बडा समुदी पत्तन कौन–सा है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
2	पतन और पोताश्रय में अंतर स्पष्ट करें।
3	पृष्ठ प्रदेश के अर्थ को स्पष्ट करें।
4	भारत के पूर्वी तट पर स्थित पत्तनों के नाम बताएँ।

प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	भारत में निर्यात और आयात व्यापार के संयोजन का वर्णन कीजिए।

इकाई–5

अध्याय–9 : भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएं

पाठ सारांश

- पर्यावरण प्रदूषण
  - जल प्रदूषण 2. वायु प्रदूषण 3. ध्वनि प्रदूषण 4. भू–प्रदूषण
- गंदी बस्तियों की समस्याएँ
  - गंदी बस्तियों में निवासित लोगों के अल्पपोषित होने व अस्वास्थ्यकर दशाओं में रहने के कारण इनके विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त होने की संभावना बनी रहती है।
- भू–निम्नीकरण
  - कृषि योग्य भूमि की गुणवत्ता में कमी या स्थायी या अस्थायी तौर पर भूमि की उत्पादकता में कमी को भू–निम्नीकरण कहते है।
- केस अध्ययन

  भारत सरकार द्वारा इस क्षेत्र में जल संभरण कार्यक्रम का संचालन किया जाता है।

प्रश्न–1	बहु विकल्पात्मक प्रश्न ।
1	निम्नलिखित में से सर्वाधिक प्रदूषित नदी कौन–सी है?
	अ) ब्रह्मपुत्र ब) यमुना स) सतलुज द) गोदावरी ( )
2	निम्नलिखित में से कौन–सा रोग जल जन्य है?
	अ) नेत्रश्लेष्मला शोथ ब) श्वसन संक्रमण स) अतिसार द) श्वासनली शोथ ( )
3	निम्नलिखित में से कौन–सा अम्ल वर्षा का एक कारण है ?
	अ) जल प्रदूषण ब) शोर प्रदूषण स) भूमि प्रदूषण द) वायु प्रदूषण ( )
4	सर्वाधिक जल प्रदुषण उद्योग है ?
	अ) चमडा़ उद्योग ब) कागज व लुगदी उद्योग स) वस्त्र व रसायन उद्योग द) ये सभी ( )
5	एशिया की विशालतम गंदी बस्ती धाराती अवस्थित है–
	अ) दिल्ली में ब) कोलकाता में स) चेन्नई में द) मुंबई में ( )

प्रश्न 2	रिक्त स्थानो की पूर्ति करो : (1) ध्वनि प्रदूषण .... विशिष्ट होता है। (2) आधुनिक कृषि में विभिन्न प्रकार के .... पदार्थें का उपयोग होताहै। (3) भारत में नगरीय .... निपटान एक गंभीर समस्या है।
प्रश्न 3	अतिलधुत्रात्मक प्रश्न (1) प्रदूषण के प्रकार बताइए । (2) भारत की दो सर्वाधिक प्रदूषित नदियॉ कौन–सी है ? (3) जनजनित बीमारियों का प्रमुख स्योत क्या है ? (4) जल की गुणवत्ता का निम्नीकरण किस कारण से हुआ है ?
प्रश्न–4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 शब्दों में दे।
1	प्रदूषण और प्रदूषकों में क्या भेद है?
2	वायु प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोतों का वर्णन करें।
3	मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के क्या प्रभाव पड़ते हैं?
प्रश्न–5	निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
1	भारत में जल प्रदूषण की प्रकृति का वर्णन कीजिए ।

मानचित्र कार्य

प्रश्न 1 दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में भारत के जनसंख्या घनत्व को दर्शाइए।

प्रश्न 2 दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में उच्च मानव विकास सचूकांक नाले 4 राज्यो को दर्शाइए।

प्रश्न 3 दिए गए मानचित्र में भारत के निम्न महानगरों को दर्शाइए।
(1) दिल्ली (2) मुम्बई (3) चेन्नई (4) कोलकाता

प्रश्न 4 भारत के दिए गए रेखा मानखित्र में निम्नलिखित खनिज उत्पादक क्षेत्रों को उचित चिन्हों द्वारा दर्शाइए।
(1) तॉबा (2) बॉक्साइड (3) लौह अयस्क (4) मैंगनीज

प्रश्न 5 दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में सूती वस्त्र उद्योग के निम्न केन्दों को दर्शाइए।
(1) पूणे (2) ग्वालियर (3) कानपूर (4) कोलकाता

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : हिन्दी (अनिवार्य)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा–2025–26
कक्षा–12
विषय– अनिवार्य हिन्दी

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–				
प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एक	4:15	80	20	100

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	16
रचनात्मक लेखन /व्याकरण	16
पठित बोध	08
पाठ्यपुस्तक : आरोह (भाग–2)	30
पाठ्यपुस्तक : वितान (भाग–2)	10

1. अपठित बोधः **16**

(क) अपठित गद्यांश (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) (4 प्रश्न x 2 अंक) 08

(ख) अपठित पद्यांश (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) (4 प्रश्न x 2 अंक) 08

2. पठित बोध : **08**

(क) पठित गद्यांश (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) (4 प्रश्न x1 अंक) 04

(ख) पठित पद्यांश (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) (4 प्रश्न x1 अंक) 04

3. रचनात्मक लेखन/व्याकरण **16**

(क) निबंध लेखन (4 विकल्प सहित) 05

(ख) प्रार्थना पत्र/पत्र (विकल्प सहित) 05

(ग) प्रतिवेदन (विकल्प सहित) 04

(घ) पारिभाषिक शब्दावली 02

4. पाठ्यपुस्तक : आरोह (भाग–2) **30**

(क) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (5 प्रश्न गद्य से 5 प्रश्न पद्य से) (10 प्रश्न x1 अंक) 10

(ख) अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (2 प्रश्न गद्य से 2 प्रश्न पद्य से) (4 प्रश्न x1 अंक) 04

(ग) लघूत्तरात्मक प्रश्न (1 प्रश्न गद्य से 1 प्रश्न पद्य से विकल्प सहित) (2 प्रश्न x 4 अंक) 08

(घ) निबंधात्मक प्रश्न (1 प्रश्न विकल्प सहित गद्य/पद्य सहित) (1 प्रश्न x5 अंक) 05

(ङ) कवि/लेखक परिचय (विकल्प सहित) (1 प्रश्न x3 अंक) 03

5. पूरकपाठ्यपुस्तक : वितान (भाग–2) **10**

(क) अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (6 प्रश्न x1 अंक) 06

(ख) लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) (1 प्रश्न x4 अंक) 04

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	पाठ्यपुस्तक / पाठ
	पाठ्य पुस्तक 1 आरोह भाग–2
	पद्य खण्ड
1.	1) आत्मपरिचय 2) दिन जल्दी जल्दी ढ़लता है– हरिवंशराय बच्चन
2.	पतंग– आलोक धन्वा
3.	1) कविता के बहाने 2) बात सीधी थी पर – कुंवर नारायण
4.	कैमरे में बंद अपाहिज– रघुवीर सहाय
5.	उषा–शमशेर बहादुर सिंह
6.	बादल राग – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
7.	कवितावली (उत्तर कांड से) लक्ष्मण मूर्च्छा व राम का विलाप– गोस्वामी तुलसीदास
8.	रूबाइयाँ, – फिराक गोरखपुरी
9.	1) छोटा मेरा खेत 2) बगुलों के पंख– उमाशंकर जोशी
	गद्य खण्ड
10.	भक्तिन – महादेवी वर्मा
11.	बाजार दर्शन– जैनेन्द्र कुमार
12.	काले मेघा पानी दे– धर्मवीर भारती
13.	पहलवान की ढ़ोलक– फणीश्वर नाथ रेणु
14.	शिरीष के फूल–हजारी प्रसाद द्विवेदी
15.	श्रम विभाजन और जाति प्रथा– बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
	पूरक पाठ्य पुस्तक वितान भाग–2
1.	सिल्वर वेडिंग–मनोहर श्याम जोशी
2.	जूझ– आनंद यादव
3.	अतीत में दबे पाँव– ओम थानवी
	अपठित गद्यांश
	पठित पद्यांश
	निबंध /प्रतिवेदन/प्रार्थना पत्र/पत्र
	पारिभाषिक शब्दावली

अध्याय–1

पद्य भाग

1. आत्म परिचय 2. दिन जल्दी जल्दी ढलता है।

लेखक – हरिवंश राय बच्चन

कवि परिचय – हरिवंश राय बच्चन का जन्म 27 नवम्बर 1907 को इलाहाबाद (प्रयाग राज) में हुआ था। 1942–1952 तक ये इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापक रहे। इन्होंने विदेश मंत्रालय में हिन्दी विशेषज्ञ के रूप में भी कार्य किया। इनका निधन सत्र 2003 में हुआ। इनकी प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं–

1. काव्य संग्रह– 'मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश निशा निमंत्रण
2. आत्मकथा– 1. क्या भूलूँ, क्या याद करूँ 2. नीड़ का निर्माण फिर, 3. बसेरे से दूर
3. अनुवाद– हैमलेट, मैकबैथ

पाठ का सारांश–

इस अध्याय में कवि हरिवंशराय बच्चन की दो कविताएँ संकलित है :–

1. आत्मपरिचय :– आत्मपरिचय नामक कविता में कवि ने बताया है कि दुनिया को जानना फिर भी आसान है परन्तु अपने आपको जानना बहुत कठिन है। हमें समाज के बीच ही अपना अस्तित्व नजर आता है। कवि कहता है कि दुनिया का और मेरा संबंध प्रेम और कलह का संबंध है। हम दुनियादारी को छोड़कर जीवनयापन नहीं कर सकते। कवि को सांसारिक कठिनाइयों से तकलीफ तो है परन्तु वह इसी कष्ट में प्रसन्न भी है। संसार से मिलने वाले स्नेह या क्रोध का उन पर कोई असर नहीं होता, वे वही करते है जो उनके मन को स्वीकार्य है।

   कवि के लिए दुःखों का खण्डहर सुखों के महल से कही ज्यादा सुंदर है। वह हर आशा–निराशा में प्रसन्न रहता है। कवि अपनी व्यथा, क्रोध, भावना सब कुछ अपने शब्दों के द्वारा व्यक्त करता है।

2. दिन जल्दी–जल्दी ढलता है :–इस कविता में कवि ने प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के संदर्भ में हमारे मन के विचार व्यक्त किये है। कवि कहता है कि साँझढ़लते ही पथिक लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ाने लगता है, उसे रास्ते में रात होने का डर लगता है।

   इसी प्रकार जीवन–पथ पर चलते हुए व्यक्ति जब अपने लक्ष्य के निकट होता है तो उसकी उत्सुकता बढ़ जाती है। पक्षी भी बच्चों की चिंता करके अपने घोंसले में पहुँचने के लिए तेजी से पंख फड़फड़ाने लगते है।

   आशाएँव्यक्ति के जीवन में नयी चेतना भर देती है। जिनके जीवन में कोई आशा नहीं होती, वे शिथिल हो जाते है, उनका जीवन नीरस हो जाता है। रात हमारे जीवन में निराशा ही नहीं अपितु

आशा का भी संचार करती है। इस प्रकार इस कविता में कवि ने समय के साथ गुजर जाने के साथ–साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए बढ़ते हुए जज्बे को व्यक्त किया है।

2. दिन जल्दी–जल्दी ढलता है।

कठिन शब्द		**अर्थ**
जग–जीवन	–	दुनियादारी
झंकृत	–	तारों के बजने से निकला स्वर
निज	–	अपना
उर	–	हृदय
उदगार	–	भाव
भाता	–	अच्छा लगना
दहा	–	जला
भव–सागर	–	संसार रूपी सागर
यौवन	–	जवानी
अवसाद	–	उदासी
नादान	–	नामसझ
मूढ़	–	मूर्ख
भूप	–	राजा
प्रासाद	–	महल
प्रत्याशा	–	आशा
नीड़	–	घोंसला

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न–**

   1. हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा निम्नलिखित में से कौनसी है ?

      (अ) क्या भूलूँ क्या याद करूँ (ब) हैमलेट

      (स) मैकवैथ (द) मधुशाला

   2. कवि कैसे संसार को ठुकराता है–

      (अ) ईमानदार (ब) सत्यनिष्ठ

      (स) कर्मशील (द) वैभवशाली

   3. आत्म परिचय कविता के रचनाकार है–

      (अ) जयशंकर प्रसाद (ब) हरिवंशराय बच्चन

      (स) रामधारी सिंह दिनकर (द) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

4. दिन जल्दी–जल्दी ढलता है, गीत किस कवि ने लिखा है?

(अ) प्रसाद (ब) निराला

(स) दिनकर (द) बच्चन

2. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

5. हरिवंश राय बच्चन के किन्हीं दो काव्य संग्रहों के नाम लिखो ?

6. कवि कैसा संदेश लिए फिरता है?

7. कवि को संसार क्यों नहीं भाता ?

8. ''दिन जल्दी–जल्दी ढलता है'' पंक्ति के माध्यम से किसके महत्त्व को बताया गया है?

9. शीतल वाणी में आग होने का क्या अभिप्राय है?

3. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

10. कवि अपने मन का गान किस प्रकार गाता है ?

11. कवि सुख–दुःख दोनों स्थितियों में प्रसन्न किस प्रकार रह पाता है?

12. दिन जल्दी–जल्दी ढलता है की आवृति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है?

4. **निबंधात्मक प्रश्न–**

13. बच्चे किस बात की आशा में नीडों से झांक रहे होंगे?

14. 'आत्मपरिचय' कविता का सार लिखिए?

अध्याय–2

पतंग

लेखक – आलोक धन्वा

कवि परिचय–

आलोक धन्वा जी का जन्म 1948 में मुंगेर (बिहार) में हुआ। इनकी पहली कविता ''जनता का आदमी 1972 में प्रकाशित हुई। इन्हें राहुल सम्मान, पहल सम्मान तथा बिहार राष्ट्रभाषा परिषद के साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया।

प्रमुख रचनाएँ– जनता का आदमी, भागी हुई लड़कियाँ, दुनिया रोज बनती है।

पाठ का सारांश–

बालसुलभ इच्छाओं एवं उमंगों से ओत प्रोत ''पतंग'' कविता कवि आलोक धन्वा की एक सुन्दर कविता है। इसमें कवि ने बताया है कि पतंग बच्चों की उमंगों का रंगीन सपना है। आसमान में ऊंची उड़ती पतंग बालमन को आकर्षित करती है। साथ ही उन्हें ऊंचाईयां छूने के लिए प्रेरित करती है। बच्चे केवल ऊंचाईयां छूना नहीं चाहते वरन उनके पार जाना चाहते हैं। बच्चे गिरते हैं, गिरकर उठते हैं, उठकर संभलते है और फिर नई पतंग और उमंग के साथ मैदान में डटकर खड़े हो जाते है। यहीं जिजीविषा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इस प्रकार इस कविता मे ं कवि ने बच्चों की भय पर विजय पाने, गिर–गिरकर संभलने, नई–नई पतंगों को सबसे ऊँचा उड़ाने के हौंसले का रेखांकन किया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. ''पतंग'' कविता में कपास किसका प्रतीक है–

   (अ) प्रकाश (ब) कोमलता

   (स) सफेदी (द) शांति ( )

2. 'पतंगों के साथ–साथ वे भी उड़ रहे है,' से आशय है–

   (अ) उडान भरना (ब) स्वप्न देखना

   (स) आकाश छू लेना का अहसास होना (द) पतंग उड़ाने पर प्रश्न होना ( )

3. 'पतंग' कविता में 'चमकीले विशेषण' किसके लिए है–

   (अ) पतंगों के लिए (ब) शरद के लिए

   (स) कठोर दिशाओं के लिए (द) इशारों के लिए ( )

4. 'पतंग' कविता में कवि के अनुसार दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन उड़ने वाली चीज है–

   (अ) तितली (ब) पतंगा

   (स) पतंग (द) मोटर ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

5. दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज किसे कहा गया है?
6. पतंग कविता में लाल सवेरा को कैसा कहा गया है?
7. पतंग कविता में तेज बौछारों के जाने के साथ किस महिने के चले जाने की बात कही है?
8. आकाश को मुलायम बनाने से क्या आशय है?
9. कवि को बच्चों का दौड़ना किसकी तरह लगता है?
10. भादो किसका प्रतीक है?
11. शरद बच्चों के झुंड को इशारो से कैसे बुलाता है
12. तितलियों की नाजुक दुनिया से क्या तात्पर्य है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

13.. शरद ऋतु की तुलना किससे की गई है व क्यों ?
14. आसमान में रंग बिरंगी पतंगों को देखकर आपके मन में कैसे ख्याल आते है?

निबंधात्मक प्रश्न–

15. कवि ने बच्चों के लिए कपास शब्द काप्रयोग क्यों किया है?
16. ''पतंग'' कविता का मूल भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–3

1. कविता के बहाने,

2. बात सीधी थी पर

लेखक – कुँवर नारायण

कवि परिचय–

आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख कवि कुंवर नारायण का जन्म 19 सितम्बर, 1927 में उत्तर प्रदेश में हुआ। भाषा एवं विषय की विविधता इनकी कविताओं की प्रमुख विशेषता है। इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, व्यास सम्मान, ज्ञानपीठ पुरस्कार, कबीर सम्मान आदि से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख रचनाएं–

1. काव्य संग्रह –1. हम–तुम 2. इन दिनों
2. प्रबन्ध काव्य– 1. आत्म जयी
3. कहानी संग्रह – 1. आकारों के आसपास

पाठ का सारांश

'कविता के बहाने' काव्यांश काव्य संग्रह (इन दिनों) से लिया गया है। कवि कुँवर नारायण ने इस कविता में कविता की व्यापकता को दर्शाया है। चिड़िया की उड़ान, फूलों की मुस्कान और बच्चों की क्रीड़ा (खेल) कविता का मुख्य विषय है। परन्तु जहां सबकी अपनी सीमा है। वहीं बच्चे के सामर्थ्य की तरह कविता में असीम संभवनाएं है। जहां रचनात्मक ऊर्जा होती है, वहां सीमाओं के बंधन स्वतः खुद टूट जाते है। कविता के बहाने यह एक यात्रा है, चिड़िया, फूल और बच्चे की।

2. बात सीधी थी पर–

इस कविता में कुँवर नारायण ने बात को सीधे सादे तरीके से न कहकर जटिलता उत्पन्न करने वालों पर परोक्ष रूप से व्यंग्य किया है। उनका मानना है कि घूमा–फिराकर बात करने से विषय में जटिलता बढ़ती है। जिससे बात की प्रभावोत्पादकता समाप्त हो जाती है। वास्तव में, अच्छी पंक्तियों का बनना सही बात का, सही शब्द से जुड़ना होता है। यह कविता कुँवर नारायण के ''कोई दूसरा नहीं'' काव्यसंग्रह से ली गई है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. ''कविता के बहाने'' कविता के रचनाकार है?

   (अ) कुँवर नारायण (ब) कुँवर प्रसाद

   (स) कुँवर प्रकाश (द) कुँवर सिंह (   )

2. कविता किसके बहाने खेल रही थी–

(अ) बच्चे के (ब) खिलौने के

(स) पेंच के (द) भाषा के ( )

3. 'बात की चूडी मर जाना' से कवि का तात्पर्य है–

(अ) स्पष्ट होना (ब) तर्कपूर्ण होना

(स) प्रभावपूर्ण होना (द) प्रभावहीन होना ( )

4. कुँवर नारायण का जन्म कब व कहाँ हुआ था ?

(अ) 1927 में उत्तर प्रदेश में (ब) 1927 में मध्य प्रदेश में

(स) 1930 में राजस्थान में (द) 1930 में मध्य प्रदेश में ( )

5. कविता की उड़ान को कौन नहीं जान सकता?

(अ) रसिक भक्ति (ब) चिडिया

(स) कवि (द) समीक्षक ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

6. 'बात सीधी थी पर' में कवि ने किस पर बल दिया है?

7. कवि ने कविता के लिए क्या उपमान दिया है?

8. 'बात सीधी थी पर' कविता कुँवर नारायण के किस काव्य संग्रह से ली गई है?

9. कवि ने फूल व कविता के खिलने में क्या अंतर बताया है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

10. बात को बेवजह कसने का परिणाम क्या हुआ ?

11. बात की चूड़ी मरने का तात्पर्य क्या है ?

12. उड़ने और खिलने का कविता से क्या सम्बन्ध बनता है?

13. कविता और बच्चे को समान्तर रखने के क्या कारण हो सकते है?

निबंधात्मक प्रश्न–

14. कवि ने कविता की उड़ान को चिड़िया व फूलों से किस प्रकार अलग बताया है ?

15. भाषा को सहूलियत से बरतने का क्या अभिप्राय है ?

अध्याय–4

कैमरे में बंद अपाहिज

लेखक – रघुवीर सहाय

कवि परिचय–

रघुवीर सहाय का जन्म 1929 में लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में हुआ। इन्होंने सड़क, चौराहा, दफ्तर, अखबार, संसद, बस, रेल, बाजार आदि की भाषा में कविता लिखी और घर–मुहल्ले के चरित्रों पर कविता लिखी। इनकी प्रमुख रचनाएं अज्ञेय द्वारा संकलित व संपादित द्वितीय तार सप्तक में प्रकाशित हुई।

इनके मुख्य काव्य संग्रह है– 1. सीढ़ियों पर धूप, 2. हँसो–हँसो, जल्दी हँसों। 3. लोग भूल गए है। इन्होंने कई अखबारों ''कल्पना'', नवभारत टाइम्स'' तथा दिनमान में कार्य किया। इनको साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनका निधन सन् 1990 में हुआ।

पाठ सारांश–

यह काव्यांश काव्य संग्रह– 'लोग भूल गए हैं' से लिया गया है। इस कविता में कवि रघुवीर सहाय ने मीडिया व समाज की संवेदनशीलता पर तीखा कटाक्ष किया है। कवि ने शारीरिक चुनौती को झेलते व्यक्ति से टेलीविजन कैमरे के सामने किस प्रकार सवाल पूछे जाते है और उससे किस प्रकार की भावभंगिमा की अपेक्षा की जाती है, का सपाट वर्णन किया है। अपने कार्यक्रम को आकर्षक व बिकाऊ बनाने के लिए मीडियाकर्मी, दिव्यांगों की दयनीयता को क्रूरता के साथ उभारते हैं। दिव्यांगों को कैमरे के सामने लाकर क्रूरता पूर्वक प्रश्न पूछे जाते है, दिव्यांगों के दर्द को इस तरह झकझोरा जाताहै कि उनकी आँखों से दर्द बहने लगता है। यह दर्द मीडियाकर्मी के कार्यक्रम की सफलता को प्रकट करता है। यह कविता समाज की विद्रूपताओं को पकड़ने व उसके व्यवसायीकरण को दर्शाती है। यह कविता प्रत्येक ऐसे व्यक्ति व संगठन की ओर इशारा करती है, जो दुःख–दर्द व यातना–वेदना को बेचना चाहता है, व्यावसायिक लाभ लेना चाहता है। इस प्रकार करूणा जगाने के उद्देश्य से शुरू हुआ कार्यक्रम क्रूर बन जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. ''कैमरे में बंद अपाहिज'' करूणा के मुखौटे में छिपी किसकी कविता है–

   (अ) दया (ब) परोपकार

   (स) वात्सल्य (द) क्रूरता

2. ''कैमरे में बंद अपाहिज'' कविता रघुवीर सहाय के किस काव्य संग्रह से ली गई है ?

   (अ) हँसो–हँसो (ब) लोग भूल गए है

   (स) सीढ़ियों पर धूप (द) कल्पना

3. अपाहिज के होठों पर क्या दिखाई देता है–

(अ) उलझन (ब) कसमसाहत

(स) पीड़ा (द) मुस्कान

4. दूरदर्शन वाले बंद कमरे में किसे लाए थे–

(अ) दुर्बल व्यक्ति को (ब) सबल व्यक्ति को

(स) अपंग व्यक्ति को (द) बीमार व्यक्ति को

5. रघुवीर सहाय निम्नलिखित में से किस अखबार से जुड़े रहे ?

(अ) कल्पना (ब) हंस

(स) माधुरी (द) टिंकल

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

6. रघुवीर सहाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार का नाम लिखिये।
7. कमरे में बंद अपाहिज कविता में दूरदर्शन कर्मियों की किस मनोवृति को दर्शाया गया है?
8. ''कैमरे में बंद अपाहिज'' कविता में किस व्यक्ति की पीड़ा को बताया गया है?
9. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में मीडिया के चरित्र की किस विशेषता को रेखांकित किया गया है?
10. दूरदर्शन के संचालक कैमरे वाले को अपंग की तस्वीर बड़ी करके दिखाने का निर्देश क्यों देते हैं ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

11. ''हम पूछ–पूछ कर रूला देंगे'' पंक्ति में कौनसा भाव निहित है ? इसमें मीडियाकर्मी का मुख्य उद्देश्य क्या है ?
12. यदि शारीरिक रूप से चुनौति का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक दोनों एक साथ रोने लगे तो उससे प्रश्नकर्ता का कौनसा उद्देश्य पूरा होता है ?
13. कविता में अपाहिज को दूरदर्शन पर ले जाने से लोग कैसे है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

14. ''कैमरे में बंद अपाहिज'' करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। स्पष्ट करें।

अध्याय–5

"उषा"

लेखक – शमशेर बहादुर सिंह

कवि परिचय– शमशेर बहादुर सिह का जन्म देहरादून (उत्तराखंड) में हुआ था। इन्हें साहित्य अकादमी तथा कबीर सम्मान सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इनका निधन सन् 1993 में हुआ।

प्रमुख रचनाएँ–1. कुछ कविताएँ 2. चुका भी नहीं हूं मैं 3. इतने पास अपने 4. बात बोलेगी आदि।

पाठ सारांश–

इस कविता में शमशेर बहादुर सिंह ने सूर्योदय के पूर्व पल–पल होते परिवर्तनों के साथ भोर की आसमानी गति को धरती की जीवन भरी हलचल से जोड़ने का प्रयास किया है। इस कविता में प्रातःकालीन आकाश में होने वाले परिवर्तनों और सूर्योदय का गतिशील चित्रण है।

कवि ने प्रातःकालीन नभ को नीले शंख जैसा बतातेहुए इसका सुंदर वर्णन किया है। इस कविता में सूर्योदय के समय का सुंदर वर्णन है। गाँव की सुबह में 'राख से लीपा चौका' काल सिल' 'स्लेट पर खड़िया' से लिखते नन्हें बालक का हाथ और प्रकृति का सम्मोहक वातावरण सभी कुछ मौजूद है। यह एक ऐसे दिन की शुरूआत है जहाँ रंग है, गति और भविष्य की उजास है। साथ ही हर कालिमा को चीरकर आने का अहसास कराती उषा है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'उषा' कविता किसकी रचना है–
   (अ) शमशेर बहादुर सिह (ब) हरिवंश राय बच्चन
   (स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (द) रघुवीर सहाय ( )
2. उषा दिन का कौनसा समय होता है–
   (अ) प्रभात (ब) मध्यान्ह
   (स) संध्या (द) रात्री ( )
3. शमशेर बहादुर सिह की पहचान किस रूप में है–
   (अ) बिम्बधर्मी कवि के रूप में (ब) रूढ़ीवादी कवि
   (स) रोमानी कवि (द) सुकुमार कवि ( )
4. उषा का जादू किसके उदय होने पर टूटता है–
   (अ) चन्द्रमा के (ब) कवि के
   (स) सूर्य के (द) भोर के तारे ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

5. प्रातः कालीन नीला आकाश किसके जैसा बताया गया है?

6. "उषा" कविता में राख से लीपा हुआ क्या बताया गया है?

7. "उषा" का जादू टूटने का क्या कारण है?

8. "उषा" कविता में किस रंग की खड़िया चाक मलने की बात की गई है?

9. सूर्योदय से पहले किसका जादू होता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

10. सूर्योदय से पहले आकाश में क्या–क्या परिवर्तन होता हैं? 'उषा' कविता के आधार पर बताइये।

निबन्धात्मक प्रश्न

11. 'उषा' कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गांव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है?

अध्याय–6

बादल राग

लेखक –सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

कवि परिचय– 'छायावाद' के प्रमुख आधार स्तंभ सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का जन्म बंगाल के महिषादल में सन 1899 में हुआ। 'निराला' जी की शिक्षा घर पर ही हुई। उन्होंने संस्कृत, बांग्ला, अंग्रेजी आदि भाषाओ ंका अध्ययन घर पर ही किया। इनका निधन सन् 1961 में इलाहबाद में हुआ।

प्रमुख रचनाएँ

1. काव्य रचनाएँ– 1. अनामिका 2. परिमल 3. गीतिका
2. गद्य– 1. चतुरीचमार 2. प्रभावति 3. चोटी की पकड़
3. कहानी संग्रह – 1. लिली सखी 2. चतुरी चमार

   इन्होंने समन्वय, मतवाला पत्रिका का संपादन किया।

पाठ सारांश–

बादल राग कविता अनामिका में 6 खंडों में प्रकाशित है। यहाँ उसका छठा खंड लिया गया है। कवि बादल के भीतर सृजन व ध्वंस की ताकत एक साथ समाहित देखतेहै। इस कविता में बादल के प्रतीक द्वारा उन्होंने सर्वहारा वर्ग और पूंजीपति वर्ग के क्रियाकलापों और मानसिकता को दर्शाया है।

वस्तुतः यह कविता एक क्रांतिगीत है। आम आदमी के दुख से त्रस्त कवि यहाँ बादल का आह्वान क्रांति के रूप में कर रहा है। किसान मजदूर की आकांक्षाएँ बादल को नव–निर्माण के राग के रूप में पुकार रही है। गर्मी से तपी–झुलसी धरती पर क्रॉंति के संदेश की तरह बादल आए है। हर तरफ सब कुछ रूखा–सूखा और मुरझाया सा है। अकाल की चिंता से व्याकुल किसान बहुत कमजोर हो गए है। पूरी धरती तपी हुई है, ऐसे में बादल का प्रकट होना प्रकृति में और जगत में परिवर्तन ला रहा है। इस कविता में यही सब बताया गया है।

इस तरह यह कविता आम आदमी की खुशहाली का राग बन गई है। बादल राग एक ओर जीवन निर्माण के नये राग का सूचक है तो दूसरी ओर नव–निर्माण का कारण भी है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'बादल राग' कविता के कवि कौन है–

   (अ) जयशंकर प्रसाद (ब) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

   (स) पंत (द) महादेवी वर्मा ( )

2. कविता में बादल किसका प्रतीक है–

(अ) क्रान्ति (ब) शान्ति

(स) दोनों (द) कोई नहीं ( )

3. बादलों को अधीरता से कौन बुला रहा है–

(अ) वृक्ष (ब) कृषक

(स) योद्धा (द) बालक ( )

4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने निम्नलिखित में से कौनसे अखबार का संपादन किया?

(अ) जागरण (ब) हंस

(स) मतवाला (द) माधुरी ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

5. 'बादल राग' कविता में कवि किसका आह्वान करता है?

6. 'बादल राग' कविता में 'पंक और अट्टालिका' किसके प्रतीक है?

7. 'बादल राग' कविता में सुख को कैसा बताया गया है?

8. क्रान्ति के बादलों की ब्रज गर्जना से कौनसा वर्ग भयभीत हो जाता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

9. कवि ने बादल को कहाँ तैरते हुए चित्रित किया है?

10. बादल किस प्रकार धरती पर बरस रहे है?

11. बादल व क्रान्ति से लोगों को क्या उम्मीद है?

निबन्धात्मक प्रश्न

12. कवि ने बादलों की किस विशेषताओं की और संकेत किया है?

अध्याय–7

कवितावली (उत्तर कांड से)लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप

लेखक –गोस्वामी तुलसीदास

कवि परिचय– गोस्वामी तुलसीदास का जन्म 1532 ई. में उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के राजापुर गाँव में हुआ था। तुलसीदास जी मानव मूल्यों के उपासक कवि थे। अपने गुरू की कृपा से इन्हें रामभक्ति का मार्ग मिला। तुलसीदास ने अपनी लेखनी द्वारा अपने आराध्य देव मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के माध्यम से नीति, स्नेह, शील, विनम्रता, त्याग जैसे उदात्त आदर्शों को समाज में प्रतिष्ठित किया। रामभक्ति पर आधारित 'रामचरित मानस' इनकी सर्वश्रेष्ठ रचना है।

अन्य रचनाएँ–रामचरितमानस कवितावली, दोहावली, गीतावली, विनयपत्रिका

पाठ सारांश–

कवितावली (उत्तराखण्ड) प्रथम छंद में उन्होंने दिखलाया है कि संसार के अच्छे बुरे लीला प्रपंचों का आधार 'पेट की आग' है, जिसका समाधान वे राम रूपी घनश्याम (मेघ) के कृपा–जल में देखते है। उनकी रामभक्ति पेट की आग बुझाने वाली यानीजीवन के समस्त संकटों का समाधान करने वाली है। उनकामाननाहै कि लौकिक संसार के सभी कष्ट श्री राम का नाम लेने से दूर हो जाते है।

दूसरे छंद में प्रकृति और शासन की विषमता से उपजी बेकारी व गरीबी की पीड़ा का यथार्थपरक चित्रण किया गया है तथा इसकी दशानन (रावण) से तुलना की गई है।

तीसरे छंद में भक्ति की गहनता और सघनता में उपजे भक्त ह्रदय के आत्मविश्वास का सजीव चित्रण है, जिसमें समाज में व्याप्त जात–पाँत और धर्म के विभेदक विचारों के तिरस्कार का साहस पैदा होता है।

लक्ष्मण–मूर्च्छा व राम का विलाप :– इस प्रसंग में तुलसीदास ने राम–रावण युद्ध के समय मेघनाद द्वारा लक्ष्मण को तीर द्वारा घायल करे देने, लक्ष्मण के मूर्च्छित होने पर राम द्वारा विलाप करने और हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी लाने और लक्ष्मण के ठीक होने का वर्णन है। इसमें भगवान श्री राम के ईश्वरीय रूप का पूर्ण रूप से मानवीकरण किया गया है।

भगवान श्रीराम अपने भाई के पति स्नेह व शोक में विलाप का प्रसंग मार्मिक है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. तुलसीदास की सर्वश्रेष्ठ रचना कौनसी है?

   (अ) रामचरितमानस (ब) सवैया

   (स) वाल्मिकी रामायण (द) दोहावली ( )

2. कवितावली किसकी रचना है–

(अ) कबीरदास की (ब) सूरदास की

(स) तुलसीदास की (द) महादेवी वर्मा की ( )

3. गोस्वामी तुलसीदास का जन्म कहाँ हुआ था–

(अ) बाँदा जिले में (ब) उत्तराखण्ड में

(स) मध्यप्रदेश में (द) नैनीताल में ( )

4. रामचरित मानस कौनसी भाषा में लिखा गया ग्रंथ है?

(अ) अवधी (ब) डिंगल

(स) पिंगल (द) संस्कृत ( )

5. कवितावली उत्तरकाण्ड से कौनसा छंद है–

(अ) दोहा (ब) चौपाई

(स) सवैया (द) कविता ( )

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

6. श्रीराम के मुख्य भक्त कौन है?

7. राम दुःख में किस प्रकार व्यवहार कर रहें है?

8. तुलसीदास जी के गुरू कौन थे?

9. लक्ष्मण क्यों मूर्छित हो गए?

10. राम के भाई लक्ष्मण के प्राण बचाने हेतु संजीवनी कौन लेकर आये?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

11. कवितावली में तुलसीदास जी ने किस प्रकार के छंदों का प्रयोग किया है?

12. भाई के बिना जीवन की तुलना किससे की गई है?

13. तुलसीदास जी की प्रमुख रचनाएं कौन–कौनसी है?

14. लक्ष्मण के जिवित होने की खबर सुनकर रावण किसके पास गए?

निबंधात्मक प्रश्न–

15. कवितावली का सारांश लिखिये।

अध्याय–8

रूबाइयाँ, गज़ल

लेखक –फिराकगोरखपुरी

कवि परिचय– फिराक गोरखपुरी का मूल नाम रघुपति सहाय फिराक था। इनका जन्म 28 अगस्त 1896 को गोरखपुर (उत्तरप्रदेश) में हुआ था। इनकी शिक्षा, अरबी, फारसी व अंग्रेजी में हुई। ये वर्ष 1917 में डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित हुए। ये इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में अध्यापक भी रहे। इनका निधन सन् 1983 में हुआ।

प्रमुख रचनाएँ– 1. गुले–नग्मा 2. बज़्में–जिन्दगी 3. रंगे–शायरी 4. उर्दू–गज़लगोई

'गुले नग्मा' के लिए इनको 1. साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2. ज्ञानपीठ पुरस्कार, 3. सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पाठ सारांश–

रूबाइयाँ– फिराक गोरखपुरी ने इस पठ में वात्सल्य चित्र प्रस्तुत किया है। बच्चे की इच्छा, माँ की ममता, और त्योंहारों के बीच हिंदी, उर्दू, लोकभाषा के शब्दों का मिश्रण काव्य में अद्‌भुत सौंदर्य दर्शाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. पठित गज़ल के अनुसार रात के सन्नाटे क्या कर रहे है–

   (अ) खामोश है (ब) कुछ बोल रहे है

   (स) सो रहे है (द) जाग रहे है ( )

2. 'फिराक गोरखपुरी' का मूल नाम क्या था?

   (अ) रघुपति सहाय फिराक (ब) वैद्यनाथ

   (स) नागार्जुन (द) रामकुमार ( )

3. प्रस्तुत पाठ में संकलित 'रूबाइयाँ' फिराक गोरखपुरी की किस रचना से ली गई है?

   (अ) गुले–नग्मा (ब) रंगे शायरी

   (स) बज्में–जिन्दगी (द) उर्दू–गज़लगोई ( )

4. कवि अपनी गजलों को किनके प्रति समर्पित करता है–

   (अ) मिर्जा गालिब (ब) मीर

   (स) मजरूह सुल्तानपुरी (द) गुलाम अली ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

5. 'चाँद के टुकड़े' उपमान का प्रयोग किसके लिए किया गया है?
6. बहन द्वारा भाई की कलाई पर कैसी राखी बाँधी जा रही है?
7. रूबाइयाँ कविता में किसके लक्ष्छे चमक रहे है?
8. रूबाईयाँ किसकी रचना है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

9. 'दीवाली' पर लोग क्या करते है?
10. 'रूबाइयाँ' के आधार पर बताइये माँ द्वारा बच्चे को प्रसन्न करने के लिए क्या–क्या किया जा रहा है?
11. बालक द्वारा चाँद मांगने की जिद पर माँ क्या करती है?
12. रक्षाबंधन की तैयारी का वर्णन कवि ने किस प्रकार किया है?

निबन्धात्मक प्रश्न

13. शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव प्रकट करना चाहता है?
14. खुद का परदा खोलने का क्या आशय है?

अध्याय–9

छोटा मेरा खेत

बगुलों के पंख

लेखक –उमाशंकर जोशी

कवि परिचय– उमांशकर जोशी का जन्म सन् 1911 में गुजरात में हुआ। गुजराती कविता एवं साहित्य को नया स्वरूप देने वाले उमाशंकर जोशी का भारतीय साहित्य में महम्वपूर्ण स्थान है। इन्होंने संस्कृति नामक पत्रिका का संपादन किया।

प्रमुख रचनाएँ– 1. विश्व शांति 2. गंगोत्री 3. निशीथ 4. आतिथ्य 5. वसंतवर्षा

पाठ सारांश–

इस अध्याय में उमाशंकर जोशी की दोकविताएँ संकलित की गई है :–

1. **छोटा मेरा खेत** : प्रस्तुत कविता में कवि ने खेती के कार्य को कवि के कार्य के साथ जोड़ा है। कविता व कृषि कार्य में समानता बताते हुए वे कहते है कि कागज का पन्ना चौकोर खेत के समान होता है। इसमें भावात्मक आँधी के प्रभाव से किसी क्षण एक बीज बोया जाता है, जिसमें शब्द रूपी अंकुर फूटते है और कविता की फसल तैयार हो जाती है।

   कविता की फसल कभी समाप्त नहीं होती। सहृदय लोग सदैव इसका आनंद प्राप्त कर सकते है। साहित्य रस इस कभी नहीं मरता अर्थात् यह चिरकाल तक रहता है।

2. **बगुलों के पंख** :

   इस कविता में कवि ने संध्या के समय का सौंदर्य का चित्रात्मक रूप में वर्णन किया है। प्राकृतिक सौंदर्य को प्रतीकों के द्वारा प्रकट किया है, जिसका मन पर सुंदर प्रभाव पड़ता है। कवि काले बादलों से भरे आकाश में पंक्ति बनाकर उड़ते सफेद बगुलों को देखता है। वे कजरारे बादलों के ऊपर तैरती साँझ की श्वेत काया के समान दिखाई देते हैं। यह दृश्य इतना सुंदर है कि कवि और सब कुछ भूलकर उसी में अटका रह जाता है तथा इस माया से अपने को बचाने की गुहार लगाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'छोटा मेरा खेत' व 'बगुलों के पंख' किसकी रचना है–

   (अ) उमाशंकर जोशी (ब) शमशेर बहादुर सिंह

   (स) आलोक धन्वा (द) फिराक ( )

2. कवि ने अपने खेत में कौनसा बीज बोया–

(अ) प्रेमरूपी बीज	(ब) विचाररूपी बीज	
(स) शब्दरूपी बीज	(द) धानरूपी बीज	( )

3. बगुलों के पंखो का रंग कैसा है–

(अ) नीला	(ब) सफेद	
(स) काला	(द) मटमैला	( )

4. कवि उमाशंकर जोशी का संबंध किस साहित्य से है?

(अ) तेलुगू साहित्य	(ब) गुजराती साहित्य	
(स) पंजाबी साहित्य	(द) कन्नड़ साहित्य	( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

5. बगुलों के पंखों द्वारा क्या चुराए जाने की बात कही है?
6. कवि ने कवि–कर्म की तुलना किससे की है?
7. रस का अक्षय–पात्र किसे कहा गया है?
8. बगुलों के पंख कविता में कवि किस दृश्य पर मुग्ध है?
9. आकाश किससे भरा हुआ है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

10. कवि को कागज का पन्ना किसकी तरह लगता है?
11. 'छोटा मेरा खेत'कविता में 'अंधड़' व 'बीज' क्या है?
12. कवि को बगुलों की पंक्ति आकश में कैसी प्रतीत हो रही है?

निबन्धात्मक प्रश्न

12. छोटे चौकोने खेत को 'कागज का पन्ना' क्यों क्यों कहा गया है?
13. कवि क्यों चाहती है कि मनमोहक दृश्य को कोई लुप्त होने से रोक ले?

अध्याय 10
''भक्तिन''(गद्य भाग)
आरोह भाग–2
महादेवी वर्मा

लेखिका परिचय

जन्म सन् 1907 में उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद जिले में हुआ था। महादेवी जी ने देश में नारी शिक्षा के प्रसार के लिए बहुत योगदान दिया तथा स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया था। सितम्बर, 1987 ई. इलाहबाद में लेखिका जी का निधन हुआ था।

प्रमुख रचनाएँ :–

'श्रृंखला की कडियाँ, आपदा' प्रमुख निबंध संग्रह है। नीहार, रश्मि, नीरजा सांध्यगीत, दीपशिखा आदि यामा' लेखिका जी की प्रमुख रचनाएँ है। यामा के लिए सन 1983 में महादेवी जी को ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया। 'भक्तिन' पाठ प्रसिद्ध रेखाचित्र 'स्मृति की रेखाएं' में से लिया गया है!

पाठ का सार–

भक्तिन पाठ प्रसिद्ध रेखाचित्र 'स्मृति की रेखाएँ' में से लिया गया है। भक्तिन छोटे कद व दुबले शरीर की झूँसी गांव में रहने वाली एक स्त्री थी। भक्तिन का असली नाम लक्ष्मी था। लेकिन वह अपने नाम के ठीक विपरीत थी। उसकी कंठीमाला को देखकर ही लेखिका ने उसका नाम 'भक्तिन' रखा होगा। लक्ष्मी (भक्तिन) का पालन–पोषण उसकी सौतेली माँ ने किया था। उसकी शादी 5 वर्ष की आयु में तथा गौना 9 वर्ष की आयु में ही हँडिया गाँव के गोपालक के छोटे पुत्र के साथ करा दिया गया था। सौतेली माँ को यह डर हमेशा सताता रहताथा कि लक्ष्मी के पिता कही सारी जायदाद उसके नाम ही ना कर दे, इसलिए पिता की मृत्यु की सूचना लक्ष्मी को नहीं दी गई। यह दुखद समाचार उसे मायके आकर मिला। लक्ष्मी के तीन बेटियां थी। बड़ी बेटी के विवाह के उपरान्त भक्तिन के पति का देहांत हो गया। अपनी बेटियों का विवाह भी कम उम्र में ही कर दिया । जायदाद को लेकर लड़ाई झगड़ा चलता ही रहता था। इसलिए बड़े दामाद को घर जमाई बना लिया था परन्तु भाग्य ने यहां भी साथ नहीं दिया,बड़े जवाई का कुछ दिनों बाद ही निधन हो गया। भक्तिन की संपति पाने के उद्देश्य से बड़े जेठ का लड़का अपने साले से उसकी बड़ी बेटी का विवाह करवाना चाहता था। परन्तु लड़की ने विवाह करने से मना कर दिया। इसलिए भक्तिन व बेटी को अनेक शारीरिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ा था। उसने भक्तिन की बेटी के साथ जबरदस्ती करनी चाही परन्तु भक्तिन ने उसे पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। मामला पंचायत तक पहुँचा। पंचायत ने पति–पत्नी की तरह साथ रहने का निर्णय सुना दिया। मजबूरी में मानना पड़ा किन्तु अब घर में गरीबी रहने लगी, जमींदार ने भक्तिन को लगान ना

चुका पाने के कारण दिनभर धूप में खड़ा रखा यह अपमान भक्तिन सहन ना कर सकी और कमाने के उद्देश्य से शहर आ गई। शहर में भक्तिन लेखिका के पास रहकर उसके घर का काम आदि करने लगी। सुबह भक्तिन नहाकर लेखिका की धुली धोती पहनकर सूर्य एवं पीपल को अर्ध्य देती, फिर खाना बनाती। भक्तिन दूसरों को तो अपने जैसा बनाने को तैयार रहती परन्तु स्वयं को बदलने के लिए तैयार नहीं थी। वह गाँव की भांति लेखिका को 'ओए' कहकर ही बुलाती थी। लेखिका जब रूपये इधर–उधर रख देती थी, तब भक्ति उन्हें इकट्ठा कर मटकी में डाल देती थी। सिर मुंडवाने की बात पर लेखिका से कहा कि सिद्ध, सिर मुडवाकर तीर्थ जाते है। लेखिका के हस्ताक्षर करने वाले नियम पर भक्तिन ने यह कहकर टाल दिया कि वह पढ़ने लगी तो घर गृहस्थी कौन देखेगा ? इन दोनों के बीच स्वामी और सेविका का संबंध न रहकर आत्मिक संबंध विकसित होगए थे। लेखिका के साथ भक्तिन हर समय उपस्थित रहती थी ताकि लेखिका को आवश्यकता पड़ने पर वह उसकी मदद कर सकें। भक्तिन की बेटी और दामाद जब उसे बुलाने आए तो भक्तिन ने जाने से मना कर दिया । लेखिका के सामने भक्तिन ने धन के महत्त्व को भी कम कर दिया। भक्तिन लेखिका पर सब कुछ लुटाने को तैयार थी।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न–**

   1. भक्तिन पाठ की लेखिका कौन है ?

      (अ) कृष्णा सोबती (ब) महादेवी वर्मा

      (स) मीरा बाई (द) सुभद्रा देवी

   2. भक्तिन संस्मरण महादेवी वर्मा की किस कृति में संकलित है–

      (अ) अतीत के चलचित्र (ब) स्मृति की रेखाएं

      (स) पथ के साथी (द) मेरा परिवार

   3. महादेवी वर्मा का जन्म कहाँ हुआ था–

      (अ) जमशेदपुर (ब) आजमगढ़

      (स) फर्रूखाबाद (द) दिल्ली

   4. महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस रचना के लिए मिला ?

      (अ) नीरजा (ब) यामा

      (स) नीहार (द) रश्मि

   5. भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था–

      (अ) लक्ष्मी (ब) भक्तिन

      (स) लछमिन (द) कोकिला

2. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

   6. लेखिका ने भक्तिन को नया नाम क्यों दिया?

7. भक्तिन का स्वभाव कैसा था?

8. भक्तिन के आ जाने से लेखिका में क्या परिवर्तन आया?

9. भक्तिन को जैल से डर क्यों लगता था?

3. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

10. भक्तिन अपना नाम लोगों से क्यों छिपाती थी ?

11. भक्तिन के ससुराल वालो का व्यवहार उसके साथ कैसा था?

12. पहली रसाई में भक्तिन ने लेखिका को क्या परोसा और लेखिका के नाखुश होने पर क्या तर्क दिया?

4. **निबंधात्मक प्रश्न–**

13. लेखिका महादेवी वर्मा का जीवन परिचय संक्षिप्त रूप में लिखिए ?

14. भक्तिन का व्यक्तित्व स्पष्ट कीजिए।

अध्याय 11

बाजार दर्शन

लेखक जैनेन्द्र कुमार का जीवन परिचय

लेखक जी जैनेन्द्र कुमार का जन्म वर्ष 1905 में अलीगढ़ उत्तर प्रदेश में हुआ था। हिन्दी साहित्य में प्रेमचन्द केबाद सबसे महत्त्वपूर्ण कथाकार के रूप में जाने जाते है। जैनेन्द्र जी ने अपने उपन्यासों और कहानियों के माध्यम से एक महत्त्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक कथा धारा की शुरूआत की। जैनेन्द्र जी को भारत सरकार द्वारा पदमभूषण से सम्मानित किया जा चुका है तथा साथ में साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया । सन् 1990 में इनका निधन हो गया।

प्रमुख रचनाएं–

उपन्यास परख अनाम स्वामी, सुनीता त्याग पत्र, कल्याणी

कहानी संग्रह– फाँसी, नीलम देश की राजकन्या, पाजेब आदि

निबंध संग्रह पूर्वोदय सोच–विचार आदि।

पाठ का सारांश –

लेखक ने इस अध्याय में 'बाजारवाद' पर व्यंग्य किया है। इन्होंने बताा कि पैसे के प्रभाव से हम बिना आवश्यकता के भी वस्तुएँ खरीदते जाते है। लेखक के एक मित्र बाजार में मामूली सी चीज लेने गए थे, किन्तु बाजार की जगमगाहट देखकर वे अनेक चीजें ले आए और सारा दोष अपनी पत्नी पर लगा दिया। लेखक के अनुसार यह सारा दोष केवल पैसों की ताकत का है। लेखक ने अपने दूसरे मित्र के बारे में यही अनुमान लगाया, जो बाजार से कुछ भी ना ला सके और वे अपनी पर्चेजिंग पावर के हिसाब से ही खुश है। इस प्रकार वह भी उपभोक्तावाद के शिकार है। बाजारवाद अपने आप में महत्त्वपूर्ण है। लेखक के मित्र ने भी बाजार की जगमगाहट को ही दोषी माना है। जो लोग इस जादू के शिकार हो जाते है वह अपना ही नुकसान कर बैठते है। इसका दूसरा उदाहरण यह है कि लेखक का एक मित्र बाजार की जगमगाहट में इस प्रकार फंसा कि दिनभर घूमने के बाद भी बाजार से कोई वस्तु खरीद ही नहीं पाया। लेखक के अनुसार बाजार का जादू खाली और भरी जेब दोनों पर चलता है। यदि जेब खाली है और मन भरा हुआ नहीं है तब भी बाजार अपनी ओर खींचता है औरयदि जेब भरी है तो खरीददारी तो आप खूब करेंगे। परन्तु व्यर्थ की। व्यर्थ की चीजों की खरीददारी से बाजार का जादू और ज्यादा प्रभावी होता है।

लेखक के अनुसार बाजार जाने सेपूर्व ही मन में यह दृढ़ निश्चय कर लेना चाहिए कि हमें क्या खरीदना है ? इससे व्यक्ति बाजार के जादू से अपने आपको बचा पाएगा और उसके द्वारा खरीदी गई वस्तु उसे आनन्द प्रदान करेगी।

लेखक के अनुसार व्यक्ति को अपने मनको नियंत्रित कर जीवन के सभी महत्त्वपूर्ण निर्णय सोच–विचारकर लेने चाहिए। चूर्ण बेचने वाले भगत जी का जीवन एक आदर्श जीवन है। इनका चूर्ण इतना प्रसिद्ध है कि अगर व्यापार की दृष्टि से बेचते तो वह एक धनवान व्यक्ति होता किन्तु वह निश्चित समय परघर से निकलते थे और चूर्ण की बिक्री से छः आने की कमाई हो जाती थी तभी तक चूर्ण बेचते थे बाकी का चूर्ण फ्री में बच्चों में बांट देते थे। बाजार का जादू भगत जी को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर पाता था। क्योंकि वह एक विवेकपूर्ण निर्णय लेने वाले व्यक्ति थे। कई बार बाजार में दौडती कार को देखकर हम सोचते है कि काश हम भी किसी अमीर व्यक्ति के यहां पैदा होते है। किन्तु यहां सोच भगतजी को अपनी ओर नहीं खींचती है। भगतजी के पास ऐसा कौनसा बल है जिससे उनके सामने तमाम व्यंग्य–शक्ति असफल हो जाती है। ऐसे व्यक्तियों में आध्यात्मिक, आत्मिक, धार्मिक या नैतिक बल होता है। लेखक जी के अनुसार बाजार की सार्थकता वहीं व्यक्ति दे पाता है, जिसे यह पता होता है कि उसे कब क्या और कितना खरीदना है ? अनावश्यक वस्तुएं खरीदने वाले व्यक्ति 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में बाजार की शैतानी शक्ति और व्यंग्य शक्ति को ही बढ़ावा देताहै। लेखक ने अपने दो मित्रों के उदाहरण दिए और बताते है कि अर्थशास्त्र केवल बाजार का पोषण करता है। वह अनीतिशास्त्र है। यह उपभोक्ता को दुःख, गरीबी तथा ईष्या देता है। ऐसे बाजारवाद को लेखक गलत मानते है। इस प्रकार इस अध्याय में लेखक ने आज के बढ़ते हुए उपभोक्तावाद पर व्यंग्य किया है तथा संदेश दियाहै कि हमें अपनी जरूरतों के अनुसार ही बाजार से सामान खरीदना चाहिए।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न–**

   1. 'बाजार दर्शन' पाठ के लेखक हैं ?

      (अ) जैनेन्द्र कुमार　　(ब)महादेवीवर्मा

      (स) विष्णु खरे　　(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी

   2. लेखक जैनेन्द्र कुमार का जन्म कहाँ हुआ था ?

      (अ)लखनऊ में　　(ब) बिलासपुर में

      (स) अलीगढ़ में　　(द) बनारस में

   3. किसकी गर्मी बाजार से अधिक समान खरीदने पर विवश करती है–

      (अ) मौसम की　　(ब) दिमाग की

      (स) पत्नी की　　(द) पैसे की

   4. ऊंचे बाजार का आमंत्रण कैसा होता है–

      (अ) आकर्षण　　(ब) मूक

      (स) वाचाल　　(द) भयंकर

   5. सजा–धजा बाजार क्या करता है–

      (अ) नियंत्रित　　(ब) संचालित

(स) संगठित (द) आमंत्रित

2. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

6. बाजार की असली कृतार्थता किसमें है?

7. लेखक ने बाजार का पोषण करने वाले अर्थशास्त्र का क्या नाम दिया ?

8. भगत जी क्या बेचते थे?

9. भारत सरकार द्वारा जेनेन्द्र कुमार को कौनसा सम्मान दिया?

10. बाजार दर्शन में किस बात पर जोर दिया गया है?

3. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

10. बाजार दर्शन में किस बात पर जोर दिया गया है?

11. बाजारूपन से क्या तात्पर्य है?

12. लेखक जैनेन्द्र कुमार ने बाजार के जादू के प्रभाव से बचने का क्या उपाय बताया है ?

13. कौनसे लोग फिजुल खर्ची नहीं करते?

4. **निबंधात्मक प्रश्न–**

14. बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर क्या–क्या असर पड़ता है ?

15. भगत क बारे में लेखक क्या बताते है? स्पष्ट कीजिए।

अध्याय 12

काले मेघा पानी दे

(धर्मवीर भारती)

धर्मवीर भारती (लेखक) का जीवन परिचय–

धर्मवीर भारती का जन्म सन् 1926 में इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। इन्हें पद्मश्री पुरसकार, व्यास सम्मान एवं साहित्य के अनेक सम्मानों से सम्मानित किया गया। भारती जी का सन् 1997 में निधन हो गया। इन्होंने धर्मयुग पत्रिका का संपादन किया।

प्रमुख रचना–

काव्य रचना– कनुप्रिया, सात गीत वर्ष, ठंडा लोहा कहानी–बंद गली का आखिरी मकान। उपन्यास– सूरज का सातवां थोड़ा, गुनाहों का देवता।

निबंध– ठेले पर हिमालय।

पाठ का सारांश–

'काले मेघा पानी दे' धर्मवीर भारती द्वारा लिखित संस्मरण विधा की एक रचना है। आषाढ़ के महीने में जब 15 दिनों तक भी बारिश नहीं होती, तो किशोरावस्था वाले लड़कों की 'इंदर सेना' घर–घर जाकर पानी मांगती है। 'बोल गंगा मैया की जय' का जयकारा लगाते ये लड़के गाते हुए

'काले मेघा पानी दे
गगरी फूटी बैल पियासा
पानी दें, गुडधानी दे,
काले मेघा पानी दे।

पानी की कमी होते हुए भी महिलाएं बचाकर रखा हुआ पानी भी उन पर डाल देती है। पानी डालने के बाद फिर कीचड में लेटने से इन बालकों के हाथ–पैर, पेट, बदन मुख मिट्टी में लिपट जाते हैं। इनको देखकर लोगों ने मेढ़क–मंडली का नाम दे दिया। बारिश ना होने के कारण तालाब सूख जाते है, घरों के कुओं में भी पानी नहीं रहता। ऐसे में गांव–गांव में पानी की परेशानी हो जाती है। पशु–पक्षी प्यासे मरने लगते है और यदि इतने पर भी वर्षा नहीं होती तो इंदर सेना बादलों से पानी मांगने के लिए निकल पड़ती है। ऐसे में लेखक सोचता है कि जब पानी की इतनी कमी है तो महिलाएं इंदर सेना पर पानी डालकर अपना अंधविश्वास ही क्यों देखती है।

लेखक आर्य समाजी होने के साथ ही कुमार–सुधार सभा का उपमंत्री भी था। इसलिए उसमें समाज को सुधारने का जोश है। अंधविश्वासों के विरूद्ध उसके पास सबल तर्क है। वह सभी पूजा–अनुष्ठानों को बुरा मानता है। इसलिए लेखक जी समाज में फैली सभी बुराईयों को वह जड़ से समाप्त करना चाहता है। लेखक की एक जीजी (दीदी) जिनकी लेखक जी इज्जत करते थे। वह लेखक को बहुत लाड–प्यार करती थी। जिन बातों को जीजी मान सम्मान देती थी, लेखक उनकी बातों को समाज में फैली बुराई बताते है। लेखक भी सभी त्योहारों तथा पूजा–अनुष्ठानों में उनकी मदद करता था। लेखक जीजी के बातों के सामने निरूत्तर हो जाता था। लेखक ने जीजी के कहने पर भी इंदर सेना पर पानी नहीं फेंका। जीजी के आग्रह के बाद भी लेखक ने न तो पानी फेंका और नही जीजी के लड्डू मठरी खाए। जीजी कहती है यह पानी की बर्बादी नहीं यह पानी का अर्ध्य है। कुछ पाना है तो पहले कुछ देना होता है। दान को सबसे महान कहा गया है। दान के लिए त्याग करना अनिवार्य है। अभाव की स्थिति में किया गया दान ही सच्चा त्याग होता है। पानी देकर बीज बोते है, काले बादलों से पानी मांगते है। पहले खुद दो, तो देवता तुम्हे चौगुना करके लौटाएंगे। पचास साल के बाद लेखक यह सोचता है कि हम देश के लिए क्या कर रहे है ? राजनीतिक स्वतंत्रता मिलने के बाद भी हमें अपने देश के संस्कारों की समझ अभी तक नहीं आई है। हमारी स्थिति मांगने की तो हर समय बनी रहती है, किन्तु त्याग करने में हम पीछे हट जाते है कि आज का आदमी अत्यधिक स्वार्थी हो गया है। ये बातें लेखक के मन को दुख देती है। हम चारों ओर फैल रहे भ्रष्टाचार को लेकर बातें करते है लेकिन यह नहीं है कि कहीं हम भी तो भ्रष्टाचार के शिकार नहीं बन रहे है। काले मेघ दल–बल सहित उमड़ते है पानी झमाझम बरसता है। गगरी फूटी की फूटी रह जाती है। आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ? लेखक इन्हीं प्रश्नों से अपने आपको घिरा पाता है। इस प्रकार लेखक ने इस संस्मरण में विज्ञान और विश्वास के द्वंद्व का सुंदर चित्रण किया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. 'काले मेघा पानी दें' पाठ के लेखक है–

   (अ) कृष्णा सोबती (ब) धर्मवीर भारती

   (स) रामचरण शर्मा (द) इनमें से कोई नहीं

2. अनावृष्टि दूर करने के लिए गाँव के बच्चों की टोली से चिढ़ने वाले लोग उन्हें क्या कहते है–

   (अ) मेंढक मण्डली (ब) चिपु मंडली

   (स) शरारती मंडली (द) बैल टोली

3. बच्चों की टोली पानी दे मैया कहकर किस सेना के आने की बात कहता है–

   (अ) बाल सेना (ब) राम सेना

   (स) वानर सेना (द) इंदर सेना

4. इंदर सेना किससे लथपथ होकर निकलती थी–

(अ) पसीने से | (ब) पानी से
(स) दूध से | (द) कीचड़ से

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

5. लेखक बचपन में जन्माष्टमी पर आठ दिनों तक झांकी सजाकर क्या बांटते थे?
6. लेखक इंदर सेना को क्या कहकर पुकारते थे?
7. जीजी की किस परम्परा को लेखक ने मानने से इंकार कर दिया?
8. इन्दर सेना घर–घर पानी माँगते हुए कौनसा नारा लगाती है ?
9. लेखक धर्मवीर भारती आर्य समाजी होने के साथ–साथ कौनसी सभा के उपमंत्री थे ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

10. लेखक अपनी बुद्धि के अनुसार किस बात को मानने से मना करता है ?
11. 'पानी दे गुड़धानी दे' मेघों से पानी के साथ साथ गुड़ धानी की मांग क्यों की जा रही है?
12. बचपन की घटनाओं के पचास वर्ष बाद लेखक क्या विचार कर रहा है ?

4. निबन्धात्मक प्रश्न–

13. 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में किसका वर्णन किया गया है?
14. गाँव में बच्चों की मण्डली में कौन–कौन होते थे और उस मण्डली का क्या नाम था?

अध्याय 13

पहलवान की ढ़ोलक

(फणीश्वर नाथ 'रेणु')

लेखक फणीश्वर नाथ 'रेणु' का जीवन परिचय–

फणीश्वर नाथ का जन्म सन् 1921 पूर्णिया(बिहार) में हुआ था। इनका निधन 11 अप्रैल सन 1977 को पटना में हुआ।

प्रमुख रचनाएं–

उपन्यास– मैला आँचल, परती परिकथा, दीर्घतपा

कहानी संग्रह– ठुमरी, अग्निखोर आदिम रात्रि की महक।

संस्मरण– ऋण जल धनजल, वन तुलसी की गंध ।

प्रसिद्ध फणीश्वर नाथ 'रेणु' का निधन 1977 में पटना में हुआ।

पाठ का सार–

इस अध्याय में व्यवस्था के बादलने के साथ लोक कला और इसके कलाकार के अप्रासंगिक होने की कहानी है। राजा साहब की जगह नये राजकुमार का आना पूरी व्यवस्था को पलट देता है। यह भारत पर इंडिया के छा जाने की समस्या है।

सर्दी की घोर अंधेरी रात में आकाश में केवल तारे ही चमकरहे थे। अमावस्या की रात में गीदड़ और उल्लुओं की डरावनी आवाजों सी जीवंत होने का अहसास करवा रही थी। गांव में हैजा और मलेरिया का भयंकर प्रकोप फैला हुआ था। सभी के बीच मौत का सन्नाटा व्याप्त था, केवल बच्चों की रोने की आवाज कभी–कभी सुनाई पड़ती। लोग बलपूर्वक अपने डर को छिपाते हुए भगवान का नाम स्मरण कर रहे थे। दूसरी तरफ पहलवान लुट्टन सिंह की नौ वर्ष की आयु में ही उसके माता–पिता की मृत्यु हो गई थी और बचपन में विवाह होने से सास ने उसका पालन–पोषण किया। पहलवानी की आवश्यकता व उचित खान–पान व्यवस्था मिलने के कारण सुडौल और मजबूत शरीर वाला बनगया था। सर्दियों की अंधेरी रातों में उसके ढोलक की आवाज ही पूरे गांव में जोश भरकर संजीवनी का काम करती थी। शाम होते ही उसकी ढोलक की थापकी आवाज सुनकर सभी को जीवित होने का अहसास होता था।

श्यामनगर में कुश्ती के दंगल में लुट्टन सिंह ने चांद सिंह पहलवान को चुनौती दे दी, जिसने सभी पहलवानो में 'शेर के बच्चे' की उपाधि धारण कर रखी थी। चांद सिंह अपने गुरू बादल सिंह के साथ पंजाब से आया था। कुश्ती के लिए राजा श्यामानंद से लुट्टन ने अनुमति लेकर चांद सिंह के दांव को काटकर उसकी गर्दन पकड़ ली तथा ढोल के 'धाक–धिना तिरकट–तिना का दांव–काटो, बाहर हो

जाओं। अर्थ लगाकार गर्दन पर कब्जा कर लिया। अंत में 'उठा पटक दे' लगाकर चांद सिंह को जमीन पर दे मारा। विजयी लुट्टन सिह ने ढोलक को प्रणाम किया। राजा श्यामानंद प्रसन्न होकर उसको सदा के लिए दरबार में रख दिया।

राजदरबार के पहलवान के रूप में लुट्टन सिंह को अपना स्थान मिल गया। उसने काला पहलवान को हराकर अपनी कीर्ति को दूर–दूर तक फैला दिया। लुट्टन के केवल दो ही पुत्र रह गए थे। क्योंकि उसकी सास व पत्नी का स्वर्गवास हो चुका था। पुत्र भी लुट्टन की तरह दरबार के भावी पहलवान घोषित हो चुके थे। इनके गुरू आदमी ना होकर ढोल था। राजा श्यामानंद की मृत्यु के बाद विदेश में रहने वाले राजकुमार ने सत्ता संभालते ही तीनों पहलवानों को दरबार से निकाल दिया क्योंकि उसकी रूचि रेस में थी। पहलवान गांव में मजदूरी करके अपना जीवन निर्वाह करने लगे। मलेरिया और हैजे से गांव में रोज दो–तीन लाशें उठने लगी। एक रात उसने अपने बेटों के कहने पर उठा 'दो पटक दो' बजाया, परन्तु उसके दोनों पुत्र मृत्यु को हरा नहीं सकें। अपने पुत्रों के शवों को नदी में बहा दिया, जिससे गांव वालों की हिम्मत टूट गई। पुत्रों की मृत्यु के बाद भी प्रत्येक रात लुट्टन ढोलक बजाया करता था, परन्तु एक रात ढोलक कीआवाज नहीं आने पर शिष्यों ने देखा कि पहलवान चित पड़े हैं। उसकी यही अंतिम इच्छा थी कि जबमर जाऊ तो चिता पर मुझे चित नहीं पेट के बल सुलाना। मैं जिंदगी में कभी चित नहीं हुआ और चिता सुलगाने के लिए ढोलक बजा देना।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. 'पहलवान की ढोलक' पाठ के लेखक है–

   (अ) राधाकृष्णदास — (ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी

   (स) फणीश्वरनाथ रेणु — (द) इनमें से कोई नहीं

2. लुट्टन पहलवान ने चांदसिंह को कहॉ के दंगल में हराया–

   (अ) जामनगर — (ब) श्याम नगर

   (स) चांद नगर — (द) दिल्ली

3. लुट्टन पहलवान ने कुश्ती के लिए किस पहलवान को चुनौती दी–

   (अ) बादल सिंह — (ब) चांद सिंह

   (स) गजसिंह — (द) रूप सिंह

4. लुट्टन पहलवान के कितने पुत्र थे–

   (अ) छः — (ब) तीन

   (स) एक — (द) चार

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

5. 'पहलवान की ढोलक' कहानी में किस–किस प्रकार की महामारी का वर्णन है?

6. गाँव में महामारी फैलने के बाद ढ़ोलक की आवाज का क्या असर होता है?
7. कहानी में ढ़ोलक को किस रूप में दर्शाया गया है?
8. लुट्टन पहलवान व उसके पुत्रों के गुरू कौन था ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

9. लुट्टन पहलवान क्यों प्रसिद्ध हुआ ?
10. पहलवान की ढोलक किसको ललकारती थी ?
11. घोर अंधेरी रातों में किसकी आवाज जीवित होने का अहसास करवाती व क्यों ?
12. कहानी के किस–किस मोड पर लुट्टन के जीवन में क्या–क्या परिवर्तन आए ?
13. लुट्टन पहलवान की जीवन की अंतिम इच्छा क्या थी व क्यों ?

निबंधात्मक प्रश्न–

14. 'ढोलक की आवाज' का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ?
15. कहानी में किस–किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या–क्या परिवर्तन आया?

अध्याय 14

शिरीष के फूल

(हजारी प्रसाद द्विवेदी)

लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी का जीवन परिचय–

हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म सन् 1907 में गांव आरत–दुबे का छपरा, जिला बलिया (उत्तर प्रदेश) में हुआ। उन्होंने उच्च शिक्षा काशी हिंदू विश्वविद्यालय से प्राप्त की। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार एवं पद्म भूषण अलंकरण से सम्मानित किया गया। इनका निधन 1979 में हुआ था।

प्रमुख रचनाएं–

अशोक के फूल, कुटज, कल्पता, बाणभट्ट की आत्मकथा, हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, हिन्दी साहित्य की भूमिका, कबीर आदि। अलोक पर्व पर हजारी प्रसाद द्विवेदी को साहितय अकादमी पुरस्कार दिया गया था।

पाठ का सार–

प्रस्तुत निबंध में लेखक ने आंधी, लू, गर्मी की प्रचण्डता में अविचल होकर सौंदर्य बिखेर रहे शिरीष केफूल के माध्यम से मनुष्य की अजेय जिजीविषा धैर्य और कर्त्तव्यशील बने रहने के मनवीय मूल्यों के बारे में संदेश दिया है।

जेठ की धूप में शिरीष वृक्ष के नीचे बैठकर लेखक देख रहा है कि शिरीष का पेड़, फूलों से लदा हुआ है। शिरीष के फूल बसंत से लेकर आषाढ़ तक खिले रहते है तथा उन पर उमस या लू का प्रभाव नहीं पड़ता। शिरीष का वृक्ष बड़ा और छायादार होने के कारण उसे रसोई की वाटिका में चार दीवारी के पास लगाया जाता है। संस्कृत साहित्य में शिरीष केफूल को बहुत ही कोमल समझा गया है। शिरीष के फूल अपनी कोमलता के कारण केवल भ्रमरों के पैरों का ही दबाव सह सकते है, पक्षियों तक कानहीं। जब धरती और आसमान जलते रहते है, तबभी शिरीष खिला रहने में सक्षम है। वह वायुमंडल से अपना रस खींचता रहने की ताकत रखता है।कालिदास की नायिकाएँ भी कानों में शिरीष का फूल लगाकर अपने आप में गर्व अनुभव करती है। लेखक ने शिरीष के फूल की तुलना एक अवधूत से की है, जोसुख और दुःख से निर्विकार रहता है।

शिरीष की फली इतने समय तक पेड़ पर लटकी रहतीहै कि नई फली भी आ जाती है। इसके माध्यम से लेखक यह कहना चाहता है कि पुरानों को समय रहते चले जाना चाहिए, अन्यथा नए उनको धक्का मारकर निकाल देंगे। जरा (बुढ़ापा) और मृत्यु तो सत्य है। कुछ मूर्ख समझते है कि जहाँ बने है वही देर तक बने रहे, तो शायद काल देवता से बच जाएंगे। अच्छा यही है कि हमेशा आगे बढ़ते ही रहे। कवि भी शिरीष के फूल की तरह मस्त, चिंता रहित किन्तु रस व मादक भावों से युक्त थे। कालिदास के अनुसार जो व्यक्ति फक्कड़ नहीं बना वह कवि नहीं बन पाएगा। कर्णाट–राज की प्रिया विज्जिका देवी ने गर्वपूर्वक कहा था कि ब्रह्मा, वाल्मीकि तथा व्यास से ये तीनों ही कवि थे। इन्होंने क्रमशः वेद,

रामायण, महाभारत की रचनाएं की है। इन तीनों के अलावा और कोई कवि नहीं शिरीष के फूल लेखक के मन में तरंगे पैदा कर देते है। उसे आश्चर्य होता है कि इस चिलचिलाती धूप में शिरीष इतना सरस कैसे बना रहता है ? जब शिरीष के फूल धूप वर्षा, आंधी, लू में खड़े रह सकते है तो देश मार–काट, अग्निदाह, लूट–पाट, खून–खराबा के होते हुए भी स्थिर यानी अटल दृढ़ क्यों नहीं रह सकता ?

गांधीजी तो इन्हीं परिस्थितियों में स्थिर रहे थे। लेखक के अनुसार गांधीजी भी एक अवधूत थे। उन्होंने भी शिरीष की तरह वायुमंडल से रस को खींचा था। तभी तो गांधीजी इतने कठोर एक साथ हो सके थे। लेखक जब भी शिरीष के वृक्षों को देखता है, तो उसे कष्ट होता है ऐसे सन्यासी आज कहाँ मिलते हैं। दूसरी तरफ कबीर दास को अमलतास के फूल 15 दिन खिल के मुरझाना पसंद नहीं था।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न–**

1. 'शिरीष के फूल' रचियता का नाम क्या है–

   (अ) डॉ0 नगेन्द्र — (ब) उदयशंकर भट्ट

   (स) हजारी प्रसाद द्विवेदी — (द) रामवृक्ष बेनीपुरी

2. हजारी प्रसाद द्विवेदी को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस रचना के लिए मिला ?

   (अ) सूर साहित्य — (ब) आलोक पर्व

   (स) कबीर — (द) इनमें से कोई नहीं

3. लेखक ने शिरीष की तुलना किसके साथ की–

   (अ) भिखारी के साथ — (ब) अवधुत के साथ

   (स) साधु के साथ — (द) गृहस्थ के साथ

4. किस ऋतु के आने पर शिरीष महक उठता है–

   (अ) शीत ऋतु — (ब) ग्रीष्म ऋतु

   (स) बसंत ऋतु — (द) वर्षा ऋतु

2. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

5. द्विवेदी जी शिरीष का फूल नामक पाठ में किस महान कवि का उल्लेख किया है?

6. लेखक ने शिरीष को किसकी संज्ञा दी है ?

7. लेखक ने शिरीष के फूल का मूर्ख क्यों कहा है?

8. लेखक ने शिरीष के फूलों की तुलना किससे की है ?

3. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

9. कर्नाट–राज की प्रिया विज्जिका देवी ने किन्हें कवि माना और क्यों ?

10. संस्कृत साहित्य में शिरीष की महिमा का उल्लेख किस प्रकार किया गया है ?

11. शिरीष के नए फूलों पत्तों और पुराने फलों को देखकर लेखक को किसकी याद आ जाती है?

4. **निबंधात्मक प्रश्न–**

12. लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत (संन्यासी) की तरह क्यों माना है ?

13. कोमल और कठोर दोनों भाव किस प्रकार गाँधीजी के व्यक्तित्व की विशेषता बन गये?

अध्याय 15

श्रम विभाजन और जाति प्रथा

(बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर)

राष्ट्र रत्न डॉ. अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को महू (मध्यप्रदेश) में हुआ था। बाबा साहेब ने समाज और राजनीति में बेहद सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्होंने अछूतों, स्त्रियों और मजदूरों को मानवीय अधिकार व सम्मान के लिए अथक संघर्ष किया। 6 दिसम्बर, 1956 को दिल्ली में इनका देहावसान हुआ था।

प्रमुख रचनाएं–

द कास्ट्स इन इण्डिया, देयर मेकेनिज्म, बु;द्ध एण्ड हिजधम्मा, द राइज एण्ड फॉल ऑफ द हिन्दू वीमैन, मूकनायक आदि।

पाठ का सार–

प्रस्तुत पाठ अम्बेडकर के विख्यात भाषण 'इनीहिलेशन ऑफ कास्ट के हिंदी रूपांतर के दो प्रकरणों के तौर पर है। आज के जाति–मजहब आधारित विषाक्त सामाजिक राजनैतिक माहौल में इनकी प्रासंगिकता और बढ़ गई है।

आधुनिक समाज कार्यकुशलता के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है और चूँकि जाति प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है। इसलिए इसमें कोई बुराई नहींहै। इस तर्क के संबंध में यह बात आपत्तिजनक है कि जाति–प्रथा श्रम विभाजन के साथ–साथ श्रमिक विभाजन का भी रूप लिए हुए है। समाज में प्रचलित जाति–प्रथा को गलत ठहराकर कार्य कुशलता के आधार पर श्रम विभाजन करने सेव्यक्ति की निजी क्षमता का सदुपयोग नहीं हो पाता। जाति प्रथा एक ओर तो मनुष्य को जीवन भर किसी पेशे के साथ बांध देती है, तो दूसरी ओर यदि कभी भी पेशा बदलने की आवश्कता पड़ जाए तो भूखे मरने के अलावा और कोई उपाय नहीं छोड़ती है। इस प्रकार का विभाजन मनुष्य में काम के प्रति अरूचि और उसे टालने की प्रवृत्ति का कारण बनता है।ऐसी स्थिति में जहां काम करने वालों का न दिल लगता हो न दिमाग, वहां कोई कुशलता कैसे प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार यह प्रथा मनुष्य को कम काम करने के लिए प्रेरित करती है। जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है, क्योंकि हिन्दू धर्म में अपनी रूचि के अनुसार पेशा चुनने की आजादी बेरोजगारी का एक मुख्य कारण है। जाति प्रथा आर्थिक रूप से हानिकारक हैं। जाति प्रथा पर आधारित श्रमविभाजन मनुष्य की इच्छा पर निर्भर नहीं रहता है। यह मनुष्यों की स्वभाविक प्रेरणा, रूचिव आत्मशक्ति को दबाकर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़कर निष्क्रिय बना देती है।

आदर्श समाज– आदर्श समाज की परिकल्पना करते हुए इसमें स्वतंत्रता समता, भ्रातृत्व को उसका आधार बताया गया है। लेखक के अनुसार, समाज को गतिशील होना चाहिए, जो हर प्रकार के परिवर्तन को स्वीकार कर सके। समाज इस प्रकार को होना चाहिए जिसमें लोगों में अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो। समाज में भाईचारा इस प्रकार का होना चाहिए जैसे– दूध और पानी का मिलाप अर्थात भेदभाव से रहित।

लोकतांत्रिक शासन पद्धति वाला समाज होना चाहिए। जाति प्रथा वाले समाज में अपना व्यवसाय चुनने की किसी को स्वतंत्रता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि जाति प्रथा के आधार पर समाज को दासता में जकड़ा जाता है। दास्ता में यह स्थिति भी सम्मिलित है, जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकतीहै। इसमें वंश, परम्परा और सामाजिक उत्तराधिकार को छोड़कर क्षमता के विकास को प्रोत्साहन देने पर बल दिया गया है। समाज में यदि हमें अपने सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करनी है, तो हमें सभी को समान अवसर प्रदान करने होंगे। एक राजनीतिज्ञ के लिए भी व्यावहारिक रूप से यही सिद्धान्त होना चाहिए कि अब मनुष्यों के साथसमान व्यवहार किया जाए।

राजनीतिज्ञ समान व्यवहार इसलिए नहीं करता, क्योंकि इससे वर्गीकरण एवं श्रेणीकरण संभव हो पाता है। इस प्रकार 'समता' यद्यपि काल्पनिक जगत की वस्तु है, फिर भी राजनीतिज्ञ के लिए सभी परिस्थितियों को दृष्टि में रखते हुए यही मार्ग सही है, क्योंकि व्यवहारिक भी है और यही उसके व्यवहार की एकमात्र कसौटी भी है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक .... कारण बनी हुई है–

   (अ) प्रत्यक्ष (ब) प्रमुख

   (स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

2. 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के लेखक है–

   (अ) नंद दुलारे वाजपयी (ब) भीमराम अम्बेडकर

   (स) धर्मवीर भारती (द) इनमें से कोई नहीं

3. भीमराव आम्बेडकर जी का जन्म कहाँ हुआ था ?

   (अ) गुजरात (ब) महाराष्ट्र

   (स) बिहार (द) मध्यप्रदेश

4. निम्नलिखित में से कौनसी आम्बेडकर की रचना है?

   (अ) नाखून क्यों बढ़ते है। (ब) गोदान

(स) झांसी की रानी (द) मूक नायक

5. भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका किसकी है?

(अ) भीमराव अम्बेड़कर (ब) ज्योतिबा फूले

(स) रामगोपालाचारी (द) महात्मा गाँधी

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

6. भारत में प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को कौनसी जयंती मनाई जाती है ?

7. दृष्टि में विडंबना की बात क्या है?

8. लेखक भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण किसे मानते है ?

9. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जी के अनुसार आदर्श समाज को कैसा होना चाहिए ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

10. भीमराव अम्बेडकर ने पाठ के किन पहलुओं में जाति प्रथा को एक हानिकारक प्रथा के रूप में दिखाया है?

11. लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप किसे कहा गया है ?

12. जाति भारतीय समाज में श्रम विभाजन का स्वभाविक रूप क्यों नहीं कही जा सकती?

निबंधात्मक प्रश्न–

13. लेखक द्वारा आदर्श समाज के कितने तत्व बताये गये ? स्पष्ट कीजिए।

14. लेखक आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न से भी बड़ी समस्या किसे मानते है और क्यों?

अध्याय–1

सिल्वर वैडिंग

मनोहर श्याम जोशी

लेखक परिचय– लेखक मनोहर श्याम जोशी का जन्म सन् 1935 में कुमाऊँ में हुआ था। दिनमान पत्रिका एवं साप्ताहिक हिन्दुस्तान में संपादक के रूप में कार्य किया। भारतीय दूरदर्शन के प्रथम धारावाहिक 'हम लोग' के लिए कथा लेखन का कार्य किया। निधन सन् 2006 में दिल्ली में।

प्रमुख रचनाएं– कुरू–करू स्वाहा, कसप, हरिया हरक्यूलीज की हैरानी, हमजाद, क्याप (कहानी संग्रह) लखनऊ मेरा लखनऊ, पश्चिमी जर्मनी पर एक उड़ती नजर (संस्मरण संग्रह) हम लोग, बुनियाद, मुंगेरी लाल के हसीन सपने (टेलीविजन धारावाहिक) 'क्याप' के लिए सन् 2005 के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पाठ का सार– इस पाठ में पीढ़ी के अंतराल का चित्रण किया गया है। वर्तमान युग में यशोधर बाबू परम्परागत मूल्यों को हर स्थिति में बचाये रखना चाहते है। उनका सिद्धान्त पसंद होना घर व दफ्तर के लोगों के लिए सिरदर्द बन गया था। यशोधर बाबू को दिल्ली में रहने में 'किशन दा ने मदद की। अतः वे उनके आदर्श बन गये।

इस कहानी के मुख्य पात्र यशोधर बाबू के तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा भूषण विज्ञापन कम्पनी में काम करता है। दूसरा बेटा आई.ए.एस. की तैयारी कर रहा है और तीसरा बेटा छात्रवृत्ति लेकर अमेरिका जा चुका है। बेटी भी डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए अमेरिका जाना चाहती है। यशोधर बाबू बच्चों की तरक्की से खुश है किन्तु संस्कारों के कारण वे दुविधा में है। उनकी पत्नी ने स्वयं को बच्चों की सोच के साथ ढ़ाल लिया है। दफ्तर में विवाह की पच्चीसवीं सालगिरह के दिन दफ्तर के कर्मचारी उनसे जलपान के लिए पैसा मांगते है। जो वे अनमने ढंग से देते हैं क्योंकि उन्हें फिजूलखर्ची पसंद नहीं है।

बच्चे घर पर सिल्वर वेडिंग की पार्टी रखते है, जो यशोधर बाबू के उसूलों के खिलाफ था। बेटे का जरूरत से ज्यादा तनखाह पाना, तनखाह की रकम स्वयं खर्च करना, उनसे किसी बात पर भी सलाह न मांगना और दूध स्वयं न लेकर उन्हें ड्रेसिंग गाउन पहनकर दूध लेने जाने की बात कहना– आदि बातें यशोधर बाबू को बुरी लगती है। जीवन के इस मोड पर वे स्वयं को अपने उसूलों के साथ अकेला पाते हैं।

'जो हुआ होगा' तथा 'समहाउ इंप्रापर' के दो जुमले इस कहानी के बीज वाक्य हैं।'जो हुआ होगा' में ज्यों–का–त्यों स्वीकार लेने का भाव है तो 'समहाउ इंप्रापर' में एक अनिर्णय की स्थिति भी है। इस प्रकार इस अध्याय में पुराने सिद्धान्त और आधुनिक पीढ़ी की विचारधारा के विरोधाभास को प्रदर्शित किया गया है।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. सिल्वरवेडिंग पाठ के लेखक का नाम क्या है–

(अ) फणीश्वर नाथ रेतु (ब) मनोहर श्याम जोशी

(स) नंद दुलारे वाजपेयी (द) मनोहर वर्मा ( )

2. यशोधर बाबू किसको अपना आदर्श मानते थे–

(अ) भूषण को (ब) किशनदा को

(स) अपनी पत्नी को (द) अपने साले को ( )

3. 'सिल्वर वैडिंग' पर आभूषण ने अपने पिता को क्या उपहार दिया–

(अ) घड़ी (ब) पैंट

(स) पैंट और कमीज (द) ऊनी ड्रेसिंग गाउन ( )

4. सिलवर वेडिंग कहानी के कथानायक का नाम क्या है–

(अ) भूषण (ब) चड्ढ़ा

(स) यशोधर बाबू (द) किशनदा ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

5. 'सिल्वर वेडिंग' कहानी में किस बात पर प्रकाश डाला गया?

6. जब सब्जी लेकर यशोधर घर पहुंचे तो उनकी दशाकैसी थी?

7. वैडिंग कहनी में 'सिल्वर वेडिंग' का क्या अर्थ है?

8. 'सिल्वर वेडिंग' कहानी किस बात पर जोर देती है? और कौनसी जीवन शैली का विरोध करती है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

9. यशोधर बाबू के साथ दफ्तर में क्या घटना हुई थी?

10. बेटी की सलाह पर यशोधर बाबू की पत्नी क्या करने लगी थी?

अध्याय–2

जूझ

आनंद यादव

लेखक परिचय–लेखक आनंद यादव का जन्म सन 1935 में कागल, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) में हुआ। इनका पूरा नाम आनंद रतन यादव था। मराठी एवं संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की।
रचना– इनकी लगभग 25 पुस्तकें प्रकाशित हुई है। इनकी रचना नटरंग को भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाजा गया। 'जूझ' अपन्यास पर इन्हें सन् 1990 में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ।
पाठ का सार– प्रस्तुत पाठ लेखक के उपन्यास 'जूझ' का अंश है। यह एक किशोर के देखे और भोगे हुए ग्रामीण जीवन की वास्तविकता और उसके रंगारंग परिवेश की विश्वसनीय जीवंत गाथा है। यह निम्न मध्यमवर्गीय ग्रामीण समाज और लड़ते जूझते किसान मजदूरों के संषर्ष की अनूठी झांकी है।
'जूझ' पाठ आनंद यादव द्वारा रचित स्वयं के जीवन संघर्ष की कहानी है। लेखक पढ़–लिखकर जीवन में आगे बढ़ना चाहता था परन्तु दादा ने अपने स्वार्थों के कारण उसकी पढ़ाई छुड़वा दी थी। लेखक योजना बनाकर अपनी मॉ को गांव के प्रतिष्ठित व्यक्ति दत्ता जी राव के पास लेकर गया। दत्ता जी राव ने दादा को खूब फटकारा तथा लेखक को पाठशाला भेजने को कहा। दादा ने लेखक के पाठशाला से आने के बाद खेती का कार्य करने की शर्त पर पाठशाला भेजने की बात मान ली। आनंद की पढ़ाई प्रारंभ हुई। आनंद ने कक्षा के मॉनीटर वसंत पाटिल से दोस्ती करली। आनंद को गणित मंत्री नामक मास्टर पढ़ाते थे। आनंद की पढ़ाई से खुश होकर उसे आनंदा कहने लगे। मराठी न.पा. सौंदलगेकर मास्टर पढ़ाते थे। इन्होंने आनंद के हृदय में एक गहरी, छाप छोड़ी। कई परेशानियों से जूझते हुए भी आनंद ने शिक्षा का दामन नहीं छोड़ा। सोंदलगेंकर की प्रेरणा से आनंद ने भी कविताओं में रूचि लेनी प्रारंभ की। उसने खेतों में काम करते करते कविताएं कंठस्थ की। बालक का आत्मविश्वास बढ़ने लगा और उसकी काव्य–प्रतिभा में निखार आने लगा। शब्दों का महत्त्व उसकी समझ में आने लगा।
पाठ में लेखक की पढ़ने की तीव्र लालसा, लक्ष्य के प्रति एकाग्रता, आत्मविश्वास, लगन तथा कविता के प्रति झुकाव आदि विशेषताएं मिलती है। इस प्रकार प्रस्तुत अंश में लेखक आनंद यादव ने अपने जीवन की घटनाओं का वर्णन किया है तथा बताया है कि हमें जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना करते हुए पढ़ने के प्रति ललक बनाये रखनी चाहिए।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. 'जूझ' पाठ के रचियता का नाम है–

(अ) रघुवीर सहाय　　(ब) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(स) आनंद यादव　　(द) फणीश्वरनाथ रेणु　　( )

2. 'जूझ' अपन्यास मूलतः किस भाषामें रचित है–

(अ) मराठी	(ब) गुजराती	
(स) अवधी	(द) ब्रज	( )

3. पढ़ाई के लिए लेखक किसके पास गये–

(अ) दत्ताजी राव	(ब) दादा	
(स) सौंदलगेकर	(द) इनमें से कोई नहीं	( )

4. 'जूझ' निम्न से किस प्रकार की रचना है–

(अ) उपन्यास	(ब) नाटक	
(स) निषेध	(द) इनमें से कोई नहीं	( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

5. कहानी का मुख्य संदेश क्या है?
6. आनंद यादव को विद्यालय जाने के लिए किसने प्रेरित किया?
7. आनंद की कक्षा का मॉनीटर कौन था ?
8. दत्ताजी राव देसाई कौन थे?

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

9. 'जूझ' कथा के नायक की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।
10. 'दत्ता जी राव' ने लेखक की पढ़ाई की समस्या का हल किस प्रकार किया।

अध्याय–3

अतीत में दबे पॉव

ओम थानवी

लेखक परिचय– लेखक ओम थानवी का जन्म 1957 जोधपुर राजस्थान में हुआ। इन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से व्यावसायिक प्रशासन में एम.कॉम किया। ये एडीटर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया के महासचिव रहे। इतवारी पत्रिका का संपदान किया। पत्रकारिता के लिए इन्हें गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार प्रदान किया गया। ये वर्तमान में जनसत्ता में संपादक के रूप में कार्यरत।

पाठ का सार –प्रस्तुत पाठ में वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित मुअनजो–दडो और हड़प्पा शहरों का विस्तृत वर्णन किया गया है। मुअनजो–दड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का केंद्र रहा था। इसकी जनसंख्या लगभग 85000 रही होगी। मुअनजो–दडों में सबसे ऊँचे चबूतरे पर बड़ा बौद्ध स्तूप है। जिसकी ऊँचाई 25 फुट है। भारत की सिंधु घाटी सभ्यता सबसे प्राचीन सभ्यता है।

यह सभ्यता सबसे सुंदर एवंपूर्णतः विकसित थी। स्तूप वाले चबूतरे के पीछे गढ और ठीक सामने 'उच्च' वर्ग की बस्तियाँ थी। उसके पीछे पॉच किलोमीटर दूर सिंधु नदी बहती है। इस सभ्यता में संपन्न वर्ग की बस्तियाँ पाई गई हैं।

यहाँ पर पक्की ईंटों का एक कुण्ड है, जिसमें पानी की निकासी का उचित प्रबंध पाया गया। यह पच्चीस फुट चौड़ा तथा सात फुट गहरा है। इस कुंड के निर्माण में प्रयोग की गई वस्तुओं को आज भी सिद्ध वास्तुकला का एक श्रेष्ठ नमूना माना जाता है।

इस नगर के लोग मूलतः खेतिहर और पशुपालक ही थे। पत्थर और तांबे काप्रयोग अधिक था। पत्थर सिंध में और तांबे की खाने राजस्थान में थी। यहाँ मुख्यतः गेहूँ, जौ, सरसों, चने, कपास, खजूर, खरबूजा और अंगूर का उत्पादन किया जाता था।

पानी की निकासी का उचित प्रबंध था। नालियाँढ़की हुई थी। कुओं का प्रबंध आवश्यकतानुसार किया जाता था।

मुअनजो–दड़ों में स्थित इससे संबंधित अजायबघर छोटा ही है। इसमें काला पड़ गया गेहूँ, ताँबे और कांसे के बर्तन, मुहरें, चाक पर बने विशाल मृदभांड, उन–पर काले भूरे चित्र, चौपड़ की गोटियाँ, ताँबे का आईना और पत्थर के औजार संग्रहित है।

इस सभ्यता में नदी, कुएँ, कुण्ड स्नानागार और बेजोड़ जल निकासी होने के कारण लेखक ने इसे जल संस्कृति भी कहा है। इस प्रकार इस अध्याय में लेखक ने अपनी मअनजो–दडो की यात्रा के दौरान देखी गई विशेषताओं का वर्णन किया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'अतीत में दबे पॉव' पाठ के लेखक कौन है?

(अ) आलोक धन्वा (ब) ओम थानवीं

(स) रामचरण गोस्वामी (द) आनन्द यादव ( )

2. ओम थानवी का जन्म कहाँ हुआ?

(अ) उत्तर प्रदेश (ब) मध्यप्रदेश

(स) जोधपुर (राजस्थान) (द) इनमं से कोई नहीं ( )

3. मुअनजोदड़ों शहर वर्तमान में स्थित है?

(अ) चीन (ब) पाकिस्तान

(स) श्रीलंका (द) इनमें से कोई नहीं ( )

4. ढ़ाढी वाली मूर्ती का नाम क्या रखा गया है–

(अ) मुख्य नरेश (ब) धर्म नरेश

(स) याचक नरेश (द) अवगोण नरेश ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

5. सिन्धु सभ्यता की विशेषता क्या है?

6. मुअनजो–दडों कितने हजार साल पहले का माना जाता है?

7. मुअनजो–दड़ों सभ्यता के लोगों के जीवन यापन का क्या तरीका था?

8. मुअनजो–दड़ों सभ्यता में पत्थर व तांबा कहाँ से प्राप्त होता था?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

9. लेखक ने मुअनजो–दड़ों सभ्यता को जल–संस्कृति क्यों कहा है?

10. मुअनजो–दड़ो शहर में स्थित अजायबघर में रखे गये पुरातत्व के अवशेष कौन–कौन से है?

अपठित पद्यांश

(1)

मेरी–भूमि तो है पुण्यभूमि वह भारती,
सौ नक्षत्र–लोक करें आके आप आरती।
नित्य नये अंकुर असंख्य वहाँ फूटते,
फूल झड़ते हैं, फल पकते हैं, टूटते।
सुरसरिता ने वहीं पाई हैं सहेलियाँ,
लाखों अठखेलियाँ, करोड़ों रंगरेलियाँ।
नन्दन विलासी सुरवृन्द, बहु वेशों में,
करते विहार हैं हिमाचल प्रदेशों में।
सुलभ यहाँ जो स्वाद, उसका महत्त्व क्या ?
दुःख जो न हो तो फिर सुख में है सत्त्व कया ?
दुर्लभ जो होता हे, उसी को हम लेते हैं,
जो भी मूल्य देना पड़ता है, वही देते हैं।
हम परिवर्तनमान, नित्य नये हैं तभी,
ऊब ही उठेंगे कभी एक स्थिति में सभी।
रहता प्रपूर्ण है हमारा रंगमंच भी,
रूकता नहीं है लोक नाट्य कभी रंच भी।

1. हिमाचल प्रदेश की क्या विशेषता बताई गयी है?
2. कवि ने पुण्य भूमि किस कहा है ?
3. पृथ्वीवासियों को 'नित्य नये' क्यों कहा गया है ?
4. 'दुःख' शब्द का विलोम बताइये।

   (अ) सुख (ब) खुश (स) शान्ति (द) सुलभ ( )

(2)

शान्ति नहीं तब तक, जब तक
सुख भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो,
नहीं किसी को कम हो।
ऐसी शान्ति राज्य करती हैं
तन पर नहीं, ह्रदय पर, नर के ऊँचे विश्वासों पर,
श्रद्धा, भक्ति, प्रणय पर।

न्याय शान्ति का प्रथम न्यास है,
जब तक न्याय न आता
जैसा भी हो, महल शान्ति का
सुदृढ़ नहीं रह पाता।
कृत्रिम शान्ति सर्शक आप
अपने से ही डरती है।
खड्ग छोड़ विश्वास किसी का
कभी नहीं करती है।

1. शान्ति का प्रथम न्यास कौनसा है ?
2. न्याय नहीं मिलने पर क्या होगा ?
3. ''कृत्रिम शब्द'' का विलोम शब्द लिखिये।

   (अ) प्राकृतिक (ब) कृत्रिम (स) सुदृढ़ (द) विश्वास ( )
4. पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(3)

मन की बँधी उमंगें असहाय जल रही हैं,
अरमान–आरजू की लाशें निकल रही हैं।
भीगी–खुली पलों में राते गुजारते हैं,
सोती वसुन्धरा जब तुमको पुकारते है।
इनके लिए कहीं से निर्भीक तेज ला दे,
पिघले हुए अनल का इनको अमृत पिला दे
आमर्ष को जगाने वाली शिखा नयी दे,
अनुभूतियाँ ह्रदय में दाता, अनलमयी दे।

1. कौनसी उमंगे असहाय जल रही है ?
2. लाशे किसकी निकल रही है?
3. श्रमिक लोग रातें कैसे गुजारते हैं ?
4. वसुन्धरा शब्द से क्या तात्पर्य है?

(4)

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे
गीत गाकर में जगाने आ रहा हूँ
अलत अस्ताचल तुम्हें जाने न दूँगा।

अरूण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।
कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से मुड़कर सिहरते रहे तुम,
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा,
आज धरती पर बसाने आ रहा हूँ।
सुख नहीं यह, नींद में सपने सँजोना,
दुख नहीं यह, शीश पर गुरू भार ढोना,
शूल तुम जिसको समझते थे अभी तक,
फूल मैं उसकों बनाने आ रहा हूँ।

1. कवि ने किसे सुख और दुःख नहीं माना है?
2. 'फूल और शूल' से कवि का क्या आशय है?
3. आकाश और फूल शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(अ) नभ और पुष्प (ब) शशि और शुल (स) अम्बर और धरती (द) फल, आकाश ( )

4. गहरी नींद से कौन जगाने आ रहा है ?

(5)

कटि विन्ध्याचल सिन्धु चरण तल
महिमा शाश्वत गााता।
हरे खेत, लहरे नद निर्झर
जीवन शोभा उर्वर,
विश्व कर्म रत कोटि बाहु कर
अगणित पद ध्रुव पथ पर
प्रथम सभ्यता ज्ञाता, साम ध्वनित गुण गाथा,
जय नव मानवता निर्माता,
सत्य अहिंसा दाता।
जय हे जय हे जय है, शान्ति अधिष्ठााता
प्रयाण तूर्य बज उठे,
पटह तुमुल गरज उठे।
विशाल सत्य सैन्य, लौह भुज उठे।
शक्ति स्वरूपिणि, बहुबल धारिणि, वन्दित भारत माता।

1. भारत माता की महिमा कौन गाता है ?
2. भारत माता किस रूप में वन्दित बताई गयी है?

3. सत्य अंहिसा का दाता किसको माना गया है?

4. 'जय है जय है जय है' पंक्ति में कौनसा अलंकार है।

(अ) अनुप्रास (ब) यमक (स) उपमा (द) उत्प्रेक्षा ( )

(6)

बैठे हुए हो व्यर्थ क्यों ? आगे बढ़ो ऊँचे चढ़ों,
है भाग्य की क्या भावना ? अब पाठ पौरूष का पढ़ो।
है सामने का ग्रास भी मुख में स्वंय जाता नहीं।
हाँ, ध्यान उद्यम का तुम्हें तो भी कभी आता नहीं।

जों लोग पीछे थे तुम्हारे बढ़ गये हैं बढ़ रहे,
पीछे पड़े तुम देव के सिर दोष अपना मढ़ रहें।
पर कर्म–तैल बिना कभी विधि–दीप जल सकता नहीं,
है दैव क्या ? साँचे बिना कुछ आप ढल सकता नहीं।

आओ, मिले सब देश–बान्धव हार बनकर देश के,
साधक बनें सब प्रेम से सुख शान्तिमय उद्देश्य के।
क्या साम्प्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो।

1. जीवन में आगे बढ़ने के लिए किस भावना की जरूरत है ?
2. आपसी एकता के लिए क्या करना अपेक्षित रहती है ?
3. 'साम्प्रदायिक' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय का नाम लिखिए।

(अ) सम्प्रदासय और इक (ब) समाज और इक

(स) साम्प्रदायिक और दायिक (द) साम्प्रदाय और दायिक ( )

4. इस काव्यांश में कवि ने किन्हें सम्बोधित किया हैं ?

(7)

नर हो, न निराश करो मन को,
कुछ काम करो, कुछ काम करो।
जग में रहकर कुछ नाम करो,
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो।
समझो, जिसमें यह व्यर्थ न हो,
नर हो, न निराश करो मन को।
सँभलो के सुयोग न जाय चला,

कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला।
समझो जग को न निरा सपना,
पथ आप प्रशस्त करो अपना।
अखिलेश्वर हैं अवलम्बन को,
नर हो, न निराश करो मन को।
प्रभु ने तुमको कर दान किये,
सब वांच्छित वस्तु विधान किये।
तुम प्राप्त करो उनको न अहो,
फिर है किसका वह दोष कहो ?
समझों न अलभ्य किसी धन को,
नर हो न निराश करो मन को।

1. 'यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो' मनुष्य का जन्म किस उद्‌देश्य के लिए हुआ है ?
2. ईश्वर ने मनुष्य को कौनसी विशिष्ट चीज दी है ?
3. प्रस्तुत कविता में क्या संदेश निहित है ?
4. 'सुयोग' शब्द का विलोम शब्द लिखिए।

(अ) योग (ब) सुयोग (स) सफल (द) संयोग ( )

(8)

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु–मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिये,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु–प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरें।।
उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखण्ड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरें।
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

1. कवि किससे नहीं डरने की बात कही है ?
2. पशु–प्रवृति क्या बताई गई है ?
3. सृष्टि में किसकी किसकी कीर्ति का प्रसार होता है ?

4. 'सजीव' शब्द का विलोम शब्द लिखिए।

(अ) निर्जिव (ब) असजीव (स) जिवित (द) जीव ( )

(9)

ओ हिमानी चोटियों के सजग प्रहरी
तंग सूनी घाटियों के सबल रक्षक,
तू न एकाकी समझना आपको,
देश तेरे साथ अन्तिम श्वास तक।

तू सिपाही सत्य का स्वातन्त्रय का है,
न्याय का और शांति का है तू सिपाही,
प्राण देकर प्राण के ओ प्रबल प्रहरी!
जा रहा तू देश हित बलि पंथ राही!

ज कि तेरे साथ हैं इस देश का बल,
साथ तेरे देश की हर भावना है,
साथ धन जन, साथ तन मन
साथ, तेरी विजय की शुभ कामना है!

(10)

1. 'हिमानी के सजग प्रहरी' किसके लिए कहा गया है?
2. सिपाही को किसका रक्षक बताया गया है ?
3. ''जा तेरे साथ है'' सिपाही के साथ कौन है ?
4. प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक बताइये।

सावधान, मनुष्य!यदि विज्ञान है तलवार,
तो उसे दे फेंक, तज कर मोह स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी नादान,
फूल–काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान!
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।
रसवती भू के मनुज का श्रेय,
यह नहीं विज्ञान कटु, आग्नेय।
श्रेय उसका प्राण में बहती प्रणय की वायु,
मनवों के हेतु अर्पित मानवों की आयु।

1. मानवता के कल्याण के लिए कवि क्या चाहता हे ?

2. कवि ने आग्नेय किसे कहा है?
3. फूल–काँटों की किसे पहचान नहीं है?
4. उपयुक्त पद्यांश का शीर्षक बताइयें।

अपठितपद्यांश

प्रश्न निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(1)

देश की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में स्वदेश–प्रेम का होना परमावश्यक हैं। जिस देश के नागरिकों में देशहित एवं राष्ट्र–कल्याण की भावना रहती है, वह देश उन्नतिशील होता है। देश–प्रेम के पूत–भाव से मण्डित व्यक्ति देशवासियों की हित–साधना में, देशोद्धार में तथा राष्ट्रीय प्रगति में अपना जीवन तक न्यौछावर कर देता है। हम अपने देश के इतिहास पर दृष्टिपात करें, तो इस देश–भक्तों की लम्बी परम्परा मिलती है। जिन्होंने अपना सर्वस्व समर्पण करके स्वदेश–प्रेम का अद्भुत परिचय दिया है। महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी, सरदार भगतसिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी आदि सहस्त्रों देश–भक्तों के नाम इस दृष्टि से लिए जाते हैं। हमें अपने देश के इतिहास से देश–प्रेम की एक गौरवपूर्ण परम्परा मिलती है और इससे हम देश–हितार्थ सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं।

1. लेखक के अनुसार कौनसा देश उन्नतिशील होता है ?
2. देश की सर्वागीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में किसका होना परमावश्यक है ?
3. ''स्वेदश'' शब्द में मूल शब्द व उपसर्ग बताइए।

   (अ) देश व स्व (ब) स्व व देश (स) स्वे व दश (द) देश व स्वे ( )
4. अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(2)

गाँधीजी के अनुसार शिक्षा शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का विकास करने का माध्यम है। वे 'बुनियादी शिक्षा' के पक्षधर थे। उनके अनुसार प्रत्येक बच्चे को अपनी मातृभाषा की निःशुल्क एंव अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए जो उसके आस–पास की जिन्दगी पर आधारित हो; हस्तकला एवं काम के जरिए दी जाए, रोजगार दिलाने के लिए बच्चे को आत्मनिर्भर बनाए तथा नैतिक एवं आध्यत्मिक मूल्यों का विकास करने वाली हो। गाँधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे तथा उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक एवं राजनीतिक आन्दोलनों में भाग लेकर भारतीय समाज एवं राजनीति में इन मूल्यों को स्थापित करने की कोशिश की। गाँधीजी की सारी सोच भारतीय परम्परा की सोच है तथा उनके दिखाए मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण राष्ट्र वास्तविक स्वतन्त्रता, सामाजिक सद्भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है। भारतीय समाज जब–जब भटकेगा तब–तब गाँधीजी उसका मार्गदर्शन करने में सक्षम रहेंगे।

1. गाँधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए ?
2. गाँधीजी की सोच किस प्रकार की सोच है?
3. 'सामाजिक' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइए।

   (अ) समाज व इक (ब) इक व समाज (स) सामाजिक व इक (द) सामा व जिक ( )

4. अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(3)

मानव जीवन का सर्वतोमुखी विकास ही शिक्षा का उद्देश्य हैं। मनुष्य के व्यक्तित्व में अनेक प्रकार की शक्तियाँ अन्तर्निहित रहती हैं, शिक्षा इन्हीं शक्तियाँ का उद्घाटन करती हैं। मानवीय व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करने का कार्य शिक्षा द्वारा ही सम्पन्न होता हैं। सृष्टि के प्रारंभ से लेकर आज तक मानव ने जो प्रगति की है, उसका सर्वाधिक श्रेय मनुष्य की ज्ञान–चेतना को ही दिया जा सकता हैं। मनुष्य में ज्ञान–चेतना का उदय शिक्षा द्वारा ही होता हैं। बिना शिक्षा का मनुष्य का जीवन पशु–तुल्य होता हें। शिक्षा ही अज्ञान रूपी अंधकार से मुक्ति दिलाकर ज्ञान का दिव्य आलोक प्रदान करती है। विद्या मनुष्य को अज्ञान के बंधन से मुक्त करती है।

1. शिक्षा का उद्देश्य किसे बताया गया हैं ?
2. मनुष्य में ज्ञान–चेतना का उदय किसके द्वारा होता है ?
3. 'मानवीय' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइये।
4. अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(4)

जब हम भारतीय साहित्य की एकता की चर्चा करते हैं तब हमारा आशय भारतवर्ष की भिन्न–भिन्न भाषाओं की साहित्य समाश्रयता से होता है। यदि हम आज की हिन्दी, बंगला, मराठी, गुजराती अथवा दक्षिणी भाषाओं के साहित्य को देखें, तो उनमें थोड़ा–बहुत अन्तर भी दिखेगा। परन्तु सार रूप में प्रवृत्तियाँ प्राय एक–सी ही पाई जाती हैं। विभिन्न प्रदेशों और जनपदों की सांस्कृतिक विशेषताओं की छाप इन साहित्यों में प्राप्त होती है, जो स्वाभाविक हैं। साहित्य के विविध रूपों में से किसी भाषा में किसी रूप की विशिष्टता भी मिलती है। उदाहरण के लिए आज के मराठी साहित्य में नाटकों की स्थिति अपेक्षाकृत अधिक अच्छी है, वैयक्तिक निबंध भी उनके यहाँ अधिक परिणाम में लिखे जा रहे हैं। यह उनकों प्रासंगिक विशेषता है। इसी प्रकार वैभिन्न्य के भीतर एक मूलभूत एकता है, जिसे हम भारतीय साहित्य की एकता कह सकते हैं।

1. भारतीय साहित्य की एकता का विस्तृत आशय क्या है ?
2. साहित्य में किसकी छाप होती है ?
3. 'स्वभाविक' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय बताइए।

   (अ) स्वभाव व इक (ब) स्व+भाव व इक

   (स) स्व व भाविक (द) इक व स्वाभाव (   )
4. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।

(5)

तुलसी हमारे जातीय जन–जागरण के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं उनकी कविता की आधारशिला जनता की एकता हैं। मिथिला से लेकर अवध और ब्रज तक चार सौ साल से तुलसी की सरस वाणी नगरों और गाँवों में गूँजती हैं। साम्राज्यवादी, सामन्ती अवशेष और बड़े पूँजीपतियों के शोषण से हिन्दी–भाषी जनता को मुक्त करके उसकी संस्कृति को विकसित करना हैं। हमारे जातीय संगठन के मार्ग में साम्प्रदायिकता, ऊँच–नीच के भेद–भाव, नारी के प्रति सामन्ती शासक का रूख आदि अनेक बाधाएँ हैं। तुलसी का साहित्य हमें इनसे संघर्ष करना सिखाता हैं। तुलसी का मूल सन्देश हैं, मानव–प्रेम को सक्रिय रूप देना, सहानुभूति को व्यवहार में परिणत करके जनता के मुक्ति–संघर्ष में योग देना हमारा कर्त्तव्य हैं।

1. हमारे जातीय संगठन के मार्ग में कौन–कौनसी बाधाएँ है ?
2. तुलसी का मूल सन्देश क्या है ?
3. 'साम्प्रदायिकता' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय बताइए ।

   (अ) साम्प्रदायिक और ता　　(ब) सम्प्रदाय और दायिकता

   (स) सम्प्रदाय और इकता　　(द) सम्प्रदाय और एकता　　( )
4. गंद्याश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।

(6)

नारी त्याग और तपस्या की अद्‌भूत विभूति हैं। इन्हीं दोनों तत्वों के समन्वय में हमारी भारतीय नारी का स्वरूप संगठित हुआ हैं। नारी जीवन का मूलमंत्र है – त्याग। और इस मन्त्र को सिद्ध करने की क्षमता उसे प्रदान की हैं तपस्या ने। हम ठीक–ठीक नहीं कह सकते हैं कि उसके जीवन के किस अंश में इन महनीय तत्वों के विलास का दर्शन हमें नहीं मिलता, परन्तु यदि हम उसके पूर्व जीवन को 'तपस्या' का काल तथा उत्तर जीवन को 'त्याग' का काल मानें तो कदापि अनुचित न होगा। नारी के तीन रूप हमें दिखाई पड़तें हैं – कन्या रूप, भार्या रूप तथा मातृ रूप। कौमार काल नारी जीवन की साधनावस्था है और उत्तर काल उस जीवन की सिद्धावस्था है। हमारी संस्कृति के उपासक संस्कृत कवियों ने नारी की तीन अवस्थाओं का चित्रण बड़ी सुन्दरता के साथ किया हैं।

1. भारतीय नारी का व्यक्तित्व किन तत्वों से निर्मित होता है ?
2. नारी जीवन का मूलतंत्र क्या है ?
3. नारी के कौन–कौन से रूप दिखाई देते है ?
4. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(7)

समय वह सम्पत्ति है जो प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर की ओर से मिली हैं। जो लोग इस धन को संचित रीति से बरतते हैं वे शरीरिक सुख तथा आत्मिक आनन्द प्राप्त करते हैं। इसी समय–सम्पत्ति के सदुपयोग से एक जंगली मनुष्य देवता–स्वरूप बन जाता हैं। इसी के द्वारा मूर्ख विद्वान, निर्धन धनवान और अनुभवी बन सकता हैं। संतोष, हर्ष या सुख तक तक मनुष्य को प्राप्त नहीं होता जब तक कि वह उचित तरीके से अथवा रीति के समय का सदुपयोग नहीं करता हैं। समय निस्सन्देह एक रत्न–राशि हैं। जो कोई उसे अपरिमित और अगणित रूप से अन्धा–धुन्ध व्यय करता है वह दिन–दिन अंकिचन, रिक्त हस्त और दरिद्र होता हैं। वह आजीवन खिन्न और समय को कोसता रहता हैं। सच तो यह हैं कि समय का सदुपयोग करना आत्मोन्नति तथा उसे नष्ट करना एक प्रकार की आत्महत्या हैं।

1. समय का सदुपयोंग करने से क्या लाभ रहता है ? बताइये।
2. समय क्या है यह मनुष्य को किससे मिला ?
3. 'आजीवन' शब्द में मूल शब्द और उपसर्ग बताइये।

   (अ) जीवन और आ (ब) आ और जीवन

   (स) आजी और वन (द) इनमें से कोई नहीं ( )
4. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(8)

सूचना का अधिकार दिये जाने से अधिक महत्त्व का कार्य इस अधिकार को प्राप्त करने एवं उपयोग करके जन जागृति फैलाने का है जिसकी आज सबसे अधिक आवश्यकता हैं। लोकतंत्र लोक–सहभागिता से मजबूत होता हैं, लोक–सहभागिता सूचना के अधिकार का सवाल खड़ा करने और उसको प्राप्त करने तथा प्रसारित करने से बढ़ती है। यदि हम सूचना के अधिकार का समुचित उपयोग कर सकें तो न केवल सरकारी स्तर की योजनाओं का समुचित उपयोग हो सकेगा बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता भी आ सकेगी जिससे भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण होगा । वस्तुतः सूचना का अधिकार लोकतांत्रिका विकास प्रकिया को समृद्ध और स्वच्छ करने का कारगर हथियार है । यह संवैधानिक कर्त्तव्यों के पालन हेतु महत्त्वपूर्ण निर्देशक तत्त्व है।

1. सूचना के अधिकार का उपयोग करने से क्या लाभ है ?
2. लोकतंत्र किससे मजबूत होता है?
3. सूचना के समुचित उपयोग करने से क्या होगा?
4. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(9)

आधुनिक युग विज्ञान–युग के नाम से जाना जाता है। आज विज्ञान की विजय–पताका धरती से लेकर आकाश तक फहरा रही हे। सर्वत्र विज्ञान की महिमा का प्रचार–प्रसार है। मुनष्य ने विज्ञान के द्वारा प्रकति को जीत लिया है। आज मनुष्य ने विज्ञान के द्वारा विद्युत, वाष्प, गैस, ईश्वर को खोजकर दिग्दिगन्तरों में अपनी विजय–पताका फहराकार सारे संसार में क्रान्किारी परिवर्तन ला दिया है। किन्तु विज्ञान के कारण आधुनिक युग की युयुत्सा ने भी प्रबल रूप धारण कर लिया है। विज्ञान–वेत्ताओं ने जहाँ मनुष्य को अनेक भौतिक सुविधाएँ प्रदान की है वहीं दूसरी ओर उसके लिए विध्वंस के पर्याप्त साधन भी एकत्रित कर दिये है।

1. आधुनिक युग किसके नाम से जाना जाता है ?
2. विज्ञान से मनुष्य को भय क्यों लगने लगा है ?
3. ''आधुनिक'' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय बताइये।
4. 'गद्यांश' का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

10

स्वतन्त्र भारत में विद्यार्थियों के कंधों पर समाज का भारी बोझ है। आज जो विद्यार्थी है, कल वही देश का सुनागरिक और समाज का कर्णधार होगा। आज के समाज में चोरी, रिश्वतखोरी, कपट विश्वासघात, भ्रष्टाचार, गबन, घोटाले आदि असंख्य बुराइयाँ फैली हुई हैं, उन्हें रोकने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में सभी का सहयोग अपेक्षित है। सामाजिक जीवन में व्याप्त दुषित तत्त्वों को निकाल फेंकना भी परमावश्यक है। इसलिए स्वतन्त्र देश के गौरव के अनुकूल ऐसे नागरिकों की आवश्यकता है जो ईमानदार, कर्त्तव्यपरायण और परिश्रमी हों। इस समय हमारे देश का जीवन परिवर्तन के संधि–स्थल पर है। आज के विद्यार्थियों को निरन्तर जागरूक रहकर सामाजिक जीवन के परिवर्तनों और प्रगति में योगदान करना चाहिए।

1. स्वतन्त्र भारत में किसके कंधों पर समाज का भारी बोझ होगा ?
2. हमारे देश को कैसे नागरिकों की आवश्यकता है ?
3. ईमानदार शब्द का विलोम बताइये।
4. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइये।

पठित गद्यांश

निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिये गये पश्नों के उत्तर लिखिए।

(1)

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक–स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी–बारी से आने–जाने वाले अँधेरे–उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख–दुःख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

(क) गद्यांश में लेखिका और भक्तिन के बीच किस के संबंध की बात की गई है?

(ख) लेखिका ने किस बात को असंगत माना है?

(ग) प्रकाश और अंधकार का उदाहरण क्यों दिया गया है?

(घ) लेखिका और भक्तिन के संबंधों की क्या विशेषता है?

(2)

पडौस में एक महानुभाव रहते है, जिनको लोग भगत जी कहते हैं। चूरन बेचते हैं। यह काम करते, जाने उन्हें कितने बरस हो गए हैं। लेकिन किसी एक भी दिन चूरन से उन्होंने छः आने से ज्यादा पैसे नहीं कमाए। चूरन उनका आस–पास सरनाम है और खुद खूब लोकप्रिय हैं। कहीं व्यवसाय का गुर पकड़ लेते और उस पर चलते तो आज खुशहाल क्या, मालामाल होते। क्या कुछ उनके पास न होता! इधर दस वर्षों से मैं देख रहा हूँ, उनका चूरन हाथों–हाथ बिक जाता है। पर वह न उसे थोक में देते हैं, न व्यापारियों को बेचते हैं। पेशगी ऑर्डर कोई नहीं लेते। बँधे वक्त पर अपनी चूरन की पेटी लेकर घर से बाहर हुए नहीं कि देखते–देखते छः आने की कमाई उनकी हो जाती है। लोग उनका चूरन लेने को उत्सुक जो रहते हैं। चूरन से भी अधिक शायद वह भगत जी के प्रति अपनी सद्भावना का देय देने को उत्सुक रहते हैं। पर छः आने पूरे हुए नहीं कि भगत जी बाकी चूरन बालकों को मुफ्त में बाँट देते हैं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि कोई उन्हें पच्चीसवाँ पैसा भी दे सके। कभी चूरन में लापरवाही नहीं हुई और कभी रोग होता भी मैंने उन्हें नहीं देखा है।

(क) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(ख) चूरन बेचने वाले का स्वभाव कैसा था?

(ग) चूरन शीघ्र बिक जाने का क्या कारण था?

(घ) चूरन खरीदने वालों की उत्सुकता का क्या कारण बताया गया है?

(3)

उछलते–कूदते, एक–दूसरे को धकियात ये लोग गली में किसी दुमहले मकान के सामने रूक जाते, 'पानी दे मैया, इंदर सेना आई है' और जिन घरों में आखिर जेठ या शुरू आषाढ़ के उन सूखे दिनों में पानी की कमी भी होती थी, जिन घरों के कुएँ भी सूखे होते थे, उन घरों से भी सहेजकर रखे हुए पानी में से बाल्टी या घड़े भर–भर कर इन बच्चों को सर से पैर तक तर कर दिया जाता था। ये भीगे बदन मिट्टी में लोट लगाते थे, पानी फेंकने से पैदा हुए कीचड़ में लथपथ हो जाते थे। हाथ, पाँव, बदन, मुँह, पेट सब पर गंदा कीचड़ मलकर फिर हाँक लगाते हैं 'बोल गंगा मैया की जय' और फिर मंडली बाँधकर उछलते–कूदते अगले घर की ओर चल पड़ते बादलों को टेरते, 'काले मेघा पानी दे।'

(क) किसी दुमहले मकान के सामने कौन रूक जाते थे?

(ख) किन–किन महीनों में पानी माँगा जाता था?

(ग) इंदर सेना किसकी जय बोलती थी?

(घ) इंदर सेना पर कैसा पानी डाला जाता था?

(4)

'शेर के बच्चे' का असल नाम था चाँद सिंह। वह अपने गुरू पहलवान बादल सिंह के साथ, पंजाब से पहले–पहल श्यामनगर मेले में आया था। सुंदर जवान, अंग–प्रत्यंग से सुंदरता टपक पड़ती थी। तीन दिनों में ही पंजाबी और पठान पहलवानों के गिरोह के अपनी जोड़ी और उम्र के सभी पट्ठों को पछाड़कर उसने 'शेर के बच्चे' की टायटिल प्राप्त कर ली थी। इसलिए वह दंगल के मैदान में लँगोट लगाकर एक अजीब किलकारी भरकर छोटी दुलकी लगाया करता था। देशी नौजवान पहलवान, उससे लड़ने की कल्पना से भी घबराते थे। अपनी टायटिल को सत्य प्रमाणित करने के लिए ही चाँद सिंह बीच–बीच में दहाड़ता फिरता था।

(क) 'शेर के बच्चे' नाम से प्रसिद्ध पहलवान का नाम क्या था?

(ख) चाँद सिंह के गुरू का क्या नाम था?

(ग) गद्यांश में आए 'देशी पहलवान' से क्या अभिप्राय है?

(घ) 'शेर के बच्चे' की उपाधि उसे कैसे प्राप्त हुई?

(5)

शिरीष के वृक्ष बड़े और छायादार होते हैं। पुराने भारत का रईस जिन मंगल–जनक वृक्षों को अपनी वृक्ष–वाटिका की चारदीवारी के पास लगाया करता था, उनमं एक शिरीष भी है। (वृहतसंहिता 55,13) अशोक, अरिष्ट, पुन्नाग और शिरीष के छायादार और घनमसृण हरीतिमा से परिवेष्टित वृक्ष–वाटिका जरूर बड़ी मनोहर दिखती होगी। वात्सायन ने 'कामसूत्र' में बताया है कि वाटिका के सघन छायादार वृक्षों की छाया में ही झूला (प्रेंखा दोला) लगाया जाना चाहिए। यद्यपि पुराने कवि बकुल के पेड़ में ऐसी

दोलाओं को लगा देखना चाहते थे, पर शिरीष भी क्या बुरा है। डाल इसकी अपेक्षाकृत कमजोर जरूरी होती है, पर उसमें झूलनेवालियों का वजन भी तो बहुत ज्यादा नहीं होता। कवियों की यही तो बुरी आदत है कि वजन का एकदम ख्याल नहीं करते।

(क) गद्यांश के अनुसार शिरीष के वृक्ष की क्या विशेषता होती है?

(ख) वास्त्यायन के अनुसार, झूला कहाँ लगाना चाहिए?

(ग) लेखक को कवियों की कौन–सी बात बुरी लगती है?

(घ) 'डाल इसकी पेक्षाकृत कमजोर जरूर होती है' पंक्ति में 'इसकी' शब्द किसे लिए प्रयुक्त हुआ है?

(6)

जाति–प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे से बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखा मर जाए। आधुनिक युग में वह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग–धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी–कभी अकस्मात् परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्कयता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेश बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो इसक लिए भूखा करने के अतिरिक्त क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति–प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति–प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

(क) गद्यांश के अनुसार जाति–प्रथा में लेखक ने क्या दोष देखा है?

(ख) मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता किस कारण पड़ती है?

(ग) पेशा बदलने की स्वतंत्रता के अभाव का क्या परिणाम होता है?

(घ) जाति–प्रथा बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे है?

पठित पद्यांश

(1)

मैं जग–जीवन का भार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ,
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर,
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ।
मैं स्नेह–सुरा का पान किया करता हूँ
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,

मैं अपने मन का गान किया करता हूँ

(क) काव्यांश में कवि किसका भार लिए फिरता है?

(ख) काव्यांश के अनुसार कवि सबको क्या बाँट रहा है?

(ग) कवि अपने जीवन में किस सुरा का पान करता है?

(घ) कवि ने किसका ध्यान नहीं करने की बात की है?

(2)

सबसे तेज बौछारें गई भादो गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नई चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए
घंटी बजाते हुए जोर–जोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुण्ड को
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके–
दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज उड़ सके
दुनिया का सबसे पतला कागज उड़ सके–
बाँस की सबसे पतली कमान उड़ सके–
कि शुरू हो सके सीटियों, किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया

(क) कवि के अनुसार तेज बौछारों के साथ ही कौन–सा महीना चला गया है?

(ख) पतंग कविता में चमकीले विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(ग) काव्यांश में खरगोश की आँखों जैसा लाल किसे कहा गया है?

(घ) कौन–सी ऋतु आकाश को मुलायम बना देती है?

(3)

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर–बाहर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने?

(क) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने किसके अस्तित्व से जुड़े महत्त्वपूर्ण सवाल उठाए हैं?

(ख) प्रस्तुत काव्यांश में कवि किसकी यात्रा के बारे में बता रहा है?

(ग) कवि ने कविता को किसी उड़ान माना है?

(घ) चिड़िया की उड़ान कैसी होती है?

(4)

प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीता पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।
और ....
जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है।

(क) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किसका चित्रण किया है?

(ख) कवि ने प्रातःकालीन आकश को क्या हा है?

(ग) सूर्योदय से पूर्व आकाश में क्या विद्यमान होता है?

(घ) 'प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे' पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

(अ) उपमा (ब) अनुप्रास (स) उत्प्रेक्षा (द) यमक ( )

(6)

दीवाली की शम घर पुते और सजे
चीनी के खिलौने जगमगाते लावे
वो रूपवती मुखड़े पै इक नर्म दमक
बच्चे के घरौंदे में जलाती है दिए।
आँगन में ठुनका रहा है ज़िदयाया है
बालक को हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है

(क) दिवाली के दिन घर की साज–सज्जा कैसी होती है,

(ख) दीवाली के दिन माता बच्चों को क्या लाकर देती है?

(ग) दिए जलाते समय बच्चे के लिए माता के चेहरे पर कैसा भाव आता है?

(घ) दीवाली के उत्सव को आँखों के सामने साकार कौन कर देता है??

(7)

नभ में पाँती–बँधे बगुलो के पंख,
चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो।
वह तो चुनाए लिए जाती मेरी आँखे
नभ में पाँती–बँधी बगुलों की पाँखे।

(क) काव्यांश में बगुलों के पंखों द्वारा आँखे चुराने से क्या आशय है?

(ख) साँझ की सतेज श्वेत काया क्या कर रही है?

(ग) कवि के अनुसार आकाश में कैसे बादलों की छाया छाई है?

(घ) कवि को बगुलों का कौन–सा सौंदर्य अपने आकर्षण में बाँ रहा है?

निबन्ध **8 अंक**

1. भारत में विमुद्रीकरण / नोटबंदी– विविध प्रभाव
2. स्वच्छता का महत्त्व
3. राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान
4. बेटी बचाओ – बेटा पढाओं
5. प्लास्टिक थैली – पर्यावरण की दुश्मन
6. कम्प्यूटर का महत्त्व
7. हमारे त्यौहार
8. कन्या शिक्षा का महत्त्व
9. बाल विवाह – एक अभिशाप
10. अनुशासन का महत्त्व
11. आतंकवाद – एक चुनौती
12. कन्या भ्रूण हत्या – एक चुनौती
13. योग का महत्त्व
14. जल संरक्षण
15. राष्ट्रीय पर्व
16. कोरोना एक महामारी

रिपोर्ट **अंक 04**

1. वार्षिकोत्सव
2. गणतन्त्र दिवस
3. वृक्षारोपण
4. बाल दिवस

पत्र लेखन **04 अंक**

1. अतिरिक्त कक्षा हेतु प्रधानाचार्य को पत्र
2. खेल मैदान हेतु प्रधानाचार्य को पत्र
3. पैसे मंगवाने हेतु पिताजी को पत्र
4. हॉकी टीम में चयन होने पर मित्र को बधाई पत्र

किसी एक कवि या लेखक परिचय दीजिएः— 4 अंक

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
2. कुंवर नारायण
3. हरिवंश राय बच्चन
4. तुलसीदास
5. रघुवीर सहाय
6. गजानन माधव मुक्तिबोध
7. महादेवी वर्मा
8. जैनेन्द्र
9. हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. भीमराव अम्बेड़कर
11. धर्मवीर भारती
12. फणीश्वर नाथ रेणु

1. **निम्नाकिंत अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण एवं हिन्दी रूपान्तरण लिखिएःः—**

1.	Action	एक्सन	कार्यवाही
2.	Agree	एग्री	सहमत होना
3.	Annual	ॲनुअल	वार्षिक
4.	Ballot	बैलेट	मतपत्र
5.	Bonus	बोनस	अधिलाभ
6.	Cash	केश	नकद
7.	Clerk	क्लर्क	लिपिक
8.	Data	डाटा	ऑकडें
9.	Donation	डोनेशन	दान

10. Duty	ड्यूटी	कर्त्तव्य
11. Eligible	इलिजिबल	पात्र
12. Enquiry	इन्क्वायरी	जाँच
13. Grant	ग्राण्ट	अनुदान
14. Job	जॉब	कार्य/नौकरी
15. Joint	ज्वॉइट	संयुक्त
16. Index	इण्डेक्स	अनुक्रमणिका
17. Legal	लीगल	कानूनी
18. Manager	मैनेजर	प्रबन्धक
19. Memo	मीमो	ज्ञापन
20. Nation	नेशन	राष्ट्र
21. Natural	नेचुरल	प्राकृतिक
22. Offence	ऑफेन्स	अपराध
23. Opposition	अपोजिशन	विरोध
24. Post	पोस्ट	पद
25. Punish	पनिश	दण्ड देना
26. Pollution	पोल्यूशन	प्रदूषण
27. Quantity	क्वान्टिटी	परिमाण
28. Qualification	क्वालिफिकेशन	अर्हता/योग्यता
29. Reject	रिजक्ट	अस्वीकार करना
30. Rebate	रिबेट	छूट
31. Safety	सेफ्टी	सुरक्षा
32. Senior	सीनियर	वरिष्ठ
33. Session	सेशन	सत्र
34. Speech	स्पीच	भाषण
35. Tax	टेक्स	कर
36. Tribe	ट्राईब	जनजाति
37. Urban	अरबन	नगरीय

38. Warrant	वारण्ट	अधिपत्र
39. Will	विल	इच्छापत्र
40. Zone	जोन	अंचल
41. Visa	वीजा	प्रवेश पत्र
42. Script	स्क्रिप्ट	आलेख
43. Relative	रिलेटिव	संबंधी
44. Regular	रेगुलर	नियमित
45. Paid	पैड	प्रदत्त
46. Permit	परमिट	अनुज्ञापत्र
47. Camp	कैम्प	शिविर
48. Amount	अमाउण्ट	राशि
49. Objection	ऑबजक्शन	आपत्ति
50. Pension	पेंशन	पेंशन

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं CWSN प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12
विषय : हिन्दी साहित्य

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

परीक्षा 2025 पाठ्यक्रम
विषय – हिन्दी साहित्य
कक्षा– 12

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है।				
प्रश्न पत्र	समय घंटे	प्रश्न पत्र के लिए अंक	संत्राक	पूर्णांक
एकपत्र	**4:15**	80	20	100

अधिगम क्षेत्र	अंक
रचनात्मक लेखक एवं जन सचाार माध्यम	12
काव्यांश परिचय	16
पाठ्य पुस्तक अंतरा भाग–2	32
पाठ्यपुस्तक अन्तराल भाग–2	12
अपठित बोध	8

खण्ड–अ

क्र स	इकाई का नाम	अंक भार
1	रचनात्मक लेखन एवं जनसंचार माध्यम	12

खण्ड–ब

	कव्यांश परिचय	16
1	काव्य गुण दोष (प्रश्न)	2x1=2
2	छन्द(गीतिका ,छप्पय ,द्रुतविलम्बित ,सवैया)	2x3=6
3	अलंकार (अन्योक्ति ,विभावना ,मानवीकरण ,व्यतिरेक)	2x4=8

खण्ड–स

	पाठ्य पुस्तक अंतरा	32
1	पठित काव्यांश	4x1=4
2	पठित गद्यांश	4x1=4
3	पाठ्यपुस्तक प्रश्नोत्तर	24

खण्ड–द

	द्वितीय पुस्तक अंतराल	12
1	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	4x1=4
2	अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न	2x2=4
3	लघुत्तरात्मक प्रश्न	2x2=4

खण्ड–य

1	अपठित काव्यांश	4
2	अपठित गद्यांश	4

खण्ड–अः रचनात्मक लेखन एवं जन संचार माध्यम

प्रश्न–1 खबर या सूचना जो किसी माध्यम द्वारा प्रसारित की जाती है, कहलाती है–

(अ) विज्ञप्ति (ब) ज्ञापन (स) समाचार (द) बुलेटिन ( )

प्रश्न–2 मीडिया की भाषा में खबर को कहा जाता है–

(अ) स्क्रिप्ट (ब) स्टोरी (स) मीडिया (द) ब्लॉग ( )

प्रश्न–3 "रिपोताज" शब्द है–

(अ) फ्रांसीसी (ब) जर्मनी (स) अरबी (द) अंग्रेजी ( )

प्रश्न–4 डायरी कों हिन्दी में कहा जाता है–

(अ) पुस्तिका (ब) नोटबुक

(स) दैनन्दिनी (द) गृहकार्य पत्र ( )

प्रश्न–5 निम्न में से रिपोताज लेखक है–

(अ) रांगेय राघव (ब) स्वामी मंगलानन्द

(स) उमा नेहरू (द) मुनी कांति सागर ( )

प्रश्न–6 किसी रोचक विषय का मन को अच्छा लगने वाला विस्तृत विवरण कहलाता है –

(अ) फीचर (ब) रिपोर्ट (स) विज्ञप्ति (द) ब्लाग ( )

प्रश्न–7 रेडियो–टेलीविजन पर उनके निर्धारित केन्द्रों द्वारा कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण है–

(अ) प्रचार (ब) सूचना (स) समाचार (द) प्रसारण ( )

प्रश्न–8 ऐसी खबरे जो अन्य खबरो को अपेक्षा अधिक महत्व की होती है कहलाती है।

(अ) मुख्य खबरें (ब) सुर्खिया

(स) गौण खबरे (द) सामान्य खबरे ( )

प्रश्न–9 खबर का लिखित रूप कहलाता है –

(अ) स्क्रिप्ट (ब) समाचार (स) इण्ट्रो (द) कॉलम ( )

प्रश्न–10 घटना का रेखाचित्र शैली में कलात्मक वर्णन कहलाता है–

(अ) रिपोर्ट (ब) रिपोर्ताज

(स) संदर्भ लेखन (द) डायरी लेखन ( )

प्रश्न–11 रिक्त स्थानो की पूर्ति करो –

(1) समाचार प्रसारण के मुख्य रूप से .... माध्यम है।

(2) साक्षात्कार का अर्थ है साक्षात् कराना तथा .... करना ।

(3) साक्षात्कार के दो प्रकार होते है– प्रतियोगी परीक्षाओ के लिए साक्षात्कार व .... माध्यमोपयोगी साक्षात्कार ।

(4) डायरी लेखन एक .... विद्या है।

(5) रेडियो टी वी पर समाचार प्रस्तोता अथवा समाचार वाचन को .... कहते है ।

प्रश्न–12 आधुनिक युग में जन संचार का सबसे पुराना माध्य क्या है ?

प्रश्न–13 मुद्रित माध्यम के लेखक और पत्रकारों को क्या सावधानीं रखनीं पडतीं है?

प्रश्न–14 इंटरनेट क्या है ?

प्रश्न–15 पत्रकारहय लेखन क्या है ?

प्रश्न–16 फीचर किसे कहते ?

प्रश्न–17 टेलीविजन से सम्बधित लाइव शब्द का क्या आशय है ? 3

प्रश्न–18 टेलीविजन तथा रेडियो में क्या समानता तथ अन्तर है ? 4

प्रश्न–19 फोन–इन का क्या आशय है ?

प्रश्न–20 एंकर बाइट से आप क्या समझते है ?

प्रश्न–21 इंटरनेट का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है सिद्व कीजिए ।

प्रश्न–22 समाचार–पत्रो में साक्षात्कार का क्या महत्व है ?

प्रश्न–23 पत्रकारींय लेखन और सृजनात्मक लेखन में क्या अन्तर है ?

प्रश्न–24 विशेष लेखन क्या है ?

प्रश्न–25 निबंध लिखिए ।

(1) राजस्थानःभाषा और साहित्य
(2) मेरा प्रिय कवि
(3) जल संरक्षण की आवश्यकता
(4) पर्यावरण प्रदुषण
(5) सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार क्रांति
(6) प्लास्टिक की थैलियो की समस्या
(7) राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान

खण्ड –ब काव्य परिचय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न–1	ओज गुण की परिभाषा लिखिए ।
प्रश्न–2	वाक्य रसात्मक काव्यम काव्य की यह परिभाषा किसने दी –
	क) आचार्य मम्ट ख) आचार्य विश्वनाथ ग) पण्डित जगन्नाथ घ) आचार्य भामह ( )
प्रश्न–3	काव्य गुण के कितने प्रकार होते है –
	क) दो ख) चार ग) तीन घ) पॉच ( )
प्रश्न–4	जिस गुण के कारण रचना में मधूरता होती है वह है।
	क) ओज गुण ख) प्रसाद गुण ग) माधुर्य गुण घ) इनमे से कोई नही ( )
प्रश्न–5	होगी जय होगी जय हे पुरूषोत्तम नवीन में काव्य गुण है।
	क) ओज गुण ख) प्रसाद गुण ग) माधुर्य गुण घ) इनमे से कोई नहीं ( )
प्रश्न–6	रिक्त स्थान की पूर्ति करिए–
(1)	जिससे चित आहृलाद से द्रवित हो जाय वह गुण .... कहा जाता है।
(2)	माधुर्य गुण श्रृंगाार शान्त और .... रसों मे प्रसुक्त होता हैं।
(3)	गुण काव्य के प्रभाव को .... हैं।
(4)	माधुर्य ओज तथा प्रसाद गुण का संबंध मनुष्य की .... से हैं।
प्रश्न–7	काव्य गुण कितने प्रकार के होते है। नाम लिखिए ।
प्रश्न–8	प्रसाद गुण किन–किन रसो में प्रयुक्त होता है।
प्रश्न–9	ओज गुण से सबंधित रसो के नाम लिखिए।
प्रश्न–10	ग्राम्यत्व काव्य दोष किसे कहते है।

प्रश्न–11	दुष्क्रमत्व और अक्रमत्व दोषो में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न–12	काव्य के अर्थ ग्रहण आने वाली बाधाएँ कोन–सी है।
प्रश्न–13	दुष्क्रमत्व काव्य दोष के लक्षण उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–14	कदली सीप,भुजंग मुख स्वाति एक गुन तीन । जैसी संगति बैठिए। परिभाषा लिखिए । यहाँ कौनसा काव्य गुण है।
प्रश्न–15	काव्य दोष की दोष की परिभाषा लिखिए ।
प्रश्न–16	काव्य दोष की काव्य पर क्या प्रभाव पडता है।

छन्द स (गीतिका,छप्पय,द्रुतविलम्बित,सवैया)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
प्रश्न–1	गीतिका छन्द को प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती है–
	क) 24 ख) 26 ग) 28 घ) 23 ( )
प्रश्न–2	यति कहते है–
	क) छन्द की लय को ख) दन्द की पंक्ति में आए विराम ग) मात्राओं के समूह को घ) गणों को ( )
प्रश्न–3	किस छन्द के प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती है तथा 16–12 पर यति हैं।
	क) हरिगीतिका ख) छप्पय ग) कुंडलिया घ) सवैया ( )
प्रश्न–4	समवर्ण वृत छन्द है–
	क) हरिगीतिका ख) छप्पय ग) कुंडलिया घ) सवैया ( )
प्रश्न–5	सवैया छन्द के प्रमुख भेद है–
	क) चार ख) छह ग) आठ

	घ) बारह	( )
प्रश्न–6	रिक्त स्थान की पूर्ति करिए–	
(1)	जिन छन्दो मे मात्राओ की संख्या का नियम होता है उनको............ छन्द कहते है ।	
(2)	मात्रिक तथा वर्णिक छन्द .... प्रकार होते है।	
(3)	सम छन्द साधारण तथा .... दो प्रकार के होते हैं।	
प्रश्न–7	मात्रिक छन्द और वर्णित छंदो मे अंतर लिखिए ।	
प्रश्न–8	गण कितने होते है ? नाम लिखिए ।	
प्रश्न–9	रोला और उल्लाला को मिलाकर बनने वाला छन्द कौनसा है ? नाम लिखिए ।	
प्रश्न–10	कविता में छन्द का क्या महत्व है ? स्पष्ट कीजिए।	
प्रश्न–11	दिवस एक प्रभंजन का हुआ । इस पंक्ति में कौनसा छन्द है ? लक्षण लिखिए ।	
प्रश्न–12	कुण्डलियाॅ छन्द के लक्षण लिखिए ।	
प्रश्न–13	छप्पय एंव कुण्डलियाॅ छंद की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए ।	
प्रश्न–14	द्रुत विलम्बित छंद की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए ।	
प्रश्न–15	"गीतिका तथा हरिगीतिका" छंदों में समानता तथा अन्तर बताकर उदाहरण दीजिए।	

	(द) अलंकार (अन्योक्ति, विभावना, प्रतिक, व्यतिरेक मानवीकरण)
प्रश्न–1	उस राम मारे क्रोध के तनु काँपने उनका लगा । मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा ।। इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
प्रश्न–2	मानवीकरण अलंकार किसे कहते है?
प्रश्न–3	अलंकार किसे कहते है? परिभाषा लिखिए ।
प्रश्न–4	काव्य में अलंकारों की क्या उपयोगिता है? क्या अलंकारों के बिना काव्य रचना संभव है?
प्रश्न–5	अर्थालंकार और शब्दालंकार में भेद लिखिए।
प्रश्न–6	विभावना अलंकार किसको कहते है ? लिखिए।
प्रश्न–7	अन्योक्ति अलंकार का उदाहरण लिखिए।
प्रश्न–8	व्यतिरेक अलंकार के लक्षण लिखिए।
प्रश्न–9	व्यतिरेक तथा प्रतिक अलंकारो में अन्तर स्पष्ट लिखिए।
प्रश्न–10	अलंकार कितने प्रकार के होते है ? नाम लिखिए।

विषय – हिन्दी साहित्य
कक्षा–12वीं
विषय – हिन्दी साहित्य

पाठ्यपुस्तक अंतरा – पद्य भाग
अध्याय–1 : जयशंकर प्रसाद

कवि परिचयः

जयशंकर प्रसाद का जन्म काशी में हुआ । प्रसाद जी अत्यंत सौम्य, शांत एवं गंभीर प्रकृति के व्यक्ति थे । प्रसाद ने कविता के साथ नाटक, उपन्यास, कहानी संग्रह, निबन्ध आदि विधाओं में लेखन कार्य किया है। उनकी प्रमूख रचनाएँ है – अजातशत्रु, स्कंदगुप्त, चन्द्रगुप्त, राजश्री, कंकाल, तितली, आंधी, इंद्रजाल, झरना, आँसु, लहर आदि ।

पाठ सारांश :

देवसेना का गीत प्रसाद के स्कंदगुप्त नाटक से लिया गया है। देवसेना मालवा के राजा बंधुवर्मा की बहन है । "देवसेना का गीत" कविता में देवसेना अपने जीवन पर दृष्टिपात करते हुए अपने अनुभवों में अर्जित वेदनामय क्षणों को याद कर रही है। दूसरी कविता कार्नेलिया का गीत प्रसाद के चंद्रगुप्त नाटक का एक प्रसिद्ध गीत है। इस गीत में हमारे देश की गौरवगाथा तथा प्राकृतिक सौंदर्य को, भारतवर्ष की विशिष्टता और पहचान के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	आह ! वेदना मिली विदाई । मैने भ्रम–वश जीवन संचित, मधुकरियो की भीख लुटाई । छलछल थे संध्या के श्रमकण आँसु–से गिरते थे प्रतिक्षण । मेरी यात्रा पर लेती थी नीरवता अनंत अंगड़ाइ।। 1. "आह! वेदना मिली विदाई" कविता में कौनसा भाव है? 2. मधुकरियों की भीख लुटाई । रेखांकित शब्द का अर्थ है ? 3. छलछल में कौनसा अलंकार है?

प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	अरूण यह मधुमय देश हमारा । जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा । सरस तामरस गर्भ विभा पर नाच रही तरूशिखा मनोहर, छिटका जीवन हरियाली पर–मंगल कुंकुम सारा । लघु सुरधनु से पख पसारे, शीतल मलय समीर संहारे। उड़ते खग जिस ओर मुँह किए समझ नीड निज प्यारा । 1. उपयुक्त पद्यांश में किस देश की प्रशंसा की गई है ? 2. ”उड़ते खग जिस ओर मुँह किए–समझ नीड निज प्यारा” पंक्ति में भारत की किस विशेषता के दर्शन होते है? 3. सरस तामरस गर्भ विभा पर, नाच रही तरूशिखा मनोहर रेखांकित शब्द का अर्थ है।
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–4	”मैने भ्रमवश जीवन संचित, मधुकरियों की भीख लुटाई” पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–5	कवि ने आशा को बावली क्यों कहा है?
प्रश्न–6	देवसेना की हार व निराशा के क्या कारण है?
प्रश्न–7	“उड़ते खग” और बरसाती आँखो के बादल मे क्या विशेष अर्थ व्यजित होता है ?
प्रश्न–8	“जहॉ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा” –पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–9	देवसेना की क्या आकांक्षा थीं और वह अपूर्ण क्यो रही ?
प्रश्न–10	मालव के नगर सेठ की पुत्री विजया से प्रेम करता था –
	अ) चन्द्रगुप्त ब) बन्धुवर्मा स) स्कन्दगुप्त द) सेल्यूकस ( )
प्रश्न–11	अरूण यह मधुमय देश हमारा कविता में अनजान अतिथियो को आश्रय देने वाला देश बताया है–
	अ) ग्रीक को ब) यूनान को स) भारत को द) सेल्यूकस ( )

अध्याय–2 : सूर्यकांत त्रिपाठी ”निराला”

कवि परिचयः

निराला जी का जन्म सत्र 1898 ई. में बंगाल में मेदिनीपुर जिले के महिषादल गाँव में हुआ । उनके बचपन का नाम सुर्य कुमार था। अपने जीवन में निराला ने मृत्यु का जैसा साक्षात्कार किया था । उसकी अभिव्यक्ति उनकी कई कविताओं में दिखाई देती है।

निराला की प्रमुख काव्य कृतियाँ–परिमल, गीतिका, अनामिका, बेला, अर्चना, गीतगुंज आदि।

पाठ सारांश :

”गीत गाने दो” कविता में निराला ने ऐसे समय की ओर इशारा किया है जिसमें चोट खाते–खाते संघर्ष करते–करते होश वालों के होश खो गए है । कवि वेदना का छिपाने के लिए उ से रोकने के लिए गीत गाना चाहता है ।

सरोज स्मृति कविता निराला की दिवंगत पुत्री सरोज पर केंद्रित हैं । बेटी के रूप रंग में पत्नी का रूप रंग दिखाई पड़ता है, जिसका चित्रण निराला ने इस कविता में किया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	देखा विवाह, आमूल नवल तुझ पर शुभ पड़ा कलश का जल । देखती मुझे तू हँसी मंद, होंठो में बिजली फँसी स्पंद उर में भर झूली छवि सुंदर प्रिय की अशब्द श्रृंगार–मुखर 1. कवि किसका विवाह देखता है? 2. “नवल” शब्द का अर्थ लिखिए । 3. उक्त पंक्तियों के रचनाकार का नाम लिखो ।
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	मँ की कुल शिक्षा मैने दी, पुष्प–सेज तेरी स्वयं रची, सोचा मन में, “वह शकुन्तला” पर पाठ अन्य यह,अन्य कला कुछ दिन रह गृह तु फिर समोद् बैठी नानी की स्नेह–गोद । 1 कवि निराला ने माँ के समान शिक्षा किसे दी ? 2 कवि को अपनी बेटी के विदाई के समय किसकी याद आई ? 3 कवि ने किसकी पुष्प– सेज रची ? 4 कवि निराला की पुत्री का क्या नाम था ?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	ठग–ठाकरो से कवि का संकेत किसकी ओर है ?
प्रश्न–4	कवि को अपनी स्वर्गीय पत्नी की याद क्यों आई ?
प्रश्न–5	जल उठो फिर सीचने को इस पंक्ति का भाव–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न–6	“आकाश बदल कर बना मही” में ‘आकाश’ और ‘मही’ शब्द किनकी ओर संकेत करते है।
प्रश्न–7	“जल उठो फिर सीचनें को” इस पंक्ति का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न–8	“सरोज–स्मृति” में निराला अपने समस्त कर्मो के फल से क्या करना चाहते है और क्यों ?
प्रश्न–9	“गीत गाने दो मुझे ” कविता निराशा में आशा का संचार करने वाली कविता है,स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–10	हदय की वेदना को भूलने को कवि निराला चाहते है ।
	(अ) रोना (ब) हँसना (स) कविता लिखना (द) गीत गाना ( )
प्रश्न–11	सरोज स्मृति गीत है–
	(अ) व्यंगय (ब) स्मृति गीत (स) शोक गीत (द) आनंद गीत ( )
प्रश्न–12	सरोज को श्रद्वांजली के रूप में कवि समर्पित करता है–
	(अ) अपनी कविता (ब) अपना धन (स) पुण्य कर्मो का फल (द) गुलाब के फुल ( )

अध्याय–3 : केदारनाथ सिंह

कवि परिचयः

केदारनाथ सिंह का जन्म 7 जुलाई 1934 ई. बलिया जिले के चकिया गाँव में हुआ । केदारनाथ सिंह मूलतः मानवीय संवेदनाओं के कवि है।

रचनाएँ – अभी बिल्कुल अभी, यहाँ से देखो, अकाल में सारस, कल्पना और छायावाद आदि।

पाठ सारांश :

बनारस कविता में, प्राचीनत शहर बनारस के सांस्कृति वैभव के साथ ठेठ बनारसीपन पर भी प्रकाश डाला गया है । केदारनाथ सिंह की दुसरी कविता "दिशा" बाल मनोविज्ञान से संबंधित है जिसमें पतंग उड़ाते बच्चे से कवि पूछता है हिमालय किधर है । बालक का उत्तर बाल सुलभ है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	इस शहर में वसंत अचानक आता है और जब आता है तो मैंने देखा है लहरतारा या मडुवाडीक ही तरफ से उठता है धूल का एक बवंडर और इस महान पुराने शहर की जीभ किरकिराने लगती है । 1. वसंत कैसे आता है ? 2. उक्त काव्यांश केदारनाथ सिंह द्वारा रचित किस कविता से 3. अवतरित है? 4. "बवंडर" शब्द का अर्थ लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	हिमालय किधर है? मैने उस बच्चे से पूछा जो स्कुल के बाहर पतंग उड़ा रहा था उधर–उधर उसने कहा जिधर उसकी पतंग भागी जा रही थी मैं स्वीकार करूँ, मैने पहली बार जाना हिमालय किधर है? 1. कवि ने किससे पूछा, हिमालय किधर है? 2. बच्चे क्या कर रहे थे ? 3. उधर–उधर उसने "कहा" पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	बनारस में वसंत का आवागमन कैसे होता है?
प्रश्न–4	बनारस की पूर्णता और रिक्तता को कवि ने किस प्रकार दिखाया है?

प्रश्न–5	”खाली कटोरे में वसंत का उतरना” से क्या आशय है ?
प्रश्न–6	सर सांझ में घुसने पर बनारस की किन–किन विशेषताओं का पता चलता है ?
प्रश्न–7	दिशा शीर्षक कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है।
प्रश्न–8	दिशा बाल मनोविज्ञान से संबधित लघु कविता है, स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न–9	निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर का सही विकल्प छाँटकर लिखिए।
(i)	“और खाली होता है यह शहर” यहॉ शहर शब्द किस नगर के लिए प्रयुक्त है–
	(अ) प्रयाग के लिए (ब) बनारस के लिए (स) लखनऊ के लिए (द) जयपुर के लिए ( )
(ii)	“खाली कटोरो में वसन्त का उतरना” पंक्ति का आशय है –
	(अ) भिखारियो के कटोरे खली हो जाते है (ब) कटोरे की चमक बढ़ जाती है । (स) भिखारी भीख माँगना बंद कर देते है । (द) भिखारियो के कटोरे भीख से भर जाते है ( )
(iii)	“बनारस” कविता में शहर का जीवन चलता है।
	(अ) तीव्र गति से (ब) सामान्य गति से (ब) धीमी गति से (द) द्रुत गति से ( )

अध्याय–4 : सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन "अज्ञेय"

कवि परिचयः

अज्ञेय का मूल नाम सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन है । उन्होंने अज्ञेय नाम से काव्य–रचना की । अज्ञेय ने कविता के साथ कहानी, उपन्यास, यात्रा–वृतांत, निबंध आदि साहित्यिक विधाओं में लेखन कार्य किया है। रचनाएॅं – नदी के द्वीप, विपथगा, परम्परा, कोठारी की बात, शरणार्थी आदि।

पाठ सारांश :

यह दीप अकेला कविता में अज्ञेय ऐसे दीप बात करते है जो स्नेह भरा है, गर्व भरा है, मदमाता भी है किंतु अकेला है। मैने देखा एक बूँद कविता में अज्ञेय ने समुद्र से अलग प्रतीत होती बूँद की क्षणभंगुरता को व्याख्यायित किया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	यह दीप अकेला स्नेह भरा है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो। यह जनहै – गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा? पनडुब्बा – ये मोती सच्चे फिर कौन कृति लाएगा ? यह समिधा –ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा । यह अद्विंतीय यह मेरा–यह मै स्वयं विसर्जित । 1. कवि कैसे दीप की बात कर रहा है? 2. कवि ने दीप को किसका प्रतीक बताया है? 3. "गाता–गीत तथा कौन कृति में" कौनसा अलंकार है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	मैने देखा एक बूँद सहसा उछली सागर के झाग से रंग गई क्षणभर ढलते सूरज की आग से। मुझ को दीख गया सूने विराट् के सम्मुख हर आलोक–छुआ अपनापन है उन्मोचन नश्वरता के दाग से ! 1. सागर के झाग से क्या उछलता है? 2. कवि ने किसकी क्षणभंगुरता बताइे है? 3. ढलते सुरज की आग में कौन रंग जाती है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	"यह दीप अकेला है" पर इसको भी पंक्ति को दे दो के आधार पर व्यष्टि का समष्टि मे विलय क्यों और कैसे संभव है ?
प्रश्न–4	गीत और "मोती" की सार्थकता किससे जुड़ी है?

प्रश्न–5	“सागर और बूँद” से कवि का क्या आशय है?
प्रश्न–6	“क्षण के महत्व” को उजागर करते हुए कविता का मूल भाव लिखिए।
प्रश्न–7	विराट का साथ मिलने पर व्यक्ति होता जाता है–
	(अ) नश्वर (ब) होन (स) दुर्बल (द) शाश्वत ( )
प्रश्न–8	सागर और प्रतिक है–
	(अ) व्यष्टि–समाष्टि के (ब)नदी–तालाब के (स) जीवन–मुत्यु के (द) सुख´दुख के ( )
प्रश्न–9	यह दीप अकेला कविता अज्ञेय के किस काव्य संग्रह से ली गई है–
	(अ) गीत–माला (ब) विपथगा (स) बावर अहेरी (द) परेपरा ( )

पाठ–5 रघुवीर सहाय

कवि परिचयः

रघुवीर सहाय का जन्म सन् 1929 ई. लखनऊ में हुआ । उन्होंने विदेशी कविताओं का हिन्दी तथा हिन्दी–अंग्रेजी अनुवाद अत्यधिक किया है । रघुवीर सहाय नयी कविता के कवि है। आपने मुक्त छंद के साथ–साथ छंद मे भी काव्य रचना की है। उनकी प्रमुख काव्य–कृतियाँ है – सीढीयों पर धूप में, आत्महत्या के विरूद्व, हँसो हँसों आदि।

पाठ सारांश :

वसंत आया कविता कहती है कि आज मनुष्य का प्रकृति से रिश्ता टूट गया है। वसंत ऋतु का आना अब अनुभव करने के बजाय कलेण्डर से जाना जाता है। कवि ने आज के मनुष्य की आधुनिक जीवन शैली पर व्यंग्य किया है। रघुवीर सहाय की दुसरी कविता तोड़ो उद्‌बोधनपरक कविता है। इसमें कवि सृजन हेतु भूमि को तैयार करने के लिए चट्‌टानें, ऊसर और बंजर को तोड़ने का आव्हान करता है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	जैसे बहन “दा” कहती है ऐसे किसी बँगले के किसी तरू (अशोक) पर कोई चिड़िया कुऊकी चलती सड़क के किनारे लाल बजरी पर चुरमुराए तले ऊँचे तरूवर से गिरे बड़े बड़े पियराए नपते कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो– खिली हुई हवा आई, फिरकी–सी आई, चली गई ऐसे फुटपाथ पर चलते–चलते । कल मैने जाना कि वसंत आया।
	1) कवि के अनुसार बसं आगमन का प्रमाण कैसे मिला ? 2) फिरकी–सी कौन आई और चली गई ? 3) बड़े–बड़े में कौनसा अलंकार है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न के उत्तर दीजिए–
	तोड़ो तोड़ो तोड़ो, ये पत्थर ये चट्‌टाने। ये झूठे बंधन टूटे, तो धरती को हम जाने, सुनते है मिट्‌टी में रस है जिससे उगती दूब है। अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है आधे आधे आधे ।
	1) “तोड़ो” शब्द का कविता ने क्या अर्थ दिया है? 2) “तोड़ो” कविता में पत्थर और चट्‌टान दकिसके प्रतीक है? 3) “ये झूठे बंधन टुटे” कवि ने ऐसा क्यों कहा है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	“वसंत आया” कविता में कवि की चिंता क्या है?
प्रश्न–4	“पत्थर” और चट्‌टान” शब्द किसके प्रतीक है?
प्रश्न–5	“आधे–आधे गाने” के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

प्रश्न–6	“जैसे बहन दा कहती है” से कवि का क्या आशय है?
प्रश्न–7	“ऊचे तरूवर से गिरे बडे–बडे पियराए पत्ते” से कवि क्या कहना चाहता है?
प्रश्न–8	मदन महीने का तात्पर्य क्या है ?
प्रश्न–9	वसन्त “आयो” कविता मं किस ऋतु का वर्णन है–
	(अ) शरद् ऋतु का (ब) ग्रीष्म ऋतु का (स) वर्षा ऋतु का (द) वसन्त ऋतु का ( )
प्रश्न–10	“ये चरती परती तोडो” मे “चरती–परती” शब्द का आशय है–
	(अ) खाती–पीती (ब) खाली पडी भूमि (स) उपजाऊ भूमि (द) हरी खेती ( )
प्रश्न–11	“तोडो“ कविता मे खेत प्रतिक है।
	(अ) समृद्धि का (ब) अनाज का (स) व्यक्ति के मन का (द) शरीर का ( )

पाठ–6 : तुलसीदास

कवि परिचयः

तुलसीदास का जन्म सन् 1532 ई बाँदा जिले के राजापुर गाँव में हुआ था। तुलसीदास लोकमंगल की साधना के कवि है। उन्हें समन्वय का कवि भी कहा जाता है। इनकी रचनाओं में भाव, विचार, काव्यरूप, छंद–विवेचन और भाषा की विविधता मिलती है । रामचरितमानस हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य माना जाता है । गीतावली, कृष्ण गातीावली तथा विनय पत्रिका पद शैली की रचनाएँ है।

पाठ सारांश :

पाठ्यपुस्तक में प्रस्तुत चौपाई और दोहा को रामचरितमानस के अयोध्या कांड से लिया गया है। इन छंदो में राम वनगमन के पश्चात्भरत की मनोदशा का वर्णन किया गया है। इस पाठ के अगले अंश में गीतावली के दो पद दिए गए है जिसमें राम के वनगमन के बाद माता कौशल्या को हृदय की विरह वेदना का वर्णन किया गया है। और दूसरे पद में माँ कौशल्या राम के वियोग में दुखी अस्रों को देखकर राम से एक बार पुनः अयोध्यापुरी आने का निवेदन करतीं है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	पुलकित सरार सभा भए ठाढें। नीरज नयन नेह जल बांढे।। कहब मोर मुनिनाथ निबाहा। एहि ते अधिक कहौ में काहा ।। मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ। अपराधिहु पर कोह न जाऊ।। मो पर कृपा सनेहु बिसेखी। खेलत खुनिस न कबहूँ देखी।।
	1) "मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ" भरत किसके स्वभाव की बाते करते है ? 2) "कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू" किसने आज तक भरत का मन खिन्न नहीं किया? 3) "नीरज" और "नयन" शब्द के एक–एक पर्यायवाची लिखिए ?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न के उत्तर दीजिए–
	जनननी निरखति बान धनुहियाँ। बार बार उर नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ।। कबहुँ प्रथम ज्यो जाइ लागावति कहि प्रिय बचन सवारे। "उठत तात! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे।।
	1) "जननी निरखति बान धनुहिया" माँ कौशल्या किसे निरखती है? 2 "बार–बार उर नैनहि लावति प्रभुजू की ललित पन्हैया" रेखांकित शब्द का अर्थ क्या है? 3) माता कौशल्या किसकी याद में बिलखती है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	राम के प्रति अपने श्रद्धाभाव को भरत किस प्रकार प्रकट करते है? स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–4	भरत–राम प्रेम कविता में तुलसी ने राम के किस स्वभाव की विशेषताओं का वर्णन किया है ?
प्रश्न–5	"पुलकी सरीर सभाँ भए ढाढे" पंक्ति मे जिस सभा का उल्लेख हुआ है, वह कहॉ हुई है ?

प्रश्न–6	"विधि न सकेउ सहि मोर दुलारा"। नीच बीचु जननी मिस पारा।। के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?
प्रश्न–7	किसकी आज्ञा पाकर भरत अपनी बात कहने के लिए सभा मे खडे हुए।
	(अ) राम की (ब) सभासद की (स) मुनि वशिष्ट की (द) माता की ( )
प्रश्न–8	राम–वियोग में कौशल्या छाती से लगाती है ?
	(अ) राम के धनुष–बाण को (ब) राम वस्त्रो को (स) राम की जुतियो को (द) राम के आभूषणो को ( )
प्रश्न–9	राम को वापस लाने भरत गए थे।
	(अ) पंचवटी (ब) चित्रकूट (स) लंका (द) सरयू ( )

पाठ–7 : मलिक मुहम्मद जायसी

कवि परिचयः

मलिक मुहम्मद जायसी का जन्म सन् 1492 ई. में हुआ था। जायसी अमेठी (उत्तर प्रदेश) के निकट जायस के रहने वाले थे। इसी कारण वे जायसी कहलाए। जायसी सूफी प्रेममार्गी शाखा के सर्वश्रेष्ठ कवि माने जाते है। और उनका पद्मावत प्रेमाख्यान परम्परा का सर्वश्रेष्ठ प्रबंधकाव्य है। पद्मावत, अखरावट और आखिरी कलाम जायसी की प्रमुख काव्य–कृतियाँ है।

पाठ सारांश :

पाठ्यपुस्तक में जायसी की प्रसिद्ध रचना पद्मावत के ”बारहमासा” के कुछ अंश दिए गए हैं । प्रस्तुत पाठ में कवि ने नायिका नागमती के विरह का वर्णन किया है। कवि शीत के अगहन और पूस माह में नायिका की विरह दशा का चित्रण किया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	अगहन देवस घटा निसि बाढी । दूभर दुख सो जाइ किमि काढ़ी।। अब धनि देवस बिरह भा राती । जरै बिरह ज्यों दीपक बाती ।। काँपा हिया जनावा सीऊ। तौ पै जाई होइ सँग पीऊ।। घर–धर चीर रचाा सब काहूँ। मोर रूप रंग लै गा नाहू।।
	1) “अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी” रेखांकित शब्द का अर्थ लिखिए ? 2) उपयुक्त पद्यांश में कवि ने किसका वर्णन किया है ? 3) “काँपा हिया जनावा सीऊ” रेखांकित पद का अर्थ लिखिए ?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	माघ महीने में विरहिणी को क्या अनुभूति होती है?
प्रश्न–3	वृक्षो से पत्तियाँ तथा वनो से ढाँखे किस माह में गिरते है? इससे विरहिणी का क्या संबंध है?
प्रश्न–4	अब धनि देवस बिरह भा राती का क्या तात्पर्य है ?
प्रश्न–5	रानी नागमती वियोग में व्याकुल थी –
	(अ) राजा जयसिंह के (ब) राजा राजसेन के (स) राजा इंद्रमणि (द) सिंहल नरेश के ( )
प्रश्न–6	फाल्गुन महिने में सखियाँ कर रही है–

	(अ) ढप नृत्य (ब) चाँचरि नृत्य (स) ढोल नृत्य (द) गिछुला नृत्य ( )
प्रश्न–7	"बारहमासा" में नागमती का वियोग–वर्णन प्रारंभ हुआ है–
	(अ) अगहन से (ब) पूस से (स) माह से (द) माता की ( )
प्रश्न–8	नागमती रूपी वियोग पक्षी के लिए शीतकाल बन गया है–
	(अ) सुन्दर ऋतु (ब) नन्दन वन (स) सुखे देने वाला (द) शिकारी पक्षी बाज ( )

पाठ–8 : विद्यापति

कवि परिचयः

विद्यापति का जन्म सन्   ई. में मधुबनी (बिहार) के बिस्पी गाँव के एक ऐसे परिवार में हुआ जो विद्या और जान के लिए प्रसिद्ध था। विद्यापति बचपन से ही अत्यंत कुशाग्र बुद्धि और तर्कशील व्यक्ति थे । उनके पदों में प्रेम और सौन्दर्य की अनुभूति की जैसी निश्छल और प्रगाढ् अभिव्यक्ति हुई है। उनकी महत्वपूर्ण कृतियाँ हैं – कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पुरूष परीक्षा, भू–परिक्रमा और पदावली।

पाठ सारांश :

इस पाठ्यपुस्तक में विद्यापति के तीन पद लिए गए है । पहले में विरहिणी के हृदय के उद्‌गारों को प्रकट करते हुए उन्होंने उसको अत्यन्त दुखी और कातर बताया है। दूसरे पद में प्रियतमा सखि से कहती है कि मैं जन्म–जन्मांतर से अपने प्रियतम का रूप ही देखती रही परंतु अभी तक नेत्र संतुष्ट नहीं हुए है । तीसरे पद में कवि ने विरहिणी प्रियतमा का दुखभरा चित्र प्रस्तुत किया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	सचिा है, कि पुछसि अनुभव मोह। सेह पिरिति अनुराग नखनिउ तिल तिल नूतन होए।। जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल। सेहो मधुर बोल सवनहि सूनल स्रुति पथ परस न गेल ।।
	1) उपयुक्त पद्यांश में कवि ने किसका वर्णन किया है ? 2) "जनम अबाही हम रू‍ निहारल" नायिका जन्म से किसा रूप निहारती है ? 3) "निहारल नयन न तिरपित भेल" में कौनसा अलंकार है ?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	प्रियतमा के दुख के क्या कारण है?
प्रश्न–3	कोयल और भौरो के कलरव का नायिका पर क्या प्रभाव पड़ता है?
प्रश्न–4	नयिका के प्राण तृप्त न हो पाने का कारण अपने शब्दों में लिखिए।
प्रश्न–5	कत बिदगध जन रस अनुमोदए अनुभव काहु न पेख के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ?
प्रश्न–6	सखि अनकर दुख दारून रे जग के पतिआए के द्वारा नायिका क्या कहना चाहती है ?

प्रश्न–7	कवि नयन नं तिरतिप भेल के माध्यम से विरहणि नायिका की किस मनोदशा को व्यक्त करना–चाहता है ?
	वस्तुनिष्ठ
प्रश्न–8	कवि विद्यापति के संकलित प्रथम पद में वर्णन है–
	(अ) प्रेम की महता (ब)वसन्त ऋतु का (स) विरहिणी नायिका के भावो का (द) शीत ऋतु का ( )
प्रश्न–9	राधा जीवन भर तृप्ती नही हुई –
	(अ) भजन से (ब) कृष्ण प्रेम से (स) यमूना से (द) वृन्दावन से ( )
प्रश्न–10	कवि विद्यापति ने वसन्त का चित्रण उपवन रूप मे किया है ?
	(अ) प्रथम पद मे (ब) दूसरे पद में (स) तीसरे पद मे (द) चौथे पद में ( )
प्रश्न–11	रानी लक्ष्मणादेवी पर मुग्ध होकर रमण करते है –
	(अ) राजा शिवसिंह (ब) राजा रत्नसिंह (स) राजा मलयकेतु (द) धोरध्वज ( )

पाठ–9 : धनानंद

कवि परिचयः

धनानंद का जन्म सन् 1673 ई. में हुआ । कवि धनानंद दिल्ली के बादशाह मुहम्मद शाह के मीर मुंशी थे । उनकी रचनाओं में प्रेम का अत्यंत गंभीर, निर्मल, आवेगमय और व्याकुल कर देने वाला उदात रूप व्यक्त हुआ है। धनानंद की रचनाओं में सुजान सागर, विरह लीला, कृपाकंड निबंध, रसकेलि आदि है।

पाठ सारांश :

प्रस्तुत पुस्तक में कवि धनानंद के दो कवित तथा दो सवैये दिए जा रहे है। इनमें कवि ने अपनी प्रेमिका सुजान के दर्शन की अभिलाषा प्रकट की है । कवि ने विरह और मिलन की अवस्थाओं की तुलना की ळें

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	बहुत दिनान को अवाघी आसपास परे, खरे अरबनी भरे हैं, उठीं जान को । कहि कहि आवन छबीले मनभावन को, गहि गहि राखति ही दे दे सनमान को ।।
	1) कवि के प्राण किसके दर्शन की लालसा मे अटके हुए है ? 2) कवि घनानन्द की प्रेमिका का क्या नाम है । 3) उपयुक्त पद्यांश के रचियता कौन ?
प्रश्न–2	कवि ने चाहत चलन ये सदेंशो ले सुजान को क्यो कहा है ?
प्रश्न–3	धनानन्द वियोग के कवि है– संक्षेप में प्रकाश डालिए।
प्रश्न–4	कवि मौन होकर प्रेमिका के कौन से प्रण पालन को देखना चाहता है ?
प्रश्न–5	कवि ने किस प्रकार की पुकार से कान खोलि है की बात कही है ?
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न –
प्रश्न–6	कवि घनानन्द की प्रेमिका थी –
	अ) बणी–ठणी (ब) चित्रलेखा (स) सुजान (द) अलबेली ( )

प्रश्न–7	कवि घनानन्द के प्राण अटके हुए है
	(अ) प्रेमिका के दर्शन की लालसा में (ब) पुत्र प्राप्ति की लालसा में (स) धन प्राप्ति की लालसा में (द) कोई नही ( )

विषय : हिन्दी साहित्य – गद्य भाग

अध्याय –1
रामचन्द्र शुक्ल – प्रेमधन की छाया स्मृति

पाठ सारांशः

संस्मरणात्मक निबंध प्रेमधन की छाया स्मृति में शुक्ल जी ने हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति अपने प्रारम्भिक रूझानों का बड़ा रोचक वर्णन किया है । प्रेमधन के व्यक्तित्व ने शुक्ल जी की समवयस्क मंडली को किस तरह प्रभावित किया । हिन्दी के प्रति किस प्रकार आकर्षित किया तथा किसी रचनाकार के व्यक्तित्व निर्माण आदि से संबंधित पहलुओं का बड़ा चिताकर्षक चित्रण इस निबंध में किया गया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	आधुनिक हिन्दी–साहित्य में भारतेंदु जी के नाटक उन्हें बहुत प्रिय थे । उन्हें भी वे कभी–कभी सुनाया करते थे । जब उनकी बदली हमीरपुर जिले की राठ तहसील से मिर्जापुर हुई तब मेरी अवस्था आठ वर्ष की थी । उसके पहिले ही से भारतंदु के संबंध में एक अपूर्व मधुर भावना मेरा मन में जगी रहती थी । 1. लेखक के पिता की बदली हुई तब लेखक कितने वर्ष (साल) के थे? 2. लेखक के मन में किसके प्रति मधुर भावना जगी रहती थी? 3. उपर्युक्त गद्यांश का ”शीर्षक” क्या है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	चौधरी साहब से तो अब अच्छी तरह परिचय हो गया था । अब उनके यहाँ मेरा जाना एक लेखक की हैसियत से होता था । हम लोग उन्हें एक पुरानी चींज समझा करते थे । इस पुरातत्व की दृष्टि में प्रेम और कुतूहल का एक अद्‌भुत मिश्रण रहता था यहाँ पर यह कह देना आवश्यक है कि चौधरी साहब एक खासे हिन्दुस्तानी रईस थे। वसंत पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर उनके यहाँ खूब नाचरंग और उत्सव हुआ करते थे । उनकी हर एक सदा से रियासत और तबीयदारी टपकती थीं । 1. लेखक का परिचय किससे हो गया था? 2. चौधरी साहब के यहाँ नाचरंग और उत्सव कब होते थे? 3. “चौधरी साहब एक हिंदुस्तानी रईस थे” किसने कहा ? 4. “परिचित” शब्द का विलोम शब्द लिखिए ।

प्रश्न–3	प्रेमधन की छाया स्मृति के लेखक है –
	अ) रामचंद्र शुक्ल ब) भीष्म साहनी स) निर्मल वर्मा द) रामविलास शर्मा ( )
प्रश्न–4	भारत जीवन प्रेस की पुस्तकें किनके घर पर आती थी –
	अ) रामचन्द्र शुल्क के ब) बदरीनारायण के स) पंड़ित केदारनाथ पाठक के द) रामकृष्ण वर्मा के ( )
प्रश्न–5	क्वीन्स कॉलेल में आचार्य शुल्क के सहपाठी थे–
	अ) बदरी नारायण ब) रामकृष्ण वर्मा स) केदारनाथ पाठ द) भरतेन्द्र हरिश्चन्द्र ( )
प्रश्न–6	शुल्क जी के समवयस्क मित्रो की हिन्दी प्रेमी मंडली का नाम लोगो ने रख दिया था–
	अ) साहित्य मंडली ब) साहित्य लोग स) निस्संदेह लोग द) निस्संदेह मंडली ( )
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–7	लेखक का हिंदी साहित्य के प्रति झुकाव किस तरह बढता गया?
प्रश्न–8	"निस्संदेह" शब्द को लेकर लेखक ने किस प्रसंग का जिक्र किया है?
प्रश्न–9	"समवयस्क हिंदी प्रेमियों की मंडली में कौन–कौन से लेखक मुख्य थे ?
प्रश्न–10	लेखक ने अपने पिताजी की किन–किन विशेषताओं का वर्णन किया ?
प्रश्न–11	मिर्जापुर आने पर रामचन्द्र शुल्क को क्या पता चला।
प्रश्न–12	शुल्क जी के सहपाठी छत पर चौधरी साहब से क्या बातें कर रहे थे ?

अध्याय – 2
पंडित चंद्रधर शर्मा "गुलेरी" – सुमिरिनी के मनके

पाठ सारांशः

सुमिरिनी के मनके नाम से तीन लधु निबंध – बालक बच गया, घड़ी के पुर्जे और ढेले चुन लो पाठ्पुस्तक में बच गया, घड़ी के पुर्जे और ढेले चुन लो पाठ्यपुस्तक में दिए गए है । बालक बच गया निबंध का मूल प्रतिपाद्य है । शिक्षा ग्रहण की सही उम्र । लेखक ने अपने समय की शिक्षा प्रणाली और शिक्षकों की मानसिकता को प्रकट करने के लिए अपने जीवन के अनुभव को हमारे सामने अत्यंत व्यावहारिक रूप से रखा है। घड़ी के पुर्जे में लेखक ने धर्म के रहस्यों को जानने पर धर्म उपदेशको द्वारा लगाए गए प्रतिबंधो को घटी के दृष्टांत द्वारा बड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। ढेले चुन लो में लोक विस्त्रासों में निहित अंधविश्वासी मान्यताओं पर चोट की गई है। तीनों निबंध समाज की मुल समस्याओं पर विचार करने वाले है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	बालक के मुख्य पर विलक्षण रंगो का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखो में दीख रही थी । कुछ खाँसकर, गला साफ कर, नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, "लड्डू"। पिता और अध्यापक निराश हो गए । इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैने सुख से साँस भरी । उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कछ उठा नहीं रखा था । पर बालक बच गया । 1. बालक की आँखों में क्या दिख रहा था? 2. बालक धीरे से क्या मांगता हैं? 3. "लड्डू" की पुकार किसा मधुर मर्मट था? 4. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– शेक्सपीयर के प्रसिद्व नाटक "मर्चेन्ट ऑफ वेनिस" में पोर्शिया अपने वर को बड़ी सुन्दर रीति से चुनती है । बबुआ हरिश्चन्द्र के "दुलभ बंधु" में पुरश्री के सामने तीन पेटियाँ है – एक सोने की, दूसरी चाँदी की, तीसरी लोहे की । तीनों मे (से) एक में उसकी प्रतिमूर्ति है। स्वयंवर के लिए जो आता है उसे कहा जाता है कि इनमें से एक को चुनद ले। अकड़बाज सोने का चुनता है और उल्टे पैरो लोटता है । लोभी को चाँदी की पिटारी अंखुठा दिखाती है । सच्चा प्रेम लोहे को छूता है और धुड़दौड़ का पहिला इनाम पाता है। 1. शेक्सपीयर का प्रसिद्व नाटक कौनसा है? 2. पुरश्री के सामने तीन पेटियां कौन–कौन सही होती है? 3. सच्चा प्रेम कौनसी पेटी को छुता है? 4. लेखक ने समाज की बुराई का वर्णन किया है?
प्रश्न–3	"बालक बच गया" निबंध किससे संबंधित है –
	अ) कच्चा चिट्ठा ब) घड़ी के पूर्जे स) ढेले चुन लो द) सुमिरिनी के मनके ( )

प्रश्न–4	पंडित चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का निबंध है–
	अ) प्रेमधन की छाया स्मृति ब) सुमिरिनी के मनके स) कच्चा चिट्ठा द) कुटज ( )
प्रश्न–5	घडी के दृष्टांत से लेखक ने व्यंग्य किया है–
	अ) सामाजिक व्यवस्था पर ब) धर्म उपदेशो पर स) राजनेताओं द) नौकरशाहों पर ( )
प्रश्न–6	ढेले चुन लोष्वृतांत मे भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के किस नाटक का उल्लेख किया है–
	अ) सुखमय जीवन ब) मर्यादा स) बुद्व का काँटा द) दुर्लभ बंधु ( )
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–5	बालक से उसकी उम्र और योग्यता से ऊपर के कौन–कौन से प्रश्न पूछे गए ?
प्रश्न–6	लेखक ने धर्म का रहस्य जानने के लिए "घड़ी के पूर्जे" का दृष्टांत क्यों दिया है?
प्रश्न–7	बालक बच गया कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ?
प्रश्न–8	बालक ने क्यों कहॉ कि मैं यावज्जन्म लोकसेवा करूँगा।
प्रश्न–9	जीवन साथी का चुनाव मिट्टी के ढेलो पर छोडने के कौन–कौन से फल प्रप्त होते है ?

अध्याय –3
फणीश्वरनाथ ”रेणु”
स्वंदिया

पाठ सारांशः

संवदिया कहानी में मानवीय संवेदन की गहन एवं विलक्षण पहचान प्रस्तुत हुई है । असहाय और सहनशील नारी मन के कोमल तंतु की, उसके दुख और करूणा की, पीड़ा तथा यातना की ऐसी सूक्ष्म पकड़ रेणु जैसे ”आत्मा के शिल्पी द्वारा ही सम्भव है । हरगोबिन संविदया की तरह अपने अंचल के दूखी विपन्न बेसहारा बड़ी बहुरिया जैसे पात्रों का संवाद लेकर रेण्ड पाठको के सम्मुख उपस्थित होते है। रेणु ने बड़ी बहुरिया की पीड़ा को उसके भीतर के हाहाकार को संवदिया के माध्यम से अपनी पूरी सहानुभूति प्रदान की है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते । आदी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है। संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नहीं । गाँव के लोगों की गलत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी हीं संवदिया का काम करता है न आगे नाथ न पीछ पगहा । बिना मजदुरी लिए ही जो गॉव–गांव संवाद पहुँचावे, उसको और क्या कहेंगे ?..... औरता का गुलाम, जरा–सी मीठी बोली सुनकर ही नशे में आ जाए, ऐसे मर्द को भी भला मर्द कहेंगे? किंतु गाँव में कौन ऐसा है, जिसके घर की माँ–बहु–बेटी का संवाद हरगोबिन ने नहीं पहुँचाया है? 1. हरगोबिन कौन था? 2. संवाद पहुँने वाले व्यक्ति को क्या कहते हैं? 3. उपर्युक्त गद्यांश का श्शीर्षक लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– बड़े भैया के मरने के बाद हीं जैसे सब खेल खत्म हो गया । तीनों भाईयों ने आपस में लड़ाई–झगड़ा शुरू किया । रैयतो ने जमींन पर दावे करके दखल किया, फिर तीनो भाई गाँव छोड़कर शहर में जाप बसे, रह दगई बड़ी हुरिया–कहाँ जाती बेचारी! भगवान भले आदमी को ही कष्ट देते हैं। नही तो एक घंटे की बीमारी में बड़े भैया क्यों मरते?... बड़ी बहुरिया की देह से जेवर खीच–छीनकर बँटवारे की लीला हुई थी । 1. बड़े भैया के मरने के बाद क्या हुआ? 2. तीनों भाई गाँव छोड़कर शहर क्यों चले गए? 3. किसके जेवर खींच–छीनकर बँटवारा कर लिया?

	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प छाँटकर लिखिए।
प्रश्न–3	संवदिया पाठ मे संवदिया का नाम है–
	(अ) हरगोबिन (ब) रामधन
	(स) राम आसरे (द) हरि प्रकाश ( )
प्रश्न–4	बही बहु की माँ ने सौगात में बेटी के लिए भेजा –
	(अ) आभूषण (ब) साडियाँ
	(स) धान का चूड़ा (द) मिठाइयाँ ( )
प्रश्न–5	हरगोबिन संवदिया रहने वाला था–
	(अ) जलालगढ का (ब) अमरगढ़
	(स) जामनगर का (द) रायपुर का ( )
	लघुरात्मक प्रश्न
प्रश्न–6	बड़ी बहुरिया अपने मायके संदेश क्यों भेजना चाहती थीं?
प्रश्न–	संवाद कहते वक्त बड़ी बहुरिया की आँखे क्यों छलछला आई?
प्रश्न–8	बड़ी बहुरिया का संवाद हर गोबिन क्यों नहीं सुना सका?
प्रश्न–9	हरगोबिन कौन था और क्या काम करता था?
प्रश्न–10	सवदिया डटकर खाता है और अफर कर सोता है से क्या आशय है?
प्रश्न–11	डिजिटल इंडिया के दौर में संवदिया की क्या कोई भूमिका हो सकती है ?

अध्याय –4

भीष्म साहनी

गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात

पाठ सारांशः

साहनी की आत्मकथा आज के अतीत का एक अंश है, जोकि एक संस्मरण है। इसमें लेखक ने किशोरावस्था से प्रौढावस्था तक के अपने अनुभवों को स्मृति के आधार पर शब्दबद्व किया है। सेवाग्राम में गांधी जी का सानिध्य, काश्मीर में जवाहर लाल नेहरू का साथ तथा फिलिस्तीन में यास्सेर अराफात के साथ व्यतीत किए गए चंद क्षणों को उन्होंने प्रभावशाली शब्द चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया है । प्रस्तुत संस्मरण अत्यंत रोचक, सरस एवं पठनीय बन पड़ा हैक्योंकि भीष्म साहनी ने अपने रोचक अनुभवों को बीच–बीच में जोड़ दिया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– दूसरे दिन में तड़के ही उठ बैठा और कच्ची सड़क पर आँखे गाँड़े गाँधी जी की राह देखने लगा । ऐन सात बजे, आश्रम का फारटक लाँघकर गाँधी जी अपने साथियों के साथ सड़क पर आ गए थे । उन पर नज़र पड़ते ही मैं पुलक उठा। गाँधी जी बु–ब–हु वैसे ही लग रहे थे जैसा उन्हें चित्रों में देखा था । यहाँ तक कि कमर के नीचे से लटकती घड़ी भी परिचित सी लगी। बलराज अभी भी बेसुधा सो रहे थे । हम रात देर तक बाते करते रहे थे । मैं उतावला हो रहा था । आखिर मुझसे न रहा गया और मैने झिंझोड़कर उसे जगाया । 1. लेखक किसकी राह देखता है? 2. गाँधीजी किसके सड़क पर आ रहे थे? 3. लेखक को गाँधीजी कैसे दिख रहे थे?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– पंडित नेहरू काशमीर यात्रा पर आए थे, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ था । शेख अब्दूला के नैतृत्व में झेलम नदी पर शहर के एक सिरे से दुसरे सिरे तक, सातवें पुल से अमीराकदल तक, नावों मे उनकी शोभायात्रा देखने को मिली थी । जब नदी के दोनों ओर हजारों–हजार काश्मीर निवासी अदम्य उत्साह के साथ उनका स्वागत कर रहे थे । अद्‌भुत दृश्य था । इस अवसर पर नेहरू जी को जिस बँगले में ठहराया गया था,वह मेरे फुफेरे भाई का था और भाई के आग्रह पर कि मैं पंडित जी की देखभाल में उनका हाथ बटाऊँ, मैं भी उस बँगले में पहुँच गया था । 1. काश्मीर यात्रा पर कौन आए थे? 2. नेहरूजी को किस बँगले में ठहराया गया था? 3. लेखक ने नेहरू जी की शोभायात्रा किसके नैतृत्व में देखी? 4. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखो ।
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प छाँटकर लिखिए।
प्रश्न–3	भीष्म साहनी की प,नेहरू जी से भेंट हूई थी –

	(अ) कश्मीर में	(ब) सेवाग्राम में	
	(स) बडोदरा में	(द) दिल्ली में	( )
प्रश्न–4	भीष्म साहनी अपने भाई बलराम साहनी के साथ सेवाग्राम में रहा था–		
	(अ) सन् 1983 में	(ब) सन् 1947 में	
	(स) सन् 1938 में	(द) सन् 1950 में	( )
प्रश्न–5	अफ्रो एशियाई लेखक संघ का सम्मेलन हुआ था–		
	(अ) न्यूयार्क में	(ब) कनाडा में	
	(स) ट्यूनिस में	(द) कैनबरा में	( )
	लघुरात्मक प्रश्न		
प्रश्न–6	रोगी बालक के प्रति गाँधीजी का व्यवहार किस प्रकार का था ?		
प्रश्न–7	भीष्म साहनी सेवाग्राम क्यो गए थे ?		
प्रश्न–8	सेवाग्राम में ठहरा जापानी बौद्व क्या करता था ?		
प्रश्न–9	गाँधी जी के व्यक्तित्व की विशेषताएँ पाठ के आधार पर बताइए।		
प्रश्न–10	पृथ्वी सिंह आजाद कौन थे ? लेखक ने उनके बारे में क्या बताया ?		
प्रश्न–11	रोगी बालक के प्रति गाँधी जी का व्यवहार किस प्रकार का था ?		

अध्याय –5
असगर वजाहत
शेर, पहचान, चार हाथ, साझा
पाठ सारांशः

शेर, पहचान, चार हाथ और साझा नाम से उनकी चार लघुकथाएँ दी गई है। शेर प्रतीकात्मक और व्यंग्यात्मक लघुकथा है । शेर व्यवस्था का प्रतीक है । इस कहानी के माध्यम से लेखक नहीं सुविधाभोगियों, छद्म क्रांतिकारियों, अहिंसावादियों, और सह–अस्तित्ववादियों के ढोंग पर भी प्रकार किया है। पहचान में राजा को बहरी, गूँगी और अंधी प्रजा पसंद आती है जो बिना कुछ बोले, बिना कुछ सुने और बिना कुछ देखे उसकी आज्ञा का पालन करती है। कहानीकार ने इसी यथार्थ की पहचान कराई है। चार हाथ पूँजीवादी व्यवस्था में मजदूरों के शोषण को उजागर करती है और साझा में उद्योगों पर कब्जा जमाने के बाद पूँजीपतियों की नज़र किसानो की जमीन और उत्पाद पर जीम है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	मैने देख कि झाड़ी की ओर भी गजब की चीज है । अगर झाड़ियाँ न हो तो शेर का मुँह–ही मुँह हो और फिर उससे बच पाना बहुत कठिन हो जाए। कुछ देर के बाद मैने देखा कि जंगल के छोटे–मोटे जानवर एक लाइन से चले आ रहे है और शेर के मुँह में घुसते चले जा रहे हैं। शेर बिना हिले–डुले, बिना चबाए, जानवरों को गटकता जा रहा है। यह दृश्य देखकर मैं बेहोश होते–होते बचा। 1. झाड़ियों के पींछे कौन छिप रहा था ? 2. जंगल के छोटे–मोटे जानवर कहाँ जा रहे थे ? 3. लेखक बेहोश क्यों हो गया था?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– राजा ने हुक्म दिया कि उसके राज में सब लोग अपनी आँखे बंद रखेंगे ताकि उन्हें शांति मिलती रहे । लोगो ने ऐसा ही किया क्यों राजा की आज्ञा मानना जनता के लिए अनिवार्य है। जनता आँखे बंद किए–किए सारा काम करती थी और आश्चर्य की बात यह कि काम पहले की तुलना में बहुत अधिक और अच्छा हो रहा था। फिर हुक्म निकला कि लोग अपने अपने कानों में पिघला हुआ सीसा डलवा ले क्यों कि सुनना जीवित रहने के लिए बिल्कुल रूरी नहीं है। लोगो ने ऐसा ही किया और उत्पादन आश्चर्यजनक तरीके से बढ़ गया । 1. राजा ने लोगो को क्या हुक्म दिया? 2. लेखक के अनुसार राजा को कैसी प्रजा पसंद थीं? 3. राजा ने जनता को दुसरी बार क्या हुक्म दिया?
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प छाँटकर लिखिए।
प्रश्न–3	शहर तथा आदमियों से डरकर लेखक पहूचाा–
	(अ) गाँव (ब) जेल में
	(स) जंगल में (द) घर में ( )

प्रश्न–4	बहरी,गूँगी और अंधी प्रजा पसन्द है–
	(अ) राजा को (ब) प्रधानमंत्री को
	(स) राज्यपाल को (द) राष्ट्रपति को ( )
प्रश्न–5	हाथी ने किसान के साथ साझे में खेती की –
	(अ) गेहूँ की (ब) ईख की
	(स) इंगूर की (द) चने की ( )
	लघुरात्मक प्रश्न
प्रश्न–6	कहानी में लेखक ने शेर को किस बात का प्रतिक बताया है ?
प्रश्न–7	शेर के मुँह और रोजगार के दफ्तर के बीच क्या अंतर है ?
प्रश्न–8	लोमडी स्वेच्छा से शेर के मूँह में क्यो चली जा रही थी ?
प्रश्न–9	राजा ने जनता को हुक्म क्यों दिया की सब लोग अपनी आँखे बंद कर ले ?
प्रश्न–7	चार हाथ न लग पाने पर मिल मालिक की समझ में क्या बात आ गई ?
प्रश्न–8	साझे की खेती के बारे में हाथी ने किसान को क्या बताया ?

अध्याय –6
निर्मल वर्मा
जहाँ कोई वापसी नहीं

पाठ सारांशः

"जहाँ कोई वापसी नहीं" यात्रा–वृतांत घुध से उठती धुन संग्रह से लिया गया है। उसमें लेखक ने पर्यावरण–संबंधी सरोकारों को ही नहीं, विकास के नाम पर पर्यावरण–विनाश स`उपजी विस्थापन संबंधी मनुष्य की यातना को भी रेखांकित किया है । यह पाठ विस्थापितों की अनेक समस्याओं का हृदय स्पर्शी चित्र प्रस्तुत करता है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	इन्हीं गाँवों में एक का नाम है – अमझर, आम के पेड़ों से घिरा गाँव–जहाँ आम झरते है। किंतु पिछले दो–तीन वर्षो से पेड़ो पर सुनापन है, न कोई फल पकता है, न कुछ नीचे झरता है। कारण पूछने पर पता चला कि जब से सरकारी घोषणा हुई है कि अमरौली प्रोजेक्ट के अंतर्गत नवागांव के अनेक गाँव उजाड़ दिए जाएँगे, तब से न जाने कैसे आम के पेड़ सुखने लगे। आदमी उजड़ेगा तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे? 1. आम के पेड़ों से घिरे गाँव का नाम क्या था? 2. लेखक ने आम के पेड़ों के सुखने का क्या कारण बताया है? 3. लेखक ने उपर्युक्त गद्यांश में किसका वर्णन किया है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– विकास का यह "उजला" पहलू अपने पीछे कितने व्यापक पैमाने पर विनाश का अंधेरा लेकर आया था । हम उसका छोटा–सा जायजा लेने दिल्ली में स्थित "लोकायन" संस्था की ओर से सिंगरौली गए थे । सिंगरोली जाने से पहले मेरे मन में इस तरह का कोई सुखद भ्रम नहीं था कि औद्योगिकरण का चक्का, जो स्वतंत्रता के बाद चलाया गया, उसे रोका जा सकता है । शायद पैतींस वर्ष पहले हम कोई दूसरा विकल्प चुन सकते थे जिसमें मानव सुख की कसौटी भौतिक लिप्सा न होकर जीवन की जरूरतों द्वारा निर्धारित होती । 1. लेखक लोकायन संस्था की ओर कहाँ गए ? 2. मानव की कसौटी किसके द्वारा निर्धारित होती है? 3. विकास का उजाला पहलु क्या लेकर आया?
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प छाँटकर लिखिए।
प्रश्न–3	जहाँ कोई वापसी नही पाठ के लेखक है –
	(अ) डॉ रामविलास शर्मा (ब) निर्मल वर्मा
	(स) फणीश्वर नाथ रेणु (द) जयशंकर प्रसाद ( )
प्रश्न–4	किस क्षेत्र में अठारह छोटे–छोटे गाँव है–
	(अ) कोरबा (ब) झरझर
	(स) बिलासपुर (द) नवगाँव ( )

प्रश्न–5	आधुनिक भारत के नए शरणार्थी कहॉ गया है–
	(अ) पाकिस्तााान से लौटे लोगों को (ब) शहर से लौटे को
	(स) नवगाँव क्षेत्र से विस्थातिप लोगो को (द) विदेश से लौटे लोगो को ( )
	लघुरात्मक प्रश्न
प्रश्न–6	आधुनिक भारत के "नए शरणार्थी" किन्हें कहा गया?
प्रश्न–7	लेखक के अनुसार स्वातंत्रयोतर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजडी क्या है?
प्रश्न–8	अमझर से आप क्या समझते हैं? अमझर गाँव में सूनापन क्यों है?
प्रश्न–9	औघौगीकरण से हुए विस्थापन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
प्रश्न–10	सिंगरौली से संबंध में क्या दप्त कथा है ?
प्रश्न–11	लेखक को धान के खेतों में रोपाई करती महिलाएँ हिरणियों जैसी क्यों लगीं ?

अध्याय –7
ममता कालिया
दूसरा देवदास

पाठ सारांशः

दूसरा देवदास कहानी में लेखिका ने इस तरह घटनाओं का संयोजन किया है कि अनजाने में पगेम का प्रथम अंकुरण संभव और पारों के हृदय में बड़ी अजीब परिस्थितियों में उत्पन्न होता है। यह प्रथम आकर्षण और परिस्थितियों के गुंफान ही उनके प्रेम को आधार और मजबुती प्रदान करता है। यह कहानी युवा हृदय में पहली आकस्कि मुलाकात की हलचल, कल्पना और रूमानियत का उदाहरण है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	लड़की अब बिलकुल बराबर में खड़ी, आँख मूँदकर अर्जन कर रही थी। संभव ने यकायक मुड़कर उसकी ओर गौर किया। उसके कपड़े एकदम भींगे हुए थे। यहाँ तक किउसके गुलाबी आँचल से संभव के कुर्ते का एक कोना भी गीला हो रहा था। लड़की के लम्बे गीले बाल पीठ पर काले चमकीले शॉल की तरह लग रहे थे । 1. संभव ने यकायक मुड़कर सिको देखा था? 2. लड़की के बाल कैसे लग रहे थे? 3. लेखिका ने उक्त गुद्यांश में किसका वर्णन किया?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– लड़ी ने आज गुलाबी परिधान नहीं पहना था पर सफेद साड़ी में लाज से गुलाबी हाते हुए उसने मंसा देवी पर एक और चुनी चढाने का संकल्प लेते हुए सोचा। ”मनोकामना की गाँठ भी अद्भुत अनुठी है। इधर बाँधो उधर लग जाती है”। पारो बुआ, पारो बुआ, इनका नाम है मन्नु ने बुआ का आँचल खींचते हुए कहा । ”संभव देवदास” संभव ने हँसते हुए वाक्य पूरा किया । 1. लडकी ने क्या पहन रखा था? 2. लड़की ने क्या संकल्प लिया? 3. “परिधान” शब्द का अर्थ बताइये।
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प छाँटकर लिखिए।
प्रश्न–3	ममता कालिया की कहानी दूसरा देवदास का नायक है–
	(अ) संभव (ब) सुथल
	(स) आशीष (द) गिरीश ( )
प्रश्न–4	मनोकामना की गाँठ विचित्र है, इधर पूरी हो जाती है। यह सोचा –
	(अ) पंडित जी ने (ब) पारो ने
	(स) भक्त ने (द) संभव ने ( )

प्रश्न–5	दूसरा देवदास कहानी में वर्णन है–
	(अ) युवा मन की संवेदनाओं का (ब) प्राकुतिक सौन्दर्य का
	(स) हदय की वेदना का (द) सामाजिक असंतोष का ( )
	लघुरात्मक प्रश्न
प्रश्न–6	"दुसरा देवदास" कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–7	"मनोकामना की गाँठ भी अद्‌भुत अनोखी है" कैसे पाठ के आधार स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न–8	लेखिका ने गंगापुत्र किसे कहा और क्यों?
प्रश्न–9	नीलांजलि क्या है ?
प्रश्न–10	नानी उवाच के बीच सपने नौ दो ग्यारह हो गये–
	वाक्य में नौ दौ ग्यारह होना मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए ।

अध्याय –8
हजारी प्रसाद द्विवेदी
कुटज

पाठ सारांशः

कुटज हिमालय पर्वत की ऊँचाई पर सूखी शिलाओं के बीच उगने वाला एक जंगली पौधा है, जिसमें फूल लगते है। इसी फुल की प्रकृति पर रह निबंध कुटज लिखा गया है । कुटज में न विशेष सौंदर्य है न सुगन्ध, फिर भी लेखक ने उसमें मानव के लिए एक संदेश पाया है। कुटज में अपराजेय जीवनशक्ति है। स्वावलंबन है, आत्मविश्वास है और विषम परिस्थितियों में भी शान के साथ जीने की क्षमता है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
	जींना चाहते हो? "कठोर पाषाण को भेदकर, पाताल की छाती चीरकर अपना भोग्य संग्रह करो। वायुमण्डल को चुसकर, झंझा–तुफान को रगड़कर अपना प्राप्य वसुल लो। आकाश को चुसकर अवकाश की लहरी में झूमकर उल्लास खीच लो" कुटज का यही उपदेश है। 1. लेखक के अनुसार अपराजेय जीवन शक्ति का प्रतीक वृक्ष कौनसा है? 2. कुटज के पते वायुमण्डल से क्या चुसते है? 3. कुटज मनुष्य को क्या उपदेश देता है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– रहीम को मैं बड़े आदर के साथ स्मरण करता हूँ। दरियादिल आदमी थे, पाया सो लुटाया । लेकिन दुनिया है कि मतलब से मतलब है, रस चूस लेती है, छिलका और गुठली फेंक देती है। सुना है, रस चूस लेने के बाद रहीम को भी फैंक दिया गया था। एक बादशाह ने आदर के साथ बुलाया, दुसरे ने फैंक दिया! हुआ ही करता है । इससे रहीम का मोल घट नहीं जाता है। 1. लेखक सिको स्मरण करता है? 2. रहीम कैसे व्यक्ति थे? 3. बादशाह ने सिको आदर के साथ बुलाया?
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न –
प्रश्न–3	आत्मानस्तु कामाय सर्वप्रिय भवति किस कवि का कथन है–
	(अ) याज्ञवल्क्य का (ब) वशिष्ट का
	(स) दुर्वाशा का (द) कण्व ऋषि का ( )
प्रश्न–4	गाढे का साथी लेखक ने बताया है–
	(अ) गुरू को (ब) शिक्षक को
	(स) कुटज को (द) शीशम को ( )
प्रश्न–5	द्विवेदी जी ने संस्कृत भाषा को बताया है–
	(अ) क्लिष्ट (ब) सर्वग्रासी भाषा
	(स) सरल भाषा (द) व्याकरणिक भाषा ( )
	लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न–6	कुटज को "गठे का साथी" क्यों कहा गया है?
प्रश्न–7	कुटज किस प्रकार अपनी अपराजेय जीवनी–शक्ति की घोषणा करता है?
प्रश्न–8	कुटज के जीवन से हमें क्या सीख मिलती है?
प्रश्न–9	कुटज का शाब्दिक अर्थ बताइए।
प्रश्न–10	कुटज के वृक्ष की तीन विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए। शाब्दिक अर्थ बताइए।

निबन्ध रचना : –

प्रश्न –1 किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए–

1) पर्यावरण प्रदुषण – विज्ञान की देने ।
2) प्रदुषण – गभी चुनौती ।
3) पर्यावरण संरक्षण – प्रदूषण नियन्त्रण
4) इंटरनेट – ज्ञान भण्डार का द्वार
5) इंटरनेट – लाभ और हानि
6) मेरा प्रिय कवि
7) कम्पयुटर शिक्षा का महत्व

पत्र लेखन

प्रश्न–1 जिला शिक्षा अधिकारी बीकानेर की ओर से सचिव,माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर की राजकीय उ,मा,विद्यालय,लालगढा, में बोर्ड परीक्षा केन्द्र की स्वींकृती हेतु कार्यालयी पत्र लिखिए।

प्रश्न–2 कार्यालय शिक्षा निदेशक राजस्थान की ओर से राज्य के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों के नाम एक परिपत्र का प्रारूप बनाए जिसमें योगासन और प्रणायाम को विद्यालयों में दिनिकचर्या का अंग बनाए जाने का उल्लेख हो।

प्रश्न–3 निम्न प्रश्नों के उत्तर 40–50 शब्दों में दीजिए ।

अ) "पराधीन सपने हूँ, सुख नाहि। "
ब) संतोषी सदा सुखी ।

अंतराल भाग–2

पाठ–1 : सूरदास की झोंपड़ी (प्रेमचन्द)

पाठ सारांशः

सूरदास की झोपड़ी प्रेमचंद के उपन्यास रंगभूमि का एक अंश है । एक दृष्टिहीन व्यक्ति जितना बेबस और लाचार जीवन जीने का अभिशप्त होता है सुरदास का चरित्र ठीक इसके विपरीत है। सुरदास अपनी परिस्थितियों से जितना दुखी व आहत है उससे कहीं अधिक आहत है भैरों और जगधर द्वारा किए जा रहे अपमान से, उनकी ईर्ष्या से।

प्रश्न–1 सुरदास की झोंपड़ी में आग लगाई थी।

अ) जगधर ने ब) भैरो ने स) मिठुआ ने द) सुभागी ने ( )

प्रश्न–2 जगधर के मन में किस तरह का ईर्ष्या–भाव जगा और क्यों?

प्रश्न–3 सूरदास की झोंपड़ी में आग लगाने से भैंरो के मन की कौनसी आग ठंडी हो गई थी ?

प्रश्न–4 सूरदास जगधर से अपनी आर्थिक हानि को गुप्त क्यों रखना चाहते थे?

प्रश्न–5 भैंरों ने सूरदास की झोपड़ी को क्यों जलाया?

प्रश्न–6 'सूरदास की झोपड़ी' पाठ का क्या संदेश है?

प्रश्न–7 प्रेमचन्द ने "झोंपड़ी की आग" की तुलना किससे की है?

प्रश्न–8 सुरदास को किस बात का दुःख था और क्यों ?

प्रश्न–9 सुरदास पोटली को खोलकर किस प्रकार पछाता रहा था ?

अध्याय –2
बिस्कोहर की माटी (विश्वनाथ त्रिपाठी)
पाठ सारांशः

गाँव शहर की तरह सुविधायुक्त नहीं होते, बल्कि प्रकृति पर अधिक निर्भर रहते है। इस निर्भरता का दुसरा पक्ष प्राकृति सौंदर्य भी है जिसे लेखक ने बड़े मनोयोग से जिया और प्रस्तुत किया है।

प्रश्न–1 "मिस्कोहर की माटी" पाठ के लेखक है–
अ) संजीव बालियान ब) जैनेन्द्र स) राकेश मोहन द) विश्वनाथ त्रिपाठी ( )

प्रश्न–2 कोईयाँ किसे कहते है? उसकी विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न–3 बिसनाथ पर क्या अत्याचार हो गया?

प्रश्न–4 हरसिंगार के बारें में लेखक ने क्या बताया है?

प्रश्न–5 'भसीण' क्या है? इसका क्या उपयोग हैं?

प्रश्न–6 "प्रकृति सजीव नारी बन गई है।" इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–7 फूल केवल गंध हीं नहीं देते,दवा भी करते है– कैसें ?

प्रश्न–8 सिंघाडा क्या है ? लेखक ने इसके बारे में क्या बताया है ?

प्रश्न–9 सरसों के फुल का पीला सागर किसको कहॉ गया है ?

प्रश्न–10 भरभंडा किसे कहते है ? इसकी क्या उपयोगिता है ?

प्रश्न–11 'कमल' का उपयोग बिसनाथ के गाँव में कैसे होतास था ?

प्रश्न–12 'साँपो' के अतिरिक्त लेखक ने किन–किन अन्य विषैले जीवो का जिक्र किया है।

पाठ–3 :

अपना मालवा खाऊ उजांड़ू सभ्यता में (प्रभाष जोशी)

पाठ सारांशः

इस पाठ में लेखक ने मालवा प्रदेश की मिट्टी, वर्षा, नदियों की स्थिति, उद्गम एवं विस्तार तथा वहाँ के जनजीवन एवं संस्कृति को चित्रित किया है। इस पाठ के माध्यम स`लेखक ने पर्यावरणीय सरोकारों को आम जनता से जोड़ दिया है तथा पर्यावरण के प्रति लोगों को सचेत किया है।

प्रश्न–1 चंचल नदी का उद्गम स्थन है–

अ) केबडेश्वर ब) विंध्या के जनापाव पर्वत

स) शिवालिक की पहाड़िया द) नर्मदेश्वर ( )

प्रश्न–2 अब मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसा गिरा करता था। उसके क्या कारण है?

प्रश्न–3 शिप्रा नदी के संबंध में लेखक ने क्या कहा?

प्रश्न–4 नागदा से उज्जेन तक की लेखक की यात्रा कैसी रही?

प्रश्न–5 लेखक ने चम्बल के बारें में क्या बताया हैं?

प्रश्न–6 लेखक ने वर्तमान सभ्यता को खाऊ–उजाड़ू सभ्यता क्यों कहाँ है?

प्रश्न–7 आज विकास की योजना बनाने वाले योजनाकारों तथा इंजीनियरों के कार्यो का क्या दुष्परिणाम हुआ है?

प्रश्न–8 हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गन्दे नाले बना रहीं हैं। कैसे,समझाइये ?

प्रश्न–9 'रिनेसाँ' क्या है ?

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : इतिहास

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा 2025–26

कक्षा – 12वीं

विषय : इतिहास

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	4:15	80	20	100

भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग–1

खण्ड–क–इकाई 1–4

विषय–एक : हड़प्पा सभ्यता– ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ 6

1. आरंभ, 2. निर्वाह के तरीके –कृषि प्रौद्योगिकी, 3. मोहनजोदड़ो–एक नियोजित शहरी केन्द्र, 4.सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन, 5. शिल्प–उत्पादन के विषय में जानकारी, 6. माल प्राप्त करने संबंधी नीतियाँ, 7. मुहरें, लिपि तथा बाट, 8. प्राचीन सत्ता, 9. सभ्यता का अंत, 10. हड़प्पा सभ्यता की खोज, 11. अतीत को जोड़कर पूरा करने की समस्याएँ।

विषय–दो : आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ– राजा, किसान और नगर 6

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ईस्वी)

1. प्रिंसेप और पियदस्सी, 2. प्रारंभिक राज्य, 3. एक आरंभिक साम्राज्य, 4. राजधर्म के नवीन सिद्धांत, 5. बदलता हुआ देहात, 6.नगर एवं व्यापार, 7. मूल बातें, 8. अभिलेख साक्ष्य की सीमा।

विषय–तीन : आरंभिक समाज –बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग 6

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ईस्वी)

1. महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण, 2. बंधुता एवं विवाह अनेक नियम और व्यवहार की विभिन्नता, 3. सामाजिक विषमताएँ वर्ण–व्यवस्था के दायरे में और उससे परे, 4. जन्म के परे–संसाधन और प्रतिष्ठा, 5. सामाजिक विषमताओं की व्याख्या–एक सामाजिक अनुबंध, 6. साहित्यिक स्रोतों का इस्तेमाल–इतिहासकार और महाभारत, 7. एक गतिशील ग्रंथ।

विषय–चार : सांस्कृतिक विकास– विचारक, विश्वास और इमारतें 6

1. साँची की एक झलक, 2. पृष्ठभूमि–यज्ञ और विवाद, 3. लौकिक सुखों से आगे–महावीर का संदेश, 4. बुद्ध और ज्ञान की खोज, 5. बुद्ध की शिक्षाएँ, 6. बुद्ध के अनुयायी, 7. स्तूप, 8. स्तूपों की ''खोज''–अमरावती और साँची की नियति, 9. मूर्तिकला, 10.नयी धार्मिक परंपराएं, 11. क्या हम सब कुछ देख–समझ सकते हैं।

भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग–II

खण्ड–ख–इकाई 5–8

विषय–पाँच : यात्रियों के नजरिए–समाज के बारे में उनकी समझ 6

(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)

1. अल–बिरूनी तथा किताब–उल–हिन्द, 2. इब्न बतूता का रिहला, 3. फांस्वा बर्नियर : एक विशिष्ट चिकित्सक, 4. एक अपरिचित संसार की समझ अल–बिरूनी तथा संस्कृतवादी परंपरा, 5. इब्न बतूता तथा अनजाने को जानने की उत्कंठा, 6. बर्नियर तथा अपविकसित पूर्व, 7. महिलाएँ : दासियाँ, सती तथा श्रमिक।

विषय–छ : भक्ति–सूफी परंपराएँ–धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ 7

(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

1. धार्मिक विश्वासों और आचरणों की गंगा–जमुनी बनावट, 2. उपासना की कविताएँ प्रारंभिक भक्ति परंपरा, 3. कर्नाटक की वीरशैव परंपरा, 4. उत्तरी भारत में धार्मिक उफान, 5. दुशाले के नए ताने–बाने : इस्लामी परंपराएँ, 6. सूफीमत का विकास, 7. उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिला, 8. नवीन भक्ति पंथ उत्तरी भारत में संवाद और असहमति, 9. धार्मिक परंपराओं के इतिहासों का पुनर्निर्माण।

विषय–सात : एक साम्राज्य की राजधानी–विजयनगर 6

(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)

1. हम्पी की खोज, 2. राय, नायक तथा सुलतान, 3. विजयनगर : राजधानी तथा उसके परिप्रदेश, 4. राजकीय केन्द्र, 5. धार्मिक केन्द्र, 6. महलों, मन्दिरों तथा बाजारों का अंकन, 7. उत्तरों की खोज में प्रश्न।

विषय–आठ : किसान, जमींदार और राज्य–कृषि समाज और मुगल साम्राज्य 6

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

1. किसान और कृषि उत्पादन, 2. ग्रामीण समुदाय, 3. कृषि समाज में महिलाएँ, 4 जंगल और कबीले, 5. जमींदार, 6. भू–राजस्व प्रणाली, 7. चाँदी का बहाव, 8. अबुल फजल की आइन–ए–अकबरी

भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग–III

खण्ड–ग इकाई 9–12

विषय–नौ : उपनिवेशवाद और देहात–सरकारी अभिलेखों का अध्ययन **6**

1. बंगाल और वहाँ के जमींदार, 2. कुदाल और हल, 3. देहात में विद्रोह बम्बई दक्कन, 4. दक्कन दंगा आयोग

विषय–दस : विद्रोही और राज –1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान **6**

1. विद्रोह का ढर्रा, 2. अवध में विद्रोह, 3. विद्रोही क्या चाहते थे ?, 4. दमन, 5. विद्रोह की छवियाँ

विषय–ग्यारह : महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन–सविनय अवज्ञा और उससे आगे **7**

1. स्वयं की उद्‌घोषणा करता एक नेता, 2. असहयोग की शुरुआत और अंत, 3. नमक सत्याग्रह नजदीक से एक नजर, 4. भारत छोड़ो, 5. आखिरी, बहादुराना दिन, 6. गाँधी को समझना

विषय–बारह : संविधान का निर्माण–एक नए युग की शुरुआत **6**

1. उथल–पुथल का दौर, 2. संविधान की दृष्टि, 3. अधिकारों का निर्धारण, 4. राज्य की शक्तियाँ, 5. राष्ट्र की भाषा

इकाई 13 मानचित्र कार्य **6**

अनुक्रमणिका

विषय–इतिहास

कक्षा–12

भाग–1	
अध्याय 1	ईटें, मनके तथा अस्थियाँ (हड़प्पा सभ्यता)
अध्याय 2	राजा, किसान और नगर–आरम्भिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)
अध्याय 3	बंधुत्व, जाति तथा वर्ग – आरम्भिक समाज (लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)
अध्याय 4	विचारक, विश्वास और इमारतें–सांस्कृतिक विकास (लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)
भाग–2	
अध्याय 5	यात्रियों के नजरिए – समाज के बारे में उनकी समझ (लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)
अध्याय 6	भक्ति–सूफी परम्पराएँ – धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)
अध्याय 7	एक साम्राज्य की राजधनी : विजय नगर (लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)
अध्याय 8	किसान, जमींदार और राज्य कृषि समाज और मुगल साम्राज्य (लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)
भाग–3	
अध्याय 9	उपनिवेशवाद और देहात – सरकारी अभिलेखों का अध्ययन
अध्याय 10	विद्रोही और राज – 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान
अध्याय 11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन– सविनय अवज्ञा और उससे आगे
अध्याय 12	संविधान का निर्माण– एक नये युग की शुरूआत

अध्याय–1
ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ
(हड़प्पा सभ्यता)

पाठ का सार–

प्रस्तुत अध्याय में हम आरम्भिक हड़प्पा, विकसित हड़प्पा तथा पतनशील (उतरोत्तर) हड़प्पा सभ्यता के बारे में अध्ययन करेगें। हड़प्पा सभ्यता का काल निर्धारण 2600 ई. पूर्व से 1900 ई. पूर्व के बीच किया गया है। 1920 के दशक में हड़प्पा सभ्यता की खोज हुई। 1921 में दयाराम साहनी ने हड़प्पा की खुदाई तथा 1922 में श्री राखालदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ों की खोज की। हड़प्पा सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु मुहर हैं जो कि सेलखड़ी नामक मुलायम पत्थर से बनाई गई है। इस सभ्यता को सिंधु घाटी सभ्यता भी कहा जाता है।

हड़प्पा सभ्यता के लोग गेंहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा, चावल इत्यादि की खेती करते थे। हड़प्पा स्थलों से मिली जानवरों की हड्डियों में भेड़, बकरी, भैंस, सुअर, हिरण तथा घड़ियाल की हड्डियाँ शामिल है। इतिहासकारों को थार रेगिस्तान से लगा हुआ पाकिस्तान का रेगिस्तानी क्षेत्र चोलिस्तान और बनावली (हरियाणा) से मिट्टी के बने हल के प्रतिरूप मिले है। खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। कालीबंगा (राजस्थान) से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले है। खेती में सिंचाई के लिए नदी, नहरें, कुओं, जलाशयों का पानी लिया जाता होगा।

अफगानिस्तान में शोर्तुधई नामक हड़प्पा स्थल से नहरों के कुछ अवशेष मिले है तथा शोर्तुधई से ही नीले रंग के कीमती पत्थर लाजवर्द मणि को प्राप्त किया गया।

हड़प्पा सभ्यता का एक नियोजित शहरी केन्द्र मोहनजोदड़ों था। मोहनजोदडों नगर दुर्ग और निचला शहर दो भागों में विभाजित था। दुर्ग पर स्थित दो प्रमुख संरचनाओं 1. मालगोदाम और 2. विशाल स्नानागार के साक्ष्य मिले है। अवतल चक्कियाँ भी बड़ी संख्या में मिली है। लगभग 700 के आसपास कुएँ मिले है।

भवन निर्माण, नालों का निर्माण, दुर्ग, विशाल स्नानागार में पक्की ईंटों का प्रयोग किया गया है। जो 4 : 2 : 1 आकार की होती थी।

शिल्प कार्यो में मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मुहर निर्माण तथा बाट बनाना था। मनके बनाने के लिए चन्हूदड़ों और लोथल प्रसिद्ध था। बालाकोट तथा नागेश्वर में शंख की वस्तुओं का निर्माण होता था। बाट चर्ट नामक पत्थर से बनाये जाते थे। ओमान और मेसोपोटामिया से हड़प्पावासियों के व्यापारिक संबंध थे। हड़प्पाई मर्तबान ओमान स्थल से प्राप्त हुआ है तथा मेसोपोटामिया के लेख मेलुहा को नाविकों का देश कहते है। राजस्थान के खेतड़ी अंचल से हड़प्पा सभ्यता के लोग ताँबा मंगाते थे। सामाजिक भिन्नताओं का पता लगाने के लिए दो विधियों का प्रयोग किया गया– 1. शवधानों का

अध्ययन 2. उपयोगी तथा विलासिता की वस्तुओं की खोज। चक्कियाँ, मृदभाण्ड, सूइयाँ, झाँवा उपयोगी वस्तुएँ है।

व्यापार जलमार्ग और थल मार्ग दोनों रूपों में प्रचलित था। इस सभ्यता में तीन वर्ग– (1) पुरोहित या शासक वर्ग– (2) योद्धा या क्षत्रिय वर्ग (3) जनसाधारण वर्ग के अस्तित्व चिन्ह दिखाई देते है। हड़प्पा सभ्यता का क्रमिक पतन लगभग 1800 ई.पू. के आसपास शुरू हुआ। पतन के संदर्भ में विभिन्न विद्वानों के विभिन्न मत है जैसे जलवायु परिवर्तन, भीषण बाढ़, वनों की कटाई, नदियों का सूख जाना प्रशासनिक शिथिलता, जल प्लावन और महामारी।

हड़प्पाई लिपि को अभी तक पूर्णतया नहीं पढ़ा जा सका है। इस सभ्यता से प्राप्त भौतिक साक्ष्य ही पुरातत्वविद्वों का हड़प्पाई जीवन को ठीक प्रकार से पुननिर्मित करने में सहायक हुए है।

हड़प्पाई मुहरों के साथ रहस्यमय लिपि व अभिलेखों की खोज की गई। सबसे लम्बे अभिलेख में लगभग 26 चिन्ह है तथा हडप्पाई लिपि में चिन्हों की कुल संख्या लगभग 375 से 400 के बीच है। हड़प्पावासी मातृदेवी, आधशिव, पशु–पक्षियों, वृक्षों तथा लिंग पूजा करते थे। सबसे आरम्भिक ग्रंथ ऋग्वेद है जो लगभग 1500 से 1000 ईसा पूर्व के बीच संकलित किया गया है। अंग्रेजी में B.C. (बिफोर क्राइस्ट) ईसापूर्व तथा A.D. (एनी डामिनी) ईसा मसीह के जन्म के वर्ष से है। इन सब खोजों के आधार पर सन 1924 में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल जॉन मार्शल ने पूरे विश्व के सामने एक नई सभ्यता की खोज की घोषणा की तथा भारतीय पुरातत्व का जनक अलेक्जैण्डर कनिंघम को कहा गया तथा एस.एन. राव ने 'द स्टोरी ऑफ इण्डियन आर्क्रियालोजी की रचना की।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. पुरातत्वविदों को हड़प्पा सभ्यता के किस स्थल से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले है–

   (अ) धौलावीरा (ब) रंगपुर

   (स) राखीगढ़ी (द) कालीबंगा ( )

2. थार रेगिस्तान से लगा हुआ पाकिस्तान का रेगिस्तान क्षेत्र क्या कहलाता है –

   (अ) नखलिस्तान (ब) पाकिस्तान

   (स) चोलिस्तान (द) अफगानिस्तान ( )

3. भारतीय पुरातत्व का जनक किसे कहा जाता है –

   (अ) जॉन मार्शल (ब) मैके

   (स) दयाराम साहनी (द) अलेक्जैण्डर कनिंघम ( )

4. हड़प्पा सभ्यता के अंतर्गत विशाल स्नानागार स्थित है–

   (अ) मोहनजोदड़ो (ब) कालीबंगा

   (स) रंगपुर (द) चन्हूदड़ो ( )

5. मनके बनाने के लिए कौनसी बस्ती प्रसिद्ध थी –

(अ) मोहनजोदड़ो (ब) बणावली

(स) धौलावीरा (द) चन्हूदड़ो ( )

6. बालाकोट तथा नागेश्वर किस वस्तु के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है –

(अ) अस्त्र–शस्त्र (ब) जहाज

(स) शंख की वस्तुएं (द) मृदभाण्ड ( )

7. नीले रंग के कीमती पत्थर लाजवर्द को प्राप्त किया जाता था–

(अ) मोहनजोदडो (ब) भडौंच

(स) हडप्पा (द) शोंर्तुघई ( )

8. राजस्थान के खेतड़ी अंचल से हड़प्पा सभ्यता के लोग मंगाते थे –

(अ) सोना (ब) ताँबा

(स) चाँदी (द) लोहा ( )

9. हड़प्पा सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु है–

(अ) सड़क (ब) मृदभाण्ड

(स) आभूषण (द) मुहर ( )

10. मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप मिले है–

(अ) मोहनजोदड़ो (ब) बनावली

(स) मिताथल (द) चन्हूदड़ो ( )

11. हड़प्पाई लिपि में लिखा गया सूचना पट्ट कहाँ से मिला है–

(अ) हड़प्पा (ब) लोथल

(स) धौलावीरा (द) मोहनजोदड़ो ( )

12. एक मूर्ति जिसे 'पुरोहित राजा' की संज्ञा दी गई कहाँ से प्राप्त हुई है–

(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो

(स) धौलावीरा (द) बनावली ( )

13. हड़प्पा सभ्यता के किस स्थल से 'बाजरे के दाने' के साक्ष्य मिले है–

(अ) गुजरात (ब) महाराष्ट्र

(स) चन्हूदड़ों (द) कर्नाटक ( )

14. पुरातत्वविदों के अनुसार 'गणेश्वर– जोधपुरा संस्कृति' किस क्षेत्र से सम्बन्धित है–

(अ) खेतड़ी (ब) पंजाब

(स) लोथल (द) बनावली ( )

15. हड़प्पा स्थलों से किस जानवर की हड्डियां नहीं मिली है–

(अ) भेड़ (ब) बकरी

(स) घोड़ा (द) सूअर ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

16. हड़प्पाई मुहर .... से बनाई गई थी ? (सेलखड़ी पत्थर /कठोर पत्थर)
17. मोहनजोदड़ों में कुओं की कुल संख्या .... थी । (लगभग 700 / 1000)
18. हड़प्पा सभ्यता स्थल के शहरों में सड़के तथा गलियां एक दूसरे को .... पर काटती थी। (समकोण / त्रिकोण)
19. हड़प्पाई मर्तबान .... स्थल से प्राप्त हुआ है। (ओमान / श्रीलंका)
20. भारत का सबसे आरम्भिक धार्मिक ग्रंथ .... है। (सामवेद / ऋग्वेद)
21. सिंधु घाटी सभ्यता को .... संस्कृति भी कहा जाता है। (हड़प्पा / लोथल)
20. 'अर्ली इंडस सिविलाइजेशन' नामक पुस्तक के रचयिता .... थे। (जॉन मार्शल / अर्नेस्ट मैके)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

21. हड़प्पा के किस स्थल से नहरों के अवशेष मिले है ?
22. अवतल चक्कियाँ हड़प्पाई सभ्यता के किस स्थल से प्राप्त हुई है ?
23. हड़प्पा सभ्यता के नगरों के भवन किससे बने होते थे ?
24. हड़प्पा सभ्यता में सिंचाई के साधनों के नाम लिखिए।
25. मोहनजोदड़ों के दुर्ग पर स्थित दो प्रमुख संरचनाओं के नाम लिखिए।
26. पुरातत्वविदों द्वारा खोजी गई उपयोगी वस्तुओं के नाम लिखिए।
27. हड़प्पा सभ्यता में मनके बनाने के दो प्रमुख स्थानों के नाम लिखिए।
28. हड़प्पा सभ्यता में कौन–कौन से शिल्प कार्य प्रचलित थे ? कोई दो लिखिए।
29. हड़प्पावासी सोना कहाँ से मंगवाते थे?
30. अधिकांश हड़प्पा स्थल किन क्षेत्रों में स्थित है?
31. हड़प्पा सभ्यता के सबसे लम्बे अभिलेख में कितने चिन्ह है ?
32. हड़प्पाई लिपि में चिन्हों की संख्या कुल कितनी है ?
33. हड़प्पा वासियों के व्यापारिक सम्बन्ध किन देशों से थे?
34. 'द स्टोरी ऑफ इण्डियन आर्कियोलॉजी' के रचयिता कौन थे ?
35. मेसोपोटामिया के लेख मेलुहा को किस नाम से जाना जाता था?
36. हड़प्पा सभ्यता में प्रयुक्त बाट किस पत्थर से बनाए जाते थे?
37. हड़प्पा सभ्यता का काल निर्धारण कीजिये ?

38. 'आद्य शिव मुहर' किस पुरास्थल से प्राप्त हुई है ?
39. ऋग्वेद कब संकलित किया गया था ?
40. जॉन मार्शल ने सिंधु घाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज की घोषणा कब की?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

41. हड़प्पा पूर्व की बस्तियों की क्या विशेषताएं थी ?
42. हड़प्पा सभ्यता में मृतकों का अंतिम संस्कार किस प्रकार किया जाता था?
43. हड़प्पा स्थलों से किन जानवरों की हड्डियाँ मिली है ?
44. मुहरो और मुद्रांकनों का प्रयोग किसलिए होता था?
45. हड़प्पा सभ्यता के नगरों के भवनों के निर्माण में अधिकतर किस आकार की ईंटों का प्रयोग होता था ?
46. पुरातत्वविदों द्वारा हड़प्पा सभ्यता में पाई जाने वाली सामाजिक भिन्नताओं का पता लगाने के लिए किन दो विधियों का प्रयोग किया ?
47. पुरावस्तुओं के आधार पर बताइये कि हड़प्पावासी किनकी पूजा करते थे ?
48. हड़प्पा सभ्यता के गृह स्थापत्य की दो विशेषताएं बताइये ?
49. कालीबंगा में उत्खनन का कार्य कब और किसके नेतृत्व में किया गया?
50. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के डाइरेक्टर जनरल रहे किन्हीं दो पुरातत्ववेत्ताओं के नाम लिखिए।
51. पुरातत्व वैज्ञानिकों के द्वारा खोजे गए हड़प्पा सभ्यता के कोई चार नगरों के नाम लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

52. मनकों के निर्माण में किन पदार्थों को प्रयुक्त किया जाता था? तथा मनके बनाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिये।
53. हड़प्पा सभ्यता के नगरों की जल निकास प्रणाली का वर्णन कीजिये।

अध्याय–2

राजा, किसान और नगर

आरम्भिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ

(लगभग 600 ई. पूर्व से 600 ई.)

पाठ का सार–

हड़प्पा सभ्यता के पश्चात 1500 वर्षों के दौरान उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में कई प्रकार के विकास हुए। इस अवधि में ऋग्वेद की रचना हुई। उत्तर भारत, दक्कन पठार क्षेत्र, कर्नाटक आदि में कृषक बस्तियां बसी। इस युग में शवों के अंतिम संस्कार के नये तरीके सामने आए।

ईसा पूर्व छठी शताब्दी से नए परिवर्तनों के प्रमाण मिलते है। इस युग में आरम्भिक राज्यों, साम्राज्यों और रजवाड़ों का विकास हुआ। संपूर्ण महाद्वीपों में नये नगरों का उदय हुआ। अभिलेखों, ग्रंथों, सिक्कों तथा चित्रों से इस युग में हुए विकास की जानकारी मिलती है। भारत में सोलह महाजनपदों का उदय हुआ। छठी से चौथी शताब्दी ई.पूर्व में मगध (आधुनिक बिहार) सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया। मगध के विकास के साथ–साथ मौर्य साम्राज्य का उदय हुआ। मौर्य साम्राज्य का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य (लगभग 321 ई.पूर्व) था। इन्होंने चाणक्य की सहायता से मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

बौद्ध ग्रंथों के अनुसार अशोक सर्वाधिक प्रसिद्ध शासकों में से एक था। अशोक पहला सम्राट था जिसने अपने अधिकारियों और प्रजा के लिए संदेश पत्थरों एवं स्तम्भों पर लिखवाये। अशोक ने अपने अभिलेखों के माध्यम से 'धम्म' का प्रचार किया। मौर्य साम्राजय का प्रशासन और महत्व के बारे में बतलाया गया है। मौर्य शासकों की राजधानी पाटलिपुत्र थी। दक्षिण के क्षेत्र में स्थित तमिलकम में चोल, चेर और पाण्ड्य जैसी सरदारियों का उदय हुआ। ये राज्य बहुत ही समृद्ध और स्थायी सिद्ध हुए।

कुषाण शासकों तथा गुप्त शासकों के बारे में बताया गया। गुप्त शासकों का इतिहास साहित्य, सिक्कों और अभिलेखों की सहायता से लिखा गया है। इलाहाबाद स्तम्भ अभिलेख के नाम से प्रसिद्ध 'प्रयाग प्रशस्ति' की रचना हरिषेण जो स्वंय गुप्त सम्राटों के सबसे शक्तिशाली सम्राट समुद्रगुप्त के राज कवि थे। कुषाण शासकों ने अपने नाम के आगे (देवपुत्र) की उपाधि लगाई। वाकाटक वंश की शासिका प्रभावती गुप्त ने भूमिदान किया।

अशोक ने 'धम्म' के प्रचार के लिए धर्ममहामात्त की नियुक्ति की। अशोक के अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा में लिखे गये। अशोक को अभिलेखों में देवानामप्रिय तथा देवानाप्रियदस्सी के नाम से सम्बोधित किया गया है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र तथा मेगस्थनीज द्वारा लिखित 'इण्डिका' मौर्य साम्राज्य के इतिहास की जानकारी के प्रमुख स्रोत है। मौर्य साम्राजय को अंतिम शासक वृहद्रथ।

प्रथम शताब्दी ईस्वी में कुषाण राजाओं ने सोने के सिक्के जारी किये। सिक्कों का अध्ययन 'मुद्रा शास्त्र' है। पश्चिमोत्तर के अभिलेखों में प्रयुक्त ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपि को पढ़ने वाला जेम्स प्रिंसेप था। बाणभट्ट ने हर्षचरित की रचना की।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. भारतीय अभिलेख विज्ञान में ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों को पढ़ने वाला था ?

   (अ) जॉन मार्शल (ब) कनिंघम

   (स) व्हीलर (द) जेम्स प्रिंसेप ( )

2. 'इण्डिका' का रचयिता कौन था ?

   (अ) कर्टियस (ब) चाणक्य

   (स) प्लूटार्क (द) मेगस्थनीज ( )

3. अशोक ने धम्म के प्रचार के लिए किस अधिकारी की नियुक्ति की ?

   (अ) धर्माध्यक्ष (ब) दानाध्यक्ष

   (स) सैन्य महामात्त (द) धर्ममहामात्त ( )

4. कौनसे शासक अपने नाम से आगे 'देवपुत्र' की उपाधि लगाते थे ?

   (अ) मौर्य शासक (ब) शुंग शासक

   (स) सातवाहन शासक (द) कुषाण शासक ( )

5. मौर्य साम्राज्य का संस्थापक कौन था ?

   (अ) अशोक (ब) वृहद्रथ

   (स) चंद्रगुप्त (द) शालिशुक ( )

6. बौद्ध और जैन धर्म के आरम्भिक ग्रंथों में कितने महाजनपदों का उल्लेख मिलता है ?

   (अ) 8 (ब) 18

   (स) 16 (द) 14 ( )

7. चन्द्रगुप्त मौर्य ने किसकी सहायता से मौर्य साम्राज्य की स्थापना की ?

   (अ) चाणक्य (ब) धनानंद

   (स) मेगस्थनीज (द) सेल्युकस ( )

8. अशोक के अधिकांश अभिलेख किस भाषा में है ?

   (अ) संस्कृत (ब) पालि

   (स) हिन्दी (द) प्राकृत ( )

9. किस राज्य को प्राचीन काल में मगध कहा जाता था–

   (अ) राजस्थान (ब) गुजरात

   (स) बिहार (द) महाराष्ट्र ( )

10. प्रभावती गुप्त किस वंश की प्रसिद्ध शासिका थी–

    (अ) शक (ब) सातवाहन

    (स) मौर्य (द) वाकाटक ( )

11. सुवर्णगिरि कर्नाटक में किसके लिए प्रसिद्ध था–

(अ) चाँदी की खान के लिए (ब) संगमरमर की खान के लिए

(स) लोहे की खान के लिए (द) सोने की खान के लिए ( )

12. सर्वप्रथम सोने के सिक्के किन शासको ने जारी किए?

(अ) शक (ब) कुषाण

(स) मौर्य (द) गुप्त ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

13. छठी शताब्दी ई.पू. में सर्वाधिक शक्तिशाली जनपद .... था। (मगध / पांचाल)

14. अर्थशास्त्र की रचना .... ने की थी ? (मेगस्थीज / चाणक्य)

15. धम्म का सिद्धान्त ....ने प्रतिपादित किया। (बिन्दुसार / अशोक)

16. प्रयाग प्रशस्ति की रचना .... ने की थी ? (हरिषेण / कालिदास)

17. अशोक ने .... धर्म को राज्याश्रय दिया। (जैन / बौद्ध)

18. सिलप्पादिकारम .... भाषा का महाकाव्य है। (तमिल / संस्कृत)

19. मगध की प्रारम्भिक राजधानी .... थी। (राजगाह / काशी)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

20. कलिंग पर विजय प्राप्त करने वाला मौर्य सम्राट कौन था?

21. गण और संघ नामक राज्यों में कौन शासन करता था ?

22. पंजाब और हरियाणा में प्रथम शताब्दी ई0 में किन कबाइली गणराज्यों ने सिक्के जारी किये?

23. हर्षचरित्र की रचना किसने की थी ?

24. अभिलेखों में अशोक को किन दो नामों से सम्बोधित किया गया है ?

25. 'जनपद' का अर्थ स्पष्ट कीजिये ?

26. मुद्राशास्त्र किसे कहते है ?

27. 'मनुस्मृति' के बारे में आप क्या जानते है?

28. किस महिला शासिका द्वारा किया गया भूमिदान का उदाहरण विरला उदाहरण माना जाता है?

29. अशोक के अधिकांश अभिलेखों और सिक्कों पर उसका क्या नाम लिखा है ?

30. जातक ग्रंथों का क्या महत्व है?

31. अभिलेख किसे कहते है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

32. मगध महाजनपद के सबसे शक्तिशाली होने के दो कारण लिखिए ?
33. ऐसे पांच महाजनपदों के नाम लिखिए जिनके नाम जैन और बौद्ध ग्रंथों में मिलते है ?
34. अशोक के 'धम्म' से आप क्या समझते है ?
35. अग्रहार से आप क्या समझते है?
36. सुदर्शन झील का निर्माण किसने करवाया था तथा किस शक राजा ने इसकी मरम्मत करवाई थी?
37. अशोक के धम्म के मुख्य सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए ?
38. भारत से रोमन साम्राज्य को किन वस्तुओं का निर्यात किया जाता था?

निबन्धात्मक प्रश्न–

39. महाजनपदों के विशिष्ट अभिलक्षणों का वर्णन कीजिये ?
40. मौर्य प्रशासन की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये ?
41. भारत के मानचित्र में निम्न स्थानों को दर्शाइये–

    1. लोथल
    2. वैशाली
    3. मथुरा
    4. वाराणसी
    5. झांसी
    6. अश्मक
    7. कश्मीर

अध्याय 3

बंधुत्व, जाति तथा वर्ग

आरम्भिक समाज (लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)

पाठ का सार–

पिछले अध्याय में हमने पढ़ा कि लगभग 600 ई.पू. से 600 ईस्वी तक के मध्य आर्थिक और राजनीतिक जीवन में अनेक परिवर्तन हुए। इनमें से कुछ परिवर्तनों ने समकालीन समाज पर अपना प्रभाव छोड़ा। इस अध्याय में इतिहासकार इन सब प्रक्रियाओं को समझने के लिए प्राय साहित्यिक परम्पराओं का उपयोग करते है। कुछ ग्रंथ सामाजिक व्यवहार, समाज का चित्रण, समाज में मौजूद विभिन्न रिवाजों के बारे में बतलाते है। उप महाद्वीप के सबसे बड़े समृद्ध ग्रंथों में से महाभारत एक है। यह एक विशाल महाकाव्य है। इस अध्याय में हम बंधुता एवं विवाह, पितृवंशिकता, मातृवंशिकता, विवाह के नियम, स्त्री का गोत्र तथा माताओं का महत्वपूर्ण होना का अध्ययन करेगें साथ ही सामाजिक विषमताएं, वर्ण व्यवस्था के दायरे, जाति तथा संपत्ति पर स्त्री और पुरूष के भिन्न अधिकार, सामाजिक विषमताओं की व्याख्या, भाषा एवं विषय वस्तु ये सब इस महाकाव्य में समाहित कर ली गई है। जिसका हम यहां अध्ययन कर रहे है। कौरव और पांडव कुरू वंश से सम्बन्धित थे। महाभारत संस्कृत भाषा में रचित ग्रंथ है। प्रारम्भ में महाभारत में लगभग 10,000 श्लोक थे। बाद में बढ़कर 1 लाख श्लोकों वाला ग्रन्थ हो गया है। महाभारत की रचना ऋषि वेद व्यास ने की। भगवद्गीता महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्यात्मक अंश है। वह वंश परम्परा जो माता से जुड़ी होती है मातृवशिंकता है। पितृवशिंकता में पिता का महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य कन्यादान माना गया है।

महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण 1919 में प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी.एस. सुकथाकर के नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ।

विवाह के नियम अनुसार अन्तर्विवाह समूह (गोत्र, कुल या जाति) के बीच होते हैं। और बहिर्विवाह गोत्र से बाहर विवाह करने को कहते हैं। ब्राह्मणों ने समाज के लिए विस्तृत जो आचार संहिताएं तैयार की, वे 'धर्मसूत्र' एवं 'धर्मशास्त्र' कहलाते हैं। इनमें विवाह के आठ प्रकारों की स्वीकृति दी गई है। धर्म सूत्र तथा धर्मशास्त्रों में सबसे महत्वपूर्ण मनुस्मृति है। पुरूषों के लिए मनुस्मृति कहती है कि धन अर्जित करने के सात तरीके हैः विरासत, खोज, खरीद, विजित करके, निवेश, कार्य द्वारा तथा सज्जनों द्वारा दी गई भेंट को स्वीकार करके। विवाह के समय मिले उपहारों पर स्त्रियों का स्वामित्व माना जाता था इसे स्त्रीधन कहा गया।

लोगों को गोत्रों में वर्गीकृत करने की ब्राह्मणीय पद्धति लगभग 1000 ई. पूर्व के बाद से प्रचलन में आई। सात वाहन राजाओं को उनके मातृनाम से चिन्हित किया जाता था, बृहदारण्यक उपनिषद में कई लोगों को उनके मातृनामों से निर्दिष्ट किया गया था। सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम गोतम तथा वशिष्ठ गोत्रों से उद्भूत थे। जो अपने पिता के गोत्र थे। सात वाहन कुल के सबसे प्रसिद्ध

शासक गोतमी पुत्र शातकर्णी ने स्वयं को अनूठा ब्राह्मण एवं क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला बताया था।

ऋग्वेद के 'पुरूषसुक्त' में चार वर्णों की उत्पत्ति का उल्लेख मिलता है। बाह्मण की उत्पत्ति परमात्मा के मुख से, क्षत्रिय की भुजाओं से, वैश्य की जंघा से तथा शूद्र (हरिजन) की पैरों से हुई। शवों की अंत्येष्टि और मृत पशुओं को छूने वालों को चाण्डाल कहा जाता था। उन्हें समाज में सबसे निम्न कोटि में रखा जाता था। एकलव्य निषाद (शिकारी समुदाय) वर्ग से जुड़ा हुआ था।

लगभग पॉचवीं शताब्दी ईसवीं में मन्दसौर (मध्यप्रदेश) से प्राप्त अभिलेख में रेशम के बुनकरों की एक श्रेणी का उल्लेख मिलता है। महाभारत की विषय वस्तु को आख्यान और उपदेशात्मक दो मुख्य भागों में बाँटा गया है। आरम्भिक संस्कृत परम्परा में महाभारत को 'इतिहास' की श्रेणी में रखा गया है। इस शब्द का अर्थ है 'ऐसा ही था'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. महाभारत एक है–

   (अ) खण्डकाव्य (ब) उपन्यास

   (स) महाकाव्य (द) इनमें से कोई नहीं ( )

2. पितृवंशिकता में पिता का महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य माना गया था–

   (अ) कन्या को शिक्षा दिलाना (ब) कन्यादान

   (स) पुत्र की देखभाल करना (द) पुत्र का विवाह ( )

3. किस उपनिषद में कई लोगों को उनके मातृनामों से निर्दिष्ट किया गया था ?

   (अ) वृहदारण्यक (ब) प्रश्न

   (स) कठ (द) छान्दोग्य ( )

4. किन शासकों को उनके मातृनाम से चिन्हित किया जाता है ?

   (अ) कुषाण (ब) शुंग

   (स) मौर्य (द) सातवाहन ( )

5. किस सातवाहन–शासक ने स्वयं को अनूठा ब्राह्मण एवं क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला बताया था ?

   (अ) शातकर्णी प्रथम (ब) गौतमीपुत्र शातकर्णी

   (स) वसिष्ठी पुत्र शातकर्णी (द) पुलुमावि शातकर्णी ( )

6. एकलव्य किस वर्ग से जुड़ा हुआ था ?

   (अ) कृषक (ब) पशुपालन

   (स) व्यवसायी वर्ग (द) निषाद वर्ग ( )

7. कौरव और पांडव किस वंश से सम्बन्धित थे ?

(अ) पाचांल (ब) ह्यैक

(स) लिच्छवि (द) कुरू ( )

8. 'धर्मसूत्र' और 'धर्मशास्त्र' विवाह के कितने प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते है ?

(अ) 4 (ब) 2

(स) 8 (द) 7 ( )

9. 'मृच्छकटिकम्' नाटक के लेखक थे–

(अ) शूद्रक (ब) आर्यभट्ट

(स) वराहमिहिर (द) कालीदास ( )

10. पाणिनी की 'अष्टाध्यायी' का रचनाकाल है–

(अ) लगभग 500 ई.पू. (ब) लगभग 300 ई.पू.

(स) लगभग 200 ई.पू. (द) लगभग 1000 ई.पू. ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

10. महाभारत .... भाषा में रचित ग्रन्थ है। (संस्कृत / तमिल)

11. ब्राह्मणीय व्यवस्था में जाति व्यवस्था .... पर आधारित थी। (जन्म / कर्म)

12. प्रारम्भ में महाभारत में .... श्लोक थे। (लगभग 10000 / 18000)

13. अधिकांश राजवंश .... प्रणाली का अनुसरण करते थे। (मातृवंशिकता / पितृवंशिकता)

14. .... अभिलेख से ज्ञात होता है कि रेशम के बुनकरों की एक अलग श्रेणी थी। (हाथीगुफा / मन्दसौर)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

15. महाभारत के अनुसार किस माता ने अपने पुत्र दुर्योधन को युद्ध न करने की सलाह दी थी?

16. महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्यात्मक अंश कौनसा है ?

17. बहिर्विवाह किसे कहते है ?

18. सातवाहन शासकों का देश के किन भागों पर शासन था?

19. सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम किन गोत्रों से उद्भूत थे ?

20. वर्ण शब्द से आपका क्या अभिप्राय है?

21. लोगों को गोत्रों में वर्गीकृत करने की ब्राह्मणीय पद्धति कब प्रचलन में आई ?

22. चाण्डाल कौन थे ?

23. भीम ने किस राक्षस कन्या से विवाह किया था?

24. चार वर्णों की उत्पत्ति का उल्लेख किस वैदिक ग्रंथ में मिलता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

25. महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने का कार्य कब व किसके नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ ?
26. मातृवंशिकता का अर्थ स्पष्ट कीजिये ?
27. ऋग्वेद के 'पुरूषसूक्त' के अनुसार चार वर्णों की उत्पत्ति कैसे हुई ?
28. 'स्त्री धन' को परिभाषित कीजिए ?
29. गोत्र व्यवस्था के दो महत्वपूर्ण नियमों का उल्लेख कीजिये।
30. 'धर्मसूत्र' एवं 'धर्मशास्त्र' ग्रंथों से क्या अभिप्राय है ?
31. अर्जुन ने गुरू द्रोणाचार्य को कौनसा प्रण याद दिलाया?
30. हस्तिनापुर नामक गाँव में उत्खनन कार्य कब और किसके नेतृत्व में किया गया?
32. महाभारत की विषय–वस्तु को किन दो मुख्य भागों में बाँटा गया है ?

निबन्धत्मक प्रश्न–

33. स्पष्ट कीजिये की विशिष्ट परिवारों में पितृवंशिकता क्यों महत्वपूर्ण रही होगी ?
34. क्या प्राचीनकाल के भारत में केवल क्षत्रिय शासक ही शासन कर सकते थे? विवेचना कीजिये।

अध्याय 4

विचारक, विश्वास और इमारतें

सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत 600 तक)

पाठ का सार–

इस अध्याय में हम एक हजार साल लम्बी यात्रा पर जाएंगे। इसमें हम दार्शनिकों के बारे में पढ़ेगे। बौद्ध धर्म का विशेष अध्ययन करेंगे। यह परम्परा अकेली विकसित नहीं हुई। दूसरी कई परम्पराएं थी जो एक दूसरे के साथ लगातार वाद–विवाद और संवाद चला रही थी।

चिंतन, धार्मिक विश्वास और व्यवहार की कई धाराएँ प्राचीन युग से ही चली आ रही थी। पूर्व वैदिक परम्परा जिसकी जानकारी हमें 1500 से 1000 ईसा पूर्व में संकलित ऋग्वेद से मिलती है। वैसी ही एक प्राचीन परम्परा थी। ऋग्वेद अग्नि, इन्द्र, सोम आदि कई देवताओं की स्तुति का संग्रह है।

ईसा पूर्व 600 से 600 ईस्वी तक के काल के प्रमुख ऐतिहासिक स्त्रोत बौद्ध, जैन और ब्राह्मण ग्रंथों के अतिरिक्त इमारते और अभिलेख आदि है। उस युग की बची हुई इमारतों में सबसे सुरक्षित है सांची का स्तूप। यह स्तूप इस अध्याय के अध्ययन का एक प्रमुख केन्द्र बिन्दु है। यह मध्य प्रदेश में स्थित है। इसमें हम अध्ययन करेगें कि स्तूप क्यों बनाये जाते थे, स्तूप कैसे बनाए गए, स्तूप की संरचना तथा स्तूपों की खोज किसने की। कुछ पवित्र स्थानों पर बुद्ध से जुड़े कुछ अवशेष जैसे उनकी अस्थियाँ गाड़ दी गई थी। ये टीले स्तूप कहलाये। भरहुत, साँची ओर सारनाथ जैसी जगहों पर स्तूप बनाये गये। अमरावती के स्तूप की खोज 1796 में तथा 1818 ई. में साँची की खोज हुई। साँची के स्तूप को आर्थिक अनुदान शाहजहां बेगम और सुल्तान जहां बेगम ने दिया।

जैन धर्म के अनुसार संपूर्ण संसार प्राणवान है। पत्थर, चट्टान और जल में भी जीवन होता है। जैन धर्म के महापुरूष तीर्थकर कहलाते थे। (तीर्थकर) यानी कि वे महापुरूष जो पुरूषों और महिलाओं को जीवन की नदी के पार पहुँचाते है। जैन साधु और साध्वी पाँच व्रत करते थे : हत्या न करना, चोरी नहीं करना, झूठ न बोलना, ब्रह्मचार्य और धन संग्रह न करना। महावीर स्वामी जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर थे। महावीर स्वामी का बचपन का नाम वर्धमान था।

बुद्ध की शिक्षाओं का संकलन त्रिपिटक ग्रंथों में किया गया है बौद्ध भिक्षुओं से सम्बन्धित नियमों का संग्रह विनयपिटक ग्रंथ में किया गया। प्राचीन बौद्ध ग्रंथ पाली भाषा में है। महात्मा बुद्ध का बचपन का नाम सिद्धार्थ था। बौद्धसंघ में सम्मिलित होने वाली प्रथम भिक्षुणी महाप्रजापति गोतमी थी। ऐसी महिलाएं जिन्होंने निर्वाण प्राप्त कर लिया हो उन्हें थेरी कहा गया। ऋग्वेद का संकलन 1500 से 1000 ई पूर्व में किया गया।

बौद्ध साहित्य में बुद्ध के जीवन से जुड़ी जगहों का भी वर्णन है– जहाँ वे जन्मे थे (लुम्बिनी), जहाँ उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया (बोध गया), जहाँ उन्होंने प्रथम उपदेश दिया (सारनाथ) और जहाँ उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया (कुशीनगर)।

मन्दिर स्थापत्य कला में मन्दिर का चौकोर कमरा गर्भगृह तथा गर्भगृह के ऊपर का ढाँचा शिखर कहा जाता था। आठवीं सदी का कैलाश मन्दिर (शिव का एक नाम), एलोरा (महाराष्ट्र) में मन्दिर है, जिसमें पूरी पहाड़ी काटकर उसे मंदिर का रूप दे दिया गया था।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. साँची का स्तूप किस राज्य में स्थित है ?

   (अ) उत्तर प्रदेश (ब) बिहार

   (स) मध्य प्रदेश (द) गुजरात ( )

2. ऋग्वेद का संकलन कब किया गया–

   (अ) 2500–2000 ई. पूर्व (ब) 2000–1500 ई. पूर्व

   (स) 1000–500 ई. पूर्व (द) 1500 से 1000 ई. पूर्व ( )

3. महावीर स्वामी से पहले कितने शिक्षक (तीर्थकर) हो चुके थे ?

   (अ) 24 (ब) 20

   (स) 14 (द) 23 ( )

4. बौद्ध संघ में सम्मिलित होने वाली प्रथम भिक्षुणी थी –

   (अ) महामाया (ब) पुन्ना

   (स) महाप्रजापति गौतमी (द) सुलक्षणी ( )

5. जिन ग्रंथों में बुद्ध की शिक्षाओं का संकलन किया गया है, उन्हें कहा जाता है?

   (अ) बौद्ध ग्रंथ (ब) दीपवंश

   (स) महावंश (द) त्रिपिटक ( )

6. किस ग्रंथ में बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियम संकलित किए गए है ?

   (अ) अभिधम्मपिटक (ब) विनय पिटक

   (स) सुत्तपिटक (द) बुद्ध चरित ( )

7. अमरावती के स्तूप की खोज सर्वप्रथम कब हुई ?

   (अ) 1896 (ब) 1796

   (स) 1717 (द) 1817 ( )

8. गौतम बुद्ध के प्रिय शिष्य का नाम था–

   (अ) आनंद (ब) वसुमित्र

(स) सिद्धार्थ (द) चाणक्य ( )

9. जैन दर्शन में साधु और साधवी के लिए कितने महाव्रत बनाए गए है–

(अ) 10 (ब) 4

(स) 5 (द) 3 ( )

10. महात्मा बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था–

(अ) लुम्बिनी (ब) बोधगया

(स) सारनाथ (द) कुशीनगर ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

8. महात्मा बुद्ध का बचपन का नाम .... था। (सिद्धार्थ / सौहार्द)
9. प्राचीन बौद्ध ग्रंथ .... भाषा में है। (प्राकृत / पालि)
10. महावीर स्वामी का बचपन का नाम .... था। (वर्धमान / पार्श्वनाथ)
11. साँची की खोज .... में हुई थी। (1820 ई. / 1818 ई.)
12. अजन्ता की गुफाएं .... में स्थित है। (महाराष्ट्र / आसाम)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

13. साँची के स्तूप को आर्थिक अनुदान देने वाले दो शासकों के नाम लिखिए।
14. यदि आप भोपाल की यात्रा करेगें तो वहां किस बौद्धकालीन स्तूप को देखना चाहेगें ?
15. राजसूय एवं अश्वमेघ यज्ञों का अनुष्ठान किनके द्वारा कराया जाता था ?
16. ऋग्वेद में किन सूक्तियों का संग्रह है ?
17. जैन धर्म के महापुरूष क्या कहलाते थे ?
18. तीर्थंकर से क्या अभिप्राय है ?
19. जैन धर्म की सबसे महत्वपूर्ण अवधारणा क्या है ?
20. कैलाशनाथ का मंदिर कहाँ स्थित है ?
21. ऐसे तीन स्थानों का उल्लेख कीजिये, जहां स्तूप बनाए गए थे?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

22. हीनयान और महायान बौद्ध सम्प्रदायों में अंतर स्पष्ट कीजिये ?
23. त्रिपिटको पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ?
24. जैन धर्म के पांच व्रतों का उल्लेख कीजिये ?
25. थेरी से क्या अभिप्राय है ?

26. बौद्ध एवं जैन धर्म में कितनी समानता थी ?

27. 'स्तूप' किसे कहते है ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

28. जैन धर्म के अहिंसा सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

29. साँची के स्तूप के संरक्षण में भोपाल की बेगमों (शासिकाओं) के योगदान का वर्णन कीजिये ?

30. गौतम बुद्ध के उपदेशों का वर्णन कीजिए।

31. भारत के मानचित्रों में निम्न स्थानों को अंकित कीजिये–

1. साँची	2. अमरावती
3. एलोरा	4. तमिलनाडु
5. वैशाली	6. उत्तरप्रदेश
7. सारनाथ	8. कुशीनगर

अध्याय–5

यात्रियों के नजरिए

समाज के बारे में उनकी समझ

(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)

पाठ का सार–

लगभग दसवीं सदी से सत्रहवीं सदी तक के काल में महिलाओं और पुरूषों ने कार्य की तलाश में प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए व्यापारियों, सैनिकों, पुरोहितों और तीर्थ यात्रियों के रूप में या फिर साहस की भावना से प्रेरित होकर यात्राएं की है।

इस अध्याय में हम पढ़ेगें कि उपमहाद्वीप से आए यात्रियों द्वारा दिए गए सामाजिक जीवन के विवरणों के अध्ययन से किस प्रकार हम अपने अतीत के विषय में ज्ञान बढ़ा सकते है?

इसके लिए हम तीन व्यक्तियों के वृतान्तों पर ध्यान देगें– 1. अल–बिरूनी, जो ग्यारवीं शताब्दी में उज्बेकिस्तान के ख्वारिज्म से आया था। 2. इब्नबतूता (चौदहवीं शताब्दी) मोरक्को से तथा 3. फ्रांसीसी यात्री फ्रांस्वा बर्नियर (सत्रहवीं शताब्दी)

अलबिरूनी ने अरबी भाषा में किताब उल–हिन्द नाम पुस्तक की रचना की। इसमें धर्म दर्शन, त्यौहारों, खगोल विज्ञान, रीति रिवाजों, प्रथाओं, सामाजिक जीवन, कानून, मापतंत्र विज्ञान आदि विषयों का वर्णन है।

इब्नबतूता का जन्म मोरक्को के तैंजियर नामक नगर में हुआ। वह 1333 ई. में सिंध पहुंचा। उसने अपना यात्रा– वृतांत अरबी भाषा में लिखा जिसे 'रिहला' कहा जाता है। उसने अपने यात्रा वृतांत में नवीन संस्कृतियों लोगों, आस्थाओं, मान्यताओं आदि के बारे में लिखा।

फ्रांस का निवासी फ्रांस्बा बर्नियर एक चिकित्सक राजनीतिक, दार्शनिक तथा इतिहासकार था। वह 1656 से 1968 तक भारत में 12 वर्ष तक रहा और मुगल दरबार से निकटता से जुड़ा रहा। 'ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर' नामक ग्रन्थ बर्नियर ने लिखा। तथा मुगल कालीन नगरों को 'शिविर नगर' कहा। तथा सतीप्रथा के बारे में भी लिखा कि कुछ महिलाएँ प्रसन्नतापूर्वक मृत्यु को गले लगा लेती थी।

अल–बिरूनी का जन्म ख्वारिज्म में सन 973 में हुआ था। अल–बिरूनी द्वारा 1. पंतजलि का व्याकरण तथा 2. यूक्लिड़ के कार्य ग्रन्थों का संस्कृत में अनुवाद किया गया।

अल–बिरूनी के अनुसार प्राचीन फारस में चार सामाजिक वर्गों को मान्यता प्राप्त थी।

(1) घुड़सवार और शासक वर्ग, (2) भिक्षु, आनुष्ठानिक पुरोहित तथा चिकित्सक, (3) खगोलशास्त्री तथा अन्य वैज्ञानिक, (4) कृषक तथा शिल्पकार।

इब्नबतूता का परिवार सम्मानित तथा शिक्षित परिवारों में से एक, जो इस्लामी कानून अथवा शरिया पर अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध था। यह भारत की डाक प्रणाली की कार्यकुशलता देखकर आश्चर्य चकित हो गया था। इब्नबतूता ने नारियल और पान दो वानस्पितिक उपजों का रोचक वर्णन किया है।

जिनसे पाठक पूरी तरह से अपरिचित थे। तथा दिल्ली को भारत का सबसे बड़ा शहर बताया। दौलताबाद (महाराष्ट्र) में पुरूष और महिला गायकों के लिए एक बाजार था जिसे 'ताराबदाद' कहते है। 15वीं सदी मं भारत की यात्रा करने वाले फारस क दूत अब्दुर रज्जाक था उसने कालीकट बन्दरगाह पर बसे हुए लोगों को 'विचित्र देश' बताया था।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. अल–बिरूनी का जन्म हुआ था ?

   (अ) भारत (ब) ओमान

   (स) ख्वारिज्म (द) श्रीलंका ( )

2. किताब–उल–हिन्द का रचयिता कौन था ?

   (अ) अल बिरूनी (ब) इब्नबतूता

   (स) अब्दुर रज्जाक (द) शेख अली ( )

3. इब्नबतूता का जन्म हुआ था ?

   (अ) भारत (ब) तैंजियर

   (स) तुर्की (द) ओमान ( )

4. 'रिहला' का लेखक कौन था ?

   (अ) अल–बिरूनी (ब) हसन निजामी

   (स) फिरदौसी (द) इब्नबतूता ( )

5. इब्नबतूता के पाठक किससे पूरी तरह से अपरिचित थे ?

   (अ) खजूर (ब) नारियल

   (स) केला (द) अंगूर ( )

6. फ्रांस्वा बर्नियर भारत आया था ?

   (अ) सोलहवीं सदी में (ब) पन्द्रहवी सदी में

   (स) सत्रहवीं सदी में (द) अठारहवीं सदी में ( )

7. इब्नबतूता भारत की कौनसी प्रणाली की कार्यकुशलता देखकर आश्चर्यचकित हो गया था–

   (अ) जल–निकास प्रणाली (ब) डाक प्रणाली

   (स) गुप्तचर प्रणाली (द) सुरक्षा प्रणाली ( )

8. 'भारत में मध्य की स्थिति के लोग नहीं है' उक्त कथन किसका है–

   (अ) बर्नियर (ब) इब्नबतूता

   (स) दुआर्ते (द) अल–बिरूनी ( )

9. 'किताब– उल–हिन्द' कृति कितने अध्यायों में विभाजित है–

(अ) 50	(ब) 60	
(स) 70	(द) 80	( )

10. अल–बिरूनी किसके साथ भारत आया–

(अ) मोहम्मद गौरी	(ब) महमूद गजनवी	
(स) मोहम्मद बिन कासिम	(द) मुहम्मद बिन तुगलक	( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

11. फ्रांस्वा बर्नियर .... का निवासी था ? (फ्रांस / जर्मनी)
12. अल–बिरूनी का जन्म .... में हुआ था । (सन् 1073 / सन 973)
13. इब्नबतूता .... का निवासी था। (मोरक्को / तुर्की)
14. किताब–उल–हिन्द ग्रंथ .... भाषा में लिखा गया। (प्राकृत / अरबी)
15. ख्वारिज्म .... में स्थित है। (उज्बेकिस्तान / पाकिस्तान)
16. भारत में पुर्तगालियों का आगमन लगभग .... ई. में हुआ। (1800 / 1500)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

17. 15वीं सदी में भारत की यात्रा करने वाले फारस के दूत का क्या नाम था ?
18. 10वीं सदी से 17वीं सदी तक भारत की यात्रा करने वाले तीन विदेशी यात्रियों के नाम लिखिए।
19. अल–बिरूनी द्वारा जिन दो ग्रंथों का संस्कृत में अनुवाद किया गया, उनके नाम लिखिये।
20. फ्रांस्वा बर्नियर भारत में कितने वर्ष रहा था ?
21. इब्नबतूता के अनुसार भारत का सबसे बड़ा शहर कौनसा था ?
22. 'ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर' नामक पुस्तक का रचयिता कौन था ?
23. शरिया का क्या अर्थ है ?
24. अब्दुर रज्जाक ने किसे 'विचित्र देश' बताया था?
25. बर्नियर ने मुगलकालीन नगरों को क्या कहा है ?
26. शाहजहां के सबसे बड़े पुत्र का क्या नाम था?
27. इब्नबतूता किस सुल्तान के काल में भारत आया था?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

28. 'किताब–उल–हिन्द' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये ?
29. अल–बिरूनी के अनुसार फारस में समाज किन चार वर्गों में विभाजित था ?
30. इब्नबतूता भारत कब और किस मार्ग से पहुँचा ?

31. इब्नबतूता ने कौनसी दो वानस्पतिक उपजों का रोचक वर्णन किया है? जिनसे पाठक पूरी तरह से अपरिचित थे ?

32. इब्नबतूता के अनुसार 'ताराबबाद' क्या था ?

33. बर्नियर ने भारत की कृषि की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है ?

34. लगभग 10वीं सदी से 17वीं सदी तक के काल में लोगों के यात्राएं करने के क्या उद्देश्य थे ?

35. अल–बिरूनी किन भाषाओं का ज्ञाता था?

36. इब्नबतूता के अनुसार अधिकांश दासियां किस प्रकार प्राप्त की जाती थी?

निबन्धात्मक प्रश्न–

37. भारतीय जाति व्यवस्था के बारे में अल–बिरूनी की व्याख्या पर चर्चा कीजिये।

38. सती प्रथा के बारे में बर्नियर ने क्या लिखा था? लिखिए।

अध्याय 6
भक्ति–सूफी परम्पराएँ
धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ
(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

पाठ का सार–

लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक के काल की संभवतः सबसे प्रभावी विशिष्टता यह है कि साहित्य और मूर्तिकला दोनों में ही अनेक प्रकार के देवी–देवता अधिकाधिक दृष्टिगत होते है। इससे पता चलता है कि विष्णु, शिव और देवी की आराधना की परिपाटी न केवल चलती रही, बल्कि और अधिक विस्तृत हुई।

प्रारम्भिक भक्ति आंदोलन लगभग छठी शताब्दी में अलवारों एवं नयनारों के नेतृत्व में हुआ। अलवार विष्णु के उपासक थे, जबकि नयनार शिव की उपासना करते थे। शक्तिशाली चोल राजाओं ने ब्राह्मणीय और भक्ति परम्परा को समर्थन दिया तथा विष्णु और शिव के मंदिरों के निर्माण के लिए भूमि अनुदान दिए। चिदम्बरम, तंजावुर और गंगैकोण्डचोलपुरम के विशाल शिव मंदिर चोल सम्राटों की मदद से ही निर्मित हुए।

945 ईस्वी के एक अभिलेख से पता चलता है कि चोल सम्राट परांतक प्रथम ने संत कवि अप्पार, सवंदंर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएँ एक शिव मंदिर में स्थापित करवाई इन मूर्तियों को उत्सव में एक जुलूस में निकाला जाता था।

12वी शताब्दी में कर्नाटक की वीरशैव परम्परा के प्रवर्तक बासबन्ना नामक एक ब्राह्मण थे। इनके अनुयायी वीरशैव (शिव के वीर) व लिंगायत (लिंग धारण करने वाले) कहलाए।

वीर शैव अथवा लिंगायत सम्प्रदाय के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसार उन्होंने लिंग के रूप में शिव की आराधना की तथा जाति प्रथा का विरोध किया। पुनर्जन्म के सिद्धांत पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगाया और विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया।

इस्लामी परम्परा के अंतर्गत बहुत से राज्यों के शासक इस्लाम धर्म को मानने वाले थे। इस्लाम धर्म के पांच सिद्धान्त है। शरिया मुसलमान समुदाय को निदेशित करने वाला कानून है। यह कुरान शरीफ और हदीस पर आधारित है। उलमा इस्लाम धर्म और कानून के विद्वान थे वे धार्मिक, कानूनी और अध्यापन सम्बन्धी जिम्मेदारी निभाते थे। मस्जिदों के कुछ स्थापत्य सम्बन्धी तत्व सार्वभौमिक थे। जैसे इमारत का मक्का की ओर अनुस्थापन जो मेहराब और मिनवार की स्थापना से लक्षित होता था। शाहहमदान मस्जिद 'मुकुट का नगीना' समझी जाती थी। 1598 ईस्वी में मुगल सम्राट अकबर यीशु की इबादत के लिए खम्बात में गिरजाघर का निर्माण करवाया। खिलाफत की बढ़ती विषय शक्ति के विरूद्ध कुछ आध्यात्मिक लोगों का रहस्यवाद और वैराग्य की ओर झुकाव बढ़ा जिन्हें सूफी कहा जाता था।

बारहवीं शताब्दी के अंत में भारत आने वाले सूफी समुदायों में चिश्ती सबसे अधिक प्रभावशाली रहे। सूफी संतों की दरगाहों पर की गई जियारत संपूर्ण इस्लामी जगत में प्रचलित है। इनमें सबसे अधिक पूजनीय दरगाह ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की है, जिन्हें 'गरीब नवाज' कहा जाता है। यह अजमेर में स्थित है। मुगल सम्राट अकबर ने शेख मुइनुद्दीन की दरगाह की चौदह बार यात्रा की थी कभी नयी जीत के लिए आशीर्वाद लेने अथवा संकल्प की पूर्ति पर या फिर पुत्रों के जन्म पर। शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह दिल्ली में स्थित है। इनका शिष्य अमीर खुसरो था तथा अकबर की राजधानी फतेहपुर सीकरी में बाबा फरीद के वंशज सूफी संत शेख सलीम चिश्ती की दरगाह है। मलिक मोहम्मद जायसी ने पद्मावत की रचना की थी। नवीन भक्ति पंथ के अन्तर्गत कबीर, बाबा गुरू नानक देव ने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया। गुरू गोविन्द सिंह ने खालसा पंथ की नींव डाली। मीराबाई भक्ति परम्परा की सबसे सुप्रसिद्ध कवयित्री है। वह भगवान कृष्ण की अनन्य उपासिका थी। मीराबाई मारवाड़ के मेड़ता जिले की एक राजपूत राजकुमारी थी। मीरा बाई के गुरू संत रैदास थे। कबीर की वाणी कबीर बीजक और कबीर ग्रंथावली पुस्तकों में संकलित है।

गुरूनानक का जन्म 1469 ई. में पंजाब के ननकाना गांव में हुआ। खालसा पंथ के पांच प्रतीक 1. केश 2. कृपाण 3. कच्छा 4. कंघा 5. कड़ा लोहे का है।

बाबा गुरूनानक का संदेश उनके भजनों और उपदेशों में निहित है। इनसे पता लगता है कि उन्होंने निर्गुण भक्ति का प्रसार किया। धर्म के सभी बाहरी आडम्बरों को उन्होंने अस्वीकार किया जैसे यज्ञ, आनुष्ठानिक स्नान, मूर्तिपूजा व कठोर तप। हिन्दू और मुसलमानों के धर्मग्रंथों को भी उन्होंने नकारा।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. गंगैकोंडचोलपुरम का शिव मंदिर किसने बनवाया था–

   (अ) पाण्डय राजाओं ने   (ब) चालुक्य राजाओं ने

   (स) चोल राजाओं ने   (द) पल्लव राजाओं ने   (   )

2. किस चोल सम्राट ने संत कवि अप्पार, सवंदर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएं एक शिव मंदिर में स्थापित करवाई ?

   (अ) राजेन्द्र प्रथम   (ब) राजेन्द्र द्वितीय

   (स) राजराज प्रथम   (द) परांतक प्रथम   (   )

3. कर्नाटक की वीर शैव परम्परा के प्रवर्तक थे ?

   (अ) शंकराचार्य   (ब) रामानुज

   (स) बासवन्ना   (द) सुन्दरम   (   )

4. किस मुगल सम्राट ने खम्भात में गिरजाघर का निर्माण करवाया ?

   (अ) बाबर   (ब) हुमायू

(स) जहांगीर (द) अकबर ( )

5. श्रीनगर की कौनसी मस्जिद सभी मस्जिदों में 'मुकुट का नगीना' समझी जाती थी ?

(अ) जामा मस्जिद (ब) सुनहरी मस्जिद

(स) शाह हमदान मस्जिद (द) मोती मस्जिद ( )

6. अमीर खुसरो किसके शिष्य थे ?

(अ) शेख मुइनुद्दीन चिश्ती (ब) शेख निजामुद्दीन औलिया

(स) ख्वाजा कुतुबुद्दीन (द) शेख अब्दुल कादिर ( )

7. कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की दरगाह कहां स्थित है–

(अ) पानीपत (ब) अजमेर

(स) दिल्ली (द) पटना ( )

8. कबीर किसके शिष्य थे–

(अ) चैतन्य महाप्रभु (ब) रामानन्द

(स) चरणदास (द) वल्लभाचार्य ( )

9. धर्म के इतिहासकारों ने भक्ति परंपरा को कितने वर्गों में बाँटा है–

(अ) 4 (ब) 2

(स) 3 (द) 5 ( )

10. कौनसे सूफी संत 'गरीब नवाज' के नाम से प्रसिद्ध है?

(अ) ख्वाजा मुइनुद्दीन (ब) शेख निजामुद्दीन

(स) शेख नसीरूद्दीन (द) ख्वाजा कुतुबुद्दीन ( )

11. सूफी अनुयायियों को क्या कहा जाता था–

(अ) पीर (ब) वारिस

(स) शेख (द) मुरीद ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

12. शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह .... में स्थित है। (अजमेर / जयपुर)

13. शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह .... में स्थित है। (कर्नाटक / दिल्ली)

14. खालसा पंथ की स्थापना .... ने की थी। (गुरू गोविन्द सिंह / कबीर)

15. 'पद्मावत' की रचना .... ने की थी। (मुहम्मद–बिन–तुगलक / मलिक मुहम्मद जायसी)

16. कबीर ग्रंथावली का संबंध राजस्थान के .... पंथियों से है। (दादू / वीर शैव)

17. .... की कुछ रचनाएं उलटबॉसी के नाम से जानी जाती है। (गुरूगोविन्द सिंह / कबीर)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

18. हिन्दू धर्म की एक परम्परा वैष्णव है तो दूसरी कौनसी है ?
19. देवी की आराधना पद्धति को किस नाम से जाना जाता है ?
20. शरिया किस पर आधारित था ?
21. दो संतों के नाम लिखिए जिन्होंने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया ?
22. किस मुगल सम्राट ने शेख मुइनुद्दीन की दरगाह की चौदह बार यात्रा की थी ?
23. अलवार और नयनार संत कौन थे ?
24. कुछ परम्पराओं के अनुसार मीरा के गुरू कौन थे ?
25. मीरा बाई कौन थी ?
26. कबीर की वाणी जिन पुस्तकों में संकलित है, उनमें से किन्ही दो के नाम लिखिये।
27. फतेहपुर सीकरी में किस सूफी संत की दरगाह स्थित है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

28. वीर शैव अथवा लिंगायत सम्प्रदाय के धार्मिक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिये।
29. सूफियों की दो शिक्षाएं लिखिए ।
30. भक्ति आंदोलन की विशेषताएं लिखिए।
31. गुरू नानक का जन्म कब और कहां हुआ था?
32. खालसा पंथ के पांच प्रतीकों का उल्लेख कीजिये।
33. उलमा कौन थे ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

34. कबीर अथवा बाबा गुरू नानक के मुख्य उपदेशों का वर्णन कीजिये ?
35. सूफी मत के मुख्य धार्मिक विश्वासों और आचारों की व्याख्या कीजिये ?
36. बे–शरिया और बा–शरिया सूफी परम्परा के बीच एकरूपता और अन्तर दोनों को स्पष्ट कीजिये?

अध्याय 7

एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर

(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)

पाठ का सार–

प्रस्तुत अध्याय में हम विजयनगर के बारे में अध्ययन करेंगे। विजयनगर की स्थापना चौदहवी शताब्दी में की गई। यह उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण तक फैला हुआ था। 1565 में इस पर आक्रमण कर इसे लूटा गया और बाद में यह उजड़ गया।

पुरातात्विक खोजों, स्थापत्य के नमूनों, अभिलेखों तथा अन्य दस्तावेजों ने विजयनगर साम्राज्य को पुनः खोजने में विद्वानों की सहायता की। विजय नगर साम्राज्य की स्थापना दो भाईयों– हरिहर तथा बुक्का द्वारा 1336 ई. में की गई। विजय नगर के सबसे प्रसिद्ध शासक कृष्ण देव राय (शासनकाल 1509–29) थे। इन्होंने शासनकला के विषय में 'आमुक्तमालयदम' नामक तेलूगु भाषा में एक कृति लिखी तथा नगलपुरम उपनगर की स्थापना की। अधिकांश राजधानियों की तरह ही विजयनगर भी एक विशिष्ट भौतिक रूपरेखा तथा स्थापत्य शैली से अभिलक्षित थी। यहां की जल–संपदा, किले बंदियों तथा सड़के शहरी केन्द्र, राजकीय केन्द्र (महानवमी डिब्बा, लोट्स (कमल) महल) तथा धार्मिक केन्द्र थे। 'महानवमी डिब्बा' विजयनगर शहर के सबसे ऊँचे स्थानों में से एक पर स्थित है। यह एक विशालकाय मंच है। इसका आधार लगभग 11000 वर्ग फीट तथा ऊँचाई 40 फीट है। विजय नगर को 'विजय का शहर' कहा जाता है विजय नगर साम्राज्य का प्रथम राजवंश संगम वंश था। हिरिया नहर विजय नगर राज्य की सबसे महत्वपूर्ण जल सम्बन्धी संरचना थी। कृष्णदेवराय के दरबार में आठ सर्वश्रेष्ठ कवि रहते थे। कृष्णदेवराय तुलुव वंश से सम्बन्धित था। कृष्णदेवराय को ही दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों को जोड़ने का श्रेय है। विशाल प्रवेश द्वारों को गोपुरम कहते है। कला–इतिहासकारों ने किलेबंद बस्ती में जाने के लिए बने प्रवेशद्वार को इंड़ो–इस्लामिक शैली के नाम से पुकारा। ताली कोटा का युद्ध 1565 में लड़ा गया। विजय नगर राज्य की सेना का सेनापति प्रधानमंत्री रामराय था। कर्नल कॉलिन मैकेन्जी ने हम्पी के भग्नावशेषों की खोज की।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. 'विजय का शहर' कौनसा शहर कहलाता है ?

   (अ) विजय नगर (ब) श्रीनगर

   (स) देव नगर (द) हीरा नगर ( )

2. हम्पी के भग्नावशेषों की खोज किसने की ?

   (अ) कनिंघम (ब) जॉन मार्शल

   (स) मैके (द) कर्नल कॉलिन मैकेन्जी ( )

3. विजयनगर राज्य की स्थापना हुई ?

(अ) 1356 में (ब) 1336 में

(स) 1436 में (द) 1366 में ( )

4. विजय नगर साम्राज्य का प्रथम राजवंश था–

(अ) संगम वंश (ब) सुलुव वंश

(स) तुलुव वंश (द) अराविदु वंश ( )

5. नगलपुरम उपनगर की स्थापना की थी ?

(अ) हरिहर (ब) बुक्का

(स) देवराय प्रथम (द) कृष्णदेवराय ( )

6. तालीकोटा के युद्ध में विजयनगर राज्य की सेना का सेनापति था ?

(अ) सदाशिव (ब) रामराय

(स) कृष्णदेव राय (द) देवराय द्वितीय ( )

7. विजय नगर की सबसे महत्वपूर्ण जल सम्बन्धी संरचनाओं में से एक थी ?

(अ) कृष्णा नदी (ब) हिरिया नहर

(स) कावेरी नदी (द) तुंगभद्रा नदी ( )

8. दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों को जोड़ने का श्रेय किसको है ?

(अ) रामराय (ब) सदाशिव

(स) देवराय प्रथम (द) कृष्णदेव राय ( )

9. विजयनगर के किस शासक के दरबार में आठ सर्वश्रेष्ठ कवि रहते थे –

(अ) कृष्ण देवराय (ब) अच्युत देवराय

(स) देवराय प्रथम (द) देवराय द्वितीय ( )

10. विजयनगर साम्राज्य में सेना प्रमुखों को क्या कहा जाता था–

(अ) राय (ब) सुल्तान

(स) ख्वाजा (द) नायक ( )

11. 'यवन राज्य की स्थापना करने वाला' विरूद्ध धारण करने वाला राजा था–

(अ) हरिहर (ब) रामराय

(स) बुक्का (द) कृष्णदेव ( )

12. विजयनगर साम्राज्य में बहने वाली नदी है–

(अ) नर्मदा (ब) तुंगभद्रा

(स) यमुना (द) कावेरी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

13. तालीकोटा का युद्ध .... में लड़ा गया था। (1565 / 1560)
14. आमुक्तमालयदम की रचना .... ने की। (सदाशिव / कृष्णदेव राय)
15. 'हिन्दू सूरतराणा' का अर्थ .... है। (हिन्दू सुल्तान / मुस्लिम सुल्तान)
16. .... का शब्दिक अर्थ हाथियों का स्वामी होता है। (गजपति / अश्वपति)
17. विट्ठलराय मन्दिर का निर्माण .... ने करवाया था। (हरिहर प्रथम / देवराय द्वितीय)

अतिलघूतरात्मक प्रश्न–

18. चौदहवीं से सोलहवीं शताब्दी के मध्य कौन–सा नगर दक्षिण भारत में एक साम्राज्य के रूप में विकसित हुआ ?
19. कृष्ण देव राय का राज्य काल क्या था ?
20. विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय ने आमुक्तमालदय कृति किस भाषा में लिखी ?
21. विजयनगर का सबसे महत्वपूर्ण हौज क्या कहलाता है?
22. 'राजा के भवन' के दो सबसे प्रभावशाली मंचों के नाम लिखिए ?
23. कला–इतिहासकारों ने किलेबन्द बस्ती में जाने के लिए बने प्रवेश द्वार को किस शैली के नाम से पुकारा ?
24. विजय नगर किन बाजारों के लिए प्रसिद्ध था ?
25. विजयनगर के राजकीय केन्द्र के सबसे सुन्दर भवनों में एक का नाम लिखिए। इसका नामकरण किन लोगों ने किया था ?
26. विजयनगर साम्राज्य में घोड़े के व्यापारियों के स्थानीय समूह को क्या कहा जाता था?
27. किसने दक्षिण के एक सुल्तान को दूसरे के विरूद्ध करने की जोखिक भरी नीति अपनाई?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

28. विजय नगर की स्थापना कब व किसने की ?
29. गोपुरम किसे कहते है ?
30. 'महानवमी डिब्बा' से आप क्या समझते है?
31. विजयनगर साम्राज्य के विकास में कृष्णदेव राय का क्या योगदान रहा ?
32. विजयनगर के शासक धार्मिक क्षेत्र में मन्दिर निर्माण को प्रोत्साहन क्यों देते थे?
33. विजयनगर साम्राज्य पर शासन करने वाले राजवंशों के नाम लिखिये?

निबन्धात्मक प्रश्न–

25. स्थापत्य में कौन–कौनसी परम्पराओं ने विजयनगर के वास्तुविदों को प्रेरित किया? उन्होंने इन परम्पराओं में किस प्रकार बदलाव किए।

26. विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय की उपलब्धियों का विवेचन कीजिये ?

27. भारत के मानचित्र में निम्न स्थानों को अंकित कीजिए–

1. विजय नगर	2. मगध
3. उज्जैन	4. अहमदाबाद
5. दिल्ली	6. बीजापुर
7. हम्पी	

अध्याय 8

किसान, जमींदार और राज्य

कृषि समाज और मुगल साम्राज्य

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवी सदी)

पाठ का सार–

इस अध्याय में हम कृषि समाज और मुगल साम्राज्य का अध्ययन करेंगे। सोलहवीं–सत्रहवीं शताब्दी में भारत में लगभग 85 प्रतिशत लोग गांवों में रहते थे। खेतिहर समाज की बुनियादी इकाई गांव थी जिसमें किसान रहते थे। किसान जमीन की जुताई, बीज बोने, फसल की कटाई करने आदि का कार्य करते थे।

सत्रहवीं सदी के स्त्रोत दो किस्म के किसानों की चर्चा करते है– (1) खुद–काश्त– ये वे किसान थे जो उन्हीं गाँवों में रहते थे जिनमें उनकी जमीन थी। (2) पाहि–काश्त– वे खेतिहर थे जो दूसरे गाँवों से ठेके पर खेती करने आते थे।

कृषि इतिहास को समझने के लिए हमारे मुख्य स्त्रोत वे ऐतिहासिक ग्रंथ व दस्तावेज है, जो मुगल दरबार की निगरानी में लिखे गए थे। सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक ग्रंथों में एक था 'आइन–ए–अकबरी' जिसे अकबर के दरबारी इतिहासकार अबुल फजल ने लिखा था। इस ग्रंथ में दरबार, प्रशासन, सेना के संगठन, राजस्व के स्त्रोत, अकबरकालीन प्रान्तों के भूगोल, लोगों के साहित्यिक, सांस्कृतिक व धार्मिक रिवाजों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अकबर के प्रशासन के समस्त विभागों और प्रान्तों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। अकबर के समय में जमीन जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता था। पोलज कहलाती थी। आइन–ए–अकबरी पांच भागों में संकलित है तथा इसे 1598 ई. में पूरा किया गया । अकबरनामा की तीन जिल्दों में रचना की गई है। मुगल साम्रज्य की आय का प्रमुख स्रोत भू–राजस्व था। भू–राजस्व के प्रबन्ध के दो चरण 1. कर निर्धारण 2. वास्तविक वसूली थे। जमींदारों की विस्तृत व्यक्तिगत जमीन मिल्कियत कहलाती थी। बाबरनामा का रचयिता बाबर था। दक्षिण भारत भाग में सबसे पहले तम्बाकू की खेती की जाती थी तथा जहांगीर ने तम्बाकू के धूम्रपान पर प्रतिबंध लगा दिया था। गांव की पंचायत का मुखिया मुकद्दम (मंडल) तथा पंचायत में ग्राम के बुजुर्ग लोग होते थे। पंजाब के शाह नहर की मरम्मत शाहजहाँ के शासन काल में करवाई गई। सत्रहवीं शताब्दी में मारवाड़ में राजपूतों की चर्चा किसानों के रूप में की गई। 'जिन्स–ए–कामिल' सर्वोत्तम फसलें थी जैसे कपास और गन्ना। कपास का उत्पादन मध्य भारत तथा दक्कनी पठार में होता था। तिलहन और दलहन नकदी फसलें थी। मौसम के दो मुख्य चक्रों के दौरान खेती की जाती थी– (1) खरीफ (पतझड़ में) तथा (2) रबी (वसन्त में)। मुगलकाल में राजस्व वसूल करने की प्रमुख प्रणालियाँ थी– (1) कणकुत प्रणाली, (2) बटाई प्रणाली, (3) खेत बटाई, (4) लाँग बटाई।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. सोलहवीं तथा सत्रहवीं शताब्दियों के कृषि इतिहास की जानकारी देने वाला प्रमुख ऐतिहासिक ग्रंथ था ?

(अ) अकबरनामा (ब) आइन–ए–अकबरी

(स) बादशाहनामा (द) बाबरनामा ( )

2. 'बाबरनामा' का रचयिता था ?

(अ) हुमायूँ (ब) अकबर

(स) बाबर (द) जहाँगीर ( )

3. पंजाब में शाह नहर की मरम्मत किसके शासनकाल में करवाई गई ?

(अ) बाबर (ब) हुमायूँ

(स) अकबर (द) शाहजहाँ ( )

4. किस मुगल सम्राट ने तम्बाकू के धूम्रपान पर प्रतिबंध लगा दिया था ?

(अ) अकबर (ब) बाबर

(स) जहाँगीर (द) शाहजहाँ ( )

5. सत्रहवीं शताब्दी में मारवाड़ में लिखी गई एक पुस्तक में किसकी चर्चा किसानों के रूप में की गई है ?

(अ) वैश्यो (ब) राजपूतों

(स) ब्राह्मणों (द) योद्धाओं ( )

6. गांव की पंचायत का मुखिया कहलाता था ?

(अ) फौजदार (ब) ग्राम प्रधान

(स) चौकीदार (द) मुकद्दम (मंडल) ( )

7 मुगल वंश का अंतिम शासक कौन था–

(अ) जहाँगीर (ब) शाहजहाँ

(स) बहादुर शाह जफर (द) मोहम्मद शाह ( )

8. अफ्रीका और स्पेन से निम्न में से कौनसी फसल भारत पहुंची–

(अ) गेहूँ (ब) मक्का

(स) चना (द) बाजरा ( )

9. सोलहवीं, सत्रहवीं सदी में चावल की कितनी किस्में पैदा होती थी–

(अ) 20 (ब) 30

(स) 40 (द) 50 ( )

10. मुगल राज्य के द्वारा ली जाने वाले भेंट कहलाती थी–

(अ) पेशकश　　(ब) तोहफा

(स) उपहार　　(द) नजराना　　(　　)

11. अरघट्ट क्या था–

(अ) एक विशेष प्रकार का वस्त्र　　(ब) लड़ने का शस्त्र

(स) वाद्य यंत्र　　(द) पानी को उठाने की तकनीकी　　(　　)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

12. आइन–ए–अकबरी .... द्वारा लिखी गई। (अबुल फजल / अमीर खुसरो)
13. आइन–ए–अकबरी को .... पूरा किया गया। (1590 ई. में / 1598 ई. में)
14. भारत के .... भाग में सबसे पहले तम्बाकू की खेती की जाती थी। (दक्षिण भारत / उत्तर भारत)
15. .... वह जमीन है जो तीन या चार वर्षों तक खाली रहती है थी। (चचर / पोलज)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

16. आइन–ए–अकबरी कितने भागों में संकलित है ?
17. 'अकबरनामा' की कितनी जिल्दों में रचना की गई ?
18. 'जिन्स–ए–कामिल' फसल के बारे में बताइये ?
19. भारत में कपास का उत्पादन कहाँ होता था ?
20. ग्राम की पंचायत में कौन लोग होते थे ?
21. जंगल के तीन उत्पादों का उल्लेख कीजिए जिनकी बहुत माँग थी?
22. भू–राजस्व के प्रबन्ध के दो चरण कौन–कौनसे थे ?
23. चीनी के उत्पादन के लिए कौन–सा प्रान्त प्रसिद्ध था ?
24. मुगल साम्राज्य की आय का प्रमुख स्त्रोत क्या था ?
25. अकबर के समय में वह जमीन क्या कहलाती थी, जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता था?
26. भारत में नई दुनिया से कौनसी फसलें लाई गई ?
27. गांवों में कौनसी पंचायतें होती थी ?
28 गांव के प्रमुख दस्तकारों का उल्लेख कीजिए ?
29. मौसम के किन दो मुख्य चक्रों के दौरान खेती की जाती थी ?
30. दो नकदी फसलों के नाम बताइये।
31. 19वीं शताब्दी के कुछ अंग्रेज अधिकारियों ने गांवों को किसकी संज्ञा दी थी?
32. आइन–ए–दहसाला किसने जारी किया?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

33. सत्रहवीं शताब्दी के स्त्रोत भारत में कितने प्रकार के किसानों का उल्लेख करते है ?
34. लगभग सोलहवीं –सत्रहवीं शताब्दियों में कृषि के निरन्तर विस्तार होने के तीन कारक लिखिए।
35. 'मिल्कियत' का अर्थ स्पष्ट कीजिये ?
36. आइन–ए–अकबरी के अनुसार भू–राजस्व वसूल करने के लिए कौनसी प्रणालियां अपनाई जाती थी?
37. पंचायत का प्रमुख कार्य क्या था ?
38. जमींदारी को पुख्ता करने के क्या तरीके थे?
39. 'जमा' और 'हासिल' में भेद कीजिये?

निबन्धात्मक प्रश्न–

30 मुगलकालीन कृषि समाज में महिलाओं की भूमिका की विवेचना कीजिये ?

31. 'आइन–ए–अकबरी' पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिये?

अध्याय 9

उपनिवेशवाद और देहात

(सरकारी अभिलेखों का अध्ययन)

पाठ का सार–

उपनिवेशवाद शब्द का अर्थ सामान्यतः गुलाम बनाने वाली विचारधारा से है, जिसके तहत उपनिवेशों के संसाधनों को मातृदेश के हित में अधिकतम दोहन किया जाता है तथा देहात शब्द ग्रामीण जीवन पद्धति को व्यक्त करता है।

बंगाल और वहां के जमींदार :– ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की शुरूआत सर्वप्रथम बंगाल में हुई। बंगाल में ग्रामीण समाज को पुर्नव्यवस्थित करने, नई राजस्व प्रणाली तथा भूमि संबंधी अधिकारों की नयी व्यवस्था स्थापित करने के प्रयास किए गए। 1793 में यहां इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया, जिसमें कंपनी द्वारा एक निश्चित राजस्व राशि को निर्धारित समय में जमींदार को अदा करना था। इसके उल्लंघन पर जमींदारों की जमीदारियां नीलाम कर दी जाती थी। इस बंदोबस्ती के तहत लगभग 75 प्रतिशत जमीदारियां नीलाम हो गई क्योंकि इस दौरान बंगाल में बार–बार अकाल पड़ा। इसके अलावा कंपनी द्वारा राजस्व की मांग का ऊँचा स्तर, राजस्व दरें असमान होना तथा उपज की कीमतें नीच होना, जमीदारों की शक्ति को कम करना आदि कारणों से जमीदारों द्वारा राजस्व भुगतान में चूक की गई। इस दौरान गाँवों में धनी किसानों का समूह जिन्हें जोतदार के नाम से जाना जाता था, का उदय हुआ। इन जोतदारों, (हवलदार, गौटीदार) का गरीब किसानों, स्थानीय व्यापार तथा साहूकार के कारोबार पर भी नियंत्रण था। ये लोग जमीदार द्वारा लगान बढ़ाने का प्रतिरोध करते थे तथा उन्हें कर्तव्य पालन से रोकते थे। जमींदार की संपदा नीलाम होने पर कई बार जोतदार ही खरीद लेते थे। जमींदार अपनी संपदा को नीलामी से बचाने के लिए कई हथकंडे अपनाते थे, जैसे– फर्जी बिक्री द्वारा जमींदार के एजेंट का ही नीलामी में भाग लेना, स्त्रियों के नाम संपत्ति करना, बाहरी व्यक्ति को मारपीट कर भगा देना आदि। ईस्ट इंडिया कंपनी के भारतीय प्रशासन से संबंधित पांचवी रिपोर्ट जो कंपनी के कुशासन, भ्रष्टाचार, अव्यवस्थित प्रशासन, अधिकारियों–कर्मचारियों के लोभ–लालच आदि से सम्बन्धित थी।

कुदाल और हल :– 19वीं सदी के प्रारम्भिक वर्षों में राजमहल में पहाड़ियां और संथालों के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें संथाल विजयी रहे। पहाडिया लोग कुदाल से झूम खेती करते थे और संथाल हल जोतकर स्थायी खेती करते थे। कुदाल और हल इसी के प्रतीक है। पहाड़ी लोगों का जंगल से घनिष्ठ संबंध था, वे इसे अपनी निजी भूमि मानते थे तथा वे बाहरी लोगों के प्रवेश का विरोध करते थे।

1832 में जमीन के एक बड़े भू–भाग को 'दामिन–ए–कोह' के रूप में संथाल–भूमि घोषित किया गया। दामिन–ए–कोह के सीमांकन के बाद संथालों की संख्या बढ़ने लगी। इनके क्षेत्र में ब्रिटिश सरकार द्वारा

हस्तक्षेप करने पर इन्होंने 1855–56 में संथाल–विद्रोह (ब्रिटिश राज के प्रति) के बाद संथाल परगने का निर्माण किया। संथालों का नेतृत्व सिद्धू व कान्हू ने किया था।

देहात में विद्रोह (बंबई दक्कन) :– 19वीं सदी के दौरान भारत के विभिन्न प्रांतों में किसानों द्वारा जमींदारों, साहूकारों व अनाज के व्यापारियों के विरूद्ध अनेक विद्रोह किए गए जिनमें ऐसा ही एक विद्रोह 1875 में दक्कन में हुआ। इस विद्रोह में किसानों ने साहूकारों पर (पूना जिले के सूपा गाँव) हमला कर ऋणबंधों तथा बहीखातों व उनके घरों को जला दिया।

इसके अलावा नई राजस्व प्रणाली रैयतवाड़ी व्यवस्था जिसमें राजस्व का निर्धारण कंपनी व रैयत के मध्य तय किया गया था, जो कि 30 साल के लिए था। इससे भी कृषकों में असंतोष था। इसके अलावा अमेरिका गृहयुद्ध के बाद ब्रिटेन को भारत से निर्यात कम हो गया। साहूकारों ने किसानों को ऋण देना बंद कर दिया। एक तरफ किसानों को ऋण नहीं मिलता वहीं दूसरी तरफ राजस्व की दर 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ी जिसे चुकाना किसानों के वश में नहीं रहा। इनके अलावा साहूकार व महाजन किसानों के साथ अन्याय करते थे। वे संवेदनहीन होकर ब्याज की दरें कई गुना तक बढ़ा देते थे तथा ऋण चुकता होने पर भी रसीद नहीं देते थे। किसानों से खाली बंध पत्रों पर अंगूठा लगवाकर उनमें जाली आंकड़े भरते थे।

बंबई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त 1820 के दशक में किया गया। राजस्व की दर अधिक होने, वसूली में कठोरता के कारण किसान गांव छोड़कर भाग गए। 1832 के बाद कीमतों में आई तीव्र गिरावट, अकाल आदि के कारण किसानों की दयनीय स्थिति हो गई। किसानों को साहूकारों से ऋण लेकर अपने दैनिक जीवन की आवश्यकता की पूर्ति करनी पड़ती थी। उन्हें हल–बैल और बीज के लिए साहूकारों से ऋण लेना पड़ता था।

उपरोक्त विषम परिस्थितियों में किसानों के पास विद्रोह के अलावा अन्य कोई उपाय नहीं बचा था।

दक्कन दंगा आयोग :– दक्कन में दंगों के शुरू होने पर भारत सरकार के दबाव में बंबई सरकार ने एक आयोग की स्थापना की, जिसने अपने प्रतिवेदन में दंगों के लिए साहूकारों व ऋणदाताओं को उत्तरदायी ठहराया तथा कहा कि सरकारी राजस्व की बढ़ोतरी दंगा फैलाने का कारण नहीं थी।

ब्रिटिश सरकार इस बात को मानने को तैयार नहीं थी कि जनता में असंताष सरकारी कार्यवाही के कारण उत्पन्न हुआ है।

प्रश्न

बहुविकल्पी प्रश्न–

1. बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त कब लागू हुआ ?

   (अ) 1791 (ब) 1793

   (स) 1795 (द) 1797 ( )

2. स्थायी बंदोबस्त किसके साथ किया गया था ?

(अ) जमीदारों के साथ | (ब) मुखिया के साथ
(स) ग्रामीणों के साथ | (द) व्यापारियों के साथ ( )

3. कलकत्ता, मुंबई और मद्रास में उच्च न्यायालय कब स्थपित हुआ ?
(अ) 1850 | (ब) 1857
(स) 1860 | (द) 1865 ( )

4. किस गवर्नर जनरल को भारतीय समाचार पत्रों का मुक्तिदाता कहा जाता है?
(अ) लार्ड डलहौजी | (ब) लार्ड मेटकाफ
(स) लार्ड आकलैण्ड | (द) लार्ड बैंटिक ( )

5. धन के दोहन का सिद्धान्त सर्वप्रथम किसने प्रतिपादित किया ?
(अ) दादा भाई नौरोजी | (ब) रजनी पामदत्त
(स) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी | (द) राजा राममोहन राय ( )

6. संथालों का नेतृत्व किसने किया ?
(अ) कान्हू | (ब) सिद्धू मांझी
(स) चित्तू पांडे | (द) अ और ब दोनों ( )

7. स्थायी बंदोबस्त में सरकार का लगान कितना निर्धारित किया गया था ?
(अ)10／11 भाग | (ब) 8／10 भाग
(स) 9／10 भाग | (द) 11／10 भाग ( )

8. कार्नवालिस कोड कब प्रचलन में आई ?
(अ) 1790 | (ब) 1791
(स) 1792 | (द) 1793 ( )

9. भारत में पहली बार रेलवेलाइन कब चालू की गई थी ?
(अ) 1851 | (ब) 1852
(स) 1853 | (द) 1854 ( )

10. निम्नांकित में से किस भू–राजस्व व्यवस्था ने जनता और शासन के बीच घनिष्ठ संबंधों की स्थापना की ?
(अ) जमींदारीं व्यवस्था | (ब) महालवारी व्यवस्था
(स) रैयतवारी व्यवस्था | (द) इनमें से कोई नहीं ( )

11. भारत में औपनिवेशिक शासन सर्वप्रथम कहाँ स्थापित किया गया ?
(अ) बंगाल | (ब) बम्बई
(स) मद्रास | (द) इलाहाबाद ( )

12. अंग्रेजों के विवरणों में 'रैयत' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया?

(अ) श्रमिक (ब) सरकारी कर्मचारी

(स) मकान मालिक (द) किसान ( )

13. जमींदारों की असफलता के कारण थे–

(अ) प्रारम्भिक मांगों का ऊंचा होना (ब) जमींदरों का देय राशि चुकाने में असफल होना

(स) राजस्व का असमान होना (द) उपरोक्त सभी ( )

14. बुकानन कौन था?

(अ) ब्रिटिश एजेन्ट (ब) अंग्रेजी अधिकारी

(स) जमींदार (द) यात्री ( )

15. ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने बंगाल की दीवानी कब प्राप्त की?

(अ) 1763 (ब) 1765

(स) 1767 (द) 1769 ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

16. 1857 में ब्रिटेन में......................... आपूर्ति संघ की स्थापना हुई। (कपास / गन्ना)
17. फ्रांसिस बुकानन .... गवर्नर जनरल का शल्य चिकित्सक रहा था। (लार्ड डलहौजी / लार्ड वेलेजली)
18. संथालों की शक्ति का प्रतीक .... था। (हल / फावड़ा)
19. जमींदार का राजस्व वसूलने वाला अधिकारी .... कहलाता था। (अमला / कानूनगो)
20. दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में .... पेश की गई। (1878 / 1895)

अतिलघूत्तरात्मकप्रश्न–

21. किन वस्तुओं के उत्पादन और विपणन पर यूरोपीयन एकाधिकार था ?
22. नीलामी के बाद भी राजा की संपदाओं पर उसकी जमीदारी क्यों बनी रहती थी ?
23. जोतदार किन्हें कहा जाता था?
24. कार्नवालिस संहिता (कोड) किस सिद्धान्त पर आधारित था ?
25. बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त कब और किसने लागू किया ?
26. 1857 के गदर में बंगाल के किस राजा ने अंग्रेजों की मदद की थी ?
27. बंगाल के किस क्षेत्र में जोतदार सबसे अधिक शक्तिशाली थे ?
28. पाँचवी रिपोर्ट से क्या आशय है ?
29. रेग्युलेटिंग एक्ट क्या था ?
30. सूर्यास्त कानून क्या था ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

31. बटाईदार कौन थे ?

32. हल और कुदाल के बीच की लड़ाई क्या थी ?

23. 'दामिन–ए–कोह' से आप क्या समझते है ?

34. दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति क्रुद्ध क्यों थे ?

35. जमींदारों पर नियंत्रण रखने के लिए कम्पनी सरकार ने क्या नीति अपनायी थी?

36. दक्कन दंगा रिपोर्ट क्या थी? इसके अनुसार रैयत विद्रोह का क्या कारण था?

निबन्धात्मक प्रश्न–

37. जमींदार लोग अपनी जमींदारियों पर किस प्रकार नियंत्रण बनाए रखते थे ?

38. संथाल विद्रोह के कारण लिखिए।

39. रैय्यतवाडी व्यवस्था इस्तमरारी बंदोबस्त से किस प्रकार भिन्न थी ?

अध्याय 10

विद्रोही और राज

(1857 का आन्दोलन और उसके व्याख्यान)

पाठ का सार–

10 मई 1857 को मेरठ छावनी से शुरू हुआ 1857 का विद्रोह शीघ्र ही अधिकांश भारतीय भू–भाग पर फैल गया। इस ब्रिदोह का नेतृत्व मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर ने किया।

विद्रोह का ढर्रा :– 1857 के विद्रोह का ढर्रा कमोबेश हर छावनी में एक जैसा ही था। जैसे–जैसे छावनियों में सूचना पहुंचती गई वैसे–वैसे ही सिपाही विद्रोह करते गए। विद्रोह के संकेत के रूप में कहीं बिगुल बजाया तो कहीं तोप का गोला छोड़ा गया। इस दौरान सरकारी खजानों पर अधिकार व शस्त्रागारों को लूटा गया। सरकारी दफ्तर, जेल, रिकार्ड रूम व बंगलों पर हमला किया गया।

इस ब्रिदोह में आम जनता के द्वारा साहूकारों व अमीरों पर हमले किए गए क्योंकि जनता उन्हें अंग्रेजी शासन का वफादार और पिट्ठू मानती थी। विद्रोह के दौरान छावनियों में आपसी संचार व समन्वय था तथा सिपाही अपने विद्रोह के कर्ता–धर्त्ता स्वंय थे। सिपाहियों की पंचायतों में सामूहिक रूप से फैसले लिए जाते थे। अलग–अलग प्रांतों में अलग–अलग लोगों ने विद्रोह को नेतृत्व प्रदान किया। जैसे– दिल्ली में बहादुरशाह जफर, कानपुर में नाना साहब, लखनऊ में बेगम हजरत महल, बिहार में जमींदार कुंवरसिंह तथा झांसी में रानी लक्ष्मीबाई। कई स्थानीय नेताओं ने भी अपने–अपने क्षेत्र में विद्रोह का नेतृत्व किया था। विद्रोह के समय कई तरह की अफवाहों जैसे कारतूसों में गाय व सूअर की चर्बी लगी होना, आटे में गाय व सूअर की हड्डियों का चूरा मिला होना, 23 जून 1857 को ब्रिटिशराज समाप्त होने की भविष्यवाणियां आदि ने भी विद्रोह को भड़काने में महती भूमिका अदा की। इस दौरान गांव–गांव में चपातियां बांटी गई जो कि क्रांति का प्रतीक मानी गई।

इसके अलावा ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों के सामाजिक धार्मिक, आर्थिक व सैनिक क्षेत्रों में किए गए बदलावों को भारतीयों ने अपने मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखा। जैसे 1829 में बिलियम बैंटिक द्वारा सती प्रथा व 1830 में ठगी प्रथा को गैर कानूनी घोषित किया गया।

विधवा विवाह को कानूनी मान्यता देना, अंग्रेजी माध्यम के स्कूल, कॉलेज खोलना, दत्तक निषेध नियम, नई भूराजस्व व्यवस्था, ईसाई धर्म प्रचारकों को भारत में आने, निवास करने व बस जाने की स्वतंत्रता आदि। इन कारणों से भारतीयों में यह भय व्याप्त हो गया कि अंग्रेज भारत में ईसाई धर्म फैलाना चाहते है।

अवध में विद्रोह – अवध में नवाब की शक्ति को कमजोर करने के लिए 1801 ई. में अवध पर सहायक संधि थोपी गई तथा 1856 में लार्ड डलहौजी द्वारा अवध के नवाब वाजिद अली शाह पर कुशासन और अलोकप्रियता का आरोप लगाकर गद्दी से हटाकर कलकत्ता भेज दिया और अवध का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय किया गया। अवध में उत्पन्न विभिन्न प्रकार की समस्याओं से राजकुमार, ताल्लुकदार किसान

और सिपाही एक–दूसरे से जुड़ गए थे। वे सभी मिलकर फिरंगी राज (ब्रिटिशराज) को समाप्त करना चाहते थे। क्योंकि अंग्रेजों ने ताल्लुकदारों की शक्ति तोड़ने के लिए उन्हें जमीन से बेदखल कर दिया, किसानों पर कर का बोझ लाद दिया, दस्तकारों व कारीगरों के सामने जीवनयापन का संकट तथा सिपाहियों को कम वेतन, समय पर छुट्टिया न मिलना आदि कारणों से जन विद्रोह के रूप–रंग पर गहरा असर पड़ा।

विद्रोहियों द्वारा जाति व धर्म के भेद किए बिना आमजन को विद्रोह में शामिल होने हेतु आह्वान किया गया। बहादुरशाह जफर के नाम से जारी घोषणा में मुहम्मद व महावीर दोनों की दुहाई देते हुए आमजन को शामिल होने का आह्वान किया गया। आजमगढ़ घोषणा इसी का उदाहरण है। इसके अलावा उन सभी चीजों की खिलाफत की जा रही थी जो ब्रिटिश राज से संबंधित थी। इससे स्पष्ट है कि विद्रोही तमाम उत्पीड़कों के खिलाफ थे तथा ऊंच–नीच के भेदभाव को समाप्त करना चाहते थे। ब्रिटिश शासन ध्वस्त हो जाने के बाद विद्रोहियों द्वारा दिल्ली, लखनऊ व कानपुर में एक प्रकार की सत्ता और शासन संरचना को स्थापित करने का प्रयास किया गया। अधिकांश शिक्षित व बुद्धिजीवी वर्ग ने विद्रोह में भारतीयों का साथ नहीं दिया। लेकिन ब्रिटिश सरकार द्वारा इस विद्रोह का कठोरतापूर्वक दमन किया गया।

प्रतिशोध और सबक सिखाने के लिए विद्रोहियों को खुले में फांसी पर लटकाया गया। तापों के मुंह पर बांधकर उड़ाया गया। इन चित्रों को पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से दूर–दूर तक पहुंचाया गया, जिससे ब्रिटिश शासन की अपराजेयता में लोगों का विश्वास पैदा हो सके। चित्रों में विद्रोहियों को हिंसक व बर्बर तथा ब्रिटिश टुकड़ियों को रक्षक व वीरता की मूर्ति के रूप में दिखाया गया। गवर्नर जनरल लार्ड केनिंग के द्वारा विद्रोहियों के प्रति नरमी के सुझाव पर उनका मजाक उड़ाया गया तथा चित्रों में उन्हें एक बुजुर्ग के रूप में दिखाया गया है जो कि एक विद्रोही सैनिक के सिर पर हाथ रखे है।

भले ही 1857 का विद्रोह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में विफल हो गया हो और इसकी विफलता से इसका महत्व कम नहीं हो जाता। 20वीं सदी के राष्ट्रवादी आंदोलन को इससे प्रेरणा मिली। इसको प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में याद किया जाता है। जिसमें देश के हर तबके के लोगों ने साम्राज्यवाद के विरूद्ध लड़ाई लड़ी। कला और साहित्य के क्षेत्र ने भी 1857 के विद्रोह की याद को जीवंत रखा। सुभद्रा कुमारी चौहान रचित 'खूब लड़ी मर्दानी वह तो .... आज भी जोश भर देती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. तांत्या टोपे को मृत्युदंड कब दिया गया ?

   (अ) 1857 (ब) 1858

   (स) 1859 (द) 1860 (   )

2. 1857 के विद्रोह के दौरान सम्राट बहादुरशाह का सबसे अधिक विश्वसनीय परामर्शदाता कौन था ?

(अ) हकीम अहसानउल्ला (ब) शहजादा बख्त खां

(ब) बेगम जीनत महल (द) शहजादा जहांबख्त ( )

3. निम्न में से कौन 34वीं रेजीमेंट का सिपाही था ?

(अ) मंगल पाण्डे (ब) अजीमुल्ला

(स) कुंवर सिंह (द) बख्त खां ( )

4. निम्न में से कौनसा स्वतंत्रता संग्राम की असफलता का कारण था ?

(अ) अधिकांश भारतीय नरेशों ने अंग्रेजों का साथ दिया ।

(ब) स्वतंत्रता सेनानियों के पास आधुनिक हथियारों का अभाव।

(स) संग्राम देशव्यापी नहीं था।

(द) उपरोक्त सभी ( )

5. झाँसी को ब्रिटिश राज्य में कब मिलाया गया था ?

(अ) 1852 (ब) 1853

(स) 1854 (द) 1857 ( )

6. 1857 के शुरू में अशांति के प्रथम संकेत कहां दिखाई दिए ?

(अ) अवध (ब) मेरठ

(स) बंगाल (द) दिल्ली ( )

7. सहायक संधि का जनक माना जाता है ?

(अ) लार्ड डलहौजी (ब) लार्ड वैलेजली

(स) लार्ड वेवेल (द) लार्ड हेस्टिंग्ज ( )

8. "ये गिलास फल (Cherry) एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा" उक्त कथन डलहौजी द्वारा किस रियासत के संदर्भ में कहा गया ?

(अ) अवध (ब) मेरठ

(स) झाँसी (द) कानपुर ( )

9. बिहार में 1857 के विद्रोह का प्रमुख नेता कौन था ?

(अ) कुंवर सिंह (ब) बेगम हजरत महल

(स) पीर अली (द) तांत्या टोपे ( )

10. 10 मई 1857 को सैनिकों ने कहाँ विद्रोह शुरू किया?

(अ) मेरठ (ब) बनारस

(स) इलाहबाद (द) बिहार ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

11. गवर्नर जनरल के प्रतिनिधि को .... कहा जाता था। (रेजीडेंट / एजेंट)
12. .... को बंगाल आर्मी की पौधशाला की संज्ञा दी गई थी। (अवध / लखनऊ)
13. सती प्रथा को अवैध घोषित करने वाला कानून .... में बना। (1828 / 1829)
14. 1857 के विद्रोह को ब्रिटिश अधिकारियों ने .... विद्रोह के रूप में देखा। (सैनिक / किसान)
15. फिरंगी ....भाषा का शब्द है। (लेटिन / फारसी)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

16. 1857 की क्रांति के समय भिन्न–भिन्न स्थानों पर लोगों ने सिपाहियों का साथ क्यों दिया ?
17. 1857 का विद्रोह कब और कहाँ से शुरू हुआ ?
18. असम में 1857के विद्रोह का नेता कौन थे ?
19. नाना साहिब कौन थे ?
20. भारतीय नरेशों ने विद्रोह का समर्थन क्यों किया ?
21. 1857 के विद्रोह के पश्चात सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिणाम क्या रहा ?
22. अवध पर अधिकार में अंग्रेजों की दिलचस्पी क्यों थी ?
23. रेजीडेंट को किस राज्य में तैनात किया जाता था ?
24. ''खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी'' यह कविता किसने लिखी ?
25. 1857 के ब्रिदोह का नेतृत्व करने वाले चार नेताओं के नाम लिखिए।
26. अंग्रेजों ने अवध के नवाब वाजिब अली शाह को गद्दी से हटाकर कहाँ निष्कासित कर दिया था ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

28. सहायक संधि की शर्तें क्या थी ?
29. रेजीडेंट से आप क्या समझते है ?
30. अंग्रेजों ने ब्रिटिश उद्योगों को किस प्रकार बढ़ावा दिया ?
31. बहुत सारे स्थानों पर विद्रोही सिपाहियों ने नेतृत्व संभालने के लिए पुराने शासकों से क्या आग्रह किया ?
32. 1857 के ब्रिद्रोह के समय भारतीय सैनिकों में असंतोष के क्या कारण थे ? किन्ही दो को लिखिए।
33. अवध के ताल्लुकदारों में व्याप्त असंतोष के दो कारण बताइये।
34. आजमगढ़ घोषणा कब और किन वर्गों के लिए जारी की गई?

निबंधात्मक प्रश्न–

35. 1857 के घटनाक्रम को निर्धारित करने में धार्मिक विश्वासों की किस हद तक भूमिका थी ?

36. अंग्रेजों ने 1857 के विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए ?

37. 1857 की क्रांति के परिणामों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

अध्याय 11

महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन

(सविनय अवज्ञा और उससे आगे)

पाठ सार—

राष्ट्रवाद के इतिहास में प्रायः एक अकेले व्यक्ति को राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़कर देखा जाता है। इसी दृष्टि से भारत की स्वतंत्रता के साथ महात्मा गांधी को जोड़कर देखा जाता है और उन्हें राष्ट्रपिता के नाम से सम्बोधित किया जाता है।

मोहनदास करमचंद गांधी विदेश में दो दशक रहने के बाद जनवरी 1915 में भारत लौटे। इस दौरान उनका अधिकांश समय दक्षिण अफ्रीका में बीता, जहां वे इस क्षेत्र के भारतीय समुदाय के नेता बन गए। यहां गांधीजी ने पहली बार सत्याग्रह का प्रयोग किया।

28 दिसम्बर 1885 में स्थापित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उदारवादी नेताओं में प्रमुख गोपाल कृष्ण गोखले थे जो कि गांधीजी के राजनीतिक गुरू भी थे। इनके अलावा फिरोजशाह मेहता, सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, बदरूद्दीन तैय्यबजी, व्योमेशचंद्र बनर्जी आदि अन्य उदारवादी नेता थे। दूसरी तरफ लाल–बाल–पाल के नाम से मशहुर लाला लाजपतराय, बाल गंगाधर तिलक तथा विपिन चन्द्र पाल प्रमुख उग्रवादी नेता थे। इन्होंने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध लड़ाकू–प्रतिरोध का समर्थन किया।

गांधीजी की पहली सार्वजनिक उपस्थिति फरवरी 1916 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना के समय हुई। दिसम्बर 1916 में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में बिहार के चंपारण से आए एक किसान ने उन्हें वहाँ अंग्रेज नील उत्पादकों द्वारा किए जाने वाले अत्याचारों के बारे में बताया। यही से गांधीजी के राजनीतिक जीवन का प्रारम्भ हुआ और चंपारन में प्रथम सत्याग्रह करके किसानों को मुक्ति दिलाई। इसके बाद अहमदाबाद मिल मालिक–मजदूर संघर्ष तथा खेड़ा आंदोलन में भी गांधीजी को सफलता मिली। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा पारित रॉलट एक्ट के तहत किसी भी व्यक्ति को संदेह के आधार पर गिरफ्तार कर जेल में डाला गया। इस एक्ट को मोतीलाल नेहरू ने ''बिना वकील बिना अपील बिना दलील'' की संज्ञा दी।

गांधीजी ने रोलेट एक्ट के विरूद्ध सत्याग्रह शुरू कर दिया जिसमें गांधीजी एक राष्ट्रीय नेता बन गए। इससे प्रोत्साहित होकर गांधीजी ने ब्रिटिश आंदोलन के प्रति एक बड़ा आंदोलन चलाने का निर्णय किया, जिसे असहयोग आंदोलन के नाम से जाना गया। यह आंदोलन जलियावाला बाग हत्याकांड (13 अप्रेल 1919) से उत्पन्न आक्रोश की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा सकता है। इस दौरान गांधीजी ने हिन्दु–मुस्लिम एकता स्थापित करने तथा दोनों समुदायों द्वारा मिलकर औपनिवेशिक शासन का अंत करने की दृष्टि से असहयोग आंदालन व खिलाफत आंदोलन को एक साथ मिलाया। इस दौरान छात्रों द्वारा सरकारी स्कूलों, कॉलेजों का बहिष्कार, वकीलों ने कोर्ट–कचहरी जाना छोड़ दिया, सरकारी उपाधियों का बहिष्कार इत्यादि कार्य किए गए। फरवरी 1922 में संयुक्त प्रांत (वर्तमान उतरप्रदेश) के

चौरी–चौरा नामक स्थान पर उग्र भीड़ ने एक पुलिस थाने में आग लगा दी जिससे कई पुलिसकर्मी मर गए। अतः आंदोलन को हिंसक होने से रोकने के लिए गांधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापसे ले लिया। अंग्रेजों ने मार्च 1922 में गांधीजी पर राजद्रोह का आरोप लगाकर 6 वर्ष तक की सजा सुनाई। दिसम्बर 1929 के कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की घोषणा की गई तथा 26 जनवरी 1930 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा की गई।

स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने के बाद गांधीजी द्वारा ब्रिटिश भारत के सबसे घृणित कानून 'नमक कानून' को तोड़ने के लिए दाण्डी यात्रा की जो 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से शुरू होकर दाण्डी 6 अप्रैल 1930 को पहुंची। दाण्डी मार्च नमक के उत्पादन व विक्रय पर राज्य के एकाधिकार को हटाने हेतु था। दांडी यात्रा से गांधीजी विश्व पटल पर छा गए। उनकी इस यात्रा को यूरोप व अमरीकी प्रेस ने कवरेज दी। इस आंदोलन में महिलाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस नमक यात्रा से अंग्रेजों को अहसास हुआ कि अब उनका राज बहुत अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा।

इसी क्रम में 1930 से 1932 के दौरान लंदन में तीन गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन हुआ, जिनमें से गांधीजी ने दूसरे सम्मेलन में कांग्रेस की ओर से भाग लिया। गोलमेज सम्मेलनों की विफलता के बाद गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को शुरू किया। 1935 के भारत शासन अधिनियम, लीग द्वारा पृथक पाकिस्तान की मांग (मार्च 1940) तथा 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरूआत से उत्पन्न हालातों के बाद अगस्त 1942 में गांधीजी द्वारा 'अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरूआत की गइ जो कि गांधीजी का ब्रिटिश शासन के विरूद्ध तीसरा बड़ा जन आंदोलन था। इस दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा गांधीजी गिरफ्तार कर लिए गए, जिससे आंदोलन नेतृत्वविहीन हो गया। जून 1944 में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद गांधीजी को रिहा कर दिया गया। गांधीजी द्वारा कांग्रेस व लीग के बीच बढ़ती दूरियों को कम करने हेतु जिन्ना से कई बार वार्ता की गई लेकिन विफल रहे और अंततः 3 जून 1947 को माउंटबेटन योजना के आधार पर भारत का भारत व पाकिस्तान नामक दो राज्यों में विभाजन स्वीकार किया गया।

15 अगस्त 1947 को राजधानी में मनाए जा रहे स्वतंत्रता के जश्न में गांधीजी नहीं थे। वे उस समय कलकत्ता में थे। उन्होंने उस दिन उपवास भी किया। उन्होंने जिस स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया वह एक अकल्पनीय कीमत पर उन्हें मिली थी। 30 जनवरी 1948 को नाथुराम गोडसे नामक व्यक्ति द्वारा इस अहिंसा के पूजारी का हिंसक साधनों द्वारा जीवन लील लिया गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. गाँधीजी दक्षिण अफ्रीका से भारत वापिस कब लौटे ?

   (अ) दिसम्बर 1913   (ब) मार्च 1914

   (स) जनवरी 1915   (द) नवम्बर 1916   (   )

2. लाला लाजपतराय पर लाठी चार्ज करवाने वाला अंग्रेज अधिकारी कौन था ?

(अ) रिपन (ब) कर्जन

(स) साँडर्स (द) क्लाइव ( )

3. 'हिन्द स्वराज' नामक पुस्तक किसने लिखी ?

(अ) पंडित जवाहर लाल (ब) राजेन्द्र प्रसाद

(स) महात्मा गाँधी (द) मोतीलाल नेहरू ( )

4. साइमन कमिशन भारत कब आया?

(अ) 1927 (ब) 1928

(अ) 1930 (द) 1942 ( )

5. स्वराज पार्टी की स्थापना किसने की ?

(अ) महात्मा गाँधी (ब) मोतीलाल नेहरू

(स) सी.आर.दास (द) ब और स दोनों ने ( )

6. महात्मा गांधी को किसने एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा करने की सलाह दी ?

(अ) फिरोजशाह मेहता (ब) बाल गंगाधर तिलक

(स) देशबंधु चितरंजनदास (द) गोपाल कृष्ण गोखले ( )

7. गाँधीजी द्वारा फसल चौपट होने पर लगान माफ करने की मांग कहां की गई?

(अ) बिहार में (ब) अहमदाबाद में

(स) सूरत में (द) खेड़ा में ( )

8. गोलमेज सम्मेलन कहां आयोजित हुए?

(अ) दिल्ली (ब) चीन

(स) लंदन (द) अमेरिका ( )

9. किस वर्ष नया गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट पारित हुआ ?

(अ) सन् 1935 (ब) सन् 1939

(स) सन् 1942 (द) सन् 1943 ( )

10. चौरी–चौरा कांड की घटना के बाद गाँधीजी ने किस आंदोलन को वापस ले लिया?

(अ) असहयोग आंदोलन (ब) भारत छोड़ो आंदोलन

(स) सविनय अवज्ञा आंदोलन (द) खिलाफत आंदोलन ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

11. सितम्बर 1939 में .... विश्वयुद्ध शुरू हुआ था। (प्रथम/द्वितीय)

12. कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के ...... सिद्धान्त को स्वीकार नहीं किया। (द्वि–राष्ट्र/अखण्ड राष्ट्र)

13. कांग्रेस की ओर से गाँधीजी ने .... गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया। (दूसरे / तीसरे)

14. .... में लीग ने पाकिस्तान के निर्माण की मांग की। (मार्च 1940 / अगस्त 1947)

15. 1937 के आम चुनाव में .... प्रान्तों में कांग्रेस ने सरकार बनाई। (8 / 11)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

16. महात्मा गाँधी के राजनीतिक गुरू कौन थे?
17. अली बंधु के नाम से किन्हें जाना जाता था?
18. जलियावाला बाग हत्याकाण्ड कब हुआ था?
19. लाल–बाल–पाल के नाम से किन्हें जाना जाता है?
20. किस अधिवेशन में ''पूर्ण स्वराज'' को कांग्रेस का लक्ष्य घोषित किया गया ?
21. महात्मा गाँधी ने भारत छोड़ो आंदोलन किस वर्ष शुरू किया ?
22. गाँधीजी ने अपने सत्याग्रह के लिए नमक को मुद्दा क्यों बनाया ?
23. किस कानून को 'काला कानून' के नाम से जाना जाता है ?
24. हिन्दू–मुस्लिम एकता के लिए गाँधीजी द्वारा किस आंदोलन का समर्थन किया गया ?
25. गाँधीजी ने दाण्डी मार्च कब व कहाँ से शुरू किया ?
26. किस महिला ने गाँधीजी को सलाह दी थी कि वह अपने आंदोलन को पुरूषों तक ही सीमित न रखें।
27. उन दो स्थानों के नाम लिखिए जहाँ आंदोलनकारियों ने अपनी स्वतंत्र सरकारे स्थापित की थी ?
28. चौरी–चौरा की घटना क्या थी ?
29. साइमन कमीशन भारत क्यों आया ?
30. कांग्रेस के किस नेता ने भारत छोड़ो आंदोलन में भूमिगत रहकर सक्रिय भाग लिया ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

31. असहयोग आंदोलन गाँधीजी द्वारा क्यों चलाया गया ? कोई चार कारण लिखो।
32. दलितों के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्र का विरोध गांधीजी द्वारा क्यों किया गया था? स्पष्ट कीजिए।
33. गाँधीजी के रचनात्मक कार्यों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
34. 1939 में कांग्रेस मंत्रिमण्डल ने सरकार से इस्तीफा क्यों दिया ?
35. गाँधी–इरविन समझौता की मुख्य बातें लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

36. ''भारत छोड़ो आंदोलन सही मायने में एक जन आंदोलन था।'' विवेचना कीजिए।

37. दाण्डी यात्रा की प्रमुख घटनाओं की व्याख्या कीजिए और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में इसका क्या महत्व है ?

38. निम्न पर टिप्पणी लिखिए–

    1. जलियाँवाला बाग हत्याकांड

    2. गोलमेज सम्मेलन

39. 'महात्मा गांधी जन–नेता थे' इस कथन की विवेचना कीजिए।

40. चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक क्यों चुना गया?

अध्याय 12
संविधान का निर्माण
(एक नये युग की शुरूआत)

पाठ का सार–

भारतीय संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ तथा यह दुनिया का सबसे लम्बा संविधान है। इसे दिसम्बर 1946 से दिसम्बर 1949 के दौरान सूत्रबद्ध किया गया। संविधान सभा के कुल 11 सत्र हुए जिनमें 165 दिन बैठकों में गए। सत्रों के दौरान विभिन्न समितियां व उपसमितियां मसविदे को सुधारने एवं संवारने का काम करती थी। संविधान निर्माण के पहले के वर्ष काफी उथल–पुथल वाले थे। यह महान् आशाओं का क्षण भी था और भीषण मोहभंग का भी। 15 अगस्त 1947 को भारत को आजाद तो कर दिया गया किन्तु साथ ही इसे विभाजित भी कर दिया गया। असंख्य लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने लगे इससे शरणार्थियों की समस्या उत्पन्न हुई। देशी रियासतों के भारतीय राज्य में एकीकरण की समस्या भी विकराल रूप धारण किए थी लेकिन सरदार पटेल की सूझ–बूझ व दूरदर्शिता से इन रियासतों को भारत में मिला लिया गया।

संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव 1946 के प्रान्तीय चुनावों के आधार पर किया गया था। संविधान सभा में ब्रिटिश भारतीय प्रांत तथा देशी रियासतों के प्रतिनिधि शामिल थे। हालांकि लीग ने इसका बहिष्कार किया तथा एक अन्य संविधान बनाकर पाकिस्तान की मांग जारी रखी। संविधान सभा में चर्चाएं जनमत से प्रभावित होती थी तथा लिए गए प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी। संविधान सभा में 300 सदस्य थे। इनमें से कुछेक सदस्यों द्वारा महत्ती भूमिका अदा की गई यथा– नेहरू ने उद्देश्य प्रस्ताव तथ झंडा प्रस्ताव किया, सरदार पटेल ने विरोधी विचारधाराओं में सामंजस्य स्थापित करते हुए प्रारूपों को लिखने में मदद की। राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। के.एम. मुंशी तथा अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर ने भी संविधान के प्रारूप पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। संविधान निर्माण में 3 वर्ष लगे।

13 दिसम्बर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव में भारत के मूल संविधान के आदर्शों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। भारत को एक स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य घोषित करते हुए इसके नागरिकों को न्याय, समानता व स्वतंत्रता का आश्वास दिया गया। अल्पसंख्यकों, पिछड़े व जनजातीय क्षेत्रों तथा दलित व अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त रक्षात्मक प्रावधान किए गए। संविधान सभा उन लोगों की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का साधन थी, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया था। संविधान सभा द्वारा निर्मित संविधान भारतीय जनता के प्रतिनिधियों द्वारा निर्मित तथा एक स्वतंत्र संप्रभु भारतीय गणराज्य के संविधान की कल्पना थी। उद्देश्य प्रस्ताव का स्वागत करते हुए समाजवादी विचारक एन.जी. रंगा ने अल्पसंख्यकों के कल्याण (आर्थिक स्तर) की बात पर बल देते हुए कहा कि

असली अल्पसंख्यक तो गरीब व दबे कुचले लोग है। आदिवासियों की सुरक्षा व उन्हें आम आबादी के स्तर पर लाने के प्रयास करते हुए प्रतिनिधित्व देने की वकालत जयपाल सिंह ने की। दलितों के लिए डॉ. अम्बेडकर ने पृथक निर्वाचिकाओं की मांग की जिसका गांधीजी ने इस तर्क के साथ विरोध किया ऐसा करने से यह समुदाय स्थायी रूप से शेष समाज से कट जाएगा। दलितों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर भी संविधान सभा में व्यापक चर्चाए हुई।

संविधान सभा में केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के अधिकारों पर चर्चा करते हुए मजबूत (शक्तिशाली) केन्द्र की अवधारणा पर बल दिया गया। क्योंकि दुर्बल केन्द्रीय शासन व्यवस्था देश के लिए हानिकारक होगी।

विषयों की तीन सूचियां (केन्द्रीय सूची, राज्य सूची, समवर्ती सूची) तथा राजकोषीय संघवाद की व्यवस्था बनाई गई। इस प्रकार प्रांतों को अधिक शक्तिशाली बनाने वाले विचारों, तर्कों का खंडन करते हुए शक्तिशाली केन्द्र की विचारधारा को लागू किया गया।

हालांकि 1930 के दशक तक कांग्रेस ने यह मान लिया था कि हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया जाए जो कि हिन्दी व उर्दू के मेल से बनी थी और भारत के बहुत बड़े हिस्से की भाषा थी। लेकिन बढ़ते साम्प्रदायिक टकराव का परिणाम यह हुआ कि भाषा भी धार्मिक पहचान की राजनीति का हिस्सा बन गई।

राष्ट्रभाषा के प्रश्न को लेकर भी संविधान सभा में वाद–विवाद हुआ क्योंकि जहाँ उत्तर भारतीय राज्यों की जनता हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाना चाहती थी वहीं दक्षिण भारत के राज्य अंग्रेजी को। राष्ट्रीय भाषा समिति ने राष्ट्रीय भाषा के सवाल पर हिन्दी के समर्थकों व विरोधियों के बीच पैदा हुए गतिरोध को तोड़ने के लिए हिन्दी को राष्ट्रभाषा की जगह राजभाषा घोषित कर दिया।

इस प्रकार भारतीय संविधान गहन विचार विमर्श तथा परिचर्चाओं से गुजरते हुए बना जिसमें वयस्क मताधिकार, धर्मनिरपेक्षता पर बल, मूल अधिकार (धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, संस्कृति व शैक्षिक अधिकार, समानता का अधिकार, अल्पवयस्कों व दलितों के रक्षार्थ उपाय, आदिवासियों के लिए आरक्षण) आदि अनेकों प्रावधान संविधान में किए गए ताकि उनका सर्वागीण विकास करते हुए समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार कौन थे ?

   (अ) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (ब) बी.एन. राव

   (स)के.एम. मुंशी (द) पंडित जवाहर लाल नेहरू ( )

2. प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे ?

   (अ) वल्लभ भाई पटेल (ब) के.एम. पणिक्कर

(स) अल्लादि कृष्णास्वामी (द)डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ( )

3. संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव किसने पेश किया?

(अ) पंडित जवाहर लाल नेहरू (ब) राजेन्द्र प्रसाद

(स) महात्मा गांधी (द) इनमें से कोई नहीं ( )

4. 1935 के अधिनियम के तहत किस वर्ष प्रान्तीय संसदों के चुनाव हुए थे?

(अ) 1935 (ब) 1936

(स) 1937 (द) 1938 ( )

5. संविधान सभा की बैठकों के दौरान महिलाओं के लिए न्याय की मांग किसने की ?

(अ) हंसा मेहता (ब) सुचेता कृपलानी

(स) के.एम. मुंशी (द) बी.आर. अम्बेडकर ( )

6. भारत में मताधिकार के लिए न्यूनतम आयु सीमा कितनी है?

(अ) 16 वर्ष (ब) 18 वर्ष

(स) 20 वर्ष (द) 21वर्ष ( )

7. भारतीय संविधान में किस प्रकार के न्याय का वर्णन किया गया है ?

(अ) सामाजिक (ब) आर्थिक

(स) राजनीतिक (द) उक्त सभी ( )

8. भारतीय संविधान को पूर्णरूप से कब लागू किया गया था ?

(अ) 26 नवम्बर 1949 (ब) 26 जनवरी 1950

(स) 15 अगस्त 1947 (द) 26 जनवरी 1930 ( )

9. संविधान सभा के प्रथम स्थायी अध्यक्ष कौन थे?

(अ) बी.एन. राव (ब) सच्चिदानंद सिन्हा

(ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (द) पंडित जवाहर लाल नेहरू ( )

10. संविधान सभा की प्रथम बैठक कब हुई थी ?

(अ) 9 दिसम्बर 1946 (ब) 15 अगस्त 1947

(स) 26 जनवरी 1950 (द) इनमें से कोई नहीं ( )

11. विश्व का सबसे बड़ा संविधान किस देश का है–

(अ) रूस (ब) भारत

(ब) चीन (द) जापान ( )

12. संविधान सभा के कुल कितने सत्र हुए थे–

(अ) 11 (ब) 17

(स) 19 (द) 21 ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

13. .... के विषय केवल राज्य सरकार के अंतर्गत आते है। (राज्य सूची / केन्द्रीय सूची)
14. देशी रियासतों का एकीकरण .... के नेतृत्व में हुआ। (सरदार वल्लभ भाई पटेल / महात्मा गाँधी)
15. ''अंग्रेज तो चले गए, लेकिन जाते–जाते शरारत के बीज बो गए।'' यह कथन .... का है। (गोविन्द वल्लभ पंत / सरदार वल्लभ भाई पटेल)
16. अनुच्छेद .... के अनुसार राज्यपाल की सिफारिश पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार है। (356 / 360)
17. संविधान सभा में कुल .... सदस्य थे। (300 / 500)
16. गणराज्य शब्द में .... शब्द पहले से ही निहित होता है? (तानाशाही / लोकतांत्रिक)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

17. भारतीय संविधान सभा किस योजना के तहत गठित हुई थी ?
18. भारतीय संविधान कितने समय में बनकर तैयार हुआ ?
19. पंडित नेहरू द्वारा उद्देश्य प्रस्ताव कब प्रस्तुत किए गए?
20. कांग्रेस के किस अधिवेशन में मौलिक अधिकारों की मांग की गई ?
21. भारतीय संविधान पर सर्वाधिक प्रभाव किस अधिनियम का दिखाई पड़ता है ?
22. संविधान निर्माण सभा को भारत का लघू रूप क्यों कहा जाता है?
23. ''सरकारे सरकारी कागजों से नहीं बनती। सरकार जनता की इच्छा की अभिव्यक्ति होती है।'' उक्त कथन किसने कहा था ?
24. 1937 में हुए प्रान्तीय चुनावों में कितने प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी थी ?
25. संविधान के मसविदे में विषयों के आवंटन हेतु कितनी सूचियां बनाई गई थी, नाम लिखिए।
26. संविधान सभा के सदस्यों का चयन कैसे किया गया ?
27. भारत के राष्ट्रीय ध्वज में किन रंगों की पट्टियां है ?
28. प्रांतीय विधायिकाओं में सीमित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था किस अधिनियम के तहत की गई थी ?
29. संविधान से आप क्या समझते हैं?
30. महात्मा गांधी किस भाषा को राष्ट्रीय भाषा बनाना चाहते थे ?
31. संविधान की भाषा समिति ने राष्ट्र भाषा के सवाल पर क्या सुझाव दिये?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

32. उद्देश्य प्रस्ताव में किन आदर्शों पर जोर दिया गया था?

33. संविधान में प्रांतों के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में क्या तर्क दिए गए ?

34. नवजात राष्ट्र के सामने देशी रजवाड़ों के एकीकरण की समस्या बहुत ही गम्भीर थी। स्पष्ट कीजिए।

35. संविधान निर्माण सभा के प्रमुख चार सदस्यों के नाम लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

36. संविधान सभा के कुछ सदस्यों ने उस समय की राजनीतिक परिस्थिति और एक मजबूत केन्द्र सरकार की जरूरत के बीच क्या सम्बन्ध देखा ?

37. भारतीय संविधान की रूपरेखा की विवेचना कीजिए।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : गृह विज्ञान

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम 2025–26

कक्षा–12वीं

विषय –गृहविज्ञान

इस विषय में दो प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक की परीक्षा होगी। परीक्षा को दोनों पत्रों में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं–				
प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	4:15	56	14	70
प्रायोगिक	4:30 घंटे	30	0	30

इकाई		अंक
	भाग–1	
इकाई–1	कार्य, आजीविका तथा जीविका	04
इकाई–2	पोषण खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी	12
इकाई–3	मानव विकास और परिवार अध्ययन	12
	भाग–2	
इकाई–4	वस्त्र और परिधान अध्याय	10
इकाई–5	संसाधन प्रबंधन	10
इकाई–6	सांचार एवं विस्तार	08

भाग–1 (पार्ट–1)

इकाई–1 कार्य, आजीविका तथा जीविका

अध्याय–1 कार्य आजीविका तथा जीविका 4

कार्य और अर्थपूर्ण कार्य, कार्य जीविका और आजीविकाएँ, भारत में पारम्परिक व्यवसाय–कृषि, हस्तशिल्प, भारतीय व्यंजन, दृश्य कला, कार्य, आयु और जेंडर, कार्य के संबंध में टेंडर मुद्दे कार्य के लिए मनोवृत्तियाँ और दृष्टिकोण, जीवन कौशल और कार्य–जीवन की गुणवत्ता, कार्य और कार्य परिवेश, सुकार्यिकी (एर्गोनॉमिक्स)– परिभाषा और आवश्यकता, एर्गोनॉमिक्स के लाभ, उद्यमिता–परिभाषा और विशेषताएं।

इकाई–2	**पोषण खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी**	3
अध्याय 2	**नैदानिक पोषण और आहारिकी**	
	पोषण, नैदानिक पोषण, महत्व, बुनियादी अवधारणाओं, आहार चिकित्सा, आहार के प्रकार : नियमित आहार और संशोधित आहार, तरलता में परिवर्तन, भोजन देने के तरीके, चिरकालिक रोगों की रोकथाम। जीविका की तैयारी, कार्यक्षेत्र।	
अध्याय 3	**जनपोषण तथा स्वास्थ्य**	3
	जनस्वास्थ्य पोषण–महत्व मूलभूत संकल्पनाएँ, भारत की पोषण संबंधी समस्याएं, पोषण संबंधी समस्याओं से सामना करने के लिए कार्य नीतियाँ, आहार या भोजन आधारित नीतियाँ, पोषण आधारित दृष्टिकोण, भारत में संचालित पोषण कार्यक्रम, आईसीडीएस, पोषक तत्वों की कमी नियंत्रण कार्यक्रम, खाद्य अनुपूरक कार्यक्रम, खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, जनपोषण विशेषज्ञ की भूमिका।	
अध्याय 4	**खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी**	3
	भोजन विज्ञान परिचय, प्रसंस्करण, खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य उत्पादन खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी का विकास, खाद्य संसाधन और संरक्षण का महत्व, प्रसंस्करण के प्रकार, भोजन का वर्गीकरण, जीविका के लिए तैयारी कार्य क्षेत्र।	
अध्याय 5	**खाद्य गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा**	3
	परिचय, महत्व, मूल संकल्पनाएँ : खाद्य सुरक्षा (अविषालुता और संकट), संकट (भौतिक, रासायनिक और जैविक), खाद्य संक्रमण, खाद्य विषाक्त, खाद्य की गुणवत्ता, खाद्य मानक व भारत में खाद्य मानक नियमन, भारत–एफएसएसए (2006) में खाद्य मानक विनियमन (फल और सब्जी उत्पाद आदेश, मांस खाद्य उत्पाद आदेश और वनस्पति तेल उत्पाद आदेश शामिल नहीं हैं), अंतर्राष्ट्रीय संगठन और खाद्य मानक, गुणवत्ता, अनुसंधान और व्यापार के क्षेत्र में समझौते, कोडेक्स एलेमेंट्रिस आयोग, मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन, विश्व व्यापार संगठन, खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली, उत्तम विनिर्माण अभ्यास (ळडच) अच्छी हैंडलिंग प्रथा (ळभ्च) खतरनाक विश्लेषण क्रिटिकल कंट्रोल पॉइंट्स (भ्।ब्ब्च) क्षेत्र।	
इकाई–3	**मानव विकास और पारिवारिक अध्ययन**	
अध्याय 6	**प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा**	6
	महत्व, मूल अवधारणा, ई.सी.सी.ई. के मार्गदर्शी सिद्धान्त जीविका के लिए तैयारी, कार्य क्षेत्र, जीविका के अवसर।	

अध्याय 7	बच्चों, युवाओं और वृद्धजनों के लिए सहायक सेवाओं, संस्थानों और कार्यक्रम का प्रबंधन।	6
	बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के लिए सहायता सेवाओं, संस्थानों और कार्यक्रमों का प्रबंधन, महत्व, मूल अवधारणा, बच्चे संवेदनशील क्यों हैं ?, संस्थागत कार्यक्रम और बच्चों के लिए पहल : आईसीडीएस, एसओएस बाल गाँव, बच्चों के लिए बालगृह, दत्तक ग्रहण, युवा क्यों संवेदनशील हैं ? भारत में युवा कार्यक्रम, बुजुर्ग क्यों संवेदनशील होते हैं ? बुजुर्गों के लिए कुछ कार्यक्रम, करियर की तैयारी : जनकौशल, प्रशासनिक कौशल कार्य क्षेत्र।	
	भाग–2 (पार्ट–2)	
इकाई–4	**वस्त्र और परिधान**	
अध्याय 8	**वस्त्र एवं परिधान के लिए डिजाइन**	4
	डिजाइन, परिचय, मूलभूत, संकल्पनाएँ, (डिजाइन : संरचनात्मक और अनुप्रयुक्त (एप्लाइड), डिजाइन के तत्व : रंग, रंग सिद्धान्त, रंग योजनाएँ अथवा रंग सुमेल, बुनावट (टेक्सचर), रेखा, डिजाइन के सिद्धांत अनुपात, संतुलन, आवर्तिता, सामंजस्यता, करियर की तैयारी	
अध्याय 9	**फैशन डिजाइन और व्यापार**	3
	परिचय, महत्व, मूलभूत संकल्पनाएँ : फैशन शब्दावली–फैशन, अस्थायी फैशन, शैली, चिरसम्मत (क्लासिक) शैली, फैशन का विकास, फ्रांस–फैशन के केन्द्र फैशन व्यापार, फैशन के खुदरा संगठन, करियर की तैयारी क्षेत्र।	
अध्याय 10	**संस्थाओं में वस्त्रों की देखभाल और रख–रखाव**	3
	परिचय, मूलभूत संकल्पनाएँ, धुलाई के उपकरण, सुखाने के उपकरण, इस्तरी/प्रेस करने के उपकरण, जीविका के लिए तैयारी कार्य क्षेत्र।	
इकाई–5	**संसाधन प्रबंधन**	
अध्याय 11	**आतिथ्य प्रबंधन**	4
	परिचय महत्व मूलभूत संकल्पनाएँ आतिथ्य उद्योग, 'अतिथि चक्र' की संकल्पना–आगमन पूर्व अवस्था, आगमन अवस्था, कमरे पर आधिपत्य, प्रस्थान, संगठन के आतिथ्य प्रबंधन में शामिल विभाग, प्रमुख कार्यालय, गृह व्यवस्था विभाग, सहायक सेवा विभाग, कार्यक्षेत्र, जीविका के अवसर।	

अध्याय 12 उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण 6

मूलभूत संकल्पनाएँ: उपभोक्ता उत्पाद, उपभोक्ता व्यवहार, उपभोक्ता फोरम, उपभोक्ताओं की अपेक्षाएँ। उपभोक्ता की प्रमुख समस्याएँ : खराब गुणवत्ता, मिलावट, अधिक कीमतें, जानकारी का अभाव अपूर्ण या त्रुटि पूर्ण जानकारी, गलत तौल और माप, अप्रामाणिक नकली उत्पाद। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (सी.पी.ए) 1986, उपभोक्ता अधिकार (1) सुरक्षा का अधिकार, (2) सूचित किए जाने का अधिकार, (3) चयन का अधिकार और (4) सुने जाने का अधिकार शिकायत का अधिकार और शिक्षा का अधिकार। उत्पादों का मानकीकरण : आई.एस.आई. मार्क, एगमार्क, एफ.पी. ओ वूलमार्क, सिल्कमार्क, हॉलमार्क। उपभोक्ता के दायित्व जीविका के अवसर जीविका के लिए आवश्यक कौशल।

इकाई–6 संचार एवं विस्तार

अध्याय 13 विकास संचार तथा पत्रकारिता 4

परिचय, महत्व, मूलभूत संकल्पनाएँ, विकास पत्रकारिता, विकास संचार, रेड रिबन एक्सप्रेस (RRE) – अभियान, 2 रेडियो और टेलीविजन, 3. मुद्रण माध्यम, 4. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) इस क्षेत्र में जीविका के लिए ज्ञान और कौशल–संज्ञानात्मक कौशल, तकनीक कौशल, प्रश्न करने की क्षमता, विधि समूहों के साथ काम करने की क्षमता, विकास संचार में कार्यक्षेत्र और जीविका के अवसर।

अध्याय 14 नियमित संप्रेषण तथा जनसंपर्क 4

महत्व, मूलभूत संकल्पनाएँ, निगमित संप्रेषण, जनसंपर्क, निगमित संप्रेषण के प्रकार्य, जनसंपर्क के प्रकार्य, जनसंपर्क गतिविधियों के प्रमुख क्षेत्र, जनसंपर्क के सात सिद्धांत, आंतरिक संप्रेषण बाह्य संप्रेषण संप्रेषण गतिविधियों के दो प्रमुख क्षेत्र, आवश्यक ज्ञान एवं कौशल, संप्रेषण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग।

परियोजना

1. अपने क्षेत्र में क्रियान्वित किए जा रहे एक एकीकृत समुदाय आधारित, पोषण / स्वास्थ्य कार्यक्रम का अध्ययन–
   (अ) कार्यक्रम के उद्देश्य के संबंध में।
   (ब) फोकल समूह / लाभार्थी।
   (स) क्रियान्वयन के तौर–तरीकें
2. पड़ोस के दो किशोरों और वयस्कों से विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के बारे में उनकी धारणा जानने के लिए साक्षात्कार करें।
3. किसी भी दो विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्ति (बच्चे / व्यक्ति) से उनके आहार, वस्त्रों, गतिविधियों, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक जरूरत का पता लगाने के लिए प्रोफाइल।
4. विभिन्न फोकल समूहों के लिए संचार के विभिन्न तरीकों का उपयोग करके पोषण, स्वास्थ्य और जीवन कौशल के लिए किसी भी पाँच संदेशों की योजना बनाना।
5. किन्हीं पाँच प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के पैकेजिंग और लेबल जानकारी के लिए बाजार सर्वेक्षण।

प्रायोगिक परीक्षा के लिए योजना– 30 अंक

1. परियोजना — 5 अंक
2. बुर्जुग व्यक्ति के लिए नियमित भोजन में संशोधन। संशोधित पकवान में से किसी एक पकवान को तैयार करना। — 5 अंक

   या

   प्री स्कूलर (2–6 वर्ष) पोषण कार्यक्रम के लिए किसी एक पूरक भोजन का विकास और तैयारी।
   स्कूल कैंटीन के लिए एक मीनू की योजना बनाना और किसी एक पौष्टिक व्यंजन को तैयार करना।
3. निम्नलिखित में से किसी एक में रासायनिक परीक्षणों का उपयोग करके मिलावट की पहचान करें– शुद्ध घी, चाय की पत्ती, साबुत काली मिर्च, हल्दी पाउडर, दूध और हींग। — 2 अंक
4. वस्त्र डिजाइन तकनीकों (बंधाई, रंगाई, बॉटिक, ब्लॉक छपाई) का उपयोग करके एक नमूना तैयार करे। — 4 अंक
5. सफेद सूती कपड़े से किसी भी एक दाग को हटाएँ – बॉल पेन, सब्जी, ग्रीस, स्याही, लिपस्टिक, चाय और कॉफी। — 2 अंक
6. निम्नलिखित में से किसी एक पर उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण के लिए एक पर्चा / पेम्पलेट बनाए– 5 अंक

(अ) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम

(ब) उपभोक्ता कर्तव्य

(स) उपभोक्ता संगठन

(द) उपभोक्ता समस्याएँ

7. फाइल / File — 5 अंक

8. वाइवा / Viva — 2 अंक

विषय सूची

अध्याय	अध्याय का नाम
अध्याय–1	कार्य, आजीविका तथा जीविका
अध्याय–2	नैदानिक पोषण और आहरिका
अध्याय–3	जनपोषण तथा स्वास्थ्य
अध्याय–4	खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी
अध्याय–5	खाद्य गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा
अध्याय–6	प्रारम्भिक बाल्यावस्था–देखभाल और शिक्षा
अध्याय–7	बच्चों, युवाओं और वृद्धजनों के लिए सहायक सेवाओं, संस्थानों और कार्यक्रम का प्रबंधन।
अध्याय–8	वस्त्र एवं परिधान के लिए डिजाइन
अध्याय–9	फैशन डिजाइन और व्यापार
अध्याय–10	संस्थाओं में वस्त्रों की देखभाल और रख–रखाव
अध्याय–11	आतिथ्य प्रबंधन
अध्याय–12	उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण
अध्याय–13	विकास संचार तथा पत्रकारिता
अध्याय–14	नियमित संप्रेषण और जनसंपर्क

इकाई–I

अध्याय 1

कार्य आजीविका तथा जीविका

पाठ का सारः

व्यक्ति का सामाजिक दायित्व एवं उसकी स्वेच्छावृत्ति और उसके द्वारा किया गया श्रमदान सेवा। उसके जीविका उपार्जक के लिए भारत में कई परम्परागत व्यवसाय है। कार्य सभी संस्कृतियों का केन्द्र बिन्दु है। लोग कार्य के बदले धन प्राप्त करते हैं। 15 वर्श से कम उम्र के बच्चों से कार्य करवाना बाल श्रम अपराध है। एच.डी.आई. का पूरा नाम मानव विकास सूचकांक है, जो 1990 में विकसित था। नवाचार जीवन पर्यन्त काम में आते हैं और हर परिस्थितियों में जीवन को प्रोत्साहन और समर्थ बनाने का कार्य करते हैं। उत्पाद या सेवा का नवीनीकरण या बदलाव नवप्रवर्तन कहलाता है। उत्पादकता को बढ़ाना जोखिमों की कम करना और दक्षता को बढ़ाना आदि सुकार्यिकी के लाभ है। सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर पर महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाना, महिला विकास कार्यक्रमों का संचालन तथा बालिकाओं के लिए कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, सर्व शिक्षा अभियान आदि कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. जब किए गए कार्य का परिणाम अर्थपूर्ण अथवा सफल होता है, तब प्रदान करता है–

   (अ) व्यक्तिगत विकास में योगदान (ब) कार्य को सम्पन्न करने की क्षमता

   (स) विश्वास (द) उपरोक्त सभी ( )

2. व्यापक रूप से कार्य का प्रचलित अर्थ है–

   (अ) एक नौकरी के रूप में कार्य (ब) जीविका के रूप में कार्य

   (ग)जीविका के रूप में मनपसन्द कार्य (स) उपरोक्त सभी ( )

3. वार्ली चित्रकला कठपुतली शिल्प किस राज्य से सम्बन्धित है–

   (अ) गुजरात (ब) राजस्थान

   (स) मध्यप्रदेश (द) महाराष्ट्र ( )

4. आय का वह न्यूनतम स्तर जो किसी देश में जीवन का उपयुक्त स्तर पाने के लिए आवश्यक होता है, कहलाता है–

   (अ) जीवन स्तर (ब) जीवन की गुणवत्ता

   (स) गरीबी रेखा (द) विकास ( )

5. भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियां रोजगार प्राप्त कर रही है–

(अ) कृषि क्षेत्र में (ब) पशुपालन में

(स) निर्माण कार्य में (द) उपरोक्त सभी में ( )

6. किसी उद्योग या फैक्ट्री में कितनी महिलाओं की नियुक्ति पर शिशु सदनों की व्यवस्था रखनी पड़ती है–

(अ) दस (ब) बीस

(स) तीस (द) तीस से अधिक ( )

7. के.जी.बी.वी. से अभिप्राय है–

(अ) सर्व शिक्षा अभियान (ब) समग्र शिक्षा योजना

(ब) कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

8. महिलाओं के किस उद्योग को सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण उद्योग का पुरस्कार मिला है–

(अ) खादी उद्योग (ब) मसाला उद्योग

(स) बेकरी उद्योग (द) लिज्जत पापड़ उद्योग ( )

9. कर्मचारियों को प्रोत्साहन देने के लिए उनकी किस तरह की आवश्यकताओं को पूरा करना आवश्यक होता है ?

(अ) सामाजिक (ब) मनोवैज्ञानिक

(स) आर्थिक (द) उपर्युक्त सभी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

10 .... वह व्यक्ति होता है जो एक नए विचार को वास्तविकता का रूप देने का जोखिम उठाता है। (उद्यमी / किसान)

11. स्वैच्छिक सेवा ऐसा आचरण है जिसमें व्यक्ति बिना किसी वित्तीय या भौतिक लाभ की प्राप्ति के उद्देश्य से .... के लिए कार्य करता है। (दूसरों / स्वंय)

12. भारत में .... जनसंख्या के एक बड़े भाग के मुख्य व्यवसायों में से एक व्यवसाय रहा है। (कृषि / व्यापार)

13. श्रम के महत्व का अर्थ है कि व्यक्ति जो कुछ कार्य करता है, उस पर उसे .... होता है। (गर्व / शर्मिंदा)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

14. अधिकांश व्यक्ति कार्य क्यों करते है ?
15. आय किसे कहते हैं ?
16. भारत के किन्हीं चार परम्परागत व्यवसायों के नाम लिखिए।
17. आधुनिक काल में कलाओं को किनके द्वारा संरक्षण व प्रोत्साहन मिलता है ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

18. महिला सशक्तिकरण के लिए आप क्या प्रयास करेंगे ? दो सुझाव दीजिए।
19. कार्य का महत्व बताइए।
20. उद्यमी कौन होता है ?

निबंधात्मक प्रश्न

21 महिलाओं के हित में सरकार के क्या प्रयास हैं ?

इकाई–IIपोषण खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी

अध्याय– 2 नैदानिक पोषण और अहारिकी

20–21 वीं सदी में चिकित्सा और औषध विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति हुई। पोषण का विशिष्ट क्षेत्र जो बीमारी के समय पोषण से संबंधित है, उसे नैदानिक पोषण कहते है। आहार चिकित्सा के उद्देश्य मरीज की भोजन की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए आहार सूची बनाना, अल्पकालिक और दीर्घकालिक समस्याओं को रोकने में मदद करना। आहार विशेषज्ञ की भूमिका पोषण का मूल्यांकन और समस्याओं का निदान आदि करते है। अतः व्यक्ति को दलिया और खिचड़ी नरम आहार के रूप में दी जाती है। रोगों की श्रेणी में भारत देश विश्व की मधुमेह राजधानी बन सकता है। चिरकालिक रोग के अंतर्गत मोटापा, कोलन का कैंसर, मधुमेह, अति तनाव आदि है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. निम्न में से तरल आहार का उदाहरण है

   (अ) दलिया (ब) खिचड़ी

   (स) सूप (द) उपरोक्त सभी ( )

2. नरम आहार का उदाहरण है–

   (अ) दूध (ब) छाछ

   (स) खिचड़ी (द) मिल्कशेक ( )

3. व्यक्ति को नरम आहार देने से जिस समस्या का खतरा कम–से–कम हो जाता है, वह है–

   (अ) अपचन (ब) पेट का फूलना

   (स) उबकाई (द) उपर्युक्त सभी ( )

4. पिछले दशक में शहरी भारतीयों के आहारों में उपयोग घट गया है–

   (अ) वसा का (ब) परिष्कृत शक्कर का

   (स) जंतु प्रोटीन का (द) रेशेदार पदार्थों का ( )

5. जब पोषक पदार्थों की प्राप्ति अपर्याप्त होती है तो शरीर के लिए निम्न में से क्या करने में कठिनाई होती है–

   (अ) रोधक्षमता रक्षा में (ब) घाव भरने में

   (स) अंगो के सुचारू रूप से कार्य करने में (द) उपरोक्त सभी ( )

6. शक्कर और वसा के बढ़ते उपभोग के साथ रेशों के कम उपभोग और शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण जो रोग पनप रहा है, वह है–

(अ) उच्च रक्तचाप (ब) हैजा

(स) मधुमेह (द) कैंसर ( )

7. सप्ताह में एक बार मछली खाने वालों में हृदय रोग से अचानक मरने की संभावना में कितने प्रतिशत की कमी आती है ?

(अ)12 प्रतिशत (ब) 22 प्रतिशत

(स) 42 प्रतिशत (द) 52 प्रतिशत ( )

8. हृदय रोग उत्पन्न होने का खतरा कम हो जाता है–

(अ) अधिक फल, सब्जियाँ, दालें खाने से (ब) कम फल, सब्जियाँ, दालें खाने से

(स) अधिक वसा युक्त भोजन करने से (द) कम कैल्शियम अन्तःग्रहण से ( )

9. नैदानिक पोषण–विशेषज्ञ अस्पतालों में निम्न में से किस रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते है?

(अ) एक शिक्षक (ब) एक सलाहकार

(स) भोजन सेवा प्रबन्धक (द) फ्रिलांसर आहार सलाहकार ( )

10. निम्न में से कौनसा आहार चिकित्सा का उद्देश्य नहीं है–

(अ) सभी प्रकार के मरीजों के लिए समान आहार सूची तैयार करना

(ब) मरीज की प्रकृति के अनुसार आहार सूची तैयार करना

(स) पोषणहीनता की स्थिति में आहार उपचारहीनता को दूर करना

(द) निर्धारित आहार का अनुसरण करने की आवश्यकता सम्बन्धी शिक्षा व सलाह देना( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

11. पोषण खाद्य पदार्थो व उनके पोषक तत्वों का शरीर द्वारा पाचन अवशोषण तथा उपयोग का .... हैं। (विज्ञान/कला)

12. पोषण पदार्थ वे पदार्थ है जो स्वास्थ्य के लिए .... होते है। (लाभकारी/हानिकारक)

13. सप्ताह में एक बार .... खाने वालों में हृदय रोग से अचानक मरने की सम्भावना में कमी आती है। (मछली/बकरी)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

14. पोषण देखभाल प्रक्रिया का प्राथमिक केन्द्र कौन होता है ?

15. चिकित्सीय खाद्य पदार्थ से क्या आशय है ?

16. आहार चिकित्सा के कोई दो उद्देश्य लिखिए ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

17. रोगी को भोजन देने के तरीके लिखिए।

18. वर्तमान में पोषण देखभाल सहायता और आहार सलाह की अधिक आवश्यकता क्यों हो गई है ?

निबंधात्मक प्रश्न

19. बीमारी में पोषण देखभाल में कौन–कौन सी गतिविधियाँ शामिल हैं ?

    है?

अध्याय– 3 जन पोषण तथा स्वास्थ्य

पाठ का सारः

भारत में जन्म के समय बच्चे कम भार वाले होते है अर्थात उनका वजन 2500 ग्राम से 2.5 किग्रा का होता है। भारत कुपोषण का दोहरा भार उठा रहा है। बच्चों में बड़ी संख्या में पोषण तत्वों की कमी पाईजाती है। भारत सरकार ने राष्ट्रीय पोषण नीति 1993 में अपनाई लौह तत्व की कमी से अरक्तता, आंशिक पीलापन तथा बच्चों में संज्ञानात्मकता प्रभावित होती है। विटामिन । की कमी के कारण रतौंधी रोग होता है तथा इस विटामिन के स्रोत हरे, पीले और नारंगी रंग के फल और सब्जियाँ है। प्रोटीन की कभी से क्वाशिओरकोर रोग उत्पन्न होता है तथा मरास्मस गंभीर रोग ऊर्जा और भोजन की कमी के कारण होता है। आयोडीन की कमी से थायरॉइड ग्रंथि बढ़ती है। सरकार द्वारा चलाए गए कार्यक्रम के अंतर्गत एकीकृत बाल विकास सेवाएँ, पोषणहीनता नियंत्रण कार्यक्रम तथा आहार पूरक कार्यक्रम आदि हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. आयोडीन की कमी से होने वाला रोग है–

   (अ) गलगण्ड (ब) रतौंधी

   (स) कैंसर (द)रिकेट्स ( )

2. प्रोटीन की कमी से उत्पन्न स्थिति कहलाती है–

   (अं) क्वाशिओरकोर (ब) मरास्मस

   (स) अतिभारी (द) क्षयकारी ( )

3. अल्पपोषण से सम्बंधित मूलभूत कारण है–

   (अ) पर्यावरण (ब) राजनीतिक व्यवस्था

   (स) शिक्षा का निम्न स्तर (द)कुपोषण ( )

4. अध्ययन का वह क्षेत्र जो अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने से सम्बंधित है, कहलाता है–

   (अ) नैदानिक पोषण (ब) आहारिकी

   (स) अल्प पोषण (स) जन स्वास्थ्य पोषण ( )

5. लौह तत्व की कमी के कारण दिखाई देने वाला निम्न में से कौनसा संकेत नहीं है ?

   (अ) रतौंधी (ब) सामान्य पीलापन

   (स) नेत्र–श्लेषमा में पीलापन (द) नख–परतों में पीलापन ( )

6. छोटे बच्चों में अंधेपन का मुख्य कारण है–

(अ) प्रोटीन की कमी (ब) ऊर्जा की कमी

(स) विटामिन A की कमी (द) विटामिन C की कमी ( )

7. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मार्च, 2018 में पोषण अभियान की व्यापक योजना राजस्थान के किस शहर से शुरू की गई थी ?

(अ) जयपुर (ब) झुंझुनूँ

(स) अजमेर (द) उदयपुर ( )

8. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पहले वर्ष में कितने जिलों में पोषण अभियान लागू किया ?

(अ) 100 जिलों में (ब) 215 जिलों में

(स) 315 जिलों में (द) 415 जिलों में ( )

9. आहार पूरक पोषण कार्यक्रम है–

(अ) मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (ब) अन्त्योदय अन्न योजना

(स) अन्नपूर्णा योजना (द) कार्य के बदले अनाज राष्ट्रीय कार्यक्रम ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

10. पांच वर्ष से कम आयु के कम–से–कम 50 प्रतिशत बच्चों की मुत्यु का कारण............................ होता है। (कुपोषण / सुपोषण)

11. भारत में जन्म लेने वाले लगभग .... बच्चे कम भार वाले बच्चे होते है। (दो तिहाई / एक तिहाई)

12. .... को प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण से ग्रसित होने का खतरा अधिक होता है। (व्यस्कों को / बच्चों को)

13. .... हीनता के लिए 'छिपी भूख' जैसा शब्द प्रयोग में लाया जाता है। (सूक्ष्म पोषक / वृहत्त पोषक)

14. जन स्वास्थ्य पोषण, अध्ययन का वह क्षेत्र है जो अच्छे .... को बढ़ावा देने से संबंधित है। (स्वास्थ्य / व्यवसाय)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भारत में जन्म लेने वाले कितने बच्चे कम जन्म भार वाले होते है ?

16. भारत में अधिक समस्या अल्पपोषण की है या अतिपोषण की ?

17. आयोडीन हीनता विकार विश्व की कितनी जनसंख्या को प्रभावित करता है ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

18. भारत में स्वास्थ्य देखभाल कितने स्तरों पर की जाती है ?

19. लौह तत्व की कमी से उत्पन्न अरक्तता की समस्या से ग्रसित संवदेनशील वर्गों के नाम लिखिए।

20. भारत में स्वास्थ्य देखभाल के तृतीयक स्तर पर किन्हीं दो प्रकार के अस्पतालों का उल्लेख कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

21. भारत किन सामान्य पोषण समस्याओं का सामना कर रहा है?

अध्याय–4 खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी

खाद्य पदार्थ विभिन्न कारणों से संसाधित किए जाते हैं। भारत में खाद्य संसाधन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2020 तक 30 वृहत् खाद्य संसाधन पार्कों की स्थापना की घोषणा की गई। इसकी मूलभूत संकल्पनाएँ– खाद्य विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य संसाधन इत्यादि हैं। खाद्य को सुरक्षित रखने के लिए कुछ प्राचीन विधियों का उपयोग किया जाता है। अतः खाद्य पदार्थों में जीवाणु 5 से 60°ब तक वृद्धि कर खराब करते है। खाद्य पदार्थों को प्रशीतन भंडारण एक अच्छा विकल्प है। इसके अंतर्गत फार्मूला बंध खाद्य चिकित्सकीय खाद्य उपयोग में लाये जाते हैं। अतः खाद्य पदार्थों में स्वरोजगार के भी अवसर प्राप्तहोते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारतीय खाद्य उद्योग लगभग 6 प्रतिशत जी.डी.पी. के योगदान के साथ आकार की दृष्टि से कौन से स्थान पर है ?

   (अ) पहले (ब)दूसरे

   (स) तीसरे (द) पाँचवे ( )

2. निकोलस ऐप्पर्ट ने खाद्य पदार्थों की डिब्बाबंदी खाद्य संरक्षण तकनीक को विकसित किया–

   (अ) 1864 ई. में (ब) 1810 ई. में

   (स) 1910 ई. में (द) 1964 ई. में ( )

3. वे खाद्य पदार्थजो एक–दो दिन में खराब हो जाते हैं–

   (अ) अविकार्य पदार्थ (ब) अर्ध–विकार्य पदार्थ

   (स) विकार्य पदार्थ (द) उपरोक्त में से कोई नहीं ( )

4. पाश्चुरीकरण प्रक्रम को विकसित किया–

   (अ) निकोलस ऐप्पर्ट ने (ब) लुई पाश्चर ने

   (स) गैलीलियो ने (द) न्यूटन ने ( )

5. निम्न में से कौनसा खाद्य पदार्थ अविकार्य श्रेणी में आता हैं–

   (अ) दूध–दही (ब) मांस, मछली

   (स) आलू, प्याज (द) गेंहू, चावल ( )

6. तिलहन से तेल प्राप्त करने को कहा जाता है–

   (अ) फार्मूलाबद्ध खाद्य (ब) खाद्य व्युत्पन्न

   (स) संश्लेषित खाद्य (द) कार्यमूलक खाद्य ( )

7. जीवाणु किस प्रकार का खाद्य पसंद करते है–

(अ) अधिक प्रोटीन युक्त (ब) अधिक वसा युक्त

(स) अधिक विटामिन युक्त (द) अधिक ऊर्जा युक्त ( )

8. 'प्रशीतन ताप पर भण्डारण' करने की प्रक्रिया से जिन खाद्य पदार्थों का संरक्षण किया जाता है, वे कहलाते हैं–

(अ) संरक्षित खाद्य (ब) न्यूनतम संसाधित खाद्य

(स) विनिर्मित खाद्य (द) संश्लेषित खाद्य ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

9. भारत का खाद्य उद्योग का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग .... प्रतिशत का योगदान है।(छः/दस)

10. जो खाद्य रोगों के आहारी प्रबंधन में उपयोग में लाए जाते हैं, वे .... खाद्य कहलाते है। (चिकित्सकीय/संतुलित भोजन)

11. भारत में खाद्य संसाधन हमेशा .... स्तर की गतिविधि के रूप में कार्यरत रहा है। (कुटीर/कारखाना)

12. अविकार्य खाद्य पदार्थ वे हैं जो सामान्यतः .... तक खराब नहीं होते है।(एक महीना/एक वर्ष)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

13. वर्तमान में किस प्रकार के खाद्य पदार्थो की माँग तेजी से बढ़ रही है ?

14. खाद्य वैज्ञानिक हमें खाद्य सम्बंध में क्या मदद करते हैं ?

15. विकार्य खाद्य पदार्थो से क्या आशय है ?

16. अर्ध–विकार्य खाद्य पदार्थ कौनसे होते है ?

17. अविकार्य खाद्य पदार्थ कौनसे होते है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

18. खाद्य पदार्थों को सुरक्षित रखने की प्राचीन विधियाँ कौन–कौन सी है?

19. अत्यधिक जोखिम वाले खाद्य कौन–कौन से हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

20. खाद्य पदार्थों को नष्ट होने से बचाने के लिए मूलभूत संकल्पाएँ कौन–कौन सी है?

अध्याय–5 खाद्य गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा

खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता घरेलू स्तर पर महत्वपूर्ण है। भारत में वर्ष 2005 में दस्त रोगों से 18 लाख लोगों की मृत्यु हुई। खाद्य सुरक्षा के तहत कच्चे एवं पकाए हुए खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता का संबंध स्वास्थ्य से होता है। भारत विश्व व्यापार संगठन (ण्ज्व्) में भी सम्मिलित है। खाद्य सुरक्षा की दो अन्य संकल्पनाएँ अविषालुता और भौतिक संगठन। अतः खाद्य संक्रमण रोगाणु जीवों के शरीर में उत्पन्न होकर खाद्य को खराब कर देते हैं। खाद्य सुरक्षा में संदूषण और अपमिश्रण शामिल है। इसके तहत भारत सरकार ने खाद्य मानक अधिनियम 1954 में लागू किया। अतः अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण और कोडेक्स ऐलिमेन्टेरियस कमीशन प्रकाशित करते हैं। खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता और बचाव को बढ़ावा देने के लिएप्रमुख संस्थाएं कार्य करती हैं।

प्रश्नः वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वे रासायनिक अथवा हानिकारक पदार्थ जो खाद्यों में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं या जाने–अनजाने मिला दिए जाते हैं, कहलाते है–

   (अ) भौतिक संकट (ब) रासायनिक संकट

   (स) जैविक संकट (द)सूक्ष्म जैविक संकट ()

2. 'स्टैफलोकॉकस आरियस' उदाहरण है–

   (अ) खाद्य विषाक्तता जीवाणु का (ब) खाद्य संक्रमण रोगाणु का

   (स) रासायनिक हानिकारक पदार्थ का (द) भौतिक हानिकारक पदार्थ का ()

3. वे सूक्ष्मजीव जो खाद्य सम्बंधित होते हैं और रोग उत्पन्न करते हैं, कहलाते हैं–

   (अ)खाद्य जनित रोगाणु (ब) खाद्य संक्रमण रोगाणु का

   (स)भौतिक संकट (द) अविषालुता ()

4. खाद्य गुणवत्ता का नकारात्मक गुण है–

   (अ) रंग (ब) सुगंध

   (स) बनावट (द) सुरक्षा ()

5. खाद्य गुणवत्ता का प्राथमिक और सबसे महत्वपूर्ण गुण है–

   (अ) स्वाद (ब) रंग

   (स) बनावट (द) सुरक्षा ()

6. वह संकल्पना जो खाद्य की पोषक विशेषताओं, संवेदनशील गुणों, सामाजिक सोच और सुरक्षा जैसे कारकों को जोड़ती है, कहलाती है–

(अ) खाद्य सुरक्षा (ब) खाद्य संक्रमण

(स) खाद्य गुणवत्ता (द) खाद्य विषाक्तता ()

7. साल्मोनेला किसका एक आदर्श उदाहरण है–

(अ) भौतिक संकट का (ब) खाद्य संक्रमण रोगाणु का

(स) खाद्य विषाक्तता का (द) जैविक संकट का ()

8. जैविक खाद्य जनित रोगाणु का उदाहरण है–

(अ) नोरोवायरस (ब) रोटावायरस

(स) हेपेटाइटस E (द) उपरोक्त सभी ()

9. भारत सरकार ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (एफ.एस.एस.ए.) पारित किया–

(अ) 2003 में (ब) 2004 में

(स) 2005 में (द) 2006 में ()

10. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना हुई–

(अ) 1945 में (ब) 1950 में

(स) 1955 में (द) 1965 में ()

11. आई.एस.ओ. कितनी गुणवत्ता आवश्यकताओं का एक अर्न्तराष्ट्रीय संकेत चिन्ह है?

(अ) 5000 (ब) 2000

(स) 9000 (द) 10000 ()

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

12. भोजन किसी जनसंख्या की स्वास्थ्या पोषक स्थिति और उत्पादकता का प्रमुख .... है। (निर्धारक/आई.एस.आई. मार्क)

13. वे सूक्ष्मजीव जो खाद्य से संबंधित होते हैं और रोग उत्पन्न करते हैं............................ कहलाते है। (खाद्य जनित रोगाणु/सुरक्षित भोजन)

14. साल्मोनेला .... का एक आदर्श उदाहरण है। (खाद्य संक्रमण रोगाणु/स्वच्छ खाद्य पदार्थ)

15. .... भारत के लिए राष्ट्रीय कोडेक्स सम्पर्क केन्द्र है। (कोडेक्स आष्ट्रेलिया/कोडेक्स इंडिया)

16. गृह विज्ञान पाठ्यचर्चा विशेषकर खाद्य विज्ञान और पोषण के विषय क्षेत्र में एकीकृत पहुंच सुरक्षा और .... में सुधार के लिए ज्ञान देती है। (हीनता/गुणवत्ता)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

17. किसी जनसंख्या की स्वास्थ्य पोषक स्थिति और उत्पादकता का प्रमुख निर्धारक क्या हैं ?
18. वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रमुख समस्या क्या हैं ?
19. खाद्य सुरक्षा का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
20. खाद्य संक्रमण से क्या आशय है ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

21. देश के भीतर और देशों के बीच खाद्य–पदार्थों का व्यापार बढ़ाने के लिए किसकी आवश्यकता होती हैं?
22. खाद्य मानकों के कितने स्तर हैं? समझाइए।
23. आई. एस. ओ. और कोडेक्स में अंतर बताइए।

निबंधात्मक प्रश्न

24. खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों की पद्धतियों को समझाइए।

इकाई–IIIमानव विकास और परिवार अध्ययन

अध्याय–6 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा

पाठ का सारः

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा मानव विकास के अध्ययन का एक बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। लगभग 8 से 12 माह का छोटा बच्चा अनजान व्यक्तियों से भय महसूस करता है। जन्म से लेकर 1 वर्ष की आयु को शैशवावस्था कहते हैं। कुछ महिलाएँ घर में व्यवसाय के रूप में शिशु केन्द्र चलाती है। एक बालक के 3 वर्ष की आयु तक उसकी गतिविधियाँ बढ़ जाती है। 2 से 3 वर्ष तक के बच्चों को कभी–कभी टॉडलर भी कहते हैं। दिवस देखभाल केन्द्र व शिशु केन्द्र पूरे दिन के कार्यक्रम होते है। आई.सी.डी.एस. के अंतर्गत आँगनबाड़ी कार्य करती है। इसमें जीविका के लिए नर्सरी अध्यापक प्रशिक्षण (छण्ज्ण्ज्ण) एक अच्छा पाठ्यक्रम है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा पर छण्ब्ण्म्ण्त्ण्ज्ण्द्वारा प्रकाशित पत्र के अनुसार प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के मूलभूतउद्देश्य निम्नांकित हैं–

1. बच्चे का समग्र विकास जिससे वह अपनी क्षमता पहचान सके।
2. विद्यालय के लिए तैयारी।
3. महिलाओं और बच्चों के लिए सहायक सेवाएँ प्रदान करना है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. 8–12 माह का छोटा बच्चा अनजान व्यक्ति को देखकर उसके प्रति किस प्रकार का भाव प्रकट करता है–

   (अ) भय (ब) क्रोध

   (स) लगाव (द) प्रसन्नता ()

2. जब बच्चा चलना और दौड़ना, चीजों को उलटना–पलटना और बोलना सीख लेता है तो वह जिसके साथ सक्रिय भागीदारी करने में सक्षम हो जाता है, वह हैं–

   (अ) माँ (ब) दादी

   (स) पिता (द) परिवेश ()

3. बाल–केन्द्रित उपागम और खेल–खेल में सीखने का तरीका छोटे बच्चों के लिए सबसे उपयुक्त होता है, क्योंकि–

   (अ) यह पढ़ाई को रूचिकर बना देता है।

   (ब) बच्चा, दूसरे बच्चों का साथ पसन्द करता है।

   (स) इसमें बच्चा बहुत तेजी से काम करना सीखता है।

(द) उपर्युक्त सभी ()

4. प्रारम्भिक बाल्यावस्था किस आय तक की अवस्था है–

(अ) जन्म से लेकर 1 वर्ष तक की अवस्था

(ब) जन्म से लेकर 3 वर्ष तक की अवस्था

(स) जन्म से लेकर 8 वर्ष तक की अवस्था

(द) जन्म से लेकर 2 वर्ष तक की अवस्था ()

5. भारत सरकार ने विद्यालय पूर्व के बच्चों की आवश्यकताओं को किस संस्था के द्वारा विद्यालय पूर्व शिक्षा देकर पूरा किया हैं ?

(अ) नर्सरी स्कूलों द्वारा (ब) मॉन्टेसरी स्कूलों द्वारा

(स) आँगनबाड़ी द्वारा (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ()

6. आँगनबाड़ी किसके अन्तर्गत कार्य करती है–

(अ) समेकित बाल विकास सेवाओं के (ब) मॉन्टेंसरी स्कूलों के अन्तर्गत

(स) प्राथमिक शिक्षा विद्यालयों के अन्तर्गत (द) माध्यमिक शिक्षा विद्यालयों के अन्तर्गत ()

7. विद्यालय पूर्व के बच्चों के लिए सीखने के सबसे अनुकूल परिवेश के लिए आवश्यक है–

(अ)वह परिवेश सुरक्षित तथा निरापद हो (ब) वह प्रेमपूर्ण हो

(स) वह खेल सामग्रियों से युक्त हो (द) उपर्युक्त सभी ()

8. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2015 के अनुसार प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा का मूल उद्देश्य है–

(अ) बच्चे का समग्र विकास (ब) विद्यालय के लिए तैयार

(स) महिलाओं और बच्चों के लिए सहायक सेवाएँ प्रदान करना

(द) उपर्युक्त सभी ()

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

09. प्रारम्भिक बाल्यावस्था को सामान्यतया दो भागों में बाँटा जाता है–एक, जन्म से लेकर 3 वर्ष तक और दूसरे 3 वर्ष से .... वर्ष तक। (आठ / पाँच)

10. नर्सरी .... प्रशिक्षण एक ऐसा पाठयक्रम है जो प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करता है। (अध्यापक / विद्यार्थी)

11. 3 वर्ष तक की अवस्था में बच्चे में प्रमुख देखभालकर्ता की अनुपस्थिति में .... का बोध विकसित हो जाता है। (असुरक्षा / सुरक्षा)

12. दो से तीन वर्ष के बच्चों को .... कहते है। (टॉडलर / किशोर)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

13. यदि हम छोटे बच्चें को एक जगह बैठाकर बड़े बच्चों के औपचारिक विद्यालय की भांति पढ़ने को बाध्य करेंगे तो इससे क्या हानि होगी ?
14. शैशवावस्था क्या है ?
15. शैशवावस्था में बच्चे की देखभाल के लिए परिवार के अतिरिक्त दो अन्य संस्थागत वैकल्पिक व्यवस्थओं के नाम लिखिए।
16. नर्सरी स्कूल क्या होते हैं ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

17. किन शिशुओं के लिए क्रेच की आवश्यकता होती हैं ?
18. राष्ट्रीय पाठयचर्चा 2005 के अनुसार प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के मूल उद्देश्य क्या है?
19. बाल केन्द्रित उपागम से क्या अभिप्राय है ?
20. 3 वर्ष के बाद के बच्चों को सीखने के लिए किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

निबंधात्मक प्रश्न

21. उन कौशलों को सूचीबद्ध कीजिए जो ई.सी.सी.ई. कार्यकर्ता में होने चाहिए।

अध्याय–7

बच्चों, युवाओं और वृद्धजनों के लिए सहायक सेवाओं, संस्थानों और कार्यक्रम का प्रबंधन

परिवार समाज की मूल इकाई होता है और इसका मुख्य कार्य सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। भारत में व्यापक स्तर पर गरीबी है। पाँच वर्ष से कम दो तिहाई बच्चे मध्यम एवं गंभीर कुपोषण के शिकार हैं। समाज के बच्चे, युवा और वृद्ध अधिक संवेदनशील होते हैं अर्थात् ये वर्ग प्रतिकूल परिस्थितियों से जल्दी ही प्रभावित हो जाते हैं। कठिन परिस्थितियों में रहने वाले बच्चे कानून के विरूद्ध कार्य करने लग जाते हैं इस कारण उन्हें बाल अपराध की श्रेणी में रखते हैं। संवेदनशील बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सरकार और गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम–

1. **समेकित बाल विकास सेवाएँ**– विश्व का सबसे बड़ा आरंभिक बाल्यवस्था कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को स्वास्थ्य पोषण एवं शिक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करना है।
2. **एस.ओ.एस बाल गाँव**–इस गाँव की स्थापना 1964 में की गई। इस संगठन में देश में 40 विशिष्ठ गाँवों में लगभग 6000 जरूरतमंद बच्चों की देखभाल करता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. भारत में पाँच वर्ष से कम उम्र के कितने बच्चे मध्यम अथवा गंभीर कुपोषण से पीड़ित है ?

   (अ) आधे　　(ब) दो–तिहाई

   (स) एक–तिहाई　　(द) एक–चौथाई　　()

2. भारत में 6–14 वर्ष के बीच की आयु के कितने बच्चे विद्यालय जाते हैं–

   (अ) आधे　　(ब) आधे से अधिक

   (स) दो–तिहाई　　(द) आधे से कम　　()

3. भारत में पहला एस.ओ.एस. गांव स्थापित किया गया था –

   (अ) 1964 में　　(ब) 1954 में

   (स)1974 में　　(द) 1984 में　　()

4. युवाओं के व्यापक संवर्ग में जो समूह विशेष रूप से संवेदनशील है, वह है–

   (अ) ग्रामीण और जनजातीय युवा　　(ब) किशोर व किशोरियाँ

   (स) विशेष कठिन स्थितियों वाले युवा　　(द) उपरोक्त सभी　　()

5. युवा मामलों और खेलकूद के मंत्रालय द्वारा अपनाई गई राष्ट्रीय युवा नीति किस वर्ष से संबंधित है ?

(अ) 2006 (ब) 2003

(स) 2008 (द)2009 ()

6. भारत में किस आयु के व्यक्तियों को वरिष्ठ नागरिक माना जाता है ?

(अ) 65 वर्ष या अधिक (ब) 60 वर्ष या अधिक

(स) 75 वर्ष या अधिक (द) 55 वर्ष या अधिक ()

7. वृद्धों की मूलभूत आवश्यकताएं है–

(अ)पौष्टिक भोजन (ब)सुरक्षित आवास

(स) स्वास्थ्य देखभाल (द) उपरोक्त सभी ()

8. समेकित बाल विकास सेवाओं (I.C.D.S.) का सम्बन्ध नहीं है–

(अ)स्वास्थ्य (ब) पोषण

(स) स्कूल पूर्व शिक्षा (द) विश्राम भत्ता ()

9. भारत में आधिकारिक आकलनों के अनुसार कितने बच्चे काम करते है ?

(अ) 10 करोड़ (ब)12 करोड़

(स) 15 करोड़ (द) 17 करोड़ ()

10. विश्व का सबसे बड़ा आरम्भिक बाल्यावस्था कार्यक्रम है7

(अ)I.C.D.S (ब)S.O.S.बालगांव

(स)प्रेक्षण गृह (द) किशोर/बालगृह ()

11. भारत सरकार की समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम से कितने बच्चे लाभान्वित हो रहे है–

(अ)11 करोड़ (ब) 41 करोड़

(स)61 करोड़ (द) 5 करोड़ ()

12. जहाँ कानून का उल्लंघन करने वाले किशोरों (18 वर्ष से कम आयु के बच्चे) को हिरासती देखरेख में रखा जाता है, उसे कहा जाता है–

(अ)प्रेक्षण गृह (ब) विशेष गृह

(स)किशोर/बाल गृह (द) उपरोक्त में कोई नहीं ()

13. जिन बच्चों के परिवार का पता नहीं चल पाता है अथवा जिनके अभिभावक अस्वस्थ/मृत होते है, उन बच्चों को रखा जाता है–

(अ)प्रेक्षण गृह में (ब) विशेष गृह में

(स)किशोर/बाल गृह में (द) बाल गाँव में ()

14. विशेष गृह में अन्तर्गत किस आयु वर्ग के बच्चों को हिरासती देखरेखा में रखा जाता है ?

(अ)15वर्ष से कम (ब) 18वर्ष से कम

(स)14वर्ष से कम (द) 20वर्ष से कम ()

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

15. बच्चे, युवा और वृद्धजन हमारे समाज के .... समूह है। (असंवेदनशील / संवेदनशील)
16. बच्चों के लिए तीन प्रकार के घर स्थापित किये गए है। ये है– (1) प्रेक्षण गृह (2) विशेष गृह और (3)................................। (बाल गृह / वृद्धाश्रम)
17. भारत में जीवन प्रत्याशा जो 1947 में लगभग 29 वर्ष थी, अब बढ़कर .... वर्ष हो गई है। (63 / 83)
18. राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना ऐसे बुजुर्गों के लिए बनी है जिन्हें .... माना जाता है। (आश्रित / निराश्रित)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

19. भारत में लोगो की मूलभूत आवश्यकताएँ पूरा न होने के कोई दो दुष्परिणाम लिखिए।
20. भारत में 2004–05 में कितने प्रतिशत जनसंख्या राष्ट्रीय गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रही हैं?
21. भारत में संवेदनशील बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में चलाए जा रहे किन्हीं दो संगठनों के नाम लिखिए।
22. बच्चों के लिए कितने प्रकार के घर स्थापित किए गए हैं ? उनके नाम लिखिए।
23. वृद्धजनों की संवेदनशीलता के कोई दो कारक लिखिए।

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

24. बच्चों के प्रेक्षण गृह क्या हैं ?
25. बच्चों के विशेष गृह कौन से होते है ?
26. बाल / किशोर गृह क्या होते है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

27. भारत में अनेक परिवार वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण अपने सदस्यों की मूलभूत आवश्यकताएँ पूरी नहीं कर पाते हैं ? इसके क्या परिणाम सामने आए हैं ?

भाग–2

इकाई–IVवस्त्र एवं परिधान

अध्याय–8 वस्त्र एवं परिधान के लिए डिजाइन

वस्त्र हमारे जीवन का महत्वपूर्ण भाग है। डिजाइन किसी वस्तु की दिखावट और आकर्षक को दर्शाने के लिए काम में लिए जाते है। डिजाइन के दो पहलू होते है– संरचनात्मक और अनुप्रयुक्त। डिजाइन के दो प्रकार के तत्व है– रंग और सिद्धान्त। डिजाइन में रंगों का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। रंगों को प्राथमिक रंग, द्वितीयक रंग और तृतीयक रंग। वस्त्रों की बुनावट में कपड़ा कैसा है, उसकी प्रकृति कैसी है तथा छूने पर कैसा लगता है आदि पदों को भी शामिल किया गया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. जिस रंग का मान अधिकतम होता है, वह है–
   (अ) सफेद (ब) काला
   (स) धूसर (द) लाल ()
2. ऊपर और नीचे गति पर बल देने वाली रेखाएँ होती है–
   (अ) क्षैतिज सरल रेखाएँ (ब) ऊर्ध्वाधर सरल रेखाएँ
   (स) विकर्ण रेखाएँ (द) वक्र रेखाएँ ()
3. निम्न में जो द्वितीयक रंग है, वह है–
   (अ) लाल (ब) पीला
   (स) नारंगी (द) नीला ()
4. जिस रंग का मान न्यूनतम होता है, वह है–
   (अ) सफेद (ब) हरा
   (स) काला (द) पीला ()
5. किस प्रकार की वक्र रेखाएं अत्यंत मनोहर तथा लयबद्ध दिखाई देती है ?
   (अ) बड़ी गोल वक्र रेखाएँ (ब) छोटी हल्की वक्र रेखाएँ
   (स) लम्बी और लहराती वक्र रेखाएँ (द) उपर्युक्त में कोई नहीं ()
6. अमूर्त आकृतियाँ होती है–
   (अ) मुक्त रूप (ब) गणितीय रूप
   (स) सरलीकृत (द) सामान्य आकृतियों की नकल ()

7. पोशाक के केन्द्र बिंदु से भार के एक समान वितरण करने के रूप में परिभाषित किया जाता है–

(अ) अनुपात को (ब) संतुलन को

(स) आवर्तिता को (द) सामंजस्यता को ()

8. जब आकृतियाँ एक साथ सामूहित की जाती है, तब बनता है–

(अ) संतुलन (ब) केन्द्र–बिंदु स्थान

(स) पैटर्न (द) सामंजस्यता ()

9. हयू क्या है ?

(अ) रंग का नाम (ब) रंग का मान

(स) रंग का हल्कापन (द) रंग का गहरापन ()

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

10. अनुप्रयुक्त डिजाइन मुख्य डिजाइन का एक भाग होता हैं, जो .... संरचना के ऊपर बनाया जाता है । (मूल / विकसित)

11. डिजाइनर एक सुनिश्चित विवरण के लिए .... का चयन सावधानीपूर्वक करते है।(डिजाइन / रंगो)

12. .... रंग ऐसे रंग है, जो किन्हीं अन्य रंगों के मिलाने से नहीं बनते। (द्वितीयक / प्राथमिक)

13. दो प्राथमिक रंगों को मिलाकर जो रंग बनाए जाते है, उन्हें .... रंग कहते है। (द्वितीयक / तृतीयक)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

14. डिजाइन के कितने कारक होते है ? नाम बताइए।

15. प्रकाश के कितने रंग होते है, उनके नाम लिखिए।

16. रंग को कितने रूपों में उल्लेखित किया जाता हैं ?

17. उदासीन रंग कौनसे है ?

18. किस रंग का मान सर्वाधिक और किसका न्यूनतम होता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

19. हमें कोई वस्तु सफेद या काली क्यों दिखाई देती है ?

20. डिजाइन में रेखा कितने प्रकार की होती है? समझाइए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

21. वस्त्र एवं परिधान डिजाइन के कार्यक्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।

22. रंग सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–9 फैशन डिजाइज और व्यापार

फैशन आज एक बहुत बड़ा व्यवसाय के साथ जटिल विषय लिये हुए है। फैशन का प्रारंभ 18वीं शताब्दी मे फ्रांस से हुआ। फ्रांस में परिधान निर्माण की कला को कुटूअर कहा जाता है। सिलाई मशीन के आविष्कार ने हस्तशिल्प को उद्योग में बदल दिया। महिलाओं ने 1880 में स्कर्ट और ब्लाउज पहनना शुरू किया था। फैशन का विकास शैली की प्रस्तुति, लोकप्रियता वृद्धि, लोकप्रियता में पराकाष्ठा, लोकप्रियता में कमी तथा शैली का परित्याग इत्यादि पाँच स्तरों पर गति करता है। फैशन व्यापार के अंतर्गत सही समय, सही स्थान और सही मूल्य पर आवश्यक योजना बनाना है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. अंर्तराष्ट्रीय फैशन में फ्रांस का प्रभुत्व शुरू हुआ–
   (अ) 17वीं सदी के प्रारम्भ में　　(ब) 18वीं सदी के प्रारम्भ में
   (स) 19वीं सदी के प्रारम्भ में　　(द) 20वीं सदी के प्रारम्भ में　　()
2. मालिक और परिवार द्वारा चलाए जाने वाले स्टोर होते है–
   (अ) विभागीय स्टोर　　(ब) स्टोर श्रृंखला
   (स) छोटा एकल–ईकाई स्टोर　　(द) उपर्युक्त में कोई नहीं　　()
3. ‘पहनने के लिए तैयार’ वस्त्रों का उत्पादन शुरू हुआ–
   (अ) 1920 में　　(ब) 1910में
   (स) 1890में　　(द) 1900में　　()
4. फैशन की जो शैली कभी पूर्णतया अप्रचलित नहीं होती और एक लंबे समय तक लगभग स्वीकृत रहती है, कहलाती है–
   (अ) अस्थायी फैशन शैली　　(ब) चिरसम्मत फैशन शैली
   (स) विशिष्ट शैली　　(द) उपर्युक्त में कोई नहीं　　()
5. फैशन चक्र का प्रथम स्तर है–
   (अ) लोकप्रियता में वृद्धि　　(ब) लोकप्रियता की पराकाष्ठा
   (स) शैली की प्रस्तुति　　(द) इनमें से कोई नहीं　　()
6. ‘लेवी स्ट्रॅास’ ने टेंटों और मालडिब्बों के कवरों के लिए बने कपड़ो का उपयोग करके ज्यादा चलने वाली पेंटें बनाई–
   (अ) 1859 में　　(ब) 1849 में
   (स) 1880 में　　(द) 1890 में　　()

7. जब कोई फैशन की माँग इतनी अधिक हो जाती है कि बहुत से निर्माता उसकी नकल करते है, यह स्थिति होती है–

(अ) शैली का प्रारम्भ (ब) शैली की लोकप्रियता की पराकाष्ठा

(स) शैली की लोकप्रियता में वृद्धि (द) शैली की लोकप्रियता में कमी होना ()

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

8. .... में 'पहनने के लिए तैयार' वस्त्रों का उत्पादन शुरू हुआ।(1920 / 1820)
9. फ्रांस में परिधान निर्माण की कला को .... कहा जाता है। (रेडीमेड / कूटुअर)
10. जिस तरीके से फैशन बदलता है, उसे सामान्यतः..........................के रूप में जाना जाता है। (फैशन चक्र / जीवनचक्र)
11. अन्तर्राष्ट्रीय फैशन में .... का प्रभुत्व 18वीं शताब्दी के आरंभ से शुरू हुआ। (फ्रांस / अमेरिका)
12. अस्थायी फैशन .... के लिए होते है और एक ही बार आकर चले जाते हैं। (अधिक समय / कम समय)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

13. फैशन उद्योग के कोई दो गुण बताइए।
14. फैशन डिजाइन और व्यापार किन–किन बातों को सम्मिलित करता है?
15. फैशन के क्षेत्र में ऐसा कौनसा परिधान है जो पिछले लगभग 150 वर्षों से एक जैसा रहा है ?
16. फैशन चक्र के कोई चार स्तर बताइए।
17. फैशन व्यापार के चार घटकों के नाम लिखिए।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

18. फैशन शैली क्या है ?
19. अस्थायी फैशन से क्या आशय है ?
20. बाजार विभाजन क्या है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

21. फैशन के खुदरा व्यापार को कितने प्रकारों में विभाजित किया जा सकता हैं ?

अध्याय–10 संस्थाओं में वस्त्रों की देखभाल और रखरखाव

वस्त्र हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इसलिए वस्त्रों की देखभाल और रख–रखाव अति आवश्यक है। वस्त्रों की धुलाई एक कला और विज्ञान दोनों है तथा इसकी देखभाल में तीन विधियाँ उपयोग में लीजाती है–

1. धुलाई के उपकरण– धुलाई मशीन में दो प्रकार के मॉडल का उपयोग किया जाता है तथा घुलाई चक्र में सबसे महत्वपूर्ण चरण खंगालना है।
2. सुखाने के उपकरण– वस्त्रों को सुखाने के लिए शुष्क ड्रायरों का उपयोग करते हैं।
3. इस्तरी के उपकरण– इस्तरी का भार 1.5 से 3.5 किग्रा होता है। कोयले की इस्तरी ढक्कनदार धातु के बक्से के समान होती है। घुलाई के लिए बड़े शहरों में निश्चित स्थान होता है जिसे धोबीघाट कहते हैं। वर्तमान समय में अस्पतालों और होटलों में भी इसी प्रकार की व्यवस्था शुरू की गई है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. निम्न में जो वस्त्रों की धुलाई करने का उपकरण नहीं है, वह है–

    (अ) बाल्टी (ब) रगड़ने के तख्ते तथा ब्रुश

    (स) शुष्कक (द) धुलाई मशीन ()

2. निम्न मे जो वस्त्रों के सुखाने का उपकरण है, वह है–

    (अ) शुष्कक (ब)इस्तरी

    (स) धुलाई मशीन (द) डिटरजेन्ट ()

3. धुलाई मशीन की विधि है–

    (अ) आलोड़न (ब) स्पंदन

    (स) अपवातन (द) उपर्युक्त सभी ()

4. अस्पताल के धुलाईघर में विशेष ध्यान रखा जाता है–

    (अ) स्वच्छता और विसंक्रमण का (ब) रंगो का

    (स) पक्के धब्बों का (द)वस्त्रों की सुसज्जा का ()

5. निम्न में से किस में बिस्तर की चादरों की सबसे अधिक आवश्यकता होती है–

(अ) होटलों में (ब) घरों में

(स) अतिथि गृहों में (द) अस्पतालों में ()

6. धुलाई मशीन में जल निष्कर्षण चक्रण की उपयुक्त गति है–

(अ) 333-500 RPM (ब) 600-620 RPM

(स)620-800 RPM (द)800-1100 RPM ()

7. वस्त्रों और दैनिक उपयोग की छोटी वस्तुओं की धुलाई की जाती है–

(अ) घरेलू धुलाई द्वारा (ब) व्यवसायिक धुलाई घरों द्वारा

(स) धोबी द्वारा (द) उपर्युक्त में कोई नहीं ()

8. धुलाई के लिए व्यवसायी व्यक्ति (धोबी) नगरों में जिन निर्दिष्ट स्थानों का उपयोग करते हैं, उन्हें कहा जाता है–

(अ) धुलाई घर (ब) लॉण्ड्रियाँ

(स) धोबी घाट (द) निर्जल धुलाई की दुकानें ()

9. अस्पतालों, जेलों और होटलों जैसी बड़ी संस्थाओं के धुलाई विभाग के संचालन के लिए आवश्यक है–

(अ) वस्त्रों को व्यवस्थित रूप में इकट्ठा करना (ब) वस्त्रों की धुलाई करना

(स) वस्त्रों की समय पर सुपुर्दगी करना (द) उपर्युक्त सभी ()

10. अस्पताल के धुलाई घर में किसका ध्यान रखा जाता है ?

(अ) स्वास्थ्य का (ब) स्वच्छता का

(स) विसंक्रमण का (द) उपरोक्त सभी का ()

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

11. घरेलू स्तर पर अधिकांश धुलाई...............................से की जाती है। (हाथ / मशीन)

12. हाथ से धुलाई में बालिटयों, चिलमचियों, तसलों ओर रगड़ने के तख्तों और ब्रुशों जैसे.............................
....का प्रयोग किया जाता है। (उपकरणों / बरतनों)

13. .... धुलाई की मशीन में प्रत्येक चक्र के साथ खंगालने का पानी भरना और निकालना पड़ता है। (अर्द्धस्वचालित / स्वचालित)

14. .... धुलाई मशीन में 50 प्रतिशत या अधिक काम प्रचारक को हाथ से करना पड़ता है। (स्वचालित / हस्तचालित)

15. सामान्यतः धुलाई प्रबन्धन पाठ्यक्रम .... के होते है। (दीर्घ अवधि / लघू अवधि)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

16. वस्त्रों की देखभाल और रखरखाव की प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख कीजिए।
17. धुलाई की मशीनें कितने प्रकार की हो सकती है?
18. यदि कपड़ों को अच्छी तरह खंगाला नहीं जाएगा तो वस्त्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
19. इस्तरी करना क्या है?
20. इस्तरी को गरम किस प्रकार किया जाता है?

लघुतरात्मक प्रश्न–

21. ऐसे किन्हीं तीन संस्थानों का उल्लेख कीजिए जिनके अपने विभाग होते हैं ?
22. व्यावसायिक धुलाईघरों में क्या–क्या उपकरण होते है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

23. अस्पतालो में धुलाईघर में कार्य करने की प्रक्रिया को संक्षेप में समझाइए ।

अध्याय–11 आतिथ्य प्रबंधन

भारत में अतिथि के स्वागत के लिए अतिथि देवो भव शब्दों का उपयोग किया जाता है। आतिथ्य मेहमान और मेजबान के बीच का संबंध है। अतिथि चक्र अतिथि के आगमन से पूर्व से लेकर उनके प्रस्थान तक चलता है। होटल, आवास सैरगाह आदि व्यावसायिक प्रतिष्ठान है यहाँ प्रमुख कार्यालय पर्यवेक्षक नियुक्त होते हैं जो आने–जाने वालों से मिलता है तथा उनके आवास के प्रति उत्तरदायी होता है। साथ ही गृह व्यवस्था विभाग स्वच्छता तथा स्वस्थ परिवेश के प्रति उत्तरदायी होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. गृह व्यवस्था विभाग के सभी क्रियाकलापों की योजना बनाता है, सुव्यवस्थित तथा नियंत्रित करता है–

   (अ) अतिथि गृह ब्रिगेड (ब) गृह व्यवस्था प्रबंधक

   (स) सार्वजनिक क्षेत्र ब्रिगेड (द) गृह व्यवस्था नियन्त्रण डेस्क ()

2. अतिथियों के समान को कमरे से बाहर लाने/ले जाने के लिए उत्तरदायी होता है–

   (अ) दरबान (ब) बेल कप्तान

   (स) बेल–ब्वॉय (द) सूचना सहायक ()

3. होटल का जो विभाग मूलतः स्वच्छता को सुनिश्चित करके ओर साफ–सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखकर स्वस्थ परिवेश प्रदान करने के लिए उत्तरदायी है वह है–

   (अ) गृह व्यवस्था विभाग (ब) खाद्य तथा पेय पदार्थ विभाग

   (स) प्रमुख कार्यालय (द) सहायक सेवा विभाग ()

4. निम्न में जो विभाग ''बैक ऑफिस'' नहीं है, वह है–

   (अ) वित्त तथा लेखा विभाग (ब) इंजीनियरिंग विभाग

   (स) क्रय तथा विपणन विभाग (द) गृह व्यवस्था विभाग ()

5. पैदल लम्बी यात्रा तथा जोखिम भरे खेलों आदि में भाग लेने वाले लोगों को आतिथ्य प्रदान करते है–

   (अ) सुसज्जित फ्लैट (ब) सुसज्जित शिविर

   (स) रिजॉर्ट (द) मोटल ()

6. निम्न में से कौनसा होटल के विभिन्न भागों में काम करने वाले कर्मचारियों तक सूचना पहुँचाता है ?

   (अ) सार्वजनिक क्षेत्र ब्रिगेड (ब) खोया–पाया विभाग

   (स) गृह व्यवस्था नियंत्रण डेस्क (द) गृह व्यवस्था प्रबंध ()

7. होटल के रेस्तराँ के समग्र संचालन के लिए उत्तरदायी होता है–

(अ) रेस्तरां प्रबंधक (ब) वरिष्ठ रेस्तरां पर्यवेक्षक

(स) प्रधान बैरा (द) सहायक बैरे ()

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

8. पर्यटक वह है जो किसी दूसरे स्थान की यात्रा करता है और वहां .... रूप से ठहरता है।(स्थायी/अस्थायी)

9. .... होटल में अतिथियों के पहुंचने से पहले ही आरम्भ हो जाता है और इसमें चार अवस्थाएं होती है। (अतिथि चक्र/जीवन चक्र)

10. गृह व्यवस्था नियंत्रण डेस्क होटल के विभिन्न भागों में कार्य करने वाले .... तक सूचना पहुँचाता है। (कर्मचारियों/मेहमानों)

11. .... विभाग अतिथियों के खोए हुए सामान को जमा करने का कार्य करता हैं। (खोया पाया/सहायक विभाग)

12. रेस्तरां का ....रेस्तरां के समग्र कार्य संचालन के लिए उत्तरदायी होता हैं। (प्रबन्धक/अतिथि)

13. .... अतिथि चक्र की अन्तिम अवस्था हैं। (प्रस्थान/आगमन)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

14. दो ऐसे प्रतिष्ठानो के नाम लिखिए जो आतिथ्य सेवाएँ प्रदान करते है ?

15. अतिथि चक्र की चार अवस्थाओं के नाम लिखिए।

16. गृह व्यवस्था विभाग के कोई दो कार्य लिखिए।

17. विभिन्न सतहों तथा पदार्थों को साफ करने के लिए काम में लिए जाने वाले कोई दो कारकों के नाम लिखिए।

18. विभिन्न आंतरिक स्थानों के सौंदर्यपरक आकर्षण को बढ़ाने के लिए किनका प्रयोग किया जाता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

19. आतिथ्य उद्योग के विभागों को चित्र द्वारा प्रदर्शित कीजिए।

20. आतिथ्य उद्योग के प्रमुख कार्यालय के विभाग संगठन को चित्रबद्ध कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न–

21. गृह व्यवस्था विभाग को चार्ट द्वारा समझाइए ।

अध्याय–12 उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण

पाठ का सारः

उपभोक्ता शिक्षा एक कुशल और जागरूक उपभोक्ता बनाती है। वर्तमान में भारत अल्पविकसित से विकासशील अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो रहा है। ऐसी कोई वस्तु जिसे उपभोक्ता के परिवार के उपयोग के लिए निर्मित हो, उपभोक्ता उत्पाद कहते हैं। हॉलमार्क सोने पर लगाया जाता है। उत्पाद में कुछ पदार्थ मिलाए जाते हैं उसे मिलावट कहते हैं इस कारण नकली उत्पाद खराब गुणवत्ता के होते हैं। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 में बना उसके तहत उपभोक्ता को चार अधिकार प्राप्त हुए–

1. सुरक्षा का अधिकार
2.सूचित किए जाने का अधिकार
3. चयन का अधिकार
4. सुने जाने का अधिकार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा खरीदने के बारे में निर्णय लेता है, कहलाती है–

(अ) उपभोक्ता व्यवहार (ब) उपभोक्ता फोरम

(स) उपभोक्ता उत्पाद (द) उपभोक्ता अपेक्षा ()

2. वस्तुओं को खरीदते समय उपभोक्ताओं की अपेक्षा है–

(अ) अधिक कीमत (ब) मिलावटी उत्पाद

(स) प्रामाणिक उत्पाद (द) अप्रामाणिक उत्पाद ()

3. विभिन्न फल व सब्जी उत्पादों की गुणवत्ता से संबंधित है–

(अ) हॉलमार्क (ब) आई.एस.आई.मार्क

(स) वूलमार्क (द) एफ.पी.ओ. ()

4. 'चॉइस' नामक पत्रिका निकालता है–

(अ) अमरीकी उपभोक्ता संघ (ब) आस्ट्रेलियाई उपभोक्ता संघ

(स) भारतीय उपभोक्ता संघ (द) चीनी उपभोक्ता संघ ()

5. कृषि उत्पाद खरीदने से पहले कौनसी मुहर देख लेनी चाहिए ?

(अ) एगमार्क (ब) आई.एस.आई.मार्क

(स) वूलमार्क (द) एफ.पी.ओ. ()

6. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत किसकी स्थापना की गई है ?

(अ)B.S.I. की (ब)ISIकी

(स)FSSAIकी (द)DMIकी ()

7. निम्न में से कौनसा चिन्ह मूल्यवान धातुओं, सोने, चाँदी के आभूषणों के मूल्यांकन और जांच को प्रभावित करता है–

(अ)एगमार्क (ब)ईकोमार्क

(स)FSSAI (द)हॉलमार्क ()

8. उपभोक्ता के हित में 'कंज्यूमर रिपोर्टस' नामक पत्रिका निकालता है–

(अ) अमरीकी उपभोक्ता संघ (ब) आस्ट्रेलियाई उपभोक्ता संघ

(स) भारतीय उपभोक्ता संघ (द) ब्रिटिश उपभोक्ता संघ ()

9. 'कंज्यूमर वॉयस' नामक पत्रिका निकालता है–

(अ) अहमदाबाद का उपभोक्ता संगठन (ब) दिल्ली का उपभोक्ता संगठन

(स) मुंबई का उपभोक्ता संगठन (द) चेन्नई का उपभोक्ता संगठन

10. निम्न में से कौन–सा लेबल शुद्ध रेशम का आश्वासन देता है–

(अ) हॉलमार्क (ब) वूलमार्क

(स) सिल्कमार्क (द) उपभोक्ता सभी

11. इकोमार्क निम्नलिखित में किसे दर्शाता है–

(अ) यह उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल है (ब) इसमें कोई खतरनाक अपशिष्ट नहीं निकलता है।

(स) इसका पुनर्नवीकरण किया जा सकता है (द) उपरोक्त सभी

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

12. प्रत्येक मनुष्य एक ....उपभोक्ता है। (स्वाभाविक/अस्वाभाविक)

13. आज के उपभोक्ता को सतर्क, जागरूक और पूरी जानकारी रखने वाला ....बनना आवश्यक है। (उपभोक्ता/व्यापारी)

14. .... उपभोक्ता के हित में एक महत्वपूर्ण कानून हैं। (उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम/कम्पनी अधिनियम)

15. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम उपभोक्ता के हित में एक महत्वपूर्ण .... है। (कानून/व्यवस्था)

16. आई.एस.आई.मार्क .... का प्रमाणन चिन्ह है। (भारतीय मानक ब्यूरो/अमेरिकी मानक ब्यूरो)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

17. वस्तुओं को खरीदते समय उपभोक्ताओं की कोई दो अपेक्षाएँ लिखिए।
18. उपभोक्ताओं द्वारा झेली जाने वाली किन्हीं दो समस्याओं का उल्लेख कीजिए ?
19. उपभोक्ता सरंक्षण के लिए भारत सरकार के कानून का नाम लिखिए ?
20. वूलमार्क क्या दर्शाता है ?
21. उपभोक्ता संरक्षण के लिए भारत सरकार के कानून का नाम लिखिए।

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

22. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 में दिए गए उपभोक्ता के किन्हीं चार अधिकारों के नाम लिखिए।
23. किन्हीं तीन मानकीकरण चिन्हों के चित्र बनाइए।

निबंधात्मक प्रश्न–

24. वस्तुओं को खरीदते समय उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं को चित्रबद्ध कीजिए।

इकाई–VI संचार एवं विस्तार

अध्याय–13 विकास संचार तथा पत्रकारिता

विकास पत्रकारिता गतिविधि एक नई और सामाजिक संकल्पना है। संचार हमारे सामाजिक और व्यवसायिक जीवन का अभिन्न अंग बन गए है। विकास संचार की विशेषताओं के अंतर्गत समाज को सूचना देना और शिक्षित करना है। यह सामाजिक, आर्थिक विकास तथा व्यक्तियों तथा जन समुदाय की संख्या की ओर उन्मुख है। मुद्रण माध्यम– राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्रों में छपने वाले अधिकांश समाचार शहरों के लिए होते हैं। छतेरा ग्राम परियोजना 1969 में प्रारंभ हुई। रेड रिबन एक्सप्रेसअभियान कन्याकुमारी से चलायागया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. अधिकांश व्यक्तियों के सामाजिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक जीवन में बगैर शोषण या हिंसा के स्थायी रूप से सकारात्मक परिवर्तन लाने को कहा जाता है–
   (अ) विकास (ब) विकास पत्रकारिता
   (स) विकास संचार (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ()
2. सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से प्रक्रियाओं, योजनाओं तथा संचार के सिद्धान्तों को क्रमबद्ध तरीके से प्रयोग करने की विधि है–
   (अ) विकास संचार (ब) विकास पत्रकारिता
   (स) रेड रिबन एक्सप्रेस (द) संचार प्रौद्योगिकी ()
3. रेड रिबन एक्सप्रेस की यात्रा प्रारम्भ हुई–
   (अ) रामेश्वरम से (ब) कन्याकुमारी से
   (स) चेन्नई से (द) पटना से ()
4. रेड रिबन एक्सप्रेस परियोजना को किस एजेन्सी ने भारतीय रेलवे के साथ मिलकर कार्यान्वित किया?
   (अ) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (बं) नेहरू युवा केन्द्र संगठन
   (स) यूनिसेफ तथा यू.एन.एड्स ने (द) उपरोक्त सभी ने ()
5. 'विकास संचार' शब्द का सबसे पहले नोरा क्यूब्राल ने प्रयोग किया–
   (अ) 1962 में (ब) 1972 में
   (स) 1982 में (द) 1992 में ()

6. रेड रिबन एक्सप्रेस निम्न में से किसके बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए देशव्यापी अभियान था ?

(अ) हृदय रोग (ब) एच.आई.वी.

(स) अ और ब दोनों (द) इनमें से कोई नहीं ()

7. छतेरा ग्राम परियोजना प्रारम्भ हुई थी–

(अ) 1969 में (ब) 1972 में

(स) 1979 में (द) 1989 में ()

8. भारत ने अपने शिक्षा उपग्रह एडुसैट का प्रमोचन किस वर्ष किया ?

(अ) 2004 (ब) 2005

(स) 2002 (द) 2008 ()

9. निम्न में से जनसंचार माध्यम नहीं है–

(अ) रेडियो (ब) टेलीविजन

(स) अखबार (द) व्यक्तिगत सम्पर्क ()

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

10. विकास संचार का एक उद्देश्य ....को सूचना देना तथा शिक्षित करना है। (समुदाय/परिवार)

11. विकास संचार ऐसे दो पक्षों के बीच दुतरफा संप्रेषण है, जिसमें एक के पास ....है तथा दूसरा उससे अनभिज्ञ है। (सूचनाएँ/ज्ञान)

12. सितम्बर, 2004 में भारत ने अपने .... उपग्रह का प्रमोचन किया जो पहला भारतीय उपग्रह था, जिसे केवल शिक्षा के क्षेत्र की सेवा के लिए निर्मित किया गया। (शिक्षा/चिकित्सा)

13. विकास पत्रकारिता के लिए .... एक बहुमूल्य अनुसंधान साधन है। (इंटरनेट/टेलीविजन)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

13. रेड रिबन एक्सप्रेस अभियान कहाँ चलाया गया।

14. विकास संचार के साधन कौन–कौन से हैं?

15. विकास संचार की पहल करने वाले किन्हीं चार देशों के नाम लिखिए।

16. रेड रिबन एक्सप्रेस अभियान किसके बारे में जाग्रति फैलाने के लिए था ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

17. तकनीकी कौशल क्या है?

18. अभियान किसे कहते हैं?

निबंधात्मक प्रश्न–

19. छतेरा ग्राम परियोजना क्या है, वर्णन कीजिए।

अध्याय–14

नियमित संप्रेषण एवं जनसंपर्क

कोई भी विचार तथ्य गतिहीन होते हैं जब तक की उसे संप्रेषित न किया जाए। श्रवण एक सतत प्रक्रिया है इसके तीन भाग हैं। संप्रेषण में दो व्यक्तियों के बीच संपर्क स्थापित किया जाता है। जन संपर्क कला के साथ–साथ विज्ञान भी है। इसमें कला का सौन्दर्य और भावात्मकता तथा विज्ञान की पद्धति है। निगमित संप्रेषण को प्रबंध के महत्वपूर्ण साधन के रूप में माना जाता है। इस संप्रेषण में किसी भी संगठन के विशेषज्ञों और सवादाताओं की जानकारी पर आधारित होता है। इसके 2 प्रकार हैं– 1 आंतरिक संप्रेषण जनसंपर्क गतिविधियों के प्रेस से संबंध, विज्ञापन देना, प्रकाशन, संचार माध्यम से समन्वय और जनसंपर्क के घटक आदि क्षेत्र हैं। प्रौद्योगिकी ने संप्रेक्षण के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। इससे विश्व भर में विविध सूचनाओं, ज्ञान और समाचारों के द्वार खोल दिये हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. जनसम्पर्क गतिविधियों का क्षेत्र है–

   (अ) प्रेस से सम्बन्ध रखना (ब) विज्ञापन देना

   (स) प्रकाशन (द) उपर्युक्त सभी ()

2. जनसम्पर्क का सिद्धान्त है–

   (अ) विज्ञापन देना (ब) प्रेस से सम्बन्ध रखना

   (स) ग्राहकों की सुनना (द) प्रकाशन ()

3. संगठन के प्रति जनता की कितने प्रतिशत धारणा जो वह कहता है, उससे बनती है–

   (अ) 90 प्रतिशत (ब) 50 प्रतिशत

   (स) 70 प्रतिशत (द) 10 प्रतिशत ()

4. जनसम्पर्क का उद्देश्य है–

   (अ) कम्पनी की सकारात्मक छवि सृजित करना(ब) कंपनी के संकट को निपटाना

   (स) कर्मचारियों को प्रेरित करना (द) उपर्युक्त सभी ()

5. निम्नलिखित में से कौनसे कार्य जनसम्पर्क के है–

   (अ) प्रचार करना (ब) संबंध बनाना

   (स) प्रकाशन (द) उपरोक्त सभी ()

6. संदेश बनाते समय निम्न में किसका ध्यान रखना चाहिए–

   (अ) संक्षिप्तता का (ब) मूर्तता का

   (स) शिष्टाचार का (द) उपर्युक्त सभी का

7. जब संकट खड़ा होता है तो निम्न में कौनसे कर्मचारी सर्वश्रेष्ठ सम्प्रेषण करते हैं–

(अ) तेज दिमाग वाले (ब) गर्म दिमाग वाले

(स) ठंडे दिमाग वाले (द) मंद दिमाग वाले

8. निम्न में से किस कौशल में सॉफ्टवेयर–हार्डवेयर का उपयोग शामिल होता है–

(अ) श्रवण कौशल (ब) अन्तवैयक्तिक कौशल

(स) समझौते के कौशल (द) प्रस्तुतीकरण कौशल

9. निगमित संप्रेषण में मुख्यतः कितने प्रकार के संप्रेषणों का प्रयोग होता है ?

(अ) एक (ब) दो

(स) तीन (द) चार

10. निम्न में से संदेश की विशेषता नहीं है–

(अ) संक्षिप्त (ब) स्पष्ट

(स) संपूर्ण (द) विशाल या लंबा

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

11. जनसंपर्क एक कला भी है और.....................................भी है।(विज्ञान / साहित्य)

12. आर्थट पेज ने जनसंपर्क के .... सिद्धान्त बताए हैं। (सात / तीन)

13. संदेश सदैव .... अर्थ देने वाला होना चाहिए, जो विविधता उत्पन्न न करे और पाठक को उलझन में न डाले। (स्पष्ट / अस्पष्ट)

14. .... ने सम्प्रेषण के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। (प्रौद्योगिकी / टेलीविजन)

15. निगमित संप्रेषण एक स्वस्थ संगठनात्मक परिवेश का .... करता है। (विरोध / निर्माण)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

16. जनसम्पर्क गतिविधियों के प्रमुख क्षेत्र कौन से हैं? नाम लिखिए।

17. संप्रेषण गतिविधियों के प्रमुख क्षेत्रों के नाम लिखिए।

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

18. संप्रेषण कितने प्रकार के होते हैं, उनके नाम लिखिए।

19. संदेश बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

निबंधात्मक प्रश्न–

20. संप्रेषण गतिविधियों के एक प्रमुख क्षेत्र 'संदेश बनाने' से संबंधित ध्यान रखने योग्य बातों को उल्लेख कीजिए।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं CWSN प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं मॉडल प्रश्न–पत्र

कक्षा–12

विषय : सूचना प्रोद्यौगिकी (IT/ITes)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा–2025–26

कक्षा–12

सूचना प्रौद्योगिकी (IT/ITes)

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–					
प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	प्रायोगिक	पूर्णांक
एकपत्र	3:15	30	20	50	100

भाग–1

Employability skills **10**

Communication skills

Self management skills

Basic ICT skills

Entrepreneurial skills

Green skills

भाग–2

2. Fundamental of ERP (7+7+6=20)
3. Basic of Procurement Policy and BPO's
4. Fundamental of learning

भाग–1

Employability Skills

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनें–

1. इंस्टेंट मैसेजिंग का उदाहरण है ?

(a) Word Pad (b) Excel

(c) WhatsApp (d) Google

2. निम्न में से कौनसा एक सर्च इंजन का नाम है ?

(a) Microsoft (b) IBM

(c) WhatsApp (d) Google

3. वेबपेज के समूह को क्या कहते है ?

(a) वेबग्रुप (b) वेबमीनू

(c) वेबसाइट (d) वेबलॉग

4. निम्न में से कौनसी एक आउटपुट डिवाइस है ?

(a) मॉनिटर (b) माउस

(c) की–बोर्ड (d) यू.पी.एस

5. सॉफ्टवेयर के ग्रुप को क्या कहा जाता है ?

(a) सिस्टम सॉफ्टवेयर (b) पैकेज सॉफ्टवेयर

(c) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (d) यूटिलिटी सॉफ्टवेयर

6. सॉफ्टवेयर कितने प्रकार के होते है ?

(a) दो (b) चार

(c) तीन (d) कोई नहीं

7. सॉफ्टवेयर की श्रेणी में नहीं आता है ?

(a) सॉफ्टवेयर (b) सिस्टम सॉफ्टवेयर

(c) हार्डवेयर (d) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर

8. वायरस एक प्रकार का है ?

(a) प्रोग्राम (b) जीवाणु

(c) उपकरण (d) कोई नहीं

9. पेट्रोल पम्प पर तेल मापने के लिए प्रयुक्त कम्प्यूटर है ?

(a) डिजिटल (b) एनालॉग

(c) मेनफ्रेम (d) सुपर

10. प्राथमिक संग्रहण माध्यम है ?

(a) हार्ड डिस्क (b) मैमोरी

(c) सी.डी. (d) चुम्बकीय टेप

11. कम्प्यूटर का जनक किसे कहा जाता है ?

(a) चार्ल्स बाबेज (b) रदरफोर्ड

(c) आइंसटाइन (d) न्यूटन

12. फाइलें इसमें व्यवस्थित होती है ?

(a) फाइल (b) फोल्डर

(c) मीनू (d) डेटा

13. Which is not a proper method of communication?

(a) Verbal (b) Non-Verbal

(c) Visual (d) Dramatic

14. What does a better body language do ?

(a) Improves health (b) Improves Communication

(c) Improves mind (d) Nothing

15. Which of the following is not good for health ?

(a) Yoga (b) Meditation

(c) Exercise (d) Overeating

16. What is full form of ICT ?

(a) Indian care technology

(b) International care technology

(c) Information communication technology

(d) Indian Customer time

2. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरें–

1. ऑनलाइन मीटिंग करने के लिए .... का उपयोग किया जाता है। (कैलेंडर / वॉच)

2. LAN का पूरा नाम .... है। (लोकल एरिया नेटवर्क / लेटेस्ट एरिया नेटवर्क)

3. WWW का पूरा नाम .... है । (वर्ल्ड वाइड वेब / वर्ल्ड वेब वेब)

4. नेटवर्क के नेटवर्क को .... कहते है। (इन्टरनेट / कम्प्यूटर)

5. Full form of C.V. is _____________ (Curriculum Vitae / Curriculum Vertex)

6. RDBMS की Full form ------------------------- है । (Relational Databse Management System / Rotational Database Management System)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए–

1. WAN का पूरा नाम क्या है ?
2. Internet क्या है ?
3. ALU का पूरा नाम क्या है ?
4. ROM का पूरा नाम क्या है ?
5. दो Output युक्तियों का नाम बताइये ?
6. Computer का शाब्दिक अर्थ क्या होता है ?
7. 1 Byte में कितने Bits होते हैं ?
8. Software कितने प्रकार के होते है ?
8. फोल्डर क्या होता है ?
10. ऑपरेटिंग सिस्टम को परिभाषित कीजिए।
11. भारत में तीन इन्टरनेट सेवा प्रदाताओं के नाम बताइये।
12. बैकअप क्या होता है ?
13. कैश मेमोरी के बारे में समझाइए।
14. मेमोरी यूनिट को समझाइए।
15. मेमोरी किससे बनी होती है ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो पंक्ति में दीजिए।

1. Word file को Open और Exit करने की प्रक्रिया लिखिए।
2. Software Package क्या होते है ?

5. एक पृष्ठ में उत्तर दीजिए–

1. CPU का ब्लॉक डाइग्राम बनाए एवं विभिन्न भागों को समझाइए।

6. सही वाक्य के सामने (√) एवं गलत वाक्य के सामने (x) का निशान लगाए–

1. मेमोरी सेमीकंडक्टर से बनी होती है।
2. www का पूरा नाम वर्ल्ड वेब वेब है।
3. फाइलों के समूह को फोल्डर कहते हैं।

भाग–2

Unit-1

Fundamental of ERP

1. सही विकल्प का चयन करें–

1. ERP सिस्टम का हृदय किसे कहा जाता है ?

(a) सूचना (b) कर्मचारी

(c) कस्टमर (d) डाटाबेस

2. एक सही ERP सोल्यूशन की क्या क्वालिटी होती है ?

(a) वह फ्लैक्सिबल होता है। (b) वह मोड्यूलर और बंद होता है।

(c) किसी भी कंपनी में काम करने योग्य होता है।

(d) उपर्युक्त सभी

3. ऐसे सॉफ्टवेयर दो या दो से ज्यादा सॉफ्टवेयर के बीच रहकर कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं, वे कहलाते हैं ?

(a) मिडलवेयर (b) ऑटोमेटिक बिजनिस प्रोसेस

(d) C- Business (d) उपर्युक्त सभी

4. SCM सिस्टम के प्राइमरी यूजर है ?

(a) सेल्स (b) मार्केटिंग एण्ड कस्टरम सर्विस

(d) कस्टमर, Reseller, Partner, Supplier and distributer

(d) कोई नहीं

5. कौनसा सिस्टम Employee की Info को ग्राफिक फोर्मेट में रखता है ?

(a) Employee Master Data (b) Personal Administration

(c) Payroll Account (d) Benefits Administration

6. कौनसा Module liquidation Process की जांच करता है ?

(a) Market Management Module (b) Liquidation Module

(c) Treasury Module (d) Enterprise Management Module

7. ETO का मतलब है ?

(a) इंजीनियर–टू–ऑर्डर (b) इंजीनियर–टू–ऑफर

(c) एन्टरप्राइज–टू–ऑर्डर (d) एन्टरप्राइज–टू–ऑफर

8. कोई भी कंपनी अपनी इम्पलीटेशन टीम से संचार करने के लिए किसका उपयोग करती हैं?

(a) Liaison Officer (b) Project Supervisor

(c) Project Manager (d) Implementation Co-ordinator

9. CRM सॉफ्टवेयर पर चलने वाला सॉफ्टवेयर है ?

(a) Unix (b) Windows NT

(c) Windows Vista (d) Windows XP

10. इन वर्षों में CRM किसका प्राइमरी कॉन्सेप्ट बन चुका है ?

(a) ERP Vendro (b) ERP सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन

(c) सॉफ्टवेयर (d) CRM सॉल्यूशन

2. एक पंक्ति में उत्तर दीजिए एवं रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

1. ....Production Management & Control का फण्डामेन्टल कॉन्सेप्ट है ?
2. ERP पैकेट का उपयोग मैन्यूफेक्चर कंपनी किस वर्ष में करने लगी ?
3. EIS का पूरा नाम है ?
4. DSS किस प्रकार का स्ट्रक्चर है ?
5. RFP का पूरा नाम है ?
6. ERP सिस्टम को इंस्टॉल .... किस प्रकार की प्रोसेस है ?

3. निम्न प्रश्नों के उत्तर दो पंक्तियों में दीजिए–

1. बिजनेस कंसल्टेंट का उपयोग करने में आने वाली कठिनाईयों कौनसी हैं ?
2. किसी भी पैकेज की महत्वपूर्ण खूबियाँ होती है ?
3. किसी भी सिस्टम के Isolation में काम करने की हानियाँ बताइये।

4. दो पृष्ठों में उत्तर दीजिए–

1. ERP के बारे में विस्तृत रूप में समझाइए।

5. सही वाक्य के सामने (√) एवं गलत वाक्य के सामने (x) का निशान लगाए–

1. एक सही ERP सॉल्यूशन की क्वालिटी उसका फ्लैक्सिबल होना होता है।
2. किसी भी सॉफ्टवेयर पैकेज की महत्वपूर्ण खूबी उसका ग्लोबल होना होता है।
3. समान प्रकार के सॉफ्टवेयर एक साथ सॉफ्टवेयर पैकेज कहलाते है।

Unit-2 Basic of Procurement Policy and BPO's

1. निम्न प्रश्नों के सही विकल्प का चयन करें।

1. बिजेनेस बायर (Buyer) सभी फायदें और कीमत को किसमें बदलता है ?

(a) कोर्पोरेट टर्म | (b) Monetary term
(c) Approving term | (d) influencing term

2. Perceived कीमत और Perceived फायदें का उत्तर क्या कहलाता है ?

(a) Buyer's incentive | (b) Seller's incentive
(c) Co-orporate incentive | (d) Competition's incentive

3. किसी भी बिजिनेस बायर की इकोनोमिक, सोशल, टेक्निकल टर्म को मिलाकर क्या कहा जाता है ?

(a) Highest benefit package | (b) Lowest benefits package
(c) Medium benefit package | (d) Initiating benefit package

4. Price sensitive market में Price का निर्णय करने में किस Strategy का उपयोग किया जाता है ?

(a) Market Penetation Pricing | (b) Market Skimming Pricing
(c) Quality leadership pricing | (d) Push pricing stratecy

5. EMD की Full form क्या है ?

(a) Earnest money deposit | (b) Eligible money deposited
(c) Earnest money drawal | (d) Early money drawal

6. Goods and reserves में Goods का मतलब होता है ?

(a) Livestock | (b) फर्नीचर
(c) Industrial Plants | (d) Books, Publications, Periodicals etc. for a binary

7. ATI का मतलब होता है ?

(a) Additional tender invited | (b) Advertised tender invited
(c) Advertised tender enquiry | (d) Advertised timely enquiry

8. निम्न में से कौनसे tender document के फीचर्स हैं ?

(a) User friendly | (b) Relevent to the objective of the purchage
(c) Self-controlled | (d) All of above

9. GFR-17 के किस रूल में Public buying के Fundamental principles दिए गए है ?

(a) Rule 137 | (b) Rule 122
(c) Rule 144 | (d) Rule 119

10. किसी भी सामान की Supply tender/ bid बनाकर करना क्या कहलाता है ?

(a) Tender (b) Bidder

(c) Either (a) or (b) (d) Quotes

2. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए–

1. संविधान के किस अनुच्छेद में Procurement governing के legal frame work को बताया गया है ?
2. जब कोई कार्य पूरा होकर Certified हो जाता है तो उसे क्या कहा जाता है ?
3. Bid Pretest क्या होता है ?
4. Lump sum को समझाइए ?
5. Cost reimbursable control और Cost plus contract में क्या relation होता है ?
6. कॉन्ट्रेक्ट किस Cycle के बाद पूरा माना जाता है?

3. निम्न प्रश्नों के उत्तर दो पंक्तियों में दीजिए–

1. Past-award phase क्या होता है ?
2. 5R purchasing में 5R क्या होते हैं ?
3. Purchase order form किसके द्वारा डिजाइन किया जाता है ?

4. निम्न प्रश्न का उत्तर एक पृष्ठ में दीजिए–

1. Business process outsourcing क्या है, इसके उपयोग के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में बताइये।

5. सही वाक्य के सामने (√) एवं गलत वाकय के सामने (x) का निशान लगाए–

1. Perceived कीमत और Perceived फायदें का उत्तर Buyer's incentive कहलाता है।

Unit-3 Fundamental of learning

1. सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. Learning objective means ?

   (a) Learning experience (b) Concise Outcomes

   (c) Academic Achievement (d) Intended learning outcomes

2. Teaching learning process is a journey from –

   (a) Concrete to abstract (b) Known to unknown

   (c) Simple to complex (d) All of above

3. Learning is a continuous process of –

   (a) Adolescence to death (b) Childhood to old age

   (c) Infancy to adulthood (d) Cradle to grave

4. Learning may be-

   (a) Formal (b) Informal

   (c) Formal and informal (d) None of the above

5. In teaching learning places which of the following are dependent variables.

   (a) Students (b) Principles

   (c) Teachers (d) Parents

6. यदि आप विद्यार्थी में team work और co-orporates की quality लाना चाहते हैं तो आप कौनसी activity करवाएंगें ?

   a) Art (b) Debate

   (c) Project work (d) Quiz

7. विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के लिए किसकी जरूरत होती है ?

   (a) Learning Style (b) Personality

   (c) Socio-Culture background (d) All of above

8. Learning के मुख्यतः कितने Type होते हैं ?

   (a) 1 (b) 2

   (c) 3 (d) 4

9. निम्न में से कौन–सा Learning का प्रकार नहीं है ?

   (a) लिखित (b) मौखिक

   (c) देखकर (d) सूंघकर

10. According to plaget, the record stage of cognitive development?

(a) Sensonation stage (b) Formal operational stage

(c) Pre-operational stage (d) Concrete operational stage

2. एक पंक्ति में उत्तर दीजिए–

1. Theory of Reinforcement किसे कहा जाता है ?
2. Theory of cognitive development किसके द्वारा दी गई ?
3. Insightful theory of learning किसके द्वारा दी गई है ?
4. Modern learning theory के जनक किसे कहा जाता है ?
5. Moral development किसके द्वारा define किया गया ?
6. Piaget के अनुसार Learning के लिए क्या–क्या जरूरी है ?

3. दो पंक्ति में उत्तर दीजिए–

1. Cognitive development क्या हैं ?
2. Theory of reinforcement को कैसे जाना जाता है ?
3. Learning theory देने वाले 3 लोगों के नाम लिखिए।

4. एक पृष्ठ में उत्तर दीजिए–

1. Fundamental of learning के बारे में विस्तृत रूप से समझाइए एवं इसके विभिन्न शोधकर्ताओं की theory को बताइये।

5. सही वाक्य के सामने (√) एवं गलत वाकय के सामने (x) का निशान लगाए–

1. Piaget के अनुसार Learning के लिए शिक्षार्थी द्वारा वातावरण की सक्रिय खोज जरूरी नहीं है।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : माईक्रो–इरिगेशन (**Mit/Agriculture**)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम–2025–26

कक्षा–12

विषय – माइक्रोइरिगेशन

इस विषय की परीक्षा निम्नानुसार है–

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–					
प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	प्रायोगिक परीक्षा	पूर्णांक
एकपत्र	3:15	30	20	50	100

भाग–1

Employability skills **10**

Communication skills

Self management skills

Basic ICT skills

Entrepreneurial skills

Green skills

भाग–2

20

इकाई–1

1. सूख्म सिंचाई प्रणाली का परिचय।

इकाई–2

2. सिप्रंकलर (छिड़काव) सिंचाई प्रणाली की स्थापना

इकाई–3

3. सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का संचालन और रख–रखाव

भाग–1

Employability Skills

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनें–

1. इंस्टेंट मैसेजिंग का उदाहरण है ?

(a) Word Pad (b) Excel

(c) WhatsApp (d) Google

2. निम्न में से कौनसा एक सर्च इंजन का नाम है ?

(a) Microsoft (b) IBM

(c) WhatsApp (d) Google

3. वेबपेज के समूह को क्या कहते है ?

(a) वेबग्रुप (b) वेबमीनू

(c) वेबसाइट (d) वेबलॉग

4. निम्न में से कौनसी एक आउटपुट डिवाइस है ?

(a) मॉनिटर (b) माउस

(c) की–बोर्ड (d) यू.पी.एस

5. सॉफ्टवेयर के ग्रुप को क्या कहा जाता है ?

(a) सिस्टम सॉफ्टवेयर (b) पैकेज सॉफ्टवेयर

(c) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (d) यूटिलिटी सॉफ्टवेयर

6. सॉफ्टवेयर कितने प्रकार के होते है ?

(a) दो (b) चार

(c) तीन (d) कोई नहीं

7. सॉफ्टवेयर की श्रेणी में नहीं आता है ?

(a) सॉफ्टवेयर (b) सिस्टम सॉफ्टवेयर

(c) हार्डवेयर (d) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर

8. वायरस एक प्रकार का है ?

(a) प्रोग्राम (b) जीवाणु

(c) उपकरण (d) कोई नहीं

9. पेट्रोल पम्प पर तेल मापने के लिए प्रयुक्त कम्प्यूटर है ?

(a) डिजिटल (b) एनालॉग

(c) मेनफ्रेम (d) सुपर

10. प्राथमिक संग्रहण माध्यम है ?

(a) हार्ड डिस्क (b) मैमोरी

(c) सी.डी. (d) चुम्बकीय टेप

11. कम्प्यूटर का जनक किसे कहा जाता है ?

(a) चार्ल्स बाबेज (b) रदरफोर्ड

(c) आइंसटाइन (d) न्यूटन

12. फाइलें इसमें व्यवस्थित होती है ?

(a) फाइल (b) फोल्डर

(c) मीनू (d) डेटा

13. Which is not a proper method of communication?

(a) Verbal (b) Non-Verbal

(c) Visual (d) Dramatic

14. What does a better body language do ?

(a) Improves health (b) Improves Communication

(c) Improves mind (d) Nothing

15. Which of the following is not good for health ?

(a) Yoga (b) Meditation

(c) Exercise (d) Overeating

16. What is full form of ICT ?

(a) Indian care technology

(b) International care technology

(c) Information communication technology

(d) Indian Customer time

2. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरें–

1. ऑनलाइन मीटिंग करने के लिए .... का उपयोग किया जाता है। (कैलेंडर / वॉच)

2. LAN का पूरा नाम .... है। (लोकल एरिया नेटवर्क / लेटेस्ट एरिया नेटवर्क)

3. WWW का पूरा नाम .... है । (वर्ल्ड वाइड वेब / वर्ल्ड वेब वेब)

4. नेटवर्क के नेटवर्क को .... कहते है। (इन्टरनेट / कम्प्यूटर)

5. Full form of C.V. is ______________ (Curriculum Vitae / Curriculum Vertex)

6. RDBMS की Full form ------------------------- है । (Relational Databse Management System / Rotational Database Management System)

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए–**

1. WAN का पूरा नाम क्या है ?
2. Internet क्या है ?
3. ALU का पूरा नाम क्या है ?
4. ROM का पूरा नाम क्या है ?
5. दो Output युक्तियों का नाम बताइये ?
6. Computer का शाब्दिक अर्थ क्या होता है ?
7. 1 Byte में कितने Bits होते हैं ?
8. Software कितने प्रकार के होते है ?
8. फोल्डर क्या होता है ?
10. ऑपरेटिंग सिस्टम को परिभाषित कीजिए।
11. भारत में तीन इन्टरनेट सेवा प्रदाताओं के नाम बताइये।
12. बैकअप क्या होता है ?
13. कैश मेमोरी के बारे में समझाइए।
14. मेमोरी यूनिट को समझाइए।
15. मेमोरी किससे बनी होती है ?

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो पंक्ति में दीजिए।**

1. Word file को Open और Exit करने की प्रक्रिया लिखिए।
2. Software Package क्या होते है ?

5. **एक पृष्ठ में उत्तर दीजिए–**

1. CPU का ब्लॉक डाइग्राम बनाए एवं विभिन्न भागों को समझाइए।

6. सही वाक्य के सामने (√) एवं गलत वाक्य के सामने (x) का निशान लगाए–

1. मेमोरी सेमीकंडक्टर से बनी होती है।
2. www का पूरा नाम वर्ल्ड वेब वेब है।
3. फाइलों के समूह को फोल्डर कहते हैं।

भाग–2

अध्याय–1

सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. ड्रिपइर्रिगेशन तकनीक का जन्म किस देश में हुआ?

    (अ) भारत (ब) चीन

    (स) इजरायल (द) अमेरिका

2. माइक्रो–इर्रिगेशन किसे कहते है?

    (अ) लघु सिंचाई को (ब) विस्तृत सिंचाई को

    (स) मध्य सिंचाई को (द) सूक्ष्म सिंचाई को

3. ड्रिपइर्रिगेशन तकनीक में उपयोगी है–

    (अ)ड्रिपर (ब)पाइप्स

    (स)पम्प (द)सभी

4. ड्रिपइर्रिगेशन तकनीक के पिता किसे कहा जाता है?

    (अ) डॉ. जैकब (ब) सिक्चा विलास

    (स) डॉ. एंडरसन (द) डॉ. प्रकाश

5. ड्रिपइर्रिगेशन सिस्टम सर्वप्रथम किस कंपनी ने बनाया?

    (अ) नेटाकेम (ब) स्किल

    (स) शाइन (द) द इजरायल

6. ड्रिप सिस्टम में जहां से पानी बाहर निकलता है उसे क्या कहते हैं?

    (अ) आमीटर (ब)ई–मीटर

    (स)सी–मीटर (द)डी–मीटर

7. स्प्रिंकलर का उपयोग सर्वप्रथम किस वर्ष हुआ?

    (अ) 1920 (ब) 1930

    (स) 1945 (द) 1960

8. ड्रिप विधि से कितने प्रतिशत पानी की बचत हो सकती है?

    (अ) 20-30 % (ब) 20-50 %

(स) 40-60 %　　　　(द) 80-100 %

9. ड्रिपइर्रिगेशन क्यों उपयोगी है?

(अ) पानी बचाने हेतु　　　　(ब) पानी बहाने हेतु

(स) दोनों　　　　(द) कोई नहीं

10. इर्रिगेशनको हिन्दी शब्द में अनुवाद करें।

(अ) कटाई　　　　(ब) सिंचाई

(स) मढाई　　　　(द) कुटाई

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. .... एमीटर पानी के दबाव को छोटे छिद्रों के माध्यम से नष्ट कर देता है।
2. सूक्ष्म सिंचाई कम करने में मदद करता है .... खपत, खरपतवार, मिट्टी का क्षरण और खेती की कुली लागत है।
3. .... सिंचाई प्रणाली का उपयोग हवा के दिनों और विभिन्न भूमि संचालन के दौरान किया जा सकता है।
4. सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में .... नली तंत्र के माध्यम पानी से लगाया जाता है।
5. .... मिट्टी में पानी की कम भंडारण क्षमता और उच्च समावेश दर है।
6. मजबूत .... स्प्रिंकलर द्वारा पानी के छिड़काव में बाधा डाल सकता है।
7. यदि सिंचाई के पानी में .... होती है, तो सतही सिंचाई को प्राथमिकता दी जाती है।

निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द/पंक्ति में दीजिये।

11. इर्रिगेशनकिसे कहते है?
12. इर्रिगेशनक्यों आवश्यक है?
13. इर्रिगेशनके लाभ बताइये।
14. इर्रिगेशनकी हानि बताइये।

15. इर्रिगेशनके उद्देश्य बताइये।

16. ड्रिपइर्रिगेशन किसे कहते है?

17. ड्रिपइर्रिगेशन कैसे स्थान पर लगाया जाता है?

18 ड्रिप इर्रिगेशन की नींव कैसी होती है?

19. ड्रिपइर्रिगेशन की आवश्यकता क्यों पड़ी?

20. ड्रिपइर्रिगेशन के लाभ बताइये।

21. ड्रिपइर्रिगेशन की 2 हानियां बताऐं।

22. ड्रिपइर्रिगेशन के 2 उद्देश्य लिखें।

23. ड्रिपर्स किसे कहते हैं?

24. ई–मीटर से क्या तात्पर्य है?

25. स्प्रिंकलर किसे कहते है?

26. स्प्रिंकलर का चित्र बनाइये।

27. ड्रिप विधि किन फसलों में उपयोगी है?

28. बौछार सिंचाई का अर्थ समझाइये।

निम्न प्रश्नों के उत्तर 2 से 4 पंक्तियों में दीजिये।

29. ड्रिपइर्रिगेशन राजस्थान में अति आवश्यक है। क्यों?

30. ड्रिपइर्रिगेशन विधि का संपूर्ण चित्र बनाइये।

31. ड्रिपइर्रिगेशन का महत्व स्पष्ट करें।

32. ड्रिपइर्रिगेशन में ई–मीटर का क्या महत्व है?

33. डॉ. सिम्चा विलास का ड्रिप इर्रिगेशन पद्धति में क्या योगदान है?

निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग आधा पृष्ट में देंवे–

34. बौछार विधि को स्पष्ट करें।

35. स्प्रिंकलर किस प्रकार कार्य करता है, स्पष्ट करें।

    अथवा

    सामान्य सिंचाई के उद्देश्य स्पष्ट करें।

अध्याय–2

सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की रूपरेखा और नक्शा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में कितनी मूल इकाईयां शामिल है–

   (अ) 2 (ब)3

   (स)4 (द)5

2. पम्प क्या है?

   (अ) यांत्रिक उपकरण (ब) विद्युत उपकरण

   (स) कार्बनिक उपकरण (द) इनमें से कोई नहीं

3. सबमर्सिबल पम्प किस प्रकार का पम्प है?

   (अ) सेट्रीफ्यूबल टरबाइन (ब)सेमीक्यूबल

   (स)सेमीक्यूल (द) उपरोक्त सभी

4. अगर पम्प पानी नहीं दे रहा है तो–

   (अ) पम्प ठीक नहीं है (ब) गति कम है

   (स) डिस्चार्ज हेड बहुत ऊंचा है (द) उपरोक्त सभी

5. पम्प पर्याप्त दबाव नहीं दे रहा है तो–

   (अ) रोटेशन गलत दिशा में है (ब) इम्पेलर व्यास छोटा है

   (स) उपरोक्त दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

6. फव्वारा प्रणाली को कितने भागों में बांटा गया है?

   (अ) 2 (ब) 4

   (स) 6 (द) 8

7. आमतौर पर लेटरल का व्यास होता है?

   (अ) 100-125mm (ब) 200-225mm

   (स) 150-200mm (द) 100-200mm

8. रेनगन स्प्रिंकलर कितनी दूरी तक पानी फेंक सकता है?

   (अ) 40–50 मी. (ब) 30–40 मी.

   (स) 10–20 मी. (द) 50–80 मी.

9. मुख्य पाइप लाईन की आउटलेट में कौनसा पाईप जोडा जाता है।

(अ) PVC पाईप (ब) H.D.P.E. पाइप

(स) प्लास्टिक पाइप (द) रबर पाइप

10. कितने घंटो बाद रेनगन एक स्थान से दूसरे स्थान पर सिंचाई हेतु लाया जा सकता है?

(अ) 1 घंटे बाद (ब) 2 से ढाई धंटे बाद

(स) 3 से 4 घंटे बाद (द) 4 से 6 घंटे बाद

रिक्त स्थान की पूर्ति करें–

1. पीवीसी का पूर्ण रूप है .... विनाइल क्लोराइड (पाली/टोली)
2. एचडीपीई का पूर्ण रूप है उच्च .... पॉलीथीन। (घनत्व/सक्रिय)
3. एलएलडीपीई का पूर्ण रूप .... कम घनत्व पॉलीथीन है। (रैखिक/सरल)
4. पंप एक .... यंत्र है, जो दबाव के साथ पानी को एक स्तर से दूसरे स्तर तक ले जाता है। (यांत्रिक/भौतिक)
5. पंप एक .... मोअर या आंतरिक दहन इंजन द्वारा संचालित किया जा सकता है। (ऊर्जा/रेखा)

निम्न प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दें–

11. रोटरी पम्प किसे कहते हैं?
12. सकारात्मक विस्थापन किसे कहते है?
13. सेंट्रक्यूगल पम्प को स्पष्ट करें।
14. सबमर्सिबलपम्प किसे कहते है?
15. पम्प के प्रकारों के नाम लिखिये।
16. पम्प का कार्य लिखिये।
17. पम्प किस प्रकार कार्य करता है?
18. सकारात्मक विस्थापन पम्प को स्पष्ट करें।
19. रोटरी टाइप पम्प को स्पष्ट करें।
20. रेसीप्रोकेटिंगपम्प के कार्य लिखें।
21. रैखिक सकारात्मक पम्प किसे कहते है?

22. परिवर्तनीय निर्वहन पम्प को स्पष्ट करें।
23. सबमर्सिबलपम्प का चित्र बनायें।
24. पम्प का सूक्ष्म सिंचाई में 2 योगदान लिखें।
25. सूक्ष्म सिंचाई क्यों आवश्यक है?
26. स्प्रिंकलर के 2 प्रकारों के नाम लिखिये।
27 फुहारा सिंचाई किसे कहते है?
28. ड्रिपइर्रिगेशन की आवश्यकता बताऐं।
29. पानी की कमी होने पर कैसी सिंचाई करनी चाहिए?
30. रेनगन स्प्रिंकलर की 2 हानि लिखिये।

निम्न प्रश्नों के उत्तर 2 से 4 पंक्तियों में देवें–

31. फुहारा सिंचाई का चित्र बनाइये।
32. ड्रिपइर्रिगेशन सिस्टम का चित्र बनायें।
33. सीधी सिंचाई की क्या हानियां होती है?
34. सिंचाई क्यों जरूरी है?
35. पम्प का रखरखाव कैसे किया जाता है?

निम्न प्रश्नों के उत्तर आधा पृष्ठ में दीजिये–

36. सेंट्रक्यूगल पम्प की स्थापना कैसे की जाती है?
37. पम्प के आरेख का चित्र बनायें व उसके भागों के नाम लिखे।

अथवा

एक खेत पर जाकर सूक्ष्म सिंचाई स्थापना पम्प का कार्य लिखें।

अध्याय–3

बूंद–बूंद सिंचाई प्रणाली के घटक

निम्न में से सही विकल्प छांटिये।

1. सूक्ष्म सिंचाई किस प्रकार की सिंचाई प्रणाली है?

(अ)खिचाव (ब) दबाव

(स) अधिक दबाव (द) सभी

2. पानी का दबाव कैसे बनाया जाता है?

(अ) पंपिंग इकाई से (ब) सामान्य इकाई से

(स) अधिक दबाव से (द) कम दबाव से

3. सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में पानी कैसे छेदों से वितरित किया जाता है?

(अ) बड़े छेदों से (ब) छोटे छेदों से

(स) मध्यम छेदों से (द) सभी

4. हैड कंट्रोल इकाई के सहायक उपकरणों के नाम लिखिये–

(अ)पम्प (ब)एयर रिलीज वॉल्व

(स)प्रेशर गेज (द)सभी

5. सिंचाई वाटर पम्प का कार्य बतायें–

(अ) पम्प को पानी का दबाव बनाने (ब) पानी का दबाव घटाने

(स)पानी दबाव अधिक करने (द)पानी खत्म करने

6. बाईपासवॉल्व किस काम आता है?

(अ) पानी अंयत्र सप्लाई करने (ब) पानी रोकने

(स) पानी की गति नियंत्रित करने (द) इनमें से कोई नहीं

7. नॉन रिटर्न वॉल्व किसे कहा जाता है?

(अ)बाईपास वॉल्व को (ब)सिंचाई पम्प को

(स)चेक वॉल्व को (द)एयर रिलीज वॉल्व को

8. फिल्टर का कार्य बतायें–

(अ) पानी को अशुद्ध करना (ब) पानी को फैलने से रोकना

(स) पानी को बांधना (द) पानी को शुद्ध करना

9. ग्रैवेल का अनुमानित व्यास होता है–

(अ) 1.5-4 mm (ब)3-4 mm

(स)4-6mm (द)6-8 mm

10. प्री फिल्टर किसे कहते है–

(अ) सेंट्रीफ्यूगल किल्टर (ब) सेंट्रीफ्यूगल पम्प

(स) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

रिक्त स्थानों को भरे–

1. ड्रिप सिंचाई प्रणाली अधिक दबाव और .... से कमजोर होती है, ये दोनों प्रणाली के टिकाउपन एवं कार्यक्षमता को कम कर सकते है। (अवरोधक/सुचारू)
2. दबाव में सिस्टम फ्लाशिंग फ्लश खोलने की एक प्रक्रिया है .... मेन लाइन, सब मेन या लेटरल लाइन पर। (वाल्व/छिद्र)
3. फ्लशिंग पाइपलाइन एवं ड्रिपर लाइन में पानी के .... को अंदर बढ़ता है, जो दूषित पदार्थों को दीवार या विशिष्ट इमिटर से दूर करता है। (वेग/धीमा)
4. रेगुलेटिंग वॉल्व पर .... परिष्कृत वेग को हासिल के लिए बढ़ाया जाता है, तथापि यह ध्यान रखना चाहिए इमिटर लाइन व टेक ऑफ एडापटर्स के दबाव को फटने के हद तक नहीं बढ़ाना चाहिए। (दबाव/उठाव)

निम्न प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिये।

11. स्क्रीन फिल्टर किसे कहते है?
12. ग्रेवेल के कार्य बताइये।
13. एयर रिलीज वॉल्व के 2 कार्य लिखें।
14. डिस्क फिल्टर किसे कहते है?
15. प्रेशर गेज क्या है?
16. फर्टिगेशन किसे कहते है?
17. स्विंग चेक को स्पष्ट करें।
18. डिस्क फिल्टर के कार्य लिखें।
19. फिल्टर के 2 लाभ लिखें।

20. दबाव गेज का क्या उपयोग है?

21. नॉन रिटर्न वॉल्व की सूची बनाइये।

22. उर्वरक टैंक क्या है?

23. उर्वरक टैंक के 2 उपयोग लिखें।

24. वेंचुरी किसे कहते हैं?

25. पिस्टनपम्प को स्पष्ट करें।

26. उर्वरक टैंक का चित्र बनायें।

27. वेंचुरी का चित्र बनाइये।

28. प्रेशर गेज का चित्र बनायें।

29.. हाइड्रो साइक्लोन फिल्टर किसे कहते है?

30. रेतफिल्टर को स्पष्ट करें।

निम्नप्रश्नों के उत्तर 2–4 लाइनों में दीजिये–

31. नॉन रिटर्न वॉल्व को स्पष्ट करें।

32. PVC पाइप को स्पष्ट करें।

33. HDPE पाइप के कार्य लिखें।

34. पाइप नेटवर्क क्यों लगाया जाता है?

35. मुख्य पाइप के कार्य लिखें।

निम्न प्रश्नों के उत्तर आधा पृष्ठ में दीजिये–

36. सैण्ड(रेत) फिल्टर को चित्र सहित स्पष्ट करें।

37. स्क्रीन फिल्टर को चित्र सहित स्पष्ट करें।

अध्याय– 4 व 5

स्प्रिंकलर व बूंद–बूंद सिंचाई प्रणाली की स्थापना के लिए उपकरण और सामग्री

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. ड्रिप सिंचाई उत्सर्जन उपकरणों में शामिल है–

   (अ) उत्सर्जक (ब) एमीटर्स

   (स) ड्रिपर (द) सभी

2. अमीटर कितने प्रकार के होते हैं?

   (अ)2 (ब)3

   (स)4 (द)6

3. डिस्क स्रोत एमीटर्स में शामिल है?

   (अ) सूक्ष्म छिडकाव (ब)माइक्रो स्प्रेयर

   (स)बल्वलर (द) सभी

4. इनलाइन ड्रिपर किस प्रकार जुड़े रहते है–

   (अ)पंक्ति के साथ (ब)पंक्ति में

   (स) पंक्ति के अंदर (द)पंक्ति के ऊपर

5. ड्रिप टेप क्या है?

   (अ) इंटीग्रल ड्रिप (ब) ऐंटीग्रल ड्रिप

   (स) इनमें से कोई नहीं (द) सभी

6. ड्रिप टेप का संचालन दबाव कितना होता है?

   (अ)0.6-0.115 kg/वर्ग cm (ब)0.6-1.15 kg/वर्ग cm

   (स)0.10-0.11 kg/वर्ग cm (द)0.8-0.10 kg/वर्ग cm

7. ड्रिप टेप गाढ़ा जाता है?

   (अ)मिट्टी के ऊपर (ब)मिट्टी के नीचे

   (स)पत्थरों पर (द)पानी में

8. ड्रिपर्स का उपयोग है–

   (अ) पानी को रोकना (ब) पानी को बहाना

   (स) पानी को बूंदों में बदलना (द) सभी

9. पोरस पाइप का आकार होता है–

(अ) 10 mm (ब) 16 mm

(स) 20 mm (द) 18 mm

10. पोरस पाइप है–

(अ) लचीली नली (ब) कठोर नली

(स) फाइबर नली (द) सभी

निम्न के उत्तर एक पंक्ति में दीजिये–

11. उत्सर्जन किसे कहते हैं?
12. उत्सर्जन के 2 लाभ लिखो।
13. उपकरण से आप क्या समझते हैं?
14. 2 कृषि उपकरणों के नाम लिखो।
15. अमीटर को ज्ञात करें।
16. अमीटर के 2 लाभ लिखें।
17. ऑनलाईन ड्रिपर्स को स्पष्ट करें।
18. टेक ऑफ सह लेटरल क्रेट्रोल वाल्व का चित्र बनाये।
19. ड्रिप टेप को स्पष्ट करें।
20. एमीटर प्लेसमेंट किसे कहते हैं?
21. HDPE पाईप का चित्र बनायें।
22. स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली के 2 मूल अवयवों के नाम लिखो।
23. पाइप नेटवर्क कितने प्रकार का होता है?
24. क्रप्लर को स्पष्ट करें।
25. स्प्रिंकलर के अन्य सहायक अवयवों के नाम लिखो।
26. सूक्ष्म सिंचाई स्थापना की रूपरेखा कैसी होनी चाहिये?
27. ड्रिपइर्रिगेशन की 2 हानि लिखिये।
28. ड्रिपइर्रिगेशन का डिजाइन कैसे तैयार करते हैं?
29. ड्रिपइर्रिगेशन डिजान के 2 फायदे लिखो।
30. ड्रिपइर्रिगेशन का डिजाइन बनाने की आवश्यकता पर बल दीजिये।

निम्न प्रश्नों के उत्तर 2 से 4 पंक्तियों में देवे।

31. ड्रिपइर्रिगेशन क्यों लाभदायक है?
32. पहाड़ी क्षेत्रों में ड्रिप इर्रिगेशन सिस्टम क्यों नहीं लगाया जाता है?
33. ड्रिपइर्रिगेशन हेतु कैसी जगह का चुनाव किया जाता है?
34. ड्रिपइर्रिगेशन किन–किन फसलों में लगाया जा सकता है?
35. ड्रिपइर्रिगेशन के 2 लाभ व 2 हानियां लिखे।

निम्न प्रश्नों के उत्तर आधा पृष्ठ में दीजिये–

37. ड्रिपइर्रिगेशन सिस्टम का इस्टॉलेशन कैसे किया जाता है?
38. ड्रिपइर्रिगेशन सिस्टम की पूर्व रूपरेखा तैयार कीजिये।

अध्याय– 6 व 7

स्प्रिंकलर व बूंद–बूंद सिंचाई प्रणाली का संचालन एवं रख–रखाव

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. ड्रिप प्रणाली सुविधा प्रदान करती है–

(अ) तरल उर्वकों को (ब) ठोस उर्वरकों को

(स) गैसीय उर्वरकों को (द) कार्बनिक योगिकों को

2. ड्रिप प्रणाली के द्वारा पौधे के किस भाग में पानी पहुंचाया जाता है?

(अ) मूल में (ब) टहनी पर

(स) जड़ में (द) बने पर

3. फर्टीगेशन कितने प्रकार का होता है?

(अ) 2 (ब) 4

(स) 6 (द) 8

4. फर्टिगेशन यूनिट कितने प्रकार की होती है?

(अ) 3 (ब) 4

(स) 5 (द) 6

5. उर्वरक इंजेक्शन पम्प आधारित होते हैं।

(अ) ऊर्जा स्रोत पर (ब) कोयला पर

(स) अग्नि पर (द) इनमें से कोई नहीं

6. ड्रिपर्स को कैसे साफ किया जाता है?

(अ) खोलकर (ब) बंद करके

(स) उखाड़ कर (द) उपरोक्त सभी

7. आर्म न हिलने पर क्या करना चाहिये?

(अ) गन में दबाव की जांच करें

(ब) जांच ले कि स्पून टूटी तो नहीं

(स) जांचे कि आर्म का झुकाव तो नहीं है

(द) उपरोक्त सभी

8. विद्युत मोटर को सुरक्षित रखना चाहिये–

(अ) धूल से (ब) नमी से

(स) चूहों से (द) सभी से

9. बैकवाशवॉल्व कब खोला जाता है?

(अ) सैण्ड फिल्टर में बर्फ जमने पर

(ब) फिल्टर में कचरा आने पर

(स) फिल्टर टूटने पर

(द) फिल्टर चटकने पर

10. सूक्ष्म सिंचाई में उपयोगी नहीं है–

(अ) स्प्रिंकलर (ब) ड्रिपर

(स) आमीटर (द) नहर

निम्न के उत्तर एक पंक्ति में दीजिये–

11. यूनिट से क्या तात्पर्य है?
12. फर्टिगेशन किसे कहते है?
13. फर्टिगेशन के प्रकारों के नाम लिखों।
14. उर्वरक टैंक को स्पष्ट करें।
15. उर्वरक टैंक के 2 कार्य लिखो।
16. वेंचुरी इंजेक्टर किसे कहते है?
17. उर्वरक इंजेक्शन पम्प के 2 कार्य लिखें।
18. प्रजनन इकाई किसे कहते है?
19. मात्रात्मक फर्टिगेशन किसे कहते हैं?
20. अनुपातिक फर्टिगेशन से आप क्या समझते है?
21. छिड़काव सिंचाई यंत्र का रख–रखाव कैसे करेंगे?
22. उर्वरक टैंक की नींव कैसी होनी चाहिये?
23. लाइन फिल्टर की सफाई कैसे की जाती है?
24. पाइप लाइनों की जांच कैसे करते हैं?
25. पुर्जों का भण्डारण कैसे किया जाता है?

26. स्प्रिंकलर न घूमें, तो क्या करना चाहिये?

27. क्रपलर से रिसाव होने पर उसे कैसे ठीक करेंगे?

28. दैनिक रखरखाव से आप क्या समझते है?

29. पॉपअप प्रणाली का रख–रखाव कैसे किया जाता है?

30. रेनगन स्प्रिंकलर की सफाई कैसे की जाती है?

निम्न प्रश्नों के उत्तर 2 से 4 पंक्तियों में देवे।

31. माइक्रो स्प्रिंकलर्स का संचालन कैसे किया जाता है?

32. इम्पैक्ट छिडकाव कैसे किया जाता है?

33. छोटे स्प्रिंकलर्स का रखरखाव कैसे किया जाता है?

34. फर्टिगेशन क्यों आवश्यक है?

35. फर्टिगेशन कैसे किया जाता है?

निम्न प्रश्नों के उत्तर आधा पृष्ठ में दीजिये–

36. फर्टिगेशन यूनिट के मुख्य बिन्दुओं का वर्णन करें।

38. सैण्ड फिल्टर का चित्र बनायें। उसका रखरखाव कैसे किया जाता है? स्पष्ट करें।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : राजनीति विज्ञान

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा 2025–26
राजनीति विज्ञान
कक्षा–12
पाठ्यक्रम विभाजन

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	4:15	80	20	100

भाग–क : समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय 1: दो–ध्रुवीयता का अंत 6

सोवियत प्रणाली क्या थी ? गोर्बाचोव और सोवियत संघ का विघटन, सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ ? विघटन की परिणतियाँ, साम्यवादी शासन के बाद ''शॉक थेरेपी'', शॉक थेरेपी के परिणाम, संघर्ष और तनाव, पूर्व साम्यवादी देश और भारत।

अध्याय 2: सत्ता के समकालीन केन्द्र 6

यूरापीय संघ, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान), चीनी अर्थव्यवस्था का उत्थान, चीन के साथ भारत के संबंध।

अध्याय 3: समकालीन दक्षिण एशिया 6

क्या है दक्षिण एशिया ? पाकिस्तान में सेना और लोकतंत्र, बांग्लादेश में लोकतंत्र, नेपाल में राजतंत्र और लोकतंत्र, श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतंत्र, भारत–पाकिस्तान संघर्ष, भारत और उसके अन्य पड़ोसी देश शान्ति और सहयोग।

अध्याय 4: अंतर्राष्ट्रीय संगठन 6

हमें अन्तर्राष्ट्रीय संगठन क्यों चाहिए ? संयुक्त राष्ट संघ का विकास, शीतयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार, संयुक्त राष्ट्रसंघ का न्यायाधिकार, संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार और भारत, एक–ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्रसंघ।

अध्याय 5: समकालीन विश्व में सुरक्षा 5

सुरक्षा क्या है ? पारम्परिक धारणा–बाहरी सुरक्षा, पारम्परिक धारणा–आंतरिक सुरक्षा, सुरक्षा के पारम्परिक तरीके, सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा, खतरे के नये स्त्रोत, सहयोगमूलक सुरक्षा, भारत–सुरक्षा की रणनीतियाँ।

अध्याय 6: पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन **5**

वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिंता क्यों ?, विश्व की साझी संपदा की सुरक्षा, साझी परन्त अलग–अलग जिम्मेदारियाँ, साझी संपदा, पर्यावरण के मसले पर भारत का पक्ष, पर्यावरण आंदोलन–एक या अनेक, संसाधनों की भू–राजनीति, मूलवासी और उनके अधिकार।

अध्याय 7: वैश्वीकरण **6**

वैश्वीकरण की अवधारणा, वैश्वीकरण के कारण, वैश्वीकरण के प्रभाव, भारत और वैश्वीकरण, वैश्वीकरण का प्रतिरोध, भारत और वैश्वीकरण का प्रतिरोध।

भाग–ख : स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय 8: राष्ट्र–निर्माण की चुनौतियाँ **5**

नए राष्ट्र की चुनौतियाँ, नये राष्ट्र की चुनौतियाँ, तीन चुनौतियाँ, विभाजन, विस्थापन और पुनर्वास, विभाजन की प्रक्रिया, विभाजन के परिणाम, रजवाड़ों का विलय, सरकार का नजरिया, राज्यों का पुनर्गठन।

अध्याय 9: एक दल के प्रभुत्व का दौर **4**

लोकतंत्र स्थापित करने की चुनौती, पहले तीन चुनावों में कांग्रेस का प्रभुत्व, कांग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति, विक्षी पार्टियों का उद्‌भव।

अध्याय 10: नियोजित विकास की राजनीति **5**

विकास की धारणाएँ, शुरूआती कदम, प्रथम पंचवर्षीय योजना, औद्योगीकरण की तेज रफ्तार, विकेन्द्रीत नियोजन।

अध्याय 11: भारत के विदेश संबंध **5**

अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ, गुटनिरपेक्षता की नीति, चीन के साथ शान्ति और संघर्ष, पाकिस्तान के साथ युद्ध और शान्ति, भारत की परमाणु नीति।

अध्याय 12: कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुर्नस्थापना **5**

राजनीति उत्तराधिकार की चुनौती, चौथा आम चुनाव, 1967, कांग्रेस में विभाजन, 1971 का चुनाव और कांग्रेस का पुनर्स्थापन।

अध्याय 13: लोकतांत्रिक व्यवस्था संकट **5**

आपातकाल की पृष्ठभूमि, आपातकाल की घोषणा, आपातकाल के बाद की राजनीति।

अध्याय 14: क्षेत्रीय आंकाक्षाएँ **5**

क्षेत्र और राष्ट्र, जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब, पूर्वोत्तर, बाहरी लोगों के खिलाफ आन्दोलन, समाहार और राष्ट्रीय अखण्डता।

अध्याय 15: भारतीय राजनीति : नए बदलाव **6**

1990 का दशक, गठबंधन का युग, गठबंधन की राजनीति, अन्य पिछड़ा वर्ग का राजनीतिक उदय, मंडल आयोग, साम्प्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र, एक नयी सहमति का उदय।

विषय सूची

विषयः राजनीति विज्ञान

पाठ	पाठ का नाम
	पार्ट–I
1	दो ध्रुवीयता का अन्त
2	सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र
3	समकालीन दक्षिण एशिया
4	अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
5	समकालीन विश्व में सुरक्षा
6	पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन
7	वैश्वीकरण
	पार्ट–II
8	राष्ट्र–निर्माण की चुनौतियाँ
9	एक दल के प्रभुत्व का दौर
10	नियोजित विकास की राजनीति
11	भारत के विदेश संबंध
12	कांग्रेस प्रणालीः चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना
13	लोकतांत्रिक व्यवस्था संकट
14	क्षेत्रीय आकांक्षाएँ
15	भारतीय राजनीति : नए बदलाव

पार्ट–I

पाठ 1 : दो ध्रुवीयता का अंत

पाठ का सार–

इस अध्याय में दो ध्रुवीयता के अंत के बारे में बताया गया है। ब्लादिमीर लेनिन के नेतृत्व में 1917 में समाजवादी क्रांति हुई, तथा वहाँ सोवियत प्रणाली की स्थापना की। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा। सोवियत संघ में 15 गणराज्य शामिल थे। जोसेफ स्टालिन लेनिन के उत्तराधिकारी थे। इन्होंने सोवियत संघ में औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। खेती के सामूहिकरण पर स्टालिन ने बल दिया। निकिता ख्रुश्चेव 1953–1964 तक सोवियत संघ के राष्ट्रपति रहे। इन्होंने शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का सिद्धान्त अपनाया। ख्रुश्चेव के बाद लिओनिड ब्रेझनेव सोवियत संघ के राष्ट्रपति बने। इन्होंने एशिया की सामूहिक सुरक्षा का सुझाव दिया। अमरिका के साथ तनाव का दौर कम हुआ। सोवियत संघ के अंतिम राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव बने। पेरेस्त्रोइका (पुनर्रचना) और ग्लासनोस्त (खुलेपन) की नीति इनकी थी। सोवियत संघ का विघटन (1991) गोर्बाचेव के समय हुआ। सोवियत संघ के विघटन (1991) के बाद बोरिस येल्तसिन रूस के पहले राष्ट्रपति बने। सोवियत संघ के विघटन, विघटन के परिणामों एवं साम्यवादी शासन के बाद शॉक थेरेपी के बारे में इस अध्याय में अध्ययन किया गया है। अंत में भारत और सोवियत संघ के सम्बन्धों के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में बताया गया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. समाजवादी क्रांति कब हुई ?

   (अ) 1917 में (ब) 1916 में

   (स) 1918 में (द) 1920 में

2. सोवियत संघ कितने गणराज्यों से मिलाकर बनाया गया था ?

   (अ) 15 (ब) 16

   (स) 18 (द) 14

3. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ ?

   (अ) सन् 1991 (ब) सन् 1990

   (स) सन् 1989 (द) सन् 1992

4. सोवियत संघ के विघटन के लिए किस नेता को जिम्मेदार माना गया–

   (अ) निकिता ख्रुश्चेव (ब) स्टालिन

   (स) बोरिस येल्तसिन (द) मिखाइल गोर्बाचेव

5. पूँजीवादी दुनिया और साम्यवादी दुनिया के बीच विभाजन का प्रतीक थी ?

   (अ) बर्लिन की दीवार (ब) चीन की दीवार

   (स) शॉक थैरेपी (द) उपर्युक्त सभी

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–**

1. सोवियत राजनीतिक प्रणाली .... की विचारधारा पर आधारित थी। (पूंजीवाद / समाजवाद)
1. सोवियत संघ के अंतिम राष्ट्रपति .... थे। (बोरिस येल्तसिन / मिखाइल गोर्बाचेव)
2. बर्लिन की दीवार........................खड़ी की गई। (1961 / 1962)

3. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. 'शॉक थेरेपी' को किस वर्ष अपनाया गया ?
2. स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला पहला सोवियत गणराज्य कौन–सा था ?
3. रूसी मुद्रा का क्या नाम है?
4. सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् उसके उत्तराधिकारी गणराज्य का नाम लिखो ?
5. 'एशिया की सामूहिक सुरक्षा का सिद्धान्त किसने दिया ?
6. बाल्टिक गणराज्य में कौन–कौनसे राष्ट्र आते है ?
7. बर्लिन की दीवार किसका प्रतीक थी ?
8. सोवियत संघ ने अफगानिस्तान में कब हस्तक्षेप किया ?

3. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. निम्नलिखित का मिलान कीजिए–

(क) मिखाइल गोर्बाचेव	1. सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
(ख) शॉक थेरेपी	2. सैन्य समझौता
(ग) रूस	3. सुधारों की शुरूआत
(घ) बोरिस येल्तसिन	4. आर्थिक मॉडल
(ड) वारसा	5. रूस के राष्ट्रपति

2. मिखाइल गोर्बाचेव कौन थे ? बताओ।
3. द्वि–ध्रुवीयता से आप क्या समझते है?
3. सोवियत संघ के पतन के दो परिणाम लिखो।
4. दूसरी दुनिया के देश से आपका क्या तात्पर्य है ?

4. **लघूत्तरात्मक प्रश्न**

1. शॉक थैरेपी से आपका क्या तात्पर्य है ? संक्षेप में समझाइए।
2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखो–
   1. ब्लादिमीर लेनिन
   2. जोसेफ स्टालिन
3. सोवियत प्रणाती की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

पाठ 2 : सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र

पाठ का सार–

एक ध्रुवीय विश्व में अमरीका विश्व की एकमात्र महाशक्ति बन गया। इस अध्याय में सत्ता के वैकल्पिक केन्द्रों के बारे में बताया गया है। यूरोपीय संघ, आसियान चीनी अर्थव्यवस्था के उत्थान, जापान एवं दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था के बारे में इस अध्याय में बताया गया है। 1948 में मार्शल योजना के तहत 1948 को यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना की गई। जिसका उद्देश्य पश्चिम यूरोपीय देशों की आर्थिक मदद करना था। 1992 में यूरोपीय संघ की स्थापना हुई, जिसमें यूरोप के देश शामिल है, जिसका उद्देश्य यूरोप के देशों की मदद करना है। यूरोपीय संघ की मुद्रा को यूरो कहा जाता है। यूरोपीय संघ अमरीकी वर्चस्व के लिए चुनौती है।

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के लिए 1967 में आसियान की स्थापना की गई। आसियान में पूर्वी एशिया के 10 देश शामिल है। आसियान के देशों की सुरक्षा और विदेश नीतियों में तालमेल बनाने के लिए 1994 में आसियान क्षेत्रीय मंच (।त्थ्) की स्थापना की गई। भारत ने आसियान देशों के साथ 1991 से लुक ईस्ट और 2014 से एक्ट ईस्ट की नीति अपनायी है।

वर्तमान में चीन की अर्थव्यवस्था में तीव्र उत्थान हुआ है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. किसने खुले द्वार की नीति अपनाई ?

      (अ) चीन (ब) यूरोपीय संघ

      (स) जापान (द) अमेरिका

   2. यूरोपीय संघ की मुद्रा है ?

      (अ) डॉलर (ब) दीनार

      (स) यूरो (द) पौंड

   3. आसियान की स्थापना कब हुई ?

      (अ) 1966 (ब) 1969

      (स) 1967 (द) 1961

   4. 'आसियान क्षेत्रीय मंच (।त्थ्) की स्थापना कब हुई ?

      (अ) 1995 (ब) 1994

      (स) 1997 (द) 1993

   5. जी–7 के सदस्य देशों में एशिया का एकमात्र सदस्य देश कौनसा है?

      (अ) जापान (ब) भारत

      (स) चीन (द) श्रीलंका

6. चीन की साम्यवादी क्रांति कब हुई ?

(अ) दिसम्बर 1948 (ब) जनवरी 1949

(स) अक्टूबर 1949 (द) फरवरी 1950

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. .... योजना के प्रभाव से 1948 में यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना हुई। (मार्शल / ट्रुमैन)

2. सर्वप्रथम खुले द्वार की नीति .... अपनाई। (चीन / अमेरिका)

3. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. यूरोपीय संघ के दो सदस्यों के नाम लिखो जो सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य है ?
2. ARFका पूरा नाम लिखो।
3. आसियान के दो संस्थापक सदस्य देशों के नाम लिखो ?
4. यूरोपीय संघ (EU) के झंड़े में 12 सितारे क्या है ? बताओ।
5. भारत ने पूरब की ओर चलो नीति कब अपनाई ?
6. यूरोपीय आर्थिक समुदाय की स्थापना कब हुई ?
7. वर्तमान में आसियान के सदस्य देशों की संख्या कितनी है ?

4. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. मार्शल योजना क्या थी?
2. आसियान की स्थापना का उद्देश्य मुख्यतः क्या है ?
3. आसियान के सदस्य देश कौन–कौन से है ?
4. सुमेलित कीजिए–

1. आसियान की स्थापना – 1950
2. यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना – 1962
3. भारत चीन युद्ध –1948
4. चीन द्वारा तिब्बत पर कब्जा – 1967

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1 आसियान के मौलिक सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए।

2. भारत–चीन के बीच संघर्ष के मुद्दों पर प्रकाश डालिए।

3. आसियान विजन 2020 की मुख्य–मुख्य बातें क्या है ?

पाठ 3 : समकालीन दक्षिण एशिया

पाठ का सार–

इस अध्याय में समकालीन दक्षिण एशिया के बारे में अध्ययन किया गया है। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान शामिल है। यह क्षेत्र विविधताओं से भरा हुआहै। इस अध्याय में पाकिस्तान में सेना व लोकतंत्र, बांग्लादेश में लोकतंत्र, नेपाल में राजतंत्र व लोकतंत्र, श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतंत्र का अध्ययन किया गया है। साथ ही दक्षिण एशिया के देशों के साथ भारत के सम्बन्धों का अध्ययन किया गया है। भारत–पाकिस्तान में जम्मू–कश्मीर एवं आतंकवाद को लेकर हमेशा तनावपूर्ण स्थिति रहती है। 1960 में जल विवाद के हल हेतु विश्व बैंक की मदद से भारत पाकिस्तान के बीच सिन्धु–जल संधि पर हस्ताक्षर हुये। भारत–बांग्लादेश के बीच गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदी के जल में हिस्सेदारी, शरणार्थी समस्या, इस्लामी कट्टरवाद आदि को लेकर विवाद रहता है। श्रीलंका एवं भारत के बीच तमिल समस्या के कारण रिश्ते तनावपूर्ण रहे है। भारत एवं भूटान के बीच बहुत अच्छे रिश्ते रहे है।

दक्षिण एशिया के देशों के आपस में रिश्ते तनावपूर्ण रहे है। इस क्षेत्र में शांति एवं सहयोग हेतु 1985 में साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रिजनल ऑपरेशन (SAARC)की स्थापना की गई। 2002 में दक्षिण एशिया के देशों के लिए मुक्त व्यापार हेतु साफ्टा (SAFTA) पर हस्ताक्षर किए गये तथा 2007 में अफगानिस्तान को सार्क (SAARC) में शामिल किया गया।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. भारत में प्रथम परमाणु–परीक्षण कब किया ?

   (अ) मई 1974 (ब) मार्च, 1973

   (स) मई 1975 (द) मार्च 1976

2. सार्क (SAARC) की स्थापना कब हुई?

   (अ) 1985 में (ब) 1980 में

   (स) 1988 में (द) 1984 में

3. निम्नलिखित में कौन–सा देश दक्षिण एशिया सदस्य देश नहीं है ?

   (अ) भारत (ब) चीन

   (स) मालदीव (द) भूटान

4. निम्न में से किस वर्ष बांग्लादेश आजाद हुआ–

   (अ) 1961 (ब) 1971

   (स) 1989 (द) 1947

5. किस वर्ष दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते (साफ्टा) पर हस्ताक्षर हुए थे ?

(अ) 1947 (ब) 1994

(स) 2002 (द) 2006

6. फरक्का संधि किन देशों के बीच हुई थी ?

(अ) पाकिस्तान – नेपाल (ब) पाकिस्तान – बांग्लादेश

(स) भारत – बांग्लादेश (द) बांग्लादेश – भूटान

7. निम्नलिखित में से कौन–सा देश 1954–55 में 'सिएटो' और 'सेन्टो' में सम्मिलित हुआ ?

(अ) भारत (ब) पाकिस्तान

(स) भूटान (द) नेपाल

2. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. सार्क (SAARC) का पूरा नाम लिखो।

2. ताशकन्द समझौता किन दो राष्ट्रो के बीच हुआ था ?

3. 'सिन्धु–जल संधि' कब व किन–किन देशों के बीच हुई ?

4. अफ़गानिस्तान दक्षेस का सदस्य कब बना ?

5. दक्षेस का कार्यालय कहाँ है ?

5. भारत द्वारा शांति सेना कब व किस देश में भेजी गई ?

6. वर्तमान में सार्क के सदस्य देशों की संख्या कितनी है ?

7. सियाचिन की समस्या किन–किन देशों के बीच मतभेद का प्रमुख कारण है ?

3. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. दक्षिण एशिया में कौन–कौन से देश आते है? लिखिए।

2. दक्षेस से आप क्या समझते है ?

3. भारत–बांग्लादेश के बीच विवाद के प्रमुख मुद्दे कौन–कौन से है ? बताओ।

4. 'साफ्टा' क्या है ?

4. सुमेलित करें–

(1) भारत चीन युद्ध	1. 1966
(2) ताशकंद समझौता	2. 1962
(3) शिमला समझौता	3. 1954
(4) पंचशील की घोषणा	4. 1972

4. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. सार्क (SAARC) के बारे में बताओ।

पाठ 4 : अंतर्राष्ट्रीय संगठन

पाठ का सार–

इस अध्याय में अन्तर्राष्ट्रीय संगठन हमारे लिए क्यों आवश्यक है ? के बारे में बताया गया है। हमें अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा, पर्यावरणीय सुरक्षा, आर्थिक नीतियों के निर्माण आदि के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की आवश्यकता होती है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय शांति सुरक्षा एवं तृतीय विश्व युद्ध की विभीषिका से विश्व को बचाने के लिए 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ के 6 अंगों में सुरक्षा परिषद सबसे महत्वपूर्ण अंग है, जिसमें 5 स्थायी एवं 10 अस्थायी सदस्य है। इस अध्याय में संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार, 1991 के बाद विश्व राजनीति में आये परिवर्तनों के बारे में बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की भूमिका हमेशा ही सकारात्मक रही है।

1995 में स्थापित विश्व व्यापार संगठन, 1957 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (प।म।) के बारे में अध्ययन किया गया है। विश्व मानवाधिकारों की रक्षा के लिए एमनेस्टी इन्टरनेशनल स्वंयसेवी संगठन के बारे में बताया गया है। साथ ही एक ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका को बताया गया है ।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब की गई ?

      (अ) 1945 में   (ब) 1946 में

      (स) 1943 में   (द) 1944 में

   2. संयुक्त राष्ट्र संघ में कितने देश शमिल है ?

      (अ) 190   (ब) 191

      (स) 192   (द) 193

   3. भारत संयुक्त राष्ट्र संघ में कब शामिल हुआ ?

      (अ) 26 जून 1945   (ब) 24 अक्टूबर 1945

      (स) 30 अक्टूबर 1945   (द) 30 दिसम्बर 1945

   4. सुरक्षा परिषद में कितने स्थायी सदस्य है?

      (अ) पांच   (ब) आठ

      (स) दस   (द) पन्द्रह

5. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रथम महासचिव कौन थे ?

(अ) यू थाट | (ब) कुर्त वाल्डहीम

(स) ट्राइग्व ली | (द) बुतरस बुतरस घाली

6. संयुक्त राष्ट्र संघ के अंग है–

(अ) 2 | (ब) 3

(स) 6 | (द) 8

7. 1 नवम्बर 1994 से संयुक्त राष्ट्र संघ का कौनसा अंग स्थगित है ?

(अ) सुरक्षा परिषद | (ब) महासचिव

(स) न्यास परिषद | (द) आम सभा

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करे–**

1. .... संयुक्त राष्ट्र संघ के वर्तमान महासचिव है। (बान की मून / एंटोनियो गुटेरेस)
2. संयुक्त राष्ट्रसंघ की सुरक्षा परिषद में .... अस्थायी सदस्य है। (12 / 10)
3. प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र दिवस .... मनाया जाता है। (24 अक्टूबर / 24 दिसम्बर)

3. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना कब हुई थी ?
2. सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्य कौन–कौन से है ?
3. W.H.O.का पूरा नाम लिखो ।
4. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना कब हुई ?
5. संयुक्त राष्ट्र संघ के वार्षिक बजट में सर्वाधिक योगदान किस देश का होता है ?
6. संयुक्त राष्ट संघ की स्थापना के समय कुल कितने सदस्य थे ?
7. संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
8. विश्व बैंक का मुख्य कार्य कया है ?
9. प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र दिवस कब मनाया जाता है–
10. विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कौनसा है ?

4. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के क्या उद्देश्य है ?
2. एमनेस्टी इन्टरनेशनल क्या है ?

3. संयुक्त राष्ट्र संघ की चार विशिष्ट एजेन्सियों के नाम लिखो।

4. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का प्रमुख कार्य क्या है ?

5. ग्लोबल वार्मिंग क्या है ?

5. सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी दावेदारी के पक्ष में दो तर्क दीजिए।

6. सयुंक्त राष्ट्र की महासभा के बारे में आप क्या जानते है ?

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. सुरक्षा परिषद के कार्य क्या है ? बताओ।
2. संयुक्त राष्ट्र संघ के अंगों का वर्णन करो।

पाठ 5 : समकालीन विश्व में सुरक्षा

पाठ का सार–

इस अध्याय में समकालीन विश्व में सुरक्षा के बारे में बताया गया है। इसमें सुरक्षा क्या है? सुरक्षा की पारम्परिक धारणा बाहरी सुरक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा के बारे में बताया गया है। इस अध्याय में 1972 की एंटी बैलेस्टिक मिसाइल संधि, सामरिक अस्त्र परिसीमन संधि–2 (SALT-II), स्ट्रैटजिक आर्म्स रिडक्शन टीटी (START), 1968 की परमाणु अप्रसार संधि (NPT) 1972 की बायोलॉजिक वीपन्स कन्वेशन (BWC) तथा 1992 की केमिकल वीपन्स कन्वेशन (CWC) के बारे में बताया गया है। सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा के बारे में अध्ययन किया गया है। इसमें मानवीय अस्तित्व पर चोट करने वाले व्यापक खतरों एवं आंशकाओं को शामिल किया जाता है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. रासायनिक हथियार संधि कब हुई ?

      (अ) 1991 (ब) 1992

      (स) 1993 (द) 1994

   2. परमाणु अप्रसार संधि (NPT) कब हुई ?

      (अ) 1968 (ब) 1967

      (स) 1970 (द) 1969

   3. निम्न में से खतरे का नया स्त्रोत है ?

      (अ) आतंकवाद (ब) निर्धनता

      (स) शरणार्थी समस्या (द) ये सभी

   4. भारत में पहला परमाणु परीक्षण कब किया गया था ?

      (अ) 1973 में (ब) 1974 में

      (स) 1978 में (द) 1998 में

   5. निम्नलिखित में से किस देश को वैश्विक तापवृद्धि से सबसे ज्यादा खतरा हो सकता है ?

      (अ) अमेरिका (ब) भारत

      (स) मालदीव (द) नेपाल

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   1. अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर .... में अलकायदा ने हमला किया। (11 सितम्बर 2001 / 20 जनवरी 2002)

   2. क्योटो प्रोटोकोल संधि पर .... में हस्ताक्षर किए गये। (1998 / 1997)

3. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. अपरोध से क्या आशय है ?
2. क्योटो प्रोटोकॉल पर कितने देशों ने हस्ताक्षर किए है?
3. अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की स्थापना कब की गई ?
4. एन.पी.टी. का पूरा नाम क्या है ?
5. सुरक्षा की विभिन्न धारणाओं को कितने भागों में विभाजित किया जाता है ?
6. सुरक्षा का बुनियादी अर्थ क्या है ?
7. सुरक्षा की पारम्परिक धारणा में किसी देश के लिए सबसे अधिक खतरनाक किस खतरे को माना जाता है ?

4. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. आतंकवाद क्या है ?
2. मानवाधिकारों को कितनी कोटियों (श्रेणियों) में रखा गया है ?
3. शक्ति संतुलन से आपका क्या तात्पर्य है ?
4. तीन प्रबल अंतर्राष्ट्रीय समस्याएं क्या–क्या है ?
5. निशस्त्रीकरण से क्या अभिप्राय है ?

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. निःशस्त्रीकरण से आप क्या समझते है ? आधुनिक युग में इसकी आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए इसके मार्ग की बाधाओं का उल्लेख कीजिए।
2. भारत की सुरक्षा नीति के प्रमुख घटकों की विवेचना कीजिये।
3. मिलान करे–

(1) विश्वास बहाली के उपाय (CBMS)	(क) कुछ खास हथियारों के इस्तेमाल से परहेज
(2) अस्त्र नियन्त्रण	(ख) राष्ट्रों के बीच सुरक्षा मामलों पर सूचनाओं के आदान प्रदान
(3) गठबंधन	(ग) सैन्य हमले की स्थिति से निपटने के लिए कुछ राष्ट्रों का आपस में मेल करना
(4) निशस्त्रीकरण	(घ) हथियारों के निर्माण अथवा उनको हासिल करने पर अकुंश

पाठ 6 : पर्यावरणीय और प्राकृतिक संसाधन

पाठ का सार –

इस अध्याय में विश्व राजनीति में पर्यावरण और संसाधनों के बढ़ते महत्व को बताया गया है। इस अध्याय में कुछ महत्वपूर्ण पर्यावरण आंदोलनों की चर्चा की गई है। पर्यावरण के प्रति चिंता व्यक्त की गई। क्लब ऑफ रोम द्वारा 1972 में लिमिटस टू ग्रोथ शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की गई, जिसमें दुनिया की बढ़ती जनसंख्या को प्राकृतिक संसाधनों के विनाश के लिए उत्तरदायी बताया गया है। 1992 में रियो डी जेनेरियो (ब्राजील) में पर्यावरण एवं विकास हेतु सम्मेलन हुआ, जिसे पृथ्वी सम्मेलन कहा जाता है। इस अध्याय में विश्व की साझी संपदा, साझी सम्पदा के प्रति अलग–अलग जिम्मेदारियों के बारे में बताया गया है। वैश्विक पर्यावरण के प्रति भारत सदैव सकारात्मक रहा है। भारत ने 2002 में क्योटो प्रोटोकोल (1997) पर हस्ताक्षर किए। भारत में पर्यावरण सुरक्षा हेतु अनेक आंदोलन हुए।

पाठ के अंत में मूलवासी (प्दकपहमदवने च्मवचसम) एवं उनके अधिकारों के बारे में बताया गया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

    1. किस दशक में पर्यावरण के मसले ने जोर पकड़ा है ?

       (अ) 1960 (ब) 1970

       (स) 1980 (द) 2000

    2. 'रियो डी जेनेरियो' स्थान किस देश में है ?

       (अ) दक्षिण अफ्रीका (ब) जापान

       (स) ब्राजील (द) इटली

    3. पृथ्वी सम्मेलन कब हुआ ?

       (अ) 1991 में (ब) 1992 में

       (स) 1994 में (द) 1995 में

    4. 'लिमिटस टू ग्रोथ' नामक पुस्तक को किस संस्था ने प्रकाशित किया था ?

       (अ) क्लब ऑफ रोम (ब) लन्दन क्लब

       (स) क्लब ऑफ पेरिस (द) मैनचेस्टर क्लब

    5. भारत ने क्योटो प्रोटोकोल (1997) पर कब हस्ताक्षर किये ?

       (अ) 1999 (ब) 2000

       (स) 2002 (द) 2007

    6. विश्व की साझी विरासत में क्या शामिल नहीं है?

       (अ) वायुमंडल (ब) सड़क मार्ग

       (स) समुद्री सतह (द) बाहरी अंतरिक्ष

7. रियो पृथ्वी सम्मेलन में कितने देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया ?

(अ) 50 (ब) 120

(स) 170 (द) 192

3. **अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. पर्यावरण से जुड़े किसी एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का नाम लिखो ?
2. वैश्विक तापवृद्धि करने वाली गैसों के नाम लिखिए।
3. 'रियो' सम्मेलन कब हुआ ?
4. UNEP का पूरा नाम लिखो।
5. भारत में किन लोगो को मूलवासी कहा जाता है ?
6. विश्व की साझी विरासत से क्या अभिप्राय है ?
7. पृथ्वी सम्मेलन कहाँ व कब हुआ ?
8. रियो सम्मेलन की सिफारिशों को किस नाम से जाना जाता है ?
9. मूलवासी का अर्थ बताओ ?
10. किन कारणों से सम्पूर्ण विश्व में साझी सम्पदा का आकार घट रहा है?

4. **लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

1. क्योटो प्रोटोकॉल के विषय में आप क्या जानते है ?
2. विश्व की सांझी विरासत से क्या तात्पर्य है?
3. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े मसलों को लिखिए।
4. रियो सम्मेलन के दो परिणाम बताइये।
5. टिकाऊ विकास का तरीका क्या है ?
6. पर्यावरण प्रदूषण के कोई चार उपाय लिखो।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. रियो सम्मेलन के क्या परिणाम हुए ? लिखिए।
2. मूलवासियों की प्रमुख मांगे क्या है ? संक्षेप में समझाइए।
3. मिलान करे–

(1) वह देश जंहा जून 1992 में पृथ्वी सम्मेलन हुआ	(अ) इराक
(2) ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जनकर्ता देश	(ब) भारत
(3) बाँध विरोधी, नदी बचाओ आंदोलन वाला देश	(स) अमेरिका
(4)खनिज तेल को दूसरे नंबर का उत्पादक देश	(द) ब्राजील

पाठ 7 : वैश्वीकरण

पाठ का सार :

इस अध्याय में वैश्वीकरण की अवधारणा के कारण, उसके राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिणाम की बात करेंगे। वैश्वीकरण ने संपूर्ण विश्व को एक कुटुम्ब के रूप में स्थापित किया है। वैश्वीकरण प्रौद्योगिकी के कारण तीव्र हुआ है। वैश्वीकरण के कारण दुनिया में कल्याणकारी राज्य की धारणा पुरानी होने लगी है। लोक कल्याणकारी राज्य की जगह अब बाजार आर्थिक एवं सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक हो गया है। आर्थिक रूप से संपूर्ण विश्व एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। वैश्वीकरण से सांस्कृतिक समरूपता आयी है। इस अध्याय में भारत पर वैश्वीकरण का क्या प्रभाव पड़ा है, का भी अध्ययन किया गया है। साथ ही भारत में वैश्वीकरण के विरोध को भी बताया गया है।

वैश्वीकरण ने पूरे विश्व को एक साथ जोड़ा है। इसके बावजूद भी वैश्वीकरण का प्रतिरोध होता है। इसको पूंजीवाद के निकट माना जाता है। गरीब एवं विकासशील देशों के हितों को समुचित महत्व नहीं दिया जाता है। वर्ल्ड सोशल फोरम (ॅ॰), नव–उदारवादी वैश्वीकरण का विरोध करता है। ॅ॰ में मानवाधिकार कार्यकर्ता, पर्यावरणवादी, मजदूर, युवा एवं महिला कार्यकर्ता एकजुट होकर नव उदारवादी वैश्वीकरण का विरोध करते है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. वैश्वीकरण के बारे में कौनसा कथन सही है ?

      (अ) वैश्वीकरण सिर्फ आर्थिक परिघटना है।

      (ब) वैश्वीकरण की शुरूआत 1985 में हुई।

      (स) वैश्वीकरण और पश्चिमीकरण समान है।

      (द) वैश्वीकरण एक बहुआयामी परिघटना है।

   2. निम्नलिखित में से कौन वैश्वीकरण के लिए जिम्मेदार है ?

      (अ) खेती (ब) प्रौद्योगिकी

      (स) संचार (द) इनमें से कोई नहीं

   3. भारत में नई आर्थिक नीति शुरू हुई –

      (अ) 1989 में (ब) 1990 में

      (स) 1991 में (द) 1992 में

   4. वैश्वीकरण है ?

      (अ) पूँजी का प्रवाह

      (ब) वस्तुओं का प्रवाह

      (स) विचारों का प्रवाह

      (द) ये सभी

5. वैश्वीकरण का विरोध नही करता –

(अ) वर्ल्ड सोशल फोरम

(ब) बहुराष्ट्रीय निगम

(स) इण्डियन सोशल फोरम

(द) वामपंथी कार्यकर्ता

6. भारत में नई आर्थिक नीति के संचालक है –

(अ) डॉ. मनमोहन सिंह (ब) यशवन्त सिन्हा

(स) वी.पी. सिंह (द) इन्दिरा गाँधी

2. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. भारत ने आर्थिक सुधारो के अंतर्गत कौन–कौनसे कार्य किये?
2. 'वर्ल्ड सोशल फोरम (W.S.F.) की पहली बैठक कब एवं कहां हुई ?
3. भारत में नई आर्थिक नीति की शुरूआत कब हुई थी ?
4. UNEPका पूरा नाम लिखो।
5. वैश्वीकरण का बुनियादी अर्थ क्या है ?
6. साम्राज्यवाद से क्या अभिप्राय है ?
7. वैश्वीकरण ने किस प्रकार भारत के परिधान संस्कृति को प्रभावित किया ?

3. लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. वैश्वीकरण की चार विशेषताएँ लिखिये।
2. वर्ल्ड सोशल फोरम में कौन–कौन सम्मिलित है ?
3. नव–उपनिवेशवाद क्या है ?

4. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. वैश्वीकरण के पक्ष तथा विपक्ष में तर्क दीजिये।

अथवा

वैश्वीकरण एक बहुआयामी अवधारणा है। कथन को स्पष्ट करें।

भाग–II

पाठ–8 : राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ

पाठ का सारांश (संक्षिप्तीकरण)–

आज हम अध्याय 1 राष्ट्र निर्माण की चुनौतियों का अध्ययन करेंगे। इस अध्याय में नवोदित स्वतंत्र भारत के समक्ष क्या–क्या चुनौतियां, समस्याएं थी, का अध्ययन करेंगे। इन चुनौतियों के समाधान में पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार वल्लभ भाई पटेल जिन्हें भारत का लौह पुरूष (Iron Man of India) भी कहा जाता है, ने रियासतों के एकीकरण का कार्य बहुत सहजता के साथ किया। इस अध्याय में ट्रिस्ट विद डेस्टिनी राष्ट्र के समक्ष तीन चुनौतियाँ, विभाजन विस्थापन और पुनर्वास, रजवाड़ों के विलय एवं राज्यों का पुनर्गठन आदि के बारे में पढ़ेंगे।

इस अध्याय में मुहम्मद अली जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धान्त के बारे में बताया गया है। मणिपुर के महाराणा बोध चन्द्र सिंह ने भारत सरकार के साथ भारत से हमें अपनी रियासत के विलय के एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। 1952 में आंध्र प्रदेश भाषा के आधार पर राज्य बनाया गया, जिसका श्रेय पोट्टी श्रीरामुलु को जाता है। 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया गया। इस आयोग की रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम पास हुआ, जिसके आधार पर 14 राज्य एवं 6 केन्द्र–शासित प्रदेश बनाए गए।

1. **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

   1. स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने–

      (अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) पं. जवाहरलाल नेहरू

      (स) लाल बहादुर (द) इन्दिरा गाँधी

   2. द्वि–राष्ट्र सिद्धान्त' किसकी देन था ?

      (अ) कांग्रेस (ब) कम्यूनिस्ट पार्टी

      (स) मुस्लिम लीग (द) समानांतर पार्टी

   3. निम्नलिखित में से कौन द्वि–राष्ट्र सिद्धान्त के प्रतिपादक थे ?

      (अ) जवाहर लाल नेहरू (ब) सीमांत गांधी

      (स) मुहम्मद अली जिन्ना (द) सरदार पटेल

   4. आजादी प्राप्ति के समय भारत में कितने रजवाड़े थे ?

      (अ) 545 (ब) 555

      (स) 560 (द) 565

5. रजवाड़ों के शासकों को भारतीय संघ में शामिल करने के लिए राजी करने में किस नेता की महत्वपूर्ण भूमिका रही ?

(अ) सरदार पटेल (ब) जवाहर लाल नेहरू

(स) महात्मा गाँधी (द) श्यामा प्रसाद मुखर्जी

6. स्वतंत्रता के पश्चात् देश के समक्ष प्रस्तुत चुनौती थी ?

(अ) लोकतंत्र कायम रखने की

(ब) राष्ट्र निर्माण की

(स) सामाजिक विकास की

(द) औद्योगिक विकासकी

7. नाथूराम विनायक गोडसे ने महात्मागाँधी को कितनी गोलियां मारी ?

(अ) 5 (ब) 4

(स) 3 (द)2

8. केन्द्र सरकार द्वारा राज्य पुनर्गठन आयोग कब बनाया गया ?

(अ) 1954 (ब) 1953

(स) 1955 (द) 1957

9. निम्नलिखित में से किसे भारतीय संघ में शामिल किया गया ?

(अ) मणिपुर (ब) पंजाब

(स) असम (द) हैदराबाद

10. दिसम्बर 1952 में भाषाई आधार पर गठित होने वाला प्रथम राज्य था ?

(अ) आंध्रप्रदेश (ब) केरल

(स) तमिलनाडु (द) हिमाचल प्रदेश

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. सन् .... का साल अभूतपूर्व हिंसा और विस्थापन की त्रासदी का साल था। (1947 / 1945)

2. मेघालय का निर्माण .... हुआ था। (1972 / 1973)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. भारत में प्रथम गणतंत्र दिवस कब मनाया गया ?
2. स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री कौन थे ?
3. हैदराबाद के शासक को क्या कहा जाता था ?
4. भारत का लौह पुरूष (आयरन मैन ऑफ इण्डिया) किसे कहा जाता है?

5. राज्य पुनर्गठन अधिनियम के आधार पर भारत में कितने राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश बनाए गए ?
6. ब्रिटिश इण्डिया कितने हिस्सों में विभाजित था ?
7. भारत के किस राज्य में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को अपनाकर सर्वप्रथम चुनाव हुये ?
8. राज्य पुनर्गठन अधिनियम कब लागू हुआ ?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. ट्रिस्ट विद् डेस्टिनी' क्या है ? बताओ ।
2. 'पोट्टी श्रीरामुलु' कौन थे ?
3. द्वि–राष्ट्र सिद्धान्त क्या था ?
4. सन् 2000 में किन–किन राज्यों का निर्माण किया गया ?
5. मिलान करो–

(अ) हैदराबाद	(i) विलय समझौता
(ब) जूनागढ़	(ii) सैनिक कार्यवाही
(स) मणिपुर	(iii) जनमत संग्रह

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. राज्य पुनर्गठन आयोग का काम क्या था ? इसकी प्रमुख सिफारिश क्या थी ?

अध्याय–9

एक दल के प्रभुत्व का दौर

पाठ का संक्षिप्तीकरण –

इस अध्याय में कांग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति किस प्रकार की थी? के बारे में बताया गया है। इस अध्याय में भारतीय चुनाव आयोग के बारे में बताया गया है, जिसका गठन जनवरी, 1950 में हुआ, जिसके प्रथम चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन बने। प्रथम आम चुनाव से लेकर अब तक चुनाव के तरीकों में बदलाव आया है। वर्तमान में ईवीएम (इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन) से चुनाव होता है। पहले आम चुनाव से 1967 तक पहले तीन चुनावों में कांग्रेस का एक दलीय प्रभुत्व रहा। केरल में कम्यूनिस्ट पार्टी की अगुवाई में कम्यूनिस्ट पार्टी की गठबंधन की सरकार बनी।

इस अध्याय में आचार्य नरेन्द्र देव की सोशलिस्ट पार्टी, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की इंडिपेडेंट लेबर पार्टी, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्सवादी), भारतीय जनसंघ (1951) सी. राजगोपालाचारी की स्वतंत्र पार्टी आदि के बारे में अध्ययन किया गया है।

1. **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

   1. भारतीय चुनाव आयोग का गठन कब हुआ ?

      (अ) 1949 में   (ब) 1951 में

      (स) 1950 में   (द) 1952 में

   2. भारत के पहले चुनाव आयुक्त कौन थे ?

      (अ) आर.के. त्रिवेदी   (ब) एम.एस. गिल

      (स)टी.एन. शेषन   (द) सुकुमार सेन

   3. पहले आम चुनाव में 16 सीटे जीतकर दूसरे स्थान पर कौनसी पार्टी रही ?

      (अ) प्रजा सोशलिस्ट पार्टी   (ब) भारतीय जनसंघ

      (स) भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी   (द) भारतीय जनता पार्टी

   4. भारतीय जनसंघके संस्थापक थे–

      (अ) चौधरी चरण सिंह   (ब) श्यामा प्रसाद मुखर्जी

      (स) अटल बिहारी वाजपेयी   (द) मोरारजी देसाई

   5. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने बौद्ध धर्म कब अपनाया ?

      (अ) 1956   (ब) 1955

      (स) 1954   (द) 1953

   6. इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी की स्थापना किसने की थी ?

      (अ) महात्मा गाँधी   (ब) भीमराव अम्बेडकर

      (स) पंडित जवाहर लाल नेहरू   (द) अब्दुल कलाम आजाद

7. भारत रत्न से सम्मानित प्रथम भारतीय कौन थे ?

(अ) लाल बहादुर शास्त्री (ब) सी. राजगोपालाचारी

(स) मोरारजी देसाई (द) दीन दयाल उपाध्याय

8. 1952 के आम चुनाव के समय कुल मतदाताओ में साक्षर मतदाताओं का प्रतिशत था ?

(अ) 15% (ब) 25%

(स) 35% (द) 45%

9. स्वतंत्र भारत में पहला आम चुनाव कब हुआ ?

(अ) 1951 (ब) 1952

(स) 1953 (द) 1949

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. स्वतंत्र भारत के प्रथम गर्वनर जनरल कौन थे ? (सी. राजगोपालाचारी / माउंटबेटन)
2. 1952 में पहले आम चुनाव में लोकसभा के साथ–साथ .... के लिए भी चुनाव कराये गये–(राष्ट्रपति / विधानसभा)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. ई.वी.एम. (E.V.M.) का पूरा नाम लिखिए ?
2. स्वतंत्रत भारत में बने पहले मंत्रिमण्डल में शिक्षा मंत्री कौन थे ?
3. स्वतंत्र पार्टी के चार नेताओं के नाम लिखिए।
4. नायक पूजा क्या है ?
5. समग्र मानववाद सिद्धान्त के प्रणेता का नाम लिखिए।
6. संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे ?
7. भारत में वामपंथी कहे जाने वाले दलों की विचारधारा क्या रही है ?
8. भारत में दलितों का मसीहा किसे कहा जाता है ?
9. भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् किस प्रकार की शासन प्रणाली अपनाई गई ?

4. लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. यहां दो सूचियां दी गई है, पहले में नेताओं के नाम दर्ज है और दूसरे में दलों के, दोनों सूचियों में मेल बैठाए–

(क) एस.ए. डांगे 1. भारतीय जनसंघ

(ख) श्यामा प्रसाद मुखर्जी 2. स्वतंत्र पार्टी

(ग) मीनू मसानी — 3. प्रजा सोशलिस्ट पार्टी

(घ) अशोक मेहता — 4. भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी

2. दीनदयाल उपाध्याय कौन थे? बताओ।
3. भारत में किस चुनाव प्रणाली को अपनाया गया ?
4. गठबंधन सरकार की अवधारणा स्पष्ट करो।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. भारत में क्षेत्रीय दलों की प्रकृति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखो।

पाठ–10

नियोजित विकास की राजनीति

पाठ का सारांश–

इस अध्याय में देश की आजादी के बाद नियोजित विकास के लिए क्या–क्या कदम उठाये गये के बारे में बताया गया है। विकास हेतु 1950 में सरकार द्वारा योजना आयोग की स्थापना की गई। इस अध्याय में पंचवर्षीय योजनाओं, औद्योगीकरण, कृषि बनाम उद्योग विवाद, निजी क्षेत्र बनाम सार्वजनिक क्षेत्र विवाद, भूमि सुधार खाद्य संकट एवं हरित क्रांति के बारे में अध्ययन किया गया है। इस अध्याय में श्वेत क्रांति ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम एवं 14 बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बारे में बताया गयाहै। आर्थिक नियोजन से सम्बन्धित बॉम्बे प्लान के बारे में बताया गया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. भारत सरकार द्वारा योजना आयोग की स्थापना कब की गई ?

(अ) 1951 (ब) 1952

(स) 1950 (द) 1954

2. नीति आयोग की स्थापना कब हुई ?

(अ) 2015 (ब) 2016

(स) 2017 (द) 2018

3. हरित क्रॉंति के दौरान किस फसल का सर्वाधिक उत्पादन हुआ ?

(अ) गेहूँ (ब) बाजरा

(स) सोयाबीन (द) चावल

4. प्रथम पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल था–

(अ) 1951–1956 (ब) 1952–1957

(स) 1955–1960 (द) 1947–1952

5. नीति आयोग का अध्यक्ष कौन होता है ?

(अ) वित्त मंत्री (ब) कृषि मंत्री

(स) प्रधानमंत्री (द) राष्ट्रपति

6. द्वितीय पंचवर्षीय योजना की प्राथमिकता का विषय था–

(अ) कृषि (ब) उद्योग

(स) पर्यटन (द) यातायाता व संचार

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. पोस्को प्लांट .... में स्थित है। (उडीसा / बिहार)
2. दूसरी पंचवर्षीय योजना की शुरूआत .... में हुई थी। (1957 / 1956)
3. प्रथम पंचवर्षीय योजना में सर्वाधिक बल .... दिया गया। (कृषि / उद्योग)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. 'ऑपरेशन फ्लड' किसके उत्पादन से सम्बन्धित है ?
2. 'हरित क्रांति में मुख्य रूप से कौन–से अनाज का उत्पादन बढ़ा ?
3. ''मिल्क मैन ऑफ इण्डिया'' के नाम से कौन प्रसिद्ध है ?
4. स्वतंत्रता के समय भारत के समक्ष विकास के कौन–कौन से मॉडल थे ?

4. लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. जे.पी. कुमारप्पा कौन थे ?
2. योजना आयोग के कोई दो कार्य बताओ।
3. सुमेलितकीजिए–

(क) योजना आयोग	1. 1951
(ख) नीति आयोग	2. 2015
(ग) प्रथम पंचवर्षीय योजना	4. 1950

4. नियोजन के प्रमुख तीन तत्व बताइये।
5. भारतीय अर्थव्यवस्था को किस कारण मिश्रित अर्थव्यवस्था कहा जाता है ?

5. निबंधात्मक प्रश्न–

1. हरित क्रांति क्या थी ? हरित क्रांति के दो सकारात्मक एवं दो नकारात्मक परिणामों का उल्लेख कीजिए।
2. राष्ट्रीय विकास परिषद के मुख्य कार्य बताइये।

पाठ 11

भारत के विदेश सम्बन्ध

पाठ का सारांश–

इस अध्याय में भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के बारे में अध्ययन करेंगे। आजादी के समय पूरी दुनिया दो खेमों में बंटी हुई थी। भारत ने किसी भी गुट का समर्थन नहीं करते हुये गुटनिरपेक्षता की नीति अपनायी।

इस अध्याय में गुटनिरपेक्षता की नीति, साम्यवाद एवं पूंजीवाद से भारत की दूरी, चीन के साथ शांति एवं संघर्ष, भारत पर चीन का आक्रमण, 1962 तिब्बत समस्या, 1962 के बाद भारत–चीन सम्बन्ध, पाकिस्तान के साथ युद्ध और शांति, बांग्लादेश के साथ युद्ध 1971, करगिल संघर्ष, भारत की परमाणु नीति आदि के बारे में अध्ययन करेंगे।

इस अध्याय में 1955 में हुए एफ्रो–एशियाई सम्मेलन, 1961 में बेलग्रेड में हुये प्रथम गुटनिरपेक्ष सम्मेलन के बारे में बताया गया है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की स्थापना में पंडित जवाहर लाल नेहरू की मुख्य भूमिका रही। 1954 में भारत एवं चीन के बीच पंचशील समझौता हुआ।

इस अध्याय में भारत की परमाणु नीति के बारे में बताया गया है। भारत ने मई 1974 में अपना पहला परमाणु परीक्षण किया। 1998 में भारत में दुबारा परमाणु परीक्षण किया गया।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. शीत युद्ध के समय उत्तर अटलांटिक संधि संगठन का निर्माण किस देश ने किया –

      (अ) सोवियत संघ (ब) ब्रिटेन

      (स) भारत (द) अमेरिका

   2. बांडुंग सम्मेलन कब हुआ ?

      (अ) 1955 (ब) 1956

      (स) 1958 (द) 1959

   3. बेलग्रेड सम्मेलन कब हुआ ?

      (अ) 1960 (ब) 1961

      (स) 1964 (द) 1962

   4. भारत पर चीन ने आक्रमण कब किया ?

      (अ) 1963 (ब) 1962

      (स) 1964 (द) 1965

5. पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर कब हुए ?

(अ) 1954 (ब) 1955

(स) 1960 (द) 1949

6. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के प्रणेता है–

(अ) पंडित नेहरू (ब) नासिर

(स) मार्शल टीटो (द) उपर्युक्त सभी

7. पहला परमाणु परीक्षण भारत में कब किया गया था ?

(अ) 1971 (ब) 1974

(स) 1988 (द) 1985

8. नेफा या उत्तरी पूर्वी सीमान्त के नाम से किस राज्य को जाना जाता था ?

(अ) मिजोरम (ब) मणिपुर

(स) अरूणाचल प्रदेश (द) नागालैण्ड

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. अरब–इजरायल युद्ध .... में हुआ था। (1974 / 1975)
2. करगिल संघर्ष .... में हुआ था। (1999 / 2000)
3. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव .... सम्मेलन में पड़ी। (बाडुंग / पंचशील)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. शिमला समझौता कब व किन–किन के बीच हुआ ?
2. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री कौन थे ?
3. ताशकंद समझौता कब और किनके बीच हुआ ?
4. आजाद हिन्द फौज की स्थापना किसने की ?
5. पंचशील के सिद्धांतों की घोषणा कब और किसने की ?
6. भारत व चीन के बीच सबसे बड़ा मुद्दा क्या रहा है ?

4. लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. शिमला समझौता क्या है ?

2. निम्नलिखित का सही जोड़ा मिलाए –

(क) 1950–64 के दौरान भारत की विदेश नीति का लक्ष्य	1. तिब्बत के धार्मिक नेता जो सीमा पार करके भारत चले आए।
(ख) पंचशील	2. क्षेत्रीय अखण्डता और सम्प्रभुता की रक्षा तथा आर्थिक विकास ।
(ग) बांडुंग सम्मेलन	3. शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के पांच सिद्धान्त
(घ) दलाई लामा	4. इसकी परिणति गुट निरपेक्ष आंदोलन में हुई।

3. करगिल संघर्ष के बारे में संक्षिप्त में लिखिएं
4. बांडुंग सम्मेलन के बारे में आप क्या जानते है ?
5. ताशकंद समझौते पर किसने हस्ताक्षर किये और कब ?

5. निबंधात्मक प्रश्न–

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

   (क) पंचशील समझौता।

   (ख) भारत की नवीन परमाणु नीति का मसौदा क्या है ?

2. भारत की विदेश नीति के मुख्य सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

अध्याय–12

कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ एवं पुनर्स्थापना

पाठ का सारांश (संक्षिप्तीकरण)–

इस अध्याय में हम पंड़ित जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु (1964 में) के बाद कांग्रेस के समक्ष राजनीतिक उत्तराधिकार की चुनौति, नेहरू के बाद शास्त्री, शास्त्री के बाद इन्दिरा गांधी के नेतृत्व के बारे में अध्ययन करेंगे। साथ ही कांग्रेस बनाम गैर–कांग्रेसवाद के बाद में इस अध्याय में बताया गया है। 1967 के चौथे लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के बारे में अध्याय में बताया गया है। 1967 के चुनावों के बादएक दलीय प्रभुत्व की राजनीति समाप्त हो गई एवं गठनबंधन की राजनीति की शुरूआत हो गई। कांग्रेस में विभाजन इन्दिरा बनाम सिंडिकेट के रूप में हुआ।

अन्त में प्रिवीपर्स की समाप्ति 1971 के चुनाव एवं कांग्रेस का पुनर्स्थापन आदि के बारे में इस अध्याय में बताया गया है। इस अध्याय में 1967 के चौथे, आम चुनावों में कांग्रेस की हार तथा गैर कांग्रेसवाद के बारे में बताया गया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. गैर कांग्रेसवाद का नारा किसने दिया ?

      (अ) वी.वी. गिरि (ब) राममनोहर लोहिया

      (स) सी. नटराजन (द) कर्पूरी ठाकुर

   2. जय जवान – जय किसान' का नारा किसने दिया ?

      (अ) मोरारजी देसाई (ब) लाल बहादुर शास्त्री

      (स) इन्दिरा गाँधी (द) राममनोहर लोहिया

   3. गैर कांग्रेसी सरकार का प्रथम प्रधानमंत्री बना ?

      (अ) मोरारजी देसाइ (ब) आई. के. गुजराल

      (स) चरण सिंह (द) वी.पी. सिंह

   4. जवाहर लाल नेहरू की मत्यु कब हुई ?

      (अ) 1962 (ब) 1963

      (स) 1964 (द) 1968

   5. लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु कहां हुई ?

      (अ) भारत (अ) ताशकंद

      (स) चीन (द) रूस

   6. सबसे खतरनाक दशक कौनसा था ?

      (अ) 1960 (अ) 1970

(स) 1980 (द) 1990

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. चौथे आम चुनाव .... में हुए। (1968 / 1967)
2. पहली गैर कांग्रेसी सरकार.................... बनाई गई (केरल / तमिलनाडू)

4. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु कब और कहाँ हुई ?
2. भारत–पाकिस्तान के बीच युद्ध कब हुआ ? उस समय देश के प्रधानमंत्री कौन थे ?
3. इन्दिरा गँधी की हत्या कब की गई ?
4. गठबंधन की राजनीति की शुरूआत कब से हुई ?
5. त्रिवीपर्स से क्या आशय है?
6. पंडित जवाहर लाल नेहरू का उत्तराधिकारी कौन बना ?
7. दल बदल का क्या अर्थ है ?

5. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. निम्नलिखित का मेल करे–

(क) नेहरू की मृत्यु	1. 1967
(ख) कांग्रेस का विभाजन	2. 1964
(ग) गरीबी हटाओ नारा किसने दिया	3. इन्दिरा गांधी

2. इन्दिरा हटाओ नारा किस संदर्भ में है ?
3. इन्दिरा गँधी को चुनौती देने वाला सिंडिकेट क्या था ?
4. राम मनोहर लोहिया का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
5. कांग्रेस की फूट के प्श्चात् कौनसे दो राजनीतिक दल उभरे ?

6. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. दल बदल कानून (1985) की व्यवस्था पर चर्चा कीजिए।
2. 1970 के दशक में इन्दिरा गाँधी की सरकार किन कारणों से लोकप्रिय हुई थी ?

पाठ 13

लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट

पाठ का संक्षिप्तीकरण–

1967 के बाद भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन हुए। देश की औद्योगिक विकास दर कम हो गई एव बेरोजगारी की दर बढ़ गई। देश में अनेक आंदोलनों की शुरूआत हुई। जैसे गुजरात और बिहार के आंदोलन, नक्सलवादी आंदोलन, 1974 की रेल हड़ताल। ये आंदोलन एवं हड़ताल लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए संकट ही थे।

25 जून 1975 को देश में प्रधानमंत्री ने आपातकाल लागू करने की सिफारिश राष्ट्रपति से की। राष्ट्रपति ने तुरन्त आपातकाल की घोषणा कर दी। इस आपातकाल से भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में संकट आ गई। इस अध्याय में आपातकाल के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया है। आपातकाल ने पूरी राजनीतिक व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन कर दिया। जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति के बारे में इस अध्याय में बताया गया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. भारत में आपातकाल की घोषणा कब हुई ?

      (अ) 25 जून 1974 (ब) 25 जून 1975

      (स) 26 जनवरी 1960 (द) 27दिसम्बर 1986

   2. गुजरात में छात्र आंदोलन कब हुआ था ?

      (अ) जनवरी 1974 (ब) जून 1975

      (स) मार्च 1974 (द) जनवरी 1975

   3. बीस सूत्री कार्यक्रम में निम्न में से कौन–सा मुद्दा शामिल था ?

      (अ) भूमि सुधार (ब) भू–पुनर्वितरण

      (स) बंधुआ मजदूरी की समाप्ति (द) उपरोक्त सभी

   4. आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान का कौनसा संशोधन पारित हुआ–

      (अ) 42वां (ब) 44वां

      (स) 94वां (द) कोई नहीं

   5. संविधान के अनुच्छेद 352 के अनुसार आपातकाल की घोषणा कौन कर सकता है ?

      (अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री

      (स) लोकसभा अध्यक्ष (द) राज्यसभा अध्यक्ष

   6. दलविहीन प्रजातंत्र की अवधारणा किसकी है ?

      (अ) राममनोहर लोहिया (ब) जयप्रकाश नारायण

      (स) महात्मा गाँधी (द) भीमराव अम्बेडकर

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. लोकदल की स्थापना .... की। (चरण सिंह/जगजीवन राम)
2. संपूर्ण क्रांति का सम्बन्ध .... से है। (मोरारजी देसाई/जयप्रकाश नारायण)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. बिहार आन्दोलन के प्रमुख नेता कौन थे ?
2. आपातकाल की घोषणा कब की गई ?
3. जे.पी. के नाम से मशहूर राजनेता कौन थे ?
4. आपातकाल के समय देश का राष्ट्रपति कौन था ?
5. रेल हड़ताल कब हुई ?
6. किस मुकदमे में संविधान के मूलभूत ढाँचे की धारणा का जन्म हुआ ?
7. 1977 का आम चुनाव विपक्ष ने किस नारे पर लड़ा था ?

4. लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. निम्नलिखित का मिलान कीजिए–

(क) संपूर्ण क्रांति	1. इन्दिरा गाँधी
(ख) गरीबी हटाओं	2. जयप्रकाश नारायण
(ग) छात्र आन्दोलन	3. बिहार आन्दोलन
(घ) रेल हड़ताल	4. जॉर्ज फर्नाडिस

2. आपातकाल में सरकार को कौनसी विशेष शक्तियाँ प्राप्त हो जाती है ?
3. भारतीय संविधान में न्यायपालिका की स्वतन्त्रता हेतु क्या–क्या प्रावधान किये गये है ?
4. मोरारजी देसाई का संक्षिप्त परिचय दीजिए ?

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. 1977 में कांग्रेस पार्टी की पराजय के प्रमुख कारणों का विवेचन कीजिए।
2. निम्न पर टिप्पणी लिखिए।

(अ) जगजीवन राम (ब) चौधरी चरण सिंह

पाठ 14

क्षेत्रीय आकांक्षाएँ

पाठ का सार–

इस अध्याय में क्षेत्रीय आकांक्षाओं के बारे में बताया गया है। भारत के अलग–अलग इलाकों के लोगों में स्वायत्तता की भावना पैदा हो गई, जिससे अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। अध्याय में जम्मू एवं कश्मीर जिसे धारा 370 में विशेष राज्य का दर्जा दिया गया था, के बारे में बताया गया है। भारत–पाक के बीच का मुख्य समस्या कश्मीर मुद्दा ही है। द्रविड़ आंदोलन जो ई.वी. रामास्वामी नायक ने चलाया, क्षेत्रीय स्वायतत्ता का प्रमुख आंदोलन है, जिसका प्रसिद्ध नारा था 'उत्तर हर दिन बढ़ता जाए, दक्षिण दिन–दिन घटता जाए।

1966 में पंजाबी–भाषी प्रांत का निर्माण हुआ। पंजाब मेंकुछ चरमपंथी उग्रवादी भारत से अलग होकर अलग 'खालिस्तान' बनाना चाहते थे। इन्होंने स्वर्णमंदिर (अमृतसर) को मुख्यालय बनाया। विरोध में भारत सरकार ने जून 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया। इस अभियान से सिख समुदाय नाराज हुआ। इन्दिरा गांधी की हत्या 31 अक्टूबर 1984 को उनके अंग रक्षकों ने कर दी जो कि सिख थे।

इस अध्याय में पूर्वोत्तर राज्यों की क्षेत्रीय स्वायत्तता पर प्रकाश डाला गया है। पूर्वोत्तर में भारत के सात राज्य है, जिन्हें सात बहने ^मअमद`पेजमते) भी कहा जाता है। यह क्षेत्र अपने आपको भारत से अलग मानता है। मिजो नेशनल फ्रंट के संस्थापक लालडेगा ने भारत के खिलाफ लगभग दो दशक तक सशस्त्र संघर्ष का नेतृत्व किया। असम में क्षेत्रीय स्वायत्तता के लिए ऑलअसम स्टूडेन्ट यूनियन (आसू 1979) ने भूमिका निभाई।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. पंजाब एवं हरियाणा राज्यों का गठन कब हुआ ?

      (अ) 1950 में   (ब) 1947 में

      (स) 1966 में   (द) 1977 में

   2. पूर्वोत्तर क्षेत्र में कितने राज्य है ?

      (अ) पांच   (ब) दो

      (स) सात   (द) दस

   3. गोवा भारत संघ का एक राज्य किस वर्ष में बना–

      (अ) 1984   (ब) 1985

      (स) 1986   (द)1987

   4. हिन्दी को राजभाषा बनाने के खिलाफ निम्न में से किस राज्य में विरोध आंदोलन चला था ?

      (अ) तमिलनाडु   (ब) पंजाब

      (स) हरियाणा   (द) गुजरात

5. जम्मू और कश्मीर को संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत विशेष दर्जा दिया था ?

(अ) अनुच्छेद 370 (ब) अनुच्छेद 371

(स) अनुच्छेद 375 (द) अनुच्छेद 376

6. जम्मू–कश्मीर के हिन्दू शासक का नाम था ?

(अ)शेख अब्दुला (ब) हरिसिंह

(स) देवी सिंह (द) उमर अब्दुला

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. .... के दशक को क्षेत्रीय स्वायतत्ता की मांग के दशक के रूपमें भी जाना जाता है। (1980 / 1990)

2. नागालैण्ड को राज्य का दर्जा .... में दिया गया। (1963 / 1965)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले जम्मू एवं कश्मीर में किस प्रकार की शासन व्यवस्था थी ?
2. भारत ने विविधता के प्रश्न पर कौनसा दृष्टिकोण अपनाया ?
3. भारतीय भू–भाग में किस क्षेत्र को सात बहनों का भाग कहा जाता है ?
4. 'ऑपरेशन ब्लू स्टार'कब और किसके द्वारा चलाया गया ?
5. भारत के किस राजनेता ने खुली अर्थव्यवस्था व कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी का समर्थन किया ?
6. ई.वी. रामास्वामी नायकर किस नाम से प्रसिद्ध थे ?
7. भारत पाकिस्तान के मध्य विवाद का सबसे प्रभावी मुद्दा कौनसा है ?

4. लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. क्षेत्रवाद अथवा क्षेत्रीयता से आप क्या समझते है ?
2. 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' से क्या आशय है ?
3. राष्ट्रीय अखण्डता से क्या तात्पर्य है ?
4. 1984 में स्वर्ण मन्दिर में हुई सैनिक कार्यवाही को किस नाम से जाना जाता है ?

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. पंजाब समझौते के मुख्य प्रावधान क्या थे ?
2. भारतीय लोकतंत्र पर पृथक्कतावाद के चार कुप्रभावों को संक्षेप में लिखिए।

पाठ 15

भारतीय राजनीति : नए बदलाव

पाठ का सार–

इस अध्याय में 1990 के दशक के बाद भारतीय राजनीति में आये बदलावों के बारे में बताया गया है। 1989 के चुनावों में कांग्रेस की हार के साथ ही कांग्रेस प्रणाली का प्रभाव कम हो गया। 1990 में राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार ने मण्डल आयोग की सिफारिशों को लागू किया। 1989 से भारतीय राजनीति में गठबंधन का युग शुरू हुआ। कांग्रसे का प्रभाव कम होने लगा। 1996 से लेकर अब तक गठबंधन की सरकारे भारत में बनी है। यहां राजग(राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) एवं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) पाया जाता है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को मण्डल आयोग की सिफारिशों के अनुसार आरक्षण दिया गया है। 1978 में बैकवर्ड एण्ड माइनॉरिटी कम्यूनिटीज एम्पलाइज फेडरेशन का गठन हुआ। 1984 में कांशीराम ने बहुजन समाज पार्टी (ठैच) कीस्थापना की। 1992 के बाबरी मस्जिद विध्वंस के बारे में अध्याय में बताया गया है, 2002 के गुजरात दंगों के बारे में भी विवरण इस अध्याय में है। 2004 के चुनावों में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (सप्रंग) की सरकार बनी तो 10 मई 2014 में भाजपा नीत राजग गठबंधन की सरकार बनी, जिसका नेतृत्व श्री नरेन्द्र मोदी कर रहे है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. इन्दिरा गांधी की हत्या के बाद देश का प्रधानमंत्री निम्न में से कौन बना–

      (अ) अटल बिहारी वाजपेयी (ब) राजीव गांधी

      (स) सोनिया गाँधी (द) वी.पी. सिंह

   2. द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थे–

      (अ) राजीव गाँधी (ब) वी.पी. मण्डल

      (स) मनमोहन सिंह (द) वाजपेयी

   3. जनतापार्टी का उदय कब हुआ–

      (अ) 1980 (ब) 1998

      (स) 1999 (द) 1977

   4. 1991 के चुनावों में निम्न में से कौन प्रधानमंत्री बना –

      (अ) नरसिम्हाराव (ब) राजीव गांधी

      (स) वी.पी. सिंह (द) अटल बिहारी वाजपेयी

   5. निम्न में से कौन कभी प्रधानमंत्री नही रहे–

      (अ) सोनिया गाँधी (ब) मनमोहन सिंह

      (स) नरेन्द्र मोदी (द) चन्द्रशेखर

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. गठबंधन सरकारों का युग .... शुरू हुआ। (1989 / 1990)
2. बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक ....थे। (कांशीराम / मायावती)
3. नई आर्थिक नीति .... लागू हुई। (1991 / 1993)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. मण्डल आयोग की सिफारिशों को कब लागू किया गया।
2. 'सप्रंग' का पूरा नाम लिखो ।
3. बी.पी. मंडल का पूरा नाम लिखो।
4. ओबीसी (OBC) का पूरा नाम लिखो।
5. वर्तमान समय में हमारे देश के प्रधानमंत्री कौन है ?
6. भारत में किस प्रकार का पार्टी सिस्टम विकसित हुआ है ?

4. लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. प्रान्तीय दल किसे कहते है ?
2. बहुदलीय शासन प्रणाली किसे कहते है ?
3. गठबंधन सरकार के पक्ष व विपक्ष में 1–1 तर्क दीजिए।

5. निबन्धात्मक प्रश्न

1. राजनीतिक अपराधीकरण से क्या आशय है ?

या

2. 'मण्डल आयोग'के बारे में बताओ।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग) परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : लोकप्रशासन

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा 2025–26
लोक प्रशासन (Public Administration)
कक्षा–12

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–				
प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	4:15	80	20	100

इकाई	विषय वस्तु	अंकभार
1	**लोक प्रशासनः** वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य, लोक प्रशासन अध्ययन विषय के रूप में विकास	6
2	**प्रमुख सैद्धान्तिक विचारधाराएं** वैज्ञानिक प्रबन्ध (टेलर, फेयोल) शास्त्रीय विचारधारा (गुलिक, उर्विक), अधिकारी तंत्र प्रतिमान (मेक्स, वेबर), मानव सम्बन्ध विचारधारा (एल्टन मेयो)	10
3	**प्रशासनिक व्यवहार** सम्प्रेषण, अभिप्रेरणा (मैस्लो एवं मेकग्रेगर), निर्णय–निर्माण (हर्बर्ट साइमन)	10
4	**तुलनात्मक लोक प्रशासन एवं विकास प्रशासन** तुलनात्मक लोक प्रशासनः अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व, विकास प्रशासन एवं प्रशासनिक विकासः अर्थ, विशेषताएँ एवं अर्न्तसंबंध।	08
5.	**भारतीय प्रशासनः सामान्य परिचय** कौटिल्य के प्रशासनिक विचार, भारतीय प्रशासन का संवैधानिक परिप्रेक्ष्य एवं भारतीय प्रशासन की विशेषताएँ	08
6.	**नीति निरूपण एवं नियोजन** नीति आयोग एवं राष्ट्रीय विकास परिषदः संगठनात्मक स्वरूप एवं कार्य, राजस्थान में नियोजन विभाग एवं योजना मंडलः संगठन एवं भूमिका, जिला आोजना समिति	10
7.	**वित्तीय प्रशासन** बजट का अर्थ एवं प्रकार, भारत में बजट का निर्माण एवं अनुमोदन, प्रक्रिया, वित्तीय नियंत्रण	06

8 **कार्मिक प्रशासन** 08

उच्च लोक सेवाओं में भर्ती–प्रक्रिया एवं प्रशिक्षण, संघ लोक सेवा, संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग, संगठनात्मक स्वरूप एवं भूमिका

9. **भारतीय प्रशासन : महत्वपूर्ण मुद्दे** 08

मंत्री–लोक सेवक संबंध, सामान्य, विशषज्ञ संबंध, प्रशासनिक नैतिकता, प्रशासन में पारदर्शिता (नागरिक अधिकार पत्र, सूचना का अधिकार)

10. **प्रशासनिक सुधार एवं नचाचार** 06

भारत में प्रशासनिक सुधारः स्वतंत्रता पश्चात् के विभिन्न आयोगों एवं समितियों की जानकारी, राजस्थान में प्रशासनिक सुधार एवं नवाचार विकासः अर्थ, विशेषताएँ एवं अन्र्तसंबंध।

निर्धारित पुस्तक– लोक प्रशासन – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

अनुक्रमणिका

कक्षा–12

विषयः लोकप्रशासन

क्र.सं.	विवरण
	इकाई– **I** लोक प्रशासन : वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य
1..	लोक प्रशासनः अध्ययन विषय के रूप में विकास
	ईकाई– **II** प्रमुख सैद्धान्तिक विचारधाराएँ
2.	वैज्ञानिक प्रबन्ध विचारधारा
3.	शास्त्रीय विचारधारा
4.	अधिकारी तंत्र प्रतिमान
5.	मानव सम्बन्ध विचारधारा
	ईकाई– **III** प्रशासनिक व्यवहार
6.	सम्प्रेषण अथवा संचार
7.	अभिप्रेरणा
8.	निर्णय निर्माण
	ईकाई– **IV** तुलनात्मक लोक प्रशासन एवं विकास प्रशासन
9.	तुलनात्मक लोक प्रशासन
10.	विकास प्रशासन
11.	प्रशासनिक विकास
	ईकाई– **V** भारतीय प्रशासनः सामान्य परिचय
12.	कौटिल्य के प्रशासनिक विचार
13.	भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन
14.	भारतीय प्रशासन तंत्र की विशेषताएँ
	ईकाई– **VI** नीति निरूपण एवं नियोजन
15.	नीति आयोग
16.	राष्ट्रीय विकास परिषद

17.	नियोजन विभाग एवं योजना मण्डल
18.	जिला आयोजना समिति
	ईकाई– VII वित्तीय प्रशासन
19.	बजट की अवधारणा
20.	भारत में बजट
21.	वित्तीय नियंत्रण
	ईकाई– VIII कार्मिक प्रशासन
22.	लोक सेवाओं में भर्ती
23.	लोक सेवाओं में प्रशिक्षण
24.	संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग
	ईकाई– IX भारतीय प्रशासनः महत्वूपर्ण मुद्दे
25.	मंत्री लोक सेवक सम्बन्ध
26.	सामान्यज्ञ बनाम विशेषज्ञ
27.	प्रशासनिक नैतिकता
28.	प्रशासन में पारिदर्शिता
	ईकाई– X प्रशासनिक सुधार एवं नवाचार
29.	प्रशासनिक सुधार

इकाई–1 लोक प्रशासन : वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य

अध्याय 1

लोक प्रशासन : अध्ययन विषय के रूप में विकास

सारांश –

प्रस्तुत अध्याय में लोक प्रशासन के एक अध्ययन विषय के रूप में विकसित होने की प्रक्रिया का वर्णन है। सोलहवीं सदी से वर्तमान समय तक के विकास एवं विभिन्न सरकारों के प्रकार का संक्षिप्त परिचय के साथ ही भारतीय परिवेश में सिन्धुघाटी सभ्यता से वर्तमान युग तक लोक प्रशासन की विकास यात्रा का वर्णन है।

इस पाठ में (1) लोक प्रशासन एक क्रिया के रूप में (2) लोक प्रशासन एक विषय के रूप में अध्ययन किया जा सकता हैं इसके विभिन्न चरण जैसे प्रथम चरण– राजनीति प्रशासन द्विविभाजन काल (1887–1926) द्वितीय चरण – प्रशासन के सिद्धान्तों का स्वर्णकाल (1927–1937) तथा तृतीय चरण– चुनौतियों का काल (1938–1970) और पंचम चरण– अर्न्तविषयक काल (1971 से वर्तमान तक) का भी वर्णन किया है जिससे लोक प्रशासन जैसे विषय के विकासकाल को समझा जा सकता है। साथ ही नवीन लोक प्रशासन के चार प्रमुख लक्ष्यों का भी सविस्तार वर्णन है जो है।

1) प्रासंगिकता

2) मूल्य

3) सामाजिक समानता

4) परिवर्तन

इनके द्वारा नवीन लोक प्रशासन निष्कर्ष तौर पर तटस्थ कम और मूल्यपरक ज्यादा है। साथ ही भारत में लोक प्रशासन का अध्ययन विषय के रूप में विकास का भी वर्णन किया गया है। इसे सिन्धुघाटी सभ्यता से लेकर उपनिवेशकाल में ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासन तक से परिभाषित करते हुए 1937 में मद्रास विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम लोक प्रशासन विषय में डिप्लोमा शुरू किया गया। सन् 1945 में लखनऊ विश्वविद्यालय व 1949 में नागपुर विश्वविद्यालय में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया गया।

सर्वप्रथम 1975 में राजस्थान विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन विषय में स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया। सन् 1987 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा प्रतियोगी परीक्षा में वैकल्पिक विषयों की सूची में स्वतंत्र विषय की सूची में शामिल किया गया।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. 'फेडरलिस्ट' ग्रंथ का लेखक कौन है ?

(अ) विलोबी (ब) टेलर

(स) न्यूमैन (द) हैमिल्टन ( )

2. Public Choice approach का प्रमुख समर्थक है?

(अ) विसेन्ट ऑस्ट्र (ब) विलोबी

(स) एल.डी. व्हाइट (द) वाल्डो ( )

3. आधुनिक लोक प्रशासन का जनक किसे माना जाता है ?

(अ) मैक्स वेबर (ब) एल.डी. व्हाइट

(स) वुडरो विल्सन (द) फ्रेंक गुडनाऊ ( )

4. "Princiapl of Public Administeration." नामक पुस्तक के लेखक है ?

(अ) W.F. विलोबी (ब) वुडरो विल्सन

(स) फेंक जे. गुडनाऊ (द) गुलिक ( )

5. Introduction to study of Public Administeration नामक पुस्तक के लेखक कौन है?

(अ) L.D. व्हाइट (ब) हर्बर्ट साइमन

(स) उर्विक (द) रार्बट डहल ( )

6. USA में सार्वजनिक सेवाओं संबंधी उच्च शिक्षा पर 'हनी प्रतिवेदन' किस वर्ष दिया था?

(अ) 2008 (ब) 1988

(स) 1967 (द) 1994 ( )

7. भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की स्थापना किस वर्ष की गई ?

(अ) 1953 (ब) 1935

(स) 1954 (द)1945 ( )

8. द्वितीय मुन्नोब्रेक सम्मेलन का वर्ष है।

(अ) 1988 (ब) 1967

(स) 1968 (द) 1990 ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. 16वीं सदी क जर्मन आस्ट्रिया के प्रोफेसरों तथा प्रशासकों के समूह को .... कहा जाता है। (केमरेवालवादी / जर्मनवादी)

2. भारत में सर्वप्रथम लोक प्रशासन के अध्ययन–अध्यापन का विषय के रूप में श्रेय .... जाता है? (वीके मेनन / डॉ. अम्बेडकर)

3. भारत में लोक प्रशासन के विकास के लिए 1949 में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की स्थापना .... में हुई। (दिल्ली / कोलकाता)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. नव लोक प्रबन्ध शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया था?
2. हर्बर्ट साइमन की महत्वपूर्ण कृति का नाम लिखिए।
3. लोक प्रशसन की विकास यात्रा को कितने कालखण्डों में विभाजित किया गया है ?
4. सुशासन शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया ?
5. भारतीय लोक प्रशासन का जनक किसे माना जाता है ?
6. लोक प्रशासन का सर्वप्रथम अध्ययन अध्यापन कहा शुरू हुआ था?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. संयुक्त राज्य अमेरिका में लोक प्रशासन के उदय एवं विकास को प्रभावित करने वाले दो कारकों का उल्लेख कीजिए।
2. भारतीय लोकप्रशासन संस्थान की स्थापना कब हुई ?
3. नवीन लोक प्रशासन के 4 प्रमुख लक्ष्यों– प्रासंगकिता पर बल दिया, वह है?

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. एक विषय के रूप में भारत में लोक प्रशासन की विकास यात्रा का वर्णन कीजिए।
2. लोक प्रशासन का भारत में क्या योगदान है?

इकाई–2

प्रमुख सैद्धान्तिक विचारधाराएँ

अध्याय–2

वैज्ञानिक प्रबन्ध विचारधारा

सारांश–

समाज को दिशा देने के लिए विभिन्न विचारधाराएं प्रचलित है, जिसमें 20वीं सदी में वैज्ञानिक स्वचालन एवं कम्प्यूटर तकनीक का विकास प्रमुख है। अतः यह विचारधारा वर्तमान समय में सर्वहितों के रूप में कार्य करने के कारण महत्वपूर्ण है।

वैज्ञानिक प्रबन्ध विचारधारा में सर्वप्रथम व्यवस्थित विचारधारा है। वैज्ञानिक प्रबन्ध शब्द का सबसे पहले आविष्कार सन् 1910 ई. में लुई.डी. ब्रेंडीज ने किया था। इस अवधारणा के क्षेत्र में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान एफ.डब्ल्यू. टेलर एवं हेनरी फेयोल ने दिया जिसके कारण टेलर को वैज्ञानिक प्रबन्धन का पितामह कहा जाता है।

वैज्ञानिक प्रबन्ध का अर्थ– विज्ञान का अर्थ है विशिष्ट ज्ञान की वह शाखा जो तथ्यों को व्यवस्थित ढंग से चलाने से है।

इस पाठ में वैज्ञानिक प्रबन्ध की विशेषताएँ तथा वैज्ञानिक प्रबन्ध के उद्देश्य आदि का वर्णन है। साथ में एफ.डब्ल्यू, टेलर का योगदान, मान्यताएँ एवं सिद्धान्त तथा वैज्ञानिक प्रबन्धन की तकनीके, वैज्ञानिक प्रबन्ध के लाभ आदि का विस्तृत वर्णन है।

दूसरे स्थान पर हेनरी फेयाल का योगदान, प्रबन्धन के त्तव, सिद्धान्त आदि पर चर्चा की गई है। इसके अलावा प्रबन्धकों के गुण–आलोचना के साथ ही फेयोल का मूल्यांकन किया गया है।

निष्कर्षतः टेलर एवं हेनरी फेयोल का प्रबन्ध जगत में योगदान अविस्मरणीय है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

    1. वैज्ञानिक प्रबन्ध की क्रान्ति कौनसी शताद्बी में था–

        (अ) 17वी (ब) 19वी

        (स) 20 वी (द) 15वी ( )

    2. प्रबंध का आशय है–

        (अ) सुधार (ब) अनुमान

        (स) सुव्यवस्था (द) भूल ( )

3. निम्न में से किसे ''वैज्ञानिक प्रबन्ध'' का पितामह कहा जाता है ?

(अ) एल्टन मेयो (ब) लूथर गुलिक

(स) टेलर (द) फेयोल ( )

4. हेनरी फेयोल ने संगठन के कितने सिद्धान्त बताए है ?

(अ) 14 (ब) 10

(स) 6 (द) 5 ( )

5. A piece role system कब प्रकासित हुआ था–

(अ) 1910 (ब) 1906

(स) 1995 (द) 1895 ( )

6. गैंक प्लांक क्या है ?

(अ) उच्च स्तरीय अधिकारी से सीधे संपर्क करना।

(ब) सभी पदों का एकीकरण कर देना।

(स) समस्तरीय पदों में प्रत्यक्ष संचार हेतु पुल बनाना।

(द) उपर्युक्त सभी ( )

7. Shop management 1910 पुस्तक के लेखक कौन है ?

(अ) टेलर (ब) उर्विक

(स) फेयोल (द) गुलिक ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. वैज्ञानिक प्रबंध शब्द का सबसे पहले प्रयोग सन .... में किया गया। (1918 / 1910)
2. हेनरी फेयोल .... के प्रबल समर्थक थे। (आदेश की एकता / आदेश की विभिन्नता)
3. गलती करो और सुधार करो के स्थान पर .... वैज्ञानिक प्रबंधन है। (प्रबन्धन का संचालन / कार्य विभाजन)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. वैज्ञानिक प्रबन्ध की दो प्रमुख विशेषताएं बताइये।
2. Principal scientific management प्रमुख पुस्तक किसने लिखी है?
3. अपवाद का सिद्धान्त क्या है ?
4. वे सबसे उचित व सस्ते ढंग से कार्य कैसे कर सकते है इसका आंकलन कर वैज्ञानिक प्रबंध है यह सिद्धान्त किसने दिया?

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. वैज्ञानिक प्रबन्ध के प्रमुख उद्देश्य क्या थे ?
2. टेलर ने वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धान्तों की कितनी मान्यताएं बताई है?
3. हेनरी फेयोल ने संगठन को दो कौनसे भागों में बांटा है?
4. वैज्ञानिक प्रबन्ध आंदोलन के जन्मदाता कौन थे ?
5. The Industrialisation of state पुस्तक कब छपी थी?
6. हेनरी फेयोल ने संगठन में अनुशासन बनाये रखने के लिए प्रबंधकों के लिए कितने उपाय बताये है?

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. हेनरी फेयोल के प्रबन्धकीय योगदान का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
2. टेलर ने वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धान्तों की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

अध्याय 3

शास्त्रीय विचारधारा

सारांश–

शास्त्रीय विचारधारा संगठन की सबसे पुरानी एवं सबसे प्रचलित विचारधारा है। इसके प्रवर्तक लूथर गुलिक है। इस पाठ के तहत संगठन के विभिन्न सिद्धान्तों का परिचय दिया गया है। इसमें शास्त्रीय विचारधारा की मान्यताएँ, विशेषताएँ आदि का विस्तृत विवरण है। शास्त्रीय विचारधारा में लूथर गुलिक का योगदान, उनके शोधपत्र, पुस्तके, व उनके 10 सिद्धान्त, 4Ps तथा लोक प्रशासन के क्षेत्र जिसमें POSDCORB के कार्य जो एक प्रबन्धक द्वारा किये जाने वाले कार्यों का वर्णन है व अन्य विद्वान लिंडल एफ. उर्विक का योगदान, पुस्तके, उनके द्वारा उदत्त प्रबन्ध के सिद्धान्त Z (जेड) सिद्धान्त आदि का वर्णन किया गया है।

निष्कर्षतः– शास्त्रीय विचारधारा के विकास में लूथर गुलिक और उर्विक का योगदान सदैव अतुलनीय है। इस विचारधारा ने ही सर्वप्रथम प्रशासन को एक स्वतंत्र क्रिया के रूप में स्थापित किया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. शास्त्रीय विचारधारा में शास्त्रीय शुद्ध से क्या है–
   (अ) पुराना (ब) समाचार
   (स) नया (द) उच्च ( )
2. किसके द्वारा विकसित वैज्ञानिक प्रबंध संगठन की संकीर्ण विचार धारा माना है–
   (अ) उर्विक (ब) फेयोल
   (स) लूथर गुलिक (द) टेलर ( )
3. ''पेपर्स ऑन द साइन्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन'' का सम्पादन कब किया गया?
   (अ) 1937 (ब) 1939
   (स) 1973 (द) 1938 ( )
4. शास्त्रीय विचारधारा के समर्थक नहीं है–
   (अ) गुलिक (ब) उर्विक
   (स) मूने बरैले (द) टेलर ( )
5. उर्विक ने नियंत्रण के क्षेत्र की क्या सीमा बतलायी है ?
   (अ) तीन अधीनस्थ (ब) चार अधीनस्थ
   (स) पांच या छह अधीनस्थ (द) दस या बारह अधीनस्थ ( )

6. POSDCORB का सिद्धान्त किसने दिया था–

(अ) हेनरी (ब) लूथर

(स) जैम्स (द) मूने व रैले ( )

7. Z Theory (जेड सिद्धान्त) किसके आर्थिक विचारों पर आधारित है ?

(अ) टेलर (ब)गुलिक

(स) मैकग्रेगर (द) फेयोल ( )

8. "One man one boss" यह सिद्धान्त का पहलू है–

(अ) आदेश की एकता (ब)विकेन्द्रीकरण

(स) Delegation (द) स्टाफ एवं लाईन ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. शास्त्रीय विचारधारा में संगठन के .... तत्वों का अध्ययन होता है। (आंतरिक / बाहरी)

2. All Fingers का अर्थ .... है। (सभी अंगुलियां / छोटी अंगुलियां)

3. 'Alements of Administration' सन् .... में प्रकाशित हुई। (1943 / 1948)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. शास्त्रीय विचारधारा से तात्पर्य है?

2. गुलिक हेनरीने संगठन के कितने सिद्धान्त बताए है ?

4. चार पी (Four 'Ps') क्या है ?

5. लूथर गुलिक ने मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय के बीच सम्बन्धों के बीच कितने प्रतिमान है?

6. संगठन की सबसे पुरानी विचारधारा का नाम क्या रखा है?

7. फोर पी (Four 'P') प्रथम 'P' का क्या अर्थ है ?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. संगठन की शास्त्रीय विचारधारा को अन्य और किस नाम से जाना जाता है ?

2. अपने विद्यालय के कार्य विभाजन का उदाहरण बताइये।

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. गुलिक के संगठन के सिद्धान्तों पर लेख लिखिए।

2. शास्त्रीय विचारधारा की मुख्य विशेषताएं बताओ।

अध्याय 4

अधिकारी तंत्र प्रतिमान

सारांश –

अधिकारी तंत्र प्रतिमान अथवा नौकरशाही एक दूसरे के पर्याय है। इस पाठ में नौकरशाही शब्द का उद्भव, परिभाषाएं एवं प्रकार के साथ साथ विशेषताओं का वर्णन है। नौकरशाही के प्रकारों में (1) अभिभावक नौकरशाही, (2) जातीय नौकरशाही (3) संरक्षक नौकरशाही (4) योग्यता पर आधारित नौकरशाही आदि पर विस्तृत चर्चा की गई है।

मैक्स वेबर की प्रमुख पुस्तकें, उनके सिद्धान्त जैसे– प्राधिकार सम्बन्धित सिद्धान्त जिसमें (1) परम्परागत प्राधिकार (2) करिश्माई प्राधिकार (3) वैधानिक तार्किक या कानूनी प्राधिकार पर प्रकाश डाला गया है।

मैक्स वेबर की आदर्श नौकरशाही का प्रारूप, आदर्श नौकरशाही की विशेषताएँ, जिसमें (1) कार्य विभाजन एवं विशिष्टीकरण (2) पदसोपान (3) नियम (4) योग्यता के आधार पर भर्ती (5) पूर्वकालीन अधिकारी (6) आजीविका विकास (7) नियमित पारिश्रमिक व पेन्शन लाभ (8) निजी और लोकहित में अन्तर (9) निर्वैयक्तिक व्यवस्था (10) व्यवस्थित अनुशासन एवं नियंत्रण (11) लिखित दस्तावेज (12) कार्यकुशलता आदि की विवेचना की गई है।

वेबर के मूल्यांकन में यह पाया गया है कि नौकरशाही मानव जीवन की कमजोरी बन गई है। और इसका विकल्प खोज पाना, अत्यन्त कठिन है। डवाइट वाल्डों ने ठीक ही कहा है कि अगर लोक प्रशासन में कोई प्रतिमान है तो वह वेबर का अधिकारी तन्त्र का प्रतिमान है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. अंग्रेजी का 'ब्यूरो' शब्द किस भाषा के शब्द से लिया गया है–
   (अ) जर्मन (ब) फ्रेंच
   (स) स्पेनिश (द) रूसी ( )
2. 'नौकरशाही' शब्द का प्रथम प्रयोग किसने किया था ?
   (अ) कार्ल मार्क्स (ब) एफ.एम. मार्क्स
   (स) मैक्स वैबर (द) विन्सेन्ट डी. गार्ने ( )
3. नौकरशाही के आदर्श रूप मॉडल की रचना किस प्राधिकार के आधार पर की गई है ?
   (अ) परम्परागत प्राधिकार (ब) कानूनी प्राधिकार
   (स) करिश्माई प्राधिकार (द) बिना किसी प्राधिकार के आधार पर( )
4. वेबर की नौकरशाही मॉडल की विशेषता है ?
   (अ) प्रशासनिक नियम (ब) पदसोपान
   (स) निवैयक्तिकरण (द) उपर्युक्त सभी ( )

5. नौकरशाही के 4 प्रकार किसने दिये है–

(अ) वेबर ने | (ब) मार्क्स ने

(स) लार्ड हीवर्ट ने | (द) टेलर ने (अ) ( )

6. Theory of Authority किसने दिया है –

(अ) वेबर | (ब) थॉमस कार्लाइस

(स) कार्लमार्क्स | (द) एम. क्रोंजियर ( )

7. नौकरशाही को ''ब्यूरोपैथॉलोजी'' की संज्ञा दी है ?

(अ) एम. क्रोजियर | (ब) विक्टर थॉम्पसन

(स) थॉमस कार्लाइस | (द) वेबर ( )

8. ''दी थ्यौरी ऑफ सोशल एण्ड इकॉनोमिक ऑर्गेनाइजेशन" किसकी रचना है ?

(अ) कार्लमार्क्स | (ब) हेनरी फेयोल

(स) मैक्स वेबर | (द) टेलर ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. ब्यूरोमेनिया .... कहा गया है। (बीमारी/आनंद)
2. द रिलीजन ऑफ इण्डिया का प्रकाशन .... हुआ था (1916/1921)
3. संरक्षक नौकरशाही को.......................... भी कहा जाता है। (जातीय प्रणाली/लूट प्रणाली)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. ब्यूरोक्रेसी का सामान्य अर्थ बताइए।
2. भारत में ब्यूरोक्रेसी के प्रचलन के दो कारण बताओ?
3. वेबर ने कितने प्रकार के प्राधिकार बताए है ?
4. नौकरशाही की पांच विशेषताएं बताइये।
5. नौकरशाही के उदय के मुख्य दो कारण बताओ।

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. नौकरशाही के दो सामान्य लक्षण बताइये।
2. प्राधिकार सम्बन्धित सिद्धान्त के तीन प्रकार बताऐं?

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. वेवर के मॉडल का उपयोग बताएं?
2. नौकरशाही को परिभाषित कीजिए।

अध्याय 5

मानव सम्बन्ध विचारधारा

सारांश–

मानव संबंध विचारधारा कर्मचारियों अथवा मानव को अपने अध्ययन का केन्द्र बिन्दु मानती है। इस विचारधारा ने प्रबन्ध के श्रमिकों के प्रति अपने व्यवहार में सुधार व परिवर्तन लाने का प्रयास किया। परिणामस्वरूप कर्मचारियों व श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार आया है।

प्रस्तुत पाठ में मानव सम्बन्ध विचारधारा का अर्थ एवं परिभाषा को बताते हुए उसकी प्रमुख विशेषताएं बताई है। मानव सम्बन्ध विचारधारा और शास्त्रीय विचारधारा में अन्तर तथा मानव सम्बन्ध विचारधारा और शास्त्रीय विचारधारा में अन्तर तथा मानव सम्बन्ध विचारधारा के विकास के कारणों में 1) 1930 की आर्थिक मंदी 2) पूंजी आधिरित उद्योग 3) तकनीकी प्रगति 4) टेलरवाद की प्रतिक्रिया 5) वर्ग विरोध तथा 6) एल्टन मेयो के प्रयोग का वर्णन किया गया है।

मानव सम्बन्ध विचारधारा में एल्टन मेयो का योगदान, मेयो के प्रयोग जिनमें हॉथोर्न प्रयोग (1924–1934) 1) जांच कक्ष अध्ययन 2) साक्षात्कार अध्ययन 3) अवलोकन अध्ययन आदि का विस्तृत वर्णन किया गया है।

मूल्यांकनतः यह कहा जा सकता है कि उक्त प्रयोग प्रशासन व औद्योगिक संस्थानों में आए दिन होने वाले हड़ताल, घेराव प्रदर्शन और हिंसात्मक कार्यवाहियों के समाधान में मानव सम्बन्ध विचारधारा काफी हद तक सहायक सिद्ध हो सकती है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

    1. मानव सम्बन्ध विचारधारा का पूरा ध्यान कहाँ पर केन्द्रित में है–

        (अ) संगठन के सिद्धान्तों को (ब) संगठन की संरचना को

        (स) संगठन में मानव को (द) संगठन में कार्य के नियमों को ( )

    2. Democircy and freedom पुस्तक के लेखक है ?

        (अ) रोथलिस बर्जर और डिक्सन (ब) एल्टन मेयो

        (स) रोथलिस बर्जर और मेयो (द) मेयो और व्हाइटहैड ( )

    3. मानव सम्बन्ध विचारधारा निम्न में से किस पर ध्यान केन्द्रित करती है ?

        (अ) औपचारिक संगठन (ब) लालफीताशाही

        (स) विशेषीकरण (द) अनौपचारिक समूह ( )

    4. ''मानव सम्बन्ध विचारधारा'' की आधारशिला कब रखी गई थी ?

        (अ) 1935 (ब) 1930

        (स) 1937 (द) 1940 ( )

5. मानव सम्बन्ध विचारधारा के लाभ है ?

(अ) श्रमिक और प्रबन्ध में अच्छे सम्बन्ध। (ब) श्रमिकों की अनुशासनहीनता में कमी ।

(स) हड़तालों, श्रमिक असंतोष जैसी समस्याओं से छुटकारा।

(द) इनमें से कोई नहीं ( )

6. मानव सम्बन्ध विचारधारा के जन्मदाता है।

(अ) विलियम जे. डिक्सन (ब) एल्टन मेयो

(स) टी.एन. व्हाइटहैड (द) कोई नहीं ( )

7. फ्रेड लुथांस के अनुसार विचारधारा है?

(अ) कर्मचारी सहयोग व बल (ब) नौकरशाही

(स) राजनीति (द) कार्पोरेट ( )

8. मेयो खण्डन करते है ?

(अ) हॉर्थोन प्रयोग का (ब) मानव सम्बन्ध विचारधारा का

(स) रैबल परिकल्पना का (द) उपरोक्त सभी का ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मानव सम्बन्ध विचारधारा का जन्मदाता .... है। (एल्टन मेयो / हॉर्थोन)
2. विश्वव्यापी आर्थिक मंदी .... में उत्पन्न हुई। (1950 / 1930)
3. मानव संम्बन्धी विचारधारा से मानव की .... जरूरत पूरी होती है? (सामाजिक / असामाजिक)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. The Social problems of an Industrial civiliation का प्रकाशन कब हुआ था?
2. मानव संबंधी विचारधारा से सम्बन्ध है।
3. मानव सम्बन्ध विचारधारा की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
4. मानव सम्बन्ध विचारधारा से कौनसे सम्बन्ध मजबूत होते है?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. अनौपचारिक संगठन किसे कहते है ?
2. मानव सम्बन्ध विचारधारा व शास्त्रीय विचारधारा में अन्तर बताओ ?
3. मानव सम्बन्ध विचारधारा के विकास के कोई तीन कारण बताइये ?

अध्याय 6

सम्प्रेषण अथवा संचार

सारांश–

सम्प्रेषण या संचार एक सत्त् प्रक्रिया है, जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति अपने संदेशों, विचारों, तर्कों, भावनाओं आदि का परस्पर आदान–प्रदान करते है। इसके लिए शब्दों, पत्रों, हाव–भाव, मौन, चिन्हों अथवा अन्य उपलब्ध साधनों का प्रयोग किया जाता है। इस पाठ में सम्प्रेषण का अर्थ विशेषतॉए उसके उद्देश्य तथा महत्त्व का वर्णन है।

साथ ही सम्प्रेषण की प्रक्रिया– संवाददाता, सूचना माध्यम, संवाद प्राप्तकर्ता और प्रतिक्रिया का वर्णन है। सम्प्रेषण के प्रकार– 1) औपचारिक सम्प्रेषण 2) अनौपचारिक सम्प्रेषण 3) मौखिक सम्प्रेषण 4) लिखित सम्प्रेषण 5) सांकेतिक सम्प्रेषण 6) अधोगामी सम्प्रेषण 7) उर्ध्वगामी सम्प्रेषण 8) समतलीय सम्प्रेषण 9) आन्तरिक सम्प्रेषण 10) बाह्य सम्प्रेषण की विस्तृत व्याख्या की गई है। और अंत में अच्छे सम्प्रेष्ण की आवश्यक शर्तें (8) का भी होना आवश्यक है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. Communication में Communis किस भाषा से लिया गया है–

      (अ) फ्रेंच (ब) लैटिन

      (स) अंग्रेजी (द) अमेरिकन ( )

   2. सम्प्रेषण एक व्यक्ति के मस्तिष्क को दूसरे व्यक्ति के मस्तिष्क से जोडने वाला पुल है। उक्त कथन किसने कहा है?

      (अ) लुई ए. ऐलन (ब) पीटर ड्रकर

      (स) कीथ डेविस (द) ऑडवे टीड ( )

   3. निम्न में से सम्प्रेषण प्रक्रिया का सही क्रम कौनसा है ?

      (अ) सम्प्रेषण, सूचना, संवाद प्राप्तकर्ता, प्रतिक्रिया माध्यम।

      (ब) सम्प्रेषक, सूचना, माध्यम, संवाद प्राप्तकर्ता, प्रतिक्रिया।

      (स) संवाद प्राप्तकर्ता, सम्प्रेषक सूचना प्रतिक्रिया ,माध्यम।

      (द) सूचना सम्प्रेषक, प्रतिक्रिया माध्यम, संवाद प्राप्तकर्ता। ( )

   4. मौखिक सम्प्रेषण के सम्बन्ध में कौनसा कथन सही है ?

      (अ) लिखित सम्प्रेषण से संदेश में स्पष्टता रहती है ।

      (ब) इसका साक्ष्य के रूप में उपयोग नहीं कर सकते है।

      (स) लिखित सम्प्रेषण में दोनों पक्षों की उपस्थिति अनिवार्य नहीं है।

      (द) संवाददाता द्वारा कोई सूचना संवाद के मुख से उच्चारण करके दी जाए।

5. सम्प्रेषण प्रक्रिया के चरण है ?

(अ) तीन (ब) चार

(स) पांच (द) दो ( )

6. लिखित सम्प्रेषण है?

(अ) पत्रिका (ब) रेडियो

(स) बातचीत (द) फोन ( )

7. ''ग्रेपवाइन''कहा जाता है ?

(अ) औपचारिक सम्प्रेषण को (ब) अनौपचारिक सम्प्रेक्षण को

(स) विस्तृत सम्प्रेक्षण को (द) उक्त में से कोई नहीं ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. संगठन या विभाग के भीतर का संचार प्रवाह .... कहलाता है। (बाह्य सम्प्रेषण / आन्तरिक सम्प्रेषण)
2. संवाद अथवा सूचना मुख से उच्चारण करना .... संप्रेषण कहलाता है। (लिखित / मौखिक)
3. संप्रेषण के प्रकार .... है। (4 / 3)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. सम्प्रेषण को परिभाषित कीजिए।
2. प्रशासन का प्रथम सिद्धान्त है?
3. अधिकतर सम्प्रेषण में कौनसा माध्यम प्रयोग होता है?
4. सम्प्रेषण में किन माध्यमों का प्रयोग किया जाता है ?
5. मौखिक सम्प्रेषण के क्या लाभ है ?
6. किसने सम्प्रेषण को ''प्रबन्ध का हृदय''कहा है?

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. लिखित सम्प्रेषण के क्या लाभ है ?
2. सम्प्रेषण के दोष बताएं?
3. सम्प्रेषण के उद्देश्य बताइये।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. सम्प्रेषण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को बताइये।
2. सम्प्रेषण का महत्व समझाइए।

अध्याय 7
अभिप्रेरणा

सारांश –

प्रस्तुत अध्याय में निजी क्षेत्र या लोक क्षेत्र में कर्मचारियों में कार्य की इच्छा और शक्ति को बनाये रखने के लिए अभिप्रेरणा के महत्व को बताया गया है। अभिप्रेरणा के प्रकार, सिद्धान्त व तकनीकों का वर्णन किया गया है।

प्रस्तुत पाठ में अभिप्रेरणा का अर्थ एवं परिभाषाएं बताई गई है। अभिप्रेरणा की विशेषताएँ, उद्देश्यों तथा महत्व पर भी चर्चा की गई है। अभिप्रेरणा के प्रकार 1) धनात्मक एवं ऋणात्मक अभिप्रेरणाएँ 2) मौद्रिक एवं अमौद्रिक अभिप्रेरणाएं 3) व्यक्तिगत एवं सामुहिक अभिप्रेरणाएं बताई गई है।

अभिप्रेरणाएँ की विधियां या तकनीके– 1) उद्देश्यों को स्पष्ट होना 2) कुशल नेवतृत्व 3) सहयोग एवं भागीदारी 4) प्रतिस्पर्धा या चुनौती 5) अभिप्रेरणा के अन्य साधन

अभिप्रेरणा की विभिन्न विचारधाराएँ–

I. परम्परागत विचारधाराएँ – 1) भय एवं दण्ड की विचारधारा 2) पुरस्कार का सिद्धान्त 3) कैरट व स्टिक विचारधारा

II. आधुनिक विचार धाराएं– 1) अब्राहम मैस्लो की आवश्यकता की क्रमबद्धता का सिद्धान्त 2) डगलस मैकग्रेगर का 'एक्स' तथा 'वाई' सिद्धान्त पर विस्तृत चर्चा की गई है। साथ ही दोनों पृथक–पृथक मूल्यांकन करते हुए इनका महत्व भी बताया गया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. निम्न में से किसने अभिप्रेरणा को ''प्रबन्ध का हृदय''कहा है
   (अ) रेन्सिस लिकर्ट (ब) एल.डी. व्हाइट
   (स) विलोबी (द) ऑडवे टीड ( )
2. अभिप्रेरणा शब्द का प्रयोग सबसे पहले कब किया था–
   (अ) 1938 (ब) 1940
   (स) 1939 (द) 1935 ( )
3. Movere शब्द किस भाषा का शब्द है–
   (अ) लैटिन (ब) फ्रैंच
   (स) जर्मन (द) अंग्रेजी ( )

4. निम्न में से कौनसी आवश्यकता को मैस्लो ने उच्चतम स्तर की आवश्यकता बतलाया है ?

(अ) शारीरिक आवश्यकता (ब) आत्म विकास सम्बन्धी आवश्यकता

(स) सामाजिक आवश्यकता (द) स्वाभिमान/सम्मान संबंधी आवश्यकता ( )

5. मैकग्रेगर का 'वाई' सिद्धान्त व्यक्ति के सम्बन्ध में किस प्रकार की मान्यताएं रखता है ?

(अ) सकारात्मक (ब) नकारात्मक

(स) तटस्थ (द) मानकीय ( )

6. Human side of Enterpriese किसकी पुस्तक है?

(अ) अब्राहम (ब) मैकम्रेगर

(स) मैर्ले (द) उपरोक्त में से कोई नहीं ( )

7. Theory of motivation कितने प्रकार के है?

(अ) दो (ब) तीन

(स) चार (द) छह ( )

8. अब्राहम मैस्लो का लेख A Theory of Human Motivation कब लिखा ?

(अ) 1940 (ब) 1942

(स) 1943 (द)1950 ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. आवश्यकताओं की क्रमबद्धता का सिद्धान्त का प्रतिपादन .... द्वारा किया गया। (मैक्फरलैण्ड/ए. मैस्लो)

2. अभिप्रेरणा की परम्परागत विचारधाराओं में .... प्रमुख है। (दण्डकी विचारधारा/आत्म विकास की विचारधारा)

3. X सिद्धान्त पूर्णतः .... है। (नकारात्मक/सकारात्मक)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. अभिप्रेरणा के प्रकार बताइये।
2. अभिप्रेरणा उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।
3. अमौद्रिक अभिप्रेरणाएं कौन–कौनसी है ?
4. मैस्लो द्वारा बतलाये गये आवश्यकताओं के पांच समूहों के नाम लिखिए।
5. मैकग्रेगर के अभिप्रेरणा के सिद्धान्त क्या है?
6. अभिप्रेरणा के प्रकार बताइये।

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. वाई सिद्धान्त बताइए?
2. अभिप्रेरणा के महत्व को बताने वाले दो बिन्दु लिखिए।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. आत्म विकास सम्बन्धी आवश्यकताएं बताओ।
2. मैकग्रेगर के 'एक्स' और 'वाई' सिद्धान्त की प्रमुख मान्यताओं को बताइये।

अध्याय 8

निर्णय निर्माण

सारांश –

संगठन को जीवित रखने के लिए निर्णय की महती भूमिका है। निर्णय से आशय है निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उपलब्ध विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चयन करना। यह समस्याओं का समाधान करने वाला है।

निर्णय के अर्थ, निर्णय निरूपण में 'तथ्यात्मक' एवं मूल्यात्मक त्तव व निर्णयन में तार्किकता या विवेकशीलता के विभिन्न प्रकारों में 1) वस्तुनिष्ठ विवेकशीलता 2) व्यक्तिनिष्ठ विवेकशीलता 3) संचेतन विवेकशीलता 4) संकल्पित या जानबूझकर की गई विवेकशीलता 5) संगठनात्मक विवेकशीलता तथा 6) व्यक्तिगत विवेकशीलता की व्याख्या की गई है।

निर्णय प्रक्रिया के प्रतिमान में 1. तार्किक/शास्त्रीय/आर्थिक मानव मॉडल 2. सीमित विवेकता मॉडल अथवा प्रशासनिक मानव मॉडल का वर्णन है।

निर्णय प्रक्रिया के चरण– 1. अन्वेषण गतिविधि 2. अभिकल्पना अथवा डिजाइन गतिविधि 3. चयन गतिविधि का वर्णन है।

वर्तमान में कम्प्यूटर एवं सूचना पद्धति के प्रयोग ने इस हेतु सुगमता प्रदान की है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. हर्बर्ट साइमन की पुस्तक का नाम है–

      (अ) Administrative　　(ब) Behaviour

      (स) Administrative Behaviour　　(द) All　　(　　)

   2. चेस्टर्ड बनराई के अनुसार सिद्धान्त है?

      (अ) विकल्पों के सीमित करना　　(ब) ज्यादा विकल्प होना

      (स) विकल्पों को और बढ़ाना　　(द) उपर्युक्त सभी　　(　　)

   3. साइमन ने निम्न में से किसे निर्णय प्रक्रिया का चरण नहीं बतलाया है ?

      (अ) अन्वेषण गतिविधि　　(ब) डिजाईन गतिविधि

      (स) चयन गतिविधि　　(द) क्रियात्मक गतिविधि　　(　　)

   4. निर्णय का सीमित विवेकता सिद्धान्त किसके द्वारा दिया गया था ?

      (अ) हर्बर्ट साइमन　　(ब) डगलस मैकग्रेगर

      (स) लुण्डबर्ग　　(द) चेस्टर बर्नार्ड　　(　　)

5. साइमन के निर्णय संगठन है–

(अ) Micro (ब) Macro

(स) दोनों (द) कोई नहीं ( )

6. निर्णय प्रक्रिया के कितने चरण होते है ?

(अ) एक (ब) दो

(स) तीन (द) चार ( )

7. Core of Administrative Activity का सिद्धान्त किसने दिया –

(अ) वारेन बैरन (ब) हर्बर्ट साइमन

(स) चेस्टर्ड बनार्ड (द) पीटर ड्रेकर्स ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. संचेतना विवेकशीलता .... समायोजन है। (साधन–साध्य)
2. मनुष्य अपने व्यवहार में निरन्तर .... लेता रहता है। (विवेक/निर्णय)
3. डिजाइन (अभिकल्प) गतिविधि..............................निर्णय का रूप है। (अकार्यक्रमित/कार्यक्रमित)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. हर्बर्ट साइमन द्वारा बताये गये निर्णय है?
2. Intelligence activity क्या है?
3. साइमन द्वारा बताए गए निर्णय प्रक्रिया के चरणों के नाम लिखिए।
4. व्यक्तिगत विवेकशीलता क्या है?
5. निर्णय से सम्बन्धित आर्थिक मानव प्रतिमान के बारे में बताइये।
6. संगठनात्मक विवेशीलता क्या है?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. निर्णय के विभिन्न प्रकार बताइये।
2. कार्यक्रमित निर्णय को समझाइये?
3. मानवीय विवेक को सीमित करने वाले कोई तीन त्तव बताइये।

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. निर्णय प्रक्रिया से सम्बन्धित प्रतिमानों को बताइये।
2. Law of exception का सिद्धान्त समझाइए।

इकाई–4

तुलनात्मक लोकप्रशासन एवं विकास प्रशासन

अध्याय 9

सारांश–

प्रस्तुत पाठ में लोक प्रशासन का तुलनात्मक ढंग से अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। यह एक नवीन अवधारणा है। इस प्रकार के अध्ययन से लोक प्रशासन की अधिक वैज्ञानिक प्रकृति का विकास होगा।

तुलनात्मक लोक प्रशासन के उदय के कारणें में– 1. परम्परागत दृष्टिकोण की अपर्याप्ता 2. शोध हेतु नवीन साधनों की शुरूआत 3. अन्तर्राष्ट्रीय निर्भरता 4. विश्व युद्ध 5. नव स्वतंत्र राष्ट्रों का उदय बताये है। पाठ में तुलनात्मक लोक प्रशासन का अर्थ, परिभाषाएं, उद्देश्य, प्रकृति आदि का वर्णन है।

तुलनात्मक लोक प्रशासन का क्षेत्र 1. वृहदस्तरीय अध्ययन 2. मध्यस्तरीय अध्ययन तथा 3. लघुस्तरीय अध्ययन के बारे में बताया है। तुलनात्मक लोक प्रशासन के महत्व पर भी प्रकाश डाला है।

निष्कर्षतः आज तुलनात्मक लोक प्रशासन का अध्ययन लोक प्रशासन के साथ सफलतापूर्वक सभी देशों में हो रहा है। इसके द्वारा नये उपागमों का भी विकास किया गया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

    1. तुलनात्मक लोकप्रशासन में का सिद्धान्त किसने दिया–
       (अ) मेरी पार्कर फोलेट (ब) एल.डी. व्हाइट
       (स) वुडरो विल्सन (द) फ्रेड रिग्ज ( )
    2. नव स्वतंत्र राष्ट्रों का उदय कब हुआ था?
       (अ) I युद्ध के बाद (ब) II विश्व युद्ध के बाद
       (स) III विश्व युद्ध के बाद (द) कोई नहीं ( )
    3. तुलनात्मक लोक प्रशासन के उदय का कारण है ?
       (अ) द्वितीय विश्वयुद्ध (ब) अंतर्राष्ट्रीय निर्भरता
       (स) नव स्वतंत्रत (द)उपर्युक्त सभी ( )
    4. ''तुलनात्मक लोकप्रशासन तुलनात्मक आधार पर लोक प्रशासन का अध्ययन है।'' यह किसने कहा है ?
       (अ) निमरोद रैफली (ब) फ्रेड रिग्ज
       (स) फैरल हैडी (द) लूथर गुलिक ( )
    5. तुलनात्मक प्रशासन सम्मेलन कब आयोजित हुआ था?
       (अ) 1952 (अ) 1948
       (स) 1950 (द) 1951 ( )
    6. फ्रेक रिग्ज ने तुलनात्मक लोकप्रशासन की कितनी प्रवृत्तियां बताई है ?
       (अ) एक (ब) दो
       (स) तीन (द) चार ( )

7. निम्नलिखित में से कौनसी तुलनात्मक लोक प्रशासन की आलोचना है ?
(अ) स्पष्ट विधि का अभाव
(ब) अनुभव मूलक सिद्धान्तों का विकास नहीं होना
(स) तुलना के स्पष्ट आधारों का अभाव
(द) उपर्युक्त सभी ( )

8. तुलनात्मक लोकप्रशासन पर संकट कब आया ?
(अ)1950 के दशक में (ब) 1960 के दशक में
(स)1970 के दशक में (द) 1980 के दशक में ( )

9. फ्रेड खिज ने तुलनात्मक लोक प्रशासन की अग्रलिखित 3 प्रवष्टि किस वर्ष बतायी–
(अ) 1950 (ब) 1960
(स) 1962 (द) 1979 ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मानव सभ्यता के प्रारम्भ से ही ....का प्रचलन रहा है। (समानता / तुलना)
2. बीसवीं सदी के मध्य में अनेक देश में अनेक देश विदेशी दासता से मुक्त हुए, ये .... राष्ट्र कहलाते है। (नव स्वतन्त्र / परतन्त्र)
3. तुलनात्मक लोक प्रशासन का Inter National अध्ययन .... स्तरों में होता है (3 / 4)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. तुलनात्मक लोक प्रशासन में अग्रणी भूमिका किसकी रही?
2. तुलनात्मक लोक प्रशासन के बारे में निमरोद रफैली का कथन क्या है?
3. इडियोग्राफिक से नोमोथेटिक का सिद्धान्त किसने दिया है?
4. लघुस्तरीय अध्ययन को उदाहरण सहित समझाइये।
5. Meso level study के बारे में बताइए।

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. फ्रेड रिग्ज द्वारा बतलाई गई तीन प्रवृत्तियां समझाइये?
2. तुलनात्मक लोक प्रशासन के उद्देश्य बताओ?

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. तुलनात्मक लोकप्रशासन के क्षेत्र का वर्णन कीजिए।
2. तुलनात्मक लोक प्रशासन के महत्व बताये?

अध्याय 10

विकास प्रशासन

सारांश–

प्रस्तुत पाठ में विकास प्रशासन का उदभव, विकास, विशेषताएं आदि को समझाया गया है। विकास प्रशासन का अर्थ विकास से सम्बन्धित प्रशासन से लिया जाता है। विकास प्रशासन का उद्‌भव 1950–60 के दशक में हुआ जिसके विभिन्न कारण रहे है। विकास प्रशासन एडवर्ड डब्ल्यू. वीडनर की देन है। इसकी विभिन्न परिभाषाएं दी गई है। विकास प्रशासन की विभिन्न विशेषताएं निम्न हैः–

1. परिवर्तनशील 2. विकासात्मक प्रकृति 3. प्रजातान्त्रिक मूल्यों से सम्बन्धित 4. आधुनिकीकरण 5. प्रशासनिक कुशलता 6. आर्थिक विकास 7. परिणामोन्मुखी 8. प्रतिबद्धता 9. तात्कालिकता, 10. जनसहभागिता आदि का वर्णन किया गया है।

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि आधुनिक युग में विकास प्रशासन का अत्यधिक महत्व है। इसके कारण माध्यम बनाया एंव विकास करने हेतु अनेक नई संस्थाओं विभागों एवं नये प्रकार के अधिकारियों–कर्मचारियों को देश में बढ़ाया दिया है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

    1. विकास प्रशासन शब्द का प्रथम बार प्रयोग किसने किया ?
       (अ) यू.एल. गोस्वामी (ब) विलियम वुड
       (स)फैरल हैडी (द) महात्मा गांधी ( )
    2. विकास प्रशासन का सीधा प्रभाव किस पर रहता है–
       (अ) मानव जीवन (ब) नेता
       (स) व्यापारी (द) सभी ( )
    3. विकास प्रशासन की विस्तृत व्याख्या किसने की है ?
       (अ) यू.एल. गोस्वामी (ब) फेयोल
       (स) फ्रेड रिग्ज (द) वीडनर ( )
    4. Coperative Administrative group की स्थापना–?
       (अ) 1960 (ब) 1970
       (स) 1972 (द) 1965 ( )
    5. निम्नलिखित में से कौनसी विकास प्रशासन की विशेषता है ?
       (अ) जन सहभागिता (ब) रचनात्मकता
       (स) सभी (द) प्रतिबद्धता ( )

6. विकास प्रशासन किन–किन देशों में अपनाया जाता है ?

(अ) विकसित (ब) विकासशील

(स) अल्प विकसित (द) सभी ( )

7. पारम्परिक प्रशासन के लक्षण है ?

(अ) यथास्थिति निर्देशित (ब) कठोर

(स) केन्द्रीकृत (द) सभी ( )

8. ब्रिक्स (BRICS) संगठन में कौनसा देश शामिल नहीं है ?

(अ) इण्डोनेशिया (ब) रूस

(स) चीन (द) भारत ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. विकास प्रशासन द्वारा .... में बढ़ोतरी संभव है। (विकास दर / प्रत्याशा)
2. BRICS ने .... के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति की है। (विकास प्रशासन / लोक प्रशासन)
3. विकास प्रशासन की विशेषता .... है। (प्रजातंत्रिक / राजतंत्र)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. BRICS क्या है?
2. विकास प्रशासन की कोई दो विशेषताएं बताइये।
3. विकास प्रशासन का उदय किस दशक में हुआ?
4. विकास प्रशासन की उपादेयता समझाइये।
5. विकास व आधुनिकीकरण विकास मे क्या अन्तर है?

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. विकास प्रशासन के उदभव के कारण बताइये।
2. पारम्परिक प्रशासन के बारे में सार लिखिए?

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. विकास प्रशासन की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसकी विशेषता का वर्णन कीजिए।
2. विकास प्रशासन व प्रशासनिक प्रशासन में अन्तर बताओ।

अध्याय 11

प्रशासनिक विकास

सारांश –

इस अध्याय में सुदृढ़ एवं सक्षम प्रशासन हेतु प्रशासनिक विकास का महत्व बताया गया है। विकास प्रशासन व प्रशासनिक विकास में अंतर बताते हुए अर्न्तसम्बन्धों पर भी प्रकाश डाला है। प्रशासनिक विकास की अवधारणा में दो परस्पर सम्बन्धित अर्थ में प्रशासनिक विकास की आवश्यकता, अर्थ एवं परिभाषा दी है। विकास प्रशासन व प्रशासनिक विकास दोनों में समयानुकूल अन्तर लाना है तथा प्रशासनिक विकास स्वयं विकास प्रशासन का ही एक भाग है।

विकास प्रशासन तथा प्रशासनिक विकास दोनों में घनिष्ठ सम्बन्ध भी है। चूंकि ये दोनों अण्डे और मुर्गी की तरह कार्य और कारण के भाव से जुड़े हैं। यह सिद्धान्त फेड रिग्ज़ ने दिया है। प्रशासनिक विकास के साधनः– 1. प्रशासनिक सुधार, 2. नवाचार 3. पारिस्थितिकी 4. प्रशासनिक विकास की समस्याएँः– (अ) ऐतिहासिक समस्याए (ब) संरचनात्मक एवं संगठनात्मक समस्याएँ, (स) भ्रष्टाचार की समस्याएँ, (द) अनावश्यक राजनीतिक दखलंदाजी।

निष्कर्षतः– विकास प्रशासन व प्रशासनिक विकास एक दूसरे से जुड़े हैं।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. प्रशासन का अभिन्न अंग है–

      (अ) परम्परागत प्रशासन (ब) विकास प्रशासन

      (स) राज्य प्रशासन (द) राष्ट्रीय प्रशासन ( )

   2. प्रशासनिक विकास का मुख्य उद्देश्य है ?

      (अ) सामर्थ्य व दक्षता बढ़ाना (ब) प्रशासनिक तंत्र का विस्तार

      (स) कार्य क्षेत्र बढ़ाना (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

   3. प्रशासनिक विकास तथा प्रशासन में मुर्गी व अण्डे का सम्बन्ध किसने बनाया है ?

      (अ) फेयोल (ब) रिग्ज

      (स) फैरल हैडी (द) साइमन ( )

   4. दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन कब हुआ था ?

      (अ) 2001 (ब) 2002

      (स) 2005 (द) 2000 ( )

   5. निम्नलिखित में कौनसे प्रशासनिक विकास के साधन है ?

      (अ) प्रशासनिक सुधार (ब) नवाचार

      (स) वेबसाइट (द) उपर्युक्त सभी ( )

6. सरकार के जनता से जुड़ाव के नवीन साधन है ?

(अ) फेसबुक (ब) ट्विटर

(स) वेबसाईट (द) उपर्युक्त सभी ( )

7. संपर्क समाधान पोर्टल माध्यम है ?

(अ) विवाह पंजीकरण (ब) स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े

(स) नागरिक शिकायत निवारण (स) विदेशी पर्यटकों की समस्या का ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. विकास प्रशासन व प्रशासनिक विकास दोनों .... है। (अनावश्यक/अनिवार्य)
2. दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष .... श्री थे। (श्री वीरप्पा मोइली/श्री मोरारजी देसाई)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. प्रशासनिक विकास का अर्थ समझाइये
2. प्रशासनिक विकास के प्रमुख साधन क्या है ?
3. प्रशासनिक विकास का मुख्य कार्य क्या है?
4. भीम एप्लीकेशन क्या है ?
5. प्रशासन की आर्थिक समस्याएं क्या है?

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. विकास प्रशासन व प्राशासनिक विकास में अन्तर बताओ?
2. फ्रेड रिग्ज का अण्डा व मुर्गी सम्बन्ध क्या है ?
3.प्रशासनिक विकास की दो समस्याएं लिखिए।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. प्रशासनिक विकास की प्रमुख समस्याओं को समझाइये।
2. विकास प्रशासन एवं प्रशासनिक विकास के पारम्परिक सम्बन्धों को समझाइये।

इकाई 5

भारतीय प्रशासन : सामान्य परिचय

अध्याय 12

कौटिल्य के प्रशासनिक विचार

सारांश–

प्रस्तुत अध्याय में आचार्य कौटिल्य के व्यक्तित्व, जीवन परिचय, रचनाए तथा उनके द्वारा प्रदत्त राज्य की उत्पति के सिद्धान्त, प्रशासनिक व्यवस्था, राजा, मंत्रिपरिषद व अन्य महत्वपूर्ण विचारों पर दृष्टिपात किया है। कौटिल्य अर्थशास्त्र के रचनाकार है, अर्थशास्त्र में 15 अधिकरण, 180 प्रकरण, 150 अध्याय एवं 6000 श्लोक है।

कौटिल्य ने राज्य की उत्पत्ति का सिद्धान्त दिया है जिसमें 'ताकतवर का शासन' तथा राजा के लिए दैवीय सिद्धान्त का समर्थन किया है। राजतंत्र शासन की प्रणाली 'द्विराज्य तथा वैराज्य' भी दी है।

राज्य के सप्तांग सिद्धान्त में – राजा या स्वामी 2. आमात्य या मंत्री, 3. जनपद या प्रादेशिक क्षेत्र, 4. दुर्ग या किला, 5. राजकोष, 6. दण्ड या सेना, 7. मित्र है।

केन्द्रीय प्रशासन की आवश्यकता– मंत्री परिषद का संगठन, मंत्रिगण, आमात्य, अध्यक्ष, अन्य राज्य कर्मचारी

कार्मिक प्रशासन– भर्ती प्रणाली, पदसोपान, पदोन्नति, स्थानान्तरण व अवकाश

वित्त विभाग के संगठन में– समाहर्ता, सन्निधाता, अक्षयपटलाध्यक्ष, कार्णिक का वर्णन है।

भ्रष्टाचार की समस्या व रोकथाम की व्यवस्था की थीं

न्याय व्यवस्था में कानून के चार स्रोत 1. धर्म 2. व्यवहार 3. चरित्र 4. राजशासन बताए हैं।

दण्डनीति व परराष्ट्र नीति एवं सिद्धान्त में मण्डल सिद्धान्त महत्वपूर्ण है।

षड्गुण सिद्धान्त (शाड्गुण सिद्धान्त) 1. सन्धि, 2. विग्रह, 3. आसन 4. यान, 5. संश्रय 6. द्वैधीभाव

कौटिल्य ने राजा को राज्य का सेवक कहा है–

1. बहुचयनात्मक–

    1. कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र में कुल कितने अधिकरण है ?

        (अ) 22 (ब) 15

        (स) 10 (द) 8 ( )

    2. राज्य के सप्तांग सिद्धान्त में कौनसी प्रकृति सम्मिलित नहीं है ?

        (अ) दण्ड (ब) जनपद

        (स) मित्र (द) आसन ( )

3. कौटिल्य कि शिक्षा किस विश्वविद्यालय में हुई–

(अ) नालन्दा (ब) तक्षशिला

(स) बौद्धगया (द) मगध ( )

4. निम्न में से कौनसी स्थानीय प्रशासन की इकाई नहीं है ?

(अ) द्रोणमुख (ब) खार्वटक

(स) संग्रहण (द) कार्णिक ( )

5. कौटिल्य के षड़गुण सिद्धान्त में निम्न में से क्या सम्मिलित है ?

(अ) संधि (ब) विग्रह

(स) यान (द) उपरोक्त सभी ( )

6. कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कितने श्लोक है–

(अ) 1000 (ब) 6000

(स) 5000 (द) 4000 ( )

7. सप्तांग सिद्धान्त दिया गया है ?

(अ) कौटिल्य द्वारा (ब) वाल्मीकि द्वारा

(स) द्रोण द्वारा (द) विभीषण द्वारा ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. कौटिल्य को .... के नाम से भी जाना जाता है। (चणक / विष्णुगुप्त)

2. राज्य के पाँचवे अंग के रूप में कौटिल्य ने ....की आवश्यकता पर बल दिया। (राजकोष / दण्ड)

3. कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कुल .... श्लोक है। (6000 / 4000)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. कौटिल्य के अनुसार दुर्ग या किला से आप क्या समझते है?

2. कौटिल्य अर्थशास्त्र में वर्णित कानून के चार स्रोत बताइये ?

3. षाड्गुण्य सिद्धान्त के कितने प्रकार बताये है?

4. विजीगीषु राजा किसे कहा गया है ?

5. सन्निधाता के अधीन कोई विभाग बताइये।

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. कौटिल्य के सप्तांग सिद्धान्त के चार अंग बताइये।

2. कौटिल्य के षाड्गुण्य सिद्धान्त में यान का क्या अर्थ है?

3. कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र में सुशासन सम्बन्धित कोई तीन निर्धारक त्तव बताइये।

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र में वर्णित परराष्ट्र नीति से संबंधित सिद्धान्तों की व्याख्या करें।

2. अर्थशास्त्र में प्रान्तीय व स्थानीय शासन प्रबंध को समझाइये?

अध्याय 13

भारतीय संविधान एवं लोकप्रशासन

सारांश–

भारतीय संविधान ने भारतीय प्रशासन तंत्र को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। संविधान से ही प्रशासन तंत्र के विभिन्न लक्ष्य निर्धारित है। संविधान द्वारा ही लोकसेवकों की भर्ती, आरक्षण, विधि का शासन, संरक्षण, नियंत्रण आदि की व्यवस्था की जाती है। प्रस्तुत अध्याय इसी विषय पर है। इसमें प्रशासन के 1. लक्ष्यों का निर्धारण 2. प्रशासन का नीति निर्धारण में मार्गदर्शन 3. लोक सेवाओं का संघीय स्वरूप 4. अखिल भारतीय सेवाओं का प्रावधान, 5. प्रशासन का संसदीय व्यवस्था के अनुरूप होना 6. योग्यतानुसार भर्ती 7. आरक्षण प्रावधान 8. विधि का शासन, प्रशासनिक संस्थाओं का संवैधानिक अस्त्तिव 10. लोक सेवाओं से सम्बन्धित प्रावधान 11. लोक सेवकों का संवैधानिक आरक्षण 12. लोकसेवकों की सेवा शर्तों का निर्धारण 13. प्रशासनिक अधिकरण 14. प्रशासनिक नियंत्रण की विस्तृत व्याख्या की गई है।

प्रश्न

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. निम्न में से कौनसी अखिल भारतीय सेवा नहीं है ?

(अ) भारतीय प्रशासनिक सेवा (ब) भारतीय पुलिस सेवा

(स) भारतीय वन सेवा (द) भारतीय विदेश सेवा ( )

2. संविधान के किस अनुच्छेद में लोक नियोजन में अवसर की समानता का प्रावधान किया गया है ?

(अ) अनुच्छेद 16 (ब) अनुच्छेद 18

(स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 21 ( )

3. संविधान का कौनसा भाग नीति निर्देशक तत्वों से संबंधित है?

(अ) भाग IV (ब) भ्राग III

(स) भाग II (द) भाग IX ( )

4. संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन आयोग का प्रावधान है–

(अ) अनुच्छेद 324 (ब) अनुच्छेद 323

(स) अनुच्छेद 3630 (द) अनुच्छेद 380 ( )

5. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत उच्चतम न्यायालय को रिट जारी करने का अधिकार प्रदान किया है ?

(अ) अनुच्छेद 16 (4) (ब) अनुच्देद 226

(स) अनुच्छेद 32 (द) अनुच्छेद 325 ( )

6. प्रशासन (भारत) देश की किस व्यवस्था के अनुरूप कार्य करता है–

(अ) संसदीय व्यवस्था (ब) अध्यक्षात्मक

(स) एकात्मक (द) संघात्मक ( )

7. आरक्षण प्रावधान है, अनुच्छेद–

(अ) 21 में (ब) 22 में

(स) 16(4) (अ) कोई नहीं ( )

8. लोक सेवाओं से सम्बन्धित प्रावधान है ?

(अ) अनुच्छेद 315 (ब) अनुच्छेद 309

(स) अनुच्छेद 280 (द) अनुच्छेद 324 ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. अखिल भारतीय सेवाए .... है। (5/3)
2. .... ने विधि का शासन प्रणाली दी है। (डायसी/पोलक)
3. लोक प्रशासन .... के तहत कार्य करता है। (विधि का शासन/कानून का शासन)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. प्रशासन के लक्ष्यों का उल्लेख संविधान में कहाँ किया गया है ?
2. चुनाव आयोग का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है ?
3. संसदीय व्यवस्था में औपचारिक प्रधान कौन होता है?
4. प्रसाद का सिद्धान्त क्या है ?
5. विधि का शासन क्या है?

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. कोई दो नीति निर्देशक त्तव बताइये।
2. वर्तमान में कौन–कौनसी अखिल भारतीय सेवाएं है? नाम लिखो।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. भारतीय संविधान प्रशासन तंत्र के संगठन, लक्ष्य एवं स्वरूप का निर्धारण करता है। उक्त कथन का विवेचन कीजिए।
2. लोक सेवाओं की स्थापना तथा लोक सेवाओं के संरक्षण, नियमन एवं नियंत्रण से सम्बन्धित संवैधानिक प्रावधानों को बताइये।

अध्याय 14

भारतीय संविधान तंत्र की विशेषताएं

सारांश–

प्रस्तुत अध्याय में भारतीय प्रशासन तंत्र की विशेषताओं को समझाया गया है। ब्रिटिश शासन से प्राप्त भारतीय प्रशासन संबंधी प्रावधान, संवैधानिक परिप्रेक्ष्य, संसदीय शासन प्रणाली भर्ती, आजीवक प्रणाली इत्यादि का वर्णन इस अध्याय में किया गया है।

इसमें वर्तमान भारतीय प्रशासन तंत्र की विशेषताओं के बिन्दुओं का वर्णन निम्नानुसार हैः–

1. वर्तमान भारतीय प्रशासन ब्रिटिश विरासत का परिणाम है।
2. प्रशासन का संवैधानिक परिप्रेक्ष्य
3. प्रशासन तंत्र का संघात्मक स्वरूप
4. संसदीय शासन प्रणाली से प्रभावित
5. स्वतंत्र न्यायपालिका द्वारा नियंत्रित
6. स्टील फ्रेम (कठोरता) से एल्युमिनियम फ्रेम (लोचशीलता) की ओर उन्मुखता
7. सामान्यज्ञ प्रधान प्रशासन तंत्र
8. लोक सेवकों की योग्यतानुसार भर्ती
9. लोक सेवाओं में आरक्षण सम्बन्धी प्रावधान
10. लोक सेवाएं लोक सेवकों हेतु आजीवक प्रणाली
11. लोक सेवकों की राजनीति गतिविधियों पर रोक
12. पारदर्शिता एवं जवाबदेयता की ओर बढ़ता प्रशासन
13. नियामकीय संस्थाओं की बढ़ती संख्या।
14. प्रशासनिक न्यायाधिकरणों का गठन।
15. प्रशासन का कल्याणकारी स्वरूप।
16. भारतीय प्रशासन की ई–गवर्नेंस की ओर उन्मुखता।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. टेन्योर प्रणाली की शुरूआत कब की गई ?

   (अ) 1905 (ब) 1909

   (स) 1915 (द) 1907 (   )

2. पोर्टफोलियो प्रणाली की शुरूआत किसने की–

   (अ) लार्ड क्रेनिंग (ब) लार्ड डलहौजी

   (स) लार्ड कर्जन (द) मुनरो (   )

3. संविधान के किस अनुच्छेद में संघ लोक सेवा आयोग स्थापना का प्रावधान किया गया है ?

(अ) अनुच्छेद 148 (ब) अनुच्छेद 280

(स) अनुच्छेद 315 (द) अनुच्छेद 324 ( )

4. संविधान के किस अनुच्छेद में प्रशासकीय न्यायाधीकरण की स्थापना का प्रावधान किया गया है ?

(अ) अनुच्छेद 320 (ब) अनुच्छेद 323 (A)

(स) अनुच्छेद 324 (द) अनुच्छेद 345 ( )

5. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की स्थापना कब हुई?

(अ) 1935 (ब) 1940

(स) 1945 (द) 1930 ( )

6. भारतीय प्रशासन की वर्तमान प्रशासन इकाईयां एवं महत्वपूर्ण पद किसके परिणाम है ?

(अ) मुगल विरासत (ब) सल्तनत काल

(स) ब्रिटिश काल (द) उपरोक्त में से कोई नहीं ( )

7. भारत में लोकसेवकों के लिए योग्यता आधारित भर्ती प्रणाली किसकी देन है ?

(अ) मैकाले समिति (ब) इरविन समिति

(स) वायसराय समिति (द) कोई नहीं ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. लार्ड कैनिंग ने .... प्रणाली की शुरूआत की। (पोर्टफोलियो / टेन्योर)
2. भारत ने लोक सेवाओं को .... रेणियों में बांटा जा सकता है। (एक / दो)
3. रेग्यूलेटिंग एक्ट .... में बना। (1750 / 1773)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. पोर्टफोलियो प्रणाली की शुरूआत कब की गई ?
2. भारत में संसदीय शासन प्रणाली कितने स्तरों पर अनाई गई है?
3. किन्हीं दो नियामकीय संस्थाओं के नाम लिखिए।

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. प्रशासन के 'संघात्मक स्वरूप'से आप क्या समझते है ?
2. न्यायपालिका को स्वतंत्र बनाये रखने के लिए क्या प्रावधान है?
3. अखिल भारतीय सेवाएं कौन–कौनसी है?

4. केन्द्रीय सचिवालय में ब्रिटिश सरकार की क्या देन है?

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. भारतीय प्रशासन तंत्र की विशेषताओं पर एक निबन्ध लिखिए।
2. भारतीय प्रशासन ई–गवर्नेंस की ओर अन्मुख है स्पष्ट करो।

इकाई–6

अध्याय–15

नीति निरूपण एवं नियोजन

सारांश–

योजना एवं नियोजन दोनों पर्याय है। निर्धारित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सोच समझकर सर्वोत्तम मार्ग का चयन करना ही नियोजन है। भारत में आजादी के पश्चात योजना आयोग द्वारा प्राप्त उद्देश्यों का मूल्यांकन कर भावी कार्यों के लिए आधार की रूपरेखा का कार्य किया जाता था। वर्तमान में नीति आयोग इस कार्य हेतु नियुक्त है। तथा वर्तमान में नियोजन की आवश्यकता, भारत में नियोजन, इस हेतु योजना आयोग के कार्य और भूमिका का विस्तृत वर्णन इस अध्याय में किया गया है।

भारत में योजनाएं–

प्रथम योजना– 1951–56, दूसरी योजना 1956–61, तीसरी योजना 1961–66, चौथी योजना 1969–74, पंचम योजना 1974–79, छठी योजना 1980–85, सप्तम योजना 1985–89, 1989–91 तीन एक–एक वर्षीय योजनाएं, आठवी योजना 1992–97, नौवी योजना 1997–2002, दसवीं योजना 2002–2007, ग्यारहवीं योजना 2007–12, बारहवी योजना 2012–17

कुछ कारणों से नई संस्था की आवश्यकता थी अतः 1 जनवरी 2015 को नीति आयोग का गठन किया गया है। जिसका संगठन भी योजना आयोग से ही मिलता–जुलता है। भारत के प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष है। सभी राज्यों के मुख्यमंत्री व केन्द्रशासित प्रदेशों के (जहां विधानसभा है वहां मुख्यमंत्री) उपराज्यपाल इसके सदस्य होगे। एक उपाध्यक्ष पूर्णकालिक होगा। अंशकालिक सदस्यों की नियुक्तियाँ की जाएगी। पदेन सदस्यों में केन्द्रीय परिवहन मंत्री, सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्री होगे। मुख्यकार्यकारी अधिकारी के पद पर सचिव स्तर के अधिकारी को निश्चित कार्यकाल के लिए नियुक्त किया जाता है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. प्रथम पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल क्या है?

      (अ) 1951–56 (ब) 1956–61

      (स) 1961–66 (द) 1969–74 ( )

   2. निम्नलिखित में से नियोजन पर किसने बल दिया है ?

      (अ) सेकलर–हडसन (ब) कौटिल्य

      (स) हेनरी फेयोल (द) सभी ( )

3. नियोजन के माध्यम से एक देश में कौन–कौनसे परिवर्तन आ सकते है ?
(अ) आर्थिक स्थिरता (ब) असमानता में कमी
(स) क्षेत्रीय विकास (द) सभी ( )

4. देश में मुक्त अर्थव्यवस्था की शुरूआत किस पंचवर्षीय योजना में हुई–
(अ) 8वीं (ब) 6वीं
(स) पहली (द) दूसरी ( )

5. भारत में नीति आयोग की स्थापना की गई ?
(अ) 1 जनवरी 2010 (ब) 1 जनवरी 2012
(स) 1 जनवरी 2015 (द) 1 जनवरी 2016 ( )

6. नीति आयोग का अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) प्रधानमंत्री (द) राष्ट्रपति ( )

7. नियोजन का अर्थ है ?
(अ) पूर्व दृष्टि (ब) दूर दृष्टि
(स) पूर्व तैयारी (द) उपर्युक्त सभी ( )

8. थिंक टैंक (Think Tank) के रूप में किसे जाना जाता है–
(अ) नीति आयोग (ब) योजना आयोग
(स) संसद (द) विधानसभा ( )

9. योजना आयोग के अध्यक्ष होते थे ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) गृहमंत्री (द) राज्यपाल ( )

10. योजना आयोग की स्थापना किसके द्वारा की गई ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) मंत्रिमण्डल (द) राज्यसभा ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. श्री एम. विश्वेश्वरैया ने नियोजन का विचार सर्वप्रथम सन्......................में दिया। (1834 / 1934)
2. नियोजन को ''पूर्व दृष्टि'' .... ने कहा है। (हेनरी फयोल / हडसन)
3. 12वीं पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल .... है। (2012–17 / 2007–12)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. नीति आयोग (NITI) का पूरा नाम लिखो।

2. योजना आयोग का मुख्य कार्य क्या था ?

3. योजना आयोग के प्रमुख तीन कार्य लिखिए।

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. भारत में अच्छे अभिशासन का स्थानीय करने के मार्ग में कौन कौन सी चुनौतियां है? नाम लिखो।

5. निबन्धात्मक प्रश्न

1. नीति आयोग की संरचना पर लेख लिखिए।

2. योजना आयोग की संगठन तथा कार्यों का वर्णन कीजिए।

अध्याय 16

राष्ट्रीय विकास परिषद

सारांश–

राष्ट्रीय विकास परिषद योजना आयोग की सिफारिशों की देन है। यह योजना को कार्यरूप देने में राज्यों का सहयोग प्राप्त करने, समान आर्थिक नीतियों को बढ़ावा देने व देश के सभी भागों में त्वरित एवं संतुलित विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निर्मित की गई है। इसमें प्रधानमंत्री, केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल के मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री तथा योजना आयोग के सदस्य सम्मिलित होते है। वर्तमान में नीति आयोग के सदस्य उक्त कार्य को करेंगे।

उद्देश्य :

1. राष्ट्रीय योजना को कार्यरूप देने में राज्यों का सहयोग प्राप्त करना है।
2. योजना/योजनाओं के समर्थन में राष्ट्र के प्रयासों और संसाधनों को सुदृढ़ता और गतिशीलता प्रदान करना।
3. सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समान आर्थिक नीतियों को बढ़ावा देना।
4. देश के सभी भागों में त्वरित एवं संतुलित विकास सुनिश्चित करना।

राष्ट्रीय विकास परिषद के कार्य व कार्य प्रक्रिया तथा व्यावहारिक अनुभव आदि का वर्णन किया गया है। मूल्यांकन के अनुसार देश के सर्वांगीण विकास हेतु केन्द्र एवं राज्यों के मध्य योजक कड़ी के रूप में राष्ट्रीय विकास परिषद कार्य कर रही है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. नियोजन का अर्थ है ?

      (अ) पूर्व दृष्टि (ब) दूर दृष्टि

      (स) पूर्व तैयारी (द) उपर्युक्त सभी ( )

   2. ''प्लैण्ड इकॉनोमी फॉर इण्डिया'' पुस्तक के लेखक है ?

      (अ) एम. विश्वश्वरैया (ब) जवाहर लाल नेहरू

      (स) श्रीमती इन्दिरा गांधी (द) के.सी. नियोगी ( )

   3. राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन संविधान के किस अनुच्छेद के तहत हुआ है–

      (अ) अनुच्छेद 363 (ब) अनुच्छेद 364

      (स) अनुच्छेद 370 (द) अनुच्छेद 360 ( )

   4. राष्ट्रीय विकास परिषद का अध्यक्ष होता है ?

      (अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री

      (स) योजना आयोग का उपाध्यक्ष (द) वित्तमंत्री ( )

5. योजना आयोग का कार्य है ?

(अ) योजना में प्राथमिकताओं का निर्धारण।

(ब) आर्थिक विकास का नियोजन।

(स) उपलब्ध प्राकृतिक साधनों का आकलन।

(द) उपर्युक्त सभी ( )

6. राष्ट्रीय विकास परिषद किस प्रकार की संस्था है?

(अ) परामर्शदात्री संस्था (ब) कानूनी संस्था

(स) विधिक संस्था (द) कल्याणकारी संस्था ( )

7. भारत में योजना आयोग एवं राष्ट्रीय विकास परिषद किस प्रकार की संस्थाएं है ?

(अ) प्रशासनिक संस्थाएं (ब) परामर्शदात्री संस्था

(स) संवैधानिक संस्था (द) इनमें से कोई नहीं ( )

8. किस वर्ष से मंत्रिमण्डल स्तर के सभी मंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य बने ?

(अ) 1957 (ब) 1967

(स) 1977 (द) 1987 ( )

9. पहली बार नियोजित विकास का विचार श्री एम. विश्वेश्वरैया ने कब दिया?

(अ) 1934 (ब) 1936

(स) 1938 (द) 1940 ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. .... अगस्त 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना की गई। (16/6)
2. राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक वर्ष में कम से कम .... बार अवश्य होगी। (2/6)
3. योजना आयोग व राष्ट्रीय विकास परिषद का पदेन अध्यक्ष .... होता है। (प्रधानमंत्री/राष्ट्रपति)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. राष्ट्रीय विकास परिषद का अध्यक्ष कौन होता है?
2. राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना का सुझाव किसने दिया ?
3. राष्ट्रीय विकास परिषद को सुपर कैबिनेट किसने कहा?
4. नीति आयोग पर एक लेख लिखो।

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना के तीन उद्देश्य बताइये।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. राष्ट्रीय विकास परिषद के संगठन एवं उद्देश्यों कीजिए।
2. राष्ट्रीय विकास परिषद का मूल्यांकन करो।

अध्याय–17

नियोजन विभाग एवं योजना मण्डल

सारांश–

प्रस्तुत पाठ में भारत में विकास की समस्याओं की जटिल प्रकृति के कारण नियोजन की आवश्यकता पर चर्चा की गई है। क्या किया जाना चाहिए? और यह कैसे किया जाए? यह सुनिश्चित करना ही नियोजन है। इस पाठ में नियोजन विभाग, योजना मण्डल, राज्य योजना मण्डल का वर्णन है।

भारत में राज्य स्तर पर योजना की प्रमुख संस्था योजना विभाग है। योजना आयोग ने वर्ष 1972 में विभागों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लए राज्यों को इकाइयां बनाने का सुझाव दिया। फलस्वरूप प्रत्येक राज्य के सचिवालय में एक योजना (नियोजन) विभाग होता है जिसकी अध्यक्षता या तो सचिव अथवा अन्य नामकरण का व्यक्ति यथा विकास–आयुक्त करता है।

राजस्थान में अकाल, निर्धनता, बेरोजगारी, निम्न जीवन स्तर, सामाजिक–आर्थिक असंतुलन के कारण योजना (नियोजन) विभाग की स्थापना की गई है। जुलाई 1953 में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में नियोजन विभाग की स्थापना की गई।

नियोजन विभाग के कार्य– 1. वार्षिक एवं पंचवर्षीय योजनाओं का निर्माण 2. दीर्घकालीन योजना 3. सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का निर्देशन 4. योजना हेतु वित्तीय संसाधनों का प्रबन्ध करना 5. समन्वय सम्बन्धी कार्य 6. मूल्यांकन सम्बन्धि कार्य

योजना मण्डल – योजना आयोग के परामर्श (1962) के आधार पर प्रत्येक राज्य में योजना मण्डल की स्थापित किये गये है। 1973 में राजस्थान में भी योजना आयोग मण्डल की स्थापना की गई है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. राजस्थान में नियोजन विभाग की स्थापना कब हुई ?

      (अ) 1953 (ब) 1973

      (स) 1950 (द) 1952 (   )

   2. राज्य नियोजन विभाग की स्थापना किसकी अध्यक्षता में की गई ?

      (अ) राज्यपाल (ब) प्रधानमंत्री

      (स) मुख्यमंत्री (द) मुख्य सचिव (   )

   3. राज्य नियोजन विभाग का कार्य है ?

      (अ) वार्षिक योजनाओं का निर्माण। (ब) पंचवर्षीय योजनाओं का निर्माण।

      (स) योजना हेतु वित्तीय संसाधनों का प्रबन्धन। (द) उपर्युक्त सभी (   )

4. राज्य की योजना किसकी देखरेख में तैयार की जाती है–

(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल

(स) वित्त मंत्री (द) कृषि मंत्री ( )

5. राज्य नियोजन विभाग के क्रिया–कलापों का संचालन किसके द्वारा किया जाता है?

(अ) आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय (ब) मूल्यांकन संगठन

(स) जनशक्ति एवं गजेटियर्स निदेशालय (द) उपर्युक्त सभी ( )

6. राजस्थान में आयोजना मण्डल की स्थापना कब हुई ?

(अ) 6 फरवरी 1973 (ब) 15 जुलाई 1953

(स) 15 मार्च 1950 (द) 6 अगस्त1952 ( )

7. भारत राज्य है–

(अ) सहकारी संघवाद (ब) अर्द्ध सहकारी

(स) एकात्मक (द) संघवाद ( )

8. प्रशासनिक सुधार आयोग ने राज्य योजना मण्डलों की स्थापना का सुझाव दिया था ?

(अ) 1963 (ब) 1967

(स) 1988 (द) 1997 ( )

9. राजस्थान की प्रशासनिक सुधार समिति ने राज्य योजना मण्डल का नाम सुझाया था ?

(अ) राज्य योजना मण्डल (ब) मूल्यांकन आयोग

(स) राज्य योजना तथा विकास आयोग (इ) उपर्युक्त सभी ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. भारत एक .... राज्य है। (संघवादी/अलगाववादी)
2. शासन सचिव के कार्यों की सहायता के लिए एक .... शासन सचिव होता है। (विशिष्ट शासन सचिव/सचिव)
3. योजना मण्डल राज्य में .... हेतु योजनाओं का निर्माण करता है। (विकास/संहार)

2. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. योजना विभाग में मूल्यांकन विभाग व जिला गजेटियर्स निदेशालय कब जोड़ा गया?
2. सामान्यतः योजना विभाग का अध्यक्ष कौन होता है?
3. राज्य की योजनाएं किसकी देखरेख में तैयार की जाती है?
4. मूल्यांकन संगठन का गठन कब हुआ?
5. योजना विभाग के दो प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।

3. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. योजना विभाग के प्रमुख चार कार्यो का वर्णन कीजिए।
2. राजस्थान में कितनी प्रकार की योजनाएं बनाई जाती है?

4. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. राज्य योजना मण्डल के संगठन एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।
2. नियोजन को समझाते हुए राजस्थान में नियोजन की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
3. योजना विभाग के अधीन कार्यरत संगठनों का वर्णन करो।

अध्याय–18

जिला आयोजना समिति

सारांश–

प्रस्तुत पाठ में जिला स्तरीय नियोजन के बारे में वर्णन है। नियोजन प्रक्रिया में जिला अंतिम एवं महत्वपूर्ण इकाई है। अतः जिला स्तर पर जिला नियोजन समितिया ंतो गठित हो गयी लेकिन अभी ये सशक्त ढंग से कार्य नहीं कर पा रही है जो लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण के लक्ष्य में बाधक है। साथ में जिला नियोजन की प्रकृति, उद्देश्य, जिला नियोजन का क्षेत्र का वर्णन है।

जिला आयोजना समिति– यह ब्रिटिश शासनकाल में (1934) में एम. विश्वैश्वरैया ने अपनी पुस्तक "प्लाण्ड इकॉनोमी फॉर इंडिया" द्वारा प्रदर्शित हुई।

स्वतन्त्रता पश्चात द्वितीय पंचवर्षीय योजना में इस पर अमल शुरू हुआ। जिसमें जिला आयोजना समितियों के गठन का प्रस्ताव, राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 121 के अन्तर्गत किया गया है। प्रत्येक जिले में एक जिला आयोजना समिति होगी, जिसमें कुल 25 सदस्य हांगे। इसका अध्यक्ष जिला प्रमुख होगा निर्वाचित सदस्य, 20 पदेन सदस्य (03) मनोनीत सदस्य (02) व सदस्य सचिव सचिवालय होगा।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. जिला आयोजना समिति का अध्यक्ष कौन होता है ?

      (अ) जिला प्रमुख (ब) जिला कलेक्टर

      (स) मुख्य कार्यकारी अधिकारी (द) एस.डी.एम. ( )

   2. सामुदायिक विकास कार्यक्रम कब लागू किया गया।

      (अ) 1951 (ब) 1952

      (स) 1955 (द) 1956 ( )

   3. आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में किस प्रणाली को अपनाया गया है ?

      (अ) संघीय आर्थिक प्रणाली (ब) राज्य स्तरीय आर्थिक प्रणाली

      (स) जिला स्तरीय आर्थिक प्रणाली (द) सार्वजनिक आर्थिक प्रणाली ( )

   4. बलवन्त राय कमेटी का गठन कब किया गया?

      (अ) 1952 (ब) 1957

      (स) 1956 (द) 1960 ( )

   5. विकेन्द्रीकृत नियोजन प्रक्रिया प्रारम्भ करने हेतु योजना आयोग द्वारा मार्गदर्शक सिद्धान्त कब प्रसारित किये गये–

      (अ) 1969 (ब) 1972

(स) 1976 (द) 1980 (   )

6. गैर संवैधानिक संस्था है–

(अ) संसद (ब) वित्त आयोग

(स) नीति आयोग (द) विधानसभा (   )

7. जिला आयोजना समिति है ?

(अ) संसदीय संस्था (ब) संवैधानिक संस्था

(स) गैर–संवैधानिक संस्था (द) कोई नहीं (   )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. देश की कुल संपदा का न्यायपूर्ण वितरण .... न्याय कहलाता है। (सामाजिक / आर्थिक)
2. बलवन्त राय मेहता समिति के सुझाव पर .... पंचायतीराज व्यवस्था आरम्भ हुई। (द्विस्तरीय / त्रिस्तरीय)
3. लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण .... संविधान संशोधन से प्रारंभ हुआ। (73 वां, 74 वां / 100 वां)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. जिला आयोजना प्रकोष्ठ कब गठित किया गया ?
2. जिला आयोजना समितियों का गठन संविधान के किस अनुच्छेद के तहत किया जाता है?
3. त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के नाम लिखो।
4. पंचायतीराज का मूल्यांकन करने हेतु मेहता समिति का गठन कब किया गया ?
5. जिला आयोजना समिति का पदेन अध्यक्ष कौन होता है?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. जिला नियोजन की प्रकृति की कोई तीन विशेषताएं बताइये।
2. जिला आयोजना समिति की कोई चार समस्याएं बताइये।

5. निबंधात्मक प्रश्न–

1. जिला आयोजना समिति की शक्तियां एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।
2. जिला आयोजन समिति की प्रमुख समस्याएं कौन–कौनसी है ?

इकाई 7

वित्तीय प्रशासन

अध्याय–19

बजट की अवधारणा

सारांश –

प्रस्तुत पाठ बजट (वित्त) की महत्ता को परिभाषित करता है। यह संगठन में (मानव शरीर के) रक्त की भांति अत्यावश्यक त्तव है। बजट का उद्देश्य, महत्व, सिद्धान्त, बजट के प्रकार आदि का अवलोकन प्रस्तुत अध्याय में किया जा सकता है। बजट, बजट की परिभाषाएं व उद्देश्यों के अध्ययन से यह स्पष्ट है कि यह एक महत्वपूर्ण अवधारणा है। बजट के सिद्धान्त– बजट संतुलित हो : बजटिंग सकल हो, शुद्ध नहीं, अनुमान ठोस होने चाहिएः कालातीत का नियम, राजस्व एवं पूँजी भाग अलग–अलग हो, व बजट के अन्य सिद्धान्त (1) प्रचार (2) स्पष्टता, (3) व्यापकता (4) एकता (5) नियतकालिकता (6) परिशुद्धता (7) सच्चरित्रता

बजट के प्रकार– मद क्रम बजट निर्माण, निष्पादन बजटिंग, कार्यक्रम बजटिंग, शून्य आधारित बजटिंग, परिणामोंन्मुखी बजट, लैगिक बजट इनके अतिरिक्त 1. व्यवस्थापिक बजट 2. कार्यपालिका बजट 3. मण्डल या आयोग प्रणाली का बजट आदि।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

    1. लैंगिक बजट का सम्बन्ध किससे है ?

       (अ) महिला एवं शिशु कल्याण   (ब) सैनिक कल्याण

       (स) सहकारिता का विकास   (द) वृद्धजनों का कल्याण   ( )

    2. भारत में परिणामोन्मुखी बजट सर्वप्रथम कब आया ?

       (अ) 2004   (ब) 2005

       (स) 2006   (द) 2007   ( )

    3. भारत में वित्तीय वर्ष कब से कब तक माना जाता है ?

       (अ) 1 जनवरी से 31 दिसम्बर   (ब) 1 मार्च से 30 अप्रेल

       (स) 1 अप्रेल से 31 मार्च   (द) 15 अगस्त से 14 अगस्त   ( )

    4. 'बजट' शब्द 'बोजते'(Bougette) शब्द से बना है यह शब्द किस भाषा से संबंधित है ?

       (अ) फ्रेंच   (ब) इंग्लिश

       (स) लैटिन   (द) स्पैनिश   ( )

5. बजट शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किस सन् में किया गया ?

(अ) 1768 (ब) 1773

(स) 1947 (द) 1980 ( )

6. शून्य आधारित बजट जन्म कहाँ हुआ–

(अ) अमेरिका (ब) इंगलैण्ड

(स) चीन (द) भारत ( )

7. निष्पादन बजटिंग भारत सरकार ने कितने मंत्रालयों में शुरू की–

(अ) चार (ब) पांच

(स) छः (द) सात ( )

8. बजट का निर्माण प्रायः सभी देशों में किया जाता है ?

(अ) 5 वर्ष के लिए (ब) 2 वर्ष के लिए

(स) 3 वर्ष के लिए (द) 1 वर्ष के लिए ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ''फिस्कल'' .... नीति का अंग्रेजी पर्याय है। (राजकोषीय / प्रशासनिक)
2. भारत में आधुनिक बजट प्रणाली की शुरूआत .... काल में हुई। (मुगल / ब्रिटिश)
3. शून्य आधारित बजट अमेरिका के .... ने लागू किया। (जिमी कार्टर / डोनाल्ड ट्रम्प)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. प्रशासनिक दृष्टि से समस्त प्रशासन का जीवन रक्त किसे कहा गया है ?
2. फ्रेंच भाषा के शब्द 'बोजते' (Bougette) से क्या अभिप्राय है?
3. सामान्यतः लोक प्रशासन में बजट के कितने प्रकारों का उल्लेख मिलता है ?
4. शून्य आधारित बजट क्या है?
5. बजट पर वाद–विवाद कहाँ होता है?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. 'बजट' शब्द की उत्पति कैसे हुई ?
2. लैंगिक बजट से क्या तात्पर्य है ?
3. परिणामोंन्मुखी बजट क्या है?

5. निबन्धात्मक प्रश्न –

1. बजट के विभिन्न प्रकार कौन–कौनसे है ?
2. बजट के विभिन्न सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

अध्याय–20

भारत में बजट

सारांश–

प्रस्तुत अध्याय बजट की प्रक्रिया का वर्णन करता है। इसमें बजट का इतिहास, सरकारी खाते, बजट के घटक, निर्माता अभिकरण, प्रक्रियाएं आदि का विस्तृत वर्णन है। भारत में बजट का इतिहास– ब्रिटिशकाल में 18 फरवरी 1860 से हुई। स्वतन्त्रता पश्चात भी इसे जारी रखा गया है। भारत में तीन सरकारी खाते रखे गये है। 1. भारत की संचित निधि 2. आकस्मिक निधि 3. सार्वजनिक खाता।

भारतीय बजट के घटक– 1. राजस्व बजट, 2. पूँजी बजट भारत में बजट निर्माण अभिकरण – (1) वित्त मंत्रालय (2) प्रशासनिक मंत्रालय (3) नीति आयोग (4) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

बजट निर्माण की अवस्थाएँ– 1. आहरण एवं वितरण अधिकारियों द्वारा अनुमानों की तैयारी 2. विभागों तथा मंत्रियों द्वारा संवीक्षा एवं समेकन 3. वित्त मंत्रालय द्वारा संवीक्षा 4. विवादों का निपटारा 5. वित्त मंत्रालय द्वारा समेकन 6. मंत्रिमण्डल द्वरा अनुमोदन

बजट अधिनियमन– 1. बजट प्रस्तुतिकरण 2. बजट पर आम बहस 3. अनुदान मांगों पर बहस 4. विनियोजन विधेयक पारित करना 5. वित्त विधेयक पारित करना।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न –**

1. भारत में बजट प्रक्रिया संविधान के किस अनुच्छेद में दी गई है ?
   (अ) अनुच्छेद 2 से 7 (ब) अनुच्छेद 112 से117
   (स) अनुच्छेद 212 से 217 (द) अनुच्छेद 312 से 317 ( )
2. भारत में सर्वप्रथम बजट कब प्रस्तुत किया गया ?
   (अ) 1860 (ब) 1870
   (स) 1890 (द) 1900 ( )
3. बजट से भारत में आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत कब हुई–
   (अ) 1991 (ब) 1994
   (स) 1995 (द) 1996 ( )
4. भारतीय बजट के घटक है ?
   (अ) राजस्व बजट (ब) पूँजी बजट
   (स) अनुदान हेतु माँग (द) उपर्युक्त सभी ( )
5. भारत में बजट का निर्माण कौन करता है ?
   (अ) गृह मंत्रालय (ब) रक्षा मंत्रालय
   (स) वित्त मंत्रालय (द) कृषि मंत्रालय ( )

6. किस वर्ष भारत सरकार ने दो बजट पेश किये—

(अ) 1916 (ब) 1910

(स) 1920 (द) 1925 ( )

7. भारत में वित्तीय वर्ष कब से कब तक माना जाता है ?

(अ) 1 जनवरी से 31 दिसम्बर तक (ब) 1 मार्च से 30 अप्रैल तक

(स) 1 अप्रैल से 31 मार्च तक (द) 15 अगस्त से 14 अगस्त तक ( )

8. स्वतंत्र भारत का प्रथम केन्द्रीय बजट कब पेश किया गया ?

(अ) 15 अगस्त, 1947 (ब) 26 नवम्बर, 1947

(स) 26 जनवरी, 1947 (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. सांकेतिक कटौती प्रस्ताव में .... रू. घटाये जा सकते है—(100 / 120) (पूँजीवादी / लोक कल्याणकारी)
2. आपात अवसर पर भारत में .... विधि से व्यय करने का अधिकार है। (संचित / आकस्मिक)
3. वर्ष 2017—18 से .... मंत्रालय के अलग बजट का प्रावधान समाप्त कर दिया गया। (रेल / शिक्षा)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न—

1. भारत में बजट किस अनुच्छेद के तहत प्रस्तुत किया जाता है ?
2. किसकी सिफारिश के बिना अनुदान की मांग नहीं रखी जा सकती?
3. सार्वजनिक खाता किसे कहते है ?
4. भारत में कितने मंत्रालय बजट प्रस्तुत करते है ?
5. बजट बनाने की जिम्मेदारी किस मंत्रालय की है?

4. लघुतरात्मक प्रश्न—

1. नियन्त्रक व महालेखापरीक्षक का क्या कार्य है।
2. भारत में बजट निर्माणकारी अभिकरणों का उल्लेख कीजिए।

5. निबन्धात्मक प्रश्न—

1. भारत में बजट निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।
2. भारत में बजट के अधिनियम (पारित) पर एक लेख लिखिए।

अध्याय–21

वित्तीय नियंत्रण

सारांश

प्रत्येक प्रकार की शासन व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन हेतु वित्तीय नियंत्रण आवश्यक है। प्रस्तुत अध्याय में वित्तीय नियंत्रण को परिभाषित किया है। वित्तीय नियंत्रण हेतु निर्मित विभिन्न मंत्रलाय, संस्थाओं व समितियों का विस्तृत वर्णन इस अध्याय में किया गया है।

1. वित्त मंत्रालय द्वारा वित्तीय नियंत्रण
2. वित्त पर विधायी नियंत्रण 1. प्रश्न काल 2. कार्य स्थगन वाद–विवाद
3. अधिनियम के संशोधन तथा अधिनियमन पर वाद–विवाद
4. बजट परिचर्चा
5. राष्ट्रपति का अभिभाषण

संसदीय समितियों द्वारा वित्तीय नियंत्रणः– 1. लोक लेखा समिति 2. अनुमान समिति 3. सार्वजनिक उपक्रम समिति 4. लेखांकन

भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

1. **चयनात्मक प्रश्न–**

1. भारत में विमुद्रीकरण (नोटबंदी) किस तिथि से लागू किया गया ?

   (अ) 9 मार्च, 2016 (ब) 9 जुलाई, 2016

   (स) 9 नवम्बर, 2016 (द) 9 जनवरी, 2016 ( )

2. भारत में वित्तीय नियंत्रण के साधन है ?

   (अ) वित्त मंत्रालय (ब) संसदीय समितियां

   (स) लेखांकन (द) उपर्युक्त सभी ( )

3. देश कि किस बैंक के माध्यम से मुद्रा पर नियन्त्रण रखा जाता है–

   (अ) RBI (ब) BOI

   (स) SBI (द) PNB ( )

4. बजट शब्द किस भाषा से संबंधित है ?

   (अ) फ्रेंच (ब) इंग्लिश

   (स) लैटिन (द) स्पैनिश ( )

5. लोक लेखा समिति की स्थापना किस वर्ष हुई–

   (अ) 1920 (ब) 1925

   (स) 1921 (द) 1924 ( )

6. प्राक्कलन (अनुमान) समिति की भारत में सर्वप्रथम स्थापना कब हुई थी ?

   (अ) 1947 में (ब) 1950 में

   (स) 1935 में (द) 1919 में ( )

7. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षा की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है ?

   (अ) 5 वर्ष के लिए (ब) 3 वर्ष के लिए

   (स) 4 वर्ष के लिए (द) 6 वर्ष के लिए ( )

8. वित्त व्यवस्था के लिए मंत्रालय उत्तरदायी है–

   (अ) वित्त मंत्रालय (ब) गृह मंत्रालय

   (स) विदेश मंत्रालय (द) संचार मंत्रालय ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. सुशासन की अवधारणा .... पर ही आधारित है। (प्रशासनिक नियंत्रण/वित्तीय नियंत्रण)
2. अनुमान समिति की स्थापना .... द्वारा की गई। (राष्ट्रपति/संसद)
3. बजट सत्र .... के अभिभाषण से शुरू होता है। (राष्ट्रपति/प्रधानमंत्री)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. वित्तीय नियंत्रण के दो घटक बताइये।
2. भारत में प्रथम लोक लेखा समिति की स्थापना कब हुई ?
3. भारत में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति कौन करता है ?
4. भारत की प्रथम लोक लेखा समिति की स्थापना कब हुई?
5. प्रश्नकाल क्या है?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. प्राक्कलन (अनुमान) समिति का क्या कार्य है ?
2. प्रमुख संसदीय समितियों के नाम लिखो।

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. वित्तीय नियंत्रण को समझाते हुए इसके विभिन्न घटकों का वर्णन कीजिए।
2. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की स्थिति और शक्तियों का वर्णन कीजिए।

इकाई 8

अध्याय–22

कार्मिक प्रशासन

लोक सेवाओं में भर्ती

सारांश–

प्रस्तुत अध्याय में प्रशासन के कार्यो को सुचारू रूप से संचालन हेतु कार्मिक भर्ती का वर्णन है। भर्ती की पद्धतियां, भर्ती की पात्रता, परीक्षा, भर्ती संबंधी समितियां एवं उनकी अनुशंषाएं व अन्त में सुधार हेतु कमियों का उल्लेख है। भर्ती की बाह्य पद्धतियां – 1. सीधी भर्ती 2. प्रतिनियुक्ति 3. अल्पावधि संविदा सहित प्रति नियुक्ति 4. आमेलन 5. सशस्त्र बल कार्मिक का पुर्ननियोजन

भर्ती की आन्तरिक पद्धतियां– पदोन्नति 2. संयुक्त पद्धति

भारत में लोक सेवाओं में भर्ती– इसमें 1. पात्रता 2. आयु सीमा 3. न्यूनम शैक्षणिक योग्यता 4. अवसरों की संख्या 5. शुल्क 6. परीक्षा की रूपरेखा

भर्ती प्रक्रिया में कमियाँ आदि के बारे में वर्णन है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न**

1. भर्ती को कार्मिक प्रशासन की आधारशिला किसने कहा है ?

   (अ) स्टॉल | (ब) रेम्जेम्योर
   (स) मैक्स वेबर | (द) पर्किसन ( )

2. भारत में अखिल भारतीय सेवाओं हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में निबन्ध का प्रश्न पत्र किस समिति की अनुशंषा पर सम्मिलित किया गया है ?

   (अ) दौलत सिंह कोठारी | (ब) वाई.के. अलघ समिति
   (स) सतीश चन्द्रा समिति | (द) होता समिति ( )

3. भारतीय वन सेवा के लिए प्रारम्भिक परीक्षा की शुरूआत कब की गई।

   (अ) 2012 | (ब) 1913
   (स) 1914 | (द) 1915 ( )

4. भारत में लोक सेवाओं में खुली प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से भर्ती किस समिति की अनुशंषा से प्रारम्भ की गई ?

   (अ) मैकाले समिति | (ब) ली आयोग
   (स) पॉल एच. एपिलबी समिति | (द) प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग ( )

5. भारत में अखिल भारतीय सेवाओं हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता क्या है ?

(अ) सैकेण्डरी (ब) स्नातक

(स) स्नातकोत्तर (द) विधि स्नातक ( )

6. समस्त कार्मिक प्रशासन की आधारशिला कहा है ?

(अ) ग्लैन स्टॉल (ब) हेनरी फेयोल

(स) मैक्स वेबर (द) इनमें से कोई नहीं ( )

7. प्रतिनियुक्ति होती है ?

(अ) सामान्यतः 1 से 5 वर्ष (ब) 2 वर्ष

(स) आजीवन (द) 1 वर्ष ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. समस्त कार्मिक .... की आधारशिला है। (राजतंत्र / प्रशासन)
2. भर्ती की .... प्रमुख पद्धतियां है। (2 / 3)
3. .... प्रणाली के अन्तर्गत लोकसेवक कुछ समय के लिए दूसरे विभाग में जाते है। (प्रतिनियुक्ति / आमेलन)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. लोक सेवाओं में भर्ती हेतु स्वतंत्र भर्ती निकाय क्यों आवश्यक है ?
2. अप्रत्यक्ष भर्ती के विभिन्न प्रकारों के नाम बताइये।
3. प्रत्यक्ष भर्ती से आप क्या समझते है?
4. पदोन्नति से आप क्या समझते है ?
5. संयुक्त भर्ती किन भर्ती पद्धतियों का मेल है ?
6. प्रतिनियुक्ति क्या है?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. एक श्रेष्ठ भर्ती प्रणाली में क्या गुण होने चाहिए ?
2. पदोन्नति से आप क्या समझते है?

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. भर्ती के विभिन्न प्रकारों पर एक लेख लिखिए।
2. भारत में लोक सेवकों की भर्ती प्रक्रिया में प्रमुख कमियाँ क्या है?

अध्याय–23

लोक सेवाओं में प्रशिक्षण

सारांश–

इस अध्याय में कार्मिक को प्रशिक्षण की आवश्यकता को बताया है। प्रशिक्षण के उद्देश्य, तकनीके, प्रकार आदि के बारे में वर्णन है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का प्रशिक्षण के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण व साथ ही भारत में प्रशिक्षण संस्थानों को भी इंगित किया गया है।

प्रवेश कालीन – प्रशिक्षण के प्रकार 1. आधारभूत प्रशिक्षण 2. व्यावसायिक प्रशिक्षण अथवा संस्थागत प्रशिक्षण 3. अभिमुखीकरण प्रशिक्षण 4. आरम्भिक प्रशिक्षण

प्रवेशोत्तर प्रशिक्षण/ सेवाकालीन प्रशिक्षण – 1. मिड–कैरियर प्रशिक्षण एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 2. व्यावसायिक प्रशिक्षण अथवा संस्थागत प्रशिक्षण

भारत में प्रशिक्षण संस्थान – मसूरी, हैदराबाद, नई दिल्ली, बड़ोदा हैदराबाद में है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. प्रशिक्षण के विषय में क्या सही नहीं है ?
   (अ) यह निगमनात्मक है। (ब) यह लक्ष्योन्मुखी है।
   (स) यह समाधानोन्मुखी है। (द) यह आगमनात्मक है। ( )
2. निम्न में से कौनसा प्रशिक्षण प्रवेश कालीन प्रशिक्षण (Pre Entry Training) का उदाहरण है ?
   (अ) अभिमुखीकरण प्रशिक्षण (ब) मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम
   (स) पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (द) सेवाकालीन प्रशिक्षण ( )
3. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी कहाँ है?
   (अ) मंसूरी (ब) देहरादून
   (स) दिल्ली (द) बिहार ( )
4. भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के आधारभूत पाठ्यक्रम की अवधि लगभग कितनी होती है ?
   (अ) आठ सप्ताह (ब) सोलह सप्ताह
   (स) दस सप्ताह (द) बारह सप्ताह ( )
5. प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज कहां पर स्थित है ?
   (अ) हैदराबाद (ब) नई दिल्ली
   (स) मसूरी (द) शिमला ( )

6. प्रशिक्षण पर पुस्तक How to become a leader किसने लिखी–

(अ) वारेन बैनिस (ब) हेनरी

(स) मैकाले (द) ए.डी. गोरेवाल ( )

7. भारत के प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थित है ?

(अ) हैदराबाद (ब) नई दिल्ली

(स) मसूरी (द) मुम्बई ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. .... कार्मिकों को अपने पद के दायित्वों के सर्वोत्तम अनुकूल बनाने में सहायक होता है। (प्रशिक्षण/शिक्षण)
2. प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज .... में है। (हैदराबाद/मसूरी)
3. आधारभूत पाठ्यक्रम .... सप्ताह का होता है। (16/8)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. प्रशिक्षण क्यों अनिवार्य है ?
2. आधारभूत प्रशिक्षण कब प्रदान किया जाता है ?
3. सैडंविच प्रशिक्षण क्या है?
4. प्रशिक्षण की 5 तकनीकों के नाम लिखिए।
5. भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण के विभिन्न चरणों के नाम लिखिए।

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. प्रशिक्षण का उद्देश्य बतलाइये (3 बिन्दु)।
2. प्रशिक्षण की तकनीकों के नाम लिखो।

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण पर एक लेख लिखिए।
2. प्रशिक्षण के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

अध्याय–24

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग

सारांश–

भारत के संविधान में लोकसेवकों की भर्ती हेतु संघ लोकसेवा आयोग एवं राज्यों में राज्य सेवा आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है। प्रस्तुत अध्याय में इन्हीं आयोगों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई है।

लोक सेवा आयेग का इतिहास – लार्ड मैकाले द्वारा 1854 में रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में पेश की जिसमें योग्यता आधारित भर्ती प्रणाली को अपनाया गया। इसके आधर पर 1854 में लंदन में सिविल सेवा अयोग की स्थापना की गई। स्वतन्त्रता पश्चात फैडरल लोक सेवा आयोग संघ लोक सेवा आयोग में परिवर्तित हो गया।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 से 323 में संघ एवं राज्यों के लोक सेवा आयोग से संबंधित प्रावधान है। अनुच्छेद 315 में संघ के लिए एक लोक सेवा आयोग एवं प्रत्येक राज्य के लिए एक लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया है। अनुच्छेद 316 सदस्यों की नियुक्ति एवं पदावधि, सदस्यों को हटाने एवं निलम्बित किये जाने का प्रावधान 317 में सदस्यों एवं कर्मचारियों की सेवा शर्तों का वर्णन व 318 में सदस्यों की स्वतंत्रता संबंधि तथा 319 में लोक सेवा आयोग के कार्यों का वर्णन है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. संविधान के किस अनुच्छेद में संघ एवं राज्यों के लोक सेवा आयोगों हेतु प्रावधान किया गया है?

   (अ) अनुच्छेद 315 से 323 (ब) अनुच्छेद 280

   (स) अनुच्छेद 324 (द) अनुच्छेद 148 ( )

2. राज्यों के लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है ?

   (अ) राज्यपाल (ब) राष्ट्रपति

   (स) प्रधानमंत्री (द) मुख्यमंत्री ( )

3. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों का कार्यकाल कितना होता है ?

   (अ) 5 वर्ष अथवा 62 वर्ष की आयु। (ब) 6 वर्ष अथवा 62 वर्ष की आयु ।

   (स) 5 वर्ष अथवा 60 वर्ष की आयु । (द) 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु। ( )

4. लार्ड मेकाले की रिपोर्ट कब प्रस्तुत की गई–

   (अ) 1954 (ब) 1857

   (स) 1860 (द) 1861 ( )

5. संघ लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन किसको प्रस्तुत करता है ?

(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री

(स) संसद (द) भारत का मुख्य न्यायाधीश ( )

6. योग्यता आधारित भर्ती देन है ?

(अ) वेबर (ब) टेलर

(स) फेयोल (द) मैकाले ( )

7. लोक सेवा आयोग के कार्यों का वर्णन संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया–

(अ) 320 (ब) 322

(स) 321 (द) 323 ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. .... व्यक्तियों का चयन कार्मिक प्रशासन तंत्र की नींव है। (योग्य / अयोग्य)
2. 1854 में .... सिविल सेवा आयोग की स्थापना की गई। (अमेरिका / लंदन)
3. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों को साबित कदाचार के आधार पर .... हटा सकता है। (राष्ट्रपति / राज्यपाल)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. योग्यता आधारित भर्ती प्रणाली का सुझाव सर्वप्रथम किस समिति द्वारा दिया गया था ?
2. सर्वप्रथम किस अधिनियम में भारत में लोक सेवा आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया था?
3. राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों का कार्यकाल कितना होता है?

4. **लघुतरात्मक प्रश्न–**

1. लोक सेवा आयोग किन मामलों में परामर्श प्रदान करता है ?
2. संघ लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन किसको प्रस्तुत किया जाता है?
4. प्रथम लोक सेवा आयोग की स्थापना कब व किसने की?
5. संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोगों के सदस्यों का कार्यकाल कितना होता है ?

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. संघ लोक सेवा आयोग के संगठन एवं कार्यों की विवेचना कीजिए।
2. कार्मिक प्रशासन में लोक सेवा आयोगों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

इकाई 9

भारतीय प्रशासन : महत्वपूर्ण मुद्दे

अध्याय 25

मंत्री–लोक सेवक सम्बन्ध

सारांश–

इस अध्याय में संसदीय शासन प्रणाली वाले देशों में मंत्री–लोकसेवक सम्बन्धों में अधिक जटिलता को परिभाषित किया है। इन सम्बन्धों पर विभिन्न मतों का विश्लेषण किया गया है। प्रधानमंत्री, केबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री और उप मंत्री राजनीतिक कार्यपालिका की श्रेणी में आते हैं तथा इनको प्रशासनिक सहायता एवं परामर्श उपलब्ध कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारी (लोक सेवक) होते है। ये दोनों सापेक्षिक भूमिका में राज्य के विकास हेतु कार्य करते है। परन्तु दोनों में भेद है।

मंत्री–लोकसेवक संबंधों के निर्धारक घटक– प्रशासनिक विशेषज्ञता, राजनीतिक स्थिति, भिन्न दृष्किोण, कार्यशैली, मंत्री मंडलीय उत्तरदायित्व की भावना।

मंत्री लोक सेवक संबन्ध पर विभिन्न मत है।

लास्की ने मंत्रियों की तीन श्रेणियों में विभाजित किया है– 1 शक्तिशाली व्यक्तिव 2. लोकप्रिय व्यक्तिव 3. प्रभावहीन मंत्री व लोक सेवकों के मध्य मत भेद के कई कारण है। इन्हें दूर करने हेतु प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग ने 6 सुझाव दिये थे।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. पिफनर ने निम्नलिखित में से किस आधार को मंत्री का नहीं बताया है ?

   (अ) अनुभवहीन (ब) गैर–तकनीकी

   (स) पक्षपाती (द) स्थायी ( )

2. कौनसा प्रमुख कार्य मंत्री का नहीं है?

   (अ) नीति निर्माण करना (ब) नियुक्ति एवं स्थानान्तरण

   (स) निर्णयन (द) परामर्शदाता ( )

3. किस विचारक ने नौकरशाही को ''फ्रेकेन्सटीन के दैत्य की तरह'' कहा है ?

   (अ) लार्ड हीवर्ट (ब) सिडनी लॉ

   (स) पिफनर (द) जार्ज बर्नार्ड शॉ ( )

4. संसदीय शासन प्रणाली वाले देश है–

   (अ) अमेरिका (ब) चीन

   (स) कनाड़ा (द) भारत ( )

5. मंत्री–लोक सेवक सम्बन्धों से संबंधित आयोग है ?

(अ) छागला आयोग (ब) होता आयोग

(स) सतीश चन्द्र आयोग (द) कोई भीनहीं ( )

6. लोकसेवकों की शक्तियों को नवीन निरंकुशता की संज्ञा किसने दी–

(अ) लार्ड हीवर्ट (ब) लास्की

(स) सिडनीलॉ (द) मुनरो ( )

7. ''नौकरशाही संसदीय लोकतंत्र की कीमत है।'' किसने कहा है ?

(अ) रैम्जेम्योर (ब) जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

(स) हर्बर्ट मॉरीसन (द) उपर्युक्त सभी ( )

8. लास्की ने मंत्रियों को कितनी श्रेणियों में विभाजित किया है ?

(अ) दो (ब) तीन

(स) चार (द) पांच ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. प्रशासनिक अधिकारी .... कार्यपालिका होते है। (स्थायी/अस्थायी)
2. मंत्रियों का चयन .... होता है। (योग्यता/राजनीतिक)
3. लोकसेवकों का चयन .... के आधार पर होता है। (योग्यता/अयोग्यता)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. राजनीतिक कार्यपालिका से आप क्या समझते है ?
2. मंत्रीमण्डल उत्तरदायित्व का सिद्धान्त क्या है?
3. मंत्री लोक सेवक सम्बन्ध में तनाव के दो कारण बताए।

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. मंत्रीमण्डल उत्तरदायित्व सिद्धान्त का क्या अभिप्राय है?
2. लोक सेवकों की बढ़ती हुई शक्ति को नवीन निरंकुशता किसने व क्यों कहा ?

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. मंत्री–लोक सेवक सम्बन्धों में तनाव के प्रमुख कारण क्या–क्या है ? स्पष्ट करें।
2. मंत्री–लोक सेवक सम्बन्धों के निर्धारक घटक कौन–कौनसे है ?

अध्याय–26

सामान्यज्ञ बनाम विशेषज्ञ

सारांश –

इस अध्याय में लोकसेवकों के दो प्रकार सामान्यज्ञ तथा विशेषज्ञ के बारे में बताया है। इनके अभिप्राय, अन्तर व इनके मध्य विवाद तथा समाधान जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं का वर्णन इस अध्याय में है।

सामान्यज्ञ–विशेषज्ञ विवाद – ये दोनां ही प्रशासन में महत्वपूर्ण है परन्तु ये एक दूसरे के अनुपूरक भी है।

परिचय– सामान्यज्ञ लोक सेवक वह है जिसकी कोई विशेष शैक्षणिक पृष्ठभूमि नहीं होती किन्तु वह प्रशासनिक प्रक्रियाओं, नियमों तथा विनियमों का अच्छा ज्ञान रखता है। दूसरी ओर विशेषज्ञ लोक सेवक वह है जिसे प्रशासन के विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता या कौशल प्राप्त हो। इनमें विभिन्न प्रकार से भेद होते है। परन्तु निकर्षतः सामान्यज्ञ व विशेषज्ञ प्रशासन के एक सिक्के के दो पहलू है और दोनों में समन्वय एवं सहयोग से ही लोक कल्याण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. निम्नांकित में विशेषज्ञ कौन है ?

      (अ) जिलाधीश (ब) तहसीलदार

      (स) संभागीय आयुक्त (द) डॉक्टर ( )

   2. जिलाधीश, तहसीलदार आदि की सेवाओं को किस वर्ग में रखा जा सकता है ?

      (अ) सामान्यज्ञ वर्ग (ब) विशेषज्ञ वर्ग

      (स) सामान्यज्ञ एवं विशेषज्ञ (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

   3. आई.सी.एस. सामान्यज्ञ सेवा का सृजन किस आयोग की सिफारिश पर किया गया है ?

      (अ) नार्थकोट–ट्रेवेलियन आयोग। (ब) ली आयोग

      (स) ऐचिसन आयोग (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

   4. प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग कब गठित हुआ–

      (अ) 1966 (ब) 1968

      (स) 1970 (द) 1980 ( )

   5. ''विशेषज्ञता का मूल्य हर प्रकार का संकीर्णवाद है।'' किसने कहा है ?

      (अ) पॉल. एच. एपिलबी (ब) हरमन फाइनर

      (स) हेरॉल्ड लॉस्की (द) थोर्सटीन वेबलीन ( )

6. भारत के अतिरिक्त किस देश में सामान्यज्ञों की प्रधानता है ?

(अ) पाकिस्तान (ब) जर्मनी

(स) ब्रिटेन (द) आस्ट्रेलिया ( )

7. प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष थे–

(अ) हनुमनैया (ब) इंदिरा गांधी

(स) चन्द्रशेखर (द) राजीव गांधी ( )

8. अखिल भारतीय सेवाओं के क्रियाशीलकरण का सुझाव किसने दिया था ?

(अ) सतीश चन्द्रा समिति (ब) होता समिति

(स) मेहता समिति (द) प्रशासनिक सुधार आयोग ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ब्रिटिशकाल के समय से ही भारतीय प्रशासन में .... का वर्चस्व कायम है। (सामान्यज्ञों / विशेषज्ञों)
2. प्रशासन में सामान्यज्ञ और विशेषज्ञ दोनों .... है। (विरोधी / अनुपूरक)
3. प्रशासनिक सुधार आयोग ने भारतमें सेवाओं को .... भागों में विभक्त करने की सलाह दी। (दो / चार)

3. अतिलघुतरात्मक प्रश्न–

1. सामान्यज्ञ को परिभाषित कीजिए।
2. समान्यज्ञ श्रेष्ठ है। दो तर्क दीजिए।
3. सामान्यज्ञ विशेषज्ञ विवाद के दो मुख्य कारण लिखें।
4. विशेषज्ञ सेवाओं के कोई तीन उदाहरण दीजिए।
5. भारतीय प्रशासन ने विशेषज्ञों के पक्ष में तर्क दीजिए।

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. सामान्यज्ञ और विशेषज्ञ के मध्य अंतर को स्पष्ट करें।
2. सामान्यज्ञ–विशेषज्ञ विवाद के मुख्य आधर क्या है?

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. ''सामान्यज्ञ–विशेषज्ञ एक दूसरे के विरोधी नहीं पूरक है'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए दोनों के मध्य बेहतर सम्बन्धों हेतु सुझाव प्रस्तुत करें।
2. विशेषज्ञ प्रशासक से क्या अभिप्राय है? प्रशासन में उनकी भूमिका के पक्ष में तर्क दीजिए।

अध्याय–27

प्रशासनिक नैतिकता

सारांश–

इस अध्याय में लोक सेवकों से प्रशासनिक नैतिकता की अपेक्षा की बात की गई है। इस बाबत् लोक सेवकों हेतु समय–समय पर आचरण नियमों का निर्माण किया गया है। इनमें संथानम समिति, प्रशासनिक सुधार आयोग, सी.वी.सी, सी.बी.आई., सूचना का अधिकार प्रमुख है।

नीतिशास्त्र का अभिप्राय– नीतिशास्त्र से तात्पर्य उन नैतिक मूल्यों से है जो लोगों के व्यवहार को निर्देर्शित करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

प्रशासनिक नैतिकता हेतु आचार संहिता की आवश्यकता– 1. सत्ता के दुरूपयोग को रोकने के लिए 2. प्रशासनिक कुशलता के लिए लिए 3. राजनीतिक तटस्थता बनाए रखने हेतु 4. आचरण को नैतिक बनाएं रखने के लिए 5. लोकसेवकों की मनमानी गतिविधियों पर अंकुश

भारत में सरकारी कर्मचारी आचार संहित– 1. कर्तव्य पालन 2. राजनीतिक प्रतिबद्धता के स्थान पर राजनीतिक तटस्थता 3. संपत्ति सम्बन्धित नियम 4. सार्वजनिक आलोचना पर प्रतिबन्ध 5.निजी व्यापार का विरोध 6. सट्टेबाजी का निषेध आदि

प्रशासनिक नैतिकता के पतन के कारण – 1. नैतिक मूल्यों का ह्रास 2. सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न 3. दण्ड का भय नहीं 4. स्थापित हितों की मजबूती 5. निर्वाचन में कालाधन 6. लालफीताशाही 7. आर्थिक असमानता और बढ़ती महगाई।

प्रशासनिक शुचिता हेतु प्रयास – 1. संथानम समिति, 1964 2. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग आदि

सरकारों द्वारा प्रशासनिक नैतिकता की स्थापना हेतु उठाए गये कदम

1. केन्द्रीय सतर्कता आयोग (C.V.C.)
2. केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (C.B.I.)
3. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005
4. लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011
5. सूचना प्रदाता (व्हिसल ब्लोअर) संरक्षण अधिनियम–2011 लोकपाल विधेयक 2014 इत्यादि

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. नैतिकता का अध्ययन किस विषय के अंतर्गत किया जाता है ?

   (अ) समाजशास्त्र (ब) नीतिशास्त्र

   (स) लोक प्रशासन (द) दर्शनशास्त्र ( )

2. ''सत्ता भ्रष्ट करती है, पूर्ण सत्ता पूर्ण भ्रष्ट करती है'' यह कथन किसका है ?

(अ) आर्डवे टीड का (ब) लार्ड एक्टन का

(स) महात्मा गाँधी का (द) ग्लेडन का ( )

3. ''प्रशासन एक नैतिक कार्य है और प्रशासक एक नैतिक अभिकर्त्ता''उक्त कथन किस विचारक का है ?

(अ) जवाहर लाल नेहरू (ब) ऑडवे टीड

(स) डेविड ईस्टन (द) इनमें से कोई नहीं ( )

4. संथानम समिति का संबंध है ?

(अ) चुनाव सुधारों से (ब) भ्रष्टाचार से

(स) लोक सेवओं से (द) पुलिस सुधार से ( )

5. केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों की स्थापना कब हुई–

(अ) 1963 (ब) 1970

(स) 1973 (द) 1972 ( )

6. सूचना का अधिकार अधिनियम भारत में लागू हुआ ?

(अ) 12 अक्टूबर 2007 को (ब) 12 अक्टूबर 2006 को

(स) 12 अक्टूबर 2004 को (द)12 अक्टूबर 2003 को ( )

7. लोकपाल अधिनियम कब बना–

(अ) 2014 (ब) 2014

(स) 2015 (द) 2016 ( )

8. भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे लोक सेवकों को कानूनी संरक्षण प्रदान करना उद्देश्य है ?

(अ) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (ब) लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011

(स) सूचना प्रदाता संरक्षण अधिनियम, 2011 (द) लोकपाल अधिनियम, 2014 ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. प्रशासन एक नैतिक कार्य है और प्रशासक एक नैतिक अभिकर्त्ताहै यह कथन .... का है। (पी.आर देशमुख/ऑडवे टीड)
2. रेलवे सेवा आचरण नियम .... में बनाया गया। (1956/1968)
3. विमुद्रीकरण .... की घोषणा हुई। (2016/2017)

3. **अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. प्रशासनिक नैतिकता का क्या महत्व है?
2. राजनीतिक तटस्थता का क्या अभिप्राय है ?
3. केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त क्या है?
4. चुनाव सुधार क्यों जरूरी है ?
5. काला धन क्या है?

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. भारत में प्रचलित आचार–संहिता नियमों का उल्लेख कीजिए।
2. लोकपाल विधेयक 2014 के मुख्य प्रावधान लिखिए।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. भारत सरकार .द्वारा नैतिकता की स्थापना हेतु उठाये गए कदमों को स्पष्ट करें।
2. प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा प्रशासनिक नैतिकता की स्थापना हेतु दिये गये सुझावों को स्पष्ट करें।

अध्याय–28

प्रशासन में पारदर्शिता

सारांश–

इस अध्याय में प्रशासनिक पारदर्शिता के बारे में बताया है, जिससे तात्पर्य है सरकार के कार्यकलापों के बारे में आम जनता को जानकारी की सुस्पष्टता एवं उपलब्धता, इस बाबत नागरिक अधिकारण पत्र, सूचना का अधिकार एवं केन्द्रीय सूचना आयोग का भी उल्लेख किया है। प्रशासनिक पारदर्शिता से तात्पर्य है सरकार के कार्यकलापों के बारे में आम जनता को जानकारी की सुस्पष्टता एवं उपलब्धता यह कुशासन से भी जुड़ी है। पारदर्शिता की कुछ सीमाएं भी है।

पारदर्शिता को प्राप्त करने के प्रमुख साधन है– 1. नागगरिक अधिकार पत्र – सर्वप्रथम इंग्लैण्ड में 1991 में भारत में 1997 में नौ सूत्री कार्य योजना

नागरिक अधिकार पत्र की भूमिका – 1. प्रशासन की छवि को दुरूस्त करने में 2. जवाबदेहिता सुनिश्चित करने में 3. प्रशासन को पारदर्शी बनाने में 4. जन–सहभागिता सुनिश्चित करने में।

सूचना अधिकार– सन् 1991 के आर्थिक सुधारों के कारण यह अधिनियम, 2005 12 अक्टूबर 2005 को पारित किया गया। इसके उद्देश्य– पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुनिश्चित करना था। 2. सूचना तथा सूचना का अधिकार 3. लोक प्राधिकारियों हेतु बाध्यताएं 4. लोक सूचना अधिकारी 5. सूचना प्राप्ति की विधि 6. समयावधि (30 दिन) 7. न दी जानेवाली सूचनाएं

अपील व्यवस्था – केन्द्रीय सूचना आयोग,

रज्य सूचना आयोग

सूचना आयोग की शक्तियां एवं कृत्य – सूचना के अधिकार के लाभ 1. पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन 2. अनियमित्ताओं तथा भ्रष्टाचार में कमी 3. गतिशील तथा सक्षम पंचायतीराज की स्थापना संभव 4. बेहतर प्रशासनिक सेवाओं की प्राप्ति संभव है।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न –**

1. नागरिक अधिकार पत्र का सर्वप्रथम विकास कहां हुआ–

(अ) इग्लैंड (ब) फ्रांस

(स) अमेरिका (द) कनाड़ा ( )

2. पारदर्शिता में समाहित मूल्य है–

(अ) भ्रष्टाचार रोकने में सहायक । (ब) उत्तरदायी प्रशासन की स्थापना में सहायक।

(स) सुशासन स्थापना में सहायक। (द) उपर्युक्त सभी। ( )

3. पारदर्शिता के उपकरण है ?

(अ) सूचना का अधिकार (ब) नागरिक अधिकार पत्र

(स) ई–शासन (ब) उपर्युक्त सभी ( )

4. सूचना का अधिकार भारत में कहां लागू नहीं हुआ–
   (अ) जम्मु कश्मीर (ब) उत्तराखण्ड
   (स) दिल्ली (द) राजस्थान ( )
5. भारत में सूचना का अधिकार अधिनियम कब लागू हुआ ?
   (अ) 12 सितम्बर, 2005 को (ब) 12 अक्टूबर, 2005
   (स) 12 नवम्बर, 2005 (द) कोई नहीं ( )
6. केन्द्रीय सूचना आयुक्त चयन समिति का अध्यक्ष होता है ?
   (अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
   (स) मुख्य न्यायाधीश (द) केन्द्रीय मंत्री ( )
7. सूचना प्राप्त होने का समय निर्धारित है ?
   (अ) 30दिन (ब) 3 माह
   (स) 40 दिन (द) 20 दिन ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. संयुक्त राज्य अमेरिका में सूचना की स्वतन्त्रता अधिनियम सन् ....में बनाया गया। (1966 / 1948)
2. नागरिक अधिकार पत्र सर्वप्रथम............................ में बनाया गया। (भारत / इंग्लैण्ड)
3. मुख्य सूचना आयुक्त .... वर्ष तक कार्यकाल है। (65 वर्ष / 60 वर्ष)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. पारदर्शिता से आप क्या समझते है ?
2. नागरिक अधिकार पत्र को स्पष्ट करें।
3. सूचना के अधिकार के दो लाभ बताओ–
4. सूचना का अधिकार 2005 क्या है?
5. सूचना क्या है ?

4. लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. ''नागरिक अधिकार पत्र पारदर्शिता के वाहक है'' कैसे ?
2. सूचना का अधिकार अधिनियम की अपील व्यवस्थआों को स्पष्ट करें।
3. सूचना आयोग की शक्तियां व कृत्य बताइये।

5. निबन्धात्मक प्रश्न–

1. प्रशासनिक पारदर्शिता पर एक लेख लिखिए।

2.सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पर एक लेख लिखिए।

इकाई 10

प्रशासनिक सुधार एवं नवाचार

अध्याय–29

प्रशासनिक सुधार

सारांश –

इस पाठ में प्रशासन में वांछित सुधारों पर प्रकाश डाला गया है। इसमें स्वतंत्रता पूर्व व स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात किये प्रशासनिक सुधारों जिनमें विभिन्न समितियां, प्रतिवेदन, आयोग व उनकी अनुशंषा को उल्लिखित किया है। भारत में प्रशासनिक सुधार के प्रयास–

स्वतन्त्रतापूर्व प्रशासनिक सुधार– 1. ऐचीसन आयोग 2. इंस्लिगटन आयोग 3. ली आयोग 4. टाटनहम समिति आदि

स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात (क) सचिवालय पुनर्गठन समिति अथवा वाजपेयी समिति (1947) (ख) मितव्ययता समिति, 1948 (ग) एन. गोपाल स्वामी, 1949 आयंगर समिति, 1949 (घ) ए.डी. गोरवाल रिपोर्ट, 1951, (ङ) वी.टी. कृष्णामाचारी समिति, 1962 (च) के. सन्थानम समिति, 1964 (छ) प्रशासनिक सुधार आयोग, 1966 सहकारिया आयोग, 1983

उदारीकरण के पश्चात (नब्बे के दशम से) प्रशासनिक सुधार 1. कर सुधार समिति, 1991 2. पॉचवा वेतन ओाग, 1994 3. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (2005–09) 4. छठा वेतन आयोग, 2006, सातवॉ वेतन आयोग–2014

राजस्थान में प्रशासनिक सुधार– 1. प्रशासनिक सुधार समिति, 1963 हरिश्चन्द्र माथुर 2. प्रशासनिक सुधार आयोग, 1999 शिवचरण माथुर फलस्वरूप 1) सचिवालय में ओ एण्ड एम सम्भाग की स्थापना, 1955 2) भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की स्थापना 3) संभागीय आयुक्त की नियुक्ति 4) अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल 5) लोकायुक्त (1973) 6) पंचायती राज की स्थापना 7) सूचना का अधिकारी अधिनियम, 2005 8) राजस्थान राज्य लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

   1. भारत में अब तक गठित वेतन आयोगों की संख्या है ?

      (अ) 5 (ब) 6

      (स) 7 (द) 8 ( )

   2. एन. गोपालास्वामी आयंगर समिति की स्थापना कब हुई ?

      (अ) 1950 (ब) 1951

      (स)1949 (द) 1948 ( )

3. सरकारिया आयोग का गठन कब हुआ–

(अ) 1983 (ब) 1985

(स) 1981 (द) 1982 ( )

4. भारत में प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष कौन थे ?

(अ) के. हनुमंतैया (ब) पी.सी. होता

(स) सतीश चन्द (द) इनमें से कोई नहीं ( )

5. किस प्रतिवेदन में यह अनुशंसा की गई कि'राष्ट्रीय विकास परिषद' का नाम बदलकर ''राष्ट्रीय आर्थिक एवं विकास परिषद कर दिया जाना चाहिए।

(अ) गोरवाल प्रतिवेदन (ब) सरकारिया प्रतिवेदन

(स) एपिलबी प्रतिवेदन (द) इनमें से कोई नहीं ( )

6. राजस्थान में लोक सेवा गारंटी अधिनियम कब लागू हुआ ?

(अ) 14 नवम्बर, 2010 (ब) 14 नवम्बर, 2011

(स) 14 नवम्बर, 2009 (द) कोई नहीं ( )

7. छठा वेतन आयोग कब गठित हुआ–

(अ) 2006 (ब) 2008

(स) 2012 (द) 2010 ( )

8. केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना किस समिति की अनुशंसा पर हुई ?

(अ) आयंगर समिति (ब) सन्थानम समिति

(स) होता समिति (द) बलवन्तराय मेहता समिति ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मिव्ययिता समिति .... में बनाई गयी। (1948 / 1958)
2. .... सचिवालय में एक ओ. एंड एम. संभाग स्थापित किया गया– (1955 / 1956)
3. उदारीकरण .... से शुरू हुए। (90 के दशक / 70 के दशक)

3. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. प्रशासनिक सुधार से आप क्या समझते है?
2. आयंगर समिति को स्पष्ट करो।
3. व्यय सुधार आयोग की मुख्य अनुशंसा क्या थी?
4. संगठन और प्रबन्ध से आप क्या समझते है ?
5. राजस्थान के शिवचरण माथुर आयोग के प्रमुख 2 सुझाव लिखे।

4. **लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

1. सन्थानम समिति की दो सिफारिशों को लिखिए।
2. सूचना का अधिकार अधिनियम को स्पष्ट करें।
3. छठे वेतन आयोग को संक्षेप में स्पष्ट करें।

5. **निबन्धात्मक प्रश्न–**

1. प्रशासनिक सुधार आयोग के प्रमुख सुझाव क्या थे ? कोई दो सुझाव लिखिए।
2. प्रशासनिक सुधार आयोग पर संक्षिप्त लेख लिखों।
3. 'उदारीकरण के पश्चात प्रशासनिक सुधारों की दिशा परिवर्तन हुई है।' स्पष्ट कीजिए।

उच्च माध्यमिक (मूक बधिर एवं CWSN प्रथम वर्ग)

परीक्षा–2025–26

पाठ्यक्रम एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : समाजशास्त्र

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा प्रकाशित अधिकृत प्रश्न बैंक

2025–26

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान,अजमेर

पाठ्यक्रम 2025–26 पाठ्यक्रम
कक्षा–12
विषय– समाजशास्त्र

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–				
प्रश्न पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	संत्राक	पूर्णांक
एक पत्र	4:15	80	20	100

भाग–I भारतीय समाज

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	अंक
अध्याय–1	भारतीय समाज : एक परिचय (मूल्यांकन में सम्मिलित नहीं है)	00
अध्याय–2	भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना	06
अध्याय–3	सामाजिक संस्थाएँ : निरन्तरता एवं परिवर्तन	06
अध्याय–4	बाजार एक सामाजिक संस्था के रुप में	06
अध्याय–5	सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरुप	06
अध्याय–6	सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ	08
अध्याय–7	परियोजना कार्य के लिए सुझाव (मूल्यांकन में सम्मिलित नहीं है)	00
भाग–II भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास		
अध्याय–8	संरचनात्मक परिवर्तन	06
अध्याय–9	सांस्कृतिक परिवर्तन	06
अध्याय–10	संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन	06
अध्याय–11	ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन	06
अध्याय–12	औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास	06
अध्याय–13	भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन	06
अध्याय–14	जनसम्पर्क साधन और जनसंचार	06
अध्याय–15	सामाजिक आन्दोलन	06
योग		**80**

भाग–I भारतीय समाज

अध्याय–1 भारतीय समाज : एक परिचय (मूल्याँकन में सम्मिलित नहीं है।)

पाठ्यपुस्तक का पूर्व दर्शन

अध्याय–2 भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना **06**

जनसांख्यिकी सम्बंधी कुछ सिद्धांत और संकल्पनाएं : माल्थस का जनसंख्या वृद्धि सिद्धांत, जनसांख्यिकीय संक्रमण का सिद्धान्त, सामान्य संकल्पनाएँ एवं संकेतक, भारत की जनसंख्या का आकार और संवृद्धि दर, जन्म दर, मृत्यु दर, भारतीय जनसंख्या की आयु संरचना, भारत में गिरता हुआ स्त्री–पुरुष अनुपात, साक्षरता, ग्रामीण–नगरीय विभिन्नताएं, भारत की जनसंख्या नीति।

अध्याय–3 सामाजिक संस्थाएँ निरंतरता और परिवर्तन **06**

जाति और जाति व्यवस्था, उपनिवेशवाद और जाति, जाति का समकालीन रूप, जनजातीय समुदाय, परिवार और नातेदारी।

अध्याय–4 बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में **06**

बाजार और अर्थव्यवस्था का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य, छतीसगढ़ के जिला बस्तर के धोराई गांव का एक साप्ताहिक आदिवासी बाजार, पूर्व उपनिवेशक और उपनिवेशिक भारत में जाति आधारित बाजार एवं व्यापारिक तंत्र बाजारों का सामाजिक संगठन पारम्परिक व्यापारिक समुदाय, उपनिवेशवाद और नए बाजारों का अभिर्भाव पूंजीवाद को एक सामाजिक व्यवस्था के रूप में समझना भूमण्डलीकरण–स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों का गठजोड़, उदारवादिता पर बहस बाजार बनाम राज्य।

अध्याय–5 सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप **06**

सामाजिक विषमता और सामाजिक बहिष्कार ,जाति एवं जनजाति, जातियों और जन जातियों के प्रति भेदभाव मिटाने के लिए राज्य और संगठनों द्वारा उठाए गए कदम, अस्पृश्यता, अन्य पिछड़ा वर्ग, आदिवासी संघर्ष, स्त्रियों की समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष, अन्यथा सक्षम व्यक्तियों का संघर्ष।

अध्याय–6 सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ **08**

सामुदायिक पहचान का महत्व, समुदाय, राष्ट्र एवं राष्ट्र राज्य, सांस्कृतिक विविधता और भारत राष्ट्र–राज्य के रुप में, भारतीय संदर्भ में क्षेत्रवाद, राष्ट्र, धर्म संबंधी मुद्दे और पहचान, अल्पसंख्यकों के अधिकार और राष्ट्र निर्माण, साम्प्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता एवं राष्ट्र राज्य, राज्य और नागरिक समाज।

अध्याय–7 परियोजना कार्य के लिए सुझाव (मूल्याँकन में सम्मिलित नहीं है।)

शोध पद्धतियों की बहुलता, छोटी शोध परियोजनाओं के लिए संभावित प्रकरण एवं विषय।

भाग– II भारतीय समाज में परिवर्तन एवं विकास

अध्याय–8 संरचनात्मक परिवर्तन **06**

उपनिवेशवाद की समझ, नगरीकरण और औद्योगीकरण, स्वतन्त्र भारत में औद्योगीकरण, स्वतन्त्र भारत में नगरीकरण।

अध्याय–9 सांस्कृतिक परिवर्तन **06**

उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में हुए सामाजिक सुधार आंदोलन, विभिन्न प्रकार के सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न प्रकार संस्कृतीकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, पंथनिरपेक्षीकरण।

अध्याय–10 संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन **06**

संवैधानिक मानदंड और सामाजिक न्याय : सामाजिक न्याय सशक्तता की व्याख्या, पंचायती राज और ग्रामीण सामाजिक रुपातंरण की चुनौतियाँ, पंचायतों की शक्तियाँ और उत्तरदायित्व, जनजाति क्षेत्रों में पंचायती राज, लोकतंत्रीकरण और असमानता, लोकतांत्रिक राजनीति में राजनीतिक दल, दबाव एवं हित समूह।

अध्याय–11 ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन **06**

कृषि संरचना : ग्रामीण भारत में जाति और वर्ग, भूमि सुधार के परिणाम, हरित क्रांति और इसके सामाजिक परिणाम, स्वतन्त्रता के बाद ग्रामीण समाज में परिवर्तन, मजदूरों का संचार (सरकुलेशन), भूमण्डलीकरण, उदारीकरण तथा ग्रामीण समाज।

अध्याय–12 औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास **06**

औद्योगिक समाज की कल्पना, भारत में औद्योगीकरण, लोग काम किस तरह कर पाते है, काम को किस तरह किया जाता है, कार्यावस्थाएं, घरों में होने वाला काम, हड़तालें एवं मजदूर संघ।

अध्याय–13 भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन **06**

क्या भूमण्डलीकरण के अतः संबंध विश्व और भारत के नए है ? भूमण्डलीकरण की समझ, भूमण्डलीकरण के विभिन्न आयामः आर्थिक आयाम, भूमण्डीलय संचार, भूमण्डलीकरण और श्रम, भूमण्डलीकरण और राजनीतिक परिवर्तन, भूमण्डलीकरण और संस्कृति, भूमण्डलीकरण और रोजगार, अनेक स्वदेशी शिल्प, साहित्यिक परम्पराओं और ज्ञान व्यवस्थाओं को खतरा।

अध्याय–14 जन सम्पर्क साधन और जनसंचार **06**

आधुनिक मास मीडिया का प्रारम्भ, स्वतंत्र भारत में मास मीडिया, भूमण्डलीकरण और मीडिया, प्रिंट–मीडिया, टेलीविजन, रेडियो।

अध्याय–15 सामाजिक आंदोलन **06**

सामाजिक आंदोलनों के लक्षण, समाजशास्त्र तथा सामाजिक आन्दोलन, सामाजिक आंदोलनों के प्रकार ,पारिस्थितिकीय आंदोलन, वर्ग–आधारित आंदोलन, जाति आधारित आन्दोलन, जनजातीय आंदोलन, महिलाओं का आन्दोलन।

विशेष निर्देश –

1. सत्रांक के 20 अंकों में से 5 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्धारित है।
2. प्रोजेक्ट समाजशास्त्र विषय में सम्मिलित इकाईयों के आधार पर स्थानीय परिस्थिति के अनुसार तैयार कराया जाये।
3. प्रोजेक्ट प्रतिवेदन के मुख्य बिन्दु निम्नानुसार बनाये जा सकते हैं – शीर्षक, प्रोजेक्ट चयन का उद्देश्य, प्रोजेक्ट की रूपरेखा व परिसीमाएँ, आवश्यक सामग्री, कार्य विधि, तथ्यों का संकलन, वर्गीकरण, सारणीयन व विश्लेषण, निष्कर्ष/मूल्यांकन, उपयोगिता, संदर्भ सूची ।
4. प्रोजेक्ट के मूल्यांकन के निम्नांकित आधार बिन्दु हो सकते हैं – शीर्षक का चयन एवं आवश्यकता, रूपरेखा एव क्रियान्वयन; प्रयोग, सर्वेक्षण, केस स्टडी, चार्ट, मानचित्र, मॉडल, भ्रमण प्रतिवेदन, संकलन, साक्षात्कार आदि। प्रोजेक्ट निष्कर्ष एवं भाषा की उपयुक्तता। प्रोजेक्ट का मूल्यांकन समाजशास्त्र शिक्षक से ही करायें जिसने स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विषय में किया हुआ हो।

निर्धारित पुस्तकें–

1. भारतीय समाज एन. सी. ई. आर. टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित ।
2. भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास एन. सी. ई. आर. टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित।

अनुक्रमणिका

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम
अध्याय–1	भारतीय समाज : एक परिचय (मूल्यांकन में सम्मिलित नहीं है।)
अध्याय–2	भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना
अध्याय–3	सामाजिक संस्थाएँ : निरन्तरता एवं परिवर्तन
अध्याय–4	बाजार एक सामाजिक संस्था के रुप में
अध्याय–5	सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरुप
अध्याय–6	सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ
अध्याय–7	परियोजना कार्य के लिए सुझाव (मूल्यांकन में सम्मिलित नहीं है।)
अध्याय–8	संरचनात्मक परिवर्तन
अध्याय–9	सांस्कृतिक परिवर्तन
अध्याय–10	संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन
अध्याय–11	ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन
अध्याय–12	औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास
अध्याय–13	भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन
अध्याय–14	जनसम्पर्क साधन और जनसंचार
अध्याय–15	सामाजिक आन्दोलन

भाग–I भारतीय समाज

अध्याय – 1

भारतीय समाज : एक परिचय

(यह अध्याय मूल्यांकन में सम्मिलित नही है)

अध्याय–2

भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना

जनसांख्यिकीय जनसंख्या का सुव्यवस्थित अध्ययन है। आंग्ल भाषा में इसे डेमोग्राफी कहा जाता है,जो यूनानी भाषा के डेमोस और ग्राफीन शब्दों के मेल से बना है। इसमें जनसंख्या के आकार में परिवर्तन, जन्म, मृत्यु प्रवसन के स्वरुप तथा जनसंख्या संरचना का अध्ययन किया जाता है। 1790 ई. में अमेरिका में प्रथम आधुनिक जनगणना आरम्भ हुई थी। 1818 ई. से हर दस वर्ष के बाद जनगणना होने लगी। सबसे नवीन जनगणना सन् 2011 में हुई। जनसंख्यात्मक आँकड़े राज्य की नीतियों को बनाने, आर्थिक विकास तथा लोककल्याणकारी नीतियों को बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण होते है। माल्थस के अनुसार मानव जनसंख्या उस दर की तुलना में तीव्र गति से बढ़ती है, जिस दर पर मनुष्य के भरण–पोषण के साधन बढ़ नहीं सकते है। आयु संरचना विकास के स्तरों और औसत आयु संरचना में होने वाले परिवर्तनों के अनुसार बदलती रहती है। सन 2001 में भारत की जनसंख्या 103 करोड़ थी। भारत विश्व का प्रथम का देश था जिसके द्वारा सन् 1952 में अपनी जनसंख्या नीति की घोषणा की गई थी।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

प्र.1. जनसंख्या संवृद्धि का अर्थ है–

(अ) जन्म और मृत्यु के मध्य सामन्जस्य

(ब) जन्म और मृत्यु के बीच अन्तर

(स) जन्म की अपेक्षा मृत्यु की अधिक दर

(द) मृत्यु की अपेक्षा जन्म की अधिक दर ( )

प्र.2 'एस्से ऑन पॉपुलेशन' किसकी रचना है–

(अ) राबर्ट–बीरस्टीड (ब) मैकाईवर–पेज

(स) इलियट–मैरिल (द) माल्थस ( )

प्र.3. देश के किस राज्य में लिंगानुपात सबसे कम है–

(अ) पंजाब (ब) हरियाणा

(स) उत्तर प्रदेश (द) राजस्थान ( )

प्र.4 भारत में किस राज्य में साक्षरता दर सर्वाधिक पाई जाती है–

(अ) महाराष्ट्र (ब) राजस्थान

(स) उड़ीसा (द) केरल ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. समाजशास्त्र के जनक ....है।

(ऑगस्ट कॉम्टे / मैक्सवेबर)

2. प्रति एक हजार जनसंख्या के पीछे जीवित उत्पन्न हुए बच्चो की संख्या को .... कहा जाता है।

(जन्मदर / मृत्युदर)

3. जनसांख्यिकीय सिद्धान्त के प्रतिपादक .... है।

(माल्थस / दुर्खीम)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्र.1. डेमोग्राफी को हिन्दी में क्या कहते है ?

प्र.2. शिशु मृत्यु दर किसे कहते है ?

प्र.3. स्त्री–पुरुष अनुपात से क्या तात्पर्य है ?

प्र.4. भारत में साक्षरता की कमी के दो कारण बताइये।

प्र.5. जनसांख्यिकी लाभांश कब उत्पन्न होता है ?

प्र.6. जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में कौनसा स्थान है ?

प्र.7. जनगणना संविधान की कौनसा अनुसूची में उल्लेखित है ?

प्र.8. भारत में जनसंख्या वृद्धि के दो कोई दो कारण बताइये।

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्र.9. जनसांख्यियकी शब्द की उत्पत्ति कैसे हुई तथा इसका क्या अर्थ है ?

प्र.10. भारत में राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के दो उद्देश्य बताइये।

प्र.11. जन्मदर और मृत्यु दर से आप क्या समझते है ?

प्र.12. प्रजनन दर का क्या अर्थ है ?

प्र.13. आयु संभाविता की गणना किस आधार पर की जाती है ?

प्र.14. जनसांख्यिकी लाभांश कब उत्पन्न होता है ?

प्र.15. आयु संभाविता से क्या आशय है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्र.16. माल्थस के जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

प्र.17. जनसांख्यिकीय संक्रमण का सिद्धान्त क्या है ?

प्र.18. भारत में बाल–स्त्री अनुपात में गिरावट के लिए कौन–कौन सें कारण उत्तरदायी रहे है ?

प्र.19. जनसंख्या के प्राकृतिक निरोध से क्या आशय है ?

प्र.20. जनसांख्यिकी से आप क्या समझते है ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्र.21. जनसांख्यिकी से आप क्या समझते है ? जनसांख्यिकी के अध्ययन की उपयोगिता (महत्व) लिखिए।

प्र.22. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए।

(क) स्त्री–पुरूष अनुपात

(ख) जन्म–दर और मृत्यु–दर

अध्याय–3

सामाजिक संस्थाएँ : निरन्तरता एवं परिवर्तन

जाति एक प्राचीन संस्था है जो कि हजारो वर्षो से भारतीय इतिहास एवं संस्कृति का एक हिस्सा है। जाति केवल अतीत ही नही बल्कि आज भी हमारे समाज का एक अभिन्न अंग है। चार वर्णो के अतिरिक्त जनसंख्या का भाग जाति बहिष्कृत विदेशियो, दासो तथा युद्धो में पराजित लोगो का भी था जिसे पंचम वर्ण या पाँचवी श्रेणी भी कहा जाता है।

1901 की जनसंख्या में जाति के सामाजिक अधिक्रम के बारे में जानकारी इकट्ठा करने का प्रयत्न किया। ज्योतिबा फुले नारायण गुरु, पेरियार, बी.आर. अम्बेडकर तथा गांधीजी ने इस कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नगरीकरण, औधेगिकीकरण तथा आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने इस कार्य में शिथिलता उत्पन्न की। राजनीतिक व्यवस्था में जाति की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही।परिवार पारस्परिक प्रेम, सहयोग, समाजीकरण आवश्यकताओं तथा बच्चों के जन्म तथा उचित देखभाल करने वाली मौलिक संस्था है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

प्र.1. "कास्ट एण्ड रेस इन इण्डिया" नामक पुस्तक के लेखक है–

(अ) नरसिहाचार (ब) गोविन्द सहाय घुरिये

(स) ए.आर.देसाई (द) डी.पी.मुखर्जी ( )

प्र.2. सत्यशोधक समाज की स्थापना की थी–

(अ) सावित्री बाई फुले ने (ब) ज्योतिराव गोविन्द राव फुले ने

(स) अयन्कल्ली ने (द) नारायण गुरु ने ( )

प्र.3. नातेदारी या स्वजनता में परिहास रीति से संबंधित है–

(अ) हँसी मजाक (ब) घृणा

(स) अपमान (द) क्रोध ( )

प्र.4. निम्नलिखित में से जाति की विशेषता नही है–

(अ) समाज का खण्डात्मक विभाजन (ब) सामाजिक और धार्मिक निर्योग्यताएँ

(स) खानपान और सहवास पर प्रतिबन्ध (द) अर्जित प्रस्थिति ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. सत्यशोधक समाज की स्थापना .... में हुई।
(1910 / 1873)

2. जाति का निर्धारण .... के आधार पर होता है।
(जन्म / कर्म)

3. जिस परिवार में माता–पिता एवं उनके बच्चे रहते है .... परिवार कहलाता है।
(एकल / संयुक्त)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्र.1. भारत में नियमित रुप से जनगणना के कार्य की शुरुआत कब से हुई ?

प्र.2. जाति के निर्धारण का आधार क्या है?

प्र.3. मूल परिवार में कौन शामिल होते है ?

प्र.4. सन् 1920 के दशक में अस्पृश्यता के विरुद्ध आन्दोलन की शुरुआत किसने की थी ?

प्र.5. आंध्र प्रदेश की दो प्रबल जातियों के नाम लिखो।

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्र.6. सामाजिक संरचना से आप क्या समझते है ?

प्र.7. वर्ण और जाति में दो अन्तर बताइये।

प्र.8. संस्कृतिकरण की अवधारणा से क्या तात्पर्य है ?

प्र.9. संयुक्त परिवार की दो विशेषताएँ बताइये।

प्र.10. सावित्री बाई फूले के बारे में आप क्या जानते है ?

प्र.11. एक विवाह प्रथा से क्या आशय है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्र.12. जाति व्यवस्था के सामान्य लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

प्र.13. जनजातीय विकास में शिक्षित वर्ग के उदय का क्या प्रभाव पड़ा है ?

प्र.14. सांस्कृतिक विविधता से क्या आशय है ?

प्र.15. एम.एन.श्रीनिवास की प्रभु जाति की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

प्र.16. संयुक्त परिवार के कोई तीन लाभ (गुण) बताइये।

प्र.17. जाति एवं जनजाति के मध्य अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्र.18. जाति और जनजाति में अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–4

बाजार एक सामाजिक संस्था के रुप में

सामान्य रुप से बाजार को एक आर्थिक संस्था के रुप माना जाता है परन्तु बाजार एक आर्थिक संस्था ही नही अपितु एक सामाजिक संस्था भी है। सर्वप्रथम 18 वीं सदी में राजनीतिक अर्थशास्त्रियों में एडम स्थिम ने अपनी पुस्तक "द वैल्थ ऑफ नेशन्स" में बाजार की अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास किया गया था स्थानीय लोग बाजार में अपनी कृषि उपज तथा जंगल से लाये गये उत्पादों को व्यापारीयों को बेचते है। औपनिवेशिक काल से पूर्व भारत में विस्तृत और परिष्कृत व्यापारिक तंत्र विद्यमान था। कार्ल मार्क्स पूंजीवादी के आलोचक थे। भारतीय अर्थव्यवस्था में भूमण्डलीकरण का आरम्भ उदारीकरण की देन रहा है। उदारवाद के परिणामस्वरुप आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिला और साथ में ही भारतीय बाजार विदेशी कम्पनीयों के लिए खुल गये।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

प्र.1. "द वैल्थ ऑफ नेशन्स" नामक पुस्तक के लेखक है –

(अ) एडम स्मिथ (ब) प्रो. मार्शल

(स) प्रो. पीगू (द) रावर्स्टन ( )

प्र.2. पुष्कर का पशु मेला लगता है–

(अ) महाराष्ट्र (ब) उड़ीसा

(स) राजस्थान (द) उत्तर प्रदेश ( )

प्र.3. मारवाड़ी परिवार का प्रतिनिधित्व प्रमुख रुप से किस घराने के द्वारा किया गया है –

(अ) टाटा परिवार (ब) डालमिया परिवार

(स) मोदी परिवार (द) बिड़ला परिवार ( )

प्र.4. सप्ताह में एक दिन लगने वाले बाजार को कहते है–

(अ) दैनिक बाजार (ब) हॉट बाजार

(स) वार्षिक बाजार (द) मासिक बाजार ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. बाजार एक .... संस्था है। (आर्थिक / सामाजिक)
2. सप्ताह में एक बार लगने वाले बाजार को ....बाजार कहते है। (हॉट / मॉल)
3. .... एक राजनीतिक अर्थशास्त्री थे। (एडम स्मिथ / धुर्ये)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न –

प्र.1. बाजार की अर्थव्यवस्था को सर्वप्रथम किसने समझने का प्रयास किया ?

प्र.2. खुले बाजार से क्या तात्पर्य है?

प्र.3. लेस–ए–फेयर से क्या तात्पर्य है ?

प्र.4. प्राचीन काल में विनिमय का प्रमुख साधन कौनसा था ?

प्र.5. धोराई समाज का अध्ययन कब व किसके द्वारा किया गया ?

प्र.6. अदृश्य हाथ का सिद्धान्त किसने दिया ?

प्र.7. वर्तमान समय में पण्यीकरण के दो उदाहरण दीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्र.8. बाजार का अर्थ लिखिए।

प्र.9. साप्ताहिक बाजार से आप क्या समझते है ?

प्र.10. मैक्सवेबर के द्वारा "प्रतिष्ठा का हाथ" किसे कहा गया है ?

प्र.11. हुण्डी क्या है ?

प्र.12. पूँजीवादी की दो मूल विशेषताएँ लिखिए।

प्र.13. भूमण्डलीकरण के कौन–कौन से रुझान है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्र.14. उदारीकरण से क्या तात्पर्य है ?

प्र.15. पूँजीवाद को एक सामाजिक व्यवस्था के रुप में समझाइये।

प्र.16. भूमण्डलीकरण से आप क्या समझते है ?

प्र.17. पण्यीकरण से आप क्या समझते है ?

प्र.18. औपनिवेशिक नियत्रंण के बाद जनजातीय बाजारों में कौन–कौन से परिवर्तन आये ?

निबन्धात्मक प्रश्न

प्र.19. औपनिवेशिक शासन से पहले भारत की अर्थव्यवस्था कैसी थी ? स्पष्ट कीजिए।

प्र.20. बाजार का अर्थ लिखते हुए उसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

अध्याय–5

सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरुप

सामाजिक विषमता और बहिष्कार हमारे जीवन की वास्तविकता है जो कि हमे समाज में सर्वत्र दिखाई देती है। सफाईकर्मी घरेलू नौकर अथवा विद्यालयों के छात्र में ही हमें यह विषमता और बहिष्कार देखने को मिल जाते है। प्रत्येक समाज में कुछ लोगों के पास धन–संपदा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शक्ति जैसे–मूल्यवान संसाधन का दूसरो की अपेक्षा ज्यादा हिस्सा होता है। अधिकाशः लोग अपने लिंग वर्ण नृजातीयता भाषा, जाति और विकलांगता के कारण ही भेदभाव और बहिष्कार के शिकार होते है। जाति के अनुरुप ही लोगो की प्रस्थितियों का समाज में निर्धारण होता था। 19 वीं सदी में जाति और व्यवसाय के बीच सम्बन्ध काफी ढीले हुए है। अस्पृश्यता अथवा छुआछूत जाति व्यवस्था का एक दूषित और घृणित पक्ष है। अन्य पिछड़े वर्ग के लोग न तो उच्च कही जाने वाली जातियों के हिस्से है। अन्यथा सक्षम व्यक्ति केवल इसलिए अक्षम नही होता है कि वह शारीरिक और मानसिक रुप से अक्षम है अपितु इसलिए भी अक्षम होता है कि समाज कुछ इस रीति से बना है कि वह उसकी जरुरतों को पूरा नही करता है। अन्यथा सक्षम व्यक्तियों का समाज में सर्वथा अनादर होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

प्र.1. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अस्पृश्यता का उन्मूलन किया गया है–

(अ) अनुच्छेद 15 (ब) अनुच्छेद 16

(स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 18 ( )

प्र.2. जाति व्यवस्था का मूल आधार है –

(अ) कर्म (ब) जन्म

(स) सामाजिक स्वीकृति (द) इनमें से कोई भी नही ( )

प्र.3. अस्पृश्यो को हरिजन शब्द दिया था –

(अ) भीमराव अम्बेडकर ने (ब) महात्मा गांधी ने

(स) विनोबा भावे ने (द) ज्योतिबा फुले ने ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. राजा राममोहन रॉय ने .... की स्थापना की।

ब्रह्म समाज / आर्य समाज

2. सामाजिक संसाधनों तक असमान पहुॅच को सामाजिक .... कहते है।

विषमता / समता

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न –

प्र.1. सामाजिक विषमता क्या है ?

प्र.2. पूर्वाग्रहो का क्या तात्पर्य है ?

प्र.3. "आदिवासी" शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

प्र.4. अन्य पिछड़ा वर्ग की पहचान के लिए बनाये गये कोई दो आयोग बताइये।

प्र.5. भारतीय भाषाओ में दलित शब्द का आरक्षित अर्थ क्या है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्र.6. सामाजिक बहिष्कार से आप क्या समझते है ?

प्र.7. पूर्वाग्रहो की दो विशेषताएँ बताइये।

प्र.8. अस्पृश्यता से क्या तात्पर्य है ?

प्र.9. सामाजिक स्तरीकरण की दो विशेषताएँ लिखिए।

प्र.10. निर्योग्यता अथवा अक्षमता के दो लक्षण बताइये।

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्र.11. "अन्यथा सक्षम व्यक्तियो "से आप क्या समझते है ?

प्र.12. भारत में महिलाओ की दशा सुधारने में समाज–सुधारको की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

प्र.13. सामाजिक अपवर्जन (बहिष्कार) की तीन विषेषताएँ लिखिए।

प्र.14. अन्य पिछड़ा वर्ग से क्या तात्पर्य है ?

प्र.15. सामाजिक बहिष्कार (अपवर्जन) को रोकने हेतु कोई तीन उपाय बताइये।

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्र.16. सामाजिक बहिष्कार का अर्थ बताते हुए इसकी विशेषताएँ लिखिए।

अध्याय–6

सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियॉ

भारत में कई समूहों और समुदायों के लोग निवास करते हैं। जो कि सांस्कृतिक चिह्नों के रूप में धर्म, जाति, भाषा, पंथ, प्रजाति अथवा सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर पहचाने जाते हैं। सांस्कृतिक विविधता कई चुनौतियॉ प्रस्तुत करती है। राष्ट्र ऐसे समुदाय होते हैं जिनका अपना राज्य होता है। भारत राष्ट्र राज्य सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विभिन्न प्रकार की विविधताओं से परिपूर्ण है। भारत के संविधान में भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित किय गया है। भारत मे क्षेत्रवाद का आरम्भ ब्रिटिश शासन की देन है। भारत में संघ और राज्यों के मध्य शक्तियों को विभाजित किया गया है। नागरिक समाज सार्वजनिक अधिकार का गैर–राजकीय तथा गैर बाजारी भाग होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

प्र.1. भारतीय संविधान का 'शिल्पकार' कहा जाता है –

(अ) पं. जवाहरलाल नेहरू (ब) डॉ. बी. आर अम्बेडकर

(स) डा. राजेन्द्र प्रसाद (द) के. एम. मुंशी ( )

प्र.2. भारतीय नागरिको को सूचना का अधिकार दिया गया था –

(अ) सन् 2003 मे (ब) सन् 2004 में

(स) सन् 2005 में (द) सन् 2006 में ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. भारतीय संविधान के शिल्पकार .... है।

(डॉ.बी.आर अम्बेडकर / राजेन्द्र प्रसाद)

2. भारतीय संस्कृति में विविधता में .... पाई जाती है।

(एकता / भ्रष्टाचार)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्र.1. सामुदायिक पहचान किस पर आधारित होती है ?

प्र.2. धर्म की दृष्टि से भारत कैसा राज्य है ?

प्र.3. किस सूची के विषयों पर केन्द्र और राज्य दोनो की सरकारें कानून बना सकती है ?

प्र.4 अल्पसंख्यक शब्द का समाज शास्त्रीय भाव क्या है ?

प्र.5 राष्ट्र के निर्माण में सहायक तत्वों के नाम लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्र.6. सांस्कृतिक विविधता से क्या तात्पर्य है ?

प्र.7 भारत सांस्कृतिक विविधता वाला देश क्यों कहलाता है ?

प्र.8. पंथनिरपेक्षता से क्या आशय है ?

प्र.9. साम्प्रदायिकता के दो दुष्प्रभाव बताइये।

प्र.10 भारत में भाषायी विविधता को स्पष्ट कीजिए।

प्र.11. क्षेत्रवाद क्या है ?

लघूत्तरात्मक (SA-II)

प्र.12. सांस्कृतिक विविधता से उत्पन्न चुनौतियों को दूर करने के कोई तीन सुझाव दीजिए।

प्र.13. भारत में राष्ट्रीय एकता के समक्ष किन्ही 6 समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

प्र.14. नागरिक समाज से क्या तात्पर्य है ?

प्र.15. भारतीय संविधान में अल्पसंख्यकों के संरक्षण हेतु कौन–कौन से प्रावधान किए गये हैं ?

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.16 सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 क्या है ? इसके प्रमुख प्रावधान लिखिए।

प्र.17. साम्प्रदायिकता पर एक लेख लिखिए।

अध्याय – 7 परियोजना कार्य के लिए सुझाव
(यह अध्याय मूल्यांकन में सम्मिलित नही है।)

भाग– II भारतीय समाज में परिवर्तन और विकास

अध्याय–8

संरचनात्मक परिवर्तन

भारत में आधुनिक विचार एवं संस्थाओं की शुरूआत औपनिवेशिकता की देन है। औपनिवेशिकवाद के प्रभाव के कारण भारत में आधुनिक विचारों की नीवं पड़ी। भारत में सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय आन्दोलन, हमारी विधि व्यवस्था, हमारा राजनीतिक जीवन और संविधान हमारे उधोग एवं कृषि, हमारे नगर और हमारे गॉव इन सब पर उपनिवेषवाद के विरोधाभासी अनुभवों का गहरा प्रभाव पड़ा। पूँजीवाद में ज्यादा मुनाफा कमाने पर जोर दिया जाता है। सन् 1851 में चाय उद्योगों की भारत में शुरूआत हुई। स्वाधीन भारत के शासक उपनिवेषवाद के द्वारा प्रभावित हुए विकास को संजोए रखना चाहते थे।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

प्र.1. परम्परागत ढंग से होने वाले रेशम व कपास के व्यापार के उत्पादन एवं निर्यात के पतन का मुख्य कारण क्या था ?

(अ) प्रतियोगिता (ब) मेनेचस्टर प्रतियोगिता

(स) औद्योगिकरण (द) नगरीकरण ( )

2. औद्योगिक क्षरण क्या था ?

(अ) परम्परागत उद्योग धन्धों का पतन

(ब) उत्पादन एवं निर्यात में गिरावट आना

(स) ग्रामीण संगठनों और कारोबारों का विघटन

(द) उपर्युक्त सभी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. ब्रितानी उपनिवेशवाद .... व्यवस्था पर आधारित था।

(पूँजीवादी / साम्यवादी)

2. औद्योगीकरण सबसे पहले .... में प्रारम्भ हुआ। (ब्रिटेन / रूस)

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. आधुनिक भारत को समझने के लिए क्या जानना जरूरी है ?

प्रश्न 2. भारत में उपनिवेशवाद का प्रमुख कारण क्या है ?

प्रश्न 3. स्वतन्त्र भारत का पहला विशाल/ऊँचा बाँध कौन सा है ?

प्रश्न 4. नेशनल प्लानिंग कमेटी का गठन किसने किया ?

प्रश्न 5. भारत में चाय उद्योगों की शुरूआत किस सन् में हुई ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्रश्न 6. उपनिवेशवाद क्या है ?

प्रश्न 7. औद्योगीकरण से आप क्या समझते है ?

प्रश्न 8. पूँजीवाद क्या है ?

प्रश्न 9. संरचनात्मक परिवर्तन से आप क्या समझते है ?

प्रश्न10. भारतीय समाज पर औद्योगीकरण व औपनिवेशिकरण का क्या प्रभाव पड़ा।

प्रश्न11. औपनिवेशिक काल में चाय बागानों के मालिक कैसे रहते थे ?

प्रश्न12. नगरीकरण क्या है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्रश्न 13 औपनिवेशिक साम्राज्य के लिए तटीय शहर क्यों महत्वपूर्ण थे?

प्रश्न 14 पश्चिमी और भारतीय औद्योगीकरण की कोई एक भिन्नता बताइये।

प्रश्न 15 पूँजीवाद की संरचना को समझाइये।

प्रश्न 16 उपनिवेशवाद से आए किन्ही दो संरचनात्मक परिवर्तनो का उल्लेख कीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.17. भारतीय समाज पर उपनिवेशवाद के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

प्र.18. औद्योगीकरण से आप क्या समझते है ? इसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

अध्याय–9

सांस्कृतिक परिवर्तन

संरचनात्मक परिवर्तन सांस्कृतिक परिवर्तनो को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उपनिवेशिक शासन के प्रभाव के कारण भारतीय समाज में 19 वीं सदी में अनेक सुधार कार्यक्रम शुरू हुए तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के भरसक प्रयास हुए। संस्कृतिकरण एक सामाजिक गतिशीलता की प्रक्रिया है, जो उपनिवेशवाद के प्रादुर्भाव के पहले से है, और ये बाद में भी भिन्न रूपों में जारी रही है। पश्चिमीकरण के कारण प्रौद्योगिकी संस्था, विचारधारा और मूल्यों में परिवर्तन आए। पंथ निरपेक्षीकरण के कारण धर्म के प्रभाव में कमी आई है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

1. औपनिवेशिक भारत कौन–कौन सी सामाजिक कुरीतियों से ग्रस्त था ?

   (अ) सती प्रथा (ब) बाल–विवाह

   (स) जाति प्रथा (द) उपर्युक्त सभी ( )

2. रानाडे ने किस प्रथा का समर्थन किया था ?

   (अ) विधवा पुनर्विवाह (ब) सती प्रथा

   (स) बाल विवाह (द) जाति प्रथा ( )

3. पंथनिरपेक्षीकरण का अर्थ है –

   (अ) धर्म के प्रभाव में कमी आना (ब) धर्म के प्रभाव में वृद्धि होना

   (स) आधुनिकता में वृद्धि होना (द) इनमें से कोई नहीं ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. समाज सुधारक .... ने पुणे में महिलाओं के लिए पहला विद्यालय खोला। (ज्योतिबा फुले / पेरियार)
2. राजा राममोहन राय ने .... का विरोध किया। (सती प्रथा / बाल विवाह)

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. संस्कृतिकरण की अवधारणा किसने प्रस्तुत की ?

प्रश्न 2. आर्य समाज की स्थापना किस राज्य में हुई ?

प्रश्न 3. पूणे में महिलाओं के लिए पहला विद्यालय किस समाज सुधारक ने खोला।

प्रश्न 4. संस्कृतिकरण सामान्य रूप से किस धर्म से सम्बन्धित है ?

प्रश्न 5. किस समाज सुधारक ने आर्यो के युग को गरिमामय माना ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्रश्न 6 संस्कृतिकरण से क्या अभिप्राय है ?

प्रश्न 7 पंथ निरपेक्षीकरण क्या है ?

प्रश्न 8 आधुनिकीकरण और पश्चिमीकरण में एक अन्तर स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 9 विसंस्कृतिकरण क्या है ?

प्रश्न 10 पश्चिमीकरण तथा आधुनिकीकरण ने जाति पर क्या प्रभाव डाला ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्रश्न 11 आधुनिकता की तीन विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 12 एम.एन. श्रीनिवास के अनुसार पश्चिमीकरण का क्या आशय है ?

प्रश्न 13 19वी सदी में महिलाओं की स्थिति पर एक टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 14 आधुनिकीकरण व पश्चिमीकरण में अन्तर स्पष्ट करो।

प्रश्न 15 औपनिवेशिक भारत में आधुनिक परिवर्तन से जुड़े संचार माध्यम के प्रमुख साधन कौन–कौन से थे ?

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.16. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए।

(क) संस्कृतिकरण

(ख) पश्चिमीकरण

अध्याय–10

संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन

लोकतन्त्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन है। लोकतंत्र के दो रूप है – प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। भारतीय संविधान के अन्तर्गत भारतीय लोकतंत्र के केन्द्रीय मूल्य और मान्यताओं को दर्शित किया गया है। भारतीय लोकतंत्र में समानता के आधुनिक विचार और न्याय के पारस्परिक विचार दोनों का उपयोग है। कानून सामाजिक नियंत्रण का औपचारिक साधन है। न्याय का सार निष्पक्षता है। 1992 में 73 वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज व्यवस्था की शुरूआत हुई। जिसमें ़त्रिस्तरीय व्यवस्था को अपनाया गया। विभिन्न हित समूह राजनीतिक दलों को प्रभावित करते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

1. पंचायती राज संस्था में कितने स्तरीय व्यवस्था है–

   (अ) दो (ब) तीन

   (स) चार (द) पाँच ( )

2. पंचायतों की आय का प्रमुख साधन है–

   (अ) सम्पत्ति,व्यवसाय तथा पशु पर लगाए गए कर (ब) चुंगी

   (स) भू–राजस्व (द) उपर्युक्त सभी ( )

3. निम्न में से कौनसा कृषि मजदूर संगठन है ?

   (अ) शेतकारी संगठन (ब) राम कृषि संगठन

   (स) हरित संगठन (द) मानव संगठन ( )

4. भारत में बहुलता है, क्योकि यहाँ–

   (अ) विभिन्न धर्मो के लोग रहते है

   (ब) अलग–अलग संस्कृतियों वाले आदिवासी लोग रहते हैं

   (स) विभिन्न जाति के लोग रहते हैं

   (द) उपर्युक्त सभी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. गांधी जी ने 1939 में .... नामक पत्र लिखा। (हरिजन / स्वराज)
2. न्याय का सार .... है

   (निष्पक्षता / पक्षपातपूर्ण)

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 संविधान सभा के किन्हीं दो सदस्यों के नाम लिखों।

प्रश्न 2 लोकतंत्र की दो श्रेणियाँ कौन सी हैं?

प्रश्न 3 राजनीतिक दलो के दो प्रमुख कार्य लिखिए।

प्रश्न 4 भारत का मूल मानदण्ड क्या है ?

प्रश्न 5 न्याय का सार क्या है ?

प्रश्न 6 गांधीजी की आदर्श अवधारणा क्या है ?

प्रश्न 7 हित समूह क्यों बनाए जाते हैं ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्रश्न 8 राजनीतिक दल को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 9 पंचायती राज से आप क्या समझते है ?

प्रश्न 10 प्रत्यक्ष लोकतंत्र क्या है ?

प्रश्न 11 संविधान का मूल उद्देश्य क्या है ?

प्रश्न 12 प्रतिभागी (सहभागी) लोकतंत्र क्या है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्रश्न 13 सामाजिक परिवर्तन में पंचायती राज की भूमिका की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 14 हित समूह के निर्माण के कोई तीन कारण लिखिए।

प्रश्न 15 संविधान के 73 वें संशोधन से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 16 निरक्षर महिलाओं में जागरूकता फैलाने के लिए पंचायती राज ने कौनसा नवाचारी उपाय अपनाया ?

प्रश्न 17 पंचायतो की शक्तियाँ व उत्तरदायित्व क्या है ?

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.18. राजनीतिक दल और हित समूह में अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–11

ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन

भारत एक कृषि प्रधान देश है। 2001 की जनगणना के अनुसार 67 प्रतिशत जनता गांवों में रहती है। कृषि के साथ–साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के जीविका के अन्य अन्य स्रोत कारीगर, दस्तकार, कुम्हार, खाती, पुजारी, धोबी, सुनार इत्यादि भी है। ग्रामीण समाज में भूमि का असमान वितरण है, जिसके फलस्वरूप गरीबी को बढ़ावा मिलता है। औपनिवेशिक काल में कृषक जाति प्रत्यक्ष रूप से जमीन के मालिक नहीं थे। स्थानीय राजा या जमीदार भूमि पर नियंत्रण रखतें थे। 1960–70 के दशक में हुई हरित क्रान्ति के फलस्वरूप कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई। 1980 के दशक की उदारीकरण की नीति ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दिया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

1. भारतीयों के लिए उत्पादन का महत्वपूर्ण साधन कौन सा है –

   (अ) भूमि (ब) कारखाना

   (स) उद्योग–धन्धे (द) कटीर उद्योग–धन्धे ( )

2. भारतीय कृषि मुख्य रूप से निर्भर करती है ?

   (अ) कृषि मजदूर पर (ब) मानसून पर

   (स) जमीन के मालिक पर (द) उपर्युक्त सभी पर ( )

3. आसाम में नववर्ष में कौन सा त्यौहार मनाया जाता है ?

   (अ) बीहू (ब) बैसाखी

   (स) उगाडी (द) पोंगल ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. ग्रामीण जनसंख्या के लिए .... जीविका का एक मात्र स्रोत है। (कृषि / उद्योग)

2. आसाम में नववर्ष में .... त्यौहार मनाया। (बीहू / पोंगल)

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 कृषि संरचना शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया जाता है ?

प्रश्न 2 रैयतवाड़ी व्यवस्था में रैयत का क्या अर्थ है ?

प्रश्न 3 गुजरात में बंधुआ मजदूर प्रथा को क्या कहते है?

प्रश्न 4 हरित क्रान्ति के प्रथम चरण को किन क्षेत्रों में लागू किया गया ?

प्रश्न 5 घुमक्कड़ मजदूर किसे कहते है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्रश्न 6 हरित क्रान्ति से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 7 काश्तकार किसान किसे कहते है ?

प्रश्न 8 जमींदारी व्यवस्था के दो परिणाम लिखिए ।

प्रश्न 9 फसल काटते समय देश में कौन–कौन से त्यौहार मनाए जाते है और ये किसकी घोषणा करते है ?

प्रश्न 10 विश्व व्यापार संगठन का मुख्य उद्देश्य बताइये ।

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्रश्न 11 बेगार या मुफ्त मजदूरी का अर्थ समझाइये।

प्रश्न 12 रैयतवाड़ी व्यवस्था को समझाइये।

प्रश्न 13 हरित क्रान्ति के दो सकरात्मक प्रभाव बताइये।

प्रश्न 14 पूँजीवादी उत्पादन व्यवस्था किस पर आधारित होती है?

प्रश्न 15 स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण समाज में हुए किन्ही चार परिवर्तनों को लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.16. हरित क्रान्ति का अर्थ बताते हुए उसके प्रभावों का वर्णन कीजिए।

अध्याय–12

औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास

भारत में आधुनिक उद्योगों की शुरूआत रूई, जूट, कोयला, खानें एवं रेलवे इत्यादि उद्योगों से हुई। स्वतन्त्रता के पश्चात् आर्थिकी में सुरक्षा परिवहन, एवं संचार ऊर्जा खनन एवं अन्य परियोजनाओं को शामिल किया गया। भारत में आर्थिक मिश्रित नीति को अपनाया गया। उदारीकरण से विनिवेश की प्रक्रिया शुरु हो गई है। भारत में अब सेवा क्षेत्र में अधिक लोग काम कर रहे है। मध्यम वर्ग की संख्या बढ़ रही है। घरो में किया जाने वाला काम आर्थिकी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये कार्य मुख्य रुप से महिलाओं व बच्चो द्वारा किया जाता है। भारत में मजदूर संघ होते है। यह संघ हड़तालो के माध्यम से अपनी माँगों को मनवाने का प्रयास करते है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

1. भारत में कितने प्रतिशत मजदूर अनियमित है?

   (अ) 30 प्रतिशत (ब) 40 प्रतिशत

   (स) 50 प्रतिशत (द) 60 प्रतिशत ( )

2. विनिवेश से सरकारी कर्मचारियों को क्या भय है?

   (अ) ज्यादा कार्य करने का (ब) कार्य कम होने का

   (स) नौकरी खोने का (द) वेतन में कटौती होने का ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. सन् 1990 के दशक में सरकार ने .... की नीति को अपनाया।
   (उदारीकरण / पूँजी)
2. भारत का सबसे पुराना उधोग .... उधोग है
   (कपड़ा / इलेक्ट्रॉनिक)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 द्वितीयक क्षेत्र में कौन से कार्य आते है ?

प्रश्न 2 विकसित और विकासशील देशों में सबसे बड़ा अन्तर क्या है ?

प्रश्न 3 कानपुर कपड़ा मिल में रोजगार दिलाने वाले को क्या कहा जाता है ?

प्रश्न 4 दक्षिण गुजरात में प्रवसन करने वाले मजदूर क्यों आते है ?

प्रश्न 5 किस नीति के कारण अब भारतीय दुकानों पर विदेशी वस्तुएँ आसानी से उपलब्ध हो जाती है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्रश्न 6 कोयलें की खानों में सुरक्षा के कोई दो उपाय लिखिए।

प्रश्न 7 हड़ताल और तालाबंदी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8 फिल्म उद्योग के उत्पादो का प्रचार कैसे होता है ?

प्रश्न 9 उदारीकरण से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 10 निजी उद्योगो के फलने–फूलने के लिए किन परियोजनाओं की आवश्यकता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्रश्न 11 संगठित क्षेत्र की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 12 समर्थन मूल्यों से क्या अभिप्राय है ?

प्रश्न 13 वर्तमान औद्योगिक समाजों के प्रमुख लक्षण क्या है ?

प्रश्न 14 औपचारिक संगठन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.15. संगठित क्षेत्र क्या है ? इसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

अध्याय–13

भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन

भूमण्डलीकरण के द्वारा सरकार सार्वजनिक हित में विभिन्न नीतियाँ अपनाती है, जिसके कारण दुनिया के विभिन्न भागों में उत्पादित वस्तुएँ बाजारो में मिलने लगी है। भारत के लिए भूमण्डलीय अन्तः क्रियाएँ उपयोगी साबित हुई है। विश्व भर में चल रहे उदारता संघर्षो के लिए प्रतिबद्धता, विश्व के विभिन्न भागों में रहने वाले लोगो के साथ एकता दर्शाना इसी दृष्टिकोण का अभिन्न अंग है। पारराष्ट्रीय निगम ऐसी कम्पनियाँ होती है जो एक से अधिक देशों में अपने माल का उत्पादन करती है। भूमण्डलीकरण ने सूचना और प्रौधोगिकी में क्रांति ला दी है। भूमण्डलीकरण ने संस्कृति को भी प्रभावित किया है, जिसके कारण उपभोग संस्कृति व निगम संस्कृति का जन्म हुआ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

1. भूमण्डलीकरण के आयाम कौन–कौन से है –
   (अ) आर्थिक (ब) राजनीतिक
   (स) सांस्कृतिक (द) उपर्युक्त सभी ( )
2. गुजरात में गोंद इकट्ठा करने वाली औरतों का धंधा चौपट होने का मुख्य कारण है ?
   (अ) गोंद का निर्यात (ब) सूडान से सस्ते गोंद का आयात
   (स) गोंद का अत्यधिक सस्ता होना (द) उपर्युक्त सभी ( )
3. भूमण्डलीकरण का प्रभाव व्यक्ति/समाज व देश पर होता है–
   (अ) कम (ब) व्यापक
   (स) बहुत कम (द) बहुत व्यापक ( )
4. भूमण्डलीकरण प्रभावित करता है–
   (अ) सबको (ब) कुछ लोगों को
   (स) केवल व्यापारियों को (द) केवल उधोगपतियों को ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. गुजरात में .... के पेड़ो से गोंद इक्ट्ठा किया।
   (बावल/नीम)
2. नाइके कम्पनी .... का उत्पादन करती है।
   (जूते/चूडियाँ)

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 भूमण्डलीकरण का अर्थ समझाइये।

प्रश्न 2 भारत की वित्तीय राजधानी किसे कहते है ?

प्रश्न 3 संस्कृति के दो रुप लिखिए।

प्रश्न 4 गुजरात में गोंद किस पेड़ से इकट्ठा किया जाता है ?

प्रश्न 5 सबसे गरीब लोग कहाँ रहते है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्रश्न 6 वित के भूमण्डलीकरण से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 7 आर्थिक सुधार किसे कहते है ?

प्रश्न 8 पारराष्ट्रीय निगम कम्पनियाँ क्या है ?

प्रश्न 9 घरों या कार्यालयों में बाहरी दुनिया के साथ सम्बन्ध बनाये रखने के कौन–कौन से साधन है ?

प्रश्न 10 समाजशास्त्र भूमण्डलीकरण के किन परिणामों का अध्ययन करता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्रश्न 11 भूमण्डलीकरण ने किस प्रकार राजनीति को प्रभावित किया है ?

प्रश्न 12 अन्तः सरकारी संगठन क्या है ?

प्रश्न 13 थिन एयर बिजनेस (विरलवात) से आप क्या समझते है?

प्रश्न 14 भूमण्डलीकरण रोजगार पर असमान प्रभाव कैसे डालता है ?

प्रश्न 15 भारत ने उदारीकरण से पूर्व किस प्रकार की आर्थिक नीति अपना रखी थीं और क्यों ?

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.16. संस्कृति पर भूमण्डलीकरण के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

अध्याय–14

जनसम्पर्क साधन और जनसंचार

जनसम्पर्क के साधन अनेक प्रकार के होते है जैसे–टेलीविज़न, समाचार–पत्र, फिल्में, पत्रिकाएँ, रेडियो, विज्ञापन, विडियो, खेल और सी.डी. आदि। ये एक साथ बहुत बड़ी संख्या में दर्शकों, श्रोताओं एवं पाठकों तक पहुँचते है। इसलिए इन्हें मास मीडिया कहा जाता है। मास मीडिया हमारे दैनिक जीवन का एक अंग है। औधोगिक क्रांति के साथ ही मुद्रण उद्योग का विकास हुआ। 1920 में रेडियों का प्रसारण शुरू हुआ था। आकाशवाणी के कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाचार, सामाजिक विषय और विकास पर चर्चाएँ होती थी। स्वतन्त्रता के बाद प्रिंट मीडिया ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

1. स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत में कितने रेडियो स्टेशन थे –

   (अ) छः (ब) सात

   (स) आठ (द) नौ ( )

2. निम्न में से कौन सा तमिल समाचार – पत्र है ?

   (अ) दिनतंती (ब) मलयाली मनोरमा

   (स) ईनाडु (द) हिन्दुस्तान ( )

3. प्रारम्भ में छपाई का काम किस तरह की पुस्तक तक सीमित था –

   (अ) सामाजिक (ब) राजनीतिक

   (स) धार्मिक (द) आर्थिक ( )

4. केसरी समाचार पत्र किस भाषा से सम्बन्धित था –

   (अ) मराठी (ब) तमिल

   (स) गुजराती (द) बंगाली ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. मिरात–उल–अखबार नामक समाचार पत्र ....भाषा में प्रकाशित होता था। (रोमन / फारसी)
2. पुस्तक छापने का सर्वप्रथम कार्य .... में शुरू हुआ। (चीन / यूरोप)

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 भारत में रेडियों का प्रसारण कब शुरू हुआ ?

प्रश्न 2 प्रिंट मीडिया के अन्तर्गत क्या आते है ?

प्रश्न 3 भारत में गैर–सरकारी उपग्रह चैनल का आगमन कब हुआ ?

प्रश्न 4 औद्योगिक क्रान्ति के साथ किस उद्योग का विकास हुआ ?

प्रश्न 5 किसी एक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उदाहरण दीजिए।

प्रश्न 6 राजा राममोहनराय द्वारा बांग्ला भाषा में कौन सा समाचार पत्र प्रकाशित किया गया ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्रश्न 7 जनसम्पर्क के साधन कौन–कौन से है ?

प्रश्न 8 भारत में टी.वी. प्रसारण के तेजी से वाणिज्यीकरण का क्या कारण है ?

प्रश्न 9 सोप ओपेरा किसे कहते है ?

प्रश्न 10 राष्ट्रीय प्रेस को कैसी सूचनाएँ देने का साहस करना चाहिए ?

प्रश्न 11 पिछले तीन दशकों में मीडिया उद्योग में कौन से रूपान्तरण हुए ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्रश्न 12 इलेक्ट्रॉनिक अर्थव्यवस्था से आप क्या समझते है ?

प्रश्न 13 प्रिंट मीडिया की कठिनाई क्या है ?

प्रश्न 14 'जनसंचार माध्यम (मास मीडिया) हमारे दैनिक जीवन का एक अंग है।' उपर्युक्त उदाहरण सहित टिप्पणी कीजिए ।

प्रश्न 15 मोबाइल फोन विविध प्रकार के सामाजिक समूहो की आवश्यकता को कैसे पूरा करते है ?

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.16. मास मीडिया हमारे दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। स्पष्ट कीजिए।

प्र.17. भारत में राष्ट्रवाद की विकास में समाचार पत्रों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

अध्याय–15

सामाजिक आन्दोलन

सामाजिक आन्दोलन ने उस विश्व को एक आकार दिया है, जिसमें हम रहते है और सामाजिक आन्दोलनों ने हमें बहुत से अधिकार दिलाये है। जैसे सप्ताहांत में एक दिन के विश्राम का अधिकार, कार्यदिवस का आठ घण्टे का होना, समान कार्य के लिए समान मजदूरी, मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा और पेंशन के अधिकार, वयस्क मताधिकार आदि। सामाजिक आन्दोलन न केवल समाजों को बदलते है बल्कि अन्य सामाजिक आन्दोलनों को प्रेरणा भी देते हैं। सामाजिक आन्दोलनो के कई रूप होते है, लेकिन उनका उद्देश्य सिर्फ न्याय की माँग होता है। सुधारवादी आन्दोलन क्रान्तिकारी, प्रतिदानात्मक आदि आन्दोलनों ने समाज की दिशा एवं दशा दोनों को बदला है एवं समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

1 20वीं सदी के अधिकांश भाग में सामाजिक आन्दोलन निम्न में से किस पर आधारित थे ?

(अ) जाति (ब) वर्ग

(स) धर्म (द) व्यवसाय ( )

2 पुराने सामाजिक आन्दोलनों में किसकी केन्द्रीय भूमिका होती थी ?

(अ) सामाजिक दल (ब) धार्मिक नेता

(स) जातिय नेता (द) अन्य ( )

3 निम्न में से सामाजिक आन्दोलन के विरोध का साधन कौनसा है ?

(अ) मोमबती जलाना (ब) काले कपड़े का प्रयोग

(स) नुक्कड़ नाटक (द) उपर्युक्त सभी ( )

4 सूचना के अधिकार का अभियान किस सामाजिक आन्दोलन का उदाहरण है ?

(अ) प्रतिदानात्मक (ब) सुधारवादी

(स) क्रांतिकारी (द) अन्य ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. .... आन्दोलन हिमालय की तलहटी पारिस्थितिकीय आन्दोलन है। (चिपको / खेजड़ली)

2. 1859–62 का विद्रोह .... की खेती के विरूद्ध था। (नील / गेहूॅ)

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 1859–62 के किसान आन्दोलन का मुख्य कारण क्या था ?

प्रश्न 2 बारदोली सत्याग्रह अभियान किस जिले में शुरु हुआ ?

प्रश्न 3 सामाजिक आन्दोलन समाज में क्या भूमिका निभाते है ?

प्रश्न 4 नक्सली आन्दोलन किस क्षेत्र में शुरु हुआ ?

प्रश्न 5 प्रति आन्दोलन का एक उदाहरण दीजिए।

प्रश्न 6 झारखण्ड के लिए सामाजिक आन्दोलन के आदिवासी नेता का नाम क्या था ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)

प्रश्न 7 सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक आन्दोलन में अन्तर बताइये।

प्रश्न 8 कृषक आन्दोलन का मुख्य उद्देश्य क्या था ?

प्रश्न 9 महिला आन्दोलन के क्या कारण थे ?

प्रश्न 10 सामाजिक आन्दोलन क्या है ?

प्रश्न 11 गांधीजी ने स्वतंत्रता आन्दोलन में किन साधनों को अपनाया था ?

प्रश्न 12 प्रतिदानात्मक सामाजिक आन्दोलन का लक्ष्य क्या होता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)

प्रश्न 13 चिपको आन्दोलन के बारे में आप क्या जानते है ?

प्रश्न 14 सामाजिक आन्दोलन की तीन विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 15 दलितो के सामाजिक आन्दोलन के क्या कारण है ?

प्रश्न 16 सामाजिक आन्दोलन के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 17 नव सामाजिक आन्दोलन से आप क्या समझते है ?

निबन्धात्मक प्रश्न :–

प्र.18. भारत में जनजातीय आन्दोलनों के प्रमुख कारण लिखिए।